



सत्यमेव जयते

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांचा मार्च 2021
रोजी संपलेल्या वर्षाचा अनुपालन लेखापरीक्षा अहवाल

Report of the Comptroller and Auditor General of India
on Compliance Audit for the year ended March 2021



SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

Marathi

English



महाराष्ट्र शासन
Government of Maharashtra

वर्ष 2023 चा अहवाल क्रमांक 3
Report No. 3 of the year 2023



सत्यमेव जयते

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक
यांचा
मार्च 2021 रोजी संपलेल्या वर्षाचा
अनुपालन लेखापरीक्षा अहवाल



SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest



महाराष्ट्र शासन
वर्ष 2023 चा अहवाल क्रमांक 3

**भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक
यांचा
मार्च 2021 रोजी संपलेल्या वर्षाचा
अनुपालन लेखापरीक्षा अहवाल**

**महाराष्ट्र शासन
वर्ष 2023 चा अहवाल क्रमांक 3**

अनुक्रमणिका

| | संदर्भ | |
|---|------------------|---------------|
| | परिच्छेद क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक |
| उपोद्घात | | xi |
| कार्यकारी सारांश | | xiii - xviii |
| प्रकरण-I प्रस्तावना | | |
| या अहवालासंबंधी | 1.1 | 1 |
| लेखापरीक्षण केलेल्या घटकांची प्रोफाइल | 1.2 | 2 |
| लेखापरीक्षणासाठी प्राधिकार | 1.3 | 3 |
| प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-I, महाराष्ट्र, मुंबई आणि महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपूर यांच्या कार्यालयांची संघटनात्मक संरचना | 1.4 | 3 |
| लेखापरीक्षणाचे नियोजन आणि आयोजन | 1.5 | 3 |
| लेखापरीक्षणाला शासनाचा प्रतिसाद | 1.6 | 4 |
| प्रकरण II व्यवहारांचे लेखापरीक्षण (राज्य शासकीय विभाग) | | |
| सार्वजनिक बांधकाम विभाग | | |
| सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे हाती घेतलेली इमारती आणि रस्ते ठेवी कामे | 2.1 | 9 |
| दुरुस्तीच्या कामांवर विभागाने केलेल्या खर्चाची वसुली करण्यास विलंब झाल्यामुळे सवलतदारांना ₹ 1.44 कोटींचा अनुचित लाभ | 2.2 | 30 |
| राष्ट्रीय राजमार्ग म्हणून अधिसूचित केलेल्या रस्त्याच्या रुंदीकरणावर ₹ 3.48 कोटींचा टाळता येण्याजोगा खर्च | 2.3 | 32 |
| महसूल व वन विभाग | | |
| स्वर्गीय उत्तमराव पाटील वन उद्यान निर्मिती योजनेची महाराष्ट्रात अंमलबजावणी | 2.4 | 35 |
| वस्तू आणि सेवा कर विभाग | | |
| वस्तू आणि सेवा कर ट्रांझिशनल क्रेडिट्स | 2.5 | 52 |
| वस्तू आणि सेवा कर परतावा | 2.6 | 70 |

| | संदर्भ | |
|--|------------------|---------------|
| | परिच्छेद क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक |
| कराची कमी आकारणी | 2.7 | 100 |
| चुकीच्या परिगणनेमुळे व्याजाची कमी आकारणी | 2.8 | 101 |
| महाराष्ट्र मूल्यवर्धित करांतर्गत परताव्याचे ज्यादा प्रदान | 2.9 | 102 |
| मुद्रांक शुल्क आणि नोंदणी विभाग | | |
| भाडेपट्टा विलेखाच्या प्रकरणांत मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.10 | 103 |
| मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.11 | 110 |
| महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियम आणि वार्षिक दर विवरणाच्या चुकीच्या/लागू न केलेल्या प्रावधानांमुळे अभिहस्तांतरण पत्रामध्ये मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.12 | 118 |
| एका संलेखात विविध बाबींचा विचार न करणे आणि गहाण खताचे एकत्रीकरण यामुळे मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.13 | 121 |
| हक्क सोड विलेखावर मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.14 | 122 |
| प्रकरण III व्यवहारांचे लेखापरीक्षण (राज्य सार्वजनिक उपक्रम) | | |
| ऊर्जा विभाग | | |
| महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित | | |
| महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादितच्या उज्जवल डिस्कॉम अॅश्युरन्स योजनेच्या (उदय) पूर्वीची आणि नंतरची कामगिरी | 3.1 | 125 |
| परिवहन विभाग | | |
| महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळ | | |
| 'महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळातील ई-तिकिटींग प्रणालीचे संगणकीकरण' यावरील कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षणाचे पाठपुरावा लेखापरीक्षण | 3.2 | 145 |
| ₹ 4.05 कोटींचा निष्फळ खर्च | 3.3 | 164 |

| परिशिष्टे | परिशिष्ट क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक |
|--|------------------|---------------|
| महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपूर यांच्या अधिकार क्षेत्रांतर्गत क्लस्टर-निहाय विभागांची, स्वायत्त संस्थांची आणि सार्वजनिक उपक्रमांची यादी दर्शविणारे विवरण | 1.1 | 167 |
| डिसेंबर 2020 पर्यंत निर्गमित परंतु 30 जून 2021 रोजी विभाग-निहाय प्रलंबित असलेले निरीक्षण अहवाल/ परिच्छेद | 1.2 | 170 |
| प्रलंबित स्पष्टीकरणात्मक जापन/अनौपचारिक संदर्भांची स्थिती | 1.3 | 172 |
| लोक लेखा समिती/सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशींची क्लस्टर-निहाय स्थिती, ज्यावर कारवाई केलेल्या टिप्पण्यांची प्रतीक्षा होती | 1.4 | 173 |
| नमुना घेतलेल्या विभागांची यादी | 2.1.1 | 174 |
| निधीचे अल्प विमोचन | 2.1.2 | 175 |
| अपूर्ण कामे आणि निधीची कमतरता यामुळे थांबलेली कामे | 2.1.3 | 176 |
| सिमेंट कॉन्क्रीट क्यूब्सच्या तपासणीला झालेल्या विलंबाचा तपशील | 2.1.4 | 177 |
| जोखीम आणि खर्चावर केलेली सामान्य दुरुस्ती दर्शविणारे विवरण | 2.2.1 | 178 |
| निवडलेल्या 15 जिल्ह्यांमध्ये निर्मितीसाठी हाती घेतलेल्या जैव-विविधता उद्यानांचा तपशील | 2.4.1 | 181 |
| तक्ता 5 c नुसार कलम 140(1), 140(4)(a) अंतर्गत अग्रेषित जास्त क्रेडिट | 2.5.1 | 182 |
| तक्ता 5 c प्रमाणे लेगसी रिटर्न दाखल न करता कलम 140(1), 140(4) (a) अंतर्गत अग्रेषित अनियमित क्रेडिट | 2.5.2 | 189 |
| पूर्व लेगसी रिटर्न पासून क्रेडिटचा अनियमित लाभ | 2.5.3 | 190 |
| तक्ता 6(b) नुसार कलम 140(2) अंतर्गत भांडवली वस्तूंच्या संदर्भात लाभ न घेतलेल्या केंद्रीय मूल्यवर्धित कर क्रेडिटचे अनियमित अग्रेषण | 2.5.4 | 191 |

| परिशिष्टे | परिशिष्ट क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|------------------|---------------|
| बांधकाम व्यावसायिक आणि विकासकांनी कलम 140 (4)(b), 140(6), 140(7) अंतर्गत स्टॉकमध्ये ठेवलेल्या इनपुटवर किंवा स्टॉकमध्ये ठेवलेल्या अर्धतयार अथवा तयार वस्तूंमधील इनपुटवर करांच्या क्रेडिटचा अनियमित लाभ | 2.5.5 | 192 |
| दुसऱ्यांदा पेमेंट अॅडवाईस जारी केल्यामुळे जास्तीचे वस्तू व सेवा कर परतावा भरणा झाल्याची प्रकरणे दर्शविणारे विवरण (करदात्याने जास्तीच्या परताव्याची परतफेड केली) | 2.6.1 | 193 |
| दुसऱ्यांदा पेमेंट अॅडवाईस जारी केल्यामुळे वस्तू व सेवा करांच्या परताव्याचे जास्तीचे पेमेंट दर्शविणाऱ्या प्रकरणांचे विवरण (करदात्याने जास्तीच्या परताव्याची परतफेड केली नाही) | 2.6.2 | 195 |
| कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (अर्जाच्या पोचपावतीत विलंब) स्वयंचलित प्रणाली पूर्व | 2.6.3 | 196 |
| कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (अर्जाच्या पोचपावतीत विलंब) स्वयंचलित प्रणाली पश्चात | 2.6.4 | 197 |
| कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (शून्य रेटेड पुरवठ्याच्या कारणास्तव तात्पुरता परतावा वेळेत मंजूर झाला नाही) स्वयंचलित प्रणाली पूर्व | 2.6.5 | 199 |
| कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (शून्य रेटेड पुरवठ्यामुळे तात्पुरता परतावा वेळेत मंजूर झाला नाही) स्वयंचलित प्रणाली पश्चात | 2.6.6 | 200 |
| कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (देय व्याज-प्रदान केलेले/न केलेले) स्वयंचलित प्रणाली पूर्व | 2.6.7 | 202 |

| परिशिष्ट | परिशिष्ट क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|------------------|---------------|
| कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (अंतिम परतावा आदेश वेळेत निर्गमित केलेला नाही (देय व्याज-प्रदान केलेले/न केलेले) स्वयंचलित प्रणाली पश्चात | 2.6.8 | 203 |
| कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (शून्य रेटेड समायोजित उलाढाल न जुळल्यामुळे परताव्याचे अतिरिक्त प्रदान) | 2.6.9 | 205 |
| कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (शून्य रेटेड वस्तू/सेवांच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे अतिरिक्त परतावा-चुकीचे इनपुट टॅक्स क्रेडिट) | 2.6.10 | 206 |
| शून्य रेटेड वस्तू/सेवांच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे अतिरिक्त परतावा मंजूर केलेल्या प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण - भांडवली वस्तूवर परताव्याचे अनियमित प्रदान | 2.6.11 | 207 |
| इन्व्हर्टेड इयूटी स्ट्रक्चरच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे अतिरिक्त परतावा दर्शविणारे विवरण पत्र (विवरण 1-A/संलग्नक-B/GSRT 3B सोबत इन्व्हर्टेड उलाढाल न जुळणे) | 2.6.12 | 208 |
| इन्व्हर्टेड इयूटी स्ट्रक्चरच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे अतिरिक्त परतावा दर्शविणारे विवरण (समायोजित एकूण उलाढालीचे चुकीचे निर्धारण) | 2.6.13 | 209 |
| इन्व्हर्टेड इयूटी स्ट्रक्चरच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे जास्तीचा परतावा दर्शविणारे विवरण (निव्वळ ITC न जुळणे) | 2.6.14 | 211 |
| पुनःक्रेडिटच्या सूचनांचे अनुपालन न करण्यासंबंधी आणि चुकीच्या/अयोग्य ITC च्या वसुलीच्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण | 2.6.15 | 212 |
| इन्व्हर्टेड इयूटी स्ट्रक्चर अंतर्गत परताव्यासाठी करदात्याने बीजक तपशील सादर न करता परतावा मंजूर केलेल्या परतावा प्रकरणांची सूची दर्शविणारे विवरण (परिशिष्ट ब) | 2.6.16 | 215 |

| परिशिष्टे | परिशिष्ट क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक |
|---|------------------|---------------|
| कराची कमी आकारणी | 2.7.1 | 223 |
| चुकीच्या गणनेमुळे व्याजाची कमी आकारणी | 2.8.1 | 224 |
| महाराष्ट्र मूल्यवर्धित करांतर्गत परताव्याचे अतिरिक्त प्रदान | 2.9.1 | 225 |
| बांधलेल्या क्षेत्राचा विचार न केल्यामुळे भाडेपट्टीवर ₹ 1.06 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.10.1 | 229 |
| मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 1.16 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.10.2 | 230 |
| मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 12.29 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.10.3 | 231 |
| भाडेपट्ट्याच्या नूतनीकरणाच्या कालावधीचा विचार न केल्यामुळे ₹ 16.26 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.10.4 | 232 |
| भाडेपट्ट्याच्या नूतनीकरणाच्या कालावधीचा विचार न केल्यामुळे ₹ 21.93 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.10.5 | 233 |
| भाडेपट्टाकराराच्या नूतनीकरणावर ₹ 4.00 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.10.6 | 234 |
| बाजार मूल्याची चुकीची परिगणना केल्यामुळे ₹ 39.39 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.11.1 | 235 |
| मालकाच्या हिश्याची चुकीची परिगणना झाल्यामुळे ₹ 55.13 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.11.2 | 236 |
| मालकाच्या हिश्याची चुकीची परिगणना केल्यामुळे ₹ 1.07 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.11.3 | 238 |
| मालकाच्या हिश्याची चुकीची परिगणना केल्यामुळे ₹ 10.27 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.11.4 | 240 |
| मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 91.43 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.11.5 | 241 |
| मोबदल्याच्या चुकीच्या परिगणनेमुळे ₹ 17.70 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी-सोसायटीचा पुनर्विकास | 2.11.6 | 242 |
| मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 40.96 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.12.1 | 246 |

| परिशिष्टे | परिशिष्ट क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक |
|--|------------------|---------------|
| मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 56.06 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.12.2 | 247 |
| गहाणखतांचे एकत्रीकरण केल्यामुळे ₹ 30.00 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.13.1 | 248 |
| मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 23.12 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | 2.14.1 | 249 |

उपोद्घात

31 मार्च 2021 रोजी संपलेल्या वर्षासाठी भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांचा हा अहवाल भारतीय राज्यघटनेच्या अनुच्छेद 151 अंतर्गत महाराष्ट्र राज्याच्या राज्यपालांना सादर करण्यासाठी तयार करण्यात आला आहे.

हा अहवाल भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांनी जारी केलेल्या नियंत्रक व महालेखापरीक्षक (कर्तव्ये, अधिकार आणि सेवा शर्ती) अधिनियम, 1971 आणि त्या अंतर्गत निर्गमित लेखापरीक्षा व लेखा विनियम, 2020 यांच्या तरतुदींतर्गत आयोजित महाराष्ट्र शासनाचे शासकीय विभाग, स्वायत्त संस्था आणि सार्वजनिक उपक्रम यांच्या लेखापरीक्षाशी संबंधित आहे. हा अहवाल भारतीय राज्यघटनेच्या कलम 151(2) अंतर्गत राज्य विधान मंडळासमोर सादर करणे आवश्यक आहे.

या अहवालात नमूद केलेली प्रकरणे ही वर्ष 2019-20 आणि 2020-21 या कालावधीतील चाचणी तपासणी करते वेळी निदर्शनास आलेल्या परंतु मागील लेखापरीक्षा अहवालांमध्ये ज्यांचा परामर्श घेणे शक्य झाले नाही, अशा प्रकरणांपैकी आहेत, वर्ष 2020-21 नंतरच्या कालावधीशी संबंधित प्रकरणे देखील आवश्यक तेथे समाविष्ट करण्यात आली आहेत.

भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांनी निर्गमित केलेल्या लेखापरीक्षांच्या मानकांनुसार (मार्च 2017) लेखापरीक्षण करण्यात आले आहे.

टीप: मूळ इंग्रजी अहवालावरून अनुवादित: शंका समाधानासाठी कृपया इंग्रजी अहवाल पाहावा.

कार्यकारी सारांश

कार्यकारी सारांश

भारताचे नियंत्रक आणि महालेखापरीक्षक यांचा हा अहवाल, शासकीय विभाग, स्वायत्त संस्था आणि महाराष्ट्र शासनाच्या सार्वजनिक उपक्रमांच्या अनुपालन लेखापरीक्षणामुळे उद्भवलेल्या बाबींशी संबंधित आहे. अनुपालन लेखापरीक्षण म्हणजे भारताचे संविधान, लागू कायदे, नियम, विनियम आणि अधिकाऱ्यांनी जारी केलेले विविध आदेश आणि सूचनांचे अनुपालन केले जात आहे की नाही हे तपासण्यासाठी, लेखापरीक्षित संस्थांच्या खर्चाची आणि महसुलाची केलेली तपासणी.

लेखापरीक्षणाचे महत्त्वपूर्ण परिणाम राज्य विधानमंडळाच्या निदर्शनास आणणे हा या अहवालाचा प्राथमिक उद्देश आहे. लेखापरीक्षणाच्या निष्कर्षामुळे कार्यकारिणीला सुधारात्मक कृती करण्यास सक्षम करणे आणि धोरणे आणि निर्देश तयार करणे अपेक्षित आहे ज्यामुळे संस्थेच्या कार्यचालन कार्यक्षमतेत आणि वित्तीय व्यवस्थापनात सुधारणा होईल आणि अशा प्रकारे चांगल्या प्रशासनाला हातभार लागेल.

या अहवालात तीन प्रकरणांमध्ये लेखापरीक्षण निष्कर्षांचा समावेश आहे. **प्रकरण I** मध्ये "प्रस्तावना, लेखापरीक्षण केलेल्या घटकांची प्रोफाइल, लेखापरीक्षणाचे नियोजन आणि आयोजन, लेखापरीक्षणाला शासनाचा प्रतिसाद", **प्रकरण II** मध्ये शासकीय विभागांशी संबंधित लेखापरीक्षण निरीक्षणे आणि **प्रकरण III** सार्वजनिक उपक्रमांशी संबंधित लेखापरीक्षण निरीक्षणे समाविष्ट आहेत.

या अहवालातील प्रमुख निष्कर्षांचा सारांश खाली सादर केला आहे:

प्रकरण I: प्रस्तावना

अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव यांच्या नेतृत्वाखाली महाराष्ट्र शासनाचे 14 विभाग, नऊ स्वायत्त संस्था आणि 64 सार्वजनिक उपक्रम आहेत ज्यांचे लेखापरीक्षण महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपूर द्वारे केले जाते.

लेखापरीक्षण अहवालामध्ये अंतर्भूत असलेले 112 परिच्छेद आणि पुनरावलोकनांवरील स्पष्टीकरणात्मक ज्ञापन प्रतीक्षित होते. लोक लेखा समिती आणि सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या 319 शिफारशींवर कारवाई केलेल्या टिप्पण्या 14 विभागांकडून प्रतीक्षित होत्या.

प्रकरण II: व्यवहारांचे लेखापरीक्षण: राज्य शासकीय विभाग

सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे हाती घेतलेली इमारती आणि रस्ते ठेवी कामे

सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे हाती घेतलेल्या इमारती आणि रस्ते ठेवी कामांच्या लेखापरीक्षणात असे दिसून आले की कामे रखडण्यासाठी आणि सार्वजनिक बांधकाम विभागासाठी दायित्व निर्माण करण्यासाठी निधीचे अपुरे विमोचन कारणीभूत आहे.

ठेवी कामे पूर्ण झाल्यानंतरही दुर्मिळ सरकारी निधीमधील ₹ 22 कोटी इतका मोठा निधी सार्वजनिक बांधकाम विभागांकडे अखर्चित राहिला. सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे विद्युतीकरण, पाणी पुरवठा आणि पूर्ण झालेल्या इमारती हस्तांतरित करण्यात न आल्यामुळे वापरकर्ता विभाग वांछित उद्देशासाठी बांधकाम केलेल्या इमारती/पायाभूत सुविधांचा वापर करू शकले नाही. अपुरे सर्वेक्षण आणि अयोग्य अंदाजाच्या परिणामी टाळता येण्याजोग्या अतिरिक्त बाबी आणि परिमाणाचे आधिक्य याची उदाहरणे आढळून आली. विनिर्दिष्ट गुणवत्ता नियंत्रण निकषांचे पालन करण्यात कमतरता निदर्शनास आल्या. निधीचे वळतीकरण, एकाच कामासाठी एकापेक्षा अधिक ओळख पत्र तयार करणे आणि ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली (DCMS) मध्ये कामाची स्थिती प्रदर्शित न करणे या घटनाही लक्षात आल्या. ठेवी कामांवर देखरेख आणि नियंत्रणाच्या अभावी महाराष्ट्र शासनाची दुर्मिळ आर्थिक संसाधने अपुऱ्या कामांमुळे विनावापर किंवा अवरोधित राहिली.

महाराष्ट्रात स्वर्गीय उत्तमराव पाटील वन उद्यान निर्माण करण्याच्या योजनेची अंमलबजावणी

'स्वर्गीय उत्तमराव पाटील वन उद्यान' म्हणून संबोधल्या जाणाऱ्या आणि महाराष्ट्र शासनाच्या योजनेतर्गत घेण्यात आलेल्या 67 जैव-विविधता उद्यानांपैकी केवळ 15 जैव-विविधता उद्याने पूर्णत्वास जाऊ शकली आणि हस्तांतरित करण्यात (मार्च 2021) आली. जागांच्या अयोग्य निवडीमुळे अयशस्वी वृक्षारोपण आणि अशासकीय जमिनीवर उद्यानांची निर्मिती झाली. अंदाजपत्रक आणि खर्च यावर नियंत्रणाचा अभाव होता. निधी कमी दिल्यामुळे योजनेची मुदत वाढली आणि बहुतांश उद्याने अपूर्ण राहिली. निर्धारित कालावधीत जैव-विविधता उद्याने पूर्ण न झाल्यामुळे आणि जैव-विविधता उद्यानांच्या निर्मिती दरम्यान तयार केलेल्या मालमत्तेच्या देखभालीसाठी तपशीलवार प्रकल्प अहवालात कोणतीही तरतूद नसल्यामुळे निर्मित मालमत्तेचा न्हास झाल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले.

वस्तू आणि सेवा कर ट्रांझिशनल क्रेडिट्स

"वस्तू आणि सेवा कर ट्रांझिशनल क्रेडिट्स" च्या लेखापरीक्षणात असे दिसून आले आहे की करदात्यांनी वस्तू आणि सेवा कर TRAN-1 मध्ये अनियमित घोषणेमुळे ट्रांझिशनल क्रेडिट्सचा अतिरिक्त लाभ घेतल्याची प्रकरणे लेखापरीक्षणाला आढळून आली. करदात्यांनी सर्व विहित रिटर्न्स भरले नसतानाही अनियमित ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ घेतला. भांडवली वस्तू, ट्रांझिटमधील वस्तू आणि प्रगतीपथावरील कामे/ तयार वस्तूंमध्ये समाविष्ट असलेल्या इनपुटवर ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या अनियमित लाभाची प्रकरणे देखील लेखापरीक्षणाला दिसून आली. वारंवार मागणी करूनही करदात्यांनी प्राप्त केलेल्या ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या दाव्यांच्या पडताळणीशी संबंधित अभिलेख

तपासणीसाठी सादर करण्यात राज्य कर आयुक्त अयशस्वी ठरले त्यामुळे विभागाद्वारे ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या पडताळणी बाबतच्या परिणामकारकतेची आणि आंतरिक नियंत्रण यंत्रणेची लेखापरीक्षा खात्री करू शकले नाही.

वस्तू आणि सेवा कर परतावा

"वस्तू आणि सेवा कर परतावा" च्या लेखापरीक्षणातून उघडकीस आले की परतावा अर्जाचा अर्ज संदर्भ क्रमांक तयार करण्यापूर्वी करदात्याचे इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट/कॅश लेजर डेबिट केले गेले नाहीत, परिणामी अनियमित परतावा मंजूर झाला. परतावा आदेश जारी करण्यास विलंब झाल्याची प्रकरणे होती, ज्यामुळे व्याज भरण्याची जबाबदारी निर्माण होते. एकूण देय रकमेपेक्षा जास्तीचे तात्पुरते परतावे दिल्याचेही लक्षात आले. निर्यातीचा पुरावा घेतल्याशिवाय शून्य रेटेड निर्यातीचे परतावे विभागाने दिले. भांडवली वस्तूंवरील इनपुट टॅक्स क्रेडिट, इनपुट सेवा आणि वस्तू व सेवा कर-पूर्व बीजके, जेथे लागू असेल तेथे परतावा मंजूर करण्यात विभागाने चूक केली. समायोजित एकूण उलाढाल, निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट, बीजकांचे मूल्य यासारख्या घटकांचे चुकीचे मूल्य विचारात घेतल्याची प्रकरणे लक्षात आली ज्याचा परिणाम जास्त परतावा देण्यात झाला. सदर क्रेडिटच्या अपात्रतेमुळे अप्रयुक्त इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा परतावा दावा नाकारल्यावर, विभागाने दावेदाराच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये नाकारलेल्या रकमेचे पुन्हा क्रेडिट सुनिश्चित केले नाही. विभागाने परतावा आदेशांच्या संप्रेषणाचा डेटा समकक्ष कर अधिकाऱ्यांना सादर केला नाही, परताव्याच्या दाव्यांच्या उत्तर-लेखापरीक्षणाशी संबंधित डेटा आणि करदात्याला वस्तू आणि सेवा कर परताव्याच्या भुगतान पद्धतीचा डेटा वारंवार विनंती करूनही लेखापरीक्षण पडताळणीसाठी सादर केला नाही.

वैयक्तिक लेखापरीक्षण निरीक्षणे

- विभागाकडून दुरुस्तीच्या कामांवर झालेल्या खर्चाच्या वसुलीतील विलंबामुळे सवलतदाराला ₹ 1.44 कोटींचा अनुचित लाभ आणि दुसऱ्या प्रकरणात राष्ट्रीय महामार्ग म्हणून अधिसूचित केलेल्या रस्त्याच्या लांबीच्या रुंदीकरणावर ₹ 3.48 कोटी टाळता येण्याजोगा खर्च लेखापरीक्षणात निदर्शनास आला.
- मूल्यवर्धित कर कार्यालयांच्या लेखापरीक्षणात कराच्या चुकीच्या दर आकारणीमुळे मूल्यवर्धित कर आणि त्यावरील व्याज ₹ 11.72 लाखांची कमी आकारणी दिसून आली. तसेच आणखी दोन प्रकरणांमध्ये महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2002 च्या कलम 30(3) अंतर्गत ₹ 47.06 लाखांची कमी व्याज आकारणी आणि कारखाना इमारतीच्या बांधकामात वापरल्या जाणाऱ्या इनपुट्सवर अयोग्य सेट-ऑफ मंजूर केल्यामुळे ₹ 21.56 लाखांचा जास्त परतावा दिसून आला.

- मुद्रांक शुल्क आणि नोंदणी विभागांतर्गत कार्यालयांच्या लेखापरीक्षणात एका प्रकरणात बांधलेल्या क्षेत्राचा विचार न केल्यामुळे, दोन प्रकरणांमध्ये नूतनीकरणाच्या कलमाचा विचार न केल्यामुळे आणि 11 प्रकरणांमध्ये बाजार मूल्याचे अवमूल्यन केल्यामुळे भाडेपट्टा विलेखाच्या 14 प्रकरणांमध्ये ₹ 6.72 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी उघडकीस आली.
- तीन प्रकरणांमध्ये लेखापरीक्षणात मालमत्तेचे योग्य बाजार मूल्य किंवा मोबदला उत्पन्न विभागणी करारांमध्ये योग्यरित्या परिगणित न केल्यामुळे ₹ 2.02 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी लक्षात आली. अन्य दोन प्रकरणांमध्ये महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियम, 1958 आणि वार्षिक विवरणपत्राच्या तरतुदी चुकीच्या पद्धतीने लागू केल्यामुळे/लागू न केल्यामुळे परिवहन विलेखामध्ये ₹ 0.97 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले. तसेच एका प्रकरणात गहाण खताच्या एकत्रीकरणामुळे ₹ 0.30 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी आणि रिलीझ डीडच्या एका प्रकरणात ₹ 0.23 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी लक्षात आली.

प्रकरण III: व्यवहारांचे लेखापरीक्षण: राज्य सार्वजनिक उपक्रम

महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादितच्या उज्ज्वल डिस्कॉम अॅश्रुरंस योजनेच्या (उदय) पूर्वीची आणि नंतरची कामगिरी

उदय योजनेच्या लेखापरीक्षणात हे उघड झाले की महावितरणला त्याच्या उच्च किंमतीच्या ऋणाची परतफेड करण्यासाठी योजनेंतर्गत महाराष्ट्र शासनाकडून ₹ 4,960 कोटी रक्कम मिळाली असली तरी विविध कार्यचालनात्मक मापदंड साध्य करण्यासाठी इतर कोणताही समर्पित निधी प्राप्त झाला नाही. परिणामी, महावितरणकडे त्याच्या स्वतःच्या संसाधनांद्वारे किंवा इतर केंद्र/राज्य योजनांतर्गत कार्यचालनात्मक मापदंड सुधारणे भाग पडले. महावितरणने शासन निर्णय (डिसेंबर 2016) नुसार ₹ 1,653 कोटींचा निधी उभारण्यासाठी हमी मिळविण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाशी संपर्क साधला (मार्च 2017), महाराष्ट्र शासनाने निधी उभारणीसाठी महावितरणला हमी देण्यास सहमती नाकारली. महावितरणची थकबाकी भरण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाच्या विभागांकडून कोणतीही दृढ वचनबद्धता नव्हती. एकूण तांत्रिक आणि व्यावसायिक तोटा अपेक्षित पातळीपर्यंत खाली आणण्याचे आपले उद्दिष्ट महावितरण साध्य करू शकले नाही. याउलट, मुख्यतः कृषी ग्राहकांकडून आणि राज्य शासनाच्या विविध विभागांकडून कमी संकलनामुळे महावितरणचा एकूण तांत्रिक आणि व्यावसायिक तोटा 2018-19 मधील 16.94 टक्क्यांवरून 2020-21 मध्ये 20.73 टक्क्यांपर्यंत वाढला होता.

अशा प्रकारे, उदय योजना राबवूनही महावितरणचे वित्तीय आणि कार्यचालनात्मक प्रत्यावर्तन साध्य करण्याचे मुख्य उद्दिष्ट साध्य झाले नाही.

'महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळातील ई-तिकीटिंग प्रणालीचे संगणकीकरण' वरील कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षणाचे पाठपुरावा लेखापरीक्षण

'महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळातील ई-तिकीटिंग प्रणालीचे संगणकीकरण' वरील कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षणाच्या पाठपुरावा लेखापरीक्षणातून असे दिसून आले आहे की सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशींचे दोन महिन्यांच्या विहित कालावधीत पूर्णपणे अनुपालन केले गेले नाही. लेखापरीक्षणात हे देखील उघड झाले की कराराची जाहिरात निश्चित करण्यात विलंब झाल्यामुळे तिकीटांच्या विक्रीवरील संभाव्य महसूली तोटा आणि इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणाऱ्या मशीन¹ द्वारे विविध सवलतींशी संबंधित समस्यांचे निराकरण केले गेले नाही. इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणारे मशीन आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणालीची अंमलबजावणी आणि देखरेख करण्यासाठी पूर्ण आणि विश्वासाह डेटा ठेवण्यासाठी पुरेशी इनपुट नियंत्रणे आणि प्रमाणीकरण तपासण्या नव्हत्या.

वैयक्तिक लेखापरीक्षण निरीक्षण

- महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाद्वारे मंचर येथे स्वतःच्या धोरणाच्या विरोधात विद्यमान दोन डेपोंच्या 30 किमी मध्ये डेपोच्या बांधकामामुळे ₹ 4.05 कोटींचा निष्फळ खर्च झाला.

मुख्य शिफारशी

प्रकरण-II: व्यवहारांचे लेखापरीक्षण: राज्य शासकीय विभाग

सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे हाती घेतलेली इमारती आणि रस्ते ठेवी कामे

1. शासन हे सुनिश्चित करू शकते की वापरकर्ता विभाग सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे वेळेत निधी जमा करेल जेणेकरून कामे विलंबाशिवाय कार्यान्वित होतील.
2. कामे वेळेवर पूर्ण करणे आणि पूर्ण केलेली कामे वापरकर्ता विभागांना सुपूर्द करणे हे शासन सुनिश्चित करू शकेल.
3. ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली सुव्यवस्थित करणे आणि ठेवी कामांचे आंतरिक नियंत्रण आणि देखरेख प्रणालीचे बळकटीकरण हे शासन सुनिश्चित करू शकते.

¹ इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणारे मशीन नावाच्या मशीनद्वारे वाहकाने बसमध्ये चढणाऱ्या प्रवाशांना जारी केलेल्या सर्व तिकीटांचे तपशील हस्तगस्त करण्यासाठी अनुप्रयोग (ऑप्लिकेशन) विकसित केले आहे.

वस्तू आणि सेवा कर ट्रांझिशनल क्रेडिट्स

1. लेखापरीक्षास अभिलेखे वेळेवर सादर करणे विभागाने सुनिश्चित करावे.
2. विभाग 2018 च्या अंतर्गत परिपत्रक क्रमांक 23A च्या तरतुदींवर पुनर्विचार करू शकतो आणि भांडवली वस्तूंवरील न घेतलेल्या इनपुट टॅक्स क्रेडिटवर स्पष्टीकरण जारी करू शकतो.
3. करदात्याद्वारे अनियमित/अतिरिक्त इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ घेणे/उपयोग टाळण्यासाठी करदात्याद्वारे ट्रांझिशनल क्रेडिट मिळविण्यासाठी आवश्यक असलेल्या सर्व अटींचे पालन करणे विभागाने सुनिश्चित केले पाहिजे.
4. ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या अनियमित अतिरिक्त लाभाच्या वसुलीसाठी संबंधित करदात्याला डिमांड नोटीसेस जारी करण्यासाठी विभागाने कारवाई सुरू करणे आवश्यक आहे.

वस्तू आणि सेवा कर परतावा

1. अर्ज संदर्भ क्रमांक तयार करण्यापूर्वी आणि परतावा आदेश जारी करण्यापूर्वी इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट/कॅश लेजरमध्ये डेबिट करणे विभागाने सुनिश्चित केले पाहिजे.
2. विभागाने लेखापरीक्षासाठी मागणी केलेल्या अभिलेखे/विवरणांची उपलब्धता आणि सादारीकरणाची खात्री करावी.
3. योग्यरित्या आणि वेळेवर परतावा प्रकरणे निकाली काढण्यासाठी कोडल तरतुदी आणि शासनाद्वारे वेळोवेळी जारी केलेल्या सूचनांचे अनुपालन सुनिश्चित करावे.

प्रकरण III: व्यवहारांचे लेखापरीक्षण: राज्य सार्वजनिक उपक्रम

महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादितच्या उज्ज्वल डिस्कॉम अॅश्युरंस योजनेच्या (उदय) पूर्वीची आणि नंतरची कामगिरी

1. स्थानिक स्वराज्य संस्था आणि विभागांकडून महावितरणची सार्वजनिक जलप्रदाये आणि पथदिवे यांच्या संदर्भात सर्व विद्युत थकबाकी निर्धारित वेळेत भरली गेली हे शासन सुनिश्चित करेल.
2. महावितरणने डीटी मीटरिंग, फीडर सेग्रीगेशन मोहीम पूर्ण करावी आणि बिलिंग आणि संकलन कार्यक्षमता सुधारून एकूण तांत्रिक आणि व्यावसायिक तोटा 15 टक्के किंवा त्यापेक्षा कमी करावा.

प्रकरण ।

प्रस्तावना

प्रकरण ।

प्रस्तावना

1.1 या अहवालासंबंधी

भारताचे नियंत्रक आणि महालेखापरीक्षक यांचा हा अहवाल महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपूर यांच्या अखत्यारीतील विविध क्लस्टर्स अंतर्गत येणाऱ्या महाराष्ट्र शासनाचे शासकीय विभाग, स्वायत्त संस्था आणि सार्वजनिक उपक्रमांच्या अनुपालन लेखापरीक्षणातून उद्भवलेल्या प्रकरणांशी संबंधित आहे. या कार्यालयाद्वारे लेखापरीक्षण केले जाणारे विभाग, स्वायत्त संस्था आणि सार्वजनिक उपक्रमांची क्लस्टर-निहाय यादी तक्ता 1.1 मध्ये दर्शविली आहे व तपशील परिशिष्ट 1.1 मध्ये दिलेला आहे.

तक्ता 1.1: या कार्यालयाद्वारे लेखापरीक्षण केलेले विभाग, स्वायत्त संस्था आणि सार्वजनिक उपक्रमांची क्लस्टर-निहाय यादी

| क्लस्टरचे नाव | विभागांची संख्या | स्वायत्त संस्थांची संख्या | सार्वजनिक उपक्रमांची संख्या |
|----------------------------------|------------------|---------------------------|-----------------------------|
| ऊर्जा व वीज | 1 | 2 | 8 |
| उद्योग आणि वाणिज्य | 2 | 1 | 32 |
| परिवहन/वाहतूक | 2 | 1 | 6 |
| पर्यावरण, विज्ञान आणि तंत्रज्ञान | 2 | 2 | 4 |
| सार्वजनिक बांधकाम | 2 | 1 | 9 |
| वित्त | 2 | -- | 3 |
| माहिती तंत्रज्ञान व दळणवळण | 1 | -- | 1 |
| कायदा व सुव्यवस्था | 2 | 2 | 1 |
| एकूण | 14 | 9 | 64 |

भारतीय संविधानातील तरतुदी, लागू कायदे, नियम, विनियम आणि सक्षम अधिकाऱ्यांनी दिलेले विविध आदेश व सूचना यांचे अनुपालन केले जाते आहे हे तपासण्यासाठी लेखापरीक्षण केलेल्या संस्थांच्या खर्चाची आणि महसुलाची तपासणी म्हणजे अनुपालन लेखापरीक्षण.

लेखापरीक्षणाचे महत्त्वाचे परिणाम राज्य विधानमंडळाच्या निदर्शनास आणून देणे हा या अहवालाचा प्राथमिक उद्देश आहे. लेखापरीक्षण मानके ही अहवालासाठी भौतिकतेची पातळी व व्यवहारांचे स्वरूप, व्याप्ती आणि परिमाण यांच्याशी सुसंगत असणे आवश्यक आहेत. लेखापरीक्षणाच्या निष्कर्षामुळे कार्यकारिणीला सुधारात्मक कृती तसेच धोरणे आणि निर्देश तयार करण्यास सक्षम करणे अपेक्षित आहे ज्यामुळे संस्थांची

कार्यचालन क्षमता आणि आर्थिक व्यवस्थापन सुधारले जाईल आणि त्यामुळे चांगल्या प्रशासनास हातभार लागेल.

1.2 लेखापरीक्षण केलेल्या घटकांची प्रोफाइल

राज्यातील सचिवालय स्तरावरील विभागांचे प्रमुख अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव असतात आणि त्यांना संचालक/आयुक्त आणि अधीनस्थ अधिकारी मदत करतात.

वर्ष 2020-21 दरम्यान राज्य शासनाच्या राजकोषीय व्यवहारांचा मागील वर्षाशी तुलना केलेला सारांश तक्ता 1.2 मध्ये दिला आहे.

तक्ता 1.2: वर्ष 2019-20 आणि 2020-21 मधील राजकोषीय व्यवहारांचा सारांश

(₹ कोटीमध्ये)

| जमा | 2019-20 | 2020-21 | वितरण | 2019-20 | 2020-21 |
|--------------------------------|---------------|--------------------|-------------------------------|---------------|--------------------|
| विभाग-अ: महसूल | | | | | |
| महसूल प्राप्ती | 283190 | 269468 | महसुली खर्च | 300305 | 310610 |
| कर महसूल | 188948 | 164255 | सामान्य सेवा | 100050 | 103854 |
| करेतर महसूल | 14297 | 15976* | सामाजिक सेवा | 122947 | 122024* |
| केंद्रीय कर/ शुल्काचा हिस्सा | 36220 | 36504 | आर्थिक सेवा | 56044* | 64336 |
| भारत सरकार कडून अनुदान | 43725 | 52733 | अनुदान आणि अंशदान | 21264 | 20396 |
| विभाग ब: भांडवल आणि इतर | | | | | |
| संकीर्ण भांडवली जमा | 0 | 0 | भांडवली परिव्यय | 36416 | 29687 |
| कर्ज आणि अग्रिमांची वसुली | 1615 | 1612 | कर्ज आणि अग्रिमे संवितरीत | 1970 | 2342 |
| लोक ऋण जमा [@] | 55396 | 87357 | लोक ऋणाची परतफेड [@] | 22868 | 26427 |
| आकस्मिक निधीतून विनियोग | 7350 | 11500 | आकस्मिक निधीसाठी विनियोग | 15350 | 1500 |
| आकस्मिकता निधी | 15350 | 10500 | आकस्मिकता निधी | 16350 | 11500 |
| लोक लेखे जमा | 119634 | 88531 | लोक लेखे संवितरण | 100329 | 74787 [#] |
| सुरुवातीची रोख शिल्लक | | | अंतिम रोख शिल्लक | | |
| अ) कर्ज निवारण निधी | 34488 | 41427 | अ) कर्ज निवारण निधी | 41427 | 45738 |
| ब) रोख शिल्लक | 32781 | 15055 [§] | ब) रोख शिल्लक | 14789 | 22859 |
| एकूण | 549804 | 525450 | एकूण | 549804 | 525450 |

@अर्थोपाय अग्रिम (₹ 1,757.61 कोटी) आणि अधिकर्ष अंतर्गत निव्वळ व्यवहार वगळून: (निरंक) (2019-20) अर्थोपाय अग्रिम आणि अधिकर्ष अंतर्गत निव्वळ व्यवहार वगळून (जमा आणि संवितरण ₹ 31,159 कोटी) (2020-21)

#निम्न राउंडिंग

*उच्च राउंडिंग

§चुकीचे वर्गीकरण सुधारल्यामुळे ₹ 266.57 कोटी समायोजित प्रोफॉर्मामध्ये फरक आहे

स्रोत: संबंधित वर्षाचे वित्तीय लेखे

1.3 लेखापरीक्षणासाठी प्राधिकार

नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्याद्वारे लेखापरीक्षण करण्याचे अधिकार भारतीय संविधानाच्या कलम 149 आणि 151 आणि नियंत्रक व महालेखापरीक्षक (कर्तव्ये, अधिकार आणि सेवा शर्ती) अधिनियम, 1971 मधून प्राप्त झाले आहेत. नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांची कर्तव्ये, अधिकार आणि सेवा शर्ती अधिनियम आणि लेखापरीक्षण आणि लेखाविषयक नियमन, 2020 च्या तरतुदींतर्गत महाराष्ट्र शासनाचे विभाग, स्वायत्त संस्था आणि सार्वजनिक उपक्रम यांचा खर्च आणि महसूल यांचे लेखापरीक्षण नियंत्रक व महालेखापरीक्षक करतात.

1.4 प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-I, महाराष्ट्र, मुंबई आणि महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपूर यांच्या कार्यालयांची संघटनात्मक संरचना

नियंत्रक व महालेखापरीक्षकांच्या निर्देशानुसार, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-I, महाराष्ट्र, मुंबई आणि महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपूर यांची कार्यालये त्यांच्या अंतर्गत येणारे विविध सरकारी विभाग आणि कार्यालये, स्वायत्त संस्था आणि सार्वजनिक उपक्रम (लेखापरीक्षण केलेल्या संस्था) यांचे लेखापरीक्षण करतात. प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-I, महाराष्ट्र, मुंबई यांच्या अधिकार क्षेत्रात आठ क्लस्टर्स येतात, तर उर्वरित आठ क्लस्टर्स तक्ता 1.3 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र नागपूर यांच्या अधिकार क्षेत्रात आहेत.

तक्ता 1.3: क्लस्टर्सचे तपशील

| अनु. क्र. | प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-I, महाराष्ट्र, मुंबई यांच्या अधिकार क्षेत्रात येणारे क्लस्टर्स | महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपूर यांच्या अधिकार क्षेत्रात येणारे क्लस्टर्स |
|-----------|--|---|
| 1. | आरोग्य व कल्याण | ऊर्जा व वीज |
| 2. | शिक्षण, कौशल्य विकास आणि रोजगार | उद्योग आणि वाणिज्य |
| 3. | ग्रामीण विकास | परिवहन/वाहतूक |
| 4. | कृषी, अन्न व संलग्न उद्योग | पर्यावरण, विज्ञान आणि तंत्रज्ञान |
| 5. | जलसंपदा | सार्वजनिक बांधकाम |
| 6. | नगर विकास | वित्त |
| 7. | संस्कृती व पर्यटन | माहिती तंत्रज्ञान व दळणवळण |
| 8. | सामान्य प्रशासन | कायदा व सुव्यवस्था |

1.5 लेखापरीक्षणाचे नियोजन आणि आयोजन

लेखापरीक्षित संस्थांनी केलेला खर्च आणि महसूली उत्पन्न यांवर आधारित जोखमीचे मूल्यमापन, कार्याची गंभीरता आणि जटिलता, सोपवलेल्या आर्थिक अधिकारांची पातळी आणि अंतर्गत नियंत्रण व भागधारक यांनी दाखवलेल्या चिंता यांच्या मूल्यमापनाच्या आधारे लेखापरीक्षण प्रक्रियेची सुरुवात होते. या अभ्यासामध्ये मागील

लेखापरीक्षा निष्कर्षांचा देखील विचार केला जातो. यावरून लेखापरीक्षणाची वारंवारता आणि व्याप्ती ठरवली जाते.

प्रत्येक युनिटचे लेखापरीक्षण पूर्ण झाल्यानंतर तपासणी केलेल्या कार्यालयांच्या प्रमुखांना लेखापरीक्षण निष्कर्षांसह निरीक्षण अहवाल पाठविले जातात. तपासणी केलेल्या कार्यालयांच्या प्रमुखांना निरीक्षण अहवाल प्राप्त झाल्यापासून एक महिन्याच्या आत लेखापरीक्षण निष्कर्षांना उत्तरे देण्याची विनंती केली जाते. उत्तरे प्राप्त झाल्यानंतर लेखापरीक्षण निष्कर्ष निकाली काढले जातात किंवा अनुपालनासाठी पुढील कारवाईचा सल्ला दिला जातो. या निरीक्षण अहवालांमधील महत्त्वपूर्ण निरीक्षणे भारतीय राज्यघटनेच्या कलम 151(2) अंतर्गत राज्यपालांना सादर करण्यात येणाऱ्या अहवालांमध्ये समाविष्ट करण्याची प्रक्रिया केली जाते.

1.6 लेखापरीक्षणाला शासनाचा प्रतिसाद

1.6.1 प्रलंबित निरीक्षण अहवाल

शासकीय विभाग, स्वायत्त संस्था आणि सार्वजनिक उपक्रमांची नियतकालिक तपासणी ही त्यांनी केलेले व्यवहार आणि महत्त्वपूर्ण लेखे तसेच इतर नोंदी विहित नियम व कार्यपद्धतीनुसार असल्याची पडताळणी करण्यासाठी केली जाते. या तपासण्यांचा पाठपुरावा निरीक्षण अहवालासह केला जातो जो तपासणी झालेल्या कार्यालयांच्या प्रमुखांना दिला जातो व त्याच्या प्रती पुढील उच्च अधिकाऱ्यांना दिल्या जातात. प्रलंबित निरीक्षण अहवालांची अर्धवार्षिक तपशीलवार विवरण पत्रे त्यात समाविष्ट असलेल्या लेखापरीक्षण निरीक्षणांवर केलेल्या कारवाईवर नियंत्रण ठेवण्याच्या सोईसाठी संबंधित विभागांच्या सचिवांना पाठवले जातात.

जून 2021 पर्यंत, 4848 निरीक्षण अहवाल (14,420 परिच्छेद) निपटार्यासाठी प्रलंबित होते. निरीक्षण अहवाल आणि परिच्छेदांचे वर्ष-निहाय तपशील **परिशिष्ट 1.2** मध्ये दर्शविले आहेत.

1.6.2 विभागीय लेखापरीक्षण समिती

वित्त विभाग, महाराष्ट्र शासनाने (डिसेंबर 1985) सर्व प्रशासकीय विभागांना लेखापरीक्षण समिती स्थापन करण्याचे, प्रलंबित निरीक्षण अहवाल आणि परिच्छेदांचे पुनरावलोकन करण्यासाठी आणि त्यांच्या निपटार्याकरिता त्वरित कारवाई करण्याचे निर्देश दिले. लेखापरीक्षण समितीचे अध्यक्ष प्रशासकीय विभागाचे सहसचिव असतात. सहसंचालक, लेखा व कोषागारे, सदस्य आणि उपसंचालक लेखा व कोषागारे संयोजक असतात. लेखापरीक्षा कार्यालयातील उपमहालेखाकार या पदापेक्षा कमी नसलेले प्रतिनिधी म्हणून लेखापरीक्षा समित्यांना मदत करतात. प्रत्येक तिमाहीत किमान एकदा लेखापरीक्षा समितीची बैठक आयोजित करणे आवश्यक आहे.

वर्ष 2019-20 आणि 2020-21 दरम्यान तक्ता 1.4 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे सहा लेखापरीक्षा समितीच्या बैठका आयोजित केल्या गेल्या.

तक्ता 1.4: 2019-20 आणि 2020-21 मध्ये आयोजित केलेल्या लेखापरीक्षा समितीच्या बैठका

| क्र. | प्रशासकीय विभागाचे नाव | लेखापरीक्षा समितीच्या बैठकांची संख्या | निपटारा झालेल्या तपासणी अहवालांची संख्या | निपटारा झालेल्या परिच्छेदांची संख्या |
|------|----------------------------|---------------------------------------|--|--------------------------------------|
| 1. | वित्त | 01 | निरंक | 396 |
| 2. | महसूल, नोंदणी आणि मुद्रांक | 04 | निरंक | 545 |
| 3. | ऊर्जा | 01 | 04 | 20 |
| एकूण | | 06 | 04 | 961 |

तक्ता 1.4 वरून असे दिसून येते की मोठ्या संख्येने निरीक्षण अहवालातील परिच्छेद प्रलंबित असतानाही विभागाकडून फारच कमी लेखापरीक्षा समितीच्या बैठका आयोजित करण्यात आल्या. महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपूर यांच्या लेखापरीक्षा अधिकार क्षेत्रातील 14 प्रशासकीय विभागांपैकी वर्ष 2019-20 आणि 2020-21 या कालावधीत केवळ तीन प्रशासकीय विभागांच्या लेखापरीक्षा समितीच्या बैठका घेण्यात आल्या.

1.6.3 प्रारूप परिच्छेद आणि अनुपालन लेखापरीक्षणांना विभागांचा प्रतिसाद

या अहवालात दिसून येणारे 17 प्रारूप परिच्छेद, ज्यामध्ये पाच अनुपालन लेखापरीक्षण परिच्छेद आणि एक पाठपुरावा लेखापरीक्षण परिच्छेद यांचा समावेश आहे, सहा आठवड्यांच्या आत प्रतिसाद पाठविण्याच्या विनंतीसह मे 2021 ते डिसेंबर 2021 दरम्यान संबंधित विभागांच्या प्रधान सचिव/सचिवांना अर्ध-शासकीय पणे पाठविण्यात आले. त्यापैकी आठ लेखापरीक्षा परिच्छेदांच्या संदर्भात कोणतीही उत्तरे प्राप्त झाली नव्हती (ऑगस्ट 2022).

आमच्या लेखापरीक्षण निरीक्षणांच्या प्रतिसादात सात विभागांनी¹ 49 पूर्ण झालेल्या किंवा रद्द केलेल्या ठेव कामांशी संबंधित ₹ 5.92 कोटी इतकी अखर्चित शिल्लक रक्कम परत केली; दोन सार्वजनिक बांधकाम विभाग (अमरावती आणि नागपूर-3) यांनी चार कामांच्या विस्तारीत कालावधीसाठी, ₹ 15.45 लाख विमा अधिमूल्य शुल्क वसूल केले.

1.6.4 लेखापरीक्षण अहवालाचा पाठपुरावा

वित्त विभाग, महाराष्ट्र शासन यांनी जानेवारी 2001 मध्ये दिलेल्या सूचनांनुसार, प्रशासकीय विभागांनी, भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या लेखापरीक्षण

¹ सार्वजनिक बांधकाम विभाग - भोकर, बुलढाणा, हिंगोली, कोल्हापूर, दक्षिण पुणे; एकात्मिक युनिट (वैद्यकीय) सार्वजनिक बांधकाम नागपूर, विशेष प्रकल्प विभाग, यवतमाळ

अहवालांमध्ये समाविष्ट केलेल्या परिच्छेदांच्या संदर्भात, महाराष्ट्र विधानमंडळ सचिवालयकडे, लेखापरीक्षणाद्वारे सत्यापित केलेले स्पष्टीकरणात्मक जापण, लेखापरीक्षण अहवाल राज्य विधानमंडळास सादर केल्यापासून तीन महिन्यांच्या आत प्रस्तुत करणे आवश्यक आहे. मात्र प्रशासकीय विभागांनी या सूचनांचे पालन केलेले नाही. वर्ष 2014-15 ते 2018-19 मधील प्रलंबित स्पष्टीकरणात्मक जापणांची स्थिती तक्ता 1.5 मध्ये दर्शविली आहे. क्लस्टरनुसार तपशील **परिशिष्ट 1.3** मध्ये दर्शविला आहे.

तक्ता 1.5: वर्ष 2014-15 ते 2018-19 च्या लेखापरीक्षण अहवालांसाठी प्रलंबित स्पष्टीकरणात्मक जापणांची स्थिती

| लेखापरीक्षण अहवाल | अहवाल सादर करण्याची तारीख | परिच्छेद आणि समीक्षांची संख्या | प्राप्त झालेल्या स्पष्टीकरणात्मक जापणांची संख्या | शिल्लक |
|-------------------|---------------------------|--------------------------------|--|------------|
| 2014-15 | 13 एप्रिल 2016 (ES) | 1 | 1 | 0 |
| | 13 एप्रिल 2016 (RS) | 18 | 2 | 16 |
| | 05 ऑगस्ट 2016 (PSUs) | 7 | 3 | 4 |
| 2015-16 | 11 ऑगस्ट 2017 (RS) | 25 | 1 | 24 |
| | 07 अप्रिल 2017 (PSUs) | 7 | 0 | 7 |
| 2016-17 | 28 मार्च 2018 (ES) | 2 | 2 | 0 |
| | 20 जुलै 2018 (RS) | 31 | 5 | 26 |
| | 20 जुलै 2018 (PSUs) | 8 | 0 | 8 |
| 2017-18 | 02 जुलै 2019 (ES) | 4 | 1 | 3 |
| | 4 मार्च 2020 (RS) | 18 | 11 | 7 |
| | 4 मार्च 2020 (PSUs) | 7 | 0 | 7 |
| 2018-19 | 08 सप्टेंबर 2020 (ES) | 4 | 1 | 3 |
| | 08 सप्टेंबर 2020 (RS) | 11 | 6 | 5 |
| | 08 सप्टेंबर 2020 (PSUs) | 2 | 0 | 2 |
| एकूण | | 145 | 33 | 112 |

टीप: ES - आर्थिक क्षेत्राचा अहवाल, RS - महसूल क्षेत्राचा अहवाल, PSUs - सार्वजनिक उपक्रम

तक्ता 1.5 वरून हे निदर्शनास येते की लेखापरीक्षण अहवालांमध्ये समाविष्ट केलेल्या 145 परिच्छेद आणि समीक्षांपैकी 112 स्पष्टीकरणात्मक जापणे प्रलंबित होती.

लोक लेखा समिती आणि सार्वजनिक उपक्रम समिती, लेखापरीक्षण अहवालांमध्ये समाविष्ट असलेल्या सर्व समस्यांच्या बाबतीत कार्यकारिणीचे उत्तरदायित्व सुनिश्चित करण्यासाठी, किती कालावधीत विभागांनी त्यांच्या शिफारशींवर केलेल्या कारवाईच्या टिप्पण्या पाठवल्या पाहिजेत हे निश्चित करतात.

वर्ष 2015-16 ते 2020-21 दरम्यान लोक लेखा समिती आणि सार्वजनिक उपक्रम समितीने 2010-11 ते 2015-16 या वर्षांच्या लेखापरीक्षण अहवालांशी संबंधित 123

परिच्छेदांवर चर्चा केली आणि 355 शिफारशी केल्या ज्यात तक्ता 1.6 मध्ये दर्शविल्यानुसार 319 शिफारशींवर कारवाई केलेल्या टिप्पण्या प्रलंबित होत्या.

तक्ता 1.6: लोक लेखा समिती/सार्वजनिक उपक्रम समिती शिफारशींवरील कारवाई केलेल्या टिप्पण्यांची प्रलंबित स्थिती

| लेखापरीक्षण अहवालाचे वर्ष | लेखापरीक्षण अहवाल | लोक लेखा समिती/ सार्वजनिक उपक्रम समिती अहवाल क्रमांक | लोक लेखा समिती/ सार्वजनिक उपक्रम समितीचे वर्ष | लोक लेखा समिती/ सार्वजनिक उपक्रम समितीद्वारे शिफारशीची संख्या | कारवाई केलेल्या टिप्पण्यांची प्रलंबित संख्या |
|---------------------------|-------------------|--|---|---|--|
| 2010-11 | ES | 12 | 2015-16 | 2 | 1 |
| | PSUs | 1 | 2020-21 | 6 | 6 |
| | | 6, 11, 7 | 2015-16 | 5 | 5 |
| 2011-12 | RS | 33 | 2017-18 | 17 | 17 |
| | | 34 | 2017-18 | 64 | 64 |
| | PSUs | 5 | 2015-16 | 1 | 1 |
| | | 18 | 2017-18 | 3 | 3 |
| | | 6 | 2015-16 | 2 | 2 |
| 2012-13 | RS | 37 | 2017-18 | 34 | 31 |
| | ES | 45, 60 | 2017-18 | 26 | 25 |
| | PSUs | 6 | 2015-16 | 1 | 1 |
| 2013-14 | RS | 15 | 2015-16 | 29 | 6 |
| | PSUs | 16 | 2017-18 | 1 | 1 |
| | | 7 | 2015-16 | 1 | 1 |
| 2014-15 | RS | 66 | 2017-18 | 5 | 5 |
| | | 53 | 2017-18 | 46 | 46 |
| | | 54 | 2017-18 | 37 | 37 |
| | ES | 43 | 2017-18 | 20 | 19 |
| | GSS | 61 | 2017-18 | 13 | 12 |
| | PSUs | 2 | 2020-21 | 5 | 5 |
| | | 18 | 2017-18 | 3 | 3 |
| 2015-16 | RS | 19 | 2015-16 | 9 | 8 |
| | | 56 | 2017-18 | 12 | 12 |
| | ES | 39 | 2017-18 | 13 | 8 |
| एकूण | | | | 355 | 319 |

लोक लेखा समिती आणि सार्वजनिक उपक्रम समिती शिफारशींची विभागवार स्थिती ज्यावर कारवाई केलेल्या टिप्पण्या प्रतीक्षित होत्या (मे 2022) हे **परिशिष्ट 1.4** मध्ये दर्शविले आहे. **परिशिष्ट 1.4** वरून दिसून येते की 14 विभागांकडून प्रतीक्षित असलेल्या 319 कारवाई केलेल्या टिप्पण्यांपैकी वित्त क्लस्टरमध्ये सर्वात जास्त कारवाई केलेल्या टिप्पण्या (129 कारवाई केलेल्या टिप्पण्या) प्रलंबित होत्या.

प्रकरण ॥

व्यवहारांचे लेखापरीक्षण
राज्य शासकीय विभाग

प्रकरण ॥

व्यवहारांचे लेखापरीक्षण: शासकीय विभाग

शासकीय विभागांच्या व्यवहारांच्या लेखापरीक्षणात संसाधनांच्या व्यवस्थापनातील त्रुटी आणि नियमितता, औचित्य आणि मितव्ययता यांच्या निकषांचे पालन करण्यात अपयश आल्याची उदाहरणे समोर आली आहेत.

सार्वजनिक बांधकाम विभाग

2.1 सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे हाती घेतलेली इमारती आणि रस्ते ठेवी कामे

वापरकर्ता विभागाकडून निधीच्या अपुऱ्या संवितरणामुळे कामे रखडली गेली आणि सार्वजनिक बांधकाम विभागासाठी दायित्व निर्माण झाले. ठेवी कामे पूर्ण होऊनही दुर्मिळ शासकीय निधीची मोठी रक्कम सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे अखर्चित राहिली. विद्युतीकरण, पाणी पुरवठा यांच्या अभावी व पूर्ण झालेल्या इमारती सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे हस्तांतरित करण्यात न आल्यामुळे अपेक्षित उद्देशासाठी बांधकाम केलेल्या इमारती/पायाभूत सुविधांचा वापरकर्ते विभाग वापर करू शकले नाही. अपुरे सर्वेक्षण आणि अयोग्य अंदाजामुळे टाळता येण्याजोग्या अतिरिक्त बाबी आणि परिमाणाचे आधिक्य ह्यांची उदाहरणे आढळून आली. विनिर्दिष्ट गुणवत्ता नियंत्रण निकषांचे पालन करण्यात कमतरता निदर्शनास आल्या. निधीचे वळतीकरण, एकाच कामासाठी एकापेक्षा अधिक ओळख पत्र (ID) तयार करणे आणि ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली (DCMS) मध्ये कामाची स्थिती प्रदर्शित न करणे या घटनाही लक्षात आल्या. ठेवी कामांवर देखरेख आणि नियंत्रणाच्या अभावी महाराष्ट्र शासनाची दुर्मिळ आर्थिक संसाधने अपुऱ्या कामांमुळे विनावापर किंवा अवरोधित राहिली.

2.1.1 प्रस्तावना

महाराष्ट्र शासनाचा सार्वजनिक बांधकाम विभाग राज्यातील रस्ते, पूल आणि शासकीय इमारतींच्या बांधकाम आणि देखभालीसाठी जबाबदार आहे. हा विभाग इतर शासकीय आणि निम-शासकीय विभाग किंवा संस्थांद्वारे 'अंशदान आणि ठेवी कामे' (ठेवी कामे) म्हणून सोपवलेली बांधकामे देखील कार्यान्वित करतो. शासकीय आणि निम-शासकीय विभाग किंवा संस्था ज्यांना वापरकर्ता विभाग/अभिकरण म्हणून संबोधल्या जाते त्यांच्याद्वारे ठेवी कामे म्हणून कार्यान्वित केल्या जाणाऱ्या कामांना प्रशासकीय मान्यता दिली जाते, जे या उद्देशासाठी सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या विभागांना निधी देतात. या कामांची निविदा काढण्यापूर्वी आणि त्यांची अंमलबजावणी करण्यापूर्वी

सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे कामांना तांत्रिक मंजूरी दिली जाते. राष्ट्रीय माहिती केंद्र, पुणे यांनी विकसित केलेल्या “ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली” द्वारे वापरकर्ता अभिकरणाकडून प्राप्त झालेल्या निधीचा डिसेंबर 2017 पासून लेखाजोखा ठेवला जात आहे.

महाराष्ट्रातील सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे नेतृत्व अतिरिक्त मुख्य सचिव करतात आणि त्यांना रस्ते आणि बांधकाम विभागाचे दोन सचिव मदत करतात. रस्ते आणि इमारतींच्या विविध ठेवी कामांची अंमलबजावणी सात¹ प्रादेशिक मुख्य अभियंत्यांच्या तांत्रिक नियंत्रणाखाली केली जाते, ज्यांना मंडळ स्तरावर 31 अधीक्षक अभियंते मदत करतात व त्यांना विभाग स्तरावर 157 कार्यकारी अभियंते मदत करतात. ठेवी कामांच्या बांधकाम आणि देखभालीसाठी विभाग जबाबदार आहेत.

अनुपालन लेखापरीक्षण हे सुनिश्चित करण्यासाठी केले गेले की:

- i. वापरकर्ते विभाग/अभिकरण यांच्याकडून मिळालेला निधी कामांच्या अंमलबजावणीसाठी विभागाद्वारे मूल्यांकन केलेल्या आवश्यकतेशी सुसंगत होता आणि त्याचा उपयोग विहित तांत्रिक आणि आर्थिक मानदंड/मानके तसेच वापरकर्ता विभागाच्या आवश्यकतेनुसार होता;
- ii. निविदा आणि करार व्यवस्थापन निष्पक्ष, पारदर्शक, स्पर्धात्मक आणि क्षेत्राच्या सर्वोत्तम पद्धती यांच्याशी सुसंगत होते आणि करारातील फरक आणि देयके कराराच्या व आर्थिक नियमांच्या तरतुदीनुसार कार्यक्षमतेने व्यवस्थापित केली गेली; आणि
- iii. गुणवत्ता नियंत्रण निकषांनुसार कामांची वेळेवर अंमलबजावणी सुनिश्चित करण्यासाठी पुरेशी आणि प्रभावी देखरेख प्रणाली अस्तित्वात होती.

2018-2021 या कालावधीत 105 सार्वजनिक बांधकाम विभागांच्या संदर्भात रस्ते आणि इमारतींच्या ठेवी कामांचा तपशील ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली वर उपलब्ध होता. **परिशिष्ट 2.1.1** मध्ये तपशीलवार दर्शविल्यानुसार लेखापरीक्षेने 26 विभाग (25 टक्के), सात मुख्य अभियंते आणि 15 अधीक्षक अभियंते तपशीलवार पडताळणीसाठी निवडले. कोविड-19 परिस्थिती आणि त्यावरील निर्बंध लक्षात घेता, 2018-2021 या कालावधीत झालेल्या एकूण खर्चावर आधारित नागपूर प्रदेशातील 17 विभागांपैकी नऊ विभाग (50 टक्के), मुंबई प्रदेशातील दोन विभाग (सर्वात लहान प्रदेश असल्याने) आणि उर्वरित पाच प्रदेशांत प्रत्येकी तीन विभागांचे नमुने आयडिया सॉफ्टवेअर वापरून घेण्यात

¹ अमरावती, औरंगाबाद, कोंकण, मुंबई, नागपूर, नाशिक आणि पुणे.

आले. या 26 विभागात एकूण 7184 ठेवी कामांपैकी 385 कामे लेखापरीक्षण² पडताळणीसाठी निवडण्यात आले.

लेखापरीक्षणाचे निष्कर्ष शासनाला कळविण्यात आले (नोव्हेंबर 2021) आणि सचिव (कामे), सार्वजनिक बांधकाम विभाग, महाराष्ट्र शासन यांच्या सोबत निर्गमन परिषदे दरम्यान (डिसेंबर 2021) चर्चा करण्यात आली. विभागाच्या उत्तरांचा अहवालात योग्यरित्या समावेश करण्यात आला आहे.

लेखापरीक्षा निष्कर्ष

2.1.2 आर्थिक व्यवस्थापन

सार्वजनिक बांधकाम विभागाने राष्ट्रीय माहिती केंद्र, पुणे मार्फत ठेवी कामांवरील खर्चावर संनियंत्रण ठेवण्यासाठी "ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली" विकसित केली (डिसेंबर 2017). ठेवींशी संबंधित सर्व व्यवहार (04.12.2017) पासून ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली द्वारे केले जातील. 2018-2021 या कालावधीत ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली द्वारे संपूर्ण राज्य आणि 26 नमुने म्हणून घेतलेल्या विभागांच्या संदर्भात प्राप्त निधी आणि ठेवी कामांवर केलेल्या खर्चाचा तपशील तक्ता 2.1.1 मध्ये दिला आहे.

तक्ता 2.1.1: प्राप्त झालेला निधी आणि ठेवी कामांवर केलेला खर्च

(₹ कोटी मध्ये)

| वर्ष | प्राप्त झालेला निधी | | केलेला खर्च | |
|-------------|---------------------|---------------------|----------------|---------------------|
| | राज्य | नमुने घेतलेले विभाग | राज्य | नमुने घेतलेले विभाग |
| 2018-19 | 3402.13 | 742.34 | 2858.69 | 481.38 |
| 2019-20 | 3014.02 | 911.43 | 3649.29 | 703.69 |
| 2020-21 | 2319.97 | 605.80 | 2929.83 | 535.02 |
| एकूण | 8736.12 | 2259.57 | 9437.81 | 1720.09 |

स्त्रोत: विभागाद्वारे दिलेली माहिती

2.1.2.1 वापरकर्ता विभागांद्वारे कमी निधी निर्गमित करणे

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियम पुस्तिका, परिच्छेद 301 आणि 303 विहित करतो की ठेवी कामांवरील परिव्यय, प्राप्त झालेल्या ठेवी रकमेपर्यंत मर्यादित असणे आवश्यक आहे आणि अशा कामांमुळे कोणतेही दायित्व निर्माण करण्यापूर्वी ठेवीची रक्कम देखील वसूल करणे आवश्यक आहे. कामाच्या अंमलबजावणीसाठी आवश्यक निधीची वसुली करून ती सरकारी तिजोरीत भरली जावी असेही नमूद केले आहे.

² नमूना म्हणून निवडलेल्या कामांसाठी गुणवत्ता नियंत्रण मंडळे आणि विद्युत विभागांचे देखील आवश्यकतेनुसार लेखापरीक्षण करण्यात आले.

सोळा³ विभागांमध्ये लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की 13 वापरकर्ता विभागांनी ₹ 331.16 कोटींच्या आवश्यकतेच्या तुलनेत 1240 ठेवी कामांसाठी केवळ ₹ 158.12 कोटी प्रदान केले, परिणामी, **परिशिष्ट-2.1.2** मध्ये दर्शविल्यानुसार ₹ 173.04 कोटी कमी निधी प्रदान केला गेला. वापरकर्ता विभागांद्वारे कमी निधी प्रदान केल्यामुळे पुढील परिच्छेदांमध्ये चर्चा केल्याप्रमाणे कामांच्या प्रगतीस विलंब झाला.

राज्य शासनाने वस्तुस्थिती स्वीकारतांना (डिसेंबर 2021) वापरकर्ता विभागाद्वारे निधी प्राप्त करण्यासाठी प्रयत्न केले जात असल्याचे सांगितले.

शिफारस 1: वापरकर्ता विभागांनी सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे वेळेत निधी जमा केल्याची खात्री शासन करू शकते, जेणेकरून कामे विना विलंब पूर्ण होतील.

2.1.2.2 पूर्ण झालेल्या ठेवी कामांच्या संदर्भात अखर्चित शिलकीचा परतावा न देणे

महाराष्ट्र शासनाने ठेवी कामांच्या अंमलबजावणीसाठी निर्गमित केलेली मार्गदर्शक तत्वे (एप्रिल 2017) सांगतात की जर काम पूर्ण करण्यासाठी झालेला एकूण खर्च ठेवी रकमेपेक्षा कमी असेल तर अखर्चित शिल्लक वापरकर्ता विभागाला परत करणे आवश्यक आहे.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की 11⁴ विभागांमध्ये 151 ठेवी कामांशी संबंधित ₹ 22 कोटी रक्कम, ही कामे पूर्ण झाल्यापासून दोन महिने ते 58 महिन्यांपर्यंत या विभागांकडे पडून होती. परिणामी, शासनाचा निधी, जो इतर कामांची अंमलबजावणी करण्यासाठी वापरला जाऊ शकला असता, अवरोधित झाला.

राज्य शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की प्रगतीपथावरील कामांच्या पुढील दायित्वासाठी ठेवी पडून होत्या आणि काम पूर्ण झाल्यानंतर पडताळणी करून अखर्चित रक्कम परत करण्याचे आश्वासन दिले. उत्तर स्वीकार्य नाही कारण काम पूर्ण झाल्याबरोबर अखर्चित शिल्लक परत करायला पाहिजे होती.

³ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, आर्वी, औरंगाबाद, भंडारा, बुलढाणा, हिंगोली, कोल्हापूर, नाशिक, पालघर, पुणे, वर्धा, एकात्मिक युनिट वैद्यकीय (सार्वजनिक बांधकाम) नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र. 1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गोंदिया, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 नागपूर आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

⁴ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, आर्वी, औरंगाबाद, भंडारा, हिंगोली, कोल्हापूर, संगमनेर, एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गोंदिया आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग प्रेसीडेन्सी मुंबई.

2.1.2.3 कामांची अंमलबजावणी न झाल्यामुळे निधी अवरोधित होणे

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की 14⁵ सार्वजनिक बांधकाम विभागांनी वापरकर्ता विभागांद्वारे ₹ 43.19 कोटी निधी जमा केल्याच्या तारखेपासून एक महिना ते 67 महिन्यांपर्यंतच्या 270 ठेवी कामांची अंमलबजावणी करण्यास विलंब केला, ज्याची चर्चा पुढील परिच्छेद 2.1.3.2 (i) मध्ये केली आहे. परिणामी, शासनाचा मोठा निधी अवरोधित झाला.

शासनाने आश्वासित केले (डिसेंबर 2021) की कामांचा आढावा घेतला जाईल आणि मुख्य अभियंत्यांना आवश्यक कारवाई करण्याचे अन्यथा उर्वरित रक्कम परत करण्याचे निर्देश दिले जातील. पुढील प्रगती प्रतीक्षित होती (मार्च 2022).

2.1.2.4 अनुदान व्यपगत होऊ नये यांसाठी अर्थसंकल्पीय निधीचे ठेवी शीर्षात अनियमित हस्तांतरण

नियंत्रण अधिकाऱ्यांद्वारे कोणत्याही विशिष्ट शीर्षावरील अतिरिक्त खर्चाची पूर्तता करण्यासाठी किंवा अशा निधीतून पुढील वर्षात कोणतेही नवीन काम हाती घेण्याच्या अपेक्षेने कोणतीही अतिरिक्त रक्कम ठेवण्यास महाराष्ट्र शासन अर्थसंकल्प नियम पुस्तिका प्रतिबंधित करते आणि वित्तीय वर्षात कोणतीही अखर्चित रक्कम तात्काळ शासनाच्या प्रशासकीय विभागाकडे परत करण्यात यावी. तसेच, महाराष्ट्र शासन, वित्त विभागाने निर्देश दिले (01.04.2019) की अखर्चित अनुदान शासकीय कोषागारात परत करावे अन्यथा रक्कम शासनाला व्यपगत होईल.

लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले की चार⁶ सार्वजनिक बांधकाम विभागांनी अर्थसंकल्पीय कामांपैकी ₹ 22.50 कोटी वित्तीय वर्षाच्या मार्च महिन्यात (मार्च 2016, मार्च 2018, मार्च 2019 आणि मार्च 2020) विद्युत विभागांकडे हस्तांतरित केले. विद्युत विभागांनी या सार्वजनिक बांधकाम विभागांकडे ₹ 14.24 कोटी 80 दिवस ते 813 दिवसांनी परत केले. सार्वजनिक बांधकाम विभागांनी ही रक्कम ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली मध्ये ठेवली ज्यामुळे नियम पुस्तिकेच्या तरतुदींचे आणि वित्त विभागाच्या निर्देशांचे उल्लंघन झाले. अशाप्रकारे, निधी व्यपगत होऊ नये म्हणून शासनाच्या खात्यात परत करण्याऐवजी अनियमितपणे ठेवी शीर्षातर्गत ठेवल्या.

⁵ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, आर्वी, औरंगाबाद, भंडारा, भोकर, कोल्हापूर, मालेगाव, संगमनेर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गोंदिया, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग प्रेसीडेन्सी मुंबई, सार्वजनिक बांधकाम विभाग (दक्षिण) पुणे आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

⁶ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, औरंगाबाद, पुणे, आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर.

तसेच, आर्वी आणि पालघर या दोन विभागातील तीन अर्थसंकल्पीय⁷ कामांमध्ये तक्ता 2.1.2 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 2018-2021 मध्ये अनुदान व्यपगत होण्यापासून टाळण्यासाठी ₹ 104.78 कोटी खर्च ठेवी शीर्ष (MH- 8443) अंतर्गत नोंदविला गेला.

तक्ता 2.1.2: ठेवी शीर्षातर्गत नोंदविलेल्या अर्थसंकल्पीय कामांचा तपशील

(₹ कोटी मध्ये)

| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | कामाचे नाव व वर्ष | मुख्य शीर्ष | रक्कम | मार्च 2021 पर्यंतचा खर्च |
|--|--------------|---|-------------|---------------|--------------------------|
| 1. | आर्वी | कारंजा आणि आष्टी येथे नव्याने स्थापन झालेल्या नगर पंचायतीच्या मूलभूत सार्वजनिक सुविधा, वर्ष 2018-19 | 2217-9492 | 6.00 | 4.00 |
| 2. | पालघर | रेल्वे ओव्हर ब्रिजसाठी भूसंपादन, वर्ष 2020-21 | 3054-0238 | 125.53 | 100.78 |
| एकूण | | | | 131.53 | 104.78 |
| स्त्रोत: विभागाद्वारे सादर केलेली माहिती | | | | | |

यावरून असे दिसून येते की अर्थसंकल्पीय अनुदान केवळ ठेवी अनुदान म्हणून मानले गेले नाही तर कामे ठेवी कामे म्हणून कार्यान्वित करण्यात आली.

तसेच, आर्वी विभागाला मिळालेल्या ₹ सहा कोटी अनुदानापैकी ₹ दोन कोटींची बचत झाली आणि विभागाने ₹ एक कोटी 31 मार्च पूर्वी शासनाच्या खात्यात जमा न करता, मुख्याधिकारी, नगर परिषद, कारंजा यांना परत केले. शिवाय, ₹ एक कोटी विभागाकडेच पडून होते.

शासनाने वस्तुस्थिती स्वीकारली (डिसेंबर 2021) आणि नमूद केले की अनुदान व्यपगत होऊ नये म्हणून अतिरिक्त निधी हस्तांतरित केला जाणार नाही याची काळजी घेतली जाईल.

2.1.2.5 निधीचा अनियमित वापर

लेखापरीक्षांच्या निदर्शनास आले की सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1, चंद्रपूरला वळण रस्त्याच्या बांधकामासाठी कर्नाटक ईस्टर्न मिनरल्स अँड ट्रेडिंग एजन्सी कोळसा खाण मर्यादित (KECML), नागपूर, जी कर्नाटक शासनाची एक सार्वजनिक क्षेत्रातील कंपनी आहे, तिच्या कडून जून 2010 ते एप्रिल 2011 दरम्यान ₹ 13.76 कोटी प्राप्त झाले. तथापि, हे काम 2014 मध्ये सवलतदारा द्वारे 'डिझाईन-बिल्ड-फायनान्स-ऑपरेट आणि ट्रान्सफर'⁸ (DBFOT) व्यवस्थेद्वारे कार्यान्वित करण्यात आले.

⁷ राज्याच्या एकत्रित निधीवर आकारल्या जाणाऱ्या खर्चासाठी आवश्यक असलेल्या वार्षिक आर्थिक विवरणात अंतर्भूत खर्चाचे अंदाज.

⁸ सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1, चंद्रपूर द्वारे.

विभागाने ठेवीची रक्कम स्वतःजवळ ठेवली आणि ही रक्कम KECML ला परत करण्याऐवजी केंद्रीय रस्ते निधी अंतर्गत प्रस्तावित असलेल्या दुसऱ्या रस्त्याच्या कामासाठी (जाम-वरोरा-राजुरा-आसिफाबाद रस्ता 86/100 ते 88/00 किमी रस्त्याची सुधारणा) उपयोगात आणली. परिणामी, ज्यासाठी ती प्राप्त झाली होती त्या उद्देशाशी संबंधित नसलेल्या कामासाठी ठेवी रकमेचा अनियमित वापर झाला.

शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की निधीच्या वापरासाठी प्रकरण वापरकर्ता विभागाकडे पाठविण्यात आले होते; मात्र त्यांच्याकडून कोणताही प्रतिसाद मिळाला नाही. म्हणून रक्कम वापरण्यात आली. ठेवीची रक्कम सवलतदारांना व्यवहार्यता अंतर निधी (व्हायबिलिटी गॅप फंडिंग) चा एक भाग म्हणून अदा करण्यात आली ज्यामुळे राज्य शासनाच्या हिश्यात बचत झाली. उत्तर स्वीकार्य नाही कारण वर्ष 2014 दरम्यान DBFOT अंतर्गत जेव्हा रस्ता बांधला गेला तेव्हाच ही रक्कम मार्गदर्शक तत्वांनुसार विहित केल्याप्रमाणे वापरकर्ता विभागाला परत करण्यात यायला हवी होती किंवा शासनाच्या खात्यात व्यपगत झालेल्या ठेवी म्हणून परत करायला हवी होती.

2.1.2.6 निधी वळवणे

सार्वजनिक बांधकाम नियम पुस्तिका, परिच्छेद 305, अशी तरतूद करते की वापरकर्ता विभागाच्या लेखी विनंतीनुसार एका कामासाठीचे योगदान, जर शिल्लक रहात असेल तर, दुसऱ्या कामाच्या खर्चाच्या पूर्ततेसाठी, ज्यासाठी योगदान थकित असेल, वापरले जाऊ शकते.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, सात⁹ विभागांमध्ये 49 विविध कामांसाठी आवंटित केलेला ₹ 5.07 कोटीचा निधी पूर्व संमतीशिवाय एकाच वापरकर्ता विभागातील एका कामाकडून दुसऱ्या कामाकडे आणि इतर वापरकर्ता विभागांमध्ये देखील वळवला गेला. परिणामी, वापरकर्ता विभागाच्या संमतीशिवाय निधी अनियमितपणे वळवला गेला.

शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की वापरकर्ता विभागाकडून आवश्यक परवानगी घेतली जाईल. पुढील प्रगती प्रतीक्षित होती (मार्च 2022).

⁹ सार्वजनिक बांधकाम विभाग नाशिक, मालेगांव, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गोंदिया, सार्वजनिक बांधकाम प्रेसीडेन्सी मुंबई, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 नागपूर आणि सार्वजनिक बांधकाम (दक्षिण) पुणे.

2.1.3 अंदाज तयार करणे आणि ठेव कामांची अंमलबजावणी

सार्वजनिक बांधकाम नियम पुस्तिका आणि वेळोवेळी निर्गमित करण्यात आलेल्या महाराष्ट्र शासनाच्या सूचनांच्या तरतुदीनुसार सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे ठेवीची कामे कार्यान्वित केली जातात.

2.1.3.1 अंदाज तयार करणे

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियम पुस्तिकेत अशी तरतूद आहे की ज्यासाठी सक्षम प्राधिकाऱ्याने अंदाज मंजूर केले आहेत अशा कामांच्या बाबतीत, अशी कोणतीही वाढ किंवा फेरफार ज्यांच्यामुळे आधिक्य संभवते, जे त्या प्राधिकरणाच्या अधिकारात येणार नाही, ते उच्च प्राधिकाऱ्याच्या पूर्व मान्यतेशिवाय करता येणार नाही.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की निवडलेल्या 26 पैकी आठ¹⁰ सार्वजनिक बांधकाम विभागांतर्गतच्या 15 कामांच्या संदर्भात ₹ 15.76 कोटी रक्कमेचे 125 टक्क्यांपेक्षा अधिक परिमाणांचे काम सक्षम अधिकाऱ्यांच्या पूर्व मान्यतेशिवाय कार्यान्वित करण्यात आले. ही वाढ मूळ कामाच्या व्याप्तीत बदल झाल्यामुळे झाली आहे जसे की स्तंभाचा पाया, आर.सी.सी. पायाऐवजी राफ्ट पाया, स्थानाच्या जागेत बदल, वापरकर्ता विभागाकडून मागणी इत्यादि.

शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की सक्षम अधिकाऱ्यांची पूर्व परवानगी घेण्यासाठी विभागांना आवश्यक सूचना निर्गमित केल्या जातील आणि भविष्यात काळजी घेतली जाईल.

2.1.3.2 कामांची अंमलबजावणी

i) जमिनीशी संबंधित समस्यांमुळे बाधित झालेली कामे

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियम पुस्तिकेच्या परिच्छेद 251 मध्ये अशी तरतूद आहे की जी जमीन जबाबदार नागरी अधिकाऱ्याकडे रितसर सोपवली गेली नाही अशा जमिनीवर कोणतेही काम सुरु करण्यात येऊ नये. काम सुरु करण्याचे आदेश निर्गमित करण्यापूर्वी ती जमीन सर्व बोज्यांपासून मुक्त असावी. तसेच, शासकीय जमिनीवर बांधण्यात येणाऱ्या इमारतींच्या बाबतीत कामाचे प्रभारी असलेल्या उप-विभागीय अधिकाऱ्यांनी याबाबत स्वतःचे समाधान करणे आवश्यक आहे की देण्यात आलेले लाईन-आऊट¹¹ हे पूर्णपणे मंजूर आराखड्यानुसार सरकारी जमिनीच्या आत आहे.

¹⁰ सार्वजनिक बांधकाम विभाग आर्वी, भंडारा, भोकर, एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट मुंबई, एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गडचिरोली आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

¹¹ सीमांकन.

अभिलेख्यांच्या पडताळणीत असे निदर्शनास आले की मोकळ्या जमीनीचा ताबा नसतांना कामे सुरु केल्यामुळे कामे एकतर विलंबाने झाली किंवा अपूर्ण राहिली.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की आठ¹² विभागांमधील 13 कामांवर अतिक्रमणामुळे विपरित परिणाम झाला. परिणामी, काम पूर्ण होण्यास विलंब, कामाच्या व्याप्तीत बदल, अपूर्ण कामे, काम बंद होणे असे प्रकार घडले.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की वापरकर्ता विभागाने अतिक्रमण मुक्त जमीन उपलब्ध करून दिली नाही. शासनाचे उत्तर मान्य करण्याजोगे नाही कारण वरील तरतुदींच्या दृष्टीने मोकळी जमीन उपलब्ध असल्याशिवाय सार्वजनिक बांधकाम विभागाने काम सुरु करायला नको होते.

ii) कामे अपूर्ण राहणे

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियम पुस्तिकेच्या परिच्छेद 318 नुसार दुसऱ्या विभागाच्या वतीने मूळ काम पूर्ण केल्यानंतर, सार्वजनिक बांधकाम 561 या मानक स्वरूपात परिपूर्ती प्रमाणपत्र कार्यकारी अभियंत्याद्वारे संबंधित नागरी किंवा लष्करी प्राधिकार्यास सादर करावे जे त्यांनी हस्ताक्षरीत करून कार्यकारी अभियंत्यास परत करावे. महाराष्ट्र शासन सार्वजनिक बांधकाम विभागाने निर्णय क्र. BDG-2017/सीआर-50/Bldg-2 दिनांक 06.04.2017 मार्फत ठेवी कामांची अंमलबजावणी करतांना अवलंबिल्या जाणाऱ्या प्रक्रियेचा पुनरुच्चार केला आहे. महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम संहिता आणि महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियम पुस्तिकेमध्ये अशी तरतूद आहे की ठेवी कामांवरील परिव्यय, प्राप्त ठेव रक्कमेपर्यंत मर्यादित असणे आवश्यक आहे आणि एका कामावरील बचती संबंधातील योगदान वापरकर्ता विभागाच्या संमतीने दुसऱ्या कामाच्या योगदानाबाबतचा परिव्यय पूर्ण करण्यासाठी वापरले जाऊ शकते, ज्याचे योगदान थकित असेल.

➤ दोन विभागांत दोन इमारती जसे मागासवर्गीय मुलांचे वसतीगृह, पुलगांव, वर्धा आणि मागासवर्गीय मुलांचे वसतीगृह, चामोर्शी, गडचिरोली अनुक्रमे ₹ 5.51 कोटी आणि ₹ 6.84 कोटी खर्च करून बांधण्यात आल्या, परंतु चामोर्शी येथे निधीची कमतरता आणि पुलगाव येथील हाय टेंशन वायर्स न हलवल्यामुळे इमारतींचे विद्युतीकरण होऊ न शकल्याने अनुक्रमे 17 आणि 25 महिन्यांपासून वापरण्यात आल्या नाहीत. सार्वजनिक बांधकाम विभाग आणि विद्युत विभाग यांच्यातील

¹² सार्वजनिक बांधकाम विभाग बुलढाणा, कोल्हापूर, मालेगांव, नाशिक, एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 ठाणे आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

समन्वयाच्या अभावी इमारती विना वापर पडून राहिल्या. परिणामी, ₹ 12.35 कोटींचा निष्क्रिय खर्च झाला.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की विद्युतीकरणाचे काम मार्च 2022 पर्यंत पूर्ण करण्यात येईल.

➤ **परिशिष्ट 2.1.3** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे पाच विभागांच्या सहा कामांमध्ये लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की कामे पूर्ण करण्यासाठी आवश्यक असलेल्या ठेवी प्राप्त झाल्या नसतांना कामे सुरु करण्यात आली होती.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की काम पूर्ण करण्यासाठी वापरकर्ता विभागाकडून निधी मागविण्यासाठी प्रयत्न करण्यात येत आहेत. उत्तर स्वीकार्य नाही कारण वापरकर्ता विभागाकडून ठेव मिळाल्यानंतरच कामे सुरु करायला पाहिजे होती.

➤ मालेगांव सार्वजनिक बांधकाम विभागात तालुका क्रीडा संकुलच्या बांधकामाचे ठेवी काम ₹ 0.92 कोटी किंमतीत कार्यादेशापासून 12 महिन्यांच्या कालावधीत पूर्ण करण्याकरिता एका कंत्राटदाराला बहाल करण्यात आले (जानेवारी 2015). कंत्राटदाराने नोव्हेंबर 2016 पर्यंत ₹ 0.96 कोटींचे काम निष्पादित केले. प्रत्यक्ष पूर्ण झालेले (नोव्हेंबर 2016) बांधकाम वापरकर्ता विभागाकडे सुपूर्द करण्यात आले होते (जानेवारी 2021). लेखापरीक्षेस असे लक्षात आले की विद्युतीकरणाच्या कामासाठी विद्युत विभागाकडे कोणताही निधी सुपूर्द करण्यात आला नव्हता. इमारत नोव्हेंबर 2016 मध्ये पूर्ण झाली असली तरी विद्युतीकरणाचे काम बाकी होते; त्यामुळे संपूर्ण क्रीडा संकुल अकार्यान्वित होते आणि ₹ 0.96 कोटींचा संपूर्ण खर्च निष्फळ ठरला.

शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की विद्युतीकरणासाठी निधी उपलब्ध होताच विद्युत काम निष्पादित करण्यात येईल. पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (मार्च 2022).

शिफारस 2: कामे वेळेवर पूर्ण करणे आणि पूर्ण झालेली कामे वापरकर्ता विभागांना सुपूर्द करणे शासन सुनिश्चित करू शकते.

iii) करारांच्या अटीचे पालन न करणे

➤ **नुकसान भरपाई आणि दंड वसूल न करणे:** B-2¹³ आणि ईपीसी¹⁴ (EPC) करारानुसार, काम पूर्ण करण्यात विलंब किंवा महत्वाचा टप्पा न गाठणे (निर्धारित कालावधीनुसार) प्रकरणांत, कंत्राटदाराला देय असलेल्या रकमेतून करार मूल्याच्या 10 टक्क्यांपर्यंत मर्यादित विहित दराने नुकसान भरपाई वजा करण्याची तरतूद करतात.

¹³ शेड्यूल कंत्राटासाठी वापरलेले फॉर्म जेथे कंत्राटदाराने निश्चित दरांवर कामे पूर्ण करण्याचे काम हाती घेतले.

¹⁴ अभियांत्रिकी, खरेदी व बांधकाम.

तसेच B-2 करारामध्ये काम पूर्ण होण्यास विलंब झाल्याबद्दल किंवा कामाची अंमलबजावणी करतांना अपेक्षित गती न ठेवल्याबद्दल कंत्राटदाराच्या देयकातून दंड/शास्ती वजा करण्याची तरतूद आहे. सहा¹⁵ विभागांच्या नऊ कामांमध्ये लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की कंत्राटदाराने जरी करारात नमूद केलेल्या टप्प्यांनुसार कामाची गती कायम राखली नाही तरी ₹ 3.09 कोटींची निर्धारित नुकसान भरपाई वसूल करण्यात कार्यकारी अभियंता अयशस्वी ठरले. तसेच चार¹⁶ विभागांतील आठ कामांमध्ये असेही निदर्शनास आले की कंत्राटदाराने करारात नमूद केलेल्या कालावधीनुसार कामाची गती कायम ठेवली नाही आणि सुधारित कामाचा आराखडा विभागाकडे सादर केला नाही. तथापि, ₹ 0.56 कोटीच्या विहित दंड/शास्तीची रक्कम वजा करण्यात कार्यकारी अभियंता अयशस्वी ठरले.

शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की वैध मुदतवाढीच्या कागदपत्रांसह तपशीलवार उत्तर सादर केले जाईल. पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (मार्च 2022).

➤ **विमा शुल्काची वसुली न करणे:** विमा संचालक, महाराष्ट्र राज्य यांनी निर्देश दिले (मार्च 2015) की कंत्राटदाराने काम सुरू करण्यापूर्वी विमा पॉलिसी घ्यावी अन्यथा कामाच्या मूल्याच्या एक टक्का रक्कम कंत्राटदाराच्या पहिल्या चालू खाते बिलातून वजा केली जाईल आणि ती रक्कम वजावटीच्या तारखेपासून 30 दिवसांच्या आत सरकारी खात्यात जमा करण्यात येईल. पुढे, निर्देश देण्यात आले (जुलै 2015) की कंत्राटदाराने कामाच्या वाढीव कालावधीसाठी विमा पॉलिसी घ्यावी अन्यथा कामाच्या मूल्यावर वाढीव कालावधीसाठी (महिण्यांत) विहित केलेल्या दरानुसार वजावट कंत्राटदाराच्या त्यानंतरच्या चालू खाते बिलामधून वजा केली जाईल आणि वित्त विभाग, महाराष्ट्र शासनाच्या विमा निधीमध्ये जमा केली जाईल.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की डिसेंबर 2014 ते सप्टेंबर 2020 दरम्यान सहा¹⁷ विभागांमध्ये 385 चाचणी तपासणी केलेल्या कामांपैकी नऊ कामांच्या बाबतीत ना कंत्राटदाराने विमा पॉलिसी सादर केली, ना विभागाने कंत्राटदाराच्या चालू खाते बिलातून कामांच्या मूल्याची विहित रक्कम वजा केली, त्यामुळे काम विमा-रहित राहिले आणि कंत्राटदाराला ₹ 0.76 कोटींचा गैरवाजवी लाभ मिळाला. तसेच, चार¹⁸

¹⁵ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, मालेगांव, संगमनेर, वर्धा, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर आणि एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट नागपूर.

¹⁶ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, आर्वी, भंडारा, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र. 1 चंद्रपूर.

¹⁷ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, औरंगाबाद, भंडारा, मालेगाव, संगमनेर आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.3 नागपूर.

¹⁸ सार्वजनिक बांधकाम विभाग आर्वी, औरंगाबाद, पालघर आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर.

विभागांच्या नऊ कामांमध्ये कंत्राटदाराने, वाढीव कालावधीसाठी विमा पॉलिसीही सादर केली नाही किंवा या कामांमध्ये ₹ 0.45 कोटी रक्कमेच्या कामाच्या मूल्याच्या संदर्भात विहित प्रमाणशीर विमा मूल्य सुद्धा वसूल केले नाही.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की कंत्राटदाराकडून विमा पॉलिसी मिळविण्याकरिता योग्य ती कारवाई केली जात होती.

➤ **मोबिलायझेशन अग्रिमाची वसुली न होणे:** अभियांत्रिकी, खरेदी, बांधकाम कराराच्या बाबतीत त्रैमासिक चक्रवाढीनुसार 14 टक्के वार्षिक व्याज दर मोबिलायझेशन खर्चासाठी आगाऊ देयकाच्या वसुलीसह वसूल केले जाईल. लेखापरीक्षेस निदर्शनास आले की पालघर विभागाच्या पाच ठेवी कामांमध्ये यंत्रसामग्री, उपकरणे, स्टेजिंग, सेंट्रिंग (₹ 0.63 कोटी) आणि स्थळ कार्यालय, स्थळ प्रयोगशाळा, संगणक, फर्निचर इत्यादीं (₹ 0.69 कोटी) च्या बांधकामासाठी कंत्राटदारांना ₹ 1.32 कोटीच्या मोबिलायझेशन अग्रिमाचे भुगतान करण्यात आले. तथापि, त्यानंतरच्या बिलामधून व्याजासह मोबिलायझेशन अग्रिम वजा करण्यात आले नाही.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की मोबिलायझेशन अग्रिम वसूल करण्यासाठी योग्य ती कारवाई करण्यात येईल. पुढील प्रगती प्रतीक्षित होती (मार्च 2022).

➤ **कंत्राटदाराच्या बिलामधून रीटेंशन रकमेची वसुली न करणे:** B-2 आणि अभियांत्रिकी, खरेदी, बांधकाम कराराच्या संबंधातील करार अटीमध्ये कामाच्या अंतिमीकरणापर्यंत कंत्राटदाराद्वारे कंत्राटीय बंधनाच्या पूर्ततेची खात्री करण्याकरिता अंतिम करार किंमतीच्या जास्तीत जास्त पाच टक्क्यांच्या अधीन राहून प्रत्येक बिलामधून सहा टक्के रक्कम राखून ठेवण्याची तरतूद आहे. लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की चार¹⁹ विभागातील 13 कामांमध्ये कंत्राटदाराच्या चालू खाते बिलामधून रीटेंशन रक्कम वसूल करण्यात आली नाही. परिणामी, कंत्राटदारांना ₹ 4.29 कोटींचा अवाजवी आर्थिक लाभ झाला.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की कंत्राटदाराच्या पुढील चालू खाते बिलामधून रीटेंशन रक्कम वसूल करण्याबाबत कारवाई केली जाईल. पुढील प्रगती प्रतीक्षित होती (मार्च 2022).

➤ **रिफायनरीकडून डांबराच्या (बिटूमन) बीजकांची पडताळणी न करणे:** महाराष्ट्र शासनाने रिफायनरीतून खरेदी करण्यात येणाऱ्या आणि कंत्राटदाराद्वारे रस्त्यांच्या कामांत वापरण्यात येणाऱ्या डांबराच्या बीजकांच्या पडताळणीसाठी तरतूद केली आहे (एप्रिल 2017 आणि मार्च 2019). चालू खात्यांच्या बिलांसोबत मूळ बिटूमेन बीजके जोडणे आवश्यक होते. ही पडताळणी चालू खाते बिल सादर केल्यानंतर सार्वजनिक

¹⁹ सार्वजनिक बांधकाम विभाग औरंगाबाद, मालेगांव, पालघर आणि संगमनेर.

बांधकाम विभागांद्वारे करण्यात येणे आवश्यक आहे. लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की तीन²⁰ विभागांतील नऊ कामांमध्ये विभागाद्वारे रिफायनरीतून खरेदी करण्यात येणाऱ्या डांबराच्या 30 बीजकांची पडताळणी न करता आणि बिलांसोबत न जोडता डांबराच्या कामासंदर्भात ₹ 1.21 कोटीचे भुगतान केले.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की बीजकांची पडताळणी करण्यात आली होती. तथापि, रिफायनरीकडून पडताळणी अहवालांची प्रतिकक्षा होती.

➤ **सेंटेज शुल्काची²¹ वसुली न करणे:** महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियम पुस्तिका आणि सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या सूचनांनुसार (ऑक्टोबर 2003) ठेवी कामांच्या अंदाजित किंमतीच्या पाच टक्के दराने सेंटेज शुल्काची वसुली करण्याची तरतूद आहे. लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की 2018-2021 दरम्यान करण्यात आलेल्या पाच²² विभागांमधील 22 कामांमध्ये विभागाद्वारे नियोजन, गृह, आदिवासी, उद्योग व खनिकर्म, सामाजिक न्याय आणि विशेष सहाय्य, ग्राम विकास, नगर विकास विभागांकडून ₹ 1.66 कोटी सेंटेज शुल्क वसूल करण्यात आले नाही.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की काही वापरकर्ता विभागांसाठी सेंटेज शुल्क न आकारण्याची सवलत मिळण्यासाठी आधारभूत कागदपत्रे सादर करण्यात येत आहेत. तथापि, लेखापरीक्षणाला कोणतीही आधारभूत कागदपत्रे सादर केली गेली नाहीत.

➤ **देखभाल शुल्काची वसुली न करणे:** सामग्रीसाठी कलम 30(i) च्या अतिरिक्त अटीनुसार कंत्राटदाराला काम पूर्ण झाल्यानंतर नमूद केलेल्या कालावधीसाठी कोणत्याही अतिरिक्त शुल्काशिवाय पूर्ण झालेल्या कामाची देखभाल करावी लागेल. रस्त्याच्या देखभालीसाठी आणि रस्ते चांगल्या स्थितीत ठेवण्यासाठी, देखभाल शुल्क म्हणून, केलेल्या एकूण कामाच्या पाच टक्के रक्कम, काम प्रत्यक्षपणे पूर्ण झाल्याच्या तारखेपासून रोखली जाईल. सार्वजनिक बांधकाम विभाग, औरंगाबाद मध्ये लेखापरीक्षणात असे आढळून आले की दोन ठेवी कामांमध्ये चालू खात्याच्या बिलामधून देखभाल शुल्क वसूल करण्यात आले नाही. परिणामी, कंत्राटदाराला ₹ 0.91 कोटीचा अवाजवी लाभ झाला.

²⁰ सार्वजनिक बांधकाम विभाग आर्वी, औरंगाबाद आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र. 1 चंद्रपूर.

²¹ सार्वजनिक बांधकाम विभागाद्वारे अशासकीय संस्था, सरकारचे इतर विभाग, खासदार/आमदार निधी आणि भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरणाच्या वतीने कार्यान्वित केलेल्या कामांवर आकारले जाणारे शुल्क.

²² सार्वजनिक बांधकाम विभाग औरंगाबाद, हिंगोली, पालघर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र. 1 चंद्रपूर आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र. 2 यवतमाळ.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की कंत्राटदाराच्या चालू खात्याच्या पुढील बिलामधून देखभाल शुल्क वसूल करण्याबाबत योग्य कारवाई करण्यात येईल. पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (मार्च 2022).

➤ **सुरक्षा अग्रिमाचे अनियमित प्रदान:** स्थळावर आणलेल्या सामग्रीच्या सुरक्षिततेसाठी अग्रिमाची आवश्यकता असते, अशा तयार बांधकाम कंत्राटाव्यक्तिरिक्त, महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम संहिता, कंत्राटदारांना अग्रिमाचे भुगतान करण्यास प्रतिबंधित करते. यासाठी कंत्राटदाराने सामग्री खरेदीचा पुरावा देणारी कागदपत्रे सादर करणे आवश्यक आहे. पाच²³ विभागांतील सहा कामांमध्ये लेखापरीक्षणास निदर्शनास आले की कंत्राटदारांना ₹ 2.79 कोटीच्या सुरक्षा अग्रिमाचे भुगतान करण्यात आले होते. परंतु कंत्राटदाराने सामग्री खरेदीबाबतचे बीजक सादर केले नाही. परिणामी, कंत्राटदाराला सुरक्षा अग्रिमाचे अनियमित भुगतान करण्यात आले.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की कंत्राटदाराच्या चालू खाते बिलामधून सुरक्षा अग्रिमाची वसुली करण्याबाबतची योग्य कारवाई करण्यात येईल.

➤ **कंत्राटदाराच्या बिलातून स्वामीत्वधन शुल्काची वसुली न करणे:** महाराष्ट्र शासनाने नैसर्गिक खनिजांच्या (गिट्टी, बजरी, रेती, मुरूम इत्यादी) पुरवठ्याच्या बाबींसाठी ₹ 400 प्रति ब्रास (₹ 141.34 प्रति घन मीटर) स्वामीत्वधन शुल्क आकारण्याचे आदेश निर्गमित केले (मे 2015) जे अंदाजामध्ये दर विश्लेषणाच्या परिगणनेकरिता वापरले जाणार होते. कंत्राटदाराला हे शुल्क थेट महसूल विभागात भरावयाचे होते आणि मूळ चालान संबंधित कार्यकारी अभियंत्याकडे सादर करायचे होते. कंत्राटदार दस्तावेज सादर करण्यात अपयशी ठरल्यास स्वामीत्वधन शुल्क कंत्राटदाराकडून वसूल करण्यात येणार होते. लेखापरीक्षणास निदर्शनास आले की 2017-18 ते 2020-21 या कालावधी दरम्यान चार²⁴ विभागांतर्गतच्या नऊ कामांसंदर्भात कंत्राटदाराच्या चालू खाते बिलांमधून ₹ 2.31 कोटींचे स्वामीत्वधन शुल्क वसूल करण्यात आले नाही, परिणामी कंत्राटदाराला अवाजवी लाभ झाला.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की कंत्राटदाराच्या चालू खाते बिलांमधून स्वामीत्वधन शुल्क वसूल करण्याबाबत योग्य कारवाई करण्यात येत आहे.

➤ **अतिरिक्त कार्यनिष्पादन सुरक्षेची वसुली न करणे:** महाराष्ट्र शासनाने आदेश निर्गमित केले (सप्टेंबर 2019) की बोली लावलेल्या अंदाजित किंमतीपेक्षा 14 टक्के

²³ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, औरंगाबाद, भंडारा, बुलढाणा आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर.

²⁴ सार्वजनिक बांधकाम विभाग आर्वी, औरंगाबाद, भंडारा आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.3 नागपूर.

कमी रकमेत देकार (offer) देण्याचा कंत्राटदाराचा हेतू असेल तर त्याने निविदेमध्ये नमूद केलेल्या किंमतीच्या पाच टक्के अतिरिक्त कार्यनिष्पादन सुरक्षा जमा करावी.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की चार कामांचा समावेश असलेल्या तीन²⁵ विभागांमध्ये ₹ 7.83 कोटींच्या अतिरिक्त कार्यनिष्पादन सुरक्षा आवश्यकतेच्या तुलनेत ₹ 5.08 कोटींची वसुली करण्यात आली. परिणामी, कंत्राटदाराद्वारे अतिरिक्त कार्यनिष्पादन सुरक्षा म्हणून ₹ 2.75 कोटींचे कमी भुगतान करण्यात आले.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की कंत्राटदाराच्या चालू खाते बिलामधून अतिरिक्त कार्यनिष्पादन सुरक्षा वसूल करण्याबाबत आवश्यक कारवाई करण्यात येत आहे.

iv) निष्पादन करतांना गुणवत्ता नियंत्रण मापदंडाचे पालन न करणे

कराराची अतिरिक्त सर्वसाधारण अट, बांधकाम साहित्यासाठी नमुना चाचणीची वारंवारता आणि क्षेत्र आणि सरकारी प्रयोगशाळेतील चाचणी तपासणीची टक्केवारी निर्धारित करते. कराराच्या खंडानुसार, दराच्या 15 टक्के रक्कम रोखली जाईल आणि ठोस बाबी वगळता निर्दिष्ट केले असतील तेथे समाधानकारक चाचणी अहवाल प्राप्त झाल्यानंतरच संवितरित केली जाईल.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की सात²⁶ विभागांच्या 14 कामांमध्ये सामग्रीची तपासणी कंत्राटाच्या अटीनुसार करण्यात आली नव्हती. दहा प्रकरणांमध्ये संपूर्ण रक्कम अदा करण्यात आली आणि उर्वरित चार प्रकरणांमध्ये, बिलाच्या रक्कमेपैकी 15 टक्के रक्कम कार्यकारी अभियंत्याने कापून घेतली. चाचणी अहवालाअभावी सामग्री आणि बांधकामाची गुणवत्ता निर्धारित करता आली नाही.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की गुणवत्ता नियंत्रण मापदंडाचे पालन करण्यासाठी योग्य काळजी घेण्यात येईल.

v) सिमेंट काँक्रीट क्यूब्सची चाचणी करण्यास विलंब: निविदा अटीनुसार निष्पादनाच्या वेळी कंत्राटदाराने सिमेंट काँक्रीटचा नमूना गोळा करणे आवश्यक आहे आणि किमान तीन क्यूब्स बनवून (कास्टिंग करून) त्याची सात दिवस ते 28 दिवसांच्या आयुर्मानासाठी जिल्हा चाचणी प्रयोगशाळेमधून चाचणी करावी. लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की बुलढाणा विभागातील चार कामांमध्ये कंत्राटदाराने कास्टिंग पश्चात **परिशिष्ट 2.1.4** मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे 67 ते 294 दिवसांदरम्यानच्या

²⁵ सार्वजनिक बांधकाम विभाग आर्वी, पालघर आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर.

²⁶ सार्वजनिक बांधकाम विभाग आर्वी, बुलढाणा, भोकर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.3 नागपूर आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

कालावधीनंतर क्यूब्स सादर केले. त्यामुळे कास्टिंगपासून बऱ्याच मोठ्या कालावधीनंतर क्यूब्सची चाचणी केल्यामुळे क्यूब्सची प्रत्यक्ष मजबूती पडताळता आली नाही.

सिमेंट कॉन्क्रीट क्यूब्सच्या चाचणीमध्ये विलंब झाला हे शासनाने मान्य केले (डिसेंबर 2021) आणि भविष्यात आवश्यक ती पावले उचलण्याचे आश्वासन दिले.

vi) क्षेत्रीय प्रयोगशाळेची स्थापना न करणे: क्षेत्रीय प्रयोगशाळेच्या विशिष्ट अटीनुसार, विचाराधीन कामाच्या अंमलबजावणीसाठी क्षेत्रीय संयंत्र येथील प्रयोगशाळेत उपकरणे उपलब्ध असतील. कंत्राटदार क्षेत्रीय/संयंत्र प्रयोगशाळा स्थापित करण्यात अयशस्वी ठरला तर त्यांच्या प्रथम चालू खाते बिलामधून ₹ पाच लाख वसूल करण्यात यावे. लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की सार्वजनिक बांधकाम विभाग, भंडाराच्या एका कामामध्ये आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग, आर्वीच्या दोन कामांमध्ये कंत्राटदारांने करार मानदंडानुसार क्षेत्रीय प्रयोगशाळा स्थापित केली नव्हती आणि असे करण्यात अपयशी ठरल्यामुळे त्यांच्याकडून विभागाद्वारे ₹ 15 लाखाची वसुली करण्यात आली नव्हती.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की वस्तुस्थितीची पडताळणी करण्यात येईल आणि क्षेत्रीय प्रयोगशाळा स्थापन करण्याबाबतचे आवश्यक दस्तावेज योग्य वेळी सादर करण्यात येतील. पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (मार्च 2022).

vii) कामाचे विभाजन केल्यामुळे कामांवर झालेला जास्त खर्च

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियम पुस्तिका अशी तरतूद करते की कामाचा समूह किंवा बदल किंवा खरेदी, ज्याची एकूण किंमत एखाद्या अधिकाऱ्याच्या मंजूरी देण्याच्या अधिकारापेक्षा जास्त आहे, त्यांना त्या अधिकाऱ्याच्या मंजूरीच्या अधिकारात आणण्यासाठी विभाजित केले जाऊ नये. कार्यकारी अभियंता, अधीक्षक अभियंता आणि मुख्य अभियंता यांच्याकडे अनुक्रमे ₹ 50 लाखांपर्यंत, ₹ 50 लाख ते ₹ 2.50 कोटी आणि ₹ 2.50 कोटीच्या वरील निविदा स्वीकारण्याचे अधिकार आहेत.

मौजे सिंहगड, गोळेवाडी रस्त्यावरील खडक पडण्यापासून संरक्षण देण्याच्या कामास वन विभागाद्वारे प्रशासकीय मान्यता प्रदान करण्यात आली होती (जून 2017). लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की कामासाठी एकच अंदाजपत्रक तयार करून मंजूर करण्याऐवजी पुणे विभागाने तीन विविध साखळ्यांसाठी वेगवेगळे दर आकारून तीन वेगवेगळी अंदाजपत्रके तयार केली. ही कामे नागरी ठेवी कामे अंतर्गत हाती घेण्यात आली आणि वन विभागाने 2014-15 ते 2018-19 दरम्यान वरील कामांकरीता ₹ 4.26 कोटीचे संपूर्ण अनुदान संवितरित केले. विभागाने 0/700 किमी ते 0/800 साखळीसाठी 2018-19 दरम्यान अभिकरणाचा ₹ 9,225 प्रति चौरस मीटर (वस्तू व सेवा कर समाविष्ट) हा सर्वात कमी दर मान्य केला तथापि इतर दोन साखळ्यामध्ये विभागाने

स्वतंत्र दरपत्रक मागविले आणि तक्ता 2.1.3 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे त्याच अभिकरणाचे उच्च दराचे दरपत्रक स्वीकारले.

तक्ता 2.1.3: कामाचे विभाजन केल्यामुळे प्रदान करण्यात आलेल्या अतिरिक्त रकमेचे विवरण

(रक्कम ₹ मध्ये)

| अनु. क्र. | करार क्र. | चेनेज (साखळी) | परिमाण (चौ. मी.) | दर (₹/चौ.मी.) | दरामधील फरक | अतिरिक्त खर्च | भुगतान केलेली एकूण रक्कम |
|----------------------------|----------------|----------------|-------------------------------------|---------------|----------------------|--------------------|--------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 (6*4) | 8 |
| 1 | B1/503/2018-19 | 0/700 ते 0/800 | 1194.53 | 8118* | - | - | 9697194 |
| 2 | B1/47/2020-21 | 0/00 ते 1/500 | 574 | 15551 | 7433 (15551-8118) | 4272282 | 8926274 |
| 3 | B1/49/2020-21 | 2/00 ते 2/500 | 650.25 | 15551 | 7433 | 4833308 | 10112037 |
| | | | 390.15 | 15481 | 7363 (15481-8118) | 2872674 | 6039919 |
| एकूण अतिरिक्त किंमत | | | | | | 1,19,78,264 | |
| * वस्तू व सेवा कर वगळून | | | स्त्रोत: विभागाद्वारे दिलेली माहिती | | | | |

वरील तक्त्यावरून असे निदर्शनास येते की विभागाने तीन विविध साखळ्यांसाठी स्वतंत्र अंदाजपत्रक तयार करून एका कामाची अनियमितपणे तीन विविध कामांमध्ये विभागणी केली आणि अधीक्षक अभियंत्याकडून मंजूरी प्राप्त करणे टाळण्यासाठी वेगवेगळ्या वर्षांमध्ये कामाची निविदा काढली. साखळ्या 0/00 ते 1/500 आणि 2/00 ते 2/500 मध्ये उच्च दराच्या स्वीकृतीचा परिणाम ₹ 1.20 कोटीच्या अतिरिक्त खर्चात झाला.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की एप्रिल 2018, मे 2019, जून 2020 आणि जून 2021 या चार हप्त्यांमध्ये निधी प्राप्त झाला. परिणामी निधीच्या प्राप्तीनुसार कामाचे विभाजन करण्यात आले. ते पर्यटन स्थळ असल्यामुळे काही भागात काम हाती घेण्यात आले. उत्तर मान्य करण्याजोगे नाही कारण त्याकरिता एकच प्रशासकीय मान्यता आहे ही वस्तुस्थिती असून देखील विभागाने तीन भागांमध्ये कामाचे विभाजन केले आणि वरील कामांसाठी ₹ 4.26 कोटींचा संपूर्ण निधी 2018-19 पर्यंत विभागाकडे उपलब्ध होता.

2.1.4 आंतरिक नियंत्रण आणि देखरेख

आंतरिक नियंत्रण यंत्रणा हे वित्तीय आणि क्रियान्वयन नियंत्रणासाठी आणि त्रुटी आणि फसवणुकी विरुद्ध सुरक्षा उपयोगासाठी एक साधन आहे. शासनाच्या संहिता, नियमावली आणि कार्यकारी सूचनांच्या विविध तरतुदींमध्ये नियंत्रणे अंतर्भूत आहेत. ठेवींच्या कामांची भौतिक आणि आर्थिक स्थिती, कार्यक्षमता, त्याच्या निष्पादनाची परिणामकारकता आणि लागू नियम, विनियमन, कराराची अट इत्यादींचे अनुपालन

याची वाजवी खात्री देण्यासाठी पुरेशी आणि प्रभावी आंतरिक यंत्रणा आणि देखरेख यंत्रणा अस्तित्वात असावी.

ठेवी कामांसंबंधातील सार्वजनिक बांधकाम विभागातील आंतरिक नियंत्रण आणि देखरेख यंत्रणेवरील लेखापरीक्षा निष्कर्ष खाली चर्चिते आहेत:

2.1.4.1 ठेव रजिस्टर नोंदवही न राखणे

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम संहिता, प्रत्येक विभागाद्वारे ठेव रजिस्टरचा रखरखाव प्रदान करते ज्यामध्ये प्रत्येक ठेव बाबीची दरमहा एकूण प्राप्ती, समायोजन आणि अंतिम शिल्लक दर्शविली जाते, तथापि, ठेवी कामांच्या संबंधात अशा सर्व ठेवींसाठी एकत्र नोंद घेणे पुरेसे आहे.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की अठरा²⁷ विभागांमध्ये ठेव नोंदवही राखली जात नव्हती. चार²⁸ विभाग ठेव नोंदवही राखत होते परंतु नोंदवही अद्ययावत नव्हती.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की ठेव नोंदवहीचा रखरखाव आणि अद्ययावत ठेवण्याकरिता संबंधितांना आवश्यक सूचना देण्यात येतील.

2.1.4.2 वापरकर्ता विभागाला खर्चाची प्रगती सादर न करणे.

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियमपुस्तिकेनुसार जेव्हा खर्च प्राप्त झालेल्या अंशदानाच्या आत असेल आणि प्रत्येक महिन्याला जेव्हा अतिरिक्त रक्कम नियमित होईपर्यंत अंशदानावरील अतिरिक्त खर्च अपेक्षित असेल तेव्हा कार्यकारी अभियंत्यांनी खर्चाचे विवरण प्रत्येक तिमाहीत ठेवीदारास विहित प्रपत्रात पुरवावे.

²⁷ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, आर्वी, औरंगाबाद, भंडारा, चिपळूण, मालेगाव, पुणे, संगमनेर, वर्धा, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गडचिरोली, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गोंदिया, सार्वजनिक बांधकाम विभाग प्रेसिडेंसी मुंबई, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.3 नागपूर, एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 ठाणे आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

²⁸ सार्वजनिक बांधकाम विभाग भोकर, नाशिक, पालघर आणि एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट मुंबई.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की फक्त दोन²⁹ विभागांद्वारे खर्चाची आवश्यक प्रगती दर्शविणारे विवरण वापरकर्ता विभागाला सादर करण्यात आले आणि 16³⁰ विभागांनी ते वापरकर्ता विभागाकडे सादर केले नाही.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की प्रक्रियेचे पालन करण्यासाठी संबंधितांना आवश्यक सूचना निर्गमित केल्या जातील.

2.1.4.3 कामांचा प्रगती अहवाल सादर न करणे

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियमपुस्तिकेच्या परिच्छेद 289 अनुसार अंदाजे ₹ 10 लाखांपेक्षा जास्त खर्चाच्या सर्व कामांचा प्रगती अहवाल प्रत्येक तिमाहीत अधीक्षक अभियंत्याकडे सादर केला जावा, जो ₹ 50 लाखांपेक्षा जास्त किंमत असलेल्या कामांच्या संदर्भात मुख्य अभियंत्याकडे अग्रेषित करण्यात यावा. ज्या प्रकरणांत निधी नियंत्रित करणारा प्रशासकीय विभाग या विभागापेक्षा वेगळा असेल व त्यांच्याद्वारे निर्देश असतील तर, सर्व कामांचा त्रैमासिक प्रगती अहवाल त्या विभागाकडे सादर करावा. लेखापरीक्षेस असे निदर्शनास आले की ₹ 10 लाखांहून अधिक खर्चाच्या सर्व कामांचा प्रगती अहवाल दर तिमाहीत फक्त कोल्हापूर विभागाकडून अधीक्षक अभियंत्याकडे सादर केला गेला. 18³¹ विभागांमध्ये सर्व कामांचा प्रगती अहवाल प्रत्येक तिमाहीत अधीक्षक अभियंत्याकडे सादर केला गेला नव्हता.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की प्रक्रियेचे पालन करण्यासाठी संबंधितांना आवश्यक सूचना निर्गमित करण्यात येतील.

2.1.4.4 चालू ठेवी कामांची माहिती सादर न करणे

ठेवी कामांची योग्य अंमलबजावणी करणे आणि त्यावर नियंत्रण ठेवणे यासाठी महाराष्ट्र शासनाने चालू ठेवी कामांच्या संदर्भात संकलन आणि माहिती सादर करण्याच्या प्रत्येक स्तरासाठी एक प्रपत्र आणि कालमर्यादा विहित केली आहे

²⁹ सार्वजनिक बांधकाम विभाग हिंगोली आणि कोल्हापूर.

³⁰ सार्वजनिक बांधकाम विभाग भोकर, बुलढाणा, चिपळूण, मालेगांव, नाशिक, पालघर, पुणे, संगमनेर, एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र 2 नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग (दक्षिण) पुणे, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 ठाणे, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गोंदिया, सार्वजनिक बांधकाम विभाग प्रेसिडेंसी मुंबई आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

³¹ सार्वजनिक बांधकाम विभाग आर्वी, औरंगाबाद, भोकर, चिपळूण, हिंगोली, मालेगांव, पालघर, पुणे, संगमनेर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र 1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र 2 गोंदिया, सार्वजनिक बांधकाम विभाग प्रेसिडेंसी मुंबई, एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग.क्र.2 नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.3 नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग (दक्षिण) पुणे, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 ठाणे आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

(एप्रिल 2017). प्रत्येक विभागाने प्रत्येक महिन्याच्या पाच तारखेला वर्षनिहाय माहिती (प्रपत्र-अ), संबंधित परिमंडळ कार्यालयात सादर करणे आवश्यक आहे आणि त्यानंतर प्रत्येक परिमंडळ कार्यालयाद्वारे प्रादेशिक कार्यालयाला प्रत्येक महिन्याच्या दहा तारखेला संकलित माहिती (प्रपत्र-ब) सादर करणे आवश्यक आहे. अंतिमतः प्रत्येक मुख्य अभियंत्याद्वारे ती माहिती संकलित करून सचिव, सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे सादर करणे आवश्यक आहे. लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की 26 पैकी एकाही विभागाने चालू ठेवी कामांची माहिती संबंधित परिमंडळ कार्यालयांना सादर केली नाही. त्यामुळे, संबंधित अधीक्षक अभियंता कार्यालयांनी मुख्य अभियंता कार्यालयांना आवश्यक माहिती (प्रपत्र-ब) सादर केली नाही.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की प्रक्रियेचे पालन करण्यासाठी संबंधितांना आवश्यक सूचना निर्गमित केल्या जातील. पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (मार्च 2022).

2.1.4.5 ठेवी कामांच्या वेळापत्रकातील उणीवा

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम विभाग संहितेमध्ये, प्रपत्र-76, ज्यामध्ये सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या सर्व ठेवी कामांचे महत्वपूर्ण एकत्रित दस्तावेज आहेत, त्यामध्ये ठेवी कामांचे वेळापत्रक तयार करण्याची तरतूद आहे. नोंदी घेण्याच्या सूचना सुद्धा प्रपत्र-76 मधील वेळापत्रकात प्रदान केल्या आहेत आणि जेव्हा वेळापत्रकात प्रथमच काम समाविष्ट केले जाते तेव्हा लाल शाईने मंजूरीची नोंद केली पाहिजे.

सार्वजनिक बांधकाम विभागाने ठेवी कामांचे (प्रपत्र-76) वेळापत्रक तयार करण्यासाठी लेखा व्यवस्थापन प्रणाली (AMS) नावाचे सॉफ्टवेअर मोड्यूल स्वीकारले आहे जे C-DAC, पुणे ने निर्मित आणि विकसित केले आहे. कॅश-बुक ची डेटा एंट्री ऑनलाइन केली गेली आणि त्यानुसार वेळापत्रक स्वयंचलितपणे निर्माण केले गेले आणि AMS मोड्यूल मधून संबंधित सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या पासवर्डद्वारे काढले जाऊ शकते. प्रणाली निर्मित प्रपत्र-76 मध्ये खालील त्रुटी निदर्शनास आल्या.

i) असे लक्षात आले की प्रणाली निर्मित वेळापत्रकात अंदाजाचे तपशीलवार वर्गीकरण आणि काम पूर्ण झाल्याची तारीख/महिना यासाठी रकाना उपलब्ध नव्हता. अखर्चित शिल्लक, महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम अग्रिमांसाठी आकारण्यात आलेला अतिरिक्त खर्च आणि त्याच्या समायोजनासाठी उचललेली पावले यांचा तपशील प्रविष्ट केलेला नाही. अशा प्रकारे, नवीन समाविष्ट केलेले काम तसेच पूर्ण झालेले काम ओळखले जाऊ शकत नव्हते आणि त्यापश्चात वापरकर्ता विभागाकडे ठेवीची अखर्चित रकम परत करण्यास झालेला विलंब, जर असेल तर, यांवर संनियंत्रण ठेवले जाऊ शकत नव्हते. अखर्चित शिल्लक आणि प्राप्त ठेवीपेक्षा जास्त करण्यात आलेला खर्च यावरील माहितीच्या अभावी त्यात समाविष्ट असलेली रक्कम आणि त्याच्या समायोजनासाठी उचललेली पावले निश्चित करता आली नाहीत. यावरून असे सूचित

होते की ठेवी कामांच्या प्रणाली निर्मित वेळापत्रकाचे स्वरूप ठेवी कामांच्या देखरेखीसाठी अपुरे होते.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की मोड्यूल सुधारित करण्यासाठी ही बाब C-DAC कडे संदर्भित करण्यात येत आहे. पुढील प्रगती प्रतीक्षित होती (मार्च 2022).

ii) अर्थसंकल्पीय अंदाज, वाटप आणि व्यवस्थापन प्रणाली (BEAMS) यावरील संबंधित उपयोगिता प्रमाणपत्रांसंबंधात त्या महिन्या दरम्यान झालेल्या ठेवी कामांच्या खात्याच्या सत्यतेची खात्री करण्यासाठी लेखापरीक्षणाने ठेवी कामांवरील प्राप्त ठेवी आणि झालेल्या खर्चाची पडताळणी केली. असे निदर्शनास आले की 13³² विभागांमध्ये उपयोगिता प्रमाणपत्रामध्ये दर्शविलेले कामांच्या प्राप्त निधी आणि खर्चाचे आकडे प्रपत्र-76 मध्ये दर्शविलेल्या संबंधित आकड्यांशी जुळत नव्हते.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की सॉफ्टवेअरच्या अद्ययावतीकरणासाठी ही बाब C-DAC कडे संदर्भित करण्यात येत आहे. पुढील प्रगती प्रतीक्षित होती (मार्च 2022).

2.1.4.6 ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणालीतील उणीवा

वास्तविक वेळेवर आधारित ठेवी कामांवर देखरेख ठेवण्याच्या दृष्टिकोनातून महाराष्ट्र शासनाने (सार्वजनिक बांधकाम विभाग), राष्ट्रीय माहिती केंद्र, पुणे द्वारे "ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली" विकसित केली. ही प्रणाली चालू कामांची प्रगती, प्राप्त निधी, झालेला खर्च आणि अखर्चित रक्कम याबाबत वास्तविक वेळेवर आधारित माहिती प्रदान करते. ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणालीमध्ये ठेवींच्या कामांची नोंद करणे आणि त्याचे भुगतान करणे यांकरीता ठेवी कामांचे नियंत्रण आणि संनियंत्रण करण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाद्वारे सविस्तर मार्गदर्शक सूचना निर्गमित करण्यात आल्या (डिसेंबर 2017).

ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणालीमध्ये खालील उणीवा लेखापरीक्षेस निदर्शनास आल्या.

➤ **काम पूर्ण झाल्याची तारीख उपलब्ध नसणे:** ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली वर काम पूर्ण झाल्याची तारीख असायला हवी जेणेकरून कामांची भौतिक आणि आर्थिक स्थिती ओळखता येईल आणि परिणामी वापरकर्ता विभागांना खर्च न केलेल्या रकमेचा वेळेवर परतावा मिळेल. तथापि, ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणालीमध्ये अशी कोणतीही माहिती पुरविण्यात आली नाही.

³² सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, भोकर, बुलढाणा, हिंगोली, मालेगांव, संगमनेर, एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गडचिरोली, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गोंदिया, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.3 नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 ठाणे आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

➤ **एका कामाची अनेक ओळख पत्र:** लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की सात³³ विभागांमधील नऊ ठेवी कामांमध्ये ठेवी ओळख पत्रांचे दोनदा वाटप करण्यात आले. अशा प्रकारे, एकाच कामासाठी अनेक ओळख पत्र तयार केल्यामुळे कामावर प्रशासकीय मान्यतेपेक्षा जास्त खर्च होणे किंवा निधी वळतीकरणाची शक्यता नाकारता येत नाही.

➤ **कोणतीही ठेव प्राप्त न होता खर्च किंवा शिल्लक दर्शविणे:** सहा विभागांमध्ये लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की 44 कामांच्या बाबतीत विभागांना कोणतीही ठेव रक्कम प्राप्त झाली नाही. परंतु, अशा कामांच्या पुढे ठेवी अंतर्गत झालेला खर्च किंवा शिल्लक रक्कम दाखविली जात होती. यावरून असे निर्देशित होते की ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणालीने कोणत्याही निधीची प्राप्ती न होता ठेव कामांवर खर्च दर्शविला.

➤ **उणे ठेव शिल्लक:** पंधरा³⁴ विभागांमध्ये लेखापरीक्षेस असे निदर्शनास आले की 158 कामांच्या बाबतीत ठेवी अंतर्गत ₹ 55.46 कोटी उणे शिल्लक होती.

शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की सॉफ्टवेअर अद्ययावत करण्यासाठी प्रकरण C-DAC कडे पाठविले जात आहे. पुढील प्रगती प्रतीक्षित होती (मार्च 2022).

शिफारश 3: ठेव-अंशदान संनियंत्रण प्रणाली सुव्यवस्थित करणे आणि ठेवी कामांची आंतरिक नियंत्रण आणि देखरेख प्रणाली मजबूत करणे याबाबत शासन खात्री करू शकते.

सार्वजनिक बांधकाम विभाग

2.2 दुरुस्तीच्या कामांवर विभागाने केलेल्या खर्चाची वसुली करण्यास विलंब झाल्यामुळे सवलतदारांना ₹ 1.44 कोटींचा अनुचित लाभ

मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय महामार्ग (सार्वजनिक बांधकाम विभाग) महाराष्ट्र शासन, नवी मुंबई (मुख्य अभियंता) यांनी मेसर्स गॅनोन डंकर्ले आणि कंपनी मर्यादित, मुंबई सवलतदार) यांना अभियांत्रिकी, खरेदी आणि बांधकाम कराराच्या अनुक्रमे

³³ सार्वजनिक बांधकाम विभाग औरंगाबाद, हिंगोली, कोल्हापूर, मालेगांव, पुणे, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 नागपूर आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 ठाणे.

³⁴ सार्वजनिक बांधकाम विभाग अमरावती, औरंगाबाद, भंडारा, बुलढाणा, चिपळूण, मालेगांव, नाशिक, पुणे, संगमनेर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1 चंद्रपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 गोंदिया, एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 नागपूर, सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.3 नागपूर आणि सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2 यवतमाळ.

₹ 151.61 कोटी आणि ₹ 145.26 कोटी रकमेच्या दोन कामांसाठी³⁵ स्वीकृती पत्रे निर्गमित केली (15 मार्च 2017 आणि 13 एप्रिल 2017). दोन्हीही अभियांत्रिकी, खरेदी आणि बांधकाम करार, मुख्य अभियंता (भारत सरकारच्या वतीने, मार्ग परिवहन आणि महामार्ग मंत्रालय) आणि सवलतदार यांच्यात कार्यान्वित झाले (20 डिसेंबर 2016). कामे पूर्ण करण्याचा निर्धारित कालावधी स्वीकृति पत्रे निर्गमित केल्यापासून अनुक्रमे 18 महिने आणि 24 महिने होता. मुख्य अभियंता आणि प्रादेशिक अधिकारी, मार्ग परिवहन आणि महामार्ग मंत्रालय, मुंबई यांनी ₹ 127.10 कोटी (ऑगस्ट 2021) आणि ₹ 70.66 कोटी (जून 2021) सवलतदारांना प्रदान केले.

अभियांत्रिकी, खरेदी आणि बांधकाम करारांमध्ये अशी तरतूद होती की बांधकामाच्या कालावधी दरम्यान, सवलतदाराने त्यांच्या खर्चाने प्रकल्प महामार्गाचे विद्यमान मार्ग राखले पाहिजेत, जेणेकरून रहदारीची पात्रता आणि सुरक्षितता त्यांच्या कराराच्या तारखेच्या दहा दिवस आधीच्या स्थितीच्या तुलनेत कोणत्याही वेळी भौतिकदृष्ट्या निकृष्ट राहणार नाही. तसेच, सवलतदाराने या उद्देशासाठी आवश्यक दुरुस्ती आणि देखभालीची कामे हाती घेतली पाहिजे; जर कामाच्या कार्यक्षम प्रगतीसाठी आणि चांगल्या उद्योग पद्धतीला अनुसरून व्यत्यय आणि वळवणे आवश्यक असेल तर सवलतदार त्याच्या खर्चाने वाहतुकीच्या प्रवाहात व्यत्यय आणू शकतो किंवा वळवू शकतो.

लेखापरीक्षणाला असे दिसून आले की कामांच्या अंमलबजावणी दरम्यान करारामध्ये तरतूद केल्यानुसार विद्यमान वाहतूक मार्ग आणि रहदारीची पात्रता राखण्यात सवलतदार अयशस्वी ठरला. अशाप्रकारे, राष्ट्रीय महामार्ग (सार्वजनिक बांधकाम) विभाग, नांदेड यांनी (डिसेंबर 2017 आणि मार्च 2018) ₹ 1.76 कोटी खर्चून (मार्च 2018) रस्त्यांच्या त्याच साखळीवर 63 सामान्य दुरुस्तीच्या कंत्राटांद्वारे देखभाल कामे केली (**परिशिष्ट-2.2.1**). अशाप्रकारे, विभागाने स्वतःच्या खर्चाने सवलतदाराचे दायित्व पूर्ण केले. तीन वर्षांपेक्षा जास्त कालावधी लोटल्यानंतर देखील (सप्टेंबर 2021) सवलतदाराकडून रक्कम वसूल करण्यात आली नाही.

कार्यकारी अभियंता राष्ट्रीय महामार्ग (सार्वजनिक बांधकाम) विभाग, नांदेड यांनी नमूद केले (सप्टेंबर 2021) की सवलतदार रस्त्याची देखभाल करण्यात अयशस्वी ठरल्यामुळे

³⁵ "बारसगाव ते रहाटी बु.चे पुनर्वसन आणि उन्नतीकरण राष्ट्रीय राजमार्ग-222 चा (महाराष्ट्र/आंध्रप्रदेश सीमा भाग 558/200 ते किलोमीटर 615/000 मध्ये विद्यमान ते दोन लेन पक्की खांद्यासह ईपीसी आधारावर राष्ट्रीय महामार्ग विकास कार्यक्रम-VI" आणि "महाराष्ट्र राज्यात राष्ट्रीय राजमार्ग-222 च्या कोल्हा ते नसरतपुर चे पुनर्वसन आणि उन्नतीकरण भाग किलोमीटर 444/00 ते किलोमीटर 463/545 आणि किलोमीटर 481/00 ते किलोमीटर 513/1300 मध्ये विद्यमान ईपीसी तत्वावर पक्क्या खांद्यासह दोन लेन राष्ट्रीय महामार्ग विकास कार्यक्रम-IV".

लवकरात लवकर रस्ता सुरक्षित आणि वाहतुकीस योग्य बनविण्यासाठी सामान्य दुरुस्तीची कामे केली गेली आणि या कामांवर खर्च केलेली रक्कम सवलतदाराकडून वसूल करायची होती. परंतु, कोरोना महामारीमुळे वसुली करणे शक्य झाले नाही आणि आतापर्यंत वसूल केलेले ₹ 0.32 कोटी वगळून (2017-18 चे बी-1 क्र. 32 ते 45 कामांच्या संदर्भात) अभियांत्रिकी, खरेदी आणि बांधकाम कामांना अंतिम स्वरूप देण्यापूर्वी वसुली करण्यात येईल.

उत्तर स्वीकार्य नाही कारण सामान्य दुरुस्तीच्या कामांशी संबंधित भुगतान मार्च 2018 मध्ये केले गेले आणि कोरोना महामारीशी संबंधित निर्बंध मार्च 2020 पासून सुरु झाले. म्हणजेच, या दोन्ही घटनांमध्ये दोन वर्षांचे अंतर होते आणि तीन वर्षांहून अधिक काळ लोटल्यानंतरही केवळ ₹ 0.32 कोटी वसूल झाले असून ₹ 1.44 कोटी शिल्लक आहेत. दुरुस्तीच्या कामांवर विभागाने केलेल्या खर्चाची वसुली करण्यास विलंब झाल्यामुळे सवलतदारांना ₹ 1.44 कोटींचा अवाजवी लाभ झाला, जो सामान्यतः सवलतदाराने स्वतःच्या खर्चाने करायला पाहिजे होता.

ही बाब शासनाकडे संदर्भित केली (नोव्हेंबर 2021). उत्तर प्रतीक्षित आहे.

सार्वजनिक बांधकाम विभाग

2.3 राष्ट्रीय राजमार्ग म्हणून अधिसूचित केलेल्या रस्त्याच्या रुंदीकरणावर ₹ 3.48 कोटींचा टाळता येण्याजोगा खर्च

भारत सरकार, मार्ग परिवहन आणि महामार्ग मंत्रालय, नवी दिल्ली यांनी मुलताई (मध्य प्रदेशात) जवळील राष्ट्रीय महामार्ग 47 जंक्शन पासून सुरु होऊन वरुड, आष्टी, आर्वी, पुलगाव, वर्धा सेवाग्राम, सोनेगाव, हिंगणघाट, जांब यांना जोडणारा आणि वरोरा जवळील (महाराष्ट्रात) राष्ट्रीय राजमार्ग-930 जंक्शन ला संपणारा राज्य महामार्ग, राष्ट्रीय महामार्ग म्हणून अधिसूचित केला (जानेवारी 2017). त्यानुसार, सचिव, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, महाराष्ट्र शासन यांनी (फेब्रुवारी 2017) मुख्य अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम क्षेत्र, नागपूर यांना राष्ट्रीय महामार्ग म्हणून अधिसूचित केलेल्या रस्त्यांवरील सर्व कामे त्वरित थांबवण्याचे निर्देश दिले. सिमेंट काँक्रीटचे रस्ते टाकण्यासाठी सध्याच्या रस्त्यांचे खोदकाम लवकरच केले जाणार असल्याने शासनाची जबाबदारी वाढू नये यासाठी निर्देश दिले. असे रस्ते संबंधित राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकाऱ्यांकडे हस्तांतरित होईपर्यंत योग्य दुरुस्ती आणि देखभालीची कामे करून रहदारीयोग्य स्थितीत ठेवण्याचे निर्देशही देण्यात आले. त्यावर्षी पावसाळ्यात टिकून राहाण्यासाठी सध्याच्या वाहतूक मार्गावर उपचार केल्यानंतर या रस्त्यांवर सुरु असलेली सर्व कामे थांबवण्याच्या सूचनांसह निर्देशांचा पुनरुच्चार करण्यात आला (मार्च 2017).

कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, वर्धा यांच्या कार्यालयातील अभिलेखांच्या पडताळणी दरम्यान असे दिसून आले (सप्टेंबर 2019) की नाचणगाव-देवळी-वायगाव-हिंगणघाट-नंदोरी-कोरा रस्ता (एसएच-322) 34/500 ते 55/500 किमी मध्ये रुंदीकरणाचे आणि सुधारणा करण्याच्या कामाची अंदाजे ₹ 34.02 कोटी खर्चाची निविदा काढण्यात आली (ऑगस्ट 2016) आणि 18 महिन्यात पूर्ण करण्याच्या कालावधीसह ₹ 26.32 कोटीच्या कंत्राट किंमतीत कंत्राटदाराला³⁶ काम देण्यात आले³⁷ (जानेवारी 2017).

तसेच सार्वजनिक बांधकाम विभाग, आर्वी मध्ये हे निरीक्षण केले (फेब्रुवारी 2018) की पुलगांव-आर्वी-तळेगांव-दुर्गावसा रस्त्याचे (एसएच 295) 59/600 ते 61/800 किमी मध्ये बळकटीकरण व काळ्या टॉपींगसह आर्वी शहरात चौपदरीकरणासह उड्डाण-पुलाचे बांधकाम ₹ 4.05 कोटीच्या खर्चासह कंत्राटदाराला³⁸ देण्यात आले (जानेवारी 2017).

मुख्य अभियंत्यांनी तपासणी दरम्यान कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, वर्धा (फेब्रुवारी 2017) आणि कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, आर्वी (जानेवारी 2018) यांना कामाची व्याप्ती कमी करण्याचे आणि योग्य दुरुस्ती आणि देखभालीचे काम करून हे रस्ते रहदारीयोग्य स्थितीत ठेवण्याचे निर्देश दिले. त्यानुसार, या दोन्ही रस्त्यांच्या कामांची व्याप्ती कमी करून खाली दर्शविल्यानुसार पूर्ण करण्यात आले:

| सार्वजनिक बांधकाम विभागाचे नाव आणि काम | मूळ कामाचा खर्च आणि व्याप्ती | कमी झालेला कामाचा खर्च आणि व्याप्ती | कार्यादेशाची आणि पूर्ण झाल्याची तारीख |
|---|--|---|---------------------------------------|
| वर्धा आणि एस एच-347A रुंदीकरणाचे (40/500 ते 55/500 किमी) आणि सुधारणांचे (34/500 ते 55/500 किमी) काम | 15 किमी लांबीच्या रुंदीकरणासह 21 किमी लांबीच्या सुधारणेसाठी ₹ 26.32 कोटी | 15 किमी (40/500 ते 55/500 किमी) लांबीसाठी ₹ 8.11 कोटी रुंदीकरण सुधारणे 5 किमी (40/500-45/500 किमी) रुंदीकरण (₹ 3.12 कोटी) | जानेवारी 2017 आणि जुलै 2018 |
| आर्वी आणि एसएच-295 च्या भागाच्या रुंदीकरणाचे आणि सुधारणेचे (किमी 59/600-61/800) काम | 2.2 किमी लांबीच्या रुंदीकरणासह सुधारणेसाठी ₹ 4.05 कोटी | 1.7 किमी (किमी 59/600-61/300) लांबीत सुधारणा करण्यासाठी ₹ 0.88 कोटी आणि 0.7 किमीच्या (किमी 59/600-60/300) भागाचे रुंदीकरण (₹ 0.36 कोटी) | जानेवारी 2017 आणि मार्च 2018 |

³⁶ मे. जसवंत सिंह ओबेरॉय कन्स्ट्रक्शन प्रायव्हेट लिमिटेड, यवतमाळ.

³⁷ करार क्र बी-1/523/डीएल/2016-17.

³⁸ मे. डी के कन्स्ट्रक्शन, आर्वी.

कंत्राटदाराला वर्धा विभागातील रुंदीकरणाच्या कामासाठी ₹ 3.12 कोटींसह कार्यान्वित केलेल्या कामासाठी पाचव्या आणि अंतिम चालू खाते बिलातून ₹ 8.11 कोटींचे भुगतान करण्यात आले (सप्टेंबर 2019). आर्वी विभागाने रुंदीकरणाच्या कामासाठी ₹ 0.36 कोटींसह ₹ 0.88 कोटींचे भुगतान केले (ऑगस्ट 2018) आणि राष्ट्रीय महामार्ग विभाग, नागपूरला रस्ता हस्तांतरित केला (जुलै 2018).

या विभागांद्वारे विद्यमान रस्त्यांच्या रुंदीकरणाच्या कामांची अंमलबजावणी, सचिवांच्या वरील निर्देशांप्रमाणे नव्हती, ज्यात राष्ट्रीय महामार्ग म्हणून घोषित झालेले रस्ते राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकाऱ्यांकडे हस्तांतरित होईपर्यंत, त्यांची फक्त योग्य दुरुस्ती आणि देखभाल करण्याचे निर्देश दिले होते. असे असतानाही, वर्धा आणि आर्वी विभागांनी हे काम देखभाली पुरते मर्यादित ठेवण्याच्या सचिवांच्या निर्देशाचे पालन करण्यासाठी कोणतीही कारवाई न करता रस्त्याच्या रुंदीकरणाच्या नवीन कामाचा समावेश केला. रस्त्याच्या रुंदीकरणाच्या कामावर ₹ 3.48 कोटी (3.12+0.36 = 3.48) खर्च केला गेला.

शासनाने सांगितले (जुलै 2022) की सार्वजनिक बांधकाम विभाग, वर्धा यांच्या कामाच्या बाबतीत, 2017 च्या पावसाळ्यात रस्ता रहदारीयोग्य स्थितीत ठेवता यावा यासाठी किमान संभाव्य खर्च करून कामाची व्याप्ती कमी करण्यात आली. सार्वजनिक बांधकाम विभाग, आर्वीच्या बाबतीत राईडिंग गुणवत्ता राखण्यासाठी काम करण्यात आले.

उत्तर स्वीकार्य नाही कारण कामाची कमी झालेली व्याप्ती केवळ अस्तित्वात असलेल्या वाहतूक मार्गाची दुरुस्ती आणि देखभाल करण्यापुरती मर्यादित नव्हती तर अस्तित्वात असलेल्या रस्त्याच्या रुंदीकरणाचे नवीन कामही करण्यात आले. सिमेंट काँक्रीट रस्त्याच्या बांधकामासाठी हा रस्ता राष्ट्रीय महामार्ग म्हणून अधिसूचित (जानेवारी 2017) झाल्यामुळे, राष्ट्रीय महामार्गाच्या बांधकामासाठी संपूर्ण रस्ता खोदण्यात येणार होता. त्यामुळे अस्तित्वात असलेला रस्ता रहदारीयोग्य स्थितीत ठेवणे गरजेचे होते, परंतु राष्ट्रीय महामार्गाचा सिमेंट काँक्रीटचा रस्ता पाहता रस्त्याचे रुंदीकरण टाळता येण्यासारखे होते. परिणामी, रस्त्यांच्या रुंदीकरणाच्या कामाच्या अंमलबजावणीमुळे ₹ 3.48 कोटींचा टाळता येण्याजोगा खर्च झाला.

महसूल व वन विभाग

2.4 स्वर्गीय उत्तमराव पाटील वन उद्यान निर्मिती योजनेची महाराष्ट्रात अंमलबजावणी

स्वर्गीय उत्तमराव पाटील जैव-विविधता वन उद्याने म्हणून संबोधल्या जाणाऱ्या आणि निर्मितीसाठी हाती घेण्यात आलेल्या 67 जैव-विविधता उद्यानांपैकी केवळ 15 जैव-विविधता उद्याने पूर्णत्वास जाऊ शकली आणि हस्तांतरित करण्यात (मार्च 2021) आली. जागांच्या अयोग्य निवडीमुळे अयशस्वी वृक्षारोपण आणि अशासकीय जमिनीवर उद्यानांची निर्मिती करण्यात आली. अंदाजपत्रक आणि खर्च यांवर नियंत्रणाचा अभाव होता. निधी कमी दिल्यामुळे योजनेची मुदत वाढली आणि बहुतांश उद्याने अपूर्ण राहिली. निर्धारित कालावधीत जैव-विविधता उद्याने पूर्ण न झाल्यामुळे आणि जैव-विविधता उद्यानांच्या निर्मिती दरम्यान तयार केलेल्या मालमत्तेच्या देखभालीसाठी तपशीलवार प्रकल्प अहवालात कोणतीही तरतूद नसल्यामुळे निर्मित मालमत्तेचा न्हास झाल्याचे लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले.

2.4.1 प्रस्तावना

महाराष्ट्र शासनाच्या महसूल व वन विभागाने जैव विविधता उद्यानांच्या निर्मितीसाठी 'स्वर्गीय उत्तमराव पाटील वन उद्यान' म्हणून संबोधल्या जाणारी राज्य पुरस्कृत योजना सुरू केली (जून 2015). वन विभागाच्या अंतर्गत विद्यमान राष्ट्रीय आणि इतर उद्यानांच्या श्रेणी सुधारासह ही जैव-विविधता उद्याने प्रत्येक जिल्ह्यात दोन (एकूण 68 जैव-विविधता उद्याने) यांप्रमाणे राज्यातील 34 जिल्ह्यांमध्ये (मुंबई शहर आणि मुंबई उपनगर वगळून) तयार केली जाणार होती. ही योजना वन विभागाच्या सामाजिक वनीकरण शाखेद्वारे 2015-2016 ते 2018-19 या कालावधीत राबविण्यात येणार होती, जी ₹ 134.14 कोटी अर्थसंकल्पीय तरतुदींसह आणखी चार वर्षांनी म्हणजेच 2022-2023 पर्यंत वाढविण्यात आली (जून 2019).

या योजनेची उद्दिष्टे:

- जैव-विविधता आणि निसर्गाचे संवर्धन करणे,
- दुर्मिळ आणि सुंदर वनस्पतींचे रोपण, संरक्षण आणि संवर्धन करणे,
- उपवने निर्माण करणे (विविध प्रकारच्या वनस्पतींचे छोटे गट असलेले),
- लोकांना निसर्गासोबत आनंदाचे क्षण घालविण्यात सुलभता,
- मनोरंजन आणि करमणुकीची साधने उपलब्ध करून देणे,
- भावी पिढीसाठी सुरक्षित वातावरण निर्मिती,

- झाडांचे महत्व अधोरेखित करणाऱ्या पुस्तकांसह एका छोट्या वाचनालयाची स्थापना आणि त्यांचा प्रसार करणे ही होती.

जैव-विविधता उद्याने पूर्ण झाल्यानंतर स्थानिक लोकांच्या सहभागातून शक्यतो संयुक्त वन व्यवस्थापन समिती, जेथे ती कार्यरत होती, त्याद्वारे चालवायची आणि देखरेख करायची होती. अन्यथा उद्याने चालविण्यासाठी आणि देखरेख करण्यासाठी गाव पातळीवर स्थानिक लोकांचा समावेश असलेली समिती किंवा स्थानिक संस्था आवश्यक होती.

या योजनेची अंमलबजावणी विभाग स्तरावर विभागीय वन अधिकारी, सामाजिक वनीकरण, मंडळ स्तरावर सहा³⁹ वन संरक्षक, सामाजिक वनीकरण यांच्या देखरेखी खाली आणि प्रधान मुख्य वनसंरक्षक, सामाजिक वनीकरण, पुणे यांच्या नेतृत्वाखाली करण्यात आली.

जैव-विविधता उद्याने निर्मिती योजनेची अंमलबजावणी योजनेच्या मार्गदर्शक तत्वांनुसार झाली आणि योजनेची देखरेख यंत्रणा कार्यरत आणि प्रभावी होती हे तपासण्यासाठी अनुपालन लेखापरीक्षण करण्यात आले. वन संवर्धन अधिनियम 1980, महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियमावली 1984, महाराष्ट्र शासनाने निर्गमित केलेले शासकीय निर्णय/आदेश/परिपत्रके आणि जैव-विविधता उद्यानांचे तपशीलवार प्रकल्प अहवाल निकष म्हणून वापरण्यात आले.

ही उद्याने निर्माण करण्याचे ठरविण्यात आलेल्या 34 पैकी 15⁴⁰ जिल्ह्यांची (44 टक्के), लेखापरीक्षा विश्लेषणासाठी निवड करण्यात आली होती. कोविड-19 महामारीमुळे जास्तीत जास्त लेखापरीक्षा चाचणी तपासणी नजीकच्या परिमंडळांसाठी नियोजित केली होती, जसे, अमरावती (पाच पैकी तीन जिल्हे) आणि नागपूर (सहापैकी पाच जिल्हे). तसेच, उर्वरित चार परिमंडळात (औरंगाबाद, नाशिक, पुणे आणि ठाणे) 23 पैकी सात जिल्ह्यांची निवड साध्या यादृच्छिक नमुना पद्धतीने करण्यात आली होती. निवडलेल्या जिल्ह्यांतील विभागीय वन अधिकारी, सामाजिक वनीकरण यांच्या एप्रिल 2015 ते मार्च 2021 या कालावधीतील अभिलेखांच्या चाचणी तपासणी व्यतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, पुणे यांच्यासह चार वन संरक्षक, सामाजिक वनीकरण (अमरावती, नागपूर, पुणे आणि ठाणे) कार्यालयांमध्ये लेखापरीक्षा तपासणी करण्यात आली. ऑक्टोबर 2020 आणि सप्टेंबर 2021 या कालावधीमध्ये लेखापरीक्षण करण्यात आले.

³⁹ अमरावती, औरंगाबाद, नागपूर, नाशिक, पुणे आणि ठाणे.

⁴⁰ भंडारा, चंद्रपूर, गोंदिया, नागपूर आणि वर्धा (नागपूर मंडळ), अकोला, अमरावती आणि यवतमाळ (अमरावती मंडळ), जालना, नांदेड, उस्मानाबाद (औरंगाबाद मंडळ), धुळे, नाशिक (नाशिक मंडळ) सोलापूर (पुणे मंडळ) आणि ठाणे (ठाणे मंडळ).

राज्यात ₹ 134.14 कोटी खर्चून 68 जैव-विविधता उद्याने निर्माण करण्याच्या प्रस्तावित कामांपैकी 67 जैव-विविधता उद्यानांच्या निर्मितीचे काम हाती घेण्यात आले होते. तथापि, लेखापरीक्षेला असे लक्षात आले की मार्च 2021 पर्यंत ₹ 96.52 कोटी (72 टक्के) इतका खर्च करण्यात आला आणि केवळ 15 जैव-विविधता उद्याने (22 टक्के) पूर्ण केली जाऊ शकली (मार्च 2021). ऑगस्ट 2022 पर्यंत 35 जैव-विविधता उद्याने (52 टक्के) पूर्ण झाली होती आणि उर्वरित 32 जैव-विविधता उद्यानांचे काम प्रगतीपथावर होते. तसेच 35 पूर्ण झालेल्या जैव-विविधता उद्यानांपैकी 21 जैव-विविधता उद्याने हस्तांतरित करण्यात आली (ऑगस्ट 2022).

परिशिष्ट 2.4.1 मध्ये तपशीलवार दर्शविल्याप्रमाणे निवडलेल्या 15 जिल्ह्यांमध्ये 32 जैव-विविधता उद्याने निर्माण करण्याकरिता हाती घेण्यात आली होती, ज्यांचा लेखापरीक्षणात अंतर्भाव करण्यात आला होता.

अनुपालन लेखापरीक्षेचे निष्कर्ष राज्य शासनाला निर्गमित करण्यात आले (नोव्हेंबर 2021) व मुख्य सचिव (वने) यांच्या समवेत 25 नोव्हेंबर 2021 रोजी आयोजित निर्गमन बैठकीत त्यावर चर्चा करण्यात आली. विभागाची मते/उत्तरे योग्यरित्या अंतर्भूत करण्यात आली आहेत.

लेखापरीक्षा निष्कर्ष

निवडलेल्या 15 जिल्ह्यांमध्ये निर्मितीसाठी हाती घेण्यात आलेल्या 32 जैव-विविधता उद्यानांपैकी केवळ 15 जैव विविधता उद्याने पूर्ण झाली आणि 17 जैव-विविधता उद्यानांमध्ये काम प्रगतीपथावर होते (ऑगस्ट 2022).

जैव-विविधता उद्याने निर्मितीचे उद्दिष्ट साध्य न होण्याची कारणे पुढील परिच्छेदांमध्ये दर्शविण्यात आली आहेत.

2.4.2 जागेचे नियोजन आणि निवड

प्रधान मुख्य वनसंरक्षक, सामाजिक वनीकरण यांनी जागेची निवड आणि योजनेचा तपशीलवार प्रकल्प अहवाल तयार करण्यासाठी सूचना निर्गमित केल्या (एप्रिल आणि जून 2015). या सूचनांमध्ये असे नमूद करण्यात आले आहे की जैव-विविधता उद्याने गावा लगतच्या केवळ सरकारी जमिनी (वन जमीन/वनेतर जमीन), ज्या उपयोगात नाही किंवा विद्यापीठे/महानगरपालिका आणि नगरपरिषदांनी उद्यानासाठी आरक्षित केलेल्या जागेवर निर्माण केली जावी. जैव-विविधता उद्यान 5 ते 10 हेक्टर क्षेत्रफळाच्या जागेत वस्ती/गावाच्या 500 मीटरच्या आत असावे आणि जमीन खडकाळ किंवा निकृष्ट दर्जाची नसावी.

2.4.2.1 विहित अंतराच्या पलीकडे स्थित जैवविविधता उद्याने

निवडलेल्या 32 जैव-विविधता उद्यानांपैकी बारा⁴¹ उद्याने 500 मीटर अंतराच्या पलीकडे आणि मानवी निवास/गावापासून पाच किलोमीटर अंतरापर्यंत ग्रामीण क्षेत्रात स्थित असलेली आढळली, जे प्रधान मुख्य वन संरक्षक, पुणे ह्यांनी जैव-विविधता उद्यानांच्या निर्मितीसाठी दिलेल्या सूचनांच्या (एप्रिल 2015) विपरीत होते. जैव-विविधता उद्याने विहित अंतरापेक्षा जास्त अंतरावर स्थित असल्यामुळे कमी अभ्यागतांच्या भेटीची शक्यता नाकारली जाऊ शकत नाही, जे त्यांच्या परिसरात मनोरंजन आणि पर्यावरण शिक्षण सुविधेच्या तरतुदीद्वारे लोकांमध्ये निसर्ग संवर्धनाला चालना देण्याच्या योजनेच्या उद्देशाला विफल करते.

राज्य शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की, मुख्य रस्त्याला लागून किंवा काही ऐतिहासिक अथवा धार्मिक स्थळांच्या जवळ, जेथे समर्पित अभ्यागतांच्या भेटी अपेक्षित होत्या, अशा ठिकाणी जैव-विविधता उद्यानांच्या जागांची निवड करण्याचा जाणीवपूर्वक प्रयत्न करण्यात आला.

तथापि, हे नमूद केले की या 12 जैव-विविधता उद्यानांपैकी फक्त एक (तीर्थ जैव-विविधता उद्यान) धार्मिक स्थळाजवळ आणि चार जैव-विविधता उद्याने (गोंडपिंपरी, कुरुम, मदलाबाद आणि नवाटोला) हे मुख्य रस्त्यालगत होते आणि उर्वरित जैव-विविधता उद्याने जवळच्या गावांपासून दूर स्थित होते ज्यामुळे उद्यानाला भेट देणाऱ्या लोकांची संख्या कमी होण्याची शक्यता आहे.

2.4.2.2 जमिनीच्या खंडित भागावर निर्मिलेली जैवविविधता उद्याने

खाली तपशीलवार वर्णन केल्याप्रमाणे लेखापरीक्षणास असे निदर्शनास आले की तीन जैव-विविधता उद्यानांसाठी निवड करण्यात आलेली जागा दोन किंवा अधिक भागांत विभागली गेली होती आणि हे भाग जोडलेले नव्हते ज्यामुळे लोकांना प्रत्येक भागाला स्वतंत्रपणे भेट द्यावी लागणार होती.

- असे निदर्शनास आले की रस्त्याच्या बाजूने 1.10 किमी लांबी असलेले माजीवाडे जैव-विविधता उद्यान (जिल्हा ठाणे) चार नाल्यांमुळे पाच भागात विभागले होते, त्यापैकी फक्त दोन भाग एका पुलामुळे जोडलेले होते. ह्या जैव-विविधता उद्यानाच्या तपशीलवार प्रकल्प अहवालात भागांच्या एकमेशांची आंतर जोडणीसाठी कोणतीही तरतूद नव्हती.

⁴¹ 500 मीटर ते 1 किमी-3 उद्याने (उपटखेडा, नवाटोला, तीर्थ), 1 किमी ते 5 किमी- 5 उद्याने (गराडा, जोंधळणी, कळंब, गोंडपिंपरी, मलोली), 3 किमी ते 5 किमी-1 उद्यान (कुरुम-4 किमी), 5 किमी च्या वर-3 उद्याने (मदलाबाद, डोंगर्ला, बोंधर).

राज्य शासनाने वस्तुस्थिती मान्य केली आणि नमूद केले (डिसेंबर 2021) की न जोडलेल्या भागांची आंतर-जोडणी करण्यासाठी तपशीलवार प्रकल्प अहवाल सुधारित केला जाईल.

- वर्धा जिल्ह्यातल्या राजनी जैव-विविधता उद्यानाला दोन स्वतंत्र न जोडलेले भाग होते कारण हे दोन भाग जोडण्यासाठी प्रस्तावित करण्यात आलेला पूल निधीच्या अभावी बांधण्यात आला नाही.

राज्य शासनाने वस्तुस्थिती मान्य केली आणि नमूद केले की निधी उपलब्ध झाल्यावर तो बांधण्यात येईल.

- जामखेळ (धुळे जिल्हा) मध्ये उपलब्ध करून दिलेले क्षेत्र 10 हेक्टर असले तरी एका नाल्याने जमीन विभाजित केली आणि 0.31 हेक्टर मध्ये ₹ 66.77 लाख खर्चून एक वाचनालय खोली, खेळण्याचे उपकरण, निरीक्षण झोपडी तयार केली गेली आणि जैव-विविधता उद्यानाच्या इतर भागात ₹ 30.01 लाख खर्चून 9.69 हेक्टर जमिनीवर केवळ वृक्षारोपणाचे काम करण्यात आले. ₹ 2.14 कोटींच्या तपशीलवार प्रकल्प अहवालाच्या तुलनेत एकूण ₹ 96.78 लाख खर्च केल्यानंतर जैव-विविधता उद्यान पूर्ण झाल्याचे घोषित करण्यात आले आणि कार्यचालन आणि रखरखावासाठी ग्राम पंचायतीच्या (मे 2020) सुपूर्द करण्यात आले. लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की तयार केले गेलेले विविध घटक⁴² जैव-विविधता उद्यानाच्या तपशीलवार प्रकल्प अहवालामध्ये निर्धारित केलेल्या घटकांपेक्षा आकाराने खूपच लहान होते. तसेच या जैव-विविधता उद्यानासाठी खरेदी केलेली उपकरणे, जसे की, बाक, पथदिवे, प्राण्यांच्या मूर्ती एका खोलीमध्ये टाकून दिल्या होत्या. अशाप्रकारे जागेच्या छोट्या भागात (एकूण क्षेत्रफळाच्या केवळ 0.30 टक्के) जैव-विविधता उद्यान कार्यान्वित केल्यामुळे उपकरणांची स्थापना झाली नाही आणि घटकांची अंमलबजावणी उपलब्ध असलेल्या कमी जागेत करावी लागली. शिवाय, मोठ्या भागात केलेल्या वृक्षारोपणाचा, त्या भागात मार्ग किंवा रस्ता नसल्याने जनता लाभ घेऊ शकत नव्हती.

राज्य शासनाने सांगितले (डिसेंबर 2021) की जैव-विविधता उद्यानाच्या सुविधा लहान क्षेत्रांकरिता मर्यादित होत्या आणि उर्वरित क्षेत्रांवर वृक्षारोपण करण्यात आले.

उत्तर स्वीकार्य नाही कारण लोकांसाठी प्रवेश नसलेल्या, नाल्याद्वारे विभक्त केलेल्या जागेच्या मोठ्या भागावर वृक्षारोपण करण्यात आले.

⁴² खेळण्याची उपकरणे, आंतरिक रस्ते, माहिती केंद्र, वाचनालय, कुंपण इत्यादि.

2.4.2.3 वृक्ष लागवडीसाठी अयोग्य जागा

छायाचित्र सं 2.4.1: मालोली जैव-विविधता उद्यान
(23.06.2021)



सोलापूर जिल्ह्यातील मालोली जैव-विविधता उद्यानाच्या बाबतीत लेखापरीक्षणास आढळले (जून 2021) की जैव-विविधता उद्यानात केलेले वृक्षारोपण सफल नव्हते (जगण्याची टक्केवारी 29 टक्के होती) आणि निवडलेली जागा/जमीन खडकाळ असल्यामुळे तेथे फक्त उंच गवतच आढळले, जे प्रधान मुख्य वनसंरक्षक सामाजिक वनीकरण यांच्या जागा निवडीच्या सूचनेचे (एप्रिल व जून 2015) उल्लंघन करणारे होते.

राज्य शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की सोलापूर जिल्ह्यांतील अवर्षणग्रस्त क्षेत्रातील बहुतांश जमीन बसाल्ट दगडापासून उत्पन्न झाली आहे आणि त्याची खोली उथळ ते मध्यमच्या दरम्यान बदलते त्यामुळे सामान्य पोषक तत्व उपलब्ध होतात आणि मर्यादित ओलावा असल्यामुळे वाढ खुंटते. म्हणून निवडलेली झाडे आणि वनस्पती ह्या क्षेत्रासाठी योग्य होत्या. शासनाने पुढे असे सांगितले की जगण्याची टक्केवारी आता 70 टक्के इतकी वाढली आहे (डिसेंबर 2021).

तथापि, वाढलेल्या जगण्याच्या टक्केवारीला सिद्ध करण्यासंबंधी दस्तावेज लेखापरीक्षेला सादर करण्यात आले नाहीत (ऑगस्ट 2022).

2.4.2.4 जैव-विविधता उद्यानाच्या संचालनाच्या कोणत्याही आराखड्याशिवाय त्यांची निर्मिती

जैव-विविधता उद्याने त्यांच्या पूर्णतेनंतर सर्वसामान्य जनतेच्या उपयोगासाठी नियोजित केली होती आणि म्हणून हे शासकीय जमिनीवर निर्मित करण्याचे विहित केले होते. लेखापरीक्षणाला खालील विचलन आढळले ज्यामुळे जैव-विविधता उद्यानांपासून योजलेले लाभ साध्य करण्यात अपयश आले.

➤ अशासकीय जमिनीवर निर्मित जैव-विविधता उद्याने

लेखापरीक्षणाच्या असे निदर्शनास आले की उस्मानाबाद जिल्ह्यातील दोन जैव-विविधता उद्याने, तीर्थ जैव-विविधता उद्यान आणि ढोकी जैव-विविधता उद्यान अनुक्रमे ₹ 99.01 लाख आणि ₹ 142.15 लाख खर्चून दोन वेगवेगळ्या मंदिर

ट्रस्टच्या⁴³ जागेवर पूर्ण करण्यात आले. दोन्ही जैव-विविधता उद्याने पूर्ण झाल्यानंतर संबंधित ट्रस्टच्या (जून 2020 आणि जुलै 2020) सुपूर्द करण्यात आले. अशाप्रकारे, अशासकीय जमिनीवर जैव-विविधता उद्यानांची निर्मिती प्रधान मुख्य वनसंरक्षक (सामाजिक वनीकरण) द्वारे निर्गमित केलेल्या (एप्रिल आणि जून 2015) जागेच्या निवडी संदर्भातील निर्देशांचे उल्लंघन करणारी होती.

➤ **वृक्षारोपणाच्या उद्देशाकरिता दिलेल्या जमिनीवर निर्माण केलेले जैव-विविधता उद्यान**

अकोला जिल्ह्यातील काटी-पाटी जैव-विविधता उद्यानाची निर्मिती ज्या जमिनीवर केली ती जमीन स्थानिक ग्रामपंचायतीने विभागाला फक्त तीन वर्षांकरिता केवळ वृक्षारोपणाच्या कामासाठी दिली (फेब्रुवारी 2017) होती. जैव-विविधता उद्यानाच्या निर्मितीचे काम वर्ष 2018-19 मध्ये सुरु झाले आणि तपशीलवार प्रकल्प अहवालाच्या एकूण 38 घटकांपैकी 13 घटकांची अंमलबजावणी ₹ 67.41 लाख खर्च करून करण्यात आली. तथापि, उर्वरित कामे स्थानिक लोकांच्या जबरदस्त विरोधामुळे पूर्ण होऊ शकली नाही, कारण जैव-विविधता उद्यानाची जागा त्यांना त्यांच्या गुराढोरांना चरण्यासाठी हवी होती. उर्वरित कामांची अंमलबजावणी न करता, जैव-विविधता उद्यान (जुलै 2020) पुढील कार्यचालन आणि रखरखावासाठी ग्राम पंचायतीला हस्तांतरित करण्यात आले. लेखापरीक्षणाला प्रत्यक्ष जागेच्या भेटीनंतर असे लक्षात आले (डिसेंबर 2020) की जैव-विविधता उद्यान म्हणून कार्य करण्यापेक्षा, ते क्षेत्र पशुधनाच्या चरण्याचे मैदान म्हणून वापरण्यात येत होते. उद्यानांतर्गत निर्मित मालमत्ता उदा. पाइपलाईन, बसण्याचे बाक इत्यादी सुद्धा तोडफोड केलेले आढळले.

छायाचित्र सं. 2.4.2: काटी-पाटी जैव-विविधता उद्यान (28.12.2020)



उद्यानातील बाक तोडफोड केलेल्या स्थितीत

अशा प्रकारे, जैव-विविधता उद्यानाची निर्मिती करण्यासाठी ग्राम पंचायतीच्या संमतीशिवाय जागेची निवड केल्यामुळे ते अपूर्णावस्थेत ग्राम पंचायतीच्या सुपूर्द करावे लागले आणि झालेला खर्च व्यर्थ ठरला.

शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद अकोला यांना हा मुद्दा सोडविण्यास सूचित करण्यात आले आहे.

⁴³ ढोकी जैव-विविधता उद्यानाची जागा साखर कारखान्याची आहे परंतु जमिनीचा काही भाग मंदीर ट्रस्ट सोबत आहे ज्याला जैव-विविधता उद्यान सुपूर्द केले.

2.4.3 वित्त व्यवस्थापन

महसूल व वन विभागाने 2015-2019 दरम्यान 68 जैव-विविधता उद्याने तयार करण्यासाठी ₹ 134.14 कोटी प्रक्षेपित केलेला परिव्यय होता, ज्याच्या तुलनेत केवळ ₹ 87.83 कोटी म्हणजेच आवश्यक निधीच्या केवळ 65 टक्के निधी 2015-2019 या योजनेच्या कालावधीत प्रदान करण्यात आला.

हे देखील निदर्शनास आले की 2019-21 दरम्यान जैव-विविधता उद्याने पूर्ण करण्यासाठी ₹ 46.31 कोटी आवश्यक निधीच्या तुलनेत केवळ ₹ 10.34 कोटी प्रदान करण्यात आले. अशाप्रकारे, एकूण ₹ 98.17 कोटी प्रदान केले (मार्च 2021) ज्यापैकी ₹ 96.52 कोटी खर्च झाले आहे.

लेखापरीक्षाच्या असे निदर्शनास आले की लक्षित 68 च्या तुलनेत निर्मितीसाठी हाती घेण्यात आलेल्या 67 जैव-विविधता उद्यानांपैकी केवळ 15 जैव-विविधता उद्याने पूर्ण होऊ शकली (मार्च 2021). ऑगस्ट 2022 पर्यंत 35 जैव-विविधता उद्याने पूर्ण झाली आहेत आणि 21 जैव-विविधता उद्याने कार्यचालन आणि रखरखावासाठी हस्तांतरित करण्यात आली.

2.4.3.1 निधी कमी प्रदान करणे

निवडलेल्या 15 जिल्ह्यांमध्ये 2015-2021 दरम्यान आवश्यक निधी, प्रदान केलेला निधी आणि झालेला खर्च तक्ता 2.4.1 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे होता.

तक्ता 2.4.1: आवश्यक निधी, प्रदान केलेला निधी आणि झालेला खर्च

(₹ कोटीं मध्ये)

| अनु. क्र. | जिल्ह्याचे नाव | जैव विविधता उद्यानांची संख्या | निधीची आवश्यकता | निधी प्रदान केला | खर्च केला | कमी निधी प्रदान केला |
|-----------|----------------|-------------------------------|-----------------|------------------|-----------|----------------------|
| 1 | अकोला | 3 | 9.90 | 6.10 | 5.67 | 3.80 |
| 2 | अमरावती | 2 | 5.48 | 4.10 | 4.10 | 1.38 |
| 3 | भंडारा | 1 | 2.01 | 0.93 | 0.93 | 1.08 |
| 4 | चंद्रपूर | 3 | 6.86 | 6.62 | 6.61 | 0.24 |
| 5 | धुळे | 1 | 2.14 | 0.97 | 0.97 | 1.17 |
| 6 | गोंदिया | 4 | 7.32 | 4.87 | 4.87 | 2.45 |
| 7 | जालना | 2 | 3.90 | 3.10 | 3.10 | 0.80 |
| 8 | नागपूर | 1 | 2.96 | 1.79 | 1.79 | 1.17 |
| 9 | नांदेड | 2 | 4.57 | 3.35 | 3.35 | 1.22 |
| 10 | नाशिक | 3 | 6.05 | 2.92 | 2.49 | 3.13 |
| 11 | उस्मानाबाद | 2 | 2.79 | 2.41 | 2.41 | 0.38 |
| 12 | सोलापूर | 2 | 2.80 | 2.65 | 2.65 | 0.16 |
| 13 | ठाणे | 2 | 13.22 | 11.05 | 11.05 | 2.17 |
| 14 | वर्धा | 2 | 3.92 | 2.28 | 2.15 | 1.64 |
| 15 | यवतमाळ | 2 | 2.27 | 1.95 | 1.95 | 0.32 |
| एकूण | | 32 | 76.20 | 55.10 | 54.09 | 21.10 |

स्त्रोत:- विभागांनी सादर केलेली माहिती

➤ निवडलेल्या जैव-विविधता उद्यानांना पुरवलेल्या निधीमध्ये ₹ 21.10 कोटींची (27 टक्के) कमतरता होती. 32 पैकी केवळ 9 जैव-विविधता उद्याने पूर्ण झाली होती ज्यात तीन जैव-विविधता उद्याने अंशतः (45 टक्के) कामे केल्यानंतर पूर्ण झाल्याचे जाहीर करण्यात आले होते आणि 23 जैव-विविधता उद्याने अद्यापही अपूर्ण होती (जून 2021).

राज्य शासनाने मान्य केले (डिसेंबर 2021) की निधीच्या अनुपलब्धतेमुळे जैव-विविधता उद्याने अपूर्ण राहिली.

2.4.3.2 आवंटीत निधीचा वापर न करणे

वर्ष 2019-20 मध्ये महाराष्ट्र शासनाने ₹ 6.33 कोटी (सर्व 67 जैव-विविधता उद्यानांना) आवंटीत केले होते. त्यापैकी ₹ 89.26 लाख प्रत्यर्पित करण्यात आले आणि ₹ 68.26 लाख 31 मार्च 2020 रोजी शासनाला व्यपगत झाले व अर्थसंकल्प वितरण प्रणाली 27 मार्च 2020 पासून वित्तीय वर्षाअखेर (31 मार्च 2020) पर्यंत बंद पडल्यामुळे विभागीय वन अधिकारी, औरंगाबाद यांना ₹ 7.99 लाख काढता आले नाही. अशा प्रकारे, ₹ 1.66 कोटींची रक्कम उपलब्ध असूनही 2019-20 मध्ये योजनेसाठी उपयोगात आणता आली नाही.

वर्धा जिल्ह्यात 2016-17 मध्ये प्राप्त झालेल्या ₹ 70.64 लाखांपैकी ₹ 10 लाखांची रक्कम मुख्य प्रधान वन संरक्षक (सामाजिक वनीकरण) ला प्रत्यर्पित करण्यात आली (जानेवारी 2017) आणि अकोला जिल्ह्यात 2015-16 आणि 2019-20 मध्ये संवितरीत अनुक्रमे ₹ 12 लाख आणि ₹ 31.16 लाख निधी त्या वर्षांमध्ये वापरता आला नाही.

राज्य शासनाने वस्तुस्थिती मान्य केली आणि नमूद केले (डिसेंबर 2021) की प्रस्तावित कामांच्या ई-निविदेला विलंब झाल्यामुळे निधी अखर्चित राहिला.

2.4.4 जैव-विविधता उद्यानांची निर्मिती, कार्यचालन आणि रखरखाव

लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले की निवडलेल्या 15 जिल्ह्यात निर्मितीसाठी हाती घेण्यात आलेल्या 32 जैव-विविधता उद्यानांपैकी 9 जैव-विविधता उद्याने पूर्ण झाली आणि 23 जैव-विविधता उद्यानांचे काम प्रगतीपथावर होते. ऑगस्ट 2022 पर्यंत 15 उद्याने पूर्ण झाली होती ज्यापैकी तीन अपूर्णावस्थेत असतांनाही पूर्ण झालेली दाखवण्यात आली होती. पूर्ण झालेल्या 15 जैव-विविधता उद्यानांपैकी 10 जैव-विविधता उद्याने प्राधिकरण/स्थानिक संस्था/वन विभागाला कार्यचालन आणि रखरखावासाठी हस्तांतरित करण्यात आले होते.

2.4.4.1 अद्याप पूर्ण न झालेल्या जैव-विविधता उद्यानांमध्ये संपत्तीची दुरावस्था

लेखापरीक्षणाने विभागीय वन अधिकारी सामाजिक वनीकरणच्या संबंधित कर्मचाऱ्यांसोबत अपूर्ण जैव-विविधता उद्यानांच्या स्थळाला भेट दिली असता (ऑक्टोबर 2020 आणि जुलै 2021 दरम्यान) असे निदर्शनास आले की 15 निवडलेल्या जिल्हयांपैकी 10 जिल्हयांमधील 12 जैव-विविधता उद्यानां मध्ये निर्मित साधनसंपत्तीची दुरावस्था झाली, नुकसान झाले किंवा चोरी झाली आहे जे तक्ता 2.4.2 मध्ये दर्शविले आहे.

तक्ता 2.4.2: अपूर्ण जैव-विविधता उद्यानात दुरावस्था झालेली, नुकसान झालेली किंवा चोरीला गेलेली संपत्ती किंवा उपकरणे

| अनु. क्र. | बघितलेली दुरावस्था/नुकसान | लेखापरीक्षा निरीक्षण |
|-----------|---|---|
| 1. | वृक्षारोपण आढळले नाही आणि उंच गवत आढळले | <p>जोंधळणी जैव-विविधता उद्यान (यवतमाळ): वृक्षारोपण जसे की नक्षत्रवन, मिश्र वृक्षारोपण, ₹ 7.41 लाख खर्च करून करण्यात आलेली 400 बांबू रोपट्यांची लागवड दिसली नाही आणि 6 फुटांपेक्षा उंच गवत दिसून आले.</p> <p>कुडवा जैव-विविधता उद्यान (गोंदिया): विविध वनांत केलेले वृक्षारोपण अस्तित्वात नव्हते, ज्याची वन संरक्षक, नागपूर यांनी देखील त्यांच्या भेटी दरम्यान (फेब्रुवारी 2019) पुष्टी केली.</p> <p>डोंगर्ला जैव-विविधता उद्यान (भंडारा): नक्षत्र वन, पंचवटी वन, राशी वन, नव ग्रह वन आणि औषधी वनस्पती दिसून आले नाही, फक्त उंच गवतशिवाय काहीच नव्हते.</p> <p>मदलाबाद जैव-विविधता उद्यान (अमरावती): बहुतेक सर्व वनातील (मेळघाट वन औषधी वन, रेशीम शेती वन, तेल वन, लाख वन, बांबू वन) सर्व वनस्पती मृत आढळल्या आणि फक्त उंच गवत दिसून येत होते.</p> <p>वाशिंबा जैव-विविधता उद्यान (अकोला): पादचारी मार्ग जंगली गवत/झुडपांनी झाकले गेले होते.</p> <p>कुरुम जैव-विविधता उद्यान (अकोला): जंगली गवत/झुडपे विविध वनात उगवले होते ज्यामुळे वृक्षारोपणाच्या वाढीत अडथळा निर्माण होत होता.</p> <p>अर्जुनी-मोरगाव, कुडवा, नवाटोला आणि गराडा जैव-विविधता उद्यान (गोंदिया): सगळ्या ठिकाणी उंच गवत आढळले ज्यामुळे झाडांच्या वाढीवर परिणाम झाला आणि अंतर्गत रस्ते पण निरुपयोगी झाले होते.</p> <p>वेणा निमजी जैव-विविधता उद्यान (नागपूर) आणि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ, वर्धा जैव-विविधता उद्यान: खेळाची साधने आणि शौचालये खराब झाली होती आणि सहा फुटांपेक्षा उंच गवतामुळे उपयोगात आणण्यासारखी नव्हती.</p> |

| | | | |
|-----------------|---|---|--|
| नमूना छायाचित्र | | छायाचित्र सं.2.4.3 जोंधळणी जैव-विविधता उद्यान (4.12.2020) | छायाचित्र सं.2.4.4 महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ वर्धा जैव-विविधता उद्यान (12.11.2020) |
| | |  |  |
| | | नक्षत्रवना ऐवजी गवत | जैव-विविधता उद्यानात सगळीकडे उंच गवत |
| 2. | खेळण्याची उपकरणे आणि इतर निर्मित मालमत्ता क्षतीग्रस्त आढळले | <p>मालोली जैव-विविधता उद्यान (सोलापूर): जैव-विविधता उद्यानासाठी स्वागत कक्ष आणि स्वच्छता गृह जैव-विविधता उद्यानाच्या जागेला लागून असलेल्या रोपवाटिकेमध्ये बांधण्यात आले. ₹ 2.38 लाख खर्च करून उद्यानात उभारण्यात आलेल्या दहा सौर ऊर्जा दिव्यांपैकी आठ दिवे (₹ 1.90 लाख) गहाळ झाले होते आणि केवळ दोन सौर दिवे आढळले. जैव-विविधता उद्यानांच्या सुरक्षिततेसाठी कोणतेही कुंपण आढळले नाही.</p> <p>कुंभारी जैव-विविधता उद्यान (सोलापूर): देखभाल न केल्यामुळे शेततळे, अभ्यागत खोली, शौचालय, पाण्याची टाकी, झाडांचे ओटे, आंतरिक रस्ते आणि साईन बोर्ड क्षतीग्रस्त झाले आणि त्यांची दुरावस्था झाली. उद्यानाचे संरक्षण करण्यासाठी खंदक काम (₹ 2.69 लाख खर्च करून) 2015-16 मध्ये करण्यात आले जे व्यर्थ ठरले कारण नंतर 2017-18 मध्ये ₹ 10.83 लाख खर्चून साखळी-दुवा कुंपणाचे काम करण्यात आले.</p> <p>डोंगरा जैव-विविधता उद्यान (भंडारा): ₹ 2.99 लाख खर्च करून तयार केलेले उद्यान लॉन अस्तित्वात नव्हते, खेळण्याची उपकरणे (₹ 2.98 लाख किंमतीचे) पॅगोडा व पादचारी मार्ग क्षतीग्रस्त होते.</p> <p>मदलाबाद जैव-विविधता उद्यान (अमरावती): साखळी दुवा कुंपणाचे (103 मीटर) काम प्रलंबित होते, रस्ते, पादचारी मार्ग, सौर ऊर्जा दिवे क्षतीग्रस्त होते आणि ₹ 6.69 लाख खर्च करून स्थापन केलेली वीज प्रणाली काम करण्याच्या स्थितीत नव्हती.</p> <p>वाशिंबा जैव-विविधता उद्यान (अकोला): ₹ 2.53 लाख खर्च करून बागेत उभारण्यात आलेले फवारे चालू स्थितीत नव्हते.</p> <p>कुरुम जैव-विविधता उद्यान (अकोला): बाक आणि झाडांचे ओटे (₹ 9.80 लाख किंमतीचे) क्षतीग्रस्त अवस्थेत आढळले.</p> <p>कंधाने जैव-विविधता उद्यान (नाशिक): प्राण्यांच्या मूर्ती, झाडांचे ओटे, खेळण्याची उपकरणे, पाण्याच्या टाक्या क्षतीग्रस्त अवस्थेत आढळल्या.</p> <p>अर्जुनी-मोरगाव, कुडवा, नवाटोला आणि गराडा जैव-विविधता उद्याने (गोंदिया): पाण्याच्या टाक्या, खेळण्याची उपकरणे, ओटे आणि पादचारी मार्ग क्षतीग्रस्त/खराब झाले होते. सौर दिवे (₹ 2.83 लाख किंमतीचे) चालू स्थितीत नव्हते.</p> | |

| | | |
|------------------|--|--|
| | माजीवडे जैव-विविधता उद्यान (ठाणे): पादचारी मार्ग, अंतर्गत रस्ते (दगडी ब्लॉक), बाक आणि खेळाची साधने माहिती केंद्राच्या बांधकामासाठी आणलेल्या यंत्रसामग्रीच्या हालचालीमुळे क्षतिग्रस्त झाले होते. | |
| नमूना छायाचित्रे | छायाचित्र सं. 2.4.5: कुरुम जैव-विविधता उद्यान (22.12.2020) | छायाचित्र सं. 2.4.6: कुरुम जैव-विविधता उद्यान (22.12.2020) |
| |  |  |
| | क्षतिग्रस्त बाक | क्षतिग्रस्त झाडांचे ओटे |

जैव-विविधता उद्याने अपूर्ण असल्यामुळे आणि जैव-विविधता उद्यानांच्या निर्मिती दरम्यान तयार झालेल्या मालमत्तेची देखभाल करण्याची तरतूद तपशीलवार प्रकल्प अहवालात नसल्यामुळे ती मालमत्ता खराब झाली, क्षतिग्रस्त झाली किंवा चोरीला गेली.

राज्य शासनाने वरील तथ्य मान्य केले (डिसेंबर 2021) आणि नमूद केले की, निधीची कमतरता, कोविड दरम्यान मजुरांची अनुपलब्धता आणि कर्मचाऱ्यांच्या हालचालींवरील बंदीमुळे मागील 2 वर्षात पायाभूत सुविधांवर विपरीत परिणाम झाला.

2.4.4.2 पूर्ण झालेली जैव-विविधता उद्याने सुपूर्द न करणे

लेखापरीक्षेने निरीक्षण केले (जानेवारी 2021) की वन रक्षक प्रशिक्षण शाळा, जालना येथील जैव-विविधता उद्यान ₹ 2.14 कोटी खर्च करून (मार्च 2019) पूर्ण करण्यात आले, परंतु कार्यचालन आणि देखभालीसाठी संयुक्त वन व्यवस्थापन समिती किंवा स्थानिक संस्थांच्या सुपूर्द करण्यात आले नाही. स्थळ भेटीदरम्यान (जानेवारी 2021) लेखापरीक्षेच्या असे निदर्शनास आले की, कार्यचालन आणि देखभालीच्या अभावी जैव-विविधता उद्यान खराब स्थितीत होते आणि खेळांची उपकरणे, सौर दिवे, पक्ष्यांची घरटी, आणि केराचा डबा यांसारख्या वस्तू खालील छायाचित्रात दर्शविल्याप्रमाणे एका खोलीमध्ये टाकून दिले होते.

| | |
|---|--|
| छायाचित्र क्रमांक 2.4.7 आणि 2.4.8: वन रक्षक प्रशिक्षण शाळा, जालना जैव-विविधता उद्यान (27.01.2021) | |
|  |  |
| खोलीमध्ये टाकून दिलेली खेळांची उपकरणे | खोलीमध्ये टाकून दिलेल्या वस्तू |

असेही लक्षात आले (जानेवारी 2021) की ₹ 1.91 कोटी मंजूर किंमतीचे हाती घेण्यात आलेले जालना जिल्ह्यातील दहीपूरी जैव विविधता उद्यान, 45 टक्के काम (₹ 0.86 कोटीचे) झाल्यावर पूर्ण म्हणून घोषित करण्यात आले (मार्च 2019). ग्रामपंचायत इच्छुक नसल्यामुळे ते कार्यचालन आणि देखभालीसाठी हस्तांतरित होऊ शकले नाही.

| |
|--|
| छायाचित्र क्रमांक 2.4.9: दहीपूरी जैव-विविधता उद्यान (28.01.2021) |
|  |
| वृक्षारोपण जगले नाही |

तसेच, जैव-विविधता उद्यानांच्या निर्मितीच्या सुरुवातीला रोपवनाच्या संरक्षणाकरिता आणि अतिक्रमणापासून संरक्षण करण्याकरिता आवश्यक असलेले कुंपणाचे काम हाती घेण्यात आले नाही ज्यामुळे विविध प्रकारची ₹ 36.14 लाख किंमतीची 10,170 रोपटी आणि 75,500 डुरांटा झाडांची रोपटी लगतच्या छायाचित्रात दाखविल्याप्रमाणे मृतप्राय झाली. वृक्षारोपणाच्या ठीबक सिंचन कामासाठी बसविण्यात आलेले ₹ 14.64 लाख किंमतीचे पाईप्स देखील अकार्यक्षम आणि उध्वस्त झाले होते.

अशा प्रकारे, पूर्ण झालेली जैव-विविधता उद्याने पुढील कार्यचालन आणि देखभालीसाठी हस्तांतरित न केल्यामुळे वन रक्षक प्रशिक्षण शाळा, जालना जैव-विविधता उद्यानामध्ये निर्मित मालमत्तेची दुरावस्था व नुकसान झाले आणि दहीपूरी जैव-विविधता उद्यानामध्ये वृक्षारोपण टिकले नाही.

राज्य शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की वन रक्षक प्रशिक्षण शाळा, जालना जैव-विविधता उद्यानाच्या बाबतीत हस्तांतरणाचे काम प्रगतीपथावर आहे व दहीपूरी जैव-विविधता उद्यानाच्या बाबतीत ग्राम पंचायतला हस्तांतरणाशिवाय दुसरा कोणताही पर्याय उपलब्ध नाही. ग्रामस्थांचा विरोध असतांनाही संबधित अधिकाऱ्यांना उद्यानाचे काम पूर्ण करण्यास सांगण्यात आले होते.

उत्तर पटण्यायोग्य नाही कारण वन रक्षक प्रशिक्षण शाळा, जालना जैव-विविधता उद्यान मार्च 2019 मध्ये पूर्ण झाले आणि त्यानंतर विभागीय वन अधिकारी, सामाजिक वनीकरण, जालना द्वारे उद्यान सुपूर्द करण्यासाठी किंवा उद्यानाची देखभाल करण्याबाबत वेळेत कारवाई करण्यात आली नाही. मार्च 2019 मध्ये अर्धवट कामाच्या अंमलबजावणी नंतर दहीपूरी जैव-विविधता उद्यान पूर्ण झाल्याचे घोषित करण्यात आले आणि त्यानंतर ते सुपूर्द करण्यात आले नाही किंवा त्याची देखभाल देखील करण्यात आली नाही.

2.4.4.3 हस्तांतरित केलेल्या जैव-विविधता उद्यानांच्या देखभालीचा अभाव

योजनेच्या मार्गदर्शक तत्वांनुसार पूर्ण झालेल्या जैव-विविधता उद्यानांना संयुक्त वन व्यवस्थापन समितीला जर उपलब्ध असेल आणि कार्यरत असेल तर किंवा कोणत्याही स्थानिक संस्थांना (ग्राम पंचायत किंवा नगर परिषद) त्याच्या पुढील देखभाल आणि कार्यचालनासाठी हस्तांतरित करणे विहित केले आहे. जैव-विविधता उद्यानात प्रवेश शुल्क आकारण्याचे उद्दिष्ट जैव-विविधता उद्यानाला स्वयं-शाश्वत बनविण्याचे होते.

छायाचित्र क्र. 2.4.10: तीर्थ जैव-विविधता उद्यान (08.07.2021)



सोडून दिलेला ठिबक सिंचन पंप

न्यास/स्थानिक संस्था/प्रादेशिक वन विभाग यांच्याकडे कार्यचालन आणि देखभालीसाठी सुपूर्द केलेल्या 10 जैव-विविधता उद्यानांपैकी परिच्छेद 2.4.2.4 मध्ये चर्चा केल्यानुसार उस्मानाबाद जिल्ह्यातील दोन जैव-विविधता उद्याने (तीर्थ आणि ढोकी), पूर्ण झाल्यानंतर मंदिर न्यासाला हस्तांतरित करण्यात आले. तीर्थ जैव-विविधता उद्यानाच्या स्थळ भेटी दरम्यान (जुलै 2021) लेखापरीक्षणाला असे आढळून आले की प्राण्यांच्या मूर्ती, खेळाची

उपकरणे, शौचालये, सौर दिवे आणि ठिबक सिंचन पंप छायाचित्रात दाखविल्याप्रमाणे नासधूस झालेले किंवा खराब स्थितीत होते.

छायाचित्र क्र. 2.4.11: ढोकी जैव-विविधता उद्यान (07.07.2021)



चालण्याच्या मार्गामध्ये भेगा

ढोकी जैव-विविधता उद्यानात सहाय्यक वनरक्षक, उस्मानाबाद यांच्यासोबत स्थळ भेटी दरम्यान (जुलै 2021) लेखापरीक्षेला असे आढळून आले की, चालण्याचा मार्ग, प्राण्यांच्या मूर्ती आणि पॅगोडा नुकसान झालेल्या स्थितीत होते.

धुळे जिल्ह्यातील जामखेळ जैव-विविधता उद्यान आणि अकोला जिल्ह्यातील काटी-पाटी जैव विविधता उद्यान, जी संबंधित ग्राम पंचायतीला हस्तांतरित करण्यात आली होती त्यांची दयनीय अवस्था आणि अपूरी देखभाल याबद्दल अनुक्रमे **परिच्छेद 2.4.4.2 आणि 2.4.2.4** मध्ये चर्चा करण्यात आली आहे.

राज्य शासनाने नमूद केले (नोव्हेंबर 2021) की तीन जैव-विविधता उद्यानांच्या बाबतीत (जालना येथील दहीपूरी, धूळे येथील जामखेळ आणि अकोला येथील काटी-पाटी) चौकशीची सुरुवात केली जाईल. राज्य शासनाने पुढे नमूद केले (डिसेंबर 2004) की तीर्थ आणि ढोकी जैव-विविधता उद्यानांच्या बाबतीत व्यवस्थापन आणि संरक्षणाची जबाबदारी प्राधिकरण/अभिकरणाची होती ज्यांच्याकडे जैव-विविधता उद्याने हस्तांतरित केली होती आणि उपकरणे दुरुस्त करण्यासाठी न्यासाला सूचित केले गेले होते.

2.4.4.4 कंत्राटदाराला कामाचे अनियमित वाटप

महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियमपुस्तिका, 1984 नुसार कंत्राटावर देण्यात येणाऱ्या सर्व कामांसाठी नेहमी निविदा आमंत्रित केल्या पाहिजेत.

गोंदिया जिल्हातील चार जैव-विविधता उद्यानांमध्ये (अर्जुनी-मोरगाव, कुडवा, नवाटोला आणि गराडा) तांत्रिक सेवा आणि बहुउद्देशीय कर्मचारी पुरवण्यासाठी निविदा न मागविता अभिकरणाची नियुक्ती (सप्टेंबर 2016) करण्यात आली होती आणि ऑक्टोबर 2016 ते मार्च 2019 या कालावधीत अभिकरणाला ₹ 0.55 कोटीचे भुगतान करण्यात आले.

राज्य शासनाने चूक मान्य केली (डिसेंबर 2021) आणि वनसंरक्षक, नागपूर यांना जबाबदारी निश्चित करून कारवाई करण्यास सांगितले.

2.4.4.5 कामांचे अनियमित विभाजन

महाराष्ट्र शासनाच्या सामान्य प्रशासन विभागाने नोव्हेंबर 2014 च्या ठरावानुसार निर्देश दिले की ₹ 3 लाखापेक्षा अधिक किंमतीच्या निविदांसाठी ई-निविदा पद्धती अनुसरली पाहिजे. महाराष्ट्र सार्वजनिक बांधकाम नियमपुस्तिका, 1984 मध्ये असे देखील नमूद केले आहे की जर एका कामाचे छोट्या छोट्या कामांमध्ये विभाजन केले गेले तर संबंधितांना संपूर्ण कामाची निविदा स्वीकारण्यासाठी सक्षम प्राधिकाऱ्याची पूर्ण परवानगी घ्यावी लागेल.

लेखापरीक्षेच्या असे लक्षात आले की पाच⁴⁴ जैव-विविधता उद्यानात 12 कामे (एकूण किंमत ₹ 1.06 कोटी) ₹ 3 लाखांपेक्षा कमी असलेल्या प्रत्येक कामामध्ये विभाजित करण्यात आली होती. ह्या कामांच्या बाबतीत कुठल्याही ई-निविदा प्रक्रियेचे अनुसरण केले नाही. पुणे, विभागीय वन अधिकारी, सामाजिक वनीकरणाने केलेल्या कामाच्या या विभाजनासाठीच्या संपूर्ण कामासाठी निविदा स्वीकार करण्यासाठी सक्षम अधिकाऱ्याकडून मंजूरी घेतली नाही.

राज्य शासनाने ही वस्तुस्थिती मान्य केली (डिसेंबर 2021) आणि वनसंरक्षक, औरंगाबाद आणि ठाणे यांना जबाबदारी निश्चित करण्याच्या आणि शिस्तभंगाची कारवाई सुरु करण्याच्या सूचना दिल्या.

2.4.5 संनियंत्रण यंत्रणा

संनियंत्रण हे लवकर सुधारात्मक कारवाईच्या दृष्टीने विचलन शोधण्यासाठी आणि भविष्यातील नियोजनासाठी धडे शिकण्याच्या दृष्टीकोणातून कोणत्याही योजना, कार्यक्रम किंवा प्रक्रियेच्या प्रगतीचा मागोवा घेण्यासाठी आवश्यक आहे. लेखापरीक्षणात योजनेच्या संनियंत्रणात खालील उणिवा आढळून आल्या.

2.4.5.1 जैव-विविधता उद्यानांचे निरीक्षण/संनियंत्रण

प्रधान मुख्य वनसंरक्षक, सामाजिक वनीकरण, पुणे ह्यांनी सूचना दिल्या (ऑक्टोबर 2015) की वनसंरक्षक, सामाजिक वनीकरण यांनी प्रत्येक जैव-विविधता उद्यानाला योजनेच्या पहिल्या वर्षात भेट द्यावी. वन संरक्षक किंवा विभागीय वन अधिकारी, सामाजिक वनीकरण यांच्या जैव-विविधता उद्यानांच्या नियतकालिक निरीक्षणाची इतर कोणतीही तरतूद नव्हती.

तक्ता 2.4.3 मध्ये चार वनसंरक्षक (सामाजिक वनीकरण) यांच्या 2015-2021 दरम्यान भेटीचे तपशील दर्शविण्यात आले आहेत.

तक्ता 2.4.3: वनसंरक्षकांच्या जैव-विविधता उद्यानांना क्षेत्र भेटीची संख्या

| वनसंरक्षकाचे नाव | जैव-विविधता उद्यानांची संख्या | एकूण भेटींची संख्या | पहिल्या वर्षी भेट न दिलेली जैव-विविधता उद्याने | कधीही भेट न दिलेली जैव-विविधता उद्याने | फक्त एकदा भेट दिलेली जैव-विविधता उद्याने |
|------------------|-------------------------------|---------------------|--|--|--|
| अमरावती | 11 | 47 | 3 | 1 (काटी-पाटी) | 0 |
| नागपूर | 12 | 33 | 10 | 1 (अर्जुनी-मोरगाव) | 2 |
| ठाणे | 10 | 81 | 4 | 0 | 1 |
| पुणे | 10 | 19 | 9 | 0 | 3 |
| एकूण | 43 | 180 | 26 | 2 | 6 |

स्त्रोत: विभागाने सादर केलेली माहिती

⁴⁴ वाडेपूरी आणि बोंधार (नांदेड), माजीवाडे, आणि कानविंदे (ठाणे) आणि वन रक्षक प्रशिक्षण शाळा (जालना).

वरील तक्त्यावरून असे दिसून येते की पहिल्या वर्षी 43 जैव-विविधता उद्यानांपैकी या चार वनसंरक्षकाच्या अधिकार क्षेत्रात असलेल्या 26 उद्यानांना संबधित वनसंरक्षकांनी भेटी दिल्या नाहीत. तसेच, 2015-21 दरम्यान या संबधित वनसंरक्षकांनी उद्यानांना दिलेल्या 180 भेटींचे तपशील, जसे निरीक्षण नोंदी इत्यादी कागदोपत्री उपलब्ध नव्हते.

राज्य शासनाने नमूद केले (नोव्हेंबर 2021) की या जैव-विविधता उद्यानांच्या निरीक्षणाची अद्ययावत माहिती लेखापरीक्षणाला पुरविण्यात येईल.

2.4.5.2 जैव-विविधता उद्यानांचे मध्यावधी मूल्यमापन

प्रधान मुख्य वनसंरक्षक (सामाजिक वनीकरण) यांनी सूचित केले (नोव्हेंबर 2015) की आवश्यक सुधारात्मक कारवाई करण्यासाठी जैव-विविधता उद्यानाचे मध्यावधी मूल्यमापन करण्यात यावे.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की केवळ दोन विभागीय वन अधिकारी, सामाजिक वनीकरण (गोंदिया आणि नाशिक) यांच्याद्वारे त्यांच्या अधिकारक्षेत्रात असलेल्या जैव-विविधता उद्यानांचे मध्यावधी मूल्यमापन करण्यात आले परंतु कोणतेही मूल्यमापन अहवाल किंवा दस्तावेज लेखापरीक्षेला पडताळणीसाठी सादर करण्यात आले नाही. उर्वरित 13 जिल्ह्यांत, मध्यावधी मूल्यमापनाशी संबंधित कोणतेही दस्तावेज लेखापरीक्षणास पुरवले नाहीत.

तसेच, प्रधान मुख्य वनसंरक्षक यांनी कधीही योजनेचे असे कोणतेही मध्यावधी मूल्यमापन केले नाही. तथापि योजनेच्या मार्गदर्शक तत्वांची चर्चा करण्यासाठी प्रधान मुख्य वनसंरक्षकांनी एक बैठक (मे 2017) बोलावली होती ज्यात महाराष्ट्र राज्य जैव-विविधता मंडळ आणि भारताचे वनस्पती शास्त्रीय सर्वेक्षण ह्या संस्थांचे प्रतिनिधी देखील आमंत्रित होते. ह्या बैठकीत जागांची निवड, ज्यांची लागवड केली पाहिजे अशा झाडांच्या प्रजाती आणि पाण्याच्या उपलब्धतेबाबत निष्पन्न झालेल्या शिफारशी सर्व वनसंरक्षकांना पाठविण्यात (जून 2017) आल्या होत्या.

राज्य शासनाने नमूद केले (डिसेंबर 2021) की यापुढे वेळेत मूल्यमापन करण्यासाठी योग्य ती खबरदारी घेण्यात येईल.

वस्तू आणि सेवा कर विभाग

2.5 वस्तू आणि सेवा कर ट्रांझिशनल क्रेडिट्स

लेखापरीक्षणाला विभागीय परिपत्रकात भांडवली वस्तूंच्या संदर्भात अनुपलब्ध क्रेडिटला परवानगी देणाऱ्या महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियम, 2017 च्या तरतुदींमध्ये विसंगती दिसून आली ज्यामुळे अभिकर्त्यांना ट्रांझिशनल क्रेडिट्सचा लाभ मिळण्यात अडथळा निर्माण होत होता. करदात्यांद्वारे GST TRAN-1 मध्ये करण्यात आलेल्या अनियमित घोषणेमुळे ₹ 26.92 कोटी ट्रांझिशनल क्रेडिट्सचा अतिरिक्त लाभ घेतल्याची प्रकरणे लेखापरीक्षणाला दिसून आली. करदात्यांनी सर्व विहित रिटर्न्स भरले नसले तरीही त्यांच्याद्वारे ₹ 7.99 कोटींच्या अनियमित ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ घेण्यात आला. लेखापरीक्षणाला ट्रांझिटमधील वस्तू, प्रगतीपथावरील कार्य/तयार वस्तूंमध्ये असलेले इनपुट, TRAN फॉर्म पेक्षा जास्त रक्कम इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये जमा इत्यादी बाबींवर ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या अनियमित लाभाची प्रकरणे देखील निदर्शनास आली. लेखापरीक्षेद्वारे वारंवार मागणी करूनही करदात्याद्वारे घेण्यात आलेल्या ट्रांझिशनल क्रेडिट्सच्या दाव्याच्या पडताळणीबाबत अभिलेख सादर करण्यात राज्य कर आयुक्त अपयशी ठरले. त्यामुळे विभागाद्वारे ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या पडताळणी बाबतच्या परिणामकारकतेची लेखापरीक्षा खात्री करू शकले नाही.

2.5.1 प्रस्तावना

वस्तू आणि सेवा कर लागू करणे ही आपल्या देशातील अप्रत्यक्ष करांच्या क्षेत्रातील एक लक्षणीय सुधारणा आहे, ज्यामुळे केंद्र आणि राज्यांकडून आकारले जाणारे आणि संकलित केले जाणारे अनेक कर एकत्र केलेत. वस्तू आणि सेवा कर हा वस्तूंच्या किंवा सेवांच्या किंवा दोन्हींच्या पुरवठ्यावरील गंतव्य आधारित कर आहे, जो अनेक टप्प्यात आकारला जातो, ज्यामध्ये कर आणि पुरवठा पूरक असतात. पुरवठा स्थान ज्या अधिकार क्षेत्रात असेल त्या कर आकारणी प्राधिकरणाकडे कर जमा होईल.

समान कर आधारावर केंद्र आणि राज्य एकाच वेळी कर आकारतात. केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर आणि राज्य वस्तू आणि सेवा कर/केंद्रशासित प्रदेश वस्तू आणि सेवा कर हा राज्यांतर्गत पुरवठा आणि एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर हा आंतरराज्य पुरवठ्यावर आकारला जातो.

केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर अधिनियम, 2017 च्या धर्तीवर महाराष्ट्र राज्यात वस्तू किंवा सेवा किंवा दोन्हींच्या राज्यांतर्गत पुरवठ्यावर कर आकारणी आणि संकलन करण्याची तरतूद करणे आणि त्यांच्याशी संबंधित किंवा प्रासंगिक बाबींसाठी महाराष्ट्र

वस्तू आणि सेवा कर अधिनियम, 2017 लागू केला आणि 1 जुलै 2017 पासून अंमलात आला.

2.5.1.1 ट्रांझिशनल क्रेडिट

इनपुट, इनपुट सेवा आणि भांडवली वस्तूंचे विक्रेत्याद्वारे भरलेल्या करांचे इनपुट टॅक्स क्रेडिट हे आउटपुट कर दायित्वावरील सेट ऑफसाठी उपलब्ध असते, हे वस्तू आणि सेवा कराच्या प्रमुख वैशिष्ट्यांपैकी एक आहे. विद्यमान अधिनियमातून (मूल्यवर्धित कर शासन पद्धती) वस्तू आणि सेवा कर शासन पद्धतीमध्ये इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा अखंड प्रवाह सुनिश्चित करण्यासाठी आणि विद्यमान करदात्यांच्या स्थलांतराशी संबंधित ट्रांझिशनल तरतुदी आणि विद्यमान अधिनियमांतर्गत भरलेल्या योग्य कर किंवा शुल्काच्या संदर्भात इनपुट टॅक्सचा दावा करण्याच्या अधिकारासाठी आणि पद्धतीसाठी निर्दिष्ट इनपुट कर क्रेडिटची व्यवस्था प्रदान करण्यासाठी महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमामध्ये⁴⁵ 'इनपुट करासाठी ट्रांझिशनल व्यवस्था' समाविष्ट करण्यात आली. लेगसी रिटर्न (मूल्यवर्धित कर शासन पद्धती) मधून जमा झालेल्या क्रेडिट्सचे अखंड ट्रांझिशन, कच्च्या मालाच्या संदर्भात इनपुट कर, प्रगतीपथावरील कार्य, नियुक्त दिवशी संग्रही ठेवलेला तयार माल तसेच भांडवली वस्तूंच्या संदर्भात वस्तू आणि सेवा कर शासन पद्धतीमध्ये लाभ न घेतलेले क्रेडिट यांची खात्री करण्यासाठी ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या तरतुदी, शासन आणि व्यवसाय दोघांसाठी महत्वाच्या आहेत. या तरतुदी करदात्यांना, अशा इनपुट क्रेडिट्स हस्तांतरित करण्यास सक्षम करतात जेव्हा ते फक्त सामान्य व्यवसायात किंवा व्यवसायाच्या प्रगतीसाठी वस्तू आणि सेवा कर अंतर्गत करपात्र पुरवठ्यासाठी वापरले जातात.

2.5.2 ट्रांझिशनल क्रेडिटची प्रक्रिया

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 140 मधील तरतुदीनुसार नोंदणीकृत व्यक्ती (कलम 10 अंतर्गत कर भरण्याची निवड करणाऱ्या व्यक्तींव्यतिरिक्त) वस्तू आणि सेवा कर पूर्व शासन पद्धतीशी संबंधित शेवटच्या रिटर्नमध्ये अग्रेषित करण्यात आलेले ट्रांझिशनल क्रेडिट घेण्यास पुढील बाबींच्या अधीन राहून पात्र असेल:

- 1) या अधिनियमांतर्गत क्रेडिटची रक्कम इनपुट टॅक्स क्रेडिट म्हणून पात्र आहे;
- 2) करदात्याने नियुक्त तारखेच्या आधीच्या सहा महिन्यांच्या कालावधीसाठी विद्यमान कायद्यानुसार आवश्यक असलेले सर्व रिटर्न्स सादर केले आहेत;

⁴⁵ महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाचे कलम 139 ते 142.

3) हे क्रेडिट महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर नियमाच्या नियम 79 अंतर्गत सेट ऑफचा दावा करण्यास पात्र असलेल्या युनिट्सशी संबंधित आहे;

4) भांडवली वस्तूंच्या संदर्भात लाभ न घेतलेले इनपुट टॅक्स क्रेडिट;

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 140 नुसार, कलम 10 अंतर्गत कर भरण्याची निवड करणाऱ्या व्यक्ती व्यतिरिक्त नोंदणीकृत व्यक्ती त्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये मूल्यवर्धित कराच्या रकमेचे क्रेडिट आणि प्रवेश कर, जर असेल तर, प्रपत्र GST TRAN-I मध्ये इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने घोषणा दाखल करून विद्यमान कायद्यांतर्गत⁴⁶ विहित केलेल्या पद्धतीनुसार त्याने सादर केले असेल तर, त्यांनी भरलेल्या नियोजित दिवसापूर्वी⁴⁷ संपलेल्या कालावधीशी संबंधित रिटर्नमध्ये अग्रेषित करण्यास पात्र असतील.

करदाते, महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या संबंधित कलमांतर्गत TRAN-I च्या योग्य तक्त्यांमध्ये ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या विविध घटकांवर दावा करू शकतात, जे खाली तक्ता 2.5.1 मध्ये दिले आहे.

तक्ता 2.5.1

| महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाचे कलम | TRAN-I तक्ता क्र. | ट्रांझिशनल क्रेडिट घटक |
|---|-------------------|---|
| 140(1) | 5 (ब) | कालावधीसाठी (01.04.2015-30.06.2017) प्राप्त वैधानिक प्रपत्राचे तपशील ज्यासाठी क्रेडिट पुढे नेले |
| 140(1), 140(4) | 5(क) | राज्य कर म्हणून इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर कडे अग्रेषित केलेल्या क्रेडिटची रक्कम |
| 140(2) | 6(ब) | भांडवली वस्तूंवर लाभ न घेतलेले क्रेडिट |
| 140(3), 140(4) | 7(अ)ब | शुल्क भरलेल्या स्टॉकवर क्रेडिट- बीजकांशिवाय |
| 140(5) | 7(ब) | इनपुटवर क्रेडिट/ट्रांझिटमधील इनपुट सेवा |
| 140(3), 140(4), 140(6) | 7(क) | शुल्क भरलेल्या स्टॉकवर क्रेडिट- बीजकांसह |
| 141(4) | 9(अ) | मुख्य माल म्हणून जॉब वर्करला पाठविलेल्या मालाचा तपशील |
| 141(4) | 9(ब) | जॉब वर्करने मुख्य मालाच्या वतीने स्टॉकमध्ये ठेवलेल्या मालाचा तपशील |
| 142(14) | 10(अ) | अभिकर्त्याने मुख्य मालाच्या वतीने स्टॉकमध्ये ठेवलेल्या मालाचा तपशील |
| 142(11)(क) | 11 | कामाच्या करारा अंतर्गत मूल्यवर्धित करावर लाभ घेतलेल्या क्रेडिटचा तपशील |
| 142(12) | 12 | मंजूरीच्या आधारावर पाठवलेल्या मालाचा तपशील |

स्त्रोत: महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाचे कलम 140 ते 142

⁴⁶ महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2002 आणि महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर नियम, 2005.

⁴⁷ 01 जुलै 2017.

ट्रांझिशनल क्रेडिट हे मागील शासन पद्धतीमधून वस्तू आणि सेवा कर शासन पद्धतीमध्ये इनपुट क्रेडिटचा एक वेळचा प्रवाह आहे.

2.5.3 लेखापरीक्षेची व्याप्ती, कार्यपद्धती आणि नमुना निवड

कंपोजिशन योजने⁴⁸ अंतर्गत कर भरण्याची निवड केलेले करदाते सोडून सर्व नोंदणीकृत करदाते FORM GST TRAN-I दाखल करून ट्रांझिशनल क्रेडिटचा दावा करण्यास पात्र होते. एप्रिल 2021 आणि सप्टेंबर 2021 दरम्यान ट्रांझिशनल क्रेडिट दाव्यांच्या निवडलेल्या प्रकरणांशी संबंधित अभिलेख्यांचे लेखापरीक्षण करण्यात आले. ट्रांझिशनल क्रेडिट्स दाव्यांच्या सत्यापनाच्या पद्धतीमध्ये मूल्यांकन अधिकाऱ्यांकडे उपलब्ध अभिलेख आणि सिस्टीम ॲप्लिकेशनस् अँड प्रॉडक्टस् इन डेटा प्रोसेसिंग (SAP)⁴⁹ पोर्टल मध्ये उपलब्ध माहितीचे डेटा विश्लेषण/सत्यापन तसेच राज्य वस्तू आणि सेवा कर विभागाच्या बँक ऑफीस प्रणालीचा समावेश आहे. 25 फेब्रुवारी 2021 रोजी उपसचिव (कर आकारणी), वित्त विभाग, महाराष्ट्र शासन यांच्या सोबत एमएस टीमस् द्वारे ऑनलाईन प्रवेश परिषद आयोजित करण्यात आली होती. राज्य कर विभागाचे सहा अतिरिक्त आयुक्त, चार सह आयुक्त आणि उप आयुक्त (आंतरिक लेखापरीक्षा) हे उपस्थित होते.

महामारी लक्षात घेता सांख्यिकीय क्रमरहित किंवा यादृच्छिक नमुना पद्धतीचा अवलंब करून मुंबई, मुंबई उपनगर, नागपूर, पुणे आणि ठाणे विभागातील प्रमुख आर्थिक केंद्रे/ औद्योगिक केंद्रे येथून ₹ 2,270 कोटी एकूण ट्रांझिशनल क्रेडिटचा समावेश असलेल्या एकूण 52,669 प्रकरणांपैकी ₹ 756.57 कोटींचा समावेश असलेल्या 1,366 प्रकरणांची निवड करण्यात आली. नागपूर विभागातील 124 प्रकरणांचे भौतिक लेखापरीक्षण एप्रिल-जून 2021 दरम्यान करण्यात आले आणि निवडलेल्या विभागीय कार्यालयांमधील उर्वरित प्रकरणांचे ऑनलाईन लेखापरीक्षण जुलै 2021 ते सप्टेंबर 2021 दरम्यान खालील लेखापरीक्षण उद्दिष्टांसह करण्यात आले:

2.5.4 लेखापरीक्षणाची उद्दिष्टे

वस्तू आणि सेवा कर ट्रांझिशनल क्रेडिटचे विषय विशिष्ट अनुपालन लेखापरीक्षण, खालील बाबींची खात्री करण्यासाठी आयोजित केले गेले:

ट्रांझिशनल क्रेडिट दाव्यांची निवड आणि पडताळणी करण्यासाठी विभागाद्वारे निर्माण केलेली यंत्रणा पुरेशी आणि प्रभावी होती (प्रणाली समस्या).

⁴⁸ महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमा कलम 10.

⁴⁹ सिस्टीम ॲप्लिकेशन्स आणि प्रॉडक्ट्स इन डेटा प्रोसेसिंग.

वस्तू आणि सेवा कर शासन पद्धतीमध्ये करपात्र व्यक्तीने दिलेली ट्रांझिशनल क्रेडिट्स वैध आणि स्वीकार्य होती (अनुपालन समस्या).

2.5.5 लेखापरीक्षणाचे निकष

लेखापरीक्षणाचे निष्कर्ष खालील निकषांवर आधारित आहेत:

- महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियम, 2017 चे अनुच्छेद 139-142;
- महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर नियम, 2017 चे नियम 117-119;
- महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2002 मधील संबंधित तरतुदी;
- महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर नियम, 2005;
- राज्य कर आयुक्त, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई यांनी प्रसिद्ध केलेल्या अधिसूचना/परिपत्रके/आदेश.

2.5.6 विभागाचा प्रतिसाद

आम्ही 1366 प्रकरणांशी संबंधित अभिलेख्यांसाठी विभागीय प्रणाली वापरण्याची परवानगी मागितली असता विभागाने, वापरकर्त्यांच्या ओळख पत्राद्वारे प्रणाली वापरण्याची तरतूद केली. तपासणी दरम्यान लेखापरीक्षणाने विभागीय आणि नियंत्रक अधिकाऱ्यांना मागितलेल्या विविध माहितीवरून लेखापरीक्षण मेमो दिले. तथापि, विभागाकडून आजपर्यंत बहुतांश लेखापरीक्षण मेमोंचा प्रतिसाद प्राप्त झाला नव्हता (ऑगस्ट 2022). डिसेंबर 2021 मध्ये एक प्रारूप विषय विशिष्ट अनुपालन लेखापरीक्षण अहवाल शासनाला पाठविला, ज्यामध्ये समाविष्ट केलेल्या लेखापरीक्षण निष्कर्षांवर शासनाचे अभिप्राय मागविण्यात आले होते. निर्गमन परिषद जानेवारी 2022 मध्ये आयोजित करण्यात आली होती.

लेखापरीक्षणाचे निष्कर्ष

ऑनलाईन लेखापरीक्षणासाठी 1,366 ट्रांझिशनल क्रेडिट प्रकरणांची निवड करण्यात आली होती. 1,095 प्रकरणांच्या चाचणी तपासणीत असे आढळून आले की 86 प्रकरणांत अंतिम रिटर्नमध्ये अग्रेषित क्रेडिटच्या तुलनेत अतिरिक्त ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ झाला होता, परिच्छेद 2.5.8.1, 2.5.8.2, 2.5.8.3 आणि 2.5.8.4 मध्ये वर्णन केल्याप्रमाणे आठ प्रकरणांत लेगसी रिटर्न दाखल केले गेले नाही तर तीन प्रकरणांत करदात्यांनी मागील रिटर्नमधून आवश्यक प्रमाणपत्राशिवाय अनियमित/अतिरिक्त क्रेडिट घेतले. भांडवली वस्तू, ट्रांझिटमधील वस्तू, अर्ध-तयार आणि तयार वस्तूंमध्ये असलेल्या इनपुट्स यावर ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अनियमित लाभ आणि TRAN च्या रकमेपेक्षा जास्त रक्कम इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये जमा करणे

यावरील लेखापरीक्षा निरीक्षणांची चर्चा परिच्छेद 2.5.8.5, 2.5.8.6, 2.5.8.7 आणि 2.5.8.8 मध्ये केली आहे.

लेखापरीक्षण निरीक्षणांचा सारांश तक्ता 2.5.2 मध्ये दिला आहे:

तक्ता 2.5.2: कमतरतांची व्याप्ती (विचलन)

(₹ कोटी मध्ये)

| अनु. क्रं. | परिच्छेद क्रं. | लेखापरीक्षण निष्कर्षांचे स्वरूप (फक्त सूचक) | लेखापरीक्षण नमुना | | दिसून आलेल्या कमतरतांची संख्या | | नमून्याची टक्केवारी म्हणून कमतरता | |
|------------|----------------|---|-------------------|--------|--------------------------------|-------|-----------------------------------|-------|
| | | | संख्या | रक्कम | संख्या | रक्कम | संख्या | रक्कम |
| 1 | 2.5.8.1 | वस्तू व सेवा कर पूर्व शासन पद्धतीतील शेवटच्या रिटर्नमध्ये अगेषित केलेल्या क्रेडिटच्या तुलनेत ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ | 1095 | 594.35 | 86 | 26.92 | 9.13 | 9.11 |
| 2 | 2.5.8.2 | लेगसी रिटर्न न भरता ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ मिळविला | | | 8 | 7.99 | | |
| 3 | 2.5.8.3 | मागील लेगसी रिटर्नसमधून क्रेडिटचा अनियमित लाभ | | | 2 | 5.54 | | |
| 4 | 2.5.8.4 | आवश्यक प्रमाणपत्र नसतांना ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अतिरिक्त लाभ | | | 1 | 0.22 | | |
| 5 | 2.5.8.5 | भांडवली वस्तूंच्या संदर्भात अनुपलब्ध क्रेडिटला परवानगी देणाऱ्या MGST अधिनियमाच्या तरतुदींच्या संदर्भात विभागाचे विसंगत परिपत्रक | | | 3 | 13.51 | | |
| 6 | 2.5.8.6 | ट्रांझिट मधील इनपुट सेवांवर ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अनियमित लाभ | 118 | 112.57 | 1 | 1.57 | 0.85 | 1.39 |
| 7 | 2.5.8.7 | प्रगतीपथावरील काम किंवा तयार वस्तूंमध्ये समाविष्ट असलेल्या इनपुटवर ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अनियमित लाभ | 210 | 139.52 | 12 | 4.25 | 5.71 | 3.05 |
| 8 | 2.5.8.8 | TRAN च्या रकमेपेक्षा जास्त रक्कम इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये जमा | | | 1 | 0.29 | 0.48 | 0.21 |

2.5.7.1 विभागाद्वारे ट्रांझिशनल क्रेडिट पडताळणीशी संबंधित माहिती सादर न करणे

करदात्याने इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ घेण्यासाठी TRAN-I दाखल करणे आवश्यक आहे जे जून 2017 रोजी संपलेल्या कालावधीसाठी दाखल केलेल्या रिटर्नमध्ये दर्शविले आहे. विक्रेत्याद्वारे TRAN-I दाखल करण्यात आल्यावर ते करदात्याच्या वस्तू व सेवा कर इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये दर्शविले जाते. अशाप्रकारे, इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा व्यवहार विश्वासावर आधारित आहे. विभागाच्या आर्थिक गुप्तचर युनिटने इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये घेतलेल्या ट्रांझिशनल क्रेडिटचा डेटा संबंधित राज्य कर सह

आयुक्तांकडे सादर करावयास पाहिजे, ज्यांनी तो डेटा TRAN-I क्रेडिटच्या पडताळणीसाठी पुढे संबंधित नोडल अधिकाऱ्यांकडे सादर करावा.

राज्य कर आयुक्तांनी नोडल अधिकाऱ्यांना TRAN-I मार्फत घेण्यात आलेल्या ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या दाव्यांची पडताळणी 25 सप्टेंबर 2018 पर्यंत पूर्ण करण्याचे आणि 10 नोव्हेंबर 2018 पर्यंत अहवाल सादर करण्याचे निर्देश दिले (जानेवारी 2018⁵⁰ ते सप्टेंबर 2018⁵¹). पुढे असेही निर्देश देण्यात आले की TRAN-I क्रेडिटच्या पडताळणीची देखरेख प्रभावीपणे केली जात असल्याचे सर्व अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त आणि संबंधित राज्य कर सह आयुक्त सुनिश्चित करतील आणि अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त या प्रक्रियेचा साप्ताहिक आढावा घेतील.

राज्य कर आयुक्तांद्वारे निर्देशित केल्यानुसार विभागीय सह आयुक्तांद्वारे करण्यात आलेली पडताळणी (राज्य प्राधिकरणांना वाटप केलेल्या ट्रांझिशनल क्रेडिटचा राज्य वस्तू आणि सेवा कर घटक) आणि क्षेत्रीय अतिरिक्त आयुक्तांद्वारे करण्यात आलेले संनियंत्रण याबाबतची व्याप्ती सुनिश्चित करण्याकरिता राज्य कर आयुक्त, महाराष्ट्र, मुंबई कार्यालयाकडून संबंधित डेटा मागविण्यात आला (जुलै 2021).

राज्य कर आयुक्तांनी राज्य कर विभागाच्या अधिकाऱ्यांना वितरित केलेल्या ₹ 2,270 कोटींच्या ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या एकूण 52,669 प्रकरणांपैकी ₹ 1,970 कोटींच्या 9,043 प्रकरणांचा (5,637 प्रकरणे राज्य अधिकार क्षेत्राशी संबंधित आणि 3,406 प्रकरणे केंद्रीय अधिकार क्षेत्राशी संबंधित) ट्रांझिशनल क्रेडिट दाव्यांचा तपशील पडताळणीसाठी जानेवारी 2022 मध्ये सादर केला. तथापि, पडताळणी केलेली प्रकरणे आणि त्याचा परिणाम लेखापरीक्षेला सादर केला नाही. त्यामुळे विभागाने केलेल्या पडताळणीची पर्याप्तता आणि परिणामकारकता लेखापरीक्षण निश्चित करू शकले नाही.

शासनाला लेखापरीक्षण निरीक्षणे कळविण्यात आली (फेब्रुवारी 2022 आणि एप्रिल 2022). तथापि, त्यांची उत्तरे प्रतीक्षित आहेत (ऑगस्ट 2022).

2.5.7.2 बीजके/बीजकांची यादी प्रस्तुत न करणे

निवडलेल्या चार⁵² युनिट्स मधील संबंधित 255 प्रकरणांपैकी 93 प्रकरणांत करदात्यांनी TRAN-1 प्रपत्रामध्ये कर बीजकांचा तपशील सादर करणे आवश्यक असलेल्या बीजकांची यादी आणि नमुना बीजकांची यादी लेखापरीक्षणाने मागितली (जून 2022). तथापि, 71

⁵⁰ 2018 चे आंतरिक परिपत्रक 1A दिनांक 01 जानेवारी 2018.

⁵¹ 2018 चे आंतरिक परिपत्रक 23A दिनांक 01 सप्टेंबर 2018.

⁵² सह आयुक्त राज्य कर, माझगांव, सह आयुक्त राज्य कर, एल टी यु-I, मुंबई, सह आयुक्त राज्य कर, एल टी यु-II, मुंबई आणि सह आयुक्त राज्य कर, एल टी यु-II, पुणे.

प्रकरणांमध्ये संबंधित बीजकांची आणि नमुना बीजकांची यादी लेखापरीक्षणास सादर केली नाही.

संबंधित राज्य कर विभागाच्या सह आयुक्तांनी असे उत्तर दिले की मागणी केलेले आवश्यक अभिलेख कर निर्धारकांकडून प्राप्त केले जातील आणि वेळेत लेखापरीक्षणास सादर केले जातील. तथापि, ते अद्याप प्रतीक्षित आहेत (ऑगस्ट 2022). ही बाब राज्य कर आयुक्त, महाराष्ट्र राज्य (ऑगस्ट 2022) यांच्या निदर्शनास आणून दिली आहे. अनुपालन प्रतीक्षित आहे.

मागणी केलेले अभिलेख लेखापरीक्षणास सादर न केल्यामुळे त्या प्रकरणांत लाभ घेतलेल्या ट्रांझिशनल क्रेडिटसच्या अचूकतेचे मूल्यांकन करता आलेले नाही.

शिफारस 1: विभागाने लेखापरीक्षेस वेळेवर दस्तावेज सादर करणे सुनिश्चित करावे.

2.5.8 अनुपालन बाबी

2.5.8.1 वस्तू आणि सेवा कर पूर्व शासन पद्धतीतील शेवटच्या रिटर्नमध्ये अंतिम शिलकीपेक्षा अधिक ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 140 च्या पोटकलम (1) नुसार कलम 10 अंतर्गत कर भरणाऱ्या व्यक्ती व्यतिरिक्त, नोंदणीकृत व्यक्ती, नियुक्त केलेल्या दिवसाच्या⁵³ लगेच आधी संपलेल्या कालावधीसाठी विहित केलेल्या पद्धती नुसार त्याच्याद्वारे विद्यमान कायद्यांतर्गत⁵⁴ सादर करण्यात आलेल्या रिटर्नमध्ये मूल्यवर्धित कर आणि प्रवेश कराचे क्रेडिट, जर असेल तर, त्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेण्यास पात्र असेल.

महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियमाच्या कलम 20(4) नुसार, ज्याने रिटर्न भरले आहे अशी कोणतीही व्यक्ती किंवा विक्रेता रिटर्न भरल्यानंतर त्यात कोणतेही वगळलेले किंवा चुकीचे विधान आढळून आल्यास, ज्या कालावधीच्या संदर्भात चुकीचे विधान आढळले त्या संदर्भातील विहित कालावधी समाप्त होण्यापूर्वी तो सुधारित रिटर्न सादर करू शकतो;

आंतरिक परिपत्रक क्र. 35A दिनांक 19 ऑक्टोबर 2019 च्या परिच्छेद 2 नुसार, राज्य कर आयुक्तांनी 30 जून 2017 रोजी संपलेल्या कालावधीसाठीच्या मूळ रिटर्नमध्ये अग्रेषित केलेल्या रकमेचा उल्लेख चुकीने 'परताव्याचा दावा' म्हणून केला गेलेल्या चार

⁵³ 01 जुलै 2017.

⁵⁴ महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम आणि नियम.

बाबी स्पष्ट केल्या आहेत. यानुसार सुधारित रिटर्नमध्ये खालील तक्ता 2.5.3 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे ट्रांझिशनल क्रेडिट देण्याचा विचार केला गेला:

तक्ता 2.5.3

| परि-स्थिती | दावा केलेली रक्कम | 30.06.2017 रोजी संपलेल्या कालावधीसाठी रिटर्नमध्ये दावा केलेली रक्कम | | राज्य कर आयुक्ताच्या परिपत्रकानुसार क्रेडिटला ट्रांझिशनल क्रेडिट म्हणून दिलेली परवानगी | |
|------------|-------------------|---|-------------|---|---|
| | | मूळ (₹) | सुधारित (₹) | सूचना | रक्कम (₹) |
| 1 | परतावा | 1,00,000 | 0 | मूळ रिटर्नमध्ये 'परतावा' म्हणून दावा केला परंतु सुधारित रिटर्नमध्ये त्याच रकमेसाठी परताव्या ऐवजी 'अग्रेषित' असा दावा केला आहे. | 1,00,000 |
| | अग्रेषित | 0 | 1,00,000 | | |
| | अग्रेषित | 0 | 1,50,000 | मूळ रिटर्नमधील 'परतावा' रकमेऐवजी सुधारित रिटर्नमध्ये 'अग्रेषित' म्हणून अधिक रकमेचा दावा. | 1,00,000 |
| | अग्रेषित | 0 | 80,000 | मूळ रिटर्नमधील 'परतावा' रकमेच्या तुलनेत सुधारित रिटर्नमध्ये 'अग्रेषित' म्हणून कमी रकमेचा दावा. | 80,000 |
| 2 | अग्रेषित | 1,00,000 | 1,20,000 | मूळ रिटर्नपेक्षा सुधारित रिटर्नमध्ये 'अग्रेषित' म्हणून अधिक रकमेचा दावा. | 1,00,000 |
| 3 | अग्रेषित | 1,00,000 | 90,000 | मूळ रिटर्नपेक्षा सुधारित रिटर्नमध्ये 'अग्रेषित' म्हणून अधिक रकमेचा दावा. | 90,000 |
| 4 | परतावा | 1,00,000 | 1,50,000 | मूळ रिटर्नमध्ये 'अग्रेषित' तसेच 'परतावा' या दोन्हीचा दावा केला आहे परंतु सुधारित रिटर्नमध्ये दोन्हीसाठी वेगळ्या रकमेचा दावा केला आहे. | 1,50,000 (मूळ किंवा सुधारित रिटर्न यापैकी जी कमी असेल ती रक्कम मान्य करण्यात येईल). |
| | अग्रेषित | 2,00,000 | 1,50,000 | | |

असेही स्पष्ट करण्यात आले की नोडल अधिकारी यांनी सुनिश्चित करावे की कोणत्याही प्रकरणांत करदाता हा महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर परतावा तसेच त्याच क्रेडिटवर ट्रांझिशनल क्रेडिटसाठी पात्र नाही. लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की करदात्यांद्वारे जून 2017 रोजी संपलेल्या कालावधीसाठी त्यांच्या संबंधित मूळ आणि सुधारित मूल्यवर्धित कर रिटर्नसच्या तुलनेत वस्तू आणि सेवा कर TRAN-I तक्ता-5(क) मधील अतिरिक्त घोषणेमुळे 1,095 प्रकरणांपैकी 86 प्रकरणांत इलेक्ट्रॉनिक

क्रेडिट लेजर मध्ये (परिशिष्ट 2.5.1) ₹ 26.92 कोटी अतिरिक्त ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ देण्यात आला.

लेखापरीक्षा निरीक्षणे संबंधित मूल्यांकन अधिकाऱ्यांना कळविण्यात आली (एप्रिल 2021 ते सप्टेंबर 2021). एका प्रकरणांत⁵⁵ विभागाने सुधारात्मक कारवाई करून एक निर्धारण आदेश पारित केला (फेब्रुवारी 2022) ज्यामध्ये निर्धारकाद्वारे करण्यात आलेला परतावा नाकारण्यात आला. उर्वरित प्रकरणांतील उत्तरे अद्याप प्रतीक्षित आहेत (ऑगस्ट 2022).

उदाहरण:

विक्रेत्याने⁵⁶ जून 2017 च्या मूळ मूल्यवर्धित कर रिटर्नमध्ये, जुलै 2017 मधील मूल्यवर्धित कर इनपुट क्रेडिटची अंतिम शिल्लक म्हणून अग्रेषित करून मूल्यवर्धित कर क्रेडिट रक्कम निरंक दर्शविली आणि ₹ 1.48 कोटीचा परतावा तक्ता 5(क) मधील परतावा रकान्यात दर्शविला. त्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये 28 सप्टेंबर 2017 रोजी ₹ 0.76 कोटी आणि 27 डिसेंबर 2017 रोजी ₹ 0.84 कोटी रक्कम दिसून आली. अशाप्रकारे, इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये अग्रेषित ट्रांझिशनल क्रेडिट ₹ 1.60 कोटी होते. पुढे, ऑगस्ट 2019 मध्ये विक्रेत्याने जून 2017 या महिन्यासाठी सुधारित रिटर्न दाखल केले ज्यामध्ये त्यानंतरच्या कर कालावधीसाठी अग्रेषित अतिरिक्त क्रेडिट पुन्हा 'निरंक' दाखविण्यात आले आणि दावा केलेला परतावा ₹ 1.61 कोटी दाखविण्यात आला. त्यामुळे विक्रेत्याने मूळ किंवा सुधारित रिटर्नमध्ये क्रेडिट अग्रेषित केले नाही. अशाप्रकारे, ₹ 1.60 कोटी रकमेचा अनियमित ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ घेण्यात आला.

2.5.8.2 लेगसी रिटर्न न भरता ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ

कलम 140(1) च्या तरतूद (ii) नुसार वस्तू आणि सेवा कराच्या लेगसी रिटर्न मधून क्रेडिटच्या ट्रांझिशनसाठी करदात्याने नियुक्त तारखेच्या आधीच्या सहा महिन्यांच्या कालावधीसाठी विद्यमान अधिनियमांतर्गत आवश्यक सर्व रिटर्न्स भरलेले पाहिजेत अशी पूर्व अट आहे.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की, 1095 प्रकरणांपैकी आठ प्रकरणांमध्ये करदात्याने नियोजित तारखेच्या आधीच्या सहा महिन्यांच्या कालावधीसाठी सर्व निर्धारित रिटर्न्स भरले नव्हते तरी ₹ 7.99 कोटी (परिशिष्ट 2.5.2) अनियमित ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ देण्यात आला.

⁵⁵ मेसर्स बोरा अँड बोरा टेक्नॉलॉजिस एलएलपी, GSTIN-27AAPFB2057B1ZP, एल टी यु-II, पुणे.

⁵⁶ मुंबई एल टी यु-502 विभागांतर्गत GSTIN-27AAACF0253H1ZO असलेले एफ.डी.सी. लिमिटेड.

एप्रिल ते सप्टेंबर 2021 मध्ये विभागाला निरीक्षणे कळविली. तथापि, त्यांची उत्तरे प्रतीक्षित आहेत (ऑगस्ट 2022).

उदाहरण:

करदात्याने⁵⁷ जानेवारी 2017 ते जून 2017 या कालावधीसाठीचे मूल्यवर्धित कर रिटर्न भरले नाही. तथापि, TRAN-I मध्ये करदात्याने तक्ता 5(क) अंतर्गत ₹ 2.72 कोटी रकमेच्या ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या दाव्याची घोषणा केली, जी नोव्हेंबर 2017 च्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये दिसून आली. परिणामी, ₹ 2.72 कोटी ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अनियमित लाभ झाला.

2.5.8.3 मागील लेगसी रिटर्नमधून क्रेडिटचा अनियमित लाभ

दोन करदात्यांच्या मागील सहा महिन्यांच्या रिटर्न्सच्या (परिशिष्ट 2.5.3) पडताळणीतून असे निदर्शनास आले की विक्रेत्याकडे पुढे अग्रेषित करण्यासाठी इनपुट टॅक्स क्रेडिट शिल्लक नव्हते किंवा त्यांनी मागील रिटर्नमध्ये परताव्याचा दावा केला आहे परंतु ही रक्कम पुढील रिटर्नमध्ये अग्रेषित करण्यात आली आणि इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये ट्रांझिशनल क्रेडिट म्हणून घेण्यात आली. परिणामी, ₹ 5.54 कोटी अनियमित ट्रांझिशनल क्रेडिट गृहित धरण्यात आले.

लेखापरीक्षणाद्वारे ऑगस्ट ते सप्टेंबर 2021 मध्ये निरीक्षणे कळविण्यात आली. तथापि, अद्याप उत्तरे प्रतीक्षित आहेत (ऑगस्ट 2022).

उदाहरण:

करदात्याने⁵⁸ त्याच्या मार्च 2017 च्या मासिक मूल्यवर्धित कर रिटर्नमध्ये ₹ 9.31 कोटींचे इनपुट टॅक्स क्रेडिट पुढील रिटर्नमध्ये अग्रेषित केल्याचे दाखविले उदा. एप्रिल 2017 आणि त्यानुसार, इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये जून 2017 मध्ये क्रेडिट अग्रेषित करण्यात आले. तथापि, वर्ष 2016-17 च्या सुधारित वार्षिक रिटर्न्सच्या पडताळणीत असे निदर्शनास आले की करदात्याने अग्रेषित क्रेडिट 'निरंक' दर्शविले आणि मार्च 2017 च्या अखेरीस ₹ 1.51 लाख परताव्याचा दावा केला. तथापि, करदात्याने ₹ 4.41 कोटी इनपुट टॅक्स क्रेडिट अग्रेषित केले. करदात्याने चुकीच्या पद्धतीने घेतलेले ₹ 4.41 कोटी क्रेडिट परत करणे आणि वार्षिक रिटर्न मधील सुधारित आकड्यांवर आधारित रक्कम भरणे आवश्यक होते. लेखापरीक्षणाने मार्च 2017 ते जून 2017 या कालावधीसाठी करदात्याद्वारे देय असलेली ₹ 4.79 कोटी रक्कम पुनः परिगणित केली.

⁵⁷ मुंबईच्या माझगांव विभागांतर्गत GSTIN क्रं 27AAPFS1542Q1ZH असलेले मेसर्स स्टील फॅब इंजिनिअरिंग कॉर्पोरेशन.

⁵⁸ एल टी यु-02, मुंबई अंतर्गत GSTIN क्रं 27AANCS3404N1ZY असलेले शामन व्हिल्स प्रायव्हेट लिमिटेड.

2.5.8.4 आवश्यक प्रमाणपत्रे नसतांना ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अतिरिक्त लाभ

आंतरिक परिपत्रक क्र. 23 A दिनांक 01 सप्टेंबर 2018 मधील परिच्छेद 3.3 नुसार इनपुट टॅक्स क्रेडिट, आंतरराज्य विक्री, शाखा हस्तांतरण/माल हस्तांतरण किंवा संभाव्य निर्यात, विशेष आर्थिक क्षेत्रामध्ये विक्री निर्देशित करते आणि जेथे केंद्रीय विक्रीकर अधिनियम, 1956 अंतर्गत प्रदान करण्यात आलेले घोषणा किंवा प्रमाणपत्रे म्हणजेच प्रपत्र-सी, प्रपत्र-एफ, प्रपत्र-एच आणि प्रपत्र-आय प्राप्त झाले नसतील तर करदात्याला त्या मर्यादेपर्यंत इनपुट टॅक्स क्रेडिटचे क्रेडिट इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेण्याचा अधिकार नाही.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की करदात्याने⁵⁹ ₹ 0.85 कोटी इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ घेतला. सनदी लेखापालाच्या लेखापरीक्षण अहवालातून लेखापरीक्षेस असे निदर्शनास आले की अनुक्रमे ₹ 0.10 कोटी आणि ₹ 0.41 कोटीचे कर दायित्व समाविष्ट असलेले प्रपत्र-सी आणि प्रपत्र-एफ उपलब्ध नव्हते. त्यामुळे, ₹ 0.51 कोटीचे क्रेडिट अस्वीकार्य होते. करदात्याने नोव्हेंबर 2019 मध्ये ₹ 0.51 कोटीच्या एकूण कर दायित्वामधून ₹ 0.29 कोटीचे इनपुट टॅक्स क्रेडिट परत केले. डिसेंबर 2021 पर्यंत ₹ 0.22 कोटीचे अतिरिक्त क्रेडिट परत केले गेले नाही. त्यामुळे त्याला ₹ 0.22 कोटी इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा अतिरिक्त लाभ मिळाला.

लेखापरीक्षेने सप्टेंबर 2021 मध्ये निरीक्षण कळविले. तथापि, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.5.8.5 भांडवली वस्तूंच्या बाबतीत लाभ न घेतलेल्या क्रेडिटला मान्यता देणाऱ्या महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या तरतुदींच्या संदर्भातील विसंगत विभागीय परिपत्रक

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 140(2) नुसार, कलम 10 अंतर्गत कर भरणाऱ्या व्यक्तींव्यतिरिक्त नोंदणीकृत व्यक्तीस, नियुक्त केलेल्या दिवसासह समाप्त झालेल्या कालावधीसाठी विहित केलेल्या पद्धतीनुसार, त्याच्याद्वारे विद्यमान कायद्यांतर्गत सादर करण्यात आलेल्या रिटर्नमध्ये अग्रेषित न केलेल्या भांडवली वस्तूंच्या संदर्भात लाभ न घेतलेल्या इनपुट कराचे क्रेडिट त्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेण्याचा अधिकार असेल.

⁵⁹ ठाणे शहर विभागांतर्गत GSTIN क्रं.27AABCC2553QZC असलेले मेसर्स कंसोल निओवॅट पॉवर सोल्युशन्स प्रायव्हेट लिमिटेड.

जोपर्यंत सदर क्रेडिट नियुक्त केलेल्या दिवसापूर्वी किंवा त्यानंतर इनपुट टॅक्स क्रेडिट म्हणून अनुज्ञेय नाही तोपर्यंत नोंदणीकृत व्यक्तीला क्रेडिट घेण्यास परवानगी दिली जाणार नाही.

नियुक्त केलेल्या दिवसापूर्वी महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर नियमांच्या नियम 52 मध्ये भांडवली मालमत्ता असणाऱ्या मालाच्या सदर नोंदणीकृत विक्रेत्याने केलेल्या खरेदीवर कराच्या मार्गाने इतर नोंदणीकृत विक्रेत्याद्वारे दावेदार विक्रेत्याकडून स्वतंत्रपणे गोळा केलेल्या रकमेचा सेट ऑफ मंजूर करण्याची तरतूद आहे.

तसेच, नियम 54(a) मध्ये स्पष्ट केले आहे की, मोटार वाहनांची खरेदी (प्रवासी वाहने) सदर वाहनांच्या संदर्भात कोणत्याही उद्देशासाठी वापरण्याचे अधिकार (विशिष्ट कालावधीसाठी असो किंवा नसो) हस्तांतरित करण्याच्या व्यवसायात गुंतलेल्या दावेदार विक्रेत्या व्यतिरिक्त त्याचे भाग, घटक आणि उपसाधने दावेदार विक्रेता भांडवली मालमत्ता मानतात. नियम 53(11) नुसार जर दावेदार विक्रेता प्रवासी वाहनांच्या कोणत्याही कारणासाठी/उद्देशासाठी वापरण्याचा अधिकार (विशिष्ट कालावधीसाठी असो किंवा नसो) हस्तांतरित करण्याच्या व्यवसायात गुंतला असेल तर तो वापरण्याच्या अधिकाराच्या अशा हस्तांतरणावर देय असलेल्या कराच्या मर्यादेपर्यंत आणि दावेदार विक्रेत्याद्वारे हस्तांतरित करण्यात आलेल्या अशा वापराच्या हक्कांच्या कालावधीत दावा केला असेल तर तो, अशा मोटार वाहनांच्या खरेदीवर प्रदान केलेल्या कराच्या सेट ऑफ चा दावा करण्यास पात्र असेल.

तथापि, राज्य कर आयुक्त, महाराष्ट्र यांनी 2018 चे अंतर्गत परिपत्रक क्र.23A दिनांक 01.09.2018 च्या परिच्छेद 4 द्वारे नमूद केले आहे की, केंद्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 मध्ये असलेली सुनियोजितपणे केंद्रीय मूल्यवर्धित कराचा लाभ घेण्याची तरतूद महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियमाला लागू होत नाही कारण ज्या महिन्यात अशी खरेदी होते त्या महिन्यात भांडवली वस्तूच्या संदर्भात संपूर्ण सेट ऑफ/इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा दावा करण्याची परवानगी होती. त्यामुळे करदाता महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 140(2) अंतर्गत कोणतेही महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर क्रेडिट, इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये घेण्यास पात्र होणार नाही.

(अ) प्रवासी मोटार वाहन वापरण्याचा अधिकार हस्तांतरित करण्याच्या व्यवसायात गुंतलेल्या विक्रेत्यांच्या दोन प्रकरणांमध्ये आम्हाला असे लक्षात आले की ₹ 13.40 कोटीचे (परिशिष्ट 2.5.4) ट्रांझिशनल क्रेडिट इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये भांडवली वस्तूच्या संदर्भात लाभ न घेतलेले इनपुट टॅक्स क्रेडिट म्हणून घेतले गेले जे 2018 च्या अंतर्गत परिपत्रक 23A च्या परिच्छेद 4 नुसार चुकीचे आहे.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (सप्टेंबर 2021), एका प्रकरणांत⁶⁰ सह आयुक्त, एल टी यु-2, मुंबई यांनी लेखापरीक्षा निरीक्षण मान्य केले (नोव्हेंबर 2021) आणि नमूद केले की करदाता, भाडे तत्वावर मोटार वाहनाचा पुरवठा करीत असेल आणि त्यालाच भांडवली वस्तू समजत असेल तर तो ₹ 9.66 कोटी TRAN क्रेडिटचा दावा करण्यास पात्र नाही त्यामुळे ते परत करणे आवश्यक आहे. तथापि, दुसऱ्या प्रकरणांत⁶¹ उप-आयुक्त, एल टी यु-2, मुंबई यांनी म्हटले (नोव्हेंबर 2021) की, 01 एप्रिल 2016 च्या अधिसूचनेमधील तरतुदींच्या दृष्टीने करदाता नियुक्त दिवशी उपलब्ध असलेली ₹ 3.74 कोटी इनपुट टॅक्स क्रेडिटची शिल्लक घेण्यास पात्र असेल. त्यानंतर सह-आयुक्त, एल टी यु-2, मुंबई यांनी म्हटले (जानेवारी 2022) की केंद्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियमांतर्गत उपलब्ध असलेल्या भांडवली वस्तूशी संबंधित क्रेडिटची परवानगी देण्याची तरतूद महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियमाला लागू नाही आणि वस्तू आणि सेवा कर अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये कोणतेही महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर क्रेडिट घेण्यास करदाता पात्र नसेल. त्यानुसार दावेदारा विरुद्ध वसुलीची नोटीस देण्यात आली (जानेवारी 2022).

अशाप्रकारे, महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर नियमांच्या नियम 53 नुसार इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा दावा न केलेल्या भागासाठी, दावेदाराचा हक्क, जो नियुक्त दिवशी दावा केला गेला नाही, त्याबाबतीत प्रत्यक्षात प्रदान करण्यात आलेल्या सेवांवर देय कराच्या मर्यादेपर्यंत सुनियोजितपणे सेट-ऑफ देण्यास परवानगी देतो जे 2018 च्या अंतर्गत परिपत्रक क्र 23(A) च्या परिच्छेद 4 च्या विरोधाभासी तरतुदींमुळे आता नियुक्त दिवसानंतर उपलब्ध नाही.

2018 च्या अंतर्गत परिपत्रक क्र. 23A च्या तरतुदींवर शासनाने पुनर्विचार करावा आणि अशा प्रकरणांमध्ये दावा न केलेल्या इनपुट टॅक्स क्रेडिटवर स्पष्टीकरण निर्गमित करावे.

(ब) आमच्या असे सुद्धा निदर्शनास आले की एका प्रकरणांत⁶² करदात्याने तक्ता 6(b) अंतर्गत वस्तू आणि सेवा कर TRAN-I प्रपत्रामध्ये घोषणापत्र दाखल करून भांडवली वस्तूंवर ₹ 11.46 लाख TRAN क्रेडिटचा दावा केला आणि जानेवारी ते जून 2017 दरम्यान करण्यात आलेल्या खरेदीच्या संदर्भात त्यांच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये नोव्हेंबर आणि डिसेंबर 2017 या महिन्यांत ते घेण्यात आले, जे 2018 च्या अंतर्गत परिपत्रक क्र.23A च्या परिच्छेद 4 च्या तरतुदींच्या विरुद्ध होते.

⁶⁰ GSTIN क्र. 27AACO256312I असलेले ऑरीक्स ऑटो इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विसेस लिमिटेड.

⁶¹ GSTIN क्र. 27AAGCA5212K1ZR सह अर्वल इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड.

⁶² GSTIN क्र. 27AAACP4156BIZS सह पिडीलाईट इंडस्ट्रीज.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (सप्टेंबर 2021) उत्तरादाखल असे सांगण्यात आले (सप्टेंबर 2021 आणि एप्रिल 2022) की जानेवारी ते जून 2017 दरम्यान खरेदी करण्यात आलेल्या मालासाठी विक्रेत्याद्वारे घेतलेले क्रेडिट योग्य होते. विक्रेत्याला सदर बीजके जुलै आणि ऑगस्ट 2017 दरम्यान प्राप्त झाले आणि म्हणूनच कर बीजके वेळेत उपलब्ध न झाल्यामुळे करदात्याला त्याचे योग्य खाते तयार करता आले नाही आणि मूल्यवर्धित कर रिटर्नमध्ये कर क्रेडिटचा दावा करता आला नाही. महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अंतर्गत घ्यायचे बाकी राहिलेले क्रेडिट तक्ता 6(ब) अंतर्गत वस्तू आणि सेवा कर TRAN-1 प्रपत्रामध्ये घोषणापत्र दाखल करून तेच क्रेडिट TRAN क्रेडिट म्हणून घेतले गेले.

तथापि, जरी विक्रेत्याने भांडवली वस्तूंच्या खरेदीवर महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर भरला होता आणि महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 140(2) च्या तरतुदींच्या आधारे त्याचसाठी ट्रांझिशनल क्रेडिट म्हणून लाभ घेतल्या न गेलेले इनपुट टॅक्स क्रेडिट घेण्यासाठी तो पात्र होता, तरी देखील 2018 च्या अंतर्गत परिपत्रक क्र. 23A च्या परिच्छेद 4 नुसार, ज्यामध्ये भांडवली वस्तूंच्या संदर्भात ही खरेदी करण्यात आलेल्या महिन्यात पूर्ण सेट ऑफ/इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा दावा करण्याची परवानगी होती, हा दावा नाकारण्यात आला. 2018 च्या अंतर्गत परिपत्रक क्र. 23A च्या तरतुदींवर शासनाने पुनर्विचार करावा आणि भांडवली वस्तूंवर दावा न केलेल्या इनपुट टॅक्स क्रेडिटवर स्पष्टीकरण निर्गमित करावे.

शिफारस 2: विभागाने 2018 च्या अंतर्गत परिपत्रक क्र. 23A च्या तरतुदींवर पुनर्विचार करावा आणि भांडवली वस्तूंवर लाभ न घेतलेल्या इनपुट टॅक्स क्रेडिटवर स्पष्टीकरण निर्गमित करावे.

2.5.8.6 ट्रांझिट मधील इनपुट सेवांवर ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अनियमित लाभ

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 140(5) च्या तरतुदींनुसार, नोंदणीकृत व्यक्ती, नियुक्त केलेल्या दिवशी किंवा त्यानंतर प्राप्त झालेल्या इनपुट्स च्या संदर्भात परंतु त्या संदर्भातील कर पुरवठादाराद्वारे विद्यमान अधिनियमांतर्गत भरला गेला आहे त्याच्याच संदर्भातील बीजक किंवा कोणतेही कर भरल्याचे दस्तावेज नियुक्त दिवसापासून तीस दिवसांत अशा व्यक्तीच्या बुक्स ऑफ अकाउंट मध्ये नोंदवले आहे, या अटीच्या अधीन राहून त्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये मूल्यवर्धित कर आणि प्रवेश कराचे क्रेडिट घेण्यास पात्र असेल.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की करदात्याने⁶³ TRAN-1 तक्ता 7(ब) अंतर्गत ₹ 2.20 कोटी दाव्याची घोषणा केली आणि डिसेंबर 2017 मध्ये इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये त्याचे क्रेडिट घेतले. इनपुट्सच्या सूचीच्या पडताळणीत लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमात तरतूद नसलेल्या इनपुट सेवांवर करदात्याने ₹ 1.57 कोटी रकमेचे क्रेडिट घेतले. अशाप्रकारे, इनपुट सेवांवर ट्रांझिशनल क्रेडिट घेऊन ₹ 1.57 कोटी ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अनियमित अतिरिक्त लाभ घेतला.

लेखापरीक्षेने ऑक्टोबर 2021 मध्ये निरीक्षण कळविले. सह आयुक्त, विक्रीकर, एल टी यु-1 मुंबई यांनी उत्तर दिले (जानेवारी 2022) की कारणे दाखवा नोटीस (DRC-01) निर्गमित केली आहे. पुढील अनुपालन प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.5.8.7 प्रगतीपथावरील काम किंवा तयार मालामध्ये समाविष्ट असलेल्या इनपुटवर ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अनियमित लाभ

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 140(6) नुसार, एक नोंदणीकृत व्यक्ती, जी निश्चित दराने कर भरत होती किंवा विद्यमान कायद्यानुसार देय कराच्या बदल्यात निश्चित रक्कम भरत होती, त्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये, नियुक्त दिवशी साठ्यामध्ये असलेल्या इनपुट्सच्या संदर्भात आणि साठ्यामध्ये असलेल्या अर्ध-तयार किंवा तयार मालामध्ये असलेल्या इनपुट्स मध्ये खालील अटीच्या अधीन राहून मूल्यवर्धित कराचे क्रेडिट घेण्यास पात्र असेल:

- (i) असे इनपुट्स किंवा वस्तू या अधिनियमांतर्गत करपात्र पुरवठा करण्यासाठी वापरलेले आहेत किंवा वापरायचे आहेत;
- (ii) सदर नोंदणीकृत व्यक्ती कलम 10 अंतर्गत कर भरत नाही;
- (iii) सदर नोंदणीकृत व्यक्ती या अधिनियमांतर्गत अशा इनपुटवर इनपुट टॅक्स क्रेडिटसाठी पात्र आहे;
- (iv) सदर व्यक्तीकडे इनपुट्सच्या संदर्भात विद्यमान अधिनियमांतर्गत कराचे प्रदान केल्याचा पुरावा देणारे बीजके किंवा इतर दस्तावेज आहेत;
- (v) अशी बीजके किंवा इतर विहित दस्तावेज नियुक्त दिवसाच्या लगेच आधीच्या बारा महिन्यांपूर्वी निर्गमित केले नाहीत.

तसेच राज्य कर आयुक्तांनी स्पष्ट केले (सप्टेंबर 2018)⁶⁴ की “इनपुट्स” या शब्दाचा अर्थ भांडवली मालमत्तेव्यतिरिक्त इतर कोणतीही वस्तू असा होतो. म्हणून “इनपुट्स”

⁶³ मुंबईच्या एल टी यु-1 विभागांतर्गत GSTIN क्र. 27AAACWO387R1ZN असलेले मेसर्स विप्रो लिमिटेड.

⁶⁴ दिनांक 01/09/2018 च्या अंतर्गत परिपत्रक क्र. 23A चा परिच्छेद 8.7.

या शब्दामध्ये भांडवली वस्तूंचा समावेश होणार नाही आणि म्हणून बांधकाम व्यवसायी आणि विकासक 1 जुलै 2017 रोजी साठ्यामध्ये असलेल्या भांडवली वस्तूंच्या संदर्भात मूल्यवर्धित कर क्रेडिटवर दावा करण्यास पात्र राहणार नाहीत. पुढे असेही स्पष्ट करण्यात आले की इमारत किंवा प्रगतीपथावर असलेले काम, म्हणजे अर्ध-तयार किंवा तयार मालामध्ये असलेले "इनपुट्स" महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमांतर्गत परिभाषित केल्यानुसार "वस्तू" या संज्ञेत समाविष्ट होणार नाहीत आणि म्हणून प्रगतीपथावर असलेल्या कामाच्या स्वरूपातील इनपुट म्हणजे अर्ध-तयार आणि तयार मालामध्ये समाविष्ट असलेले, महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या अर्थ आणि व्याप्ती मधील "वस्तू" नाहीत आणि करदाता मूल्यवर्धित कर क्रेडिटचा दावा करण्यास पात्र नसेल.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की बांधकाम व्यावसायिक आणि विकासकाच्या 210 प्रकरणांपैकी 12 प्रकरणांमध्ये करदात्याद्वारे ₹ 4.25 कोटींचे (परिशिष्ट-2.5.5) ट्रांझिशनल क्रेडिट TRAN-1 च्या तक्ता 7 क अंतर्गत घोषित करण्यात आले आणि अर्ध-तयार किंवा तयार वस्तूंमध्ये असलेल्या इनपुट्सवर त्यांचे इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये क्रेडिट घेण्यात आले. परिणामी, ₹ 4.25 कोटी ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अनियमित लाभ झाला.

लेखापरीक्षेने जुलै ते सप्टेंबर 2021 पर्यंत निरीक्षणे कळविली. तथापि, त्यांची उत्तरे प्रतीक्षित आहेत (ऑगस्ट 2022).

उदाहरण:

करदात्याने⁶⁵ TRAN-1 च्या तक्ता 7(क) अंतर्गत अर्ध-तयार वस्तूंमध्ये समाविष्ट असलेल्या इनपुटसाठी ₹ 81.62 लाख ट्रांझिशनल क्रेडिटचा दावा केला होता आणि पुढे ते इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये अग्रेषित केले. करदाता हा बांधकाम व्यावसायिक/विकासक असल्यामुळे तो अर्ध-तयार वस्तूंमध्ये असलेल्या इनपुट्सवर मूल्यवर्धित कर क्रेडिटसाठी पात्र नाही. परिणामी, ₹ 81.62 लाख ट्रांझिशनल क्रेडिटचा अनियमित लाभ झाला.

2.5.8.8 TRAN च्या रकमेपेक्षा जास्त रक्कम इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये जमा

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 140(1) नुसार नोंदणीकृत करपात्र व्यक्ती जून 2017 रोजी संपलेल्या कालावधीसाठी म्हणजे 01 जुलै 2017 पूर्वी दाखल केलेल्या रिटर्नमध्ये दर्शविल्याप्रमाणे इनपुट टॅक्स क्रेडिटची पुढे अग्रेषित केलेली रक्कम इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेऊ शकते. नोंदणीकृत करदात्याने विहित

⁶⁵ GSTIN क्र.27AABC3630P1ZJ असलेले भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर अँड इंजीनिअरिंग प्रायव्हेट लिमिटेड.

प्रपत्रामध्ये म्हणजे TRAN-1 मध्ये निर्धारित तारखेच्या आत रिटर्न भरणे आवश्यक आहे आणि TRAN-1 मध्ये इनपुट टॅक्स क्रेडिट म्हणून दाखविलेली रक्कम इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये ट्रांझिशनल क्रेडिट म्हणून घेतली जाईल.

एल टी यु-II, मुंबई (GSTIN-27AAJCS9992H1ZI) शी संबंधित मेसर्स सिल्वानस प्रॉपर्टीज लिमिटेडद्वारे सादर केलेल्या TRAN-1 च्या पडताळणीत तक्ता 7 क अंतर्गत (बीजकांद्वारे समर्थित इनपुट्सवर भरलेल्या मूल्यवर्धित कराची रक्कम) ₹ 69.39 लाखांचे आणि तक्ता 11(क) अंतर्गत (कलम 142(11(क)) नुसार क्रेडिट) ₹ 14.16 लाखांचे क्रेडिट उघडकीस आले. अशाप्रकारे, TRAN-1 नुसार एकूण क्रेडिट ₹ 83.55 लाख होते. तथापि, लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले (जून 2022) की इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये राज्य करा अंतर्गत ₹ 1.12 कोटींचे ट्रांझिशनल क्रेडिट जमा केले. परिणामी, ₹ 28.79 लाख जास्त ट्रांझिशनल क्रेडिट जमा झाले.

उत्तरादाखल, सह आयुक्त विक्रीकर, एल टी यु-02 मुंबई ने सादर केले (ऑगस्ट 2022) की TRAN-1 मधील इनपुट टॅक्स क्रेडिट दाव्याच्या मुद्द्यावर हे प्रकरण 2017-18 या कालावधीसाठी वस्तू आणि सेवा कर लेखापरीक्षणासाठी निवडण्यात आले आहे.

शिफारस 3: करदात्याद्वारे इनपुट टॅक्स क्रेडिटच्या अनियमित/अतिरिक्त लाभ/वापर टाळण्यासाठी करदात्याद्वारे ट्रांझिशनल क्रेडिटचा लाभ घेण्यासाठी सर्व आवश्यक अटींचे अनुपालन विभागाने सुनिश्चित करावे.

शिफारस 4: ट्रांझिशनल क्रेडिटच्या अनियमित अतिरिक्त लाभाच्या वसुलीसाठी संबंधित करदात्याला डिमांड नोटीस बजावण्यासाठी विभागाने कारवाई सुरु करणे गरजेचे आहे.

वस्तू आणि सेवा कर विभाग

2.6 वस्तू आणि सेवा कर परतावा

परतावा अर्जाचा संदर्भ क्रमांक निर्माण करण्यापूर्वी करदात्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट/कॅश लेजर मध्ये डेबिट करण्यातील अपयशामुळे अनियमित परतावा देण्यात आला. तसेच परतावा आदेश निर्गमित करण्यापूर्वी करदात्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट/कॅश लेजर मध्ये परतावा दाव्याची रक्कम डेबिट करणे हे सुनिश्चित करण्यात विभाग अयशस्वी झाला. विभागाने समकक्ष कर प्राधिकार्यांना परतावा आदेशांच्या संप्रेषणाचा डेटा सादर केला नाही, तसेच वारंवार निवेदन करून सुद्धा उतर-लेखापरीक्षणाकरिता सादर केलेले परताव्याचे दावे आणि वस्तू आणि सेवा कर परताव्याच्या भुगताना संबंधीचा डेटा पडताळणीकरिता लेखापरीक्षेस सादर केला नाही. त्यामुळे, लेखापरीक्षेला संहिता प्रावधानांचे अनुपालन आणि परतावा आदेश निर्गमित करण्यात अचूकतेची आणि समयसूचकतेची खात्री करता आली नाही. काही प्रकरणांमध्ये परतावा आदेश विलंबाने निर्गमित केला होता, ज्यामुळे व्याजाच्या भुगतानाचे दायित्व निर्माण झाले. विभागाने निर्यातीच्या पुराव्याविना झिरो रेटेड निर्याती संदर्भात परतावा मंजूर केला. विभागाने भांडवली वस्तूंवरील इनपुट टॅक्स क्रेडिट तसेच इनपुट सेवा, जिथे लागू असेल तिथे परतावा मंजूर करताना गृहित धरण्यात चूक केली. समायोजित एकूण उलाढाल, निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट ह्या घटकांचे चुकीचे मूल्य गृहित धरलेली प्रकरणे निदर्शनास आली, ज्याचा परिणाम जास्तीच्या परताव्यात झाला. या क्रेडिटच्या अपात्रतेच्या कारणास्तव न वापरलेल्या इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा परतावा दावा नाकारल्यानंतर विभागाने दावेदारांच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये नाकारलेल्या रकमेचे पुन्हा क्रेडिट सुनिश्चित केले नाही.

2.6.1 प्रस्तावना

वस्तू आणि सेवा कर लागू करणे ही आपल्या देशातील अप्रत्यक्ष करांच्या क्षेत्रातील एक लक्षणीय सुधारणा आहे, ज्याने केंद्र आणि राज्यांकडून आकारल्या आणि संकलित केल्या जाणाऱ्या अनेक करांची जागा घेतली आहे. वस्तू आणि सेवा कर हा वस्तू किंवा सेवा किंवा दोन्हीच्या पुरवठ्यावरील गंतव्य स्थानावरील आधारित कर आहे, जो अनेक टप्प्यात आकारला जातो, ज्यामध्ये कर आणि पुरवठा पूरक असतात. पुरवठ्याच्या जागेवर अधिकारक्षेत्र असलेल्या कर आकारणी प्राधिकरणाकडे कर उपार्जित होईल.

समान कर आधारावर केंद्र आणि राज्ये एकाच वेळी कर आकारतात. केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर आणि राज्य वस्तू आणि सेवा कर/केंद्रशासित प्रदेश वस्तू आणि सेवा

कर हा राज्यांतर्गत पुरवठ्यावर आणि एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर हा आंतरराज्य पुरवठ्यावर आकारला जातो.

केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर अधिनियम, 2017 च्या धर्तीवर महाराष्ट्र राज्यात वस्तू किंवा सेवांचा राज्यांतर्गत पुरवठा किंवा दोन्हीवर कर आकारणी आणि संकलनासाठी आणि त्यांच्याशी संबंधित किंवा त्यावरील प्रासंगिक बाबींवर तरतुदी करण्यासाठी महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा अधिनियम, 2017 हा 1 जुलै 2017 पासून लागू करण्यात आला.

2.6.1.1 समयोचित परतावा यंत्रणा, कर प्रशासनाचा एक निर्णायक घटक आहे. कारण ती खेळते भांडवल, विस्तार आणि विद्यमान व्यवसायाचे आधुनिकीकरण यासाठी अवरोधित निधी मुक्त करून व्यापार सुलभ करते. वस्तू आणि सेवा कर कायद्यामध्ये असलेल्या परताव्याशी संबंधित तरतुदींचा उद्देश हा शासन पद्धती अंतर्गत वस्तू आणि सेवा कर परतावा प्रक्रिया सुलभ आणि प्रमाणित करणे आहे. महाराष्ट्र शासनाद्वारे हा निर्णय घेतला गेला आहे की दावा आणि मंजूर करण्याची प्रक्रिया पूर्णपणे ऑनलाइन असेल. कॉमन पोर्टलवर इलेक्ट्रॉनिक रिफंड मॉड्यूल उपलब्ध नसल्यामुळे केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ यांनी नोव्हेंबर/डिसेंबर 2017 रोजी परिपत्रके⁶⁶ निर्गमित केली, ज्यामध्ये तात्पुरती यंत्रणा तयार करून वस्तू आणि सेवा कर परताव्यांसाठी तपशीलवार प्रक्रिया निर्धारित करण्यात आली. या इलेक्ट्रॉनिक तसेच मॅन्युअल प्रक्रियेमध्ये अर्जदाराने कॉमन पोर्टलवर GST-RFD-01A प्रपत्रामध्ये परतावा अर्ज दाखल करणे, त्याचे प्रिंट काढणे आणि ते सर्व आवश्यक कागदपत्रांसह अधिकार क्षेत्रीय कर कार्यालयात भौतिकदृष्ट्या सादर करणे आवश्यक होते, तसेच त्या परतावा अर्जाची तपासणी करणे, म्हणजेच पोचपावती देणे, कमतरता मेमो निर्गमित करणे, तात्पुरता/अंतिम परतावा आदेश पारित करणे, भुगतान अॅडव्हाइस इत्यादी भौतिकदृष्ट्या केले जात होते. परतावा अर्ज सादर करण्याची प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक बनविण्यासाठी केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ यांनी पुढे निर्दिष्ट केले⁶⁷ की GST-RFD-01 A प्रपत्रामधील परतावा अर्ज, सर्व आवश्यक कागदपत्रांसह इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने सादर केले जावेत. तथापि, परतावा अर्जाच्या प्रक्रियेचे सादरीकरणानंतरचे विविध टप्पे मॅन्युअल पद्धतीने चालू राहिले. 01.07.2017 ते 25.09.2019 दरम्यान (म्हणजेच स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधी) तांत्रिक अडचणीमुळे ते पूर्णपणे इलेक्ट्रॉनिक करता आले नाही.

⁶⁶ परिपत्रक क्र. 17/17/2017-जी.एस.टी दिनांक 15/11/2017 आणि 24/24/2017-जी.एस.टी दिनांक 21/12/2017.

⁶⁷ परिपत्रक क्र 79/53/2018-जी.एस.टी दिनांक 31/12/2018.

2.6.1.2 परतावा प्रक्रियेचे संपूर्ण यांत्रिकीकरण म्हणजेच पूर्णपणे इलेक्ट्रॉनिक बनविण्यासाठी आवश्यक क्षमता, ज्यामध्ये परतावा अर्ज सादर करण्यापासून ते इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने प्रक्रिया करण्यापर्यंतचे सर्व टप्पे, 26.09.2019 पासून कॉमन पोर्टलवर लागू केले गेले. स्वयंचलित प्रणाली पश्चात केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ यांनी नोव्हेंबर 2019 मध्ये इलेक्ट्रॉनिक सादरीकरण आणि परतावा दाव्यांच्या प्रक्रियेसाठी पूर्वीची परिपत्रके/मार्गदर्शक तत्वे⁶⁸ रद्द करून मार्गदर्शक तत्वांचा नवीन संच जारी⁶⁹ केला. तथापि, 26.09.2019 पूर्वी (म्हणजेच स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधी) कॉमन पोर्टलवर दाखल केलेल्या सर्व परतावा अर्जांवर मॅन्युअल प्रक्रिया करणे सुरु होते.

2.6.1.3 वस्तू आणि सेवा कर परताव्यासाठी परिस्थिती

वस्तू आणि सेवा कर परताव्याचा दावा खालील कारणामुळे उद्भवला:

- (i) वस्तू किंवा सेवांची निर्यात;
- (ii) विशेष आर्थिक क्षेत्रातील युनिट आणि विकासक यांना पुरवठा;
- (iii) मानलेली निर्यात;
- (iv) संयुक्त राष्ट्र किंवा दूतावास इत्यादींनी केलेल्या खरेदीवरील कराचा परतावा;
- (v) अपील प्राधिकरण, अपील न्यायाधिकरण किंवा कोणत्याही न्यायालयाचा निर्णय, हुकूम (डिक्री), आदेश किंवा निर्देशामुळे उद्भवलेला परतावा;
- (vi) इन्व्हर्टेड ड्युटी स्ट्रक्चर/रिव्हर्स चार्ज प्रकरणांमुळे वस्तू आणि सेवा करांच्या जमा इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा परतावा;
- (vii) तात्पुरत्या मूल्यांकनाचे अंतिमीकरण;
- (viii) इलेक्ट्रॉनिक कॅश लेजरमध्ये शिल्लक परतावा;
- (ix) पूर्व ठेवींचा परतावा;
- (x) जास्तीचे वस्तू आणि सेवा कर भुगतान;
- (xi) आंतरराष्ट्रीय पर्यटकांनी भारतातील वस्तूंवर भरलेल्या आणि परदेशात नेलेल्या वस्तूंवर वस्तू आणि सेवा कराचा परतावा;

⁶⁸ परिपत्र क्र 17/17/2017-जीएसटी दिनांक 15.11.2017; 24/24/2017-जीएसटी दिनांक 21.12.2017; 37/11/2018-जीएसटी दिनांक 15.03.2018; 45/19/2018-जीएसटी दिनांक 30.05.2018 (दिनांक 18.07.2019 च्या शुद्धीपत्रासह); 59/33/2018-जीएसटी दिनांक 04.09.2018; 70/44/2018-जीएसटी दिनांक 26.10.2018; 79/53/2018-जीएसटी दिनांक 31.12.2018 आणि 94/13/2019-जीएसटी दिनांक 28.03.2019.

⁶⁹ मुख्य परिपत्रक क्र 125/44/2019-जीएसटी दिनांक 18.11.2019.

- (xii) वस्तू किंवा सेवांचा पुरवठा केला गेला नाही त्या अग्रिमांवर भरलेल्या करांसाठी निर्गमित केलेल्या परतावा प्रमाणकांचा परतावा;
- (xiii) केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर आणि राज्य वस्तू आणि सेवा कराचा परतावा राज्यांतर्गत पुरवठा मानून अदा केला जातो, जो नंतर आंतरराज्य पुरवठा म्हणून ग्राह्य धरला जातो आणि उलटपक्षी आंतरराज्य पुरवठा मानून अदा केला जातो, जो नंतर राज्यांतर्गत पुरवठा म्हणून ग्राह्य धरला जातो.

2.6.2 संघटनात्मक संरचना

शासन स्तरावर वस्तू आणि सेवा कर विभाग वित्त विभागाच्या अतिरिक्त मुख्य सचिवांच्या प्रशासकीय नियंत्रणाखाली कार्य करते. राज्य कर आयुक्त, महाराष्ट्र राज्य विभागाचे प्रमुख आहेत आणि त्यांना राज्य कराचे विशेष आयुक्त, राज्य कराचे चार अतिरिक्त आयुक्त आणि 12 सह आयुक्त मदत करतात. माझगाव, मुंबई येथील मुख्य कार्यालया व्यतिरिक्त, अतिरिक्त आयुक्त, राज्य कर यांच्या नेतृत्वाखालील आणखी पाच विभागीय कार्यालये आहेत. सह आयुक्त राज्य कर (प्रशासन) यांच्या नेतृत्वाखालील 13 विभागीय कार्यालये आणि 39 राज्य कर कार्यालये⁷⁰ राज्याच्या 36 जिल्ह्यांमध्ये कार्यरत आहेत.

2.6.3 लेखापरीक्षेची व्याप्ती, पद्धती आणि नमूना निवड

वस्तू आणि सेवा कर नेटवर्क वरून पॅन इंडिया परतावा डेटा प्राप्त करण्यात आला आणि महाराष्ट्र राज्याशी संबंधित परतावा प्रकरणांचा नमूना तपशीलवार तपासणीसाठी काढण्यात आला. 32 वस्तू व सेवा कर विभागांमधील 1954 प्रकरणे सांख्यिकीय यादृच्छिक नमूना पद्धतीद्वारे निवडण्यात आली ज्यात प्रामुख्याने मुंबई, मुंबई-उपनगर, ठाणे, पुणे इत्यादिंमधील प्रमुख आर्थिक केंद्रे/औद्योगिक केंद्रे समाविष्ट होती. महाराष्ट्र शासनाच्या वित्त विभागाचे उपसचिव (वित्त) यांच्या सोबत 09 डिसेंबर 2020 रोजी ऑनलाइन प्रवेश परिषद आयोजित करण्यात आली होती. राज्य कर विभागाचे तीन अतिरिक्त आयुक्त, तीन सह-आयुक्त, चार उप-आयुक्त आणि एक सहाय्यक आयुक्त (आंतरिक लेखापरीक्षा) हे प्रवेश परिषदेला उपस्थित होते.

जुलै 2017 ते जुलै 2020 या कालावधीत निवडलेल्या परतावा प्रकरणांच्या केलेल्या तपासणीसाठी डिसेंबर 2020 ते सप्टेंबर 2021 दरम्यान लेखापरीक्षण करण्यात आले. डिसेंबर 2020 ते सप्टेंबर 2021 या कालावधीत स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधीशी संबंधित 886 प्रकरणांचे भौतिक लेखापरीक्षण करण्यात आले आणि सर्व निवडलेल्या

⁷⁰ राज्य कर कार्यालये एकतर उपायुक्त राज्य कर, सह आयुक्त, राज्य कर किंवा राज्य कर अधिकारी यांच्या नेतृत्वाखाली.

स्वयंचलित प्रणाली पश्चातच्या 1068 प्रकरणांचे ऑनलाइन लेखापरीक्षण करण्यात आले.

निर्गमन परिषद 04 जानेवारी 2022 रोजी ऑनलाइन आयोजित करण्यात आली. लेखापरीक्षण निरीक्षणांचा समावेश असलेला प्रारूप अहवाल शासनाकडे सादर करण्यात आला (डिसेंबर 2021). तथापि उत्तर अद्यापही अप्राप्त आहे (ऑगस्ट 2022).

2.6.4 लेखापरीक्षणाची उद्दिष्टे

खालील बाबींचे मूल्यांकन हे वस्तू आणि सेवा कर परताव्याच्या विषय विशिष्ट अनुपालन लेखापरीक्षणाचे उद्दिष्ट होते:

- परताव्याच्या मंजूरी संदर्भात निर्गमित केलेले अधिनियम, नियम, अधिसूचना, परिपत्रके इत्यादींची पर्याप्तता;
- कर अधिकाऱ्यांद्वारे प्रचलित तरतुदींचे अनुपालन आणि करदात्यांकडून अनुपालन सुनिश्चित करण्यासाठी परिणामकारक प्रणाली; आणि
- परतावा अर्ज निकाली काढतांना विभागीय अधिकाऱ्यांची कामगिरी तपासण्यासाठी प्रभावी अंतर्गत नियंत्रण यंत्रणा आस्तिवात होती की नाही.

2.6.5 लेखापरीक्षा निकष

लेखापरीक्षा निष्कर्ष खालील निकषांवर आधारित आहेत:

- i) महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियम, 2017 चे कलम 54 ते 58 आणि कलम 77;
- ii) महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर नियम, 2017 चे नियम 89 ते 97A;
- iii) एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर अधिनियम, 2017 चे कलम 15,16 आणि 19;
- iv) केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ आणि महाराष्ट्र राज्य कर आयुक्त यांनी निर्गमित केलेल्या अधिसूचना/परिपत्रके;

लेखापरीक्षा निष्कर्ष

प्रारूप अहवालातील लेखापरीक्षा निष्कर्ष खालील तक्ता 2.6.1 मध्ये सारांशित केले आहेत:

तक्ता: 2.6.1

(₹ कोटी मध्ये)

| अनु. क्र. | लेखापरीक्षा निष्कर्षाचे स्वरूप (फक्त सूचक) | लेखापरीक्षा नमुना | | निदर्शनास आलेल्या कमतरतांची संख्या | | नमुन्याची टक्केवारी म्हणून कमतरता | |
|-----------|---|-------------------|---------|------------------------------------|-------|-----------------------------------|-------|
| | | संख्या | रक्कम | संख्या | रक्कम | संख्या | रक्कम |
| 1 | पोचपावती देतांना झालेला विलंब | 1954 | 3117.57 | 759 | -- | 38.84 | -- |
| 2 | परतावा आदेश देतांना झालेला विलंब | 1954 | 3117.57 | 1091 | -- | 55.83 | -- |
| 3 | झिरो रेटेड पुरवठ्यामुळे तात्पुरता परतावा मंजूर करण्यास झालेला विलंब | 992 | 2634.86 | 418 | -- | 42.14 | -- |
| 4 | इन्व्हर्टेड झ्यूटी स्ट्रक्चर अंतर्गत अनियमित परतावा | 661 | 277.58 | 125 | 24.16 | 18.91 | 8.70 |
| 5 | शून्य दर पुरवठा प्रकरणांत अनियमित परतावा | 992 | 2634.86 | 50 | 22.73 | 5.04 | 0.86 |
| 6 | समकक्ष कर प्राधिकरणाला परतावा आदेश कळविण्यात आल्याचा डेटा दिला नाही | डेटा दिला नाही | | | | | |
| 7 | उत्तर-लेखापरीक्षण आयोजित केल्याचा डेटा संप्रेषित न करणे | डेटा दिला नाही | | | | | |
| 8 | वस्तू आणि सेवा कर परताव्याच्या भुगतानाचा डेटा उपलब्ध करून न देणे | डेटा दिला नाही | | | | | |

2.6.6 प्रणालीगत समस्या

2.6.6.1 एका प्रकरणात इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर डेबिट करण्यात अयशस्वी ठरल्यामुळे अनियमित परतावा

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ यांनी स्पष्ट केले⁷¹ की (नोव्हेंबर 2019) अर्जदाराने वस्तू आणि सेवा कर RFD-01 मध्ये परतावा अर्ज दाखल करण्याची प्रक्रिया पूर्ण केल्यानंतर आणि सर्व आवश्यक कागदपत्रे/हमीपत्र/विवरणपत्रे/बंधपत्रे अपलोड केल्यानंतरच अर्ज संदर्भ क्रमांक निर्मित केल्या जाईल आणि आवश्यक असेल तेथे इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट/कॅश लेजरमधून रक्कम डेबिट केली जाईल.

⁷¹ परिपत्रक क्र.125/44/2019-जीएसटी दिनांक 18.11.2019 चा परिच्छेद 4(ब).

स्वयंचलित प्रणाली पश्चातच्या कालावधीतील 1068 प्रकरणांपैकी एका प्रकरणात लेखापरीक्षणाला असे आढळून आले की करदात्याने⁷² ऑक्टोबर 2019 मध्ये केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर दायित्वाच्या कारणास्तव ₹ 0.69 कोटी जमा केले, वास्तविकतः त्याचे महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर दायित्व केवळ ₹ 0.02 कोटी होते. त्यामुळे त्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये ₹ 0.67 कोटी जास्त जमा झाले. करदात्याने ₹ 0.67 कोटींच्या परताव्यासाठी अर्ज केला आणि नोव्हेंबर 2019 मध्ये अर्ज संदर्भ क्रमांक निर्माण झाला. अर्ज संदर्भ क्रमांकाच्या निर्मितीपूर्वी इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये ₹ 0.67 कोटींचे डेबिट प्रभावित करणे आवश्यक होते. विभागाने ₹ 0.67 कोटींचा परतावा जानेवारी 2020 मध्ये मंजूर केला, जो करदात्याला जानेवारी 2020 मध्ये मिळाला. तथापि, असे आढळून आले की करदात्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये परत केलेल्या रकमेचे कोणतेही डेबिट नव्हते. हे अर्ज संदर्भ क्रमांकाच्या निर्मितीपूर्वी इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर डेबिट करण्यात अपयश दर्शविते. तसेच परतावा आदेश निर्गमित करण्यापूर्वी इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये समान रकमेचे डेबिट सुनिश्चित करण्यात विभागाला अपयश आले. याचा परिणाम ₹ 0.67 कोटींचा अनियमित परतावा देण्यात झाला.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (फेब्रुवारी 2021), उप-आयुक्त, राज्य कर यांनी नमूद केले (फेब्रुवारी 2021) की सामान्यतः RFD-1 ची प्रक्रिया करताना इलेक्ट्रॉनिक लेजर्समधील जास्तीची शिल्लक रक्कम संबंधित लेजर्समधून डेबिट केली जाते. परंतु वर्तमान प्रकरणांत तांत्रिक त्रुटी किंवा प्रणालीगत त्रुटींमुळे हे घडले नाही. करदात्याने विभागाच्या अनुनयाने, फेब्रुवारी 2021 मध्ये इलेक्ट्रॉनिक कॅश लेजरमध्ये ₹ 0.67 कोटी डेबिटसाठी (DRC-3) दाखल केला.

शिफारस 1: अर्ज संदर्भ क्रमांक निर्माण होण्यापूर्वी आणि परतावा आदेश निर्गमित करण्यापूर्वी विभागाने इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट/कॅश लेजरमध्ये डेबिटची खात्री करावी

2.6.6.2 दुहेरी भुगतान अॅडव्हाइस निर्गमित केल्यामुळे वस्तू आणि सेवा कर परताव्याचे जास्तीचे प्रदान

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 50(1) आणि 122(2)(a) सह कलम 73(1) नुसार जेथे संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांना⁷³ असे निदर्शनास येते की कोणताही कर भरला गेला नाही किंवा कमी भरला गेला किंवा चुकून परतावा दिला

⁷² ठाणे शहर विभागाच्या अधिकार क्षेत्रात GSTIN क्र.27AAACW0287A1ZN असलेली मेसर्स वाल्वोलीन कमिन्स प्रायव्हेट लिमिटेड.

⁷³ या अधिनियमांतर्गत पार पाडावयाच्या कोणत्याही कार्यासंबंधात "संबंधित निर्धारण अधिकारी" म्हणजे महाराष्ट्र कराचे आयुक्त किंवा अधिकारी ज्यांना मंडळातील आयुक्तांनी ते कार्य सोपवले आहे.

गेला, किंवा फसवणुकीच्या कारणाशिवाय किंवा कर चुकवण्यासाठी जाणून बुजून चुकीचे विधान किंवा तथ्य लपवणे ह्या कारणाशिवाय इतर कारणांसाठी इनपुट टॅक्स क्रेडिट चा चुकीच्या पद्धतीने लाभ घेतला गेला किंवा वापरले गेले असेल त्या प्रकरणांत तो कर आकारणीयोग्य व्यक्तीला नोटीस बजावेल, ज्याने कर भरलेला नाही किंवा कमी भरला आहे किंवा ज्याला चुकून परतावा दिला गेला आहे, किंवा ज्याने चुकीच्या पद्धतीने इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ घेतला आहे किंवा त्याचा वापर केला आहे, त्याने कारणे दाखवा नोटीसमध्ये नमूद केलेली रक्कम 18 टक्के वार्षिक दराने व्याजासह का भरू नये याचे कारण सांगावे लागेल.

लेखापरीक्षणात असे आढळून आले (ऑगस्ट 2021 ते ऑक्टोबर 2021) की वस्तू आणि सेवा कर परतावा दाव्याच्या 22 प्रकरणांमध्ये (परिशिष्ट 2.6.1 आणि 2.6.2) करदात्यांना वस्तू/सेवांच्या झिरो रेटेड पुरवठ्यावर परतावा मंजूर करण्यात आला. तथापि संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांनी इलेक्ट्रॉनिक भुगतान अॅडव्हाइस दोनदा निर्गमित केल्यामुळे ₹ 1.83 कोटींच्या परताव्याचे जास्त प्रदान झाले.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (ऑगस्ट 2021 ते ऑक्टोबर 2021), नऊ⁷⁴ संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांनी सांगितले की प्रणाली/तांत्रिक चुकींमुळे दुहेरी भुगतान अॅडव्हाइस निर्गमित केले.

वरील 22 पैकी 15 प्रकरणांमध्ये करदात्यांनी ₹ 3.24 लाख व्याजासह ₹ 1.26 कोटी रक्कमेच्या जास्त परताव्याची परतफेड केली (परिशिष्ट 2.6.1). ₹ 0.91 लाख व्याज अद्यापही प्रलंबित आहे. ह्या 15 प्रकरणांपैकी सह-आयुक्त, विक्रीकर, मुलुंड, मुंबई आणि सह-आयुक्त, विक्रीकर, नाशिक अंतर्गत दोन प्रकरणांमध्ये⁷⁵ लेखापरीक्षणामुळे ₹ 12.19 लाख रक्कम वसूल करण्यात आली.

उर्वरित सात प्रकरणांमध्ये ₹ 0.16 कोटींच्या व्याज दायित्वासह ₹ 0.56 कोटींचा जास्तीचा परतावा देण्यात आला. यापैकी एका⁷⁶ प्रकरणांत व्याजासह ₹ 0.26 लाखाची वसुली करण्यात आली (परिशिष्ट 2.6.2) उर्वरित सहा प्रकरणांपैकी तीन प्रकरणांमध्ये वसुली करण्यात आली आहे असे सांगितले परंतु त्याबाबतचे पुरावे लेखापरीक्षेला सादर केले नाही. उर्वरित दोन प्रकरणांमध्ये अद्यापही उत्तर प्रतीक्षित आहे.

⁷⁴ JCST, नोडल V, बांद्रा; JCST, घाटकोपर; JCST, मांडवी; JCST, नोडल XIII, मुलुंड; JCST, नाशिक; JCST, नोडल-I, पुणे (पूर्व); JCST, ठाणे शहर; JCST, नागपूर, JCST, कांदीवली.

⁷⁵ मुलुंडचे मेसर्स अमित बॅंगल्स आणि नाशिकचे सोना सिक्का फॅब्रिक्स.

⁷⁶ कोल्हापूर विभागाचे एस. आर. नेजे.

उदाहरण:

एका करदात्याने⁷⁷ मे 2019 या महिन्यासाठी ₹ 0.24 कोटी इनपुट टॅक्स क्रेडिट च्या परताव्यासाठी अर्ज दाखल केला होता (05.10.2019) ज्यासाठी 07.10.2019 रोजी RFD-02 मध्ये पोचपावती निर्गमित करण्यात आली. करदात्याला 14.10.2019 रोजी ₹ 0.22 कोटीचा तात्पुरता परतावा आदेश मंजूर करण्यात आला.

तथापि, विभागाने संख्या ZA2701200610539 आणि ZA270120060996 द्वारे दिनांक 23.01.2020 रोजी दोनदा इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने भुगतान अॅडव्हाइस निर्गमित केले. परिणामी, ₹ 0.22 कोटीचा जास्त परतावा दिल्या गेला, जो आजपर्यंत (ऑक्टोबर 2021) करदात्याने परत केला नाही, ज्यावर वसूल करण्यायोग्य व्याज ₹ 0.06 कोटी इतके आहे.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (सप्टेंबर 2021) विभागाने आजपर्यंत कोणतेही उत्तर सादर केले नाही.

2.6.7 अनुपालन बाबी

2.6.7.1 परतावा अर्जाची पोचपावती निर्गमित करण्यात झालेला विलंब

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर नियमाच्या नियम 90(2) आणि 90(3) नुसार, जेथे परताव्याचा अर्ज इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरच्या दाव्यांव्यतिरिक्त दुसऱ्या दाव्यांशी संबंधित असेल तर तो संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याकडे पाठवला जाईल, जे तो अर्ज दाखल केल्यापासून 15 दिवसांच्या आत, त्याच्या परिपूर्णतेची पडताळणी करतील आणि जेथे अर्ज पूर्ण असल्याचे आढळून येईल, तेथे अर्जदाराला FORM GST RFD-02 मध्ये पोचपावती कॉमन पोर्टलद्वारे इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने उपलब्ध करून दिली जाईल. कोणतीही त्रुटी लक्षात आल्यास, संबंधित निर्धारण अधिकारी अर्जदाराला FORM GST RFD-03 मध्ये इलेक्ट्रॉनिक पद्धतीने कॉमन पोर्टलद्वारे निदर्शनास आणून देईल जेणे करून अर्जदार अशी त्रुटी सुधारल्यानंतर नवीन परतावा अर्ज दाखल करेल.

चाचणी तपासणी केलेल्या 1954 प्रकरणांपैकी इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर व्यतिरिक्त इतर परतावा संबंधित 759 परताव्यांच्या प्रकरणांमध्ये (38.84 टक्के) लेखापरीक्षणाला असे आढळून आले की विभागाकडून पोचपावती देण्यात (परिशिष्ट 2.6.3 आणि 2.6.4) एक ते 585 दिवसांचा विलंब झाला आहे, जो तक्ता 2.6.2 मध्ये तपशीलवार दर्शविला आहे.

⁷⁷ कांदीवली विभाग, मुंबई अंतर्गत GSTN क्रं. 27AAACC2243CIZB असलेले मेसर्स केमोसिड इम्पेक्स प्रायव्हेट लिमिटेड.

तक्ता-2.6.2

| कालावधी | महिण्यांमध्ये विलंबाच्या श्रेणीसह प्रकरणांची संख्या | | | एकूण | परिशिष्ट |
|---|---|-----------|------------------------|------------|----------|
| | 3 महिन्यां पर्यंत | 3-6 महिने | 6 महिन्यांपेक्षा जास्त | | |
| स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधी (01.07.2017 ते 25.09.2017) | 348 | 55 | 43 | 446 | 2.6.3 |
| स्वयंचलित प्रणाली पश्चातचा कालावधी (26.09.2017 ते 31.07.2020) | 307 | 06 | 00 | 313 | 2.6.4 |
| एकूण | 655 | 61 | 43 | 759 | |

लेखापरीक्षणाने निदर्शनास आणून दिल्यावर (डिसेंबर 2020 ते सप्टेंबर 2021) 271 प्रकरणांमध्ये संबंधित सह-आयुक्त, विक्रीकर यांनी मान्य केले की स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधीत वस्तू आणि सेवा कराच्या अंमलबजावणीच्या सुरुवातीच्या टप्प्यात घडले. पुढे असेही सादर करण्यात आले की करदात्यांनी आवश्यक असलेली कागदपत्रे सादर न केल्यामुळे हा विलंब झाला. उर्वरित 175 प्रकरणांमध्ये उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

स्वयंचलित प्रणाली पश्चातच्या 157 प्रकरणांमध्ये संबंधित सह-आयुक्त विक्रीकर यांनी विविध कारणे सादर केली (जानेवारी-नोव्हेंबर 2021) जसे की नवीन कर प्रणाली लागू करण्यातील तांत्रिक अडचणी, विद्यमान अधिकारांचे हस्तांतरण, वस्तू आणि सेवा कर इमारतीला लागलेली आग आणि ती शांत होण्यास लागलेला अनेक दिवसांचा कालावधी, स्थलांतरणामधील विलंब तसेच कोविड-19 मुळे लागलेला लॉकडाउन ज्यामुळे परताव्याच्या प्रक्रियेस विलंब झाला. उर्वरित 156 प्रकरणांच्या संदर्भात उत्तर प्रतीक्षित आहे.

उत्तर स्वीकार्य नाही कारण परताव्यासाठी दावेदाराकडून नवीन अर्ज प्राप्त करण्याकरीता विभागाद्वारे महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या नियम 90(3) अंतर्गत कमतरता मेमो निर्गमित केला नाही.

उदाहरण:

स्वयंचलित प्रणाली पूर्व: करदात्याने⁷⁸ सप्टेंबर 2017 या महिन्यासाठी ₹ 2.93 लाख रकमेच्या वस्तू आणि सेवा कर परताव्यासाठी 27.10.2018 रोजी अर्ज दाखल केला. तथापि त्याची पोचपावती 18.06.2020 रोजी म्हणजे 585 दिवसांच्या विलंबाने निर्गमित करण्यात आली.

⁷⁸ नोडल-4 मांजगांव विभागांतर्गत GST No. 27AAAFJ3818M1Z6 आणि ARN No. AC2709172066370 असलेले मे. जलाराम एक्सपोर्ट.

स्वयंचलित प्रणाली पश्चात: करदात्याने⁷⁹ जून 2019 या महिन्यासाठी ₹ 1.51 कोटी रकमेच्या वस्तू आणि सेवा कर परताव्यासाठी 24.10.2019 रोजी अर्ज दाखल केला. तथापि त्याची पोचपावती 20.04.2020 रोजी म्हणजे 164 दिवसांच्या विलंबाने निर्गमित करण्यात आली.

2.6.7.2 तात्पुरता परतावा आदेश निर्गमित करण्यास विलंब

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर नियमांच्या नियम 91(2) समवेत महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 54(6) मध्ये वस्तू किंवा सेवांच्या झिरो रेटेड पुरवठ्यासाठीच्या परताव्या संदर्भात, तात्पुरत्या आधारावर, तात्पुरती स्विकारलेली इनपुट टॅक्स क्रेडिटची रक्कम वगळून दावा केलेल्या एकूण रकमेच्या 90 टक्के रक्कम पोचपावतीच्या तारखेपासून सात दिवसांच्या आत प्रदान करण्याची तरतूद आहे.

तथापि चाचणी तपासणी केलेल्या 992 प्रकरणांपैकी 418 प्रकरणांमध्ये (42.14 टक्के) (परिशिष्ट 2.6.5 आणि 2.6.6) लेखापरीक्षेस खालील तक्ता 2.6.3 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे एक ते 364 दिवसांपर्यंतचा विलंब निदर्शनास आला:

तक्ता 2.6.3

| कालावधी | विलंबाच्या रेंजसह प्रकरणांची संख्या | | | एकूण | परिशिष्ट |
|--|-------------------------------------|-----------|-----------------------|------------|----------|
| | 3 महिन्यां पर्यंत | 3-6 महिने | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक | | |
| स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधी (01.07.2017 ते 25.09.2019) | 219 | 5 | 3 | 227 | 2.6.5 |
| स्वयंचलित प्रणाली पश्चात चा कालावधी (26.09.2019 ते 31.07.2020) | 185 | 6 | 0 | 191 | 2.6.6 |
| एकूण | 404 | 11 | 3 | 418 | |

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (डिसेंबर 2020 ते सप्टेंबर 2021) 133 प्रकरणांत संबंधित सह-आयुक्त विक्रीकर यांनी सांगितले (डिसेंबर 2020 ते सप्टेंबर 2021) की स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधी दरम्यान तात्पुरत्या परताव्याच्या मंजूरीमध्ये विविध कारणांमुळे विलंब झाला, जसे, नवीन प्रणाली/पोर्टलच्या कार्यचालनात येणाऱ्या तांत्रिक अडचणी, करदात्याद्वारे संबंधित कागदपत्रे सादर करण्यात विलंब, भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवे⁸⁰ वर शिपिंग बिलांच्या पडताळणीत विलंब आणि लॉकडाऊनमुळे

⁷⁹ एल टी यु-02 विभाग, मुंबई विभागांतर्गत GST No. 27AAACB4487DI25 आणि ARN No. AA2710/9092898H असलेले मे. ब्लू स्टार लिमिटेड.

⁸⁰ भारतीय सीमा शुल्क आणि महाराष्ट्र उत्पादन शुल्क इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स/इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज (ED/ECI) गेटवे.

पडताळणीसाठी आवश्यक असलेली कागदपत्रे सादर न करणे इत्यादि 94 प्रकरणांच्या संदर्भातील उत्तरे अद्यापही प्रतीक्षित आहेत.

स्वयंचलित प्रणाली पश्चातच्या कालावधी संदर्भातील 89 प्रकरणांत संबंधित सह-आयुक्त विक्रीकर यांनी विविध कारणे सादर केली (जानेवारी-नोव्हेंबर 2021) जसे विद्युत पुरवठा आणि इंटरनेट जोडणीची अनुपलब्धता, करदात्यांद्वारे दस्तावेजांचे अपूर्ण/विलंबाने सादरीकरण, भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवेवरील अयोग्य कार्यशीलतेमुळे बीजकांची पडताळणी करण्यात विलंब, इनपुट टॅक्स क्रेडिटच्या बीजकांच्या पडताळणीत विलंब आणि वस्तू आणि सेवा कर भवनाला लागलेली आग इत्यादी. उर्वरित 102 प्रकरणांसंदर्भात उत्तर प्रतीक्षित आहे.

हे उत्तर मान्य नाही कारण अपूर्ण माहिती असलेल्या प्रकरणात जेथे करदात्याद्वारे आवश्यक कागदपत्रे सादर न केल्यामुळे विलंब झाला तेथे परताव्यासाठी दावेदाराकडून नवीन अर्ज प्राप्त करण्याकरिता विभागाद्वारे महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या नियम 90(3) अंतर्गत कमतरता मेमो निर्गमित केला जाऊ शकला असता.

उदाहरण:

स्वयंचलित प्रणाली पूर्व: करदात्याने⁸¹ नोव्हेंबर 2018 या महिन्यासाठी ₹ 12.35 कोटी वस्तू आणि सेवा कर परताव्यासाठी 11.03.2019 रोजी अर्ज दाखल केला. RFD-02 मधील पोचपावती 15.04.2019 रोजी निर्गमित करण्यात आली. तथापि तात्पुरता परतावा 240 दिवसांच्या विलंबाने मंजूर करण्यात आला.

स्वयंचलित प्रणाली पश्चात: करदात्याने⁸² जानेवारी 2019 या महिन्यासाठी ₹ 2.93 कोटी रकमेच्या वस्तू आणि सेवा कर परताव्यासाठी 02.12.2019 रोजी अर्ज दाखल केला. RFD-02 मधील पोचपावती 19.12.2019 रोजी निर्गमित करण्यात आली. तथापि, तात्पुरता परतावा 167 दिवसांच्या विलंबाने 10.06.2020 रोजी मंजूर करण्यात आला.

2.6.7.3 अंतिम परतावा आदेश निर्गमित करण्यास विलंब

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 54(7) नुसार परतावा म्हणून दावा केलेली संपूर्ण रक्कम किंवा तिचा भाग परत करण्यासंदर्भात जर संबंधित निर्धारण अधिकारी समाधानी असेल तर तो अर्ज प्राप्त झाल्यापासून साठ दिवसांच्या

⁸¹ एल टी यु-03 विभाग, मुंबई अंतर्गत GST No. 27AAICS0137P1ZZ आणि ARN No. B2711180530859 असलेले मे. टाटा कन्सल्टंसी सर्विसेस लिमिटेड.

⁸² एल टी यु-02 विभाग, पुणे अंतर्गत GST No. 27AAACW0387R2ZM आणि ARN No. AA271219004068C असलेले मे. विप्रो लिमिटेड.

आत अंतिम परतावा आदेश निर्गमित करू शकतो आणि अशी रक्कम अर्जदारास परत करता येऊ शकते. परताव्याच्या विलंबाकरिता महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 56 नुसार अशा परताव्याच्या अर्जाच्या तारखेपासून साठ दिवसांचा कालावधी लोटल्यानंतरच्या कालावधीसाठी सहा टक्के⁸³ प्रति वर्ष या दरानुसार व्याज देय राहिल.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले (मार्च 2021) की वस्तू व सेवा कर परतावा रक्कम ₹ 2584.29 कोटींची 5614 प्रकरणे मंजुरी/अमान्य आदेश निर्गमित करण्यासाठी प्रलंबित होती. त्यापैकी 3485 प्रकरणात 45 दिवसांपेक्षा कमी, 507 प्रकरणांत 45-60 दिवसांचा आणि 1622 प्रकरणांत 60 दिवसांपेक्षा जास्त विलंब झाला होता. तसेच 1954 प्रकरणांपैकी 1091 अंतिम परतावा प्रकरणांत (परिशिष्ट 2.6.7 आणि 2.6.8) तक्ता 2.6.4 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे एक ते 807 दिवसांपर्यंतचा (51.83 टक्के) विलंब आढळला:

तक्ता-2.6.4

| कालावधी | विलंबाच्या रेंजसह प्रकरणांची संख्या | | | एकूण | व्याज दायित्व (₹ कोटीं मध्ये) | परिशिष्ट |
|--|-------------------------------------|------------|-----------------------|-------------|----------------------------------|----------|
| | 3 महिन्यां पर्यंत | 3-6 महिने | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक | | | |
| स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधी (01.07.2017 ते 25.09.2017) | 97 | 121 | 346 | 564 | 7.21 | 2.6.7 |
| स्वयंचलित प्रणाली पश्चात चा कालावधी (26.09.2017 ते 31.07.2020) | 412 | 107 | 8 | 527 | 1.55 | 2.6.8 |
| एकूण | 509 | 228 | 354 | 1091 | 8.76 | |

स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधीच्या 321 प्रकरणांत हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (डिसेंबर 2020 ते सप्टेंबर 2021) संबंधित सह-आयुक्त, विक्रीकर यांनी सांगितले (डिसेंबर 2020 ते सप्टेंबर 2021) की विविध कारणामुळे विलंब झाला, जसे करदात्यांनी परतावा अर्जासह आवश्यक दस्तावेज सादर केले नाहीत, प्रणालीमधील तांत्रिक अडचणी, कोविड-19 महामारीमुळे लागलेला लॉकडाउन आणि नवीन पोर्टलच्या कार्यचालनातील अडचणी इत्यादी. उर्वरित 243 प्रकरणांच्या संदर्भात उत्तर प्रतीक्षित आहे.

स्वयंचलित प्रणाली पश्चातच्या कालावधी संदर्भातील 263 प्रकरणांत संबंधित सह-आयुक्त, विक्रीकर यांनी सांगितले (जानेवारी-नोव्हेंबर 2021) की आभासी खाजगी नेटवर्क (VPN) जोडणीची बाब, कोविड-19 महामारी आणि करदात्यांद्वारे दस्तावेजांचे

⁸³ CBIC द्वारे निर्गमित केलेल्या अधिसूचना क्र. 13/2017-CT मध्ये निर्दिष्ट केल्यानुसार.

विलंबाने सादरीकरण, वस्तू आणि सेवा कर इमारतीला लागलेल्या आगीची घटना इत्यादी कारणांमुळे अंतिम परतावा आदेश निर्गमित करण्यास विलंब झाला. उर्वरित 264 प्रकरणां बाबत उत्तर प्रतीक्षित आहे.

हे उत्तर मान्य नाही कारण जेथे करदात्याद्वारे सर्व आवश्यक कागदपत्रे सादर न केल्यामुळे विलंब झाला आहे त्या प्रकरणात परताव्यासाठी दावेदाराकडून नवीन अर्ज प्राप्त करण्याकरिता विभागाने कमतरता मेमो निर्गमित केला नाही.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की विभागाने आजपर्यंत विलंबाच्या परतावा प्रदानाकरिता व्याजाचे कोणतेही प्रदान केले नाही, तर अंतिम परतावा आदेश विलंबाने निर्गमित झाल्यामुळे वरील तक्ता 2.6.4 मध्ये दर्शविल्यानुसार ₹ 8.76 कोटी व्याज प्रदानाचे दायित्व निर्माण झाले.

उदाहरण:

स्वयंचलित प्रणाली पूर्व : करदात्याने⁸⁴ डिसेंबर 2018 या महिन्यासाठी ₹ 2.34 लाख रकमेच्या वस्तू आणि सेवा कर परताव्यासाठी 19.01.2019 रोजी अर्ज दाखल केला. तथापि, परतावा 807 दिवसांच्या विलंबाने 04.06.2021 रोजी मंजूर झाला. अंतिम परतावा आदेश विलंबाने निर्गमित केल्यामुळे ₹ 0.31 लाख व्याज प्रदानाचे दायित्व निर्माण झाले.

स्वयंचलित प्रणाली पश्चात: करदात्याने⁸⁵ एप्रिल 2019 या कालावधीसाठी वस्तू आणि सेवा कर परताव्यासाठी 27.09.2019 रोजी अर्ज सादर केला आणि ₹ 54.96 लाख रकमेच्या परताव्याचा दावा केला. तथापि, सह-आयुक्त, विक्रीकर यांनी 03.07.2020 रोजी म्हणजेच 220 दिवसांच्या विलंबाने परतावा मंजूर केला त्यामुळे ₹ 0.20 लाखाच्या व्याज प्रदानाचे दायित्व निर्माण झाले.

2.6.7.4 झिरो रेटेड वस्तू/सेवांच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे जास्तीचा परतावा

एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 16(3) समवेत महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 54(3)(i) नुसार, जेथे कर न भरता झिरो रेटेड पुरवठा केला गेला होता, त्या प्रकरणांत नोंदणीकृत व्यक्ती कोणत्याही कर कालावधीच्या शेवटी कोणत्याही न वापरलेल्या इनपुट टॅक्स क्रेडिटच्या परताव्याचा दावा करू शकते. महाराष्ट्र वस्तू व सेवा कर नियमांच्या नियम 89 मधील पोटनियम

⁸⁴ ठाणे शहर विभागांतर्गत GST No. 27AATFK1246M1ZS आणि ARN No. AA2701190568033 असलेले मे. के. ई. इन्फ्रास्ट्रक्चर.

⁸⁵ नरीमन पॉइंट विभाग, मुंबई अंतर्गत GST No. 27AAACA5326Q2ZD आणि ARN No. AA270919081926C असलेले मे. अॅडनेट इन्फोसिस्टम (इंडिया) प्रायव्हेट लिमिटेड.

4 मध्ये उपविभागाच्या तरतुदीनुसार बंधपत्र किंवा हमीपत्र अंतर्गत कर न भरता वस्तू किंवा सेवांचा शून्य श्रेणीकृत पुरवठा किंवा दोन्ही बाबतीत इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा परतावा मंजूर करण्यासाठी एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 16 मधील पोटकलम (3) नुसार खालील सूत्र प्रदान केले आहे:

परताव्याची रक्कम=(झिरो रेटेड वस्तूच्या पुरवठ्याची उलाढाल + झिरो रेटेड सेवांच्या पुरवठ्याची उलाढाल) X निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट ÷ समायोजित एकूण उलाढाल

सूत्रांचे चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे परताव्याचे ज्यादा प्रदान झाल्याचे लेखापरीक्षणात आढळून आले, जे खाली सविस्तरपणे दिले आहे:

(I) एकूण उलाढालीचे चुकीचे समायोजन

वरील सूत्रात एकूण उलाढालीचे समायोजन म्हणजे एकूण मूल्यांची बेरीज-(अ) सेवांची उलाढाल वगळून राज्य किंवा केंद्रशासित प्रदेशातील उलाढाल; आणि (ब) झिरो रेटेड सेवांचा पुरवठा आणि नॉन झिरो रेटेड सेवांचा पुरवठा वगळून इतर सूट-
(i) झिरो रेटेड पुरवठ्या व्यतिरिक्त सूट पुरवठ्याचे मूल्य; आणि (ii) परताव्याचा दावा केला असेल तर त्या संबंधित कालावधी दरम्यान पुरवठ्याची उलाढाल.

वस्तूच्या झिरो रेटेड निर्याती संबंधी 992 प्रकरणांपैकी चार प्रकरणांत (0.40 टक्के) असे निदर्शनास आले की नियम 89(4) अंतर्गत ठरविण्यात आलेल्या परताव्यानुसार समायोजित उलाढाल GSTR 3B, GSTR (9C) च्या आकड्यांशी जुळत नव्हती. परिणामी (परिशिष्ट 2.6.9) मध्ये दिलेल्या तपशीलानुसार ₹ 0.60 कोटींचा जास्त परतावा देण्यात आला. हा जास्तीचा परतावा लागू असलेल्या व्याजासहित वसूल करण्यात यावा.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (मार्च आणि सप्टेंबर 2021) सह-आयुक्त, विक्रीकर, नोडल-4 यांनी सांगितले (जानेवारी 2022) की हे प्रकरण लेखापरीक्षणासाठी घेण्यात आले आहे आणि GST_ADT_01 प्रपत्र निर्गमित करण्यात आले. दुसऱ्या विभागाचे सह-आयुक्त, विक्रीकर, सांताक्रुज यांनी सांगितले (एप्रिल 2021) की DRC-01 निर्गमित करण्यात आले आहेत. सह-आयुक्त, विक्रीकर, गोरेगांव यांनी सांगितले (मे 2021) की परतावा आदेशाच्या पुनःनिरीक्षणासाठी हे प्रकरण पुनःनिरीक्षण प्राधिकाऱ्यांकडे सादर करण्यात आले आहे आणि सह-आयुक्त, विक्रीकर, एल टी यु-02, पुणे यांनी सांगितले (सप्टेंबर 2021) की ही बाब पडताळण्यात येईल आणि परताव्याच्या जास्तीच्या प्रदानाची वसुली करण्यात येईल.

(II) चुकीचे इनपुट टॅक्स क्रेडिट

केंद्रीय विक्रीकर परिपत्रका⁸⁶ नुसार एकात्मिक करांच्या परतावा दाव्यांच्या प्रक्रियेकरिता इनपुट आणि इनपुट सेवांशी (भांडवली वस्तू व्यतिरिक्त) संबंधित बीजके, जिथे

⁸⁶ 2018 चे परिपत्रक क्र.33T दिनांक 14.11.2018 चे परिच्छेद 3.1 आणि 3.2.

एकात्मिक करांच्या प्रदानाविना वस्तू अथवा सेवा निर्यात केल्या जातात, सादर करावयास हवे. पुढे असे नमूद करण्यात आले आहे की, ज्या आधारावर जोडपत्र-अ मध्ये इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ घेतला आहे, दावेदाराने परतावा अर्जासोबत त्या बीजकांचा तपशील देखील सादर करावयास पाहिजे. तसेच GSTR-1, GSTR-2A, GSTR-3B, जोडपत्र-अ आणि परिशिष्ट-VIII नुसार दावा केलेल्या परताव्याच्या रकमेचे सत्यापन संबंधित निर्धारण अधिकारी करतील.

चार विभागांमधील एकूण 992 प्रकरणांपैकी सात परतावा प्रकरणांमध्ये (1.4 टक्के) असे निदर्शनास आले (मार्च-ऑक्टोबर 2021) की संबंधित निर्धारण अधिकार्याने गृहीत धरलेली निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिटची रक्कम जोडपत्र-अ, GSTR-2A आणि GSTR-9 मध्ये दर्शविलेल्या रकमेशी जुळत नव्हती. ह्याचा परिणाम ₹ 19.43 कोटींचा (परिशिष्ट 2.6.10) जास्त परतावा प्रदान करण्यात झाला जो त्यावरील लागू व्याजासह वसूल करणे आवश्यक आहे.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (मार्च-ऑक्टोबर 2021) सह आयुक्त राज्य कर एल टी यु-01, पुणे यांनी एका प्रकरणांत (मेसर्स टेक महिंद्रा) नमूद केले की परतावा दावेदाराच्या एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये अतिरिक्त शिल्लक होती आणि म्हणून चुकीच्या निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिटमुळे अतिरिक्त परतावा नव्हता. मेसर्स झार ज्वेलर्सच्या प्रकरणांत सह आयुक्त, राज्य कर, नोडल-4, माझगांव यांनी सांगितले की वसुलीसाठी विक्रेत्याला DRC-01अ निर्गमित करण्यात आले आहे. दुसऱ्या प्रकरणांत (मेसर्स किलनेरा कार्पोरेशन) सह आयुक्त, राज्य कर, घाटकोपर यांनी सांगितले (सप्टेंबर 2021) की निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिटमध्ये मागील वर्षाच्या बीजकांचा समावेश केल्यामुळे फरक आढळला. तथापि, तथ्यांची पडताळणी करण्यासाठी संबंधित कागदपत्रे सादर केले नाहीत.

सह आयुक्त, राज्य कर, एल टी यु-01, मुंबई यांनी एका प्रकरणांत (मेसर्स सिमेंस हेल्थ केयर प्रायव्हेट लिमिटेड) म्हटले (नोव्हेंबर 2021) की कारकुनी चुकीमुळे GSTR-3B नुसार निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट चूक होते आणि पुढील GSTR-3B मध्ये ही चूक सुधारण्यात आली होती. उत्तर स्वीकार्य नाही कारण चुकीच्या मापदंडाच्या आधारावर परतावा निर्धारित केला गेला.

उर्वरित दोन विभागांनी सांगितले की प्रकरणाची पडताळणी केली जाईल आणि योग्य वेळी परिणाम सूचित केला जाईल.

उदाहरण:

परतावा दावेदार⁸⁷ जो सेवांचा निर्यातदार आहे त्याने कर कालावधीसाठी परतावा अर्ज भरला (मार्च 2019). दावेदाराने परताव्याच्या अर्जासोबत (RFD-01A) ₹ 15.77 कोटी रकमेच्या त्या बीजकांचे तपशील सादर केले ज्याच्या आधारावर जोडपत्र-अ मध्ये (इनपुट/इनपुट सेवांच्या संदर्भात 255 बीजक सारांश विवरणपत्र) संबंधित कालावधीत इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा परतावा पात्र इनपुट टॅक्स क्रेडिट म्हणून घेतला गेला आणि पात्रता देखील घोषित केली.

असे निदर्शनास आले (ऑगस्ट 2021) की परताव्याच्या जास्तीत जास्त रकमेच्या गणनेसाठी संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याने निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट ₹ 15.77 कोटींऐवजी ₹ 30.14 कोटी (GST-3B) गृहित धरले. परिणामी ₹ 4.63 कोटी परताव्याचे जास्त प्रदान झाले.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (ऑगस्ट 2021) सह-आयुक्त, विक्रीकर यांनी नमूद केले (ऑगस्ट 2021) की कर कालावधीसाठी GST-3B दाखल करताना कर दावेदाराकडे त्याची एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये ज्यादा शिल्लक होती आणि परताव्याचा दावा फक्त एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कराच्या शीर्षाखाली केला होता.

उत्तर स्वीकार्य नाही कारण संबंधित निर्धारण अधिकारी जोडपत्र-अ नुसार निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिटची कमी रक्कम गृहित धरण्यात अयशस्वी झाले.

(III) वस्तू आणि सेवा कर पूर्व कालावधीच्या क्रेडिट वगळण्याच्या चुकीच्या परिगणनेमुळे जादा परतावा

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ परिपत्रकामध्ये स्पष्ट केले⁸⁸ की ट्रान्झिशनल क्रेडिट प्रचलित कायद्यांतर्गत जसे, केंद्रीय उत्पाद अधिनियम 1944, आणि वित्त अधिनियम, 1994 च्या प्रकरण V अंतर्गत भुगतान करण्यात आलेल्या शुल्क आणि करा संबंधी आहे, जर त्याचा लाभ संबंधित कालावधीत घेतला गेला नाही तर त्याला निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा भाग मानला जाऊ शकत नाही आणि त्यामुळे न वापरलेल्या ट्रान्झिशनल क्रेडिटचा परतावा अनुज्ञेय नाही.

⁸⁷ एल टी यु-01, पुणे विभागांतर्गत GSTN - 27AAACM3484F1Z1 असलेले मे. टेक महिंद्र लिमिटेड.

⁸⁸ केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ परिपत्रक क्र.125/44/2019-जीएसटी दिनांक 18.11.2019 चा परिच्छेद 50.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले (जुलै आणि नोव्हेंबर 2021) की सेवांच्या झिरो रेटेड निर्यातीच्या चाचणी तपासणी केलेल्या एकूण 992 प्रकरणांपैकी एका⁸⁹ (0.10 टक्के) परतावा प्रकरणांत 'निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट' परिगणित करतांना विभागाने पूर्व-वस्तू आणि सेवा कर कालावधीशी⁹⁰ संबंधित ₹ 1.66 कोटीचे इनपुट टॅक्स क्रेडिट वगळले आणि ₹ 8.29 कोटीच्या योग्य निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिटच्या ऐवजी ₹ 9.94 कोटीची चुकीची परिगणना केली. परिणामी, लागू व्याजासह ₹ 0.66 कोटीचा वसुलीयोग्य अतिरिक्त परतावा प्रदान झाला.

आम्ही हे (नोव्हेंबर 2021) मध्ये निदर्शनास आणून दिले होते, उत्तर प्रतीक्षित आहे.

(IV) भांडवली वस्तूवर परताव्याचे अनियमित प्रदान

महाराष्ट्र वस्तू व सेवा कर नियमांच्या नियम 89 नुसार वस्तू आणि सेवा कराच्या झिरो रेटेड पुरवठ्याच्या प्रकरणांत परतावा परिगणित करण्यासाठी निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट गृहित धरतांना भांडवली वस्तू वगळल्या पाहिजेत. करदात्याने, ज्याच्या आधारावर जोडपत्र-ब⁹¹ मध्ये इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ घेतला गेला, अशा सर्व बीजकांचे तपशील ज्यामध्ये इनपुट, भांडवली वस्तू किंवा इनपुट सेवांचा समावेश आहे, अपलोड करावे.

वस्तू/सेवांच्या झिरो रेटेड निर्यातीच्या चाचणी तपासणी केलेल्या एकूण 992 प्रकरणांपैकी तीन प्रकरणांत असे निदर्शनास आले (फेब्रुवारी आणि मार्च 2021) की करदात्याने भांडवली वस्तूवर क्रेडिटचा लाभ घेतला आहे. परिणामी, (परिशिष्ट 2.6.11) मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे ₹ 0.24 कोटी जास्तीचा परतावा मिळाला. हा जास्तीचा परतावा त्यावर लागू व्याजासह वसूल करण्यात यावा.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (फेब्रुवारी आणि मार्च 2021) एका प्रकरणांत⁹² (मेसर्स अॅडनेट इन्फो सिस्टीम प्रायव्हेट लिमिटेड) संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांनी लेखापरीक्षा निरीक्षण मान्य केले (मार्च 2021) आणि ₹ 18.05 लाख व ₹ 3.97 लाख व्याजाच्या वसुलीसाठी करदात्याला DRC-1A निर्गमित केले. अंतिम अनुपालन प्रतीक्षित आहे.

दुसऱ्या प्रकरणांत संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांनी लेखापरीक्षा निरीक्षण मान्य केले (जून 2021) आणि करदात्याला DRC-03 प्रपत्रामध्ये ₹ 0.66 लाख व्याजासह ₹ 2.15

⁸⁹ एल टी यु-01 विभाग, मुंबई अंतर्गत GSTN - 27AAACW2598L1ZQ असलेले मे. WNS ग्लोबल सर्व्हिसेस प्रायव्हेट लिमिटेड.

⁹⁰ इनपुट टॅक्स क्रेडिट रजिस्टर मधील अनु. क्र.1 ते 42301 जुलै 2017 पूर्वीच्या जीएसटी बीजकांवर इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ दर्शवितो.

⁹¹ परिपत्रक क्र.125/44/2019 - जीएसटी दिनांक 18.11.2019 च्या परिच्छेद 36 नुसार.

⁹² फ्लोरेस परफ्युम्स प्रायव्हेट लिमिटेड, JCST नोडल 4 पुणे.

लाखाचा अतिरिक्त परतावा म्हणजे एकूण ₹ 2.81 लाखाचे प्रदान करण्यास सांगितले. अंतिम अनुपालन प्रतीक्षित आहे.

उर्वरित एका प्रकरणातील⁹³ उत्तर अद्यापही प्रतीक्षित आहे. ही बाब डिसेंबर 2021 मध्ये शासनाकडे सादर करण्यात आली; तथापि त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.6.7.5 चुकीचे घटक गृहित धरल्यामुळे इन्व्हर्टेड इयूटी स्ट्रक्चरच्या प्रकरणात जास्त परतावा

महाराष्ट्र वस्तू व सेवा कर नियमांच्या नियम 89 (5) नुसार इन्व्हर्टेड इयूटी स्ट्रक्चर परतावा देतांना खालील सूत्रानुसार इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा परतावा मंजूर केला जाईल:

कमाल परताव्याची रक्कम={ (वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्याची उलाढाल) x निव्वळ वस्तू आणि सेवा कर ÷ समायोजित एकूण उलाढाल } - अशा वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्यावर देय कर.

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळाने स्पष्ट केले⁹⁴ की समान इनपुट आणि आउटपुट पुरवठा असलेल्या प्रकरणांत सदर परतावा लागू होणार नाही.

लेखापरीक्षणाद्वारे इन्व्हर्टेड इयूटी स्ट्रक्चरच्या बाबतीत अतिरिक्त परतावा निदर्शनास आला, जो खाली सविस्तरपणे दिला आहे:

(i) विवरण पत्र-1अ/परिशिष्ट-ब/GSTR -3ब समवेत इन्व्हर्टेड टर्नओव्हर न जुळणे

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळाने नोव्हेंबर 2019 मध्ये स्पष्ट केले⁹⁵ की वस्तू आणि सेवा कर परतावा अर्जासोबत विवरणपत्र/प्रतिज्ञापत्र आणि आवश्यक कागदपत्रे परताव्याच्या दाव्याच्या प्रक्रियेसाठी कॉमन पोर्टलवर अपलोड केली जातील. परताव्याचा अर्ज किंवा कोणतेही सहाय्यक दस्तावेज प्रत्यक्षपणे अधिकार क्षेत्रातील संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांच्या कार्यालयात सादर करणे आवश्यक नाही.

तसेच परिपत्रकाच्या परिच्छेद 36 नुसार, करदात्याने सर्व बीजकांचे तपशील, ज्यांच्या आधारावर जोडपत्र-ब मध्ये इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ घेतला गेला, ज्यामध्ये इनपुट, भांडवली वस्तू किंवा इनपुट सेवांचे तपशील समाविष्ट आहेत, अपलोड करावेत.

चाचणी तपासणी केलेल्या एकूण 661 पैकी पाच (0.75 टक्के) परतावा प्रकरणांत (स्वयंचलित प्रणाली पश्चात कालावधी) लेखापरीक्षेला आढळून आले की (फेब्रुवारी/मार्च

⁹³ JCST एल टी यु-1, पुणे.

⁹⁴ CBIC परिपत्रक क्र.135/05/2020- जीएसटी दिनांक 31.03.2020 च्या परिच्छेद 3.2.

⁹⁵ परिपत्रक क्र.125/44/2019 - जीएसटी दिनांक 18.11.2019 च्या परिच्छेद 36 अनुसार.

2021) करदात्याने विवरणपत्र 13A/GSTR-3ब मध्ये म्हणजे प्राप्त आणि निर्गमित केलेल्या बीजकांचे तपशील दर्शविणाऱ्या विवरणपत्रामध्ये किंवा यथास्थिती जोडपत्र-ब मध्ये प्रकट केल्यानुसार वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्याच्या उलाढालीचे मूल्य विभागाने गृहित धरण्याऐवजी करदात्याने परतावा अर्जात (RFD-01) दर्शविलेले उच्च मूल्य गृहित धरले. परिणामी ₹ 44.02 लाख जास्तीचा परतावा मंजूर झाला (**परिशिष्ट 2.6.12**). हा जास्त परतावा प्रचलित व्याजासह वसुलीयोग्य आहे.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (फेब्रुवारी आणि मार्च 2021) विभागाने⁹⁶ सांगितले (जानेवारी 2022) की करदात्याने चुकीने अपूर्ण विवरणपत्र अपलोड केले आणि भौतिक स्वरूपात पूर्ण विवरणपत्र सादर केले ज्याचा परताव्याच्या मंजूरीसाठी विचार केला गेला.

उत्तर स्वीकार्य नाही कारण स्वयंचलित प्रणाली पश्चात च्या कालावधीत विवरणपत्र/प्रतिज्ञापत्र आणि कागदपत्रे भौतिक स्वरूपात सादर करण्याची परवानगी नव्हती. तसेच, विभाग अशा प्रकरणांमध्ये परिकल्पित केल्याप्रमाणे GST RFD 03 मध्ये कमतरता मेमो निर्गमित करण्यात अयशस्वी ठरला.

दुसऱ्या विभागाने⁹⁷ सांगितले (जून 2021) की त्यांत कोणतेही विचलन नाही. विभागाचे उत्तर बरोबर नाही कारण लेखापरीक्षणाला विवरणपत्र-1A आणि RFD-01 मध्ये नमूद केलेल्या मूल्यांमध्ये फरक आढळून आला आहे.

शासनाचे उत्तर अजूनही प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

(II) समायोजित एकूण उलाढालीचे चुकीचे निर्धारण

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर नियमांच्या नियम 89(4) नुसार समायोजित एकूण उलाढाल म्हणजे खालील अ आणि ब च्या एकूण मूल्याची बेरीज.

(अ) राज्य किंवा केंद्रशासित प्रदेशातील उलाढाल आणि

(ब) (i) झिरो रेटेड पुरवठ्या व्यतिरिक्त सूट दिलेल्या पुरवठ्याचे मूल्य आणि
(ii) एकूण उलाढाल ज्याकरीता परताव्याचा दावा केला आहे व्यतिरिक्त झिरो रेटेड आणि नॉन झिरो रेटेड सेवांच्या पुरवठ्याची उलाढाल.

पाच विभागा⁹⁸ तील चाचणी तपासणी केलेल्या एकूण 661 प्रकरणांपैकी 11 परतावा प्रकरणांमध्ये (1.4 टक्के) लेखापरीक्षणास आढळून आले की समायोजित एकूण

⁹⁶ सह-आयुक्त, राज्य कर, कोल्हापूर.

⁹⁷ सह-आयुक्त, राज्य कर, औरंगाबाद.

⁹⁸ सह-आयुक्त, राज्य कर, सोलापूर; सह-आयुक्त, राज्य कर, नोडल-1, पुणे, सह-आयुक्त, राज्य कर, फोर्ट, मुंबई, सह-आयुक्त, राज्य कर मुंबई एल टी यु -03 आणि सह-आयुक्त, राज्य कर, नाशिक.

उलाढालीच्या मूल्यांमध्ये वस्तूंच्या झिरो रेटेड/नॉन झिरो रेटेड पुरवठ्याचे मूल्य समाविष्ट करण्यात विभाग अयशस्वी ठरला. यामुळे ₹ 0.79 कोटी (परिशिष्ट 2.6.13) जास्त परताव्याला मंजूरी मिळाली. हा जास्तीचा परतावा प्रचलित व्याजासह वसूल करावा.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (फेब्रुवारी ते सप्टेंबर 2021) एका विभागाने⁹⁹ नमूद केले (नोव्हेंबर 2021) की ₹ 27.70 लाख जास्तीच्या भुगतानाची वसुली करण्यात आली आहे आणि सात प्रकरणांच्या बाबतीत ₹ 9.41 लाख व्याजाच्या रक्कमेसाठी नोटिस (DRC 01) निर्गमित करण्यात आली आहे. दुसऱ्या विभागाने¹⁰⁰ नमूद केले (सप्टेंबर 2021) की नोटिस (DRC-07) निर्गमित करण्यात आली आणि आणखी एका विभागाने¹⁰¹ नमूद केले (ऑक्टोबर 2021) की नोटिस (DRC-01A) निर्गमित करण्यात आली आणि व्याजासह ₹ 10.67 लाख वसूल करण्यात आले.

उर्वरित दोन विभागांचे आणि शासनाचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

(III) निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट न जुळणे

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळाच्या सूचनांनुसार (नोव्हेंबर 2019) विवरणपत्र/प्रतिज्ञापत्र आणि दस्तावेज जसे विवरणपत्र 13, GSTR-23A इत्यादी, ज्यात प्राप्त बीजकांचा आणि कर कालावधी दरम्यान वस्तू आणि सेवांचा इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्याशी संबंधित निर्गमित केलेल्या बीजकांचा समावेश असतो, परतावा अर्जासोबत संलग्न असावयास हवे.

पाच विभागातील चाचणी तपासणी केलेल्या एकूण 661 प्रकरणांपैकी नऊ (स्वयंचलित प्रणाली पूर्व-5 आणि स्वयंचलित प्रणाली पश्चात-4) परतावा प्रकरणांत (1.36 टक्के) असे निदर्शनास आले की संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याने परतावा आदेश निर्गमित करताना विवरणपत्र 13A/GSTR-23A¹⁰² /GSTR-9¹⁰³ आणि/किंवा खरीद नोंदवहीमध्ये दर्शविल्यानुसार निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिटचे मूल्य गृहित धरण्याऐवजी RFD-1 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिटचे उच्च मूल्य गृहित धरले. ह्याचा परिणाम ₹ 1.37 कोटी जास्तीचा परतावा मिळण्यात झाला (परिशिष्ट 2.6.14). हा जास्तीचा परतावा प्रचलित व्याजासह वसुलीयोग्य आहे.

⁹⁹ सह-आयुक्त, राज्य कर, सोलापूर.

¹⁰⁰ सह-आयुक्त, राज्य कर, नोडल-1, पुणे.

¹⁰¹ सह-आयुक्त, राज्य कर, मुंबई एल टी यु-03.

¹⁰² इनपुट टॅक्स क्रेडिटचे विवरण पत्र खरेदीदाराकडे जमा झाले.

¹⁰³ विक्रीच्या उलाढालीचे वार्षिक विवरणपत्र.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (फेब्रुवारी ते सप्टेंबर 2021) एका विभागाने¹⁰⁴ वस्तुस्थिती मान्य केली (नोव्हेंबर 2021) आणि ₹ 49.16 लाख व्याजासह जास्तीचा परतावा वसूल केला. दुसऱ्या विभागाने¹⁰⁵ असे सूचित केले (जानेवारी 2022) की ₹ 18.71 लाख ही पूर्वीची वसुली लक्षात घेऊन आक्षेपाच्या अंतिम निपटान्यात ₹ 34.47 लाख रकमेच्या (व्याजासह) अतिरिक्त परताव्यासाठी 13.12.2021 रोजी DRC-01A निर्गमित करण्यात आला.

उर्वरित विभागांकडून आणि शासनाकडून उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

उदाहरण:

एका करदात्याने¹⁰⁶ एप्रिल 2018 ते मार्च 2019 या कालावधीसाठी इन्व्हर्टेड इयुटी स्ट्रक्चरच्या खात्यावर जमा झालेल्या ₹ 25.40 लाखांच्या इनपुट टॅक्स क्रेडिटच्या परताव्यासाठी 10.01.2020 रोजी परतावा अर्ज दाखल केला.

असे आढळून आले की संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याने करदात्याद्वारे दाखल केलेल्या अर्जानुसार (RFD-01) निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट ₹ 52.58 लाख गृहित धरले (06.03.2020) आणि ₹ 25.40 लाख परताव्याचा मंजूरी आदेश निर्गमित केला.

GSTR-9¹⁰⁷ च्या तपासणीत हे उघड झाले की फक्त ₹ 41.95 लाखाची रक्कम इनपुट टॅक्स क्रेडिट म्हणून इनपुटच्या संदर्भात उपलब्ध होती आणि इनपुट सेवांकरिता ₹ 10.25 लाख रक्कम इनपुट टॅक्स क्रेडिट म्हणून उपलब्ध होती.

इन्व्हर्टेड इयुटी स्ट्रक्चरचे प्रकरण असल्यामुळे इनपुट सेवांवरील इनपुट टॅक्स क्रेडिट परताव्यासाठी पात्र ठरत नाही.

तथापि, संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याने इनपुट सेवा संदर्भातील इनपुट टॅक्स क्रेडिट गृहित धरले आणि ₹ 14.78 लाखांऐवजी ₹ 25.40 लाख परतावा मंजूर केला. याचा परिणाम ₹ 10.63 लाख रकमेच्या जास्तीचा परतावा मंजुरीत झाला.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (मार्च 2021) सह आयुक्त, विक्रीकर यांनी नमूद केले (नोव्हेंबर 2021) की विक्रेत्याने ₹ 10.62 लाखांचा जास्तीचा परतावा आणि त्यावरील ₹ 2.99 लाख व्याजाचे भुगतान केले.

¹⁰⁴ सह-आयुक्त, राज्य कर (फोर्ट), मुंबई.

¹⁰⁵ एल टी यु-1, पुणे.

¹⁰⁶ ठाणे शहर विभागांतर्गत GSTN-27AAECC4174G1ZP असलेले मेसर्स कॅपिटल नॉनवोव्हन प्रायव्हेट लिमिटेड.

¹⁰⁷ GSTR-9 मध्ये उलाढालीसह संपूर्ण वर्षभर विविध कर शीर्षकांतर्गत केलेल्या आणि प्राप्त झालेल्या सर्व पुरवठ्यांचा तपशील असतो.

2.6.7.6 चुकीचे किंवा अपात्र इनपुट टॅक्स क्रेडिटचे पुनःक्रेडिट/वसुली करतांना केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ निर्देशांचे पालन न करणे

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ परिपत्रक¹⁰⁸ (सप्टेंबर 2018) च्या परिच्छेद 4 मध्ये असे नमूद केले आहे की, संबंधित निर्धारण अधिकारी ह्या क्रेडिटच्या अपात्रतेच्या कारणास्तव न वापरलेल्या इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा परतावा दावा नाकारलेल्या रकमेचे पुन्हा क्रेडिट करण्याचा आदेश देईल. त्यासोबतच, ह्या रकमेच्या वसुलीसाठी दावेदाराला डिमांड नोटीस (DRC-01) निर्गमित करायला पाहिजे होती. वैकल्पिकरित्या दावेदार ही रक्कम आवश्यक व्याज आणि दंडासह स्वेच्छेने भरू शकतो आणि प्रपत्र GST DRC-03 मध्ये संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यास कळवू शकतो.

सहा विभागातील चाचणी तपासणी केलेल्या 1954 प्रकरणांपैकी 15 प्रकरणांत (एक टक्का) लेखापरीक्षेस असे आढळले की संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याने ₹ 2.78 कोटी रकमेचे दावे नाकारले ज्यात ₹ 1.34 कोटींच्या अपात्र बाबी जसे उपहारगृह खर्च इत्यादी अंतर्भूत होते. तथापि, ही रक्कम इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये पुन्हा क्रेडिट करण्याकरिता संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याने कोणत्याही कारवाईस प्रारंभ केला नाही. तसेच ह्या रकमेच्या व्याज आणि शास्तिसह वसुलीकरिता कोणतीही डिमांड नोटीस निर्गमित केली नाही. यामुळे अयोग्य लाभ घेतलेल्या इनपुट टॅक्स क्रेडिट ₹ 1.34 कोटींची वसुली झाली नाही (**परिशिष्ट 2.6.15**). हा जास्तीचा परतावा त्यावरील प्रचलित व्याजासह वसुलीयोग्य आहे.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (मार्च आणि जुलै 2021) एका विभागाने¹⁰⁹ नमूद केले (ऑगस्ट 2021) की अर्जदाराने अपील केल्यामुळे नाकारलेली अस्वीकार्य रक्कम पुन्हा जमा केली गेली नाही. दुसऱ्या विभागात¹¹⁰ असे नमूद केले (जून 2021) की करदात्याने ऐच्छिक भुगतान केले आणि इनपुट टॅक्स क्रेडिट उलट करण्यात येईल. इतर दोन विभागांत¹¹¹ संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांनी प्रस्तुत केले की करदात्याद्वारे हमी सादर न केल्यामुळे ते पुन्हा क्रेडिट केले नाही. उर्वरित दोन विभागांनी¹¹² कोणतेही उत्तर सादर केले नाही.

ही बाब डिसेंबर 2021 मध्ये शासनाला सादर करण्यात आली. तथापि, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

¹⁰⁸ परिपत्रक क्र 59/33/2018- जीएसटी.

¹⁰⁹ एल टी यु.1.पुणे विभाग.

¹¹⁰ औरंगाबाद विभाग.

¹¹¹ सह-आयुक्त, राज्य कर नोडल 1 पुणे आणि कोल्हापूर.

¹¹² सह-आयुक्त, राज्य कर नाशिक आणि ठाणे ग्रामीण.

उदाहरण:

झिरो रेटेड वस्तू किंवा सेवांच्या पुरवठ्या संदर्भात अथवा दोन्हीसाठी कराच्या भुगतानाविना एका करदात्याने¹¹³ जून 2018 या महिन्यासाठी ₹ 55.23 कोटींच्या परताव्यासाठी अर्ज दाखल केला (04.11.2018). संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याने ₹ 53.80 कोटींचा परतावा (RFD-06) मंजूर केला (06.01.2020) आणि ₹ 1.43 कोटींचा दावा नाकारला. नाकारलेल्या दाव्यामध्ये उपहारगृह खर्चाच्या इनपुट टॅक्स क्रेडिटची रक्कम ₹ 33.19 लाख अंतर्भूत होती.

तथापि, संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याने करदात्याच्या इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये पुन्हा क्रेडिट करण्याकरिता आदेश दिला नाही तसेच अपात्र इनपुट टॅक्स क्रेडिटची रक्कम ₹ 33.19 लाख व्याज आणि दंडासह वसुलीसाठी डिमांड नोटिस निर्गमित केली नाही. हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (ऑगस्ट 2021) असे नमूद करण्यात आले (ऑगस्ट 2021) की अर्जदाराने अपील दाखल केल्यामुळे नाकारलेली अपात्र रक्कम पुन्हा क्रेडिट केली नाही.

2.6.8 संकीर्ण बाबी

2.6.8.1 निर्यातीच्या पुराव्याशिवाय परताव्याची अनियमित मंजूरी

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर नियमांच्या नियम 89(2)(b) नुसार मालाच्या निर्यातीच्या बाबतीत परताव्याच्या अर्जासोबत शिपिंग बिल क्रमांक आणि तारीख किंवा वस्तूच्या निर्यातीची बिले असलेले विवरणपत्र जोडले पाहिजे. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ यांनी सूचना दिल्या¹¹⁴ की कर न भरता वस्तूच्या निर्याती संबंधातील परतावा दावा प्रकरणी शिपिंग बिलाचा तपशील संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याद्वारे भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवे वेबसाइट (www.icegate.gov.in) मार्फत तपासण्यात यावा आणि निर्यात सामान्य मॅनिफेस्ट¹¹⁵ चा तपशील आणि शिपिंग बिल, शिपिंग बिल क्रमांक आणि दिनांक सुद्धा तपासण्यात यावे.

स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधीशी संबंधित 886 प्रकरणांपैकी एका प्रकरणात लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले (डिसेंबर 2020) की विभागाने विदेशी व्यापार महासंचालक (DGFT) यांनी निर्गमित केलेल्या बँक रिअलायझेशन प्रमाणपत्राच्या

¹¹³ एल टी यु-1, पुणे विभागाच्या अंतर्गत GSTN27AADC2923MIZL असलेले मेसर्स बजाज ऑटो लिमिटेड.

¹¹⁴ परिपत्रक क्र. 125/44/2019- जीएसटी दिनांक 18.11.2019 चा परिच्छेद 18.

¹¹⁵ निर्यात सामान्य मॅनिफेस्ट.

(eBRC) आधारावर करदात्याला¹¹⁶ ₹ 30.38 लाख परतावा मंजूर केला (फेब्रुवारी 2020). तथापि, निर्यातीबाबतचा पुरावा म्हणून निर्यातदाराने शिपिंग बिलाचा तपशील असलेले विवरणपत्र-3 सादर केले नाही. अशा प्रकारे, संबंधित निर्धारण अधिकारी यांनी शिपिंग बिलाच्या पडताळणी शिवाय परतावा मंजूर केला, जो अनियमित होता.

स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधीशी संबंधित 886 प्रकरणांपैकी दुसऱ्या प्रकरणात विवरणपत्र-3 मधील शिपिंग बिलांच्या सूचीच्या आधारावर करदात्याला¹¹⁷ ₹ 0.48 कोटी (सप्टेंबर 2020) परतावा मंजूर करण्यात आला. लेखापरीक्षेने भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवे वेबसाइट वरून विवरणपत्र-3 ची फेर तपासणी/पडताळणी केली परंतु भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवे वेबसाइट वर परतावा आदेशातील ₹ 0.52 लाख परतावा अंतर्भूत असलेले ₹ 91.10 लाख किंमतीचे 107 शिपिंग बिल्स उपलब्ध नव्हते. निर्यातीबाबतचा पुरावा नसताना दोन प्रकरणांत शिपिंग बिलांची पडताळणी न करण्याच्या परिणामी ₹ 30.90 लाख अनियमित परतावा झाला.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर दोन्ही प्रकरणांत उप-आयुक्त, राज्य कर, नागपूर यांनी सांगितले (डिसेंबर 2020 आणि फेब्रुवारी 2021) की निर्यात मुंबईतील भारतीय डाक घरांद्वारे केली गेली होती आणि म्हणून ती भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवे वेबसाइटवर उपलब्ध नव्हती कारण ही डाक घरे भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवे वेबसाइट सोबत जोडलेली नाहीत. उत्तरावरून निदर्शित होते की संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याद्वारे भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवे वेबसाइट मार्फत शिपिंग बिलाच्या पडताळणी संबंधात केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळाच्या सूचनांचे पालन करण्यात आले नाही. विदेशी टपाल कार्यालयामार्फत निर्यात करण्याबाबतचे तपशील दस्तावेजात आढळले नाहीत. परिणामी, भारतीय सीमा शुल्क इलेक्ट्रॉनिक गेटवे वेब साइटवर निर्यातीबाबतच्या पुराव्याच्या पडताळणी अभावी ₹ 30.90 लाख अनियमित परतावा प्रदान करण्यात आला, जो लागू दरानुसार वसुलीयोग्य होता.

2.6.8.2 करदात्याद्वारे इन्व्हर्टेड इयुटी स्ट्रक्चर अंतर्गत परताव्यासाठी बीजकांचे विवरण सादर न करणे

जेव्हा आऊटपुट किंवा अंतिम उत्पादनावरील कर, इनपुट वरील करांपेक्षा कमी असतो तेव्हा इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा उलट संचय निर्माण होतो आणि बहुतेक प्रकरणांमध्ये तो परत करावा लागतो त्या वेळेस इन्व्हर्टेड इयुटी परिस्थिती उद्भवते.

¹¹⁶ मे. LEEHPL व्हॅचर्स प्रायव्हेट लिमिटेड, नागपूर.

¹¹⁷ मे. एसएसडी फार्मा, नागपूर.

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर नियमांच्या नियम 89(5) नुसार, इन्व्हर्टेड ड्युटी स्ट्रक्चरमुळे भांडवली वस्तू आणि इनपुट सेवा, इनपुट टॅक्स क्रेडिटच्या परताव्यासाठी पात्र ठरत नाहीत.

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ यांनी निर्गमित केलेल्या परिपत्रकात (नोव्हेंबर 2019) स्पष्ट केले¹¹⁸ की ज्यांच्या आधारे संबंधित कालावधीत इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ घेतला गेला आहे, ज्यासाठी परतावा दावा जोडपत्र-ब मध्ये केला आहे, परतावा अर्जदारांनी त्या सर्व बीजकांचे तपशील कॉमन पोर्टलवर अपलोड केले पाहिजेत, म्हणजेच विवरणपत्र, जे व्यवहाराच्या प्रकाराचा तपशील दर्शवितात, ज्यावर इनपुट टॅक्स क्रेडिटचा लाभ घेतला जातो उदा. इनपुट्स, भांडवली वस्तू किंवा इनपुट सेवा.

तीन विभागांमध्ये¹¹⁹ लेखापरीक्षणाला असे आढळून आले (फेब्रुवारी 2021) की विभागाने जोडपत्र-ब द्वारे स्वयंचलित प्रणाली पश्चातच्या कालावधी¹²⁰ (परिशिष्ट 2.6.16) संबंधित इन्व्हर्टेड ड्युटी स्ट्रक्चरच्या कारणास्तव ₹ 20.94 कोटींचे 95 परतावा आदेश निर्गमित केले होते, जे अर्जदाराने कॉमन पोर्टलवर अपलोड केले नव्हते.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (फेब्रुवारी 2021) दोन विभागांनी¹²¹ नमूद केले (फेब्रुवारी 2021) की तांत्रिक त्रुटीमुळे त्यावेळी जोडपत्र-ब अपलोड करणे शक्य झाले नाही परंतु परतावा दावेदारांनी ते भौतिकदृष्ट्या सादर केले होते, ज्याची परतावा मंजूरीपूर्वी रितसर पडताळणी करण्यात आली होती. बेलापूर-रायगड विभागाने कोणतेही उत्तर सादर केले नाही.

उत्तर स्वीकार्य नाही कारण संबंधित दस्तावेज सादर न केल्याबद्दल विभागाने अशा प्रकरणांमध्ये कमतरता मेमो निर्गमित करणे आवश्यक आहे.

2.6.8.3 परताव्याचा दावा नाकारल्यानंतर तात्पुरत्या परताव्याची वसुली न होणे

महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर अधिनियमाच्या कलम 54(6) नुसार, वस्तू किंवा सेवांच्या झिरो रेटेड पुरवठ्यासंदर्भात असा दावा केलेल्या एकूण रकमेच्या 90 टक्के रक्कम तात्पुरत्या आधारावर परतावा म्हणून मंजूर करावी. महाराष्ट्र वस्तू आणि सेवा कर नियमांच्या, नियम 91(2) मध्ये विनिर्दिष्ट आहे की संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्याने दावा आणि त्याच्या समर्थनार्थ प्रस्तुत केलेल्या पुराव्यांची पडताळणी केल्यानंतर, ज्या रकमेचा परतावा म्हणून दावा केला होता, तो अर्जदारास देय आहे ह्या बाबतीत प्रथमदर्शनी समाधान झाल्यास तात्पुरत्या आधारावर परतावा आदेश द्यावा.

¹¹⁸ परिपत्रक क्र. 125/44/2019 दिनांक 18.11.2019 चा परिच्छेद 36.

¹¹⁹ बेलापूर-रायगड (3), ठाणे ग्रामीण (10) आणि ठाणे शहर (82).

¹²⁰ 26.09.2019 नंतरचा कालावधी.

¹²¹ ठाणे शहर आणि ठाणे ग्रामीण.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधीशी संबंधित 886 प्रकरणांपैकी एका प्रकरणात करदात्याने¹²² ऑगस्ट 2018 ते नोव्हेंबर 2018 या कालावधीसाठी कराचे भुगतान न करता विशेष आर्थिक झोन (SEZ) घटक/SEZ विकासकाला केलेल्या पुरवठ्याच्या संदर्भात ₹ 47.00 लाख परताव्यासाठी 09.01.2019 रोजी परतावा अर्ज (ARN-AA271118897558E) दाखल केला.

असे निदर्शनास आले (ऑगस्ट 2021) की संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांनी 90 टक्के म्हणजे ₹ 42.30 लाख तात्पुरता परतावा मंजूर केला (मार्च 2019). आवश्यक दस्तावेज (जसे बीजक क्रमांक आणि दिनांकाचा समावेश असलेले विवरणपत्र, विशेष आर्थिक झोनच्या विशेष अधिकाऱ्याद्वारे प्राधिकृत करण्यात आलेला वस्तू किंवा सेवा प्राप्तीचा पुरावा, भुगतान केल्याचा तपशील, पुरवठादारांचे बीजक, घोषणा आणि करारनामा) सादर न केल्यामुळे परतावा अर्ज नाकारण्यासाठी संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांद्वारे नोटिस (RFD-08) निर्गमित करण्यात आली (सप्टेंबर 2020). त्यानंतर संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांनी ₹ 4.70 लाख उर्वरित परतावा रक्कम नाकारून 'निरंक' रकमेसाठी अंतिम परतावा आदेश निर्गमित केला (नोव्हेंबर 2020). तथापि, तात्पुरती मंजूर केलेली परतावा रक्कम वसूल करण्यासाठी कोणतीही कारवाई केली नाही. लेखापरीक्षेद्वारे निदर्शनास आणून दिल्यावर विभागाने पूर्वी मंजूर केलेल्या ₹ 42.30 लाख रकमेच्या तात्पुरत्या परतावा वसुलीसाठी नोटिस (ऑगस्ट 2021) निर्गमित केली.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (ऑगस्ट 2021) संबंधित निर्धारण अधिकाऱ्यांनी म्हटले (सप्टेंबर 2021) की सुरुवातीला करदात्याद्वारे सादर करण्यात आलेल्या कागदपत्रांच्या आधारे तात्पुरता परतावा मंजूर करण्यात आला होता परंतु अंतिम परतावा प्रदान करतांना आणखी कागदपत्रे आवश्यक असल्याचे लक्षात आले. उर्वरित परतावा नाकारण्यात आला आणि लागू व्याजासह आधीच प्रदान करण्यात आलेल्या तात्पुरत्या परताव्याच्या वसुलीसाठी पुढील आदेश (DRC-01A) निर्गमित करण्यात आला (ऑगस्ट 2021).

2.6.8.4 कागदपत्रे सादर न करणे/अपूर्ण कागदपत्रे सादर करणे

(I) परतावा आदेश पाठविल्याची माहिती प्रतिपक्ष कर प्राधिकरणाला सादर न करणे

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ परिपत्रकानुसार¹²³ राज्य किंवा केंद्रशासित प्रदेश कर प्राधिकरणाने निर्गमित केलेला परतावा आदेश संबंधित कर किंवा

¹²² नोडल 7, अंधेरी, मुंबई विभागाच्या अंतर्गत GSTN27AAMCA4358EIZL असलेले मेसर्स एअरलिफ्ट ग्लोबल कॅरीअर्स प्रायव्हेट लिमिटेड.

¹²³ क्र 24/24/2017 जीएसटी दिनांक 21.12.2017.

उप कराच्या प्रकरणानुसार मंजूर रक्कम भरण्याच्या उद्देशाने सात कामकाजाच्या दिवसांच्या आत संबंधित प्रतिपक्ष कर प्राधिकरणाला पाठवावा लागतो.

लेखापरीक्षणाने आयुक्त, राज्य कर तसेच प्रधान सचिव (वित्तीय सुधारणा) यांना उपरोक्त डेटा/माहिती पुढील पडताळणीसाठी सादर करण्याची विनंती केली (ऑगस्ट तसेच सप्टेंबर 2021).

केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कराच्या बाबतीत आयुक्त, राज्य कर यांनी जानेवारी 2022 मध्ये केंद्रीय कर प्राधिकरणाकडे पाठवलेल्या केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कराच्या परतावा आदेशांचा डेटा पाठविला. परंतु त्यामध्ये अर्ज संदर्भ क्रमांक, अर्ज संदर्भ क्रमांक निर्गमित केल्याची तारीख, तात्पुरता आदेश (RFD-04) आदेश/अंतिम आदेश (RFD-06) इत्यादी तपशीलाचा समावेश नाही.

परिणामी, लेखापरीक्षेला परताव्याचे दावे केंद्रीय कर प्राधिकरणाकडे पाठविण्याच्या विविध टप्प्यांच्या विलंबाचे मूल्यांकन करता आले नाही.

तसेच, राज्य वस्तू आणि सेवा कराच्या बाबतीत आयुक्त, राज्य कर यांनी केंद्रीय कर प्राधिकरणाकडून प्राप्त झालेल्या (जानेवारी 2022) राज्य वस्तू आणि सेवा कराच्या परतावा आदेशांचा डेटा प्रदान केला. परंतु त्यामध्ये अर्ज संदर्भ क्रमांक निर्गमित केल्याची तारीख, तात्पुरता (RFD-04) आदेश/अंतिम आदेश (RFD-06) आणि बँक खात्यात जमा झाल्याची तारीख, इत्यादी तपशीलाचा समावेश नाही.

अनेकदा विनंती करून देखील आवश्यक माहिती, जसे अर्ज संदर्भ क्रमांक निर्गमित केल्याची तारीख, RFD-04 आणि RFD-06 लेखापरीक्षणास सादर करण्यात आली नाही.

परिणामी, लेखापरीक्षेला दावेदाराच्या बँक खात्यात परतावा दावा जमा करण्याच्या विविध टप्प्यांवरील विलंबाचे मूल्यांकन करता आले नाही.

(II) परतावा दाव्यांचे उत्तर-लेखापरीक्षण आयोजित करण्यासंबंधीचा डेटा सादर न करणे

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ¹²⁴ यांनी परिपत्रक निर्गमित केले आणि झिरो रेटेड पुरवठ्याच्या परताव्यासाठी¹²⁵ मॅन्युअल प्रक्रियेची कार्यपद्धती विस्तृतपणे मांडली. परिपत्रकात असे नमूद केले आहे की स्वतंत्र तपशीलवार मार्गदर्शक तत्वे निर्गमित होईपर्यंत रक्कम विचारात न घेता मॅन्युअली प्रक्रिया केलेल्या परतावा अर्जांचे

¹²⁴ केंद्रीय राज्य कर आयुक्तांद्वारे निर्गमित करण्यात आलेले परिपत्रक क्र. 17/17/2017-जीएसटी दिनांक 15.11.2017.

¹²⁵ कराचे भुगतान न करता निर्यात.

पूर्व लेखापरीक्षण आवश्यक नाही. तथापि, प्रचलित मार्गदर्शक तत्वांच्या आधारे परतावा आदेशांचे उत्तर लेखापरीक्षण सुरु राहू शकते.

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ परिपत्रक क्रमांक 24/24/2017 दिनांक 21 डिसेंबर 2017 नुसार सर्व प्रकारच्या मॅन्युअल परतावा अर्जासाठी ही प्रक्रिया लागू करण्यात आली होती.

या संबंधातील माहिती (ऑगस्ट तसेच सप्टेंबर 2021) आयुक्त, राज्य कर तसेच प्रधान सचिव (वित्तीय सुधारणा) यांच्याकडून सुद्धा मागविण्यासाठी विनंती करण्यात आली होती (नोव्हेंबर 2021).

उत्तरादाखल, पडताळणीसाठी निवडलेल्या प्रकरणांची सूची लेखापरीक्षेला सादर करण्यात आली (ऑक्टोबर 2021) परंतु ती चुकवेगिरी प्रवण वस्तूशी संबंधित होती आणि परतावा दाव्यांच्या उत्तर-लेखापरीक्षणाशी संबंधित नव्हती. आयुक्त, राज्य कर यांनी म्हटले (जानेवारी 2022) की 3,764 प्रकरणांची सूची सर्वसमावेशक लेखापरीक्षणासाठी निवडण्यात आली परंतु लेखापरीक्षणाचे परिणाम प्रलंबित आहेत.

परिणामी, विभागाने केलेल्या परतावा आदेशांच्या उत्तर-लेखापरीक्षण तपासणीची पर्याप्तता, प्रभाव आणि परिणामकारकतेचे मूल्यांकन (जर काही) लेखापरीक्षा करू शकली नाही.

(III) वस्तू आणि सेवा कर परताव्याच्या प्रदानाचा डेटा उपलब्ध करून न देणे

डिसेंबर 2017 मध्ये निर्गमित केलेल्या आंतरिक परिपत्रकानुसार¹²⁶ अतिरिक्त आयुक्त, राज्य कर (मूल्यवर्धित कर-2) मुंबई हे राज्य स्तरावरील प्रभारी आणि स्वयंचालित प्रणाली पूर्व कालावधीसाठी¹²⁷ राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधी हस्तांतरणाद्वारे (NEFT) वस्तू आणि सेवा कर परतावा संवितरित करण्यासाठी समन्वयक आहेत. त्याचप्रमाणे स्वयंचालित प्रणाली पश्चातच्या कालावधीच्या संदर्भात केंद्र आणि राज्य/केंद्रशासित प्रदेशातील कर अधिकाऱ्यांनी निर्गमित केलेल्या वस्तू आणि सेवा कर परतावा रकमेचे संवितरण लेखा नियंत्रकाच्या सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन प्रणालीद्वारे (PFMS) केले जाईल. कॉमन पोर्टल, संबंधित तपशील असलेली एक मास्टर फाइल तयार करेल. बँक खात्याच्या तपशीलाच्या प्रमाणीकरणासाठी मास्टर फाइल सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन प्रणाली सोबत जोडावी लागेल. बँक खात्याच्या प्रमाणीकरणानंतर संबंधित निर्धारण अधिकारी भुगतान आदेश निर्गमित करू शकतील. परताव्याची संवितरण स्थिती देखील सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन प्रणालीद्वारे वस्तू आणि सेवा कर नेटवर्कच्या कॉमन पोर्टलवर कळविली जाईल.

¹²⁶ राज्य कर आयुक्तांद्वारे निर्गमित वर्ष 2017 च्या दिनांक 30.12.2017 चा क्र. 27 A.

¹²⁷ केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर आणि सीमा शुल्क मंडळ परिपत्रक क्र. 125/44/2019 दिनांक 18.11.2019.

विभागाद्वारे संवितरीत केलेल्या परताव्याशी संबंधित तक्ता 2.6.5 मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे खालील माहिती सादर करण्यासाठी लेखापरीक्षणाने आयुक्त, राज्य कर यांना (ऑगस्ट 2021 तसेच सप्टेंबर 2021) आणि प्रधान सचिव यांना देखील (नोव्हेंबर 2021) विनंती केली.

तक्ता 2.6.5

| अनु. क्र. | स्वयंचलित प्रणाली पूर्व आणि स्वयंचलित प्रणाली पश्चातच्या कालावधी दरम्यान प्रक्रिया केलेल्या वस्तू आणि सेवा कर परताव्याचा तपशील | आयुक्त, राज्य कर यांना पत्र पाठवल्याची तारीख | स्मरण पत्र पाठवल्याची तारीख |
|-----------|--|--|-----------------------------|
| 1 | राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधी हस्तांतरणाद्वारे स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधीसाठी वस्तू आणि सेवा कर परताव्याचे संवितरण | 04.08.2021 | 14.09.2021 |
| 2 | सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन प्रणाली द्वारे राज्य वस्तू आणि सेवा कर परताव्याचे संवितरण | 04.08.2021 | 14.09.2021 |

उत्तरात (सप्टेंबर 2021), विभागाने स्वयंचलित प्रणाली पूर्व कालावधीचा (2017-18 आणि 2018-19) डेटा सादर न करता फक्त स्वयंचलित प्रणाली पश्चातच्या कालावधी (2019-20 आणि 2020-21) चा डेटा सादर केला (सप्टेंबर 2021). तथापि, त्यामध्ये अंतिम आदेश/भुगतान अॅडव्हाइस (RFD 05 आणि 06) निर्गमित केल्याची तारीख, संवितरणासाठी सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन प्रणाली सोबत मास्टर फाइल सामायिक करण्याची तारीख आणि बँक खात्यात जमा करण्याची तारीख या तपशीलाचा समावेश नव्हता.

अनेकदा विनंती करून देखील RFD-05, RFD-06 निर्गमित केल्याची तारीख, सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापन प्रणाली समवेत मास्टर फाइल सामायिक केल्याची तारीख आणि बँक खात्यात जमा करण्याची तारीख लेखापरीक्षणास सादर केली नाही.

परिणामी, लेखापरीक्षणाला दावेदाराच्या बँक खात्यामध्ये परतावा दाव्याची रक्कम जमा करण्यातील विविध टप्प्यांवरील (स्वयंचलित प्रणाली पूर्व आणि स्वयंचलित प्रणाली पश्चात) समयोचितपणाचे मूल्यांकन करता आले नाही.

शिफारस 2: विभागाने लेखापरीक्षणासाठी आवश्यक नोंदी/विवरणांची उपलब्धता आणि सादरीकरण सुनिश्चित केले पाहिजे.

शिफारस 3: परतावा प्रकरणे योग्यरित्या आणि वेळेवर निकाली काढण्यासाठी शासनाने वेळोवेळी निर्गमित केलेल्या संहिता तरतुदी आणि सूचनांचे पालन सुनिश्चित केले पाहिजे.

2.7 कराची कमी आकारणी

कराच्या चुकीच्या दराचा वापर केल्यामुळे कर आणि त्यावरील व्याज मिळून एकूण ₹ 11.72 लाख कमी आकारणी करण्यात आली.

महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2002 च्या कलम 6 च्या तरतुदीनुसार संबंधित अनुसूची मध्ये नमूद केलेल्या दरांवर वेगवेगळ्या वेळापत्रकांमध्ये निर्दिष्ट केलेल्या वस्तूंच्या विक्रीच्या उलाढालीवर संबंधित वेळापत्रकांमध्ये नमूद केलेल्या दरांनुसार विक्रीकर आकारला जाईल. तसेच महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियमाच्या अनुसूची अ, ब, क आणि ड मध्ये समाविष्ट नसलेल्या वस्तू अधिनियमाच्या अनुसूची ई च्या प्रविष्टी-1 मध्ये समाविष्ट करावयास पाहिजे आणि त्या 12.5 टक्के दराने करपात्र असतील. तसेच, अँडव्हान्स रूलींग अँथॉरिटी, मुंबई द्वारा निर्गमित केलेल्या आदेशानुसार¹²⁸ (जानेवारी 2017) 'टॅबलेट्स' ला ई-1 अंतर्गत समाविष्ट करावयास पाहिजे आणि त्यावर 12.5 टक्के दराने कर आकारला पाहिजे.

उपायुक्त राज्य कर, PUN-VAT-E-706, पुणे कार्यालयाच्या दस्तावेजांच्या पडताळणीत (जानेवारी 2020) निदर्शनास आले की संगणक आणि संगणक उपकरणांच्या घाऊक विक्रेत्याचे¹²⁹ वर्ष 2014-15 या कालावधीसाठीचे महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2005 अंतर्गतचे मूल्यांकन 2018-19 मध्ये करण्यात आले. दस्तावेजांमध्ये उपलब्ध असलेल्या नमूना बीजकांवरून लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की 'टॅबलेट्स' च्या ₹ 83.92 लाख विक्रीवर 12.5 टक्क्यांऐवजी पाच टक्के दराने महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर आकारण्यात आला त्यामुळे त्यावरील व्याजासह ₹ 11.72 लाख कर कमी आकारण्यात आला (परिशिष्ट 2.7.1).

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (जानेवारी 2020) संबंधित मूल्यमापन प्राधिकरणाने सांगितले की मुद्द्याची पडताळणी केली जाईल आणि त्यानुसार त्याचे अनुपालन केले जाईल. ही बाब मे 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणून दिली:

उत्तरदाखल, उपायुक्त राज्य कर (लेखापरीक्षा) यांनी सांगितले (मार्च 2022) की मूल्यनिर्धारण प्राधिकाऱ्यांनी पुनःनिर्धारणांनंतर सुधारणा आदेश निर्गमित केला (ऑगस्ट 2022) आणि त्यानुसार व्याजासह ₹ 6.008 लाख देय रकमेच्या वसुलीसाठी डिमांड नोटीस निर्गमित केली.

वसुलीबाबतची प्रगती प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

¹²⁸ आदेश क्र. ARA मुंबई 126/2016-17/Disp. Reg. No. 10 दिनांक 21.01.2017.

¹²⁹ मेसर्स के. काँप सर्विसेस, TIN: 27710344344V, कालावधी 2014-15, AO दिनांक: 18.02.2019.

2.8 चुकीच्या परिगणनेमुळे व्याजाची कमी आकारणी

महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2002 च्या कलम 30(3) अंतर्गत चुकीची व्याज परिगणना केल्यामुळे ₹ 47.06 लाख व्याजाची कमी आकारणी झाली

महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2002 च्या कलम 30(3) नुसार निर्धारण कालावधी संपल्यानंतर एक महिन्यापर्यंत कोणताही कर भरायचा राहिला असेल तर विक्रेता प्रत्येक महिन्यासाठी किंवा त्याच्या काही भागांसाठी, ज्याकरिता विक्रेत्याचे निर्धारण करण्यात आले आहे त्या कालावधीच्या अंतिम तारखेच्या लगेचच आधीच्या तारखेपासून निर्धारण आदेशाच्या तारखेपर्यंत, अशा करावर वेळोवेळी विनिर्दिष्ट केलेल्या दरानुसार सरळ व्याज भरण्यास जबाबदार आहे. त्यानुसार, महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर नियम, 2005 च्या नियम 88(1) मध्ये विहित केल्यानुसार विक्रेता 1.25 टक्के प्रतिमाह या दरानुसार व्याज प्रदान करण्यास जबाबदार आहे.

तसेच, वित्त विभाग, महाराष्ट्र शासन यांच्या अधिसूचने¹³⁰ द्वारे महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2002 च्या कलम 30 च्या पोट कलम (1),(2) आणि (3) च्या उद्देशासाठी नियम 88(1) अंतर्गत व्याजाचे दर **तक्ता 2.8.1** मध्ये दर्शविल्यानुसार 01 डिसेंबर 2015 पासून सुधारित करण्यात आले:

तक्ता 2.8.1

| अनु. क्र. | व्याजासाठी जबाबदार कालावधी | व्याजाचा दर |
|-----------|-------------------------------------|--|
| 1 | एक महिन्यांपर्यंत | महिना किंवा त्याच्या भागासाठी कराच्या रकमेच्या सव्वा टक्के. |
| 2 | तीन महिन्यांपर्यंत | पहिल्या महिन्याच्या विलंबासाठी, तो महिना किंवा त्याच्या भागासाठी कराच्या रकमेच्या सव्वा टक्के आणि एक महिना ते तीन महिन्यांपर्यंतच्या विलंबासाठी प्रत्येक महिना किंवा त्याच्या भागासाठी कराच्या रकमेच्या दीड टक्का. |
| 3 | तीन महिन्यांपेक्षा अधिक कालावधीसाठी | पहिल्या महिन्याच्या विलंबासाठी, तो महिना किंवा त्याच्या भागासाठी कराच्या रकमेच्या सव्वा टक्के आणि एक ते तीन महिन्यांपर्यंतच्या विलंबासाठी प्रत्येक महिना किंवा त्याच्या भागासाठी कराच्या रकमेच्या दीड टक्का आणि तीन महिन्यांपेक्षा जास्त विलंबासाठी प्रत्येक महिना किंवा त्याच्या भागासाठी कराच्या रकमेच्या दोन टक्के. |

राज्य कर उपायुक्त, PUN-VAT-E-607, एल टी यु, पुणे कार्यालयातील दस्तावेजांच्या पडताळणीत (फेब्रुवारी 2020) असे निदर्शनास आले की विक्रेत्याच्या निर्धारणा दरम्यान विभागाने परिगणना पत्रकात व्याजाचा सुधारित दर नमूद केला परंतु प्रत्यक्षात

¹³⁰ अधिसूचना क्र. मूल्यवर्धित कर 1515/सीआर-81/कर आकारणी-1 दिनांक 05 नोव्हेंबर 2015.

व्याजाची परिगणना पूर्व-सुधारित दरानुसार केल्यामुळे कलम 30(3) अंतर्गत ₹ 47.06 लाख व्याजाची कमी आकारणी झाली (परिशिष्ट-2.8.1).

(₹ लाखात)

| अनु. क्र. | विक्रेत्याचे नाव | निर्धारण कालावधी निर्धारणाची तारीख | च्या अंतर्गत आकारणी योग्य व्याज | च्या अंतर्गत आकारलेले व्याज | फरक |
|-----------|------------------|---------------------------------------|---------------------------------|-----------------------------|--------|
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7(5-6) |
| 1 | विक्रेता अ | 2014-15 28/03/2019 | 147.01 | 99.95 | 47.06 |
| एकूण | | | | | 47.06 |

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (फेब्रुवारी 2020) संबंधित मूल्य निर्धारण प्राधिकाऱ्यांनी सांगितले की या मुद्द्याची पडताळणी करून अनुपालन सादर करण्यात येईल.

ही बाब मे 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणून दिली, विभागाने वस्तुस्थिती स्वीकारल्या बाबत सूचित केले (फेब्रुवारी 2022) आणि ₹ 58.70 लाख व्याजाच्या वसुलीचे आदेश निर्गमित केले. वसुलीबाबतचा अहवाल प्राप्त झाला नाही (ऑगस्ट 2022).

2.9 महाराष्ट्र मूल्यवर्धित करांतर्गत परताव्याचे ज्यादा प्रदान

कारखाना इमारतीच्या बांधकामात वापरल्या गेलेल्या इन्पुट्सवर अग्राह्य सेट-ऑफ दिल्यामुळे ₹ 21.56 लाख रकमेचा अतिरिक्त परतावा प्रदान झाला

महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर नियम, 2005 च्या नियम 54(h) नुसार संयंत्र आणि यंत्रसामग्री व्यतिरिक्त स्थावर मालमत्तेच्या उभारणीसाठी वापरल्या जाणारी जी मालमत्ता कोणत्याही दुसऱ्या व्यक्तीला विक्रेत्याद्वारे हस्तांतरित केली नाही, त्यासाठी लागणाऱ्या साहित्याच्या खरेदीच्या संदर्भात कोणत्याही नियमांतर्गत सेट-ऑफ ग्राह्य नसेल.

तसेच महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2002 च्या कलम 51(6)(b) नुसार जर या अधिनियमांतर्गत पारित करण्यात आलेल्या कोणत्याही आदेशाच्या परिणामी असे लक्षात आले की या कलमांतर्गत प्रदान करण्यात आलेला परतावा ह्या आदेशानुसार निर्धारित केलेल्या परताव्यापेक्षा अधिक आहे तर अतिरिक्त रक्कम विक्रेत्याकडून देय असलेल्या कराची रक्कम म्हणून वसूल करण्यात यावी आणि परताव्याच्या प्रदानाच्या तारखे पासून दरमहा किंवा त्याच्या भागासाठी विक्रेता विहित दरानुसार सरळ व्याज भरण्यास जबाबदार असेल.

विक्रीकर उपायुक्त, E-002, अमरावती कार्यालयामधील निर्धारणाच्या पडताळणी दरम्यान (जून 2018) लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की बेकरी उत्पादनांच्या उत्पादकाचे¹³¹

¹³¹ मेसर्स विरेन्द्र फुड प्रॉडक्ट्स प्रायव्हेट लिमिटेड TIN: 27600328642V, कालावधी 2012-13, AO दिनांक: 28.03.2017.

2012-13 या कालावधीसाठीचे मूल्यांकन 2016-17 मध्ये करण्यात आले होते. निर्धारण आदेशानुसार कर परतावा ₹ 18.80 लाख इतका आणि त्यावर महाराष्ट्र मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2002 च्या कलम 52 अंतर्गत ₹ 2.26 लाख व्याज प्रदान करण्यात आले. लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की ज्या खरेदीवर सेट-ऑफ प्रदान करण्यात आले होते त्यामध्ये कारखाना इमारतीच्या बांधकामासाठी वापरण्यात आलेल्या सिमेंट, स्थापित करण्यात येणाऱ्या विद्युत प्रतिष्ठापन बाबी, इत्यादी चा समावेश होता, जो वरील नियमानुसार अग्राह्य होता. त्यामुळे विक्रेत्याला ₹ 10.56 लाखाचा अतिरिक्त परतावा मिळाला. अशा प्रकारे, विक्रेत्याकडून कलम 51(6)(b) अंतर्गत ₹ 11.00 लाख व्याजाच्या रकमेचा समावेश असलेली ₹ 21.56 लाख रक्कम वसूल करावयाची आहे (परिशिष्ट 2.9.1).

लेखापरीक्षणाद्वारे निदर्शनास आणून दिल्यावर (जून 2018) विभागाने सांगितले की बाबीची पडताळणी केली जाईल आणि अनुपालन सादर केले जाईल.

ही बाब ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणून दिली; त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे.

मुद्रांक शुल्क आणि नोंदणी विभाग

मुद्रांक शुल्क आणि नोंदणी फी

2.10 भाडेपट्टा विलेखाच्या प्रकरणांत मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

अनुच्छेद 36(A)(b) नुसार जर भाडे करार (लीव अँड लायसंस करार) हा करार नूतनीकरणाच्या कलमासह किंवा त्याशिवाय, साठ महिन्यांपेक्षा अधिक कालावधीसाठी असेल तर अनुच्छेद 36 च्या खंड (ii), (iii) किंवा (iv) यथास्थिती, अंतर्गत भाडेपट्ट्यावर शुल्क आकारणीयोग्य आहे. महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियम अनुच्छेद 36 (i), (ii), (iii) आणि (iv) नुसार आकस्मिक किंवा अन्यथा नूतनीकरण कलमासह भाडेपट्टा प्रकरणांत जेथे भाडेपट्टा कालावधी पाच वर्षांपर्यंत असेल तेथे मालमत्तेच्या बाजार मूल्याच्या दहा टक्के रकमेवर मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य असेल, जर भाडेपट्टा पाच वर्षांहून अधिक पण दहा वर्षांपर्यंत असेल तर या कालावधीसाठी मालमत्तेच्या बाजार मूल्याच्या 25 टक्के रकमेवर मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य असेल. जर भाडेपट्टा दहा वर्षांहून अधिक आणि 29 वर्षांपर्यंत असेल तर या कालावधीसाठी मालमत्तेच्या बाजारमूल्याच्या 50 टक्के रकमेवर मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य असेल आणि ज्या प्रकरणांत भाडेपट्टा कालावधी 29 वर्षांहून अधिक असेल तेथे मालमत्तेच्या बाजारमूल्याच्या 90 टक्के रकमेवर मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य असेल. तसेच, स्पष्टीकरण-11 नुसार नूतनीकरण कालावधी नमूद केला असेल तर ते विद्यमान भाडेपट्ट्याचा भाग असल्याचे समजण्यात येईल.

महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या अनुच्छेद 60 नुसार भाडेपट्ट्याचे हस्तांतरण वचनपत्राने केले असेल व कोणतेही दिवाणी न्यायालय किंवा कोणत्याही महसूल अधिकाऱ्याद्वारे मंजूर केलेल्या अंतिम भाडेपट्टा आदेश किंवा हुकूम/निवाड्याद्वारे केले नसेल तर त्यावर आकारणीयोग्य मुद्रांक शुल्क हे भाडेपट्ट्याच्या उर्वरित कालावधीसाठी अनुच्छेद 36 च्या खंड (i) (ii) (iii) किंवा (iv) नुसार भाडेपट्ट्यावर आकारणीयोग्य मुद्रांक शुल्काइतकेच असेल.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की (i) एका प्रकरणांत बांधकाम केलेले क्षेत्र गृहित न धरल्यामुळे ₹ 01.06 कोटी, (ii) दोन प्रकरणांत (दोन घटकांमध्ये) नूतनीकरणाचे कलम गृहित न धरल्यामुळे ₹ 38.19 लाख आणि (iii) 11 प्रकरणांत (तीन घटकांमध्ये) बाजार मूल्याच्या कमी मूल्यांकनामुळे ₹ 5.28 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी करण्यात आली, जी खाली सविस्तरपणे दिलेली आहे.

2.10.1 वार्षिक दर विवरणाच्या मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्र. 7(d) नुसार शाळा आणि धार्मिक इमारतींचे मूल्य हे वार्षिक दर विवरणाच्या संबंधित मूल्यांकन झोनमधील निवासी सदनिकांना लागू असलेल्या दराने करावयास पाहिजे.

सह दुय्यम निबंधक, हवेली XVIII, जिल्हा पुणे यांच्या कार्यालयात भाडेपट्टादार¹³² (lessee) आणि भाडेपट्टाकार¹³³ (lessor) यांच्यात मौजा म्हाळुंगे (प्रभाव क्षेत्र), तालुका मुळशी, जिल्हा पुणे सर्व्हे क्र.12/1 येथे स्थित 5576.20 चौरस मीटर बांधकाम क्षेत्रफळासह 42.05 R म्हणजे 4205 चौरस मीटर जमीन 30 वर्षांच्या म्हणजे 27 जून 2018 पासून 26 जून 2048 पर्यंतच्या कालावधीसाठी भाडेपट्टा संलेख (दस्तावेज क्र. 10503/2018) निष्पादित (ऑगस्ट 2018) करण्यात आला.

विभागाने खुल्या जमिनीचे (4,205 चौरस मीटर) क्षेत्रफळ विचारात घेऊन मालमत्तेचे बाजार मूल्य फक्त ₹ 5.15 कोटी परिगणित केले आणि दस्तावेजात 'निरंक' मोबदला नमूद करून ₹ 23.16 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल केले.

दस्तावेजांच्या तपासणीत असे निदर्शनास आले (जुलै 2019) की खंड 3 अनुसार भाडेपट्टाकाराने भाडेपट्ट्याखाली असलेल्या जमिनीवर शाळेसाठी प्रत्येकी 30,000 चौरस फूट बांधकाम क्षेत्रफळ असलेल्या दोन इमारती त्यांच्या स्वतःच्या खर्चाने टप्पाटप्पात बांधण्याचे व जमिनीच्या भाड्याचा खर्च करण्याचे मान्य केले. टप्पा-1 आणि टप्पा-॥ इमारतींचा ताबा भाडेपट्टाकाराकडून भाडेपट्टादारास अनुक्रमे 01 मार्च 2019 आणि 01 जून 2022 रोजी दिला जाईल.

¹³² संत ज्ञानेश्वर एज्युकेशन ट्रस्ट, मुंबई मार्फत त्यांचे अध्यक्ष आणि व्यवस्थापकीय विश्वस्त डॉ. निखील वाघ यांच्या मार्फत.

¹³³ मिस्टर अतुल भीमा पडाले आणि इतर 20, पुणे.

लेखापरीक्षेने मालमत्तेचे बाजारमूल्य ₹ 28.62 कोटी इतके परिगणित केले ज्यावर महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या अनुच्छेद 25 अंतर्गत पाच टक्के दराने ₹ 1.29 कोटी मुद्रांक शुल्क आकारणी योग्य होते, ज्याच्या तुलनेत विभागाद्वारे ₹ 23.16 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल करण्यात आले. परिणामी, ₹ 1.06 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (परिशिष्ट-2.10.1).

उत्तरादाखल, नोंदणी महानिरीक्षक आणि मुद्रांक नियंत्रक, कार्यालय पुणे यांनी लेखापरीक्षा निरीक्षण मान्य केले (मार्च 2021). नोंदणी महानिरीक्षकांनी सांगितले की वसुलीची प्रक्रिया मुद्रांक जिल्हाधिकारी कार्यालय, पुणे शहर, पुणे यांच्या स्तरावर प्रगतीत आहे. वसुलीबाबतची पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

ही बाब मे 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.10.2 वार्षिक दर विवरणाच्या मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्र 7(b) अनुसार वरच्या मजल्यांवर असलेले दवाखाना/रुग्णालय/बँकाचे मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्र.8 च्या खंड (c) आणि (d) नुसार करावयास पाहिजे. मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्र.8(d) हे मॉल व्यतिरिक्त मोठ्या शॉपिंग कॉम्प्लेक्सचा समावेश असलेल्या इमारतीतील दुकानांच्या मूल्यांकनासाठी आहे जे खाली तक्ता 2.10.2.1 मध्ये दिलेले आहे.

तक्ता 2.10.2.1

| अनु. क्र. | दुकानाचा समावेश असलेला मजला | वार्षिक दर विवरणामध्ये दिलेली दुकानाच्या दराची टक्केवारी विचारात घेतली पाहिजे |
|-----------|---|---|
| 1 | तळघर | 70 टक्के |
| 2 | खालचा तळमजला | 90 टक्के |
| 3 | तळमजला/वरचा तळमजला | 100 टक्के |
| 4 | पहिला मजला (तळ मजल्याच्या वरचा किंवा स्टिल्ट मजल्याच्या वरचा) | 90 टक्के |
| 5 | दुसरा मजला आणि त्यावरील मजले | 80 टक्के |

सह दुय्यम निबंधक, हवेली-XVII, जिल्हा पुणे कार्यालयात “बेअर शेल बिल्डिंग” म्हणून संबोधल्या जाणाऱ्या प्रस्तावित रुग्णालयासाठी भाडेपट्टाकार¹³⁴ आणि भाडेपट्टादार¹³⁵ यांच्या दरम्यान बांधकाम आणि भाडेपट्ट्यासाठी (दस्तावेज क्र. 4481/2016) करार निष्पादित करण्यात आला (जुलै 2016). भाडेपट्ट्याचा कालावधी 28 वर्षे आणि 11 महिन्यांचा होता. या प्रस्तावित इमारतीत 2 (दोन) तळघरं, तळमजला +7 (सात) वरचे मजले आणि टेरेस आहे. एकूण बांधकाम क्षेत्र किमान 2,50,000 चौरस फूट असावे

¹³⁴ मेसर्स एसी रिअॅलिटी स्पेसेस एल एल पी, पुणे.

¹³⁵ मेसर्स कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल प्रायव्हेट लिमिटेड, बंगलुरु.

परंतु त्याचे मोजणी करण्यायोग्य क्षेत्र 2,40,000 चौरस फूट म्हणजे 22,304.83 चौरस मीटर पेक्षा जास्त नसावे. पुणे महानगर पालिकेच्या हद्दीतील बाणेर म्हाळुंगे मार्ग, बाणेर गाव, तहसील हवेली, जिल्हा पुणे येथे स्थित सर्व्हे क्र. 111/11/1(pt) येथील 7965 चौरस मीटर क्षेत्रफळाच्या जमिनीवर भाडेपट्टाकाराद्वारे इमारत बांधली जाईल.

विभागाद्वारे मालमत्तेचे बाजार मूल्य ₹ 117.28 कोटी इतके परिगणित करण्यात आले आणि दस्तावेजात 'निरंक' मोबदला नमूद केला होता. विभागाद्वारे ज्याच्या आधारे मालमत्तेचे मूल्यांकन करण्यात आले त्याचा तपशील अभिलेखात उपलब्ध नव्हता.

मार्गदर्शक तत्व क्र.8(d) सह वर्ष 2016-17 साठी वार्षिक दर विवरणामध्ये नमूद केलेल्या दरांनुसार लेखापरीक्षेने मालमत्तेचे बाजारमूल्य ₹ 163.70 कोटी इतके परिगणित केले. त्यानुसार अधिनियमाच्या प्रावधाना 36(iii) नुसार बाजार मूल्याच्या 50 टक्के रकमेवर ₹ 4.09 कोटी इतके मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य होते. तथापि, विभागाने फक्त ₹ 2.93 कोटी मुद्रांक शुल्क वसूल केले. परिणामी, ₹ 1.16 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.10.2**).

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (जानेवारी 2018) सह-दुय्यम निबंधक यांनी सांगितले की सह जिल्हा निबंधक, पुणे शहर कार्यालयाकडून अभिप्राय प्राप्त झाल्यावर अनुपालन सादर करण्यात येईल. ही बाब नोंदणी महानिरीक्षक आणि मुद्रांक नियंत्रक, पुणे कार्यालयाला कळविण्यात आली, (ऑक्टोबर 2020 आणि जून 2021). उत्तरादाखल, नोंदणी महानिरीक्षक आणि मुद्रांक नियंत्रक, पुणे यांनी सांगितले (फेब्रुवारी 2022) की ही बाब कलम 32C अंतर्गत विचारात घेण्यात आली आहे आणि घेण्यात आलेला निर्णय लेखापरीक्षेला कळविण्यात येईल.

ही बाब जुलै 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.10.3 सह दुय्यम निबंधक (वर्ग-II) हवेली-V, जिल्हा पुणे कार्यालयाच्या दस्तावेजांच्या (दस्तावेज क्र. 570/2017) पडताळणीत निदर्शनास आले (एप्रिल 2018) की पिंपरी चिंचवड महानगरपालिकेच्या हद्दीतील भोसरी गावामधील महाराष्ट्र औद्योगिक विकास मंडळाच्या पिंपरी औद्योगिक क्षेत्रातील प्लॉट क्र.S-36, टी ब्लॉक वर 2,957 चौरस मीटर क्षेत्रावर उभारण्यात आलेल्या 670 चौ.मी. (वर्ष 1989 मध्ये बांधण्यात आलेले) औद्योगिक शेडसह भाडेपट्ट्यावरील औद्योगिक प्लॉट वर अभिहस्तांकनकर्ता¹³⁶ आणि अभिहस्तांकित¹³⁷ यांच्या दरम्यान भाडेपट्टा अभिहस्तांकन करार करण्यात आला

¹³⁶ मेसर्स लक्ष्मी अग्नी कम्पोनंट्स आणि फोर्जिंग्स प्रायव्हेट लिमिटेड.

¹³⁷ मेसर्स सचिन प्रोजेक्ट्स.

(जानेवारी 2017). विभागाने मालमत्तेचे बाजार मूल्य ₹ 490.46 लाख इतके परिगणित केले. तथापि, संलेखामध्ये ₹ 506 लाख मोबदला नमूद केला होता. विभागाने ₹ 25.30 लाख मुद्रांक शुल्काची वसुली केली. ज्याच्या आधारे मालमत्तेचे मूल्यांकन करण्यात आले त्या परिगणनेचा तपशील अभिलेखात उपलब्ध नव्हता.

मूलतः हा भूखंड मूळ भूखंडधारकाला¹³⁸ मे 1988 मध्ये 95 वर्षांकरिता वाटप करण्यात आला होता. त्यानंतर त्या भूखंडधारकाने त्या भूखंडाचे शेड सहित अधिकार भाडेपट्ट्याच्या अभिहस्तांकनाच्या नोंदणीकृत करारामार्फत डिसेंबर 2001 मध्ये सध्याच्या अभिहस्तांकनकर्त्याला प्रदान केले. तसेच, भाडेपट्ट्याच्या अभिहस्तांकनाचा सध्याचा करार भाडेपट्ट्याच्या कालबाह्य न होणाऱ्या कालावधीसाठी अभिहस्तांकनकर्ता आणि अभिहस्तांकिती यांच्या दरम्यान निष्पादित करण्यात आला (जानेवारी 2017).

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले (एप्रिल 2018) की शेडसह भूखंडाचे बाजार मूल्य ₹ 8.35 कोटी होते. अशाप्रकारे, विभागाद्वारे वसूल करण्यात आलेल्या ₹ 25.30 लाखाच्या तुलनेत अधिनियमाच्या अनुच्छेद 25 अंतर्गत पाच टक्के दराने बाजार मूल्याच्या 90 टक्के म्हणजेच ₹ 37.59 लाख मुद्रांक शुल्क आकारणी देय होते. परिणामी, ₹ 12.29 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.10.3**).

उत्तरादाखल, नोंदणी महानिरीक्षक यांनी सांगितले की मुद्रांक जिल्हाधिकारी, पुणे कार्यालय स्तरावर वसुलीची प्रक्रिया चालू आहे.

ही बाब मे 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.10.4 सह-दुय्यम निबंधक, (वर्ग-II), हवेली-III, जिल्हा पुणे कार्यालयाच्या दस्तावेजांच्या (दस्तावेज क्र.3058/2019) पडताळणीत असे निदर्शनास (जानेवारी 2020) आले की साडेसतरानळी गाव, हडपसर, तालुका हवेली, जिल्हा पुणे येथील घटक क्र. EB-6F-28 आणि 29 वरील 10104 चौरस फूट म्हणजे 939.03 चौरस मीटर शुल्क आकारणीयोग्य क्षेत्रासाठी तळमजल्यावरील “अॅमनोरा टाउन सेंटर” म्हणून ओळखल्या जाणाऱ्या रिटेल मॉल/शॉपिंग कॉम्प्लेक्ससाठी परवानादेयक¹³⁹ आणि परवानाधारक¹⁴⁰ यांच्या दरम्यान भाडे करार (लीव अँड लायसंस करार) निष्पादित करण्यात आला (फेब्रुवारी 2019). दस्तावेजांच्या खंड 3 नुसार भाडेपट्ट्याचा कालावधी नऊ महिन्यांचा होता. तथापि, खंड क्र 3(a) मध्ये असे नमूद आहे की प्रारंभिक मुदत संपल्यानंतर

¹³⁸ मेसर्स अशोका पावरलिंग इंडस्ट्रीज प्रायव्हेट लिमिटेड.

¹³⁹ सिटी रिअॅलिटी अँड डेव्हलपमेंट प्रायव्हेट लिमिटेड पुणे मार्फत त्यांचे प्राधिकृत स्वाक्षरी करणारे मिस्टर रामेश्वर जटाले आणि मिस्टर रमेश कानगुडे.

¹⁴⁰ बार्बेक्यु नेशन हॉस्पिटॅलिटी लिमिटेड, बंगलुरु.

परवानाधारक परवाना देणाऱ्याच्या संमतीने पुढील चार वर्षांच्या मुदतीसाठी या कराराचे नूतनीकरण करू शकतो. विभागाने मालमत्तेचे बाजारमूल्य ₹ 13.29 कोटी इतके परिगणित केले आणि फक्त नऊ वर्षांचा भाडेपट्टा कालावधी गृहित धरून ₹ 16.96 लाख इतके मुद्रांक शुल्क वसूल केले.

विभागाद्वारे वसूल करण्यात आलेल्या ₹ 16.96 लाख रकमेच्या तुलनेत लेखापरीक्षेने अनुच्छेद 36(iii) च्या तरतुदीनुसार बाजार मूल्याच्या 50 टक्क्यांवर महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या अनुच्छेद 25 अंतर्गत पाच टक्के दराने परिगणित केल्यानुसार ₹ 33.22 लाख मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य होते. परिणामी, ₹ 16.26 लाख कमी मुद्रांक शुल्काची आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.10.4**).

ऑक्टोबर 2020 मध्ये निदर्शनास आणून दिल्यावर नोंदणी महानिरीक्षक यांनी लेखापरीक्षा निरीक्षण मान्य केले (जून 2021). नोंदणी महानिरीक्षक, पुणे यांनी सांगितले की मुद्रांक जिल्हाधिकारी, पुणे यांना प्राधान्याने वसुली करण्याचे निर्देश दिले आहेत.

ही बाब मे 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.10.5 सह दुय्यम निबंधक, ठाणे VIII, जिल्हा- ठाणे यांच्या कार्यालयात भाडेपट्टाकार¹⁴¹ आणि भाडेपट्टादार¹⁴² यांच्यात सुसज्य नसलेले रूग्णालय, तळघर + खालचा मजला+7 मजली इमारतीच्या (जसे आहे, जिथे आहे या तत्वावर) आलेल्या परिस्थितीत भाडेतत्वावरील हक्कासाठी सेक्टर 3K, ऐरोली, मुंबई येथे स्थापित 990.27 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या जमिनीवर 1,899.64 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या नवीन बांधकाम केलेल्या सार्वजनिक आरोग्य केंद्राच्या इमारतीमध्ये रूग्णालय सुरू करण्यासाठी भाडेपट्टा विलेख (दस्तावेज क्र 3961/2015) निष्पादित करण्यात आला (मे 2015). या दस्तावेजांवर पूर्वी सह जिल्हा निबंधक, ठाणे शहर द्वारे निर्णय आदेश क्रमांक Adj/190/15/5297-98/15 दिनांक 06/05/2015 मार्फत अभिनिर्णय घेण्यात आला होता. विभागाद्वारे मालमत्तेचे बाजारमूल्य ₹ 17.54 कोटी इतके ठरविण्यात आले आणि मालमत्तेच्या बाजारमूल्याच्या 25 टक्क्यांवर ₹ 21.93 लाख इतके मुद्रांक शुल्क वसूल केले. विभागाद्वारे ज्याच्या आधारे मालमत्तेचे मूल्यांकन करण्यात आले त्या परिगणनेचा तपशील अभिलेखात उपलब्ध नव्हता. दस्तावेजात ₹ 15.00 लाख मोबदला नमूद केला होता.

दस्तावेजांच्या पडताळणीत निदर्शनास आले (फेब्रुवारी 2017) की दस्तावेजांच्या खंड 1 नुसार भाडेपट्ट्याचा प्रारंभिक कालावधी 10 वर्षांसाठी होता. तथापि खंड क्र. 24 मध्ये

¹⁴¹ श्रीमती सोनपत्ती देवी मेमोरिअल मेडिकल ट्रस्ट, नवी मुंबई.

¹⁴² वेलकेअर हेल्थ सर्विसेस, नवी मुंबई.

असे नमूद केले आहे की “या भाडेपट्टा विलेखाची मुदत संपल्यानंतर दोन्ही पक्ष परस्पर संमतीने या भाडेपट्टा विलेखाची मुदत आणखी दहा वर्षांसाठी वाढविण्यास सहमत आहेत.” अशा प्रकारे, एकूण भाडेपट्टा कालावधी 20 वर्षांचा झाला. मुद्रांक शुल्काची आकारणी करतांना विभागाद्वारे ही बाब गृहित धरण्यात आली नाही.

विभागाद्वारे वसूल करण्यात आलेल्या ₹ 21.93 लाख रकमेच्या तुलनेत लेखापरीक्षेने विभागाद्वारे ठरविण्यात आलेले ₹ 17.54 कोटीचे बाजार मूल्य गृहित धरून पाच टक्के दराने बाजार मूल्याच्या 50 टक्क्यांवर ₹ 43.85 लाख आकारणीयोग्य मुद्रांक शुल्क परिगणित केले. परिणामी, ₹ 21.93 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी वसुली झाली (परिशिष्ट 2.10.5).

ऑक्टोबर 2020 मध्ये निदर्शनास आणून दिल्यावर नोंदणी महानिरीक्षक यांनी उत्तरादाखल सांगितले (जानेवारी 2021) की ही बाब महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या कलम 53A अंतर्गत विचाराधीन आहे आणि त्याबाबत अंतिम निर्णय झाल्यावर योग्य कारवाई करण्यात येईल.

ही बाब जुलै 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली. त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.10.6 महाराष्ट्र शासन महसूल व वन विभागाच्या ठरावानुसार (मे 2006) भोगवटा किंवा भाडेतत्वावर जमिनीचे वाटप करण्यासाठी आणि सर्व प्रकरणांमध्ये जेथे सरकारी जमिनीचे मूल्यांकन करायचे आहे, सरकारी जमिनीचा आदेश ज्या तारखेला पारित झाला किंवा मूल्यांकनाचा समावेश असलेले इतर आदेश पारित केले गेले त्या तारखेनुसार अशा जमिनीचे मूल्यांकन वार्षिक दर विवरणामध्ये विहित केलेल्या दरांनुसार केले जावे.

सह दुय्यम निबंधक-1, नागपूर यांच्या कार्यालयाच्या दस्तावेजांच्या (दस्तावेज क्र. 2978/2018, 3992/2018, 4753/2018, 3905/2018, 2465/2018, 5070/2018, 2468/2018, 4382/2018 आणि 3722/2018) पडताळणीत निदर्शनास आले (जुलै 2019) की नागपूर जिल्ह्यातील नगरपालिका अंतर्गत/नझूल¹⁴³ भूखंडाच्या भाडेपट्ट्याच्या नूतनीकरणाच्या

¹⁴³ स्वातंत्र्यापूर्वी, मध्य प्रांत आणि बेरार शासनाच्या आधी आणि महाराष्ट्र राज्याच्या निर्मिती पूर्वी (महाराष्ट्र राज्य मे 1960 मध्ये निर्मित झाले) महाराष्ट्रातील विदर्भ क्षेत्रामधील नझूलच्या जमिनी निवासी, व्यावसायिक, शैक्षणिक आणि धर्मादाय प्रयोजनाकरीता काही अटी व शर्तीवर लोकांना मध्य प्रदेश शासनाद्वारे वाटप करण्यात आल्या. नझूलच्या जमिनी म्हणजे कोणत्याही प्रकारची शासनाची जमीन अकृषिक प्रयोजनाकरीता जसे इमारत, बाजार, खेळाचे मैदान किंवा इतर लोक प्रयोजनाकरीता किंवा नझूल जमिनी म्हणजे ज्यांचा वापर भविष्यात संभाव्य दीर्घ अथवा अल्प मुदतीच्या भोडपट्ट्यावर दिल्या जाणाऱ्या जमिनी आहेत. (स्रोत: 31 मार्च 2017 रोजी सपलेल्या वर्षाकरीता महसूल विभागाचा लेखापरीक्षा अहवाल परिच्छेद 4.4).

नऊ प्रकरणांचा बांधकामाच्या प्रयोजनासाठी भाडेपट्टेदार¹⁴⁴ आणि भाडेपट्टाकार¹⁴⁵ यांच्यात करार निष्पादित करण्यात आला. विभागाने मालमत्तेचे बाजारमूल्य ₹ 1.52 कोटी परिगणित केले आणि मोबदला निरंक दर्शविण्यात आला. या नऊ प्रकरणांत विभागाने ₹ 7.56 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल केले. विभागाद्वारे ज्याच्या आधारे मालमत्तेचे मूल्यांकन करण्यात आले त्या परिगणनेचा तपशील अभिलेखावर उपलब्ध नव्हता.

लेखापरीक्षाच्या निदर्शनास आले की वरील सर्व प्रकरणांत भाडेपट्ट्याचा कालावधी 30 वर्षे होता. त्यामुळे मालमत्तेच्या बाजार मूल्याच्या 90 टक्के रकमेवर मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य होते. संबंधित वार्षिक दर विवरणानुसार लेखापरीक्षेने मालमत्तेचे बाजार मूल्य ₹ 90.50 कोटी परिगणित केले. म्हणून, विभागाद्वारे वसूल करण्यात आलेल्या ₹ 7.56 लाख रकमेच्या तुलनेत मालमत्तेच्या बाजार मूल्याच्या 90 टक्के रकमेवर पाच टक्के दराने ₹ 4.07 कोटी मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य होते. परिणामी, ₹ 4.00 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.10.6**).

ही बाब जुलै 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणून देण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.11 मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

2.11.1 विकसन करारनामा - उत्पन्न विभागणी

महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या अनुसूची-1 च्या अनुच्छेद 5(g-a) अनुसार संलेख जर कोणत्याही स्थावर मालमत्तेवरील बांधकाम, तिचा विकास किंवा तिची विक्री किंवा तिचे हस्तांतरण (मग ते कोणत्याही स्वरूपाचे असो) यासाठी प्रवर्तक किंवा विकासक, मग तो कोणत्याही नावाने संबोधण्यात येत असो, यास प्राधिकार किंवा अधिकार देण्यासंबंधात असेल तर, अनुच्छेद 25 च्या खंड (a), (b) किंवा यथास्थिती (c) अंतर्गत अभिहस्तांतरणावर आकारणीयोग्य असलेल्या शुल्काइतके शुल्क मालमत्तेच्या बाजार मूल्यावर अकारावयास पाहिजे. तसेच, वार्षिक दर विवरणाच्या मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्र. 33 नुसार, उत्पन्न विभागणीकरिता विक्री उत्पन्न संबंधित विकास कराराचे मूल्यांकन (अ) मालकाच्या हिश्याचे मोबदला मूल्य - त्याच्या अनुज्ञेय वापरकर्त्याचा विचार करून विक्री दराच्या संबंधात जमीन मालकाच्या हिश्याचे वर्तमान मूल्य $x 0.85 +$ रोख किंवा त्याप्रकारचा मोबदला म्हणजे सुरक्षा ठेवीवरील व्याज इत्यादि (ब) वार्षिक दर विवरणाच्या जमीन दरानुसार संपूर्ण जमीन क्षेत्राचे बाजार मूल्य (अ) किंवा (ब) यापैकी जे अधिक असेल, त्यानुसार करावयास पाहिजे.

¹⁴⁴ संबंधित दस्तावेज क्रमांकामधील गणना पत्रकानुसार.

¹⁴⁵ महाराष्ट्र शासनाच्या वतीने, उपजिल्हाधिकारी, नागपूर.

तसेच, मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्र.31 नुसार जेथे विकसन करारनामा/उत्पन्न विभागणीच्या संदर्भातील संलेख नमूद करतात की हस्तांतरणीय विकास हक्क क्षेत्रासह बांधकाम क्षेत्र/उत्पन्न विभागणी करायची आहे किंवा त्यामध्ये हस्तांतरणीय विकास अधिकार वापरावयाचा आहे, अशा जमिनीसाठी वार्षिक दर विवरणातील दरावर 25 टक्के वाढीसह निश्चित केलेला दर मूल्यांकनासाठी विचारात घेतला पाहिजे.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की उत्पन्न विभागणी विकसन करारनाम्यामध्ये वार्षिक दर विवरणाच्या लागू करण्यायोग्य तरतुदीनुसार मालमत्ता किंवा मोबदल्याचे योग्य बाजार मूल्य परिगणित न केल्यामुळे तीन प्रकरणांत (तीन घटकांमध्ये) (₹ 39.39 लाख + ₹ 55.13 लाख + ₹ 01.07 कोटी = ₹ 02.02 कोटी) रकमेच्या मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली जी खाली विस्तृतपणे मांडली आहे:

2.11.1.1 सह दुय्यम निबंधक, वर्ग-II, औरंगाबाद-V, जिल्हा औरंगाबाद कार्यालयातील दस्तावेजांच्या (दस्तावेज 8654/2015) पडताळणीत असे निदर्शनास आले (डिसेंबर 2016) की औरंगाबाद महानगर पालिकेच्या हद्दीतील 1,486.98 चौरस मीटर (डिमाइस्टड भूखंड¹⁴⁶ म्हणून संदर्भित) क्षेत्रफळाच्या हस्तांतरणीय विकास हक्कासह तालुका आणि जिल्हा औरंगाबाद येथील चिकलठाणा गावाच्या गट क्र. 701 येथे असलेल्या 3,716.71 चौरस मीटर खुल्या भूखंड क्र.2 च्या वाढीव तुकड्यासाठी मालक¹⁴⁷ आणि विकासक¹⁴⁸ यांच्या दरम्यान विकास करार निष्पादित करण्यात आला (डिसेंबर 2015). विभागाने मालमत्तेचे बाजार मूल्य ₹ 3.57 कोटी इतके परिगणित केले. विभागाद्वारे ज्याच्या आधारे मालमत्तेचे मूल्यांकन करण्यात आले त्या परिगणनेचा तपशील अभिलेखात उपलब्ध नव्हता. दस्तावेजात ₹ 3.57 कोटी मोबदला नमूद करण्यात आला आणि विभागाने ₹ 18.37 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल केले.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की दस्तावेजाच्या पृष्ठ क्रमांक 10 वर असे नमूद केले आहे की या प्रकल्पात भूखंड क्रमांक 2 वरील 3716.71 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या खुल्या जमिनीचा विकास आणि 1486.98 चौरस मीटर क्षेत्रफळाचा हस्तांतरणीय विकास हक्क समाविष्ट आहे. तसेच, दस्तावेजांच्या खंड 4 नुसार पक्षकारांनी डिमाइस्टड भूखंडावर बांधण्यात येणाऱ्या प्रकल्पाची एकूण विक्री रक्कम 48:52¹⁴⁹ या गुणोत्तरात वाटून घेण्याचे मान्य केले. या व्यतिरिक्त, विकासकाने जमीन मालकांना ₹ 1.75 कोटीची परत करण्यायोग्य सुरक्षा ठेव देखील दिली.

¹⁴⁶ येथे डिमाइस्टड भूखंडाचा संदर्भ प्लॉट क्षेत्रफळ 3,716.71 चौरस मीटर आणि हस्तांतरणीय विकास हक्क 1.486.98 चौरस मीटर असा आहे.

¹⁴⁷ श्री राजेश लक्ष्मणदास पारसवंत यांचे सुपुत्र औरंगाबाद आणि इतर तीन.

¹⁴⁸ मेसर्स सारा बिल्डर्स अँड डेव्हलपर्स, औरंगाबाद.

¹⁴⁹ मालकाचा हिस्सा 48 टक्के आणि विकासकाचा हिस्सा 52 टक्के.

लेखापरीक्षेने जमीन मालकाचा हिस्सा ₹ 6.66 कोटी आणि विकासकाचा हिस्सा (हस्तांतरणीय विकास हक्क समवेत 5,203.69 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या डिमाइंड जमिनीचे बाजार मूल्य) ₹ 11.55 कोटी परिगणित केला आणि ₹ 39.39 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी निदर्शनास आणली (सप्टेंबर 2020) (परिशिष्ट 2.11.1).

सप्टेंबर 2020 मध्ये हे निदर्शनास आणून दिल्यावर नोंदणी महानिरीक्षक यांनी ₹ 39.39 लाख रकमेबाबतचे लेखापरीक्षा निरीक्षण मान्य केले (मार्च 2021). वसुलीबाबतची पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

ही बाब मे 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.11.1.2 सह दुय्यम निबंधक वर्ग-II, अमरावती शहर-II, जिल्हा अमरावती कार्यालयाच्या दस्तावेजांच्या पडताळणीत असे निदर्शनास आले (सप्टेंबर 2019) की अमरावती महानगरपालिका हद्दीतील मौजा बडनेरा, तालुका अमरावती येथील सर्व्हे क्र. 159/1, 159/2 आणि 162 असलेल्या 14600 चौरस मीटर क्षेत्रफळ मोजमापाची जमीन आणि सर्व्हे क्र. 160 आणि 164/2 असलेल्या 4,800 चौ मी क्षेत्रफळ मोजमापाची जमीन, म्हणजे एकूण 19,400 चौरस मीटर क्षेत्रफळाच्या जमिनीच्या विकासाकरिता जमीन मालक¹⁵⁰ आणि विकासक¹⁵¹ यांच्यात सामान्य मुखत्यार पत्र (दस्तावेज क्रमांक 2586/2016) आणि संयुक्त विकास करार (दस्तावेज क्र 2587/2016) निष्पादित करण्यात आला (ऑगस्ट 2016). सामान्य मुखत्यार पत्रात विभागाने खुल्या जमिनीचा दर आकारून मालमत्तेचे बाजारमूल्य ₹ 2.28 कोटी इतके परिगणित केले आणि मोबदला ₹ 2.28 कोटी दर्शविला व ₹ 11.41 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल केले.

संयुक्त विकास कराराच्या कलम 4(i) नुसार जमीन मालक पूर्णपणे मूळ चटई क्षेत्र निर्देशांका मधून विकसित आणि बांधकाम केलेल्या विक्रीयोग्य जागेचे वाटप आणि विक्री आणि भाडेपट्टा किंवा परवान्यांतून प्राप्त झालेल्या निव्वळ विक्री किंमतीच्या 35 टक्क्यांचा हकदार असेल. तसेच, कलम 4(iii) नुसार, जमीन मालकाच्या प्राप्ती व्यतिरिक्त उर्वरित संपूर्ण खरेदी किंमत आणि वाटप आणि विक्रीयोग्य जागेच्या विक्री मधून प्राप्त झालेला मोबदला हा विकासकाचा राहिल. तसेच संयुक्त विकास कराराच्या कलम 5 नुसार विकासक विकासाची संपूर्ण किंमत आणि जोखिम याकरिता जबाबदार असेल.

¹⁵⁰ श्री निळकंठ बापुराव कात्रे आणि इतर 3, बडनेरा, जिल्हा अमरावती.

¹⁵¹ मेसर्स राज असोसिएट्स, नागपूर.

लेखापरीक्षणाने जमीन मालकाचा हिस्सा (मोबदला) ₹ 13.31 कोटी आणि विकासकाचा हिस्सा (संपूर्ण जमिनीचे बाजार मूल्य) ₹ 3.42 कोटी परिगणित केला. अशा प्रकारे, जमीन मालकाचा हिस्सा अधिक असल्यामुळे तो बाजार मूल्य म्हणून मानला पाहिजे आणि महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या अनुच्छेद 25 अंतर्गत पाच टक्के दराने ₹ 66.5 लाख आकारणीयोग्य मुद्रांक शुल्काच्या तुलनेत विभागाने ₹ 11.41 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल केले. परिणामी, ₹ 55.13 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (परिशिष्ट 2.11.2).

सप्टेंबर 2020 मध्ये निदर्शनास आणून दिल्यावर नोंदणी महानिरीक्षकांनी लेखापरीक्षा निरीक्षण¹⁵² मान्य केले (फेब्रुवारी 2021). नोंदणी महानिरीक्षकांनी नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की ₹ 51.50 लाख रकमेची वसुली केली (ऑगस्ट 2022).

ही बाब मे 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली; त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.11.1.3 सह दुय्यम निबंध, वर्ग-II, हवेली-VIII, जिल्हा पुणे कार्यालयातील दस्तावेजांच्या (दस्तावेज क्र. 5469/2016) पडताळणीत असे निदर्शनास आले (जानेवारी 2018) की पुणे महानगर पालिकेच्या हद्दीतील येवलेवाडी गाव, तालुका हवेली येथील सर्व्हे क्रमांक 15 भाग आणि 16 भाग येथील टप्पा-02 साठी 67,272 चौरस मीटर¹⁵³ क्षेत्रफळ असलेल्या जमिनीच्या विकासासाठी जमीन मालक¹⁵⁴ आणि विकासक¹⁵⁵ यांच्यात संयुक्त विकास करार निष्पादित करण्यात आला (जून 2016). विभागाने ₹ 12.04 कोटी बाजार मूल्य परिगणित केले आणि ₹ 33.51 कोटी मोबदला दर्शविण्यात आला. विभागाने मोबदला रकमेवर ₹ 1.68 कोटी मुद्रांक शुल्क वसूल केले.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की दस्तावेजांच्या परिच्छेद A आणि B अनुसार 3,79,971 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेली जमीन "मोठी मालमत्ता" आहे आणि मोठी मालमत्ता एप्रिल 2009 मध्ये "बिगरशेती" म्हणून रूपांतरित करण्यात आली. तसेच, परिच्छेद E(ii) नुसार या मोठ्या मालमत्तेपैकी 74202.28 चौरस मीटर ची एकूण चटई

¹⁵² IGR कार्यालयाच्या परिगणनेनुसार अनुज्ञेय बांधकाम क्षेत्र 21010.71 चौरस मीटर गृहीत धरून ₹ 64.06 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली. मूळ चटई क्षेत्र निर्देशांकाऐवजी अनुज्ञेय बांधकाम क्षेत्र गृहीत धरल्याबाबतचे कारण दस्तावेजात उपलब्ध नाही.

¹⁵³ अनु क्र. 15/1 (भागा) च्या 5,372 चौ.मी., अनु क्र. 16/1/4 चे 2300 चौ.मी., अनु क्र. 16/1/8A/1 चे 6800 चौ.मी., अनु क्र. 16/1/8A/2 चे 6800 चौ.मी., अनु क्र. 16/1/8B/1 चे 10,200 चौ.मी., अनु क्र. 16/1/8B/2 चे 3400 चौ.मी., अनु क्र. 16/1/9 चे 6100 चौ.मी., अनु क्र. 16/1/10 चे 8300 चौ.मी., अनु क्र. 16/1/11 चे 3300 चौ.मी., अनु क्र. 16/1/12/2 चे 10,400 चौ.मी., आणि अनु क्र. 16/1/12/3 चे 4300 चौ.मी., एकूण- 67,272 चौ.मी.

¹⁵⁴ मेसर्स पुणे कोंढवा रिअॅलिटी प्रायव्हेट लिमिटेड, पुणे.

¹⁵⁵ मेसर्स लेक डिस्ट्रिक्ट रिअॅलिटी प्रायव्हेट लिमिटेड, पुणे.

क्षेत्र निर्देशांक उपलब्धता असलेल्या टप्पा-02 च्या विकासासाठी 67,272 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेली जमीन ही विषयवस्तु आहे. उपलब्ध चटई क्षेत्र निर्देशांकापैकी विला आणि बंगल्यासाठी सर्व्हे क्र 15/1 (भाग) येथील 5372 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या जमिनीवर 6,749.38 चौरस मीटर चटई क्षेत्र निर्देशांक उपलब्ध आहे. परिच्छेद 3.1 नुसार, प्रकल्प पूर्ण करण्यासाठी लागणारा संपूर्ण खर्च विकासकाद्वारे उचलला जाईल आणि त्याचे भुगतान केले जाईल आणि परिच्छेद 6.1 नुसार जमीन मालक, विकल्या न गेलेल्या युनिट्सच्या प्राप्तीच्या 28.2 टक्के, वाटप केलेल्या जागेच्या प्राप्तीच्या 12.9 टक्के आणि रो हाऊस आणि विलाच्या प्राप्तीच्या 43 टक्क्यांचा हक्कदार असेल.

त्यानुसार, लेखापरीक्षणाने वार्षिक दर विवरणाच्या मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्रमांक 16(c)¹⁵⁶ चा अवलंब करून ₹ 49.50 कोटी मोबदला आणि ₹ 54.97 कोटी जागेचे बाजार मूल्य परिगणित केले ज्यावर पाच टक्के दराने ₹ 2.75 कोटी मुद्रांक शुल्क आकारणी योग्य होते. तथापि, विभागाने फक्त ₹ 1.68 कोटी मुद्रांक शुल्क वसूल केले. परिणामी, ₹ 1.07 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.11.3**).

नोंदणी महानिरीक्षक कार्यालयाने मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी मान्य केली (जानेवारी 2021) आणि सूचित केले की ₹ 2.53 कोटीची कमी आकारणी परिगणित करण्यात आली. नोंदणी महानिरीक्षक यांनी सांगितले की वसुली प्रक्रिया प्रगतीत आहे.

ही बाब जुलै 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.11.2 विकसन करारनामा - बांधकाम क्षेत्राची विभागणी

महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियम अनुसूची-1 च्या अनुच्छेद 5(g-a) अनुसार संलेख जर कोणत्याही स्थावर मालमत्तेवरील बांधकाम, तिचा विकास किंवा तिची विक्री किंवा तिचे हस्तांतरण (मग ते कोणत्याही स्वरूपाचे असो) यासाठी प्रवर्तक किंवा विकासक, मग तो कोणत्याही नावाने संबोधण्यात येत असो, यास प्राधिकार किंवा अधिकार देण्यासंबंधात असेल तर, अनुच्छेद 25 च्या खंड (a), (b) किंवा यथास्थिती (c) अंतर्गत अभिहस्तांतरणावर आकारणीयोग्य असलेल्या शुल्काइतके शुल्क, हस्तांतरणाची विषयवस्तु असलेल्या, मालमत्तेचे बाजार मूल्य किंवा मोबदला यापैकी जे अधिक असेल, त्यावर अकारावयास पाहिजे. तसेच वार्षिक दर विवरणाच्या सूचना क्र 32 नुसार मालमत्तेचे बाजार मूल्य किंवा मोबदला, जे अधिक असेल, त्यावर मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य असेल, ही हस्तांतरणाची विषयवस्तु आहे, विकसन करारनाम्या संबंधात जमीन मालकाचा हिस्सा (बांधकाम केलेल्या क्षेत्राची किंमत अधिक सुरक्षा

¹⁵⁶ वार्षिक दर विवरणा अंतर्गत संबंधित अकृषक वापरकर्त्याला लागू असलेल्या 90 टक्के दरांचा विचार करून अकृषक वापरकर्ता म्हणून मूल्यांकन केलेल्या जमिनीचे/प्लॉटचे मूल्यांकन केले जाते.

ठेवीवर दहा टक्के दराने व्याज) आणि विकासकाचा हिस्सा परिगणित करून यापैकी जे अधिक असेल ते बाजार मूल्य म्हणून विचारात घेतले पाहिजे.

लेखापरीक्षणास एका विकसन करारनाम्यामध्ये मालकाचा हिस्सा आणि बाजार मूल्याच्या चुकीच्या परिगणनेमुळे ₹ 10.27 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी निदर्शनास आली, जी खाली दिल्याप्रमाणे आहे:

2.11.2.1 सह दुय्यम निबंधक, हवेली-X, जिल्हा पुणे कार्यालयातील दस्तावेजांच्या (दस्तावेज क्र.2036/2015) पडताळणीत असे निदर्शनास आले (जानेवारी 2017) की गाव किरकटवाडी (प्रभाव क्षेत्र), तालुका हवेली, जिल्हा पुणे येथील गट क्रमांक 637 वरील 3600 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या जमिनीच्या तुकड्याच्या विकासाकरिता जमीन मालक¹⁵⁷ आणि विकासक¹⁵⁸ यांच्यात विकास करार निष्पादित करण्यात आला (फेब्रुवारी 2015). विभागाने मालमत्तेचे बाजार मूल्य ₹ 42 लाख परिगणित केले आणि मोबदला ₹ 44 लाख दर्शविण्यात आला. विभागाने मोबदल्याच्या रक्कमेवर ₹ 1.76 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल केले.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की दस्तावेजांच्या परिच्छेद 4 (चार) मध्ये नमूद केल्यानुसार जमीन मालक प्रस्तावित बांधकाम क्षेत्राच्या 40 टक्के म्हणजे 18,480 चौरस फूट म्हणजे 1,717.47 चौरस मीटर जागा राखून ठेवेल. त्या व्यतिरिक्त दोन सह मालकांना प्रत्येकी बंगल्याचे 200 चौरस मीटर भूखंड मिळतील. तसेच, विकासक स्वतःच्या खर्चाने बांधकाम पूर्ण करेल. यासोबतच विकासकाने जमीन मालकास परत करण्यायोग्य ₹ 44 लाख व्याजमुक्त सुरक्षा ठेव प्रदान केली.

त्यानुसार, लेखापरीक्षणाने जमीन मालकाचा मोबदला ₹ 3.01 कोटी परिगणित केला ज्यावर चार टक्के दराने ₹ 12.03 लाख मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य होते. तथापि, विभागाने फक्त ₹ 1.76 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल केले. परिणामी, ₹ 10.27 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.11.4**).

मार्च 2021 मध्ये हे निदर्शनास आणून दिल्यावर नोंदणी महानिरीक्षकांनी सांगितले की मुद्रांक जिल्हाधिकारी, पुणे शहर यांना प्राथमिकतेने वसुली करण्याचे निर्देश देण्यात आले आहेत.

ही बाब जुलै 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली; त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

¹⁵⁷ श्री दिगंबर बी. माटे, आणि इतर 33.

¹⁵⁸ मेसर्स मंत्रा बिल्डक्राफ्ट एलएलपी, पुणे मार्फत त्यांचे भागीदार श्री विशाल एन. गुप्ता.

2.11.3 विकसन करारनामा - सोसायटीचा पुनर्विकास

महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या अनुच्छेद 5(g-a) नुसार प्रवर्तक किंवा विकासक कोणत्याही नावाने संबोधलेले असेल, त्याला देण्यात आलेल्या प्राधिकार किंवा अधिकाराशी संबंधित संलेखाच्या प्रकरणांत, कोणत्याही स्थावर संपत्तीवर बांधकामासाठी, विकासासाठी किंवा, विक्री किंवा हस्तांतरणासाठी, (कोणत्याही प्रकारे) महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या अनुच्छेद 25 च्या खंड (a) किंवा (c), यथास्थिती नुसार मालमत्तेचे बाजार मूल्य किंवा मोबदला, यापैकी जे अधिक असेल, त्यावर मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य असेल, ही हस्तांतरणाची विषयवस्तु आहे.

विकास नियंत्रण नियमावली, बृहन्मुंबई 1991 च्या नियमन 33(7) अंतर्गत परिशिष्ट-III नुसार 'अ' श्रेणी उपकर प्राप्त इमारतीच्या पुनर्विकासाच्या बाबतीत चटई क्षेत्र निर्देशांक हे एकूण भूखंड क्षेत्राच्या 3.00 असावयास पाहिजे किंवा विद्यमान भोगवटाधारकांच्या पुनर्वसनासाठी आवश्यक असलेले चटई क्षेत्र निर्देशांक अधिक प्रोत्साहन चटई क्षेत्र निर्देशांक¹⁵⁹, यापैकी जे अधिक असेल ते बांधकाम क्षेत्र अनुज्ञेय राहिल. तसेच, विकास नियंत्रण नियमावलीचे नियमन 35(4) नुसार रहिवासी, औद्योगिक आणि वाणिज्यिक विकासासाठी अनुक्रमे रेडीरेकनर नुसार 60 टक्के, 80 टक्के आणि 100 टक्के दरानुसार अधिमूल्य लागू करून, अनुज्ञेय चटई क्षेत्र निर्देशांकापेक्षा अधिक, रहिवासी विकासाकरिता 35 टक्क्यांपेक्षा अधिक नसलेला आणि औद्योगिक/वाणिज्यिक विकासाकरिता 20 टक्क्यांपेक्षा अधिक नसलेला फंजीबल चटई क्षेत्र निर्देशांक अभिप्रेत करते.

दोन प्रकरणांत (दोन घटकांमध्ये) बाजार मूल्य आणि मोबदल्याच्या चुकीच्या परिगणनेमुळे मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाल्याचे लेखापरीक्षणात निदर्शनास आले (₹ 91.43 लाख + ₹ 17.07 लाख = ₹ 1.08 कोटी) जी खालील परिच्छेदांमध्ये तपशीलवार दर्शविली आहेत.

2.11.3.1 सह दुय्यम निबंधक, मुंबई-1 कार्यालयाच्या दस्तावेजांच्या (दस्तावेज क्रमांक 7992/2015) पडताळणीत निदर्शनास आले (फेब्रुवारी 2017) की मलबार-कंबाला हिल विभागाच्या सीटीएस क्रमांक 540 च्या 56-62, A, ऑगस्ट क्रांती मार्ग येथे असलेल्या 648.83 चौरस मीटर क्षेत्रफळाच्या तळमजला अधिक वरील तीन मजल्यांच्या "हार्डिंग हाऊस" म्हणून संबोधल्या जाणाऱ्या इमारतीच्या पुनर्विकासासाठी मालक¹⁶⁰ आणि

¹⁵⁹ वार्षिक दर विवरण, 2015 (मुंबई आणि MSD) च्या मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्रमांक 2.2 सोबत संलग्न टिप्पणी (b) अनुसार अनुज्ञेय बांधकाम क्षेत्राच्या परिगणनेसाठी विकास नियंत्रण नियमावली नुसार अनुज्ञेय प्रोत्साहन चटई क्षेत्र निर्देशांक गृहीत धरण्यात यावा.

¹⁶⁰ हार्डिंग हाऊस को-ऑपरेटीव हाऊसिंग सोसायटी.

विकासक¹⁶¹ यांच्यात विकास करार निष्पादित करण्यात आला. ही मालमत्ता आणि संरचना 'अ' श्रेणी उपकर इमारत आहे.

लेखापरीक्षणाने विकास नियंत्रण नियमावलीच्या नियमन 33(7) च्या परिशिष्ट-III आणि नियमन 35(4) च्या प्रावधानानुसार मालमत्तेचे बाजार मूल्य ₹ 32.30 कोटी परिगणित केले. लेखापरीक्षेने मोबदला ₹ 19.36 कोटी परिगणित केला. विभागाने वसूल केलेल्या ₹ 70.00 लाख रकमेच्या तुलनेत मालमत्तेच्या बाजार मूल्यावर पाच टक्के दराने ₹ 1.61 कोटी मुद्रांक शुल्क आकारणी योग्य होते. परिणामी, ₹ 91.43 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.11.5**) विभागाद्वारे करण्यात आलेल्या मूल्यांकनाचे विवरण अभिलेख्यांत उपलब्ध नव्हते.

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर (फेब्रुवारी 2017) सह-दुय्यम निबंधक, मुंबई शहर-1 यांनी उत्तरादाखल सांगितले की दस्तावेज अभिनिर्णित असल्यामुळे मुद्रांक जिल्हाधिकारी, मुंबई यांचेकडून अभिप्राय प्राप्त झाल्यावर अनुपालन सादर करण्यात येईल. ही बाब नोंदणी महानिरीक्षक कार्यालयाला सूचित करण्यात आली (ऑगस्ट 2021).

उत्तरादाखल, नोंदणी महानिरीक्षकांनी सांगितले (ऑक्टोबर 2021) की ही बाब महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या खंड 53 A अंतर्गत विचाराधीन आहे आणि याबाबतीत निर्णय घेतल्यानंतरच योग्य कारवाई करण्यात येईल. याबाबतीत पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

ही बाब ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.11.3.2 सह दुय्यम-निबंधक, बोरीवली-VII, मुंबई उपनगर जिल्हा कार्यालयाच्या अभिलेख्यांच्या (दस्तावेज क्र 8840/2014) पडताळणीत निदर्शनास आले (सप्टेंबर 2015) की गाव एकसर, तालुका बोरीवली, मुंबई उपनगर जिल्हयाच्या सीटीएस क्र. 1404, 1404/1 ते 23 वरील 3359.58 चौरस मीटर क्षेत्रफळाच्या खोटे जमिनीच्या तुकड्याच्या पुनर्विकासाकरिता मालक¹⁶² आणि विकासक¹⁶³ यांच्यात विकास करार निष्पादित करण्यात आला. विभागाने मोबदला मूल्य ₹ 3.46 कोटी परिगणित केले आणि त्यावर ₹ 22.85 कोटी मुद्रांक शुल्क वसूल केले.

लेखापरीक्षणाने मालमत्तेचे बाजार मूल्य ₹ 9.96 कोटी आणि मोबदला मूल्य ₹ 20.21 कोटी परिगणित केले विभागाने वसूल केलेल्या ₹ 22.85 लाख मुद्रांक शुल्काच्या

¹⁶¹ संभवपार्श्व डेव्हलपर्स प्रायव्हेट लिमिटेड.

¹⁶² श्री सरस्वती अपार्टमेंट को-ऑपरेटिव्ह हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड.

¹⁶³ काग हायटेक-हफिङ्गी बिल्डर्स.

तुलनेत पाच टक्के दराने ₹ 1.05¹⁶⁴ कोटी मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य होते. परिणामी, ₹ 82.20 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (परिशिष्ट 2.11.6).

जुलै 2019 मध्ये मुद्रांक जिल्हाधिकारी, बोरीवली यांनी अंशतः लेखापरीक्षा निरीक्षण मान्य केले आणि सांगितले की ₹ 58.50 लाख वसूल करण्यात आले. ₹ 75.57 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी आणि ₹ 17.07 लाख प्रलंबित उर्वरित वसुलीबाबत नोंदणी महानिरीक्षकांना कळविण्यात आले (ऑगस्ट 2021).

नोंदणी महानिरीक्षकांनी लेखापरीक्षा निरीक्षण मान्य केले (डिसेंबर 2021). वसुली बाबतची पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

ही बाब ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली; त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.12 महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियम आणि वार्षिक दर विवरणाच्या चुकीच्या/लागू न केलेल्या प्रावधानांमुळे अभिहस्तांतरण पत्रामध्ये मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमांत परिकल्पित आहे की नोंदणीसाठी आणलेल्या संलेखावर मुद्रांक शुल्क आणि नोंदणी शुल्काच्या आकारणीच्या उद्देशासाठी मोबदला हा संलेखामध्ये नमूद केलेली रक्कम किंवा महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या अनुसूची-1 च्या अनुच्छेदानुसार ठरविण्यात आलेले मालमत्तेचे बाजारमूल्य किंवा त्या वर्षासाठी विहित वार्षिक दर विवरणामध्ये समाविष्ट असलेल्या सूचना आणि दर, यापैकी जे अधिक असेल, ते असते.

वार्षिक दर विवरणाच्या सूचना आणि महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या चुकीच्या/लागू न केलेल्या तरतुदींमुळे लेखापरीक्षेस दोन प्रकरणांत (दोन घटकांमध्ये) मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी (₹ 40.96 लाख + ₹ 56.06 लाख = ₹ 0.97 कोटी) निदर्शनास आली जी खाली विस्तृतपणे दर्शविली आहे:

2.12.1 वार्षिक दर विवरणाच्या मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्र.17 नुसार स्वतंत्र मूल्यांकन क्षेत्र प्रदान केले आहे अशा शहरी आणि प्रभाव क्षेत्रातील रस्त्याच्या आतील भागात स्थापित भूखंड, जे रस्त्यापासून 50 मीटर पेक्षा जास्त अंतरावर स्थापित आहेत, अशा भूखंडाचे मूल्यांकन रस्त्यासाठी लागू असलेल्या दराच्या 70 टक्के गृहित धरून करण्यात यावे.

¹⁶⁴ मोबदला मूल्यावर आकारणीयोग्य मुद्रांक शुल्क (₹ 1,01,05,122)+बँक हमी वर आकारणीयोग्य मुद्रांक शुल्क (₹ 4,00,000).

सह दुय्यम निबंधक, हवेली-II, जिल्हा पुणे कार्यालयातील अभिलेख्यांच्या (दस्तावेज क्र. 1571/2016) पडताळणीत निदर्शनास आले (ऑक्टोबर 2017) की पुणे महानगर पालिकेच्या हद्दीतील तालुका हवेली, जिल्हा पुणे येथील धानोरी गावात स्थित सर्व्हे क्रमांक 90/B वरील 40 R म्हणजे 4000 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेली जमीन, सर्व्हे क्रमांक 90/A/2 वरील एक हेक्टर 42 एकर म्हणजे 14,200 चौरस मीटर आणि सर्व्हे क्रमांक 90/A/2 वरील 61 R म्हणजे 6100 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या म्हणजे एकूण 2 हेक्टर 43 R म्हणजे 24,300 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या जमिनीसाठी विक्रेते¹⁶⁵ (प्रथम भागाची पार्टी) आणि खरेदीदार¹⁶⁶ (तृतीय भागाची पार्टी) यांच्या दरम्यान विक्री करार निष्पादित करण्यात आले (फेब्रुवारी 2016). विभागाने मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्र 16B¹⁶⁷ चा अवलंब करून मालमत्तेचे बाजार मूल्य ₹ 22.79 कोटी परिगणित केले आणि दस्तावेजात नमूद मोबदला ₹ 8.62 कोटी होता. विभागाने ₹ 15.96 कोटींवर (वार्षिक दर विवरणाच्या मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्रमांक 17 अनुसार बाजार मूल्याच्या 70 टक्के) सहा टक्के दराने (पाच टक्के मुद्रांक शुल्क आणि एक टक्का स्वायत्त संस्था कर) ₹ 95.76 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल केले.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की वर्ष 2015 च्या वार्षिक दर विवरणानुसार सर्व्हे क्रमांक 90 धानोरी गाव ते कळस मार्गावर स्थित आहे. तसेच, अभिहस्तांतरणाच्या अनुसूची A नुसार ही मालमत्ता पश्चिम बाजूने विकास आराखडा मार्ग/कळस गावाची सीमा आणि पूर्वेकडून सर्व्हे क्र. 90 च्या उर्वरित भागाने वेढलेली आहे. प्रस्तावित प्रारूप प्रादेशिक योजना (1990-2011)¹⁶⁸ देखील याबाबत पुष्टी करते की मालमत्ता रस्त्यावर स्थापित आहे. अशाप्रकारे, मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व क्र 17 चा अवलंब करून वार्षिक दर विवरणाच्या 70 टक्के दराने मालमत्तेचे मूल्यांकन बरोबर नाही.

मालमत्तेच्या खऱ्या बाजार मूल्यावर विभागाद्वारे वसूल करण्यात आलेल्या ₹ 95.76 लाख मुद्रांक शुल्काच्या तुलनेत लेखापरीक्षणाने ₹ 1.37 कोटी मुद्रांक शुल्क परिगणित केले. परिणामी, ₹ 40.96 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (परिशिष्ट 2.12.1).

ऑक्टोबर 2020 मध्ये निदर्शनास आणून दिल्यावर नोंदणी महानिरीक्षकांनी लेखापरीक्षा निरीक्षण मान्य केले (ऑगस्ट 2021). नोंदणी महानिरीक्षकांनी सांगितले की मुद्रांक

¹⁶⁵ श्री बाबू राव नवलु देवकर, पुणे आणि इतर 13.

¹⁶⁶ मेसर्स लुंकड रिऑलिटी, पुणे मार्फत त्याचे भागीदार श्रीमती पुष्पा कांतिलाल लुंकड आणि इतर दोन.

¹⁶⁷ मूल्यांकन मार्गदर्शक तत्व 16(b) अनुसार उजाड जमिनीच्या वर्गवारीत येणाऱ्या एकत्रित क्षेत्राचे मूल्यांकन तक्त्यामध्ये दिलेल्या स्लॅब्स नुसार केले जाईल.

¹⁶⁸ विकास योजना विभाग, पुणे महानगर पालिके द्वारे निर्गमित.

नियंत्रक, पुणे शहर यांना प्राथमिकतेने वसुली करण्याचे निर्देश देण्यात आले आहेत. वसुली बाबतची पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

ही बाब जुलै 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.12.2 महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या खंड 14 A नुसार जर एखाद्या पक्षाने संलेखामध्ये केलेल्या भौतिक बदलांमुळे, इतर पक्षांच्या संमतीने किंवा त्याशिवाय, संलेखाचे स्वरूप भौतिकदृष्ट्या किंवा लक्षणीय बदलले असेल, तर अशा संलेखाला त्याच्या बदललेल्या स्वरूपानुसार नवीन स्टॅम्प पेपरची आवश्यकता असेल.

सह दुय्यम निबंधक, अंधेरी-1 कार्यालयाच्या अभिलेख्यांच्या (दस्तावेज क्र.9353/2018) पडताळणीत असे निदर्शनास आले (जानेवारी 2020) की विले पार्ले (पश्चिम), तालुका अंधेरी, मुंबई उपनगर जिल्ह्यात स्थित सीटीएस क्रमांक 434, 435, 435/1 च्या 3922 चौरस मीटर पासून 4,934.80 चौरस मीटर पर्यंतच्या जमिनीच्या क्षेत्राच्या दुरुस्तीकरिता जून 2005 मध्ये निष्पादित करण्यात आलेल्या अभिहस्तांतरण पत्राकरिता विक्रेता¹⁶⁹ आणि खरेदीदार¹⁷⁰ यांच्यात सुधारणा करार निष्पादित करण्यात आला (जुलै 2018). नगर रचना कार्यालयाकडून प्राप्त झालेल्या मूल्यांकन अहवालाच्या आधारावर विभागाने मालमत्तेचे बाजारमूल्य ₹ 4.69 कोटी इतके गृहित धरले आणि ₹ 23.45 लाख मुद्रांक शुल्काची वसुली केली.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की जून 2005 मध्ये निष्पादित करण्यात आलेल्या अभिहस्तांतरण कराराच्या वेळी संपूर्ण जमिनीचे मालमत्ता कार्ड्स उपलब्ध नव्हते. परिणामी, मालमत्ता कार्ड्स उपलब्ध असलेल्या आणि त्यावर योग्य मुद्रांक शुल्काचा भरणा केलेल्या सीटीएस क्र. 435, 435/1 ते 24 वर स्थित 3,922 चौरस मीटर क्षेत्रफळाच्या जमिनीसाठी अभिहस्तांतरण करार (दस्तावेज क्र 6299/2005) निष्पादित करण्यात आला. आता संपूर्ण जमिनीचे मालमत्ता कार्ड्स आढळले आहेत आणि या मालमत्ता कार्ड्स वरील नोंदणीनुसार आता जमिनीच्या क्षेत्रफळात 3,922 चौरस मीटर ऐवजी 4,934.80 चौरस मीटर अशी दुरुस्ती करण्यात आली आहे. परिणामी, तेथे 1,012.80 चौरस मीटर (4,934.80 चौरस मीटर - 3,922.00 चौरस मीटर) क्षेत्रफळाचा फरक होता ज्याकरिता दुरुस्ती करार निष्पादित करण्यात आला आणि 1,012.80 चौरस मीटर क्षेत्रफळाच्या जमिनीवर मुद्रांक शुल्काची आकारणी करण्यात आली.

दिनांक 31 मार्च 2018 च्या नोंदणी महानिरीक्षक आणि मुद्रांक नियंत्रकांच्या परिपत्रकानुसार वर्ष 2017-18 चे वार्षिक दर विवरणाचे दर लागू होते आणि वर्ष

¹⁶⁹ श्री इग्नाटीस फ्रांसिस गोन्सालाविस आणि इतर सात, मुंबई.

¹⁷⁰ मेसर्स अमुम बिल्डर्स मार्फत त्यांचे भागीदार श्री मुकेश निशार, मुंबई.

2018-19 साठी सुद्धा तेच दर कायम होते. त्यानुसार, लेखापरीक्षेने 2017-18 च्या दरानुसार जमिनीच्या विभेदक क्षेत्राचे बाजार मूल्य ₹ 15.90 कोटी इतके परिगणित केले आणि त्यावर पाच टक्के दराने ₹ 79.50 लाख मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य होते. तथापि, विभागाने फक्त ₹ 23.44 लाख मुद्रांक शुल्क वसूल केले. परिणामी, ₹ 56.06 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.12.2**).

डिसेंबर 2020 मध्ये निदर्शनास आणून दिल्यावर नोंदणी महानिरीक्षक कार्यालयाने सांगितले (जुलै 2021) की ही बाब महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या कलम 53 A अंतर्गत विचाराधीन आहे आणि या बाबतीत निर्णय घेतल्यानंतर योग्य ती कारवाई करण्यात येईल. या बाबतीतील पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

ही बाब जुलै 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

2.13 एका संलेखात भिन्न बाबींचा विचार न करणे आणि गहाण खताचे एकत्रीकरण यामुळे मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियम 1958 (अधिनियम) च्या खंड 5 नुसार अनेक भिन्न बाबींचा समावेश असलेले किंवा संबंधित असलेला कोणताही संलेख शुल्काच्या एकूण रकमेसह आकारला जाईल, ज्याकरिता स्वतंत्र संलेख, ज्यामध्ये अशा बाबींपैकी एकाचा समावेश असेल किंवा संबंधित असेल, या अधिनियमांतर्गत आकारणीय असेल. तसेच, महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या अनुसूची-1 च्या अनुच्छेद 40 च्या खंड (b) नुसार “[डिपॉझिट ऑफ टायटल डीड्स, पॉन किंवा प्लेज किंवा गहाण (अनुच्छेद 6)], बॉटमरी बॉण्ड (अनुच्छेद 14) मॉर्ट्गेज ऑफ क्रॉप (अनुच्छेद 41) प्रतिसादक बॉण्ड (अनुच्छेद 53) किंवा प्रतिभूति बंधपत्र किंवा गहाण खताशी (अनुच्छेद 54) संबंधित करार नसतांना गहाण खताचे संलेख”, जेव्हा ताबा दिला जात नाही किंवा देण्याचे मान्य केले जाते या संलेखाद्वारे संरक्षित केलेल्या रकमेसाठी प्रत्येक एक हजार किंवा त्याच्या भागासाठी ₹ पाच दराने किमान ₹ शंभर आणि जास्तीत जास्त ₹ दहा लाख शुल्क आकारणीयोग्य आहे.

मुद्रांक जिल्हाधिकारी अंधेरी, मुंबई उपनगर जिल्हयाच्या दस्तावेजांच्या पडताळणीत निदर्शनास आले (मे 2019) की चार¹⁷¹ विविध करारांमार्फत ₹ 625 कोटी ऋणाची एकूण रक्कम सुरक्षित ठेवण्यासाठी गहाण देणारा¹⁷² आणि गहाण ठेवणारा¹⁷³ यांच्या

¹⁷¹ (1) ₹ 145 कोटी दिनांक 28 फेब्रुवारी 2018, (2) ₹ 200 कोटी दिनांक 22 डिसेंबर 2017, (3) ₹ 160 कोटी दिनांक 26 जून 2018 आणि (4) ₹ 120 कोटी दिनांक 12 सप्टेंबर 2018, एकूण ₹ 625 कोटी

¹⁷² मेसर्स नीपा रिअल इस्टेट्स प्रायव्हेट लिमिटेड, मुंबई.

¹⁷³ मेसर्स इंडिया बुल्स हाऊसिंग फायनान्स लिमिटेड, नवी दिल्ली.

दरम्यान निष्पादित न केलेले गहाण खत निर्णय केस क्र.ADJ/1100900/1108/2018 दिनांक 11.10.2018 मार्फत अभिनिर्णित केले आणि ₹ 10,01,100 (अनुच्छेद 40(b) च्या खंड 6 अंतर्गत दहा लाख आणि 48 (d), 5(b)B आणि 35 अंतर्गत ₹ 1100) वसूल केले.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की दोन विभिन्न कंपन्यांसाठी¹⁷⁴ वेगवेगळ्या तारखांना¹⁷⁵ मंजूर करण्यात आलेल्या ऋण कराराचे चार वेगळे संलेख आहेत. तसेच, व्याजाचे निरनिराळे दर असलेल्या चार विविध मंजूरी पत्रांद्वारे कर्ज मंजूर करण्यात आले आहे. तात्काळ गहाण ठेवीमध्ये चार वेगळ्या बाबींचा विचार केला गेला असल्यामुळे मुद्रांक शुल्काच्या आकारणीसाठी दहा लाखांच्या कमाल मर्यादेचा लाभ देणारे अनुच्छेद 40 (b) (खंड 6 वाचा), 48(d), 5h(B) आणि 35 चा अवलंब चुकीचा आहे आणि तो महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या खंड 5 च्या प्रावधानांच्या विरुद्ध आहे. परिणामी, ₹ 30 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.13.1**).

सप्टेंबर 2020 मध्ये निदर्शनास आणून दिल्यावर उत्तरादाखल नोंदणी महानिरीक्षक कार्यालयाने सांगितले की खंड 53A अंतर्गतच्या ठरावानुसार ₹ 40 लाख मुद्रांक शुल्क आणि ₹ 32 लाख शास्तीच्या वसुलीचे आदेश देण्यात आले आहेत. वसुलीबाबतची पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

ही बाब जुलै 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली, त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित होते (ऑगस्ट 2022).

2.14 हक्क सोड विलेखावर मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियम, 1958 (अधिनियम) च्या अनुसूची-1 च्या अनुच्छेद 52(b) नुसार सोडलेला हिस्सा, व्याज, भाग किंवा दाव्याच्या बाजार मूल्यावर, अनुच्छेद 25 च्या खंड (a), (b) [किंवा यथास्थिती (c)] अंतर्गत अभिहस्तांतरणावर आकारणीयोग्य असलेले मुद्रांक शुल्क हक्क सोड विलेखावर आकारणीयोग्य आहे. तसेच, अधिनियमाच्या कलम 2(na) अंतर्गतच्या व्याख्येनुसार एखादया संलेखाची विषयवस्तु असणाऱ्या मालमत्तेच्या संदर्भातील “बाजार मूल्य” याचा अर्थ असा संलेख ज्या तारखेस निष्पादित करण्यात आला असेल त्या तारखेस ती मालमत्ता खुल्या बाजारात विकली असता जी किंमत आली असती, ती किंमत किंवा संलेखात नमूद करण्यात आलेली मोबदल्याची रक्कम, यापैकी जी अधिक असेल ती, असा आहे. तसेच, अभिहस्तांतरण/विक्रीच्या वेळी भाडेकरूसह असलेल्या जुन्या मालमत्तेच्या मूल्यांकनासाठी देण्यात आलेल्या वार्षिक दर विवरणाच्या मूल्यांकन मार्गदर्शक क्रमांक 1 अंतर्गत उदाहरण 2 नुसार

¹⁷⁴ मेसर्स शेठ क्रिएटर्स प्रायव्हेट लिमिटेड आणि मेसर्स नीपा रिअल इस्टेट्स प्रायव्हेट लिमिटेड.

¹⁷⁵ 21 फेब्रुवारी 2018, 15 डिसेंबर 2017, 20 जून 2018 आणि 10 सप्टेंबर 2018.

जर भाडेकरूने व्यापलेले एकूण क्षेत्र स्वीकृत चटई क्षेत्र निर्देशांकानुसार एकूण मान्य करण्यायोग्य क्षेत्रापेक्षा कमी असेल तर

म्हणजेच, जर $Z < XY$ तर बाजार मूल्य खालीलप्रमाणे राहिल¹⁷⁶

= $112B + [(XY - Z - H) \times (\text{वार्षिक दर विवरणानुसार जमिनीचा दर})] + (H \times \text{मालमत्तेचे वय आणि वापर यानुसार घटलेले मूल्य})$

सह दुय्यम निबंधक, मुंबई शहर-1 कार्यालयाच्या अभिलेख्यांच्या (दस्तावेज क्र 13461/2015) पडताळणीत असे निदर्शनास आले की “प्रथम हक्क सोडणारा”¹⁷⁷ आणि पुष्टी करणारा पक्ष/द्वितीय हक्क सोडणारा¹⁷⁸ आणि “प्राप्तकर्ता (Releasee)”¹⁷⁹ यांच्या दरम्यान हक्क सोड विलेख निष्पादित करण्यात आले (डिसेंबर 2015). (i) 2170.58 चौरस मीटर (हस्तांतरण पत्र दिनांक 8 जुलै 2002 नुसार) आणि 1781.79 चौरस मीटर (शहर आणि मुंबई बेटासाठी असलेल्या सर्वेक्षण रजिस्टर नुसार) क्षेत्रफळ असलेल्या कुलाबा विभागाच्या कॅडेस्ट्रल सर्व्हे क्रमांक 64 असलेल्या वार्ड क्रमांक A 206, (1,1A) मार्ग क्रमांक 147 आणि 5 आणि 7A कोलाबा मार्ग, ससून डॉक, कोलाबा मार्ग आणि तसेच (ii) 388.80 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या मार्ग क्र 147 वार्ड “ए” मधील कॅडेस्ट्रल सर्वेक्षण क्र 1/64 असलेला जमिनीचा पट्टा यांच्या जंक्शनवर स्थित दीर्घ मुदतीसाठी भाड्याने घेतलेल्या जमिनीच्या अशा सर्व तुकड्यांच्या संदर्भात हक्क सोडणारा “प्राप्तकर्त्या” च्या बाजूने प्रथम रिलीजकर्त्याच्या “प्रथम हक्क सोडणारा” च्या 30 टक्के व्याजाच्या मुक्ततेसाठी हक्कसोड विलेख आहे. वरील संपूर्ण मालमत्तेवर वर्ष 1931 पूर्वी बांधण्यात आलेल्या संरचनेचे एकूण बांधकाम केलेले क्षेत्र 2,504.22 चौरस मीटर (बांधकाम केलेले क्षेत्र) आहे त्यापैकी 423.60 चौरस मीटर (बांधकाम केलेले क्षेत्र) वाणिज्यिक प्रयोजनासाठी आणि 2,080.62 चौरस मीटर (बांधकाम केलेले क्षेत्र) रहिवासी प्रयोजनासाठी वापरण्यात येत आहे. हक्क सोडणारा आणि प्राप्तकर्ता हे भूखंडाचे शाश्वत भाडेपट्टाधारक आहेत. विभागाने रिलीजकर्त्याच्या 30 टक्के भागाचे बाजार मूल्य ₹ 39.32 कोटी आणि मोबदला मूल्य ₹ 3.70 कोटी इतके परिगणित केले आणि मालमत्तेच्या बाजार मूल्याच्या पाच टक्के दराने ₹ 1.97 कोटी मुद्रांक शुल्क

¹⁷⁶ जिथे 1. एकूण जमिनीचे क्षेत्रफळ= X चौरस मीटर्स, 2. अनुज्ञेय चटई क्षेत्र निर्देशांक= Y, 3. या प्लॉटसाठी एकूण परवानगीयोग्य क्षेत्रफळ=(X)×(Y)=XY चौरस मीटर्स, 4. भाडेकरूद्वारे व्यापलेले एकूण क्षेत्रफळ=Z चौरस मीटर्स, 5. जमीन मालकाद्वारे व्यापलेले एकूण क्षेत्रफळ=H चौरस मीटर्स, 6. सर्व भाडेकरूंकडून एकूण मासिक भाडे = ₹ B.

¹⁷⁷ श्री सायरस सोली नल्लासेठ.

¹⁷⁸ श्री सोराब फळी मेहता.

¹⁷⁹ डॉक्टर कैकी आर. मेहता.

आकारले. विभागाद्वारे करण्यात आलेल्या मालमत्तेच्या मूल्यांकनाचे विवरण दस्तावेजांत उपलब्ध नाही.

लेखापरीक्षेने वार्षिक दर विवरणच्या मार्गदर्शक तत्व क्र.1 चा अवलंब करून मालमत्तेच्या बाजार मूल्याच्या 30 टक्के ₹ 43.94 कोटी आणि मोबदला मूल्य ₹ 3.70 कोटी इतके परिगणित केले. अशा प्रकारे, विभागाद्वारे आकारण्यात आलेल्या ₹ 1.97 कोटीच्या तुलनेत बाजार मूल्यावर पाच टक्के दराने ₹ 2.20 कोटी मुद्रांक शुल्क आकारणीयोग्य होते. परिणामी ₹ 23.12 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी झाली (**परिशिष्ट 2.14.1**).

हे निदर्शनास आणून दिल्यावर उत्तरादाखल सह-दुय्यम निबंधक, मुंबई शहर-1 यांनी सांगितले (फेब्रुवारी 2017) की दस्तावेज मुद्रांक जिल्हाधिकारी, मुंबई यांच्याद्वारे अभिनिर्णित केल्यामुळे त्या कार्यालयाद्वारे टिप्पणी प्राप्त झाल्यावर अनुपालन सादर करण्यात येईल. ही बाब नोंदणी महानिरीक्षक कार्यालयाला सूचित करण्यात आली (ऑगस्ट आणि ऑक्टोबर 2021). उत्तरादाखल नोंदणी महानिरीक्षकांनी सांगितले (नोव्हेंबर 2021) की ही बाब महाराष्ट्र मुद्रांक अधिनियमाच्या कलम 53A अंतर्गत विचाराधीन आहे आणि त्याबाबत निर्णय घेण्यात आल्यावर योग्य ती कारवाई करण्यात येईल. पुढील प्रगती प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

ही बाब ऑक्टोबर 2021 मध्ये शासनाच्या निदर्शनास आणण्यात आली. त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

प्रकरण III

व्यवहारांचे लेखापरीक्षण
राज्य सार्वजनिक उपक्रम

प्रकरण III

व्यवहारांचे लेखापरीक्षण: सार्वजनिक उपक्रम

शासकीय विभागांच्या सार्वजनिक उपक्रमांच्या व्यवहारांच्या लेखापरीक्षणात संसाधनांच्या व्यवस्थापनातील त्रुटी आणि नियमितता, औचित्य व मितव्ययता या बाबतीत मानदंडांचे पालन करण्यात अपयश आल्याची उदाहरणे निदर्शनास आली आहेत.

ऊर्जा विभाग

महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित

3.1 महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादितच्या उज्वल डिस्कॉम अॅश्युरन्स योजनेच्या (उदय) पूर्वीची आणि नंतरची कामगिरी

महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित (महावितरण) ला उज्वल डिस्कॉम अॅश्युरन्स योजनेंतर्गत, त्यांच्या जास्त किंमतीच्या कर्जाची परतफेड करण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाकडून ₹ 4,960 कोटी रक्कम मिळाली असली तरी विविध कार्यचालनात्मक मापदंड साध्य करण्यासाठी त्यांना इतर कोणताही समर्पित निधी मिळाला नाही. परिणामी, महावितरणला त्यांच्या स्वतःच्या संसाधनांद्वारे किंवा इतर केंद्रीय/राज्य योजनांतर्गत कार्यचालनात्मक मापदंड सुधारणे भाग पडले. महावितरणने (मार्च 2017) ₹ 1,653 कोटींची बंधपत्रे उभारण्याच्या हमीसाठी महाराष्ट्र शासनाकडे संपर्क साधला. परंतु महाराष्ट्र शासनाने निधी उभारण्यासाठी महावितरणला हमी देण्यास सहमती नाकारली. महावितरणची थकबाकी जलद गतीने भरून काढण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाकडून कोणतीही दृढ वचनबद्धता नव्हती. एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा इच्छित पातळीवर खाली आणण्याचे उद्दिष्ट महावितरणला साध्य करता आले नाही. याउलट तो 2018-19 मधील 16.94 टक्क्यांवरून 2020-21 मध्ये 20.73 टक्के इतका वाढला. अशाप्रकारे, उदय योजना राबवूनही महावितरणचे वित्तीय आणि कार्यचालनात्मक प्रत्यावर्तन प्राप्त करण्याचे मुख्य उद्दिष्ट साध्य झाले नाही.

3.1.1 प्रस्तावना

वीज क्षेत्रातील सुधारणांचा एक भाग म्हणून तत्कालीन महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडळात महावितरणचा समावेश (जून 2005) करण्यात आला. बृहन्मुंबई आणि काही उपनगरी भाग वगळता महाराष्ट्र राज्यासाठी वीज वितरण परवानाधारक म्हणून महावितरण आहे. महावितरणला, 2020-21 या आर्थिक वर्षात अंदाजे 2.85 कोटी ग्राहकांना केलेल्या वीज विक्रीतून ₹ 73,041.61 कोटी महसूल प्राप्त झाला.

राज्याच्या मालकीच्या डिस्कॉम्सची स्थिती सुधारण्याच्या उद्देशाने, ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकारने (नोव्हेंबर 2015) उज्वल डिस्कॉम अॅश्युरन्स योजना (उदय) सुरू केली. उदय ही सर्वांना परवडणारी आणि 'सर्वासाठी 24X7 वीज' पुरवठा साकारण्यासाठी एक सुधारणा म्हणून परिकल्पित करण्यात आली होती.

उदय योजनेत परिकल्पित केलेली मुख्य उद्दिष्टे खालील प्रमाणे होती:

- डिस्कॉम्सचे वित्तीय प्रत्यावर्तन; आणि
- डिस्कॉम्सच्या कार्यचालन कार्यक्षमतेत सुधारणा करणे.

महाराष्ट्र शासनाने उदय योजनेत सहभागी होण्यासाठी ऊर्जा मंत्रालयाला आपली तत्वतः सहमती दिली (जानेवारी 2016).

उदय योजनेत नमूद केल्याप्रमाणे¹ ऊर्जा मंत्रालय (भारत सरकार), महाराष्ट्र शासन आणि महावितरण यामध्ये त्रिपक्षीय सामंजस्य करार करण्यात आला (ऑक्टोबर 2016). सामंजस्य करारात उदय योजनेसाठी आवश्यक वित्तीय आणि कार्यचालनात्मक टप्पा गाठण्यासाठी ऊर्जा मंत्रालय, महाराष्ट्र शासन आणि महावितरण यांची दायित्वे/ वचनबद्धता नमूद केलेली आहेत.

सामंजस्य करारावर स्वाक्षरी करणाऱ्या प्रत्येक पक्षाची काही प्रमुख दायित्वे/ वचनबद्धता खाली दर्शविली आहेत:

1. ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार यांची दायित्वे/वचनबद्धता

- दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योती योजना, एकात्मिक ऊर्जा विकास योजना आणि/किंवा या योजनेत नमूद केल्यानुसार ऊर्जा मंत्रालयाच्या किंवा नवीन व अक्षय ऊर्जा मंत्रालयाच्या इतर योजनांद्वारे अतिरिक्त आणि प्राधान्य निधी मिळवण्यासाठी राज्याला सुविधा प्रदान करणे.
- कोळसा मंत्रालयामार्फत महाराष्ट्र राज्य वीज निर्मिती कंपनी मर्यादितच्या देशांतर्गत कोळसा पुरवठ्यात वाढ करणे.
- अधिसूचित किंमतीवर राज्याला कोळसा जोडणीचे वाटप करावे जेणेकरून राज्य शासन दर-आधारित बोली लावू शकेल.
- कोळसा जोडणीचे तर्कशुद्धीकरण सुनिश्चित करणे.
- कोल इंडियाकडून 100 टक्के क्रश कोळशाचा पुरवठा सुनिश्चित करणे.
- ग्रॉस कॅलरीफिक व्हॅल्यू (GCV) वर आधारित कोळशाच्या किंमती तर्कसंगत करणे.

¹ ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकारने 20 नोव्हेंबर 2015 रोजी प्रसिद्ध केलेले कार्यालय जापन.

- महाराष्ट्र राज्य वीज निर्मिती कंपनी मर्यादितची कार्यचालनात्मक कार्यक्षमता सुधारण्याकरिता हातभार लावण्यासाठी राष्ट्रीय औष्णिक विद्युत महामंडळातर्फे सुविधा प्रदान करणे.

II. महाराष्ट्र शासनाची दायित्वे/वचनबद्धता

- महाराष्ट्र शासन, 2016-17 ते 2020-21 या पाच वर्षांच्या कालावधीत मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या ₹ 4,960 कोटी ऋणाचा (30 सप्टेंबर 2015 रोजी असलेल्या ₹ 6,613 कोटींच्या मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या ऋणाच्या 75 टक्के) ताबा घेणार होते.
- महाराष्ट्र शासन हे महावितरणकडे शिल्लक राहिलेल्या 25 टक्के मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या ऋणासाठी मुद्दल आणि व्याजाची परतफेड करण्याची हमी देणार होते.
- राज्य शासनाच्या विभागांची थकबाकी डिस्कॉमला त्वरित देणे.
- महाराष्ट्र शासन 2016-17 ते 2020-21 या कालावधीत भविष्यातील नुकसान श्रेणीबद्ध पद्धतीने ताब्यात घेणार होते.

III. महावितरणची दायित्वे/वचनबद्धता

- महावितरणकडे शिल्लक असलेल्या मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या कर्जाच्या 25 टक्के, महावितरण राज्य शासनाचे हमी असलेले बंधपत्र किंवा त्यांचे बँका/वित्तीय संस्थांद्वारे कर्ज/बंधपत्रांमध्ये रूपांतरित करायचे होते ज्याचा व्याज दर हा मूळ व्याज दर अधिक 0.1 टक्के यापेक्षा जास्त नसावा.
- एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा हा आर्थिक वर्ष 2014-15 मधील 20.79 टक्क्यांवरून वित्तीय वर्ष 2018-19 पर्यंत 14.98 टक्क्यांपर्यंत कमी करणे.
- सरासरी पुरवठा खर्च आणि महसूल प्राप्ती यामधील अंतर आर्थिक वर्ष 2018-19 पर्यंत दूर करणे.
- मार्च 2018 पर्यंत भौतिक फीडर पृथक्करण साध्य करणे.
- 31 डिसेंबर 2016 पर्यंत फीडरचे मीटरिंग 100 टक्के पूर्ण करणे.
- 30 जून 2018 पर्यंत वितरण रोहित्रांचे मीटरिंग 100 टक्के करणे.
- कृषी ग्राहकांव्यतिरिक्त इतर सर्व ग्राहकांसाठी स्मार्ट मीटर बसविणे.
- 'सर्वांसाठी 24X7 वीज' दस्तावेजात नमूद केल्याप्रमाणे जोडल्या न गेलेल्या कुटुंबांना वित्तीय वर्ष 2019 पर्यंत वीज उपलब्ध करून देणे.

- घरगुती आणि इतर श्रेणीतील ग्राहकांसाठी LED पुरवून मागणी व्यवस्थापन आणि ऊर्जा कार्यक्षमतेसाठी उपाययोजना करणे.
- मार्च 2019 पर्यंत विद्यमान कृषी पंपांपैकी किमान 10 टक्के ऊर्जा कार्यक्षम पंपामध्ये बदलणे.
- दर (Tariff) याचिका वेळेवर दाखल करण्यासाठी योग्य उपाययोजना करणे.
- एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा कमी करणे आणि मीटर/बिलिंग/संकलन कार्यक्षमतेत सुधारणा करण्यासाठी प्रत्येक प्रभारी अधिकाऱ्याला मुख्य कार्यनिष्पादन निर्देशक (KPI) तयार करून देणे.
- तक्रारीचे वेळेवर निराकरण करण्यासाठी केंद्रीय ग्राहक कॉल सेंटर तयार करणे आणि बिल भरणे, इत्यादीसाठी ग्राहकांना ई-पेमेंट मार्गाची सुविधा करून देणे.

3.1.2 लेखापरीक्षाची उद्दिष्टे

पुढील बाबी तपासण्यासाठी लेखापरीक्षण करण्यात आले:

- उदय योजना आणि सामंजस्य करारामध्ये परिकल्पित केलेल्या वित्तीय मापदंडांशी संबंधित निर्देशांचे पालन केले गेले आणि डिस्कॉमच्या वित्तीय प्रत्यावर्तनाचे एकूण उद्दिष्ट साध्य झाले; व
- त्रिपक्षीय सामंजस्य करार आणि योजनेत परिकल्पित केलेल्या कार्यचालनात्मक कार्यक्षमतेची अंमलबजावणी करून लक्षित कार्यचालनात्मक सुधारणा आणि इच्छित परिणाम साध्य केले गेले आहेत.

3.1.3 लेखापरीक्षेचे निकष

लेखापरीक्षण निकष खालील स्रोतांकडून काढले गेले:

- ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकारद्वारे निर्गमित केलेले उदय योजनेचे कार्यालयीन जापन.
- ऊर्जा मंत्रालय, राज्य शासन आणि डिस्कॉम यांच्यात स्वाक्षरी झालेला सामंजस्य करार आणि परिशिष्ट.
- विद्युत कायदा, 2003 आणि महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग (विद्युत पुरवठा संहिता आणि इतर पुरवठ्याच्या अटी) विनियम, 2005 आणि महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोगाने जारी केलेल्या इतर सूचना.
- महावितरणच्या संचालक मंडळाच्या बैठकीची कार्यसूची आणि कार्यवृत्त.
- उदय अंतर्गत महावितरणचा बँकांसोबत कर्ज करार.

- ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार आणि राज्य शासन यांनी वेळोवेळी निर्गमित केलेले दिशानिर्देश/सूचना.

3.1.4 लेखापरीक्षणाची व्याप्ती आणि कार्यपद्धती

2014-15 ते 2020-21 या कालावधीसाठी उदयच्या पूर्वी व नंतरच्या अंमलबजावणीमधील महावितरणच्या परिणामकारकता आणि कार्यक्षमतेचे विश्लेषण करण्यासाठी सप्टेंबर 2020 ते ऑक्टोबर 2021 दरम्यान लेखापरीक्षण करण्यात आले. यामध्ये मुख्य कार्यालय आणि नऊ² मंडळ कार्यालये (45 पैकी) ज्यामध्ये एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा जास्त असलेल्या तसेच एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोट्यात घट झालेल्या मंडळांमधून निवड करण्यात आली होती.

उद्दिष्टे साध्य करण्यासाठी अवलंबिलेली लेखापरीक्षण व्याप्ती आणि पद्धती ऑक्टोबर 2020 मध्ये झालेल्या प्रवेश परिषदेमध्ये शीर्ष व्यवस्थापनाला समजावून सांगितली होती. त्यात मुख्य कार्यालय आणि महावितरणच्या निवडलेल्या मंडळ कार्यालयांच्या संबंधित अभिलेखांची पडताळणी/तपासणी, डेटा विश्लेषण, व्यवस्थापनाशी संवाद आणि प्राथमिक लेखापरीक्षण चौकशी महावितरणच्या व्यवस्थापनाकडे देणे यांचा समावेश होता. तसेच, उदय पूर्वी आणि नंतर जनरेटिंग युनिटची कार्यक्षमता आणि पारेषण युनिटचा तोटा तपासण्यासाठी, महाराष्ट्र राज्य वीज निर्मिती कंपनी मर्यादित आणि महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी मर्यादित यांचेकडून माहिती आणि अभिलेखे प्राप्त केले गेले.

दिनांक 20 डिसेंबर 2021 रोजी महावितरणचे अधिकारी आणि महाराष्ट्र शासनाच्या प्रतिनिधींसोबत निर्गमन परिषद आयोजित करण्यात आली. कंपनी आणि महाराष्ट्र शासन यांच्याकडून प्राप्त उत्तरांचा अहवालात योग्यरित्या समावेश करण्यात आला आहे.

लेखापरीक्षण निष्कर्ष

3.1.5 महाराष्ट्रातील उदय योजनेची अंमलबजावणी

राज्य डिस्कॉमची वित्तीय आणि परिचालनात्मक कार्यक्षमता सुधारण्याच्या उद्देशाने ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकारद्वारे उदय योजनेला मंजूरी (नोव्हेंबर 2015) देण्यात आली होती. वर म्हटल्याप्रमाणे, सामंजस्य कराराचे तिन्ही पक्ष, म्हणजेच ऊर्जा मंत्रालय (भारत सरकार), महाराष्ट्र शासन आणि महावितरण यांना काही दायित्वे/वचनबद्धता पार पाडायची होती.

² भिवंडी, बुलढाणा, नंदुरबार, पालघर (मिनी), परभणी, पेण, पुणे (ग्रामीण), सोलापूर, वाशी.

महाराष्ट्र शासनाने महावितरणच्या अधिकाऱ्यांशी झालेल्या बैठकीनंतर (डिसेंबर 2015) उदय योजनेत सहभागी होण्यासाठी महावितरणला तत्त्वतः मान्यता दिल्याचे ऊर्जा मंत्रालयाला कळविले (04 जानेवारी 2016).

प्रारंभी, महावितरणने, महाराष्ट्र शासनाला त्यांचे एकूण ₹ 22,097 कोटी ऋण (सप्टेंबर 2015 पर्यंत थकबाकी) आणि ₹ 6,597 कोटी कार्यचालनात्मक निधीची आवश्यकता (म्हणजेच एकूण ₹ 28,694 कोटी) योजनेतर्गत ताब्यात घेण्याचा प्रस्ताव दिला होता (15 जानेवारी 2016). महावितरणने कोणत्याही आर्थिक मदतीशिवाय, केवळ कार्यचालनात्मक मापदंड समाविष्ट करण्यासाठी प्रस्तावात सुधारणा केली (14 मार्च 2016). महाराष्ट्र शासनासोबतच्या आढावा बैठकीत (24 जून 2016), या योजनेच्या अंमलबजावणीची आर्थिक मापदंडांसह पुनर्तपासणी करण्याचा निर्णय घेण्यात आला. प्रारूप प्रस्ताव पुन्हा सुधारित करण्यात आला (20 सप्टेंबर 2016) आणि ₹ 22,097 कोटींच्या एकूण ऋणाच्या 75 टक्के रक्कम ताब्यात घेण्यासाठी आणि उर्वरित 25 टक्के ऋणाची पुनर्रचना शासनाच्या हमीसह बंधपत्र करण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाकडे पाठविण्यात आला.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की ₹ 22,097 कोटींच्या संपूर्ण ऋणाचा समावेश असलेल्या प्रारूप प्रस्तावाच्या तुलनेत त्रिपक्षीय सामंजस्य करारा³ मध्ये (07 ऑक्टोबर 2016) केवळ ₹ 6,613 कोटी मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या कर्जाचा समावेश होता. परिणामी, महाराष्ट्र शासनाने ₹ 6,613 कोटी मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या 75 टक्के, म्हणजेच ₹ 4,960 कोटी रक्कम ताब्यात घेऊन उर्वरित 25 टक्के (₹ 1,653 कोटी) महावितरणद्वारे राज्य हमीसह डिस्कॉम बंधपत्रे म्हणून वितरित करण्याचा निर्णय घेतला. परिणामी, महावितरणने, दीर्घ मुदतीच्या कर्जावर 9.75 ते 12.19 टक्के प्रतिवर्ष व्याज आणि खेळत्या भांडवल कर्जावरील 7.02 ते 10.15 टक्के प्रतिवर्ष व्याज उर्वरित⁴ कर्जावर देणे सुरु ठेवले.

महावितरणने लेखापरीक्षणाचे निष्कर्ष तथ्यात्मक होते हे मान्य केले (जानेवारी 2022). महाराष्ट्र शासनाने (जुलै 2022) सांगितले की 04 ऑक्टोबर 2016 रोजी झालेल्या मंत्रीमंडळाच्या बैठकीत संपूर्ण ऋणाऐवजी केवळ ₹ 6,613 कोटींची मध्यम आणि अल्प मुदतीची कर्जे ताब्यात घेण्याचा निर्णय घेण्यात आला होता.

हा निधी उभारण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाने विशेष सिक्युरिटीज जसे, 7.33 टक्क्यांची ₹ 2,000 कोटींची महाराष्ट्र शासन विशेष बंधपत्रे, 2022 आणि 7.38 टक्क्यांची ₹ 2,959.75 कोटींची महाराष्ट्र शासन विशेष बंधपत्रे, 2022 जारी केली (10 फेब्रुवारी 2017) आणि प्राप्त निधी, 13 फेब्रुवारी 2017 रोजी महावितरणला कर्ज म्हणून

³ ऊर्जा मंत्रालय, महाराष्ट्र शासन आणि महावितरणद्वारे त्रिपक्षीय सामंजस्य करार.

⁴ सप्टेंबर 2015 रोजी थकबाकी ₹ 22,097 कोटी वजा उदय अंतर्गत ₹ 6,613 कोटी = ₹ 15,484 कोटी.

हस्तांतरित करण्यात आला. त्यानंतर महाराष्ट्र शासनाने सामंजस्य करारातील वेळापत्रकानुसार ₹ 4,960 कोटी (वार्षिक ₹ 992 कोटी) कर्ज महावितरणला अनुदान म्हणून रूपांतरित केला.

3.1.6 योजनेच्या अंमलबजावणीतील कमतरता

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की, महावितरणला, त्याच्या जास्त किमतीच्या कर्जाची परतफेड करून व्याजाचा बोजा कमी करण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाकडून ₹ 4,960 कोटी प्राप्त झाले (13 फेब्रुवारी 2017). परंतु, उदयसाठी सामंजस्य करारात नमूद केल्यानुसार विविध कार्यचालनात्मक मापदंड, जसे की 100 टक्के फीडर सेग्रीगेशन, डीटी मीटरिंग इत्यादि साध्य करण्यासाठी कोणताही इतर समर्पित निधी प्राप्त झाला नाही. परिणामी, महावितरणला स्वतःच्या संसाधनांद्वारे किंवा इतर केंद्र/राज्य योजनांतर्गत निधीद्वारे कार्यचालनात्मक मापदंड सुधारणे भाग पडले.

लेखापरीक्षणात असेही निदर्शनात आले की, जरी या सामंजस्य करारामध्ये ₹ 22,097 कोटींच्या संपूर्ण ऋणाचा समावेश करण्याच्या पूर्वीच्या प्रस्तावाच्या तुलनेत केवळ ₹ 6,613 कोटी मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या कर्जाचा समावेश होता तरी सामंजस्य करारामध्ये समाविष्ट असलेले विविध कार्यचालनात्मक मापदंड साध्य करण्यासाठी निर्धारित परिमाणात्मक उद्दिष्टे तशीच राहिलीत.

उत्तरात महाराष्ट्र शासनाने सांगितले की वित्तीय प्रत्यावर्तन साध्य करण्यासाठी आणि डिस्कॉमची कार्यक्षमता सुधारण्यासाठी योजना तयार करण्यात आली होती. वित्तीय प्रत्यावर्तनाच्या अंतर्गत 30 सप्टेंबर 2015 पर्यंतचे संपूर्ण ऋण राज्य शासनाने ताब्यात घ्यायचे होते. नेमका वितरण तोटा शोधणे आणि तोटा कमी करण्यासाठी योग्य ती कारवाई करणे हे कार्यचालनात्मक मापदंडांतर्गत उद्दिष्ट संपूर्णपणे महावितरणच्या अखत्यारीत होते आणि महाराष्ट्र शासनाने ताब्यात घेतलेल्या ऋणाची रक्कम कमी केली असली तरी ते अंशतः सुद्धा कमी करू शकले नाही.

उदयच्या सामंजस्य करारांतर्गत ठरविलेल्या प्रत्येक आर्थिक आणि कार्यचालनात्मक मापदंड/दायित्वांच्या विरुद्ध महावितरणच्या उपलब्धींची चर्चा पुढील परिच्छेदांमध्ये केली आहे:

वित्तीय मापदंड

3.1.7 मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या 75 टक्के कर्जाचा ताबा घेणे

तक्ता 3.1.1 मध्ये दर्शविल्यानुसार सप्टेंबर 2015 पर्यंत, महावितरणचे एकूण थकित कर्ज ₹ 22,097 कोटी होते:

तक्ता 3.1.1: सप्टेंबर 2015 पर्यंत महावितरणचे एकूण थकित कर्ज

| अनु. क्र. | कर्जाचा प्रकार | रक्कम (₹ कोटी मध्ये) |
|-----------|--|----------------------|
| 1 | दीर्घ मुदतीचे | 13,090 |
| 2 | अल्प मुदतीचे (₹ 6,156 कोटी)/मध्यम मुदतीचे (₹ 458 कोटी) | 6,613 |
| 3 | खेळते भांडवल | 2,394 |
| | एकूण | 22,097 |

(स्रोत: महावितरणने दिलेली माहिती)

सामंजस्य करारानुसार महाराष्ट्र शासनाने ₹ 4,960 कोटी रकमेचे मध्यम आणि अल्प मुदतीचे ऋण ताब्यात घेतले (30 सप्टेंबर 2015 रोजी असलेल्या मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या कर्जाच्या 75 टक्के) आणि हा निधी उभारण्यासाठी नॉन एसएलआर बंधपत्रे (नॉन-स्टॅच्युटरी लिक्विडिटी रेशिओ बॉन्ड्स) जारी केलेत (फेब्रुवारी 2017).

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की सप्टेंबर 2015 मध्ये असलेल्या मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या ऋणाची रक्कम (₹ 4,960 कोटी) ताब्यात घेण्याचे मान्य केले असले तरी सामंजस्य करार ऑक्टोबर 2016 मध्ये करण्यात आला आणि निधी शासनाकडून महावितरणकडे प्रत्यक्षात फेब्रुवारी 2017 मध्ये हस्तांतरित करण्यात आला. या मधल्या काळात (ऑक्टोबर 2015 ते जानेवारी 2017 म्हणजे 16 महिने) महावितरणने मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या ऋणावरील व्याजासाठी ₹ 661 कोटी⁵ भरले. परिणामी, मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या ऋणाचा बोजा आधीच ₹ 5,621 कोटी इतका वाढला होता ज्याच्या तुलनेत केवळ ₹ 4,960 कोटींचा ताबा घेतला.

महावितरणने उत्तरात म्हटले की महाराष्ट्र शासनाकडून सप्टेंबर 2015 मध्ये निधी प्राप्त झाला असला तरीही कर्जाचा बोजा 7.36 टक्के वार्षिक दराने कायम राहिल.

खालील तक्ता 3.1.2 उदयच्या अंमलबजावणीच्या कालावधीत महावितरणच्या ऋणातील बदल, संचित तोटा आणि थकबाकीची स्थिती दर्शवितो.

⁵ ऑक्टोबर 2015 ते जानेवारी 2017 (16 महिने) या कालावधीसाठी व्याजाचा किमान कर्ज दर वार्षिक 10 टक्के विचारात घेता.

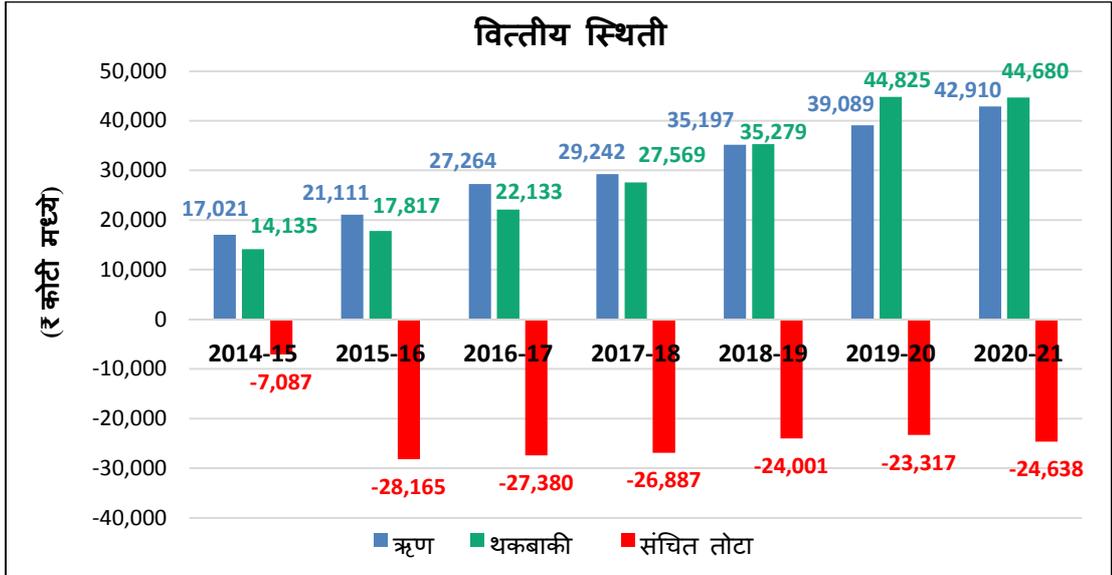
तक्ता 3.1.2: महावितरणचे वर्ष-निहाय एकूण कर्ज, संचित तोटा आणि थकबाकीची स्थिती

| अनु क्र. | वर्ष | महावितरणचे एकूण ऋण | एकूण ऋणा मध्ये टक्के बदल | संचित तोटा कोटी मध्ये | तोट्या मध्ये टक्के बदल | थकबाकी ⁶ | थकबाकी मध्ये टक्के बदल |
|----------|----------------------------|--------------------|--------------------------|-----------------------|------------------------|---------------------|------------------------|
| 1 | 2014-15 | 17,021 | - | (-) 7,087 | - | 14,135 | - |
| 2 | 2015-16 | 21,111 | 24.03 | (-) 28,165 | 297.42 ⁷ | 17,817 | 26.05 |
| 3 | 2016-17 (प्राप्त उदय निधी) | 27,264 | 29.15 | (-) 27,380 | -2.79 | 22,133 | 24.22 |
| 4 | 2017-18 | 29,242 | 7.25 | (-) 26,887 | -1.80 | 27,569 | 24.56 |
| 5 | 2018-19 | 35,197 | 20.36 | (-) 24,001 | -10.73 | 35,279 | 27.97 |
| 6 | 2019-20 | 39,089 | 11.06 | (-) 23,317 | -2.85 | 44,825 | 27.06 |
| 7 | 2020-21 | 42,910 | 9.78 | (-) 24,638 | 5.67 | 44,680 | (-) 0.32 |

(स्रोत: ही माहिती महावितरणने त्याच्या लेख्यांमधून दिली)

पुढे, असे निदर्शनास आले की मध्यम आणि अल्प मुदतीचे ऋण ताब्यात घेतल्यानंतरही महावितरणची एकंदर कर्ज स्थिती सतत बिकट होत गेली, हे खालील आलेख 3.1.1 वरून दिसून येते.

आलेख 3.1.1 : महावितरणची वित्तीय स्थिती



(स्रोत: ही माहिती महावितरणने त्याच्या लेख्यांमधून दिली)

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की महावितरणचे एकूण ऋण 2014-15 मध्ये ₹ 17,021 कोटींवरून 2020-21 मध्ये ₹ 42,910 कोटी झाले. विविध श्रेणीतील ग्राहकांकडून अत्यंत कमी संकलनामुळे महावितरणची एकूण ऋण स्थिती बिकट झाली. मार्च 2021 पर्यंत ही वीज बिलांची थकबाकी (₹ 44,680 कोटी) एकूण ऋणापेक्षा (₹ 42,910 कोटी)

⁶ सार्वजनिक जलप्रदाये, पथदिवे यांची थकबाकी आणि कायमस्वरूपी वीज पुरवठा खंडित केलेल्या ग्राहकांना वगळून.

⁷ वीज कंपन्यांच्या हस्तांतरण योजनेला अंतिम रूप दिले (मार्च 2016) याचा परिणाम, 2005 ते 2016 या कालावधीसाठी पुनर्मूल्यांकन केलेल्या मालमत्तेवर घसारा द्यावा लागला.

अधिक होती. या थकबाकीचा काही भाग वसूल केला असता तर ऋणाचा काही भाग परत करता आला असता. त्यामुळे, महाराष्ट्र शासनाने मध्यम आणि अल्प मुदतीची कर्जे स्विकारल्यानंतरही महावितरणचे वित्तीय प्रत्यावर्तन साध्य होऊ शकले नाही.

महावितरणने मान्य केले की प्रकल्पांच्या अंमलबजावणीसाठी त्यांना मध्यम मुदतीचे कर्ज तसेच दीर्घ मुदतीचे कर्ज घ्यावे लागले. शिवाय, वित्तीय वर्ष 2020-21 मध्ये, कोविड-19 महामारीमुळे महावितरणला बिल सवलत सुविधेचा अवलंब करावा लागला त्यामुळे कर्ज वाढली. शासनाने हे मान्य केले की, 2014-15 ते 2019-20 या कालावधीत थकबाकी न भरलेल्या कृषी ग्राहकांचा वीज पुरवठा खंडित न करण्याचा निर्णय घेतला होता आणि त्यामुळे सुमारे ₹ 45,000 कोटींची थकबाकी जमा झाली होती, त्यामुळे महावितरणचा कॅश फ्लो बिघडला. महाराष्ट्र शासनाने मान्य केले की ठरविल्याप्रमाणे वित्तीय प्रत्यावर्तन साध्य करणे शक्य झाले नाही.

3.1.8 राज्य शासनाच्या विभागांची थकबाकी

सामंजस्य करारानुसार, महावितरणचे वित्तीय प्रत्यावर्तन सुलभ करण्यासाठी, महाराष्ट्र शासनाने राज्य शासनाच्या विभागांची वीज पुरवठ्याची संपूर्ण थकबाकी महावितरणला त्वरित देणे आवश्यक होते.

लेखापरीक्षांच्या असे निदर्शनास आले की ऑक्टोबर 2016 मध्ये झालेल्या अंतिम सामंजस्य करारानुसार, महावितरणला शासन विभागांची थकबाकी कोणत्या विशिष्ट तारखेपर्यंत भरावी याचा उल्लेख नव्हता. अशा प्रकारे, महावितरणची थकबाकी जलदगतीने भरून काढण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाकडून कोणतीही दृढ वचनबद्धता नव्हती. परिणामी, 30 सप्टेंबर 2015 रोजी महाराष्ट्र शासनाच्या काही विभागांची⁸ ₹ 2,828.25 कोटी असलेली थकबाकी वाढून मार्च 2021 पर्यंत ₹ 8,381 कोटी झाली. परिणामी, महावितरणला खेळते भांडवल कर्जाचा अवलंब करावा लागला जे ₹ 2,735 कोटी (मार्च 2021 पर्यंत) होते, ज्यामुळे त्याची आर्थिक स्थिती आणखी ढासळली.

महावितरणने उत्तर दिले की थकबाकी भरण्यासाठी राज्य शासनाकडे सातत्याने पाठपुरावा केला जात आहे. महाराष्ट्र शासनाने संबंधित स्थानिक स्वराज्य संस्थांना महावितरणची थकबाकी प्राधान्याने भरण्याचे निर्देश दिले (जून 2021). पुढे, महाराष्ट्र शासनाने असेही निर्देश दिले की पथदिवे आणि जल प्रदायशी संबंधित महावितरणची थकबाकी वेळेवर भरण्याच्या अटीवर स्थानिक स्वराज्य संस्थांना अनुदान दिले जाईल. अशाप्रकारे, महाराष्ट्र शासनाने घेतलेल्या पुढाकारामुळे सरकारी विभागांच्या थकबाकीमध्ये आणखी वाढ होणार नाही.

⁸ सार्वजनिक जलप्रदाय आणि पथदिवे यांच्याशी संबंधित थकबाकी.

महाराष्ट्र शासनाने मान्य केले की राज्य शासनाची देयके मुख्यतः शहरी तसेच ग्रामीण स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या सार्वजनिक जलप्रदाय आणि पथदिवे जोडणीची आहेत. पुढे असे म्हटले आहे की हे सर्व विभाग महाराष्ट्र शासनांतर्गत असले तरी देयकांसाठी प्राधिकारी वेगळे असल्यामुळे महाराष्ट्र शासनाने सामंजस्य करारात विशिष्ट तारीख नमूद केलेली नाही.

महाराष्ट्र शासनाचे उत्तर मान्य नाही कारण दृढ वचनबद्धतेनुसार, महावितरणचे वित्तीय प्रत्यावर्तन सुलभ करण्यासाठी शासकीय विभागांची थकबाकी त्वरीत चुकती करणे हे महाराष्ट्र शासनाचे दायित्व होते.

शिफारस क्रमांक 1: संबंधित विभाग व स्थानिक स्वराज्य संस्थांकडून सार्वजनिक जलप्रदाय आणि पथदिव्यांची महावितरणची सर्व वीज देयके कालबद्ध पद्धतीने चुकती केली जातील याची महाराष्ट्र शासनाने खात्री करावी.

3.1.9 महावितरणच्या 25 टक्के ऋणाला कर्ज किंवा बंधपत्रांमध्ये रूपांतरित करण्याची सुविधा

सामंजस्य करारानुसार महाराष्ट्र शासन हे महावितरणद्वारे बंधपत्रे किंवा इतर योग्य यंत्रणेमार्फत उभारण्यात येणाऱ्या ₹ 1,653 कोटी (मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या कर्जाच्या ₹ 6,613 कोटींच्या 25 टक्के शिल्लक असल्याने) निधीसाठी मुद्दल आणि व्याजाच्या परतफेडीची हमी देणार होते. त्यानुसार, महाराष्ट्र शासनाने शासन निर्णय जारी केला (डिसेंबर 2016) ज्यामध्ये महावितरणद्वारे उभारण्यात येणाऱ्या ₹ 1,653 कोटींच्या बंधपत्रांची हमी देण्याचे मान्य केले होते. महावितरणने हमी शुल्काच्या माफीसह शासन निर्णयानुसार हमी मिळविण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाकडे संपर्क केला (मार्च 2017). तथापि, महाराष्ट्र शासनाने उत्तर दिले (ऑगस्ट 2018) की महावितरणने 30 सप्टेंबर 2015 रोजी शिल्लक असलेले कर्ज आधीच परत केले असल्यामुळे उर्वरित निधी उभारण्यासाठी महावितरणला हमी देणे महाराष्ट्र शासनाला शक्य नव्हते.

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की महाराष्ट्र शासनाने दोन वर्षांपर्यंतचा कालावधी असलेली केवळ मध्यम मुदतीची आणि अल्प मुदतीची कर्जे ताब्यात घेतली. सामंजस्य करारामध्ये (ऑक्टोबर 2016) 30 सप्टेंबर 2015 रोजी असलेल्या मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या कर्जाचा समावेश होता आणि ही रक्कम फेब्रुवारी 2017 मध्ये प्राप्त झाली, परंतु मध्यम मुदतीची आणि अल्प मुदतीची ही कर्जे आधीच मधल्या कालावधीत देय असल्यामुळे महावितरणद्वारे अदा केली गेली. त्यामुळे महावितरणला प्राप्त झालेली ₹ 4,960 कोटी रक्कम, ओव्हरड्राफ्ट (अंदाजे ₹ 3,500 कोटी) आणि अल्प मुदतीचे कर्ज (₹ 1,450 कोटी) द्वारे निर्माण झालेल्या खेळत्या भांडवलाच्या मागणीची परतफेड करण्यासाठी वापरले.

परिणामी, सामंजस्य करारामध्ये सहमती झाली असली तरीही उर्वरित 25 टक्के म्हणजेच ₹ 1,653 कोटींची बंधपत्रे उभारता येऊ शकली नाहीत. त्यामुळे महावितरणची आर्थिक स्थिती आणखी कमकुवत झाली.

महावितरणने मान्य केले की महाराष्ट्र शासनाने महावितरणला ₹ 1,653 कोटी शिल्लक ऋणासाठी बंधपत्रे उभारण्यासाठी हमी देण्यास नकार दिल्यामुळे महावितरणने बाजार दरानुसार निधी उभारला. महाराष्ट्र शासनाने सांगितले की फेब्रुवारी 2017 मध्ये अनुदान वितरणाच्या वेळेपर्यंत महावितरणद्वारे मध्यम आणि अल्प मुदतीच्या कर्जाची परतफेड करण्यात आली होती.

महावितरणद्वारे थकित कर्जाची परतफेड करण्यात आल्याचे कारण देत महाराष्ट्र शासनाने हमी देण्यास दिलेला नकार (ऑगस्ट 2018) हा महाराष्ट्र शासनाने स्वतः निर्गमित केलेल्या (डिसेंबर 2016) शासन निर्णयाशी सुसंगत नव्हता कारण सामंजस्य करार करतांना मध्यम आणि अल्प मुदतीची कर्जे ऑगस्ट 2017 मध्येच परिपक्व होत आहेत हे माहित होते.

कार्यचालनात्मक मापदंड

3.1.10 फीडर आणि वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटरिंग

वितरण ट्रान्सफॉर्मरचे⁹ मीटरिंग हे विद्युत वितरण प्रणाली आणि भार संतुलन सुधारण्यास मदत करते. होणाऱ्या नुकसानाचा मागोवा घेण्यासाठी आणि सुधारात्मक कारवाईसाठी ते रियल टाईम इनपुट आणि वापरलेल्या युनिटचा आउटपुट डेटा पुरवतात.

3.1.10.1 वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटरिंग

सामंजस्य करारानुसार महावितरणद्वारे 30 जून 2018 पर्यंत सर्व वितरण ट्रान्सफॉर्मरचे मीटरिंग करावयाचे होते आणि वितरण ट्रान्सफॉर्मरचे 100 टक्के मीटरिंग साध्य करायचे होते. वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटरिंगची स्थिती खालील तक्ता 3.1.3 मध्ये दर्शविली आहे.

⁹ वितरण ट्रान्सफॉर्मर हे एक विद्युत उपकरण आहे जे पुरवठा व्होल्टेज कमी करण्यासाठी किंवा वाढविण्यासाठी वापरले जाते. हे 11 KV किंवा 33 KV चे प्राथमिक वितरण व्होल्टेज कमी करते.

तक्ता 3.1.3: 31 मार्च 2021 रोजी वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटर केल्याची स्थिती

| अनु. क्र. | तपशील | शहरी | ग्रामीण | एकूण |
|-----------|---|----------|----------|----------|
| 1 | आधार वर्षात (2015-16) मीटरिंग केलेल्या वितरण ट्रान्सफॉर्मर्सची संख्या | 77,875 | 46,119 | 1,23,994 |
| 2 | 2016-2021 या कालावधीत मीटरिंग करावयाचे वितरण ट्रान्सफॉर्मर्स (अ) | 1,85,448 | 2,01,589 | 3,87,037 |
| 3 | 2016-2021 या कालावधीत प्रत्यक्षात मीटरिंग केले गेलेले वितरण ट्रान्सफॉर्मर्स (ब) | 3,998 | 1,760 | 5,758 |
| एकूण | टक्क्यामध्ये उपलब्धी (ब X 100/अ) | 2.15 | 0.87 | 1.48 |

(स्त्रोत:- उदय डॅशबोर्ड नुसार महावितरणचा 2020-21 चा प्रगती अहवाल)

वरील तक्त्यावरून असे निदर्शनास येते की 30 जून 2018 पर्यंत 100 टक्के वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटरिंगच्या लक्ष्याच्या तुलनेत लक्षित तारखेपासून दोन वर्षांपेक्षा अधिक कालावधी उलटून देखील महावितरणला केवळ 1.48 टक्के लक्ष्य साध्य करता आले. तथापि, महावितरणने उदय डॅशबोर्डवर मार्च 2021 रोजी महाराष्ट्रातील वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटरिंगची स्थिती चित्रित करताना शहरी आणि ग्रामीण भागासाठी अनुक्रमे 31 टक्के आणि 19.33 टक्के कामगिरी दर्शविली. लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की महावितरणने आधार वर्षापर्यंत आधीच मीटरिंग केलेले वितरण ट्रान्सफॉर्मर चुकीने समाविष्ट केल्यामुळे हे झाले.

तसेच, लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की मीटरिंग केलेल्या वितरण ट्रान्सफॉर्मर्सचे सुद्धा मीटर रिडींग घेतले गेले नाही ज्यामुळे वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटरिंगची संपूर्ण प्रक्रिया अपरिणामकारक ठरली.

| छायाचित्र 3.1.1: उप विभाग, मुळशी घेरा, सिंहगड, महाराष्ट्र (07.09.2021-11.49 AM) | छायाचित्र 3.1.2: उप विभाग, मुळशी घेरा, सिंहगड, महाराष्ट्र (07.09.2021-11.36 AM) |
|---|--|
|  |  |

| | |
|---|---|
| <p>छायाचित्र 3.1.3: उप विभाग, मुळशी घेरा, सिंगड, महाराष्ट्र (07.09.2021-11.48 AM)</p> | <p>छायाचित्र 3.1.4: उप विभाग, मुळशी गिरीनगर, पुणे, महाराष्ट्र (07.09.2021-11.38 AM)</p> |
|  |  |

(स्त्रोत: लेखापरीक्षण दलाने लेखापरीक्षणाच्या दरम्यान काढलेले छायाचित्र)

पुणे (ग्रामीण) मंडळातील वरील काही छायाचित्रांवरून असे दिसून येते की वितरण ट्रान्सफॉर्मर्सचा योग्य प्रकारे रखरखाव करण्यात आला नव्हता. अनेक ठिकाणी वितरण ट्रान्सफॉर्मर्स पुरेशा सुरक्षित बंदिस्त जागेत नव्हते.

महावितरणने मान्य केले की मीटरिंग केलेले वितरण ट्रान्सफॉर्मर्स बहुधा कम्युनिकेटिंग नव्हते. कृषी फीडर्सवर वितरण ट्रान्सफॉर्मर्स मीटर्स बसविण्याचा प्रस्ताव महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोगाच्या मान्यतेसाठी सादर करण्यात आला होता आणि रिहॅम्पड डिस्ट्रिब्युशन सेक्टर स्कीम (RDSS) अंतर्गत कम्युनिकेशन मीटर्सचा वापर करून अकृषक वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटर्स लावण्याचा प्रस्ताव होता.

3.1.10.2 फीडर मीटरिंग

सामंजस्य करारानुसार महावितरणला 31 डिसेंबर 2016 पर्यंत 100 टक्के फीडर मीटरिंग¹⁰ साध्य करायचे होते. लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की महावितरण विहित कालावधीत हे लक्ष्य साध्य करू शकले.

3.1.11 भौतिक फीडर पृथक्करण

फीडर वेगळे करणे म्हणजे कृषी (कृषक) आणि गैर-कृषी ग्राहकांना (अकृषक) समर्पित फीडरद्वारे वीज पुरवठा करणे, ज्यामुळे महावितरणला प्रभावी डिमांड साइड व्यवस्थापनाद्वारे कृषी ग्राहकांना वीज पुरवठ्याचे नियमन करता येईल.

सामंजस्य करारानुसार महावितरणला मार्च 2018 पर्यंत 100 टक्के फीडर पृथक्करण पूर्ण करायचे होते. ग्रामीण विद्युतीकरणासाठी असलेल्या दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योती योजनेंतर्गत महावितरणने भौतिक पृथक्करणासाठी 837 फीडर्स प्रस्तावित केले होते. त्यापैकी फक्त 636 फीडर्स स्थापित करण्यात आले (मार्च 2021 पर्यंत). पुढे, लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की महावितरणकडील 956 फीडर्स, मार्च 2021

¹⁰ फीडरमधून वीजेचे आउटपुट मोजण्यासाठी फीडरवर स्थापित केलेले मीटर.

मध्येही मिक्स फिडर्स (म्हणजेच 25 टक्क्यांपेक्षा जास्त कृषी भार) म्हणूनच कार्यरत होते. हे लक्षात घेणे योग्य आहे की, महावितरणने 100 टक्के फीडर पृथक्करण साध्य केले असल्याचे उदय डॅशबोर्डने मार्च 2021 मध्ये दर्शविले होते.

महावितरणने मान्य केले की मिश्र फीडर्सच्या पृथक्करणासाठी जरी तपशीलवार प्रकल्प अहवाल तयार करण्यात आला होता तरी निधीच्या कमतरतेमुळे त्यांचे पृथक्करण करणे बाकी आहे. त्यात असेही नमूद करण्यात आले आहे की उर्वरित फीडरचे पृथक्करण आता भारत सरकार द्वारे सुरू करण्यात आलेल्या रिव्हॅम्पड डिस्ट्रिब्युशन सेक्टर स्कीम अंतर्गत प्रस्तावित आहे.

3.1.12 स्मार्ट मीटर्स स्थापित करणे

सामंजस्य करारानुसार महावितरणद्वारे सर्व ग्राहकांसाठी (कृषी ग्राहकांव्यतिरिक्त); 80,065 स्मार्ट मीटर्स; 500 युनिट्स/महिऱ्या पेक्षा जास्त वापर असलेल्या ग्राहकांसाठी 15,385 स्मार्ट मीटर्स 30 जून 2018 पर्यंत आणि 200 युनिट्स/महिऱ्या पेक्षा जास्त वापर असलेल्या ग्राहकांसाठी 64,680 स्मार्ट मीटर्स जून 2020 पर्यंत स्थापित करावयाचे होते.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की सामंजस्य करारांतर्गत अभिप्रेत असलेल्या स्मार्ट मीटरच्या स्थापनेचे कार्य वरील ग्राहकांच्या संदर्भात साध्य झाले नाही कारण उदय योजनेंतर्गत महावितरणद्वारे कोणतेही स्मार्ट मीटर स्थापित करण्यात आले नाहीत.

महावितरणने सांगितले की रिव्हॅम्पड डिस्ट्रिब्युशन सेक्टर स्कीम अंतर्गत अंदाजे 1.66 कोटी ग्राहकांसाठी (कृषी ग्राहक आणि विखुरलेल्या ग्राहकांव्यतिरिक्त) स्मार्ट मीटर्स स्थापित करण्याचा प्रस्ताव आहे.

3.1.13 डिमांड साईड व्यवस्थापनासाठी उपाययोजना

सामंजस्य करारानुसार महावितरणने डिमांड साईड व्यवस्थापन आणि ऊर्जा कार्यक्षमतेसाठी उपाययोजना म्हणून मार्च 2019 पर्यंत डोमेस्टिक एफिशियंट लायटिंग प्रोग्राम (DELP) अंतर्गत तीन कोटी ऊर्जा कार्यक्षम LED बल्ब देणे आणि त्याबरोबरच किमान 10 टक्के विद्यमान कृषी पंप्स बदलून ऊर्जा कार्यक्षम पंप्स देणे अंतर्भूत होते.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की, महावितरणने डोमेस्टिक एफिशियंट लायटिंग प्रोग्राम अंतर्गत मार्च 2021 पर्यंत ग्राहकांना फक्त 2.20 कोटी LED बल्ब पुरविले.

लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की महावितरणने 40.16 लाख कृषी ग्राहकांपैकी किमान 4.02 लाख (एकूण पंपांच्या 10 टक्के) कृषी पंप बदलणे अभिप्रेत होते. तथापि, एप्रिल 2017 ते मार्च 2021 दरम्यान फक्त 2,209 पंप बदलण्यात आले.

3.1.14 ऊर्जा लेखापरीक्षण

ऊर्जा लेखापरीक्षण हे सर्वात प्रभावी साधन आहे, जे ऊर्जा पुरवठा आणि ऊर्जा बिल यांच्यात संतुलन ठेवते. गळती, अपव्यय आणि अकार्यक्षम ऊर्जेच्या वापराची क्षेत्रे ओळखण्याची ही पहिली पायरी आहे जेणेकरून हानी रोखण्यासाठी पावले उचलता येतात.

वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटर रिडींग घेतले नसल्यामुळे वितरण ट्रान्सफॉर्मर स्तर ऊर्जा लेखापरीक्षण अहवाल निर्मित करणे शक्य झाले नाही. त्यामुळे, महावितरणकडून फीडर स्तरावर ऊर्जा लेखापरीक्षण करण्यात आले. फीडर स्तर लेखापरीक्षण करताना विशिष्ट फीडर कडून विकलेल्या/बिल केलेल्या एकूण युनिट्सची तुलना फीडरमधील इनपुट युनिट्सशी केली गेली. यामुळे एक चुकीचे चित्र निर्माण झाले कारण विकलेल्या/ बिल केलेल्या एकूण युनिट्स मध्ये सरासरी वापराच्या आधारावर बिल केलेले ग्राहक, सुधारित/दुरुस्त बिजके, निरनिराळी बिलिंग चक्रे इत्यादिचा समावेश होता.

महावितरणने मान्य केले की वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटर रिडींग मध्ये विविध समस्या होत्या आणि एंबेडेड मॉडेम्ससह मीटर बसविण्याचा प्रस्ताव दिला होता जेणेकरून मीटर रिडींग आपोआप उपलब्ध होईल आणि वितरण ट्रान्सफॉर्मर स्तरावर ऊर्जा लेखापरीक्षण करता येईल.

3.1.15 तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा कमी करणे

एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोट्याची संकल्पना, वीज वितरण कंपनीच्या तोट्याच्या स्थितीचे वास्तववादी चित्र दर्शविते. हे तांत्रिक तोटा (11 KV आणि DT तोटा, LT लाईन तोटा, इत्यादि) आणि वाणिज्यिक तोटा (बिलिंग मधील अकार्यक्षमता, चोरी, संकलनातील अकार्यक्षमता, इत्यादि) यांचे संयोजन आहे.

3.1.15.1 ऑक्टोबर 2016 च्या सामंजस्य करारानुसार महावितरणला त्यांचा 2014-15 मधील 18.71 टक्के एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा हा 2018-19 मध्ये 14.39 टक्क्यांपर्यंत कमी करायचा होता. त्यानंतर, महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोगाने त्यांच्या मल्टी इयर टॅरिफ ऑर्डरमध्ये एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा पुन्हा स्थापित केला (नोव्हेंबर 2016) आणि सामंजस्य कराराचे परिशिष्ट दाखल केले (ऑक्टोबर 2017) आणि एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोट्याचे लक्ष्य आर्थिक वर्ष 2014-15 मधील 20.79 टक्क्यांवरून आर्थिक वर्ष 2018-19 मध्ये 14.98 टक्के असे सुधारण्यात आले. वित्तीय वर्ष 2019-20 नंतरची उद्दिष्टे सामंजस्य करारामध्ये समाविष्ट केलेली नाहीत.

एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोट्याचे वर्ष-निहाय लक्ष्य आणि उपलब्धी तक्ता 3.1.4 मध्ये दर्शविले आहे:

तक्ता 3.1.4: एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक लक्ष्याची उपलब्धी

| वर्ष | लक्ष्य | उपलब्धी |
|---------|--------|---------|
| 2014-15 | 20.79 | 20.79 |
| 2015-16 | 21.51 | 21.51 |
| 2016-17 | 18.88 | 18.88 |
| 2017-18 | 17.51 | 17.41 |
| 2018-19 | 14.98 | 16.94 |
| 2019-20 | 14.98 | 21.32 |
| 2020-21 | 14.98 | 20.73 |

(स्त्रोत: महावितरण आणि त्रिपक्षीय सामंजस्य कराराच्या परिशिष्टाद्वारे सादर केलेली माहिती)

वरील तक्त्यावरून असे दिसून येते की महावितरणने 2014-15 ते 2017-18 या वर्षांसाठी एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोट्याचे उद्दिष्ट साध्य केले. असे निदर्शनास आले की ऑक्टोबर 2017 मध्ये परिशिष्ट दाखल करण्यात आल्यामुळे 2014-15 ते 2016-17 या वर्षांसाठीचे उद्दिष्ट वास्तविकतेच्या आधारावर सुधारित करण्यात आले. लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की महावितरणने नंतर एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा इच्छित पातळीवर कमी करण्याचे उद्दिष्ट साध्य केले नाही. याउलट, मुख्यतः कृषी ग्राहक आणि राज्य शासनाच्या विविध विभागांकडून अत्यंत कमी संकलनामुळे महावितरणचा एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा 2018-19 मधील 16.94 टक्क्यांवरून 2020-21 मध्ये 20.73 टक्क्यांपर्यंत वाढला होता. 31 मार्च 2021 रोजी कृषी ग्राहकांकडे एकूण ₹ 44,680 कोटीपैकी ₹ 36,827 कोटी (म्हणजे एकूण प्राप्तीच्या 82.42 टक्के) प्रलंबित देय होते.

महावितरणने मान्य केले की त्यांच्या एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोट्यामध्ये वाढ झाली आणि कृषी ग्राहकांकडून खराब संकलन, औद्योगिक ग्राहकांद्वारे मागणी मध्ये घट, कोविड-19 मुळे मार्च 2020 पासून खराब संकलन कार्यक्षमता आणि सरकारी विभागांकडून उच्च देणी यांसारख्या विविध घटकांमुळे 14.98 टक्क्यांचे उद्दिष्ट साध्य झाले नाही.

3.1.15.2 चोरीची प्रकरणे आणि त्यांचा पाठपुरावा याबाबत अपुरे संनियंत्रण

सामंजस्य करारानुसार वीज चोरी नियंत्रित करण्यासाठी महावितरणने मोहिम हाती घेऊन तोटा कमी करावयाचा होता. महावितरणमध्ये मंडळ कार्यालय स्तरावर फ्लाईंग स्वाड द्वारे आणि उपविभागीय कार्यालय स्तरावर उपविभागीय कार्यालय कर्मचाऱ्यांद्वारे मोहिम हाती घेऊन चोरीच्या घटनांवर नियंत्रण ठेवले जाते.

लेखापरीक्षणात असे निदर्शनास आले की सर्व नऊ मंडळांच्या उपविभागीय कार्यालयातील चोरी प्रकरण रजिस्टरमध्ये केवळ चोरी उघडकीस आलेल्या प्रकरणांची माहिती आहे. तथापि, भेट दिलेल्या/तपासणी केलेल्या एकूण प्रकरणांच्या संख्येच्या तुलनेत प्रत्यक्षात उघडकीस आलेल्या चोरीच्या प्रकरणांची संख्या याबाबतच्या नोंदी रजिस्टरमध्ये नमूद करण्यात आल्या नव्हत्या.

महावितरणने मान्य केले की सध्या चोरीच्या घटनांची देखरेख मॅन्युअली केली जाते. त्यात असेही नमूद करण्यात आले आहे की केंद्रीकृत देखरेखीसाठी माहिती तंत्रज्ञान मोड्यूल विकसित केले जात आहे, जे चोरीच्या प्रकरणांच्या प्रभावी निरीक्षणासाठी लवकरच लागू केले जाईल.

शिफारस 2: महावितरणने वितरण ट्रान्सफॉर्मर मीटरिंग आणि फिडर पृथक्करण जलद गतीने पूर्ण केले पाहिजे आणि बिलिंग आणि संकलन क्षमता सुधारून तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा 15 टक्के किंवा त्यापेक्षा कमी केला पाहिजे.

3.1.16 महावितरणच्या इतर वचनबद्धतेच्या तुलनेत उपलब्धी/उणीवा

3.1.16.1 वित्तीय वर्ष 2019 पर्यंत, 'सर्वांसाठी 24x7 वीज' दस्तावेजानुसार महावितरणने न जोडलेल्या कुटुंबांना वीज प्रदान करणे आवश्यक होते. लेखापरीक्षाच्या निदर्शनास आले की उदय अंतर्गत महावितरणला 2017-18 पर्यंत 14.80 लाख ग्रामीण कुटुंबे जोडायची होती. महावितरणला 2018-19 मध्ये महाराष्ट्रातील जोडली नसलेली सर्व घरे जोडण्याचे 100 टक्के लक्ष्य गाठण्यात यश आले.

3.1.16.2 महावितरणला आर्थिक वर्ष 2018-19 पर्यंत पुरवठ्याचा सरासरी खर्च¹¹ आणि सरासरी महसूल प्राप्ती¹² मधील अंतर दूर करायचे होते. लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले की, महावितरणला 2017-18 पासून पुढे 2019-20 पर्यंत पुरवठ्याचा सरासरी खर्च आणि सरासरी महसूल प्राप्ती यामधील अंतर दूर करणे शक्य झाले. तथापि, 2020-21 दरम्यान ₹ 0.04 प्रति युनिट्स अंतर होते जे खालील तक्ता 3.1.5 मध्ये दर्शविले आहे.

तक्ता 3.1.5: पुरवठ्याचा सरासरी खर्च आणि सरासरी महसूल प्राप्ती मधील अंतर

| वर्ष | पुरवठ्याचा सरासरी खर्च आणि सरासरी महसूल प्राप्ती मधील अंतर (प्रति घटक ₹ मध्ये) | |
|---------|---|----------|
| | लक्ष्य | वास्तविक |
| 2015-16 | सेट केले नाही | -0.30 |
| 2016-17 | 0.30 | 0.28 |
| 2017-18 | 0.01 | -0.07 |
| 2018-19 | -0.39 | -0.04 |
| 2019-20 | - | -0.06 |
| 2020-21 | - | 0.04 |

(स्त्रोत: महावितरणाद्वारे सादर माहिती/डेटा)

¹¹ पुरवठ्याचा सरासरी खर्च हा वीज पुरवठ्याशी संबंधित सर्व खर्च जसे की विविध जनरेटर्सकडून वीज खरेदीची किंमत, वितरण जाळे चालविण्याचा आणि देखरेखीचा खर्च, कर्मचारी खर्च, घसारा आणि वित्त खर्च यांची बेरीज भागिले ग्राहकांना एकूण विक्री.

¹² सरासरी महसूल प्राप्ती म्हणजे वीज पुरवठ्यासाठी ग्राहकांकडून विनिर्दिष्ट दरानुसार शुल्क आकारून केलेली कमाई आणि राज्य शासनाकडून मिळालेल्या सबसिडीची एकूण बेरीज भागिले ग्राहकांना एकूण विक्री.

3.1.16.3 महावितरणला एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा कमी करणे आणि मीटर/बिलिंग संकलन कार्यक्षमतेत सुधारणा करणे यासाठी एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक क्षेत्रावरील प्रत्येक प्रभारी अधिकाऱ्यांकरिता प्रमुख कामगिरी निर्देशक तयार करावे लागतात. लेखापरीक्षणाच्या निदर्शनास आले की महावितरणने त्यांच्या कर्मचाऱ्यांसाठी प्रमुख कामगिरी निर्देशक निर्धारित केले नाहीत. 2017-18 आणि 2018-19 या वर्षांसाठी महावितरणच्या विभाग कार्यालयांसाठी एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोट्याचे लक्ष्य निर्धारित करण्यात आले होते आणि वास्तविक कामगिरीवर आधारित कोणतेही प्रोत्साहन/दंड नव्हते. 2018-19 मध्ये केवळ 50 विभाग (148 विभागांपैकी) निर्धारित लक्ष्य साध्य करू शकले. तथापि, ही संख्या 2019-20 आणि 2020-21 साठी अनुक्रमे फक्त 14 आणि 32 विभाग इतकी घसरली. परिणामी, महावितरण त्यांचा एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा 14.98 टक्क्यांच्या लक्ष्यापर्यंत खाली आणू शकले नाही.

महावितरणने सांगितले की, एकूण तांत्रिक आणि वाणिज्यिक तोटा कमी करावयाचे लक्ष्य दरवर्षी दिले जाते, ज्याचे नियंत्रण अधिकाऱ्यांद्वारे वेळोवेळी निरीक्षण आणि पुनरावलोकन केले गेले. प्रमुख कामगिरी निर्देशक मापदंडांमध्ये बिलिंग आणि संकलन कार्यक्षमता समाविष्ट होती आणि या प्रमुख कामगिरी निर्देशक मापदंडांच्या आधारावर कर्मचाऱ्यांच्या कामगिरीची श्रेणी ठरविली गेली.

महावितरणचे हे उत्तर मान्य नाही कारण सामंजस्य करारांतर्गत केवळ विभागीय कार्यालयासाठी लक्ष्य निश्चित करण्यात आले होते आणि प्रत्येक अधिकाऱ्यासाठी नव्हते.

3.1.16.4 तक्रारींचे वेळेवर निराकरण करण्यासाठी महावितरणला केंद्रीकृत ग्राहक कॉल सेंटर स्थापन करावे लागले आणि बिल इत्यादींचा भरणा करण्यासाठी ग्राहकांना ई-भुगतानची सोय करून देण्यात आली. महावितरणद्वारे केंद्रीकृत ग्राहक कॉल सेंटर स्थापित करण्यात आले. केंद्रीकृत ग्राहक कॉल सेंटरचा 2020-21 चा तपशील तक्ता 3.1.6 मध्ये दर्शविला आहे.

तक्ता 3.1.6: केंद्रीकृत ग्राहक कॉल सेंटरमधील तक्रारींची स्थिती

| अनु. क्र. | तक्रारीचा प्रकार | प्राप्त झालेल्या तक्रारींची संख्या | विहित कालावधीत निराकरण केलेल्या तक्रारींची संख्या | ज्या कालावधीत तक्रारींचे निराकरण करावयाचे होते | विहित वेळेत निकाली निघालेल्या तक्रारींची टक्केवारी |
|-----------|------------------|------------------------------------|---|--|--|
| 1 | वीज पुरवठा खंडित | 19,42,994 | 6,07,376 | 0 तास ते 48 तास | 31.26 |
| 2 | बिलिंग | 16,22,542 | 13,59,527 | 1 ते 30 दिवस | 83.79 |
| 3 | इतर तक्रारी | 2,25,969 | 1,17,906 | 0 तास ते 30 दिवस | 52.18 |

(स्त्रोत: महावितरणने सादर केलेली माहिती)

असे निदर्शनास आले की, महावितरणने त्यांच्या बिलिंगशी संबंधित तक्रारींपैकी 83.79 टक्के तक्रारींचे निराकरण त्यांच्या मानक कार्यचालन पद्धतीमध्ये नमूद केलेल्या वेळेत केले असले तरी ते वीज पुरवठा खंडित झालेल्या तक्रारींचे निराकरण फक्त 31.26 टक्केच करू शकले.

महावितरणने नमूद केले की, खंडित वीज पुरवठा साधारणपणे मानक कार्यचालन पद्धती कालावधीत पूर्ववत केला जातो. तथापि, कर्मचारी काही वेळा वीज पुरवठा पूर्ववत करण्यात व्यस्त असतात, त्यामुळे वास्तविक तक्रारींचे निराकरण करण्यात विलंब होतो. तसेच, 2020-21 मध्ये विदर्भ आणि पश्चिम महाराष्ट्रात निसर्ग चक्रीवादळ, पूर यासारख्या नैसर्गिक आपत्ती दरम्यान भरपूर प्रमाणात तक्रारी प्राप्त झाल्या होत्या आणि विद्युत पुरवठा पूर्ववत करण्यासाठी मानक कार्यचालन पद्धतीपेक्षा जास्त कालावधी लागला.

परिवहन विभाग

महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळ

पाठपुरावा लेखापरीक्षण

3.2 'महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळातील ई-तिकीटिंग प्रणालीचे संगणकीकरण' यावरील कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षणाचे पाठपुरावा लेखापरीक्षण

'महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळातील संगणकीकरण ई-तिकीटिंग प्रणाली' वरील कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षणाच्या पाठपुरावा लेखापरीक्षणातून असे दिसून आले आहे की सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशींचे दोन महिन्यांच्या विहित कालावधीत पूर्णपणे अनुपालन केले गेले नाही. लेखापरीक्षणात हे देखील उघड झाले की तिकीटांवरील जाहिरातीचा करार निश्चित करण्यात विलंब झाल्यामुळे संभाव्य महसूल तोटा आणि इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणाऱ्या मशीन¹³ (ETIM) द्वारे विविध सवलतींशी संबंधित समस्यांचे निराकरण केले गेले नाही. इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणारे मशीन आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणालीची अंमलबजावणी आणि देखरेख करण्यासाठी पूर्ण आणि विश्वासार्ह डेटा ठेवण्यासाठी पुरेशी इनपुट नियंत्रणे आणि प्रमाणीकरण तपासण्या नाहीत.

3.2.1 प्रस्तावना

महाराष्ट्र राज्यात किफायतशीर, कार्यक्षम, पर्याप्त आणि योग्यरित्या समन्वयित मार्ग परिवहन व्यवस्था प्रदान करण्यासाठी जुलै 1961 मध्ये राज्य मार्ग परिवहन महामंडळ अधिनियम, 1950 च्या कलम 3 अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाची (महामंडळ) स्थापना करण्यात आली.

मार्च 2021 च्या अखेरीस राज्यात महामंडळाची 30 विभागीय कार्यालये आणि 251 डेपो होते. महामंडळाच्या माहिती तंत्रज्ञानाच्या (आयटी) गरजा मुंबईतील इलेक्ट्रॉनिक डेटा प्रोसेसिंग (EDP) केंद्राद्वारे उप महाव्यवस्थापकांच्या नेतृत्वाखाली पाहिल्या जात होत्या, ज्यांना वरिष्ठ व्यवस्थापक (माहिती तंत्रज्ञान) आणि व्यवस्थापक (माहिती तंत्रज्ञान) हे मदत करीत होते.

मे 2009 ते ऑक्टोबर 2014 या कालावधीसाठी 'महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळातील ई-तिकीटिंग प्रणालीचे संगणकीकरण' यावरील कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षा

¹³ इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणारे मशीन याद्वारे वाहकाने बसमध्ये चढणाऱ्या प्रवाशांना जारी केलेल्या सर्व तिकीटांचा तपशील संकलित करण्यासाठी प्रणाली (ऑप्लिकेशन) विकसित केली आहे.

अहवाल हा भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यांच्या 31 मार्च 2014 रोजी संपलेल्या वर्षाच्या लेखापरीक्षा अहवालात समाविष्ट करण्यात आला होता. कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षणाने ई-तिकिटिंग प्रणाली आणि महामंडळाच्या नियंत्रणाखालील विविध प्राधिकरणांच्या कामकाजातील कमतरता अधोरेखित केल्या. वर्ष 2017-18 दरम्यान सार्वजनिक उपक्रम समितीद्वारे लेखापरीक्षा अहवालावर चर्चा करण्यात आली. डिसेंबर 2017 मध्ये सार्वजनिक उपक्रम समितीने राज्य विधानसभेत मांडलेल्या 2017-18 च्या पंधराव्या अहवालात सहा मुद्द्यांवर शिफारशी केल्या होत्या.

आम्ही सप्टेंबर 2021 आणि ऑक्टोबर 2021 दरम्यान केवळ ई-तिकिटिंगच्या संदर्भात सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशीच्या अंमलबजावणीच्या व्याप्तीचे मूल्यांकन करण्यासाठी पाठपुरावा लेखापरीक्षण आयोजित केले. पाठपुरावा लेखापरीक्षणात उप-महाव्यवस्थापक (EDP) यांचे कार्यालय, 106 डेपोज आणि नागपूर विभागीय व्यवस्थापक आणि नागपूर ग्रामीण-2 डेपो यांचा समावेश केला होता. जानेवारी 2016 ते मार्च 2021 या कालावधीतील अभिलेखे आणि डेटाबेसेसची पूर्वीच्या लेखापरीक्षा अहवालात दिसून आलेल्या निरीक्षणाच्या आणि त्यावर सार्वजनिक उपक्रम समितीने दिलेल्या शिफारशीच्या व्याप्तीनुसार या कार्यालयांमध्ये चाचणी तपासणी करण्यात आली.

अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन आणि बंदरे), महाराष्ट्र शासन यांच्या समवेत 18 जानेवारी 2022 रोजी लेखापरीक्षणोत्तर बैठक आयोजित करण्यात आली होती ज्यामध्ये लेखापरीक्षा मुद्द्यांवर चर्चा करण्यात आली. महाराष्ट्र शासनाद्वारे सादर करण्यात आलेले उत्तर (फेब्रुवारी 2022) अहवालात योग्यरित्या अंतर्भूत करण्यात आले आहे.

3.2.2 ई-तिकिटिंग प्रणाली

ऑनलाइन/वेब-आधारित आरक्षण प्रणाली सुलभ करण्यासाठी आणि दैनंदिन व्यवहारामध्ये सॉफ्टवेअर तंत्रज्ञानाचा अवलंब करण्यासाठी महामंडळाद्वारे इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनचा पुरवठा, संगणकीकरण, अंमलबजावणी आणि देखरेख आणि वेब सुविधा असलेल्या ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली¹⁴ प्रकल्पांसाठी इच्छुक पार्टीकडून बांधा, वापरा आणि हस्तांतरित करा या आधारावर प्रस्तावासाठी विनंती मागविण्यात आली (जून 2008 आणि सप्टेंबर 2014).

¹⁴ ऑनलाइन तिकीट आरक्षित करणाऱ्या प्रवाशांचे नाव, वय, लिंग, पत्ता, सवलत, मोबाईल/फोन नंबर इत्यादि संकलित करण्यासाठी प्रणाली (अॅप्लिकेशन) विकसित केली आहे.

लेखापरीक्षा निष्कर्ष

3.2.3 जाहिरातीचे अधिकार विकून महसूल निर्माण करण्यात अपयश

कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षण अहवालात (2014) असे निदर्शनास आणून दिले होते की मुख्य सेवा करार अटीनुसार ट्रायमॅक्स¹⁵ ने तिकीट रोलचा विनामूल्य पुरवठा करणे आवश्यक होते आणि अतिरिक्त महसुलाची पूर्तता करण्यासाठी महामंडळाने तिकीट रोलच्या मागील बाजूस जाहिरातीचे अधिकार राखून ठेवले होते. ट्रायमॅक्सने जाहिरातीच्या हक्कासाठी प्रति तिकिट एक पैसा देऊ केला होता (ऑगस्ट 2011) परंतु स्वतंत्रपणे व्यवहार केला जाईल या कारणास्तव ऑफरचा विचार केला गेला नाही (नोव्हेंबर 2011). तथापि, डिसेंबर 2014 पर्यंत असे कोणतेही प्रयत्न केले गेले नाहीत आणि त्यामुळे सप्टेंबर 2011 आणि ऑक्टोबर 2014 दरम्यान प्रत्यक्षात दिल्या गेलेल्या 417.15 कोटी तिकिटांचा विचार करता महामंडळाने गमावलेला संभाव्य महसूल ₹ 4.17 कोटी परिगणित करण्यात आला.

सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशी (कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षेच्या परिच्छेद 3.7.1 वरील 1.5)

महामंडळ तोट्यात होते आणि महसूल निर्माण करण्याची संधी होती परंतु त्यांनी तीन वर्षांपर्यंत कोणतीही कारवाई केली नाही. महामंडळाने तत्परतेने कारवाई केली असती तर त्यातून निर्माण झालेल्या महसुलाचा फायदा झाला असता आणि या प्रकरणाची चौकशी करून जबाबदार अधिकाऱ्यांवर कारवाई व्हायला हवी, अशी शिफारस करण्यात आली होती. केलेल्या कारवाईचा अहवाल दोन महिन्यात, म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत सादर करावयाचा होता.

महामंडळाने केलेली कारवाई

तिकिटांच्या मागील बाजूस जाहिरात छापण्यास विलंब झाल्याने महसुलीच्या नुकसानीसाठी, सार्वजनिक उपक्रम समितीची शिफारस असूनही कोणताही अधिकारी जबाबदार नाही या कारणास्तव अधिकाऱ्यांची कोणतीही चौकशी करण्यात आली नाही.

पाठपुरावा लेखापरीक्षणादरम्यान असे निदर्शनास आले की केलेल्या कारवाईचा अहवाल सार्वजनिक उपक्रम समितीला दोन महिन्यात, म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत सादर करावयाचा होता, तो सार्वजनिक उपक्रम समितीला डिसेंबर 2020 मध्ये सादर करण्यात आला. नोव्हेंबर 2014 आणि जून 2018 या कालावधी दरम्यान झालेल्या

¹⁵ इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली प्रदान करणे, संगणकीकरण करणे, कार्यान्वित करणे आणि देखभाल करण्यासाठी महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाद्वारे नियुक्त केलेले अभिकरण.

395.48 कोटी तिकीटांच्या विक्रीचा विचार केला असता, महामंडळाला झालेला संभाव्य महसूल तोटा ₹3.95 कोटी परिगणित केला गेला. तसेच, महामंडळ ट्रायमॅक्ससोबत केलेल्या पुढील करारात (2015) पेपर रोल पुरवठ्यासंबंधी योग्य कलम समाविष्ट करण्यात अपयशी ठरले.

महामंडळाने म्हटले (जानेवारी 2022) की तिकीटांच्या मागील बाजूस छापल्या जाणाऱ्या जाहिरातींसाठी ऑगस्ट 2018 पर्यंत कोणताही प्रतिसाद मिळाला नाही आणि त्यानंतर प्रति रोल एक रुपयाची ऑफर स्वीकारण्यात आली.

शासनाने म्हटले (फेब्रुवारी 2022) की महामंडळाला जाहिरातींचा महसूल वेळेवर जमा करण्याच्या सूचना देण्यात आल्या आहेत.

3.2.4 प्रणाली संकल्पचित्र

ऑप्लिकेशन कंट्रोलस ही डेटाची पूर्णता राखण्यासाठी ज्या प्रभावांद्वारे विकसित केलेली इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणारे मशीन आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली नियंत्रित केली जाते त्या प्रभावांना संतुलित करण्याची पद्धती आहे. ऑप्लिकेशन कंट्रोलसमध्ये इनपुट कंट्रोल, प्रोसेसिंग कंट्रोल आणि आउटपुट कंट्रोलस यांचा समावेश असतो आणि यापैकी कोणत्याही कंट्रोलसच्या अनुपस्थितीमुळे किंवा अपर्याप्ततेमुळे डेटाबेसच्या अखंडतेवर आणि विश्वासाहतेवर विपरीत परिणाम होऊ शकतो.

सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशी (कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षेच्या परिच्छेद 3.8.5 वरील 2.5)

इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणाऱ्या मशीनला श्रेणीवर्धनाची आवश्यकता होती परंतु लेखापरीक्षणाने निदर्शनास आणून दिल्याप्रमाणे महामंडळाने जुनी प्रणाली चालू ठेवल्यामुळे नुकसान झाले. या प्रकरणाची चौकशी करून यासाठी जबाबदार असलेल्या अधिकाऱ्यांवर जबाबदारी निश्चित करणे आणि केलेल्या कारवाईचा तपशील दोन महिन्यांच्या आत, म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत समितीकडे सादर करणे आवश्यक होते.

महामंडळाने केलेली कारवाई

पाठपुरावा लेखापरीक्षणादरम्यान असे निदर्शनास आले की कारवाईचा अहवाल सार्वजनिक उपक्रम समितीला दोन महिन्यात, म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत सादर करावयाचा होता, तो सार्वजनिक उपक्रम समितीला डिसेंबर 2020 मध्ये सादर करण्यात आला. या अहवालानुसार इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणाऱ्या मशीन प्रणालीच्या तरतुदीनुसार वेळोवेळी आवश्यकतेनुसार बदल समाविष्ट करण्यात आले होते. तथापि, जानेवारी 2016 ते मार्च 2021 दरम्यान ग्रामीण क्षेत्रातील 12,272 पैकी 9,761

इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणारे मशीन जुन्या आवृत्तीमध्ये कार्यरत होते असे निदर्शनास आले.

सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशींना प्रभाव देण्यासाठी इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणाऱ्या मशीनचे टप्प्याटप्प्याने परंतु अंशतःच श्रेणीवर्धन केले गेले. विविध सवलतींशी संबंधित समस्यांचे निराकरण केले गेले नाही. सात अधिकाऱ्यांविरुद्ध विभागीय चौकशी सुरु केली.

3.2.4.1 ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटा बेसमध्ये अर्जुन पुरस्कर्ते, दृष्टिदोष असलेले, द्रोणाचार्य पुरस्कर्ते आणि इतर पुरस्कर्ते, स्वातंत्र्य सैनिक, शारीरिक दृष्ट्या अपंग, क्षय रोग/कर्करोग/कुष्ठरोग यांसारख्या आजारांनी ग्रस्त रोगी, ज्येष्ठ नागरिक इत्यादींसारख्या विविध श्रेणीतील प्रवाशांना महामंडळ मर्यादित घटकां¹⁶ सह किंवा मर्यादित घटकांशिवाय प्रवास भाड्यात सवलत देत होते. अशा अनुमती दिलेल्या सवलतींच्या रकमेवर महामंडळाद्वारे ठराविक काळात राज्य शासनाकडे दावा केला जात होता.

सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशी (कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षेच्या परिच्छेद 3.10.5 वरील 3.5)

महामंडळाने आरक्षणाच्या वेळी प्रवाशांना सर्व संबंधित माहिती भरायला लावावी आणि चुकीच्या पद्धतीने सवलतीचा लाभ घेणाऱ्या प्रवाशांकडून वास्तविक तिकिट दराच्या दुप्पट दर आकारण्यात यावेत आणि केलेल्या कारवाईचा अहवाल दोन महिन्यांत, म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत सादर करावयाचा होता.

महामंडळाने केलेली कारवाई

महामंडळाच्या कारवाई केलेल्या अहवालानुसार चुकीची ओळख पत्रे/तपशील देऊन तिकिट बुक करणाऱ्या प्रवाशांकडून सार्वजनिक उपक्रम समितीने शिफारस केल्यानुसार (डिसेंबर 2017) वास्तविक तिकिट दराच्या दुप्पट दराने नाही, तर महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाच्या नियम आणि विनियमानुसार दंड आकारला जाईल. तथापि, या प्रणालीमध्ये बदल प्रस्तावित करण्यात आले होते जेणेकरून सवलतीच्या भाड्याचा लाभ घेणाऱ्या प्रवाशांसाठी रिक्त आरक्षित कोट्यातील तिकिटे उपलब्ध होतील.

पाठपुरावा लेखापरीक्षणादरम्यान असे निदर्शनास आले की कारवाई केल्याचा अहवाल सार्वजनिक उपक्रम समितीला दोन महिन्यात, म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत सादर

¹⁶ सवलतधारक किती वेळा प्रवास करू शकतो आणि/किंवा परवानगी दिलेल्या एकूण किलोमीटरांच्या प्रवासावर आणि/किंवा एकूण सवलतीची रकम यावर मर्यादित घटक ठेवले जातात.

करावयाचा होता परंतु तो सार्वजनिक उपक्रम समितीला डिसेंबर 2020 मध्ये सादर करण्यात आला.

लेखापरीक्षेच्या असेही निदर्शनास आले (सप्टेंबर-ऑक्टोबर 2021) की अधिकृत बुकींग अभिकर्त्यांनी 1,91,16,593 प्रकरणांपैकी 9,199 प्रकरणांमध्ये ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेसमध्ये संकलित करण्यासाठी असलेल्या रकान्यामध्ये सवलतीच्या दरासाठी पात्र प्रवाशांचे ओळख पुरावे तपशील प्रविष्ट केले नाहीत. तसेच, लेखापरीक्षणात समाविष्ट असलेल्या कालावधीत असे सुद्धा निदर्शनास आले की 'सवलत पुरावा' असा आणखी एक रकाना निर्माण करण्यात आला होता; परंतु 339 प्रकरणांमध्ये तो रकाना 'रिक्त' होता आणि 95 प्रकरणांमध्ये रकान्यामध्ये 'काहीही नाही' असे दर्शविले होते.

पाठपुरावा लेखापरीक्षणादरम्यान असे निदर्शनास आले की सवलत पुरावा, प्रवाशाचे नाव आणि ओळख पुरावा या संबंधीचा डेटा संकलित न केल्यामुळे त्याची अचूकता लेखापरीक्षणात निश्चित करता आली नाही.

महामंडळाने नमूद केले (जानेवारी 2022) की प्रकल्प सुरु करण्याच्या सुरुवातीच्या टप्प्यात अधिकृत बुकींग अभिकर्त्यांनी ओळख पत्र पुरावे तपशील भरले नाही. ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली अंतर्गत गट बुकिंगच्या बाबतीत किमान एका प्रवाशाचे नाव अनिवार्य होते आणि लेखापरीक्षणाद्वारे निदर्शनास आणून दिलेली विसंगती ऑक्टोबर 2016 मध्ये सुधारण्यात आली.

आमच्या डेटा विश्लेषणामध्ये उघड झाले की 14,513 प्रकरणांपैकी 9,473 प्रकरणांमध्ये जरी एका प्रवाशाला तिकिट जारी केले असले तरीही प्रवाशाचे नाव हा रकाना रिक्त होता आणि ही सर्व प्रकरणे ऑक्टोबर 2016 नंतरच्या कालावधीशी संबंधित आहेत.

या मुद्द्यावर शासनाने कोणतेही उत्तर सादर केले नाही.

3.2.5 व्यवस्थापन माहिती प्रणाली

कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षण अहवालात (2014) हे निदर्शनास आणून दिले होते की अहवाल, डॅशबोर्ड इत्यादी प्रदान करणारी सर्वसमावेशक व्यवस्थापन माहिती प्रणाली स्थापित करण्यासाठी मुख्य सेवा करार करण्यात आला होता. व्यवस्थापन माहिती प्रणाली ही कर्मचारी, महामंडळाचे अधिकारी आणि महामंडळाद्वारे अधिकृत केलेल्या कोणत्याही घटकासाठी ग्राफीकल डिसप्लेद्वारे वापरकर्ता अनुकूल अहवाल, दिवसाअखेर माहितीवर प्रक्रिया करण्याची क्रिया आणि व्यवस्थापन माहिती प्रणाली अहवाल स्वरूपात निर्माण करणे, एका विशिष्ट कालावधीसाठी सर्व कार्यचालनात्मक व्यवस्थापन माहिती प्रणाली आणि महसूल अहवाल, केंद्र-निहाय, सेवा-निहाय, कार्यचालन-निहाय, डेपो-निहाय, अभिकर्ता-निहाय बुकींग इत्यादि प्रदान करते.

सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशी (कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षेच्या परिच्छेद 3.11 वरील 4.5)

महामंडळाकडे चांगल्या दर्जाची व्यवस्थापन माहिती प्रणाली असणे आवश्यक आहे आणि त्यासाठी माहिती तंत्रज्ञान आणि सांख्यिकी तज्ञांचे मार्गदर्शन घेऊ शकतात आणि केलेल्या कारवाईचा अहवाल दोन महिन्यांच्या आत, म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत सादर केला जाऊ शकतो.

महामंडळाद्वारे केलेली कारवाई

महामंडळाने केलेल्या कारवाईच्या अहवालानुसार विविध प्रवासी मार्गावर धावणाऱ्या बसेसच्या उत्पन्नाशी संबंधित सर्व माहिती, प्रवासी संख्या इत्यादी, महामंडळाला इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणालीद्वारे प्राप्त होते ज्याचा उपयोग नफा/तोटा विश्लेषणासाठी आणि निर्णय घेण्यासाठी केला जातो. तसेच, व्यवस्थापनासाठी व्यवस्थापन माहिती प्रणाली अंतर्गत डॅशबोर्ड तयार करण्यात आला. तथापि, अपूर्ण डेटा संकलित केल्यामुळे आणि अपूर्ण तक्त्यांमुळे तयार झालेले व्यवस्थापन माहिती प्रणाली अहवाल विश्वसनीय नाहीत.

महामंडळाने (डिसेंबर 2020) माहिती तंत्रज्ञान व सांख्यिकी तज्ञ यांचेकडून मार्गदर्शन घेतले याबद्दल कुठलेही विधान केले नाही.

पाठपुरावा लेखापरीक्षणादरम्यान असे निदर्शनास आले की केलेल्या कारवाईचा अहवाल सार्वजनिक उपक्रम समितीला दोन महिन्यांच्या आत, म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत सादर करावयाचा होता परंतु तो सार्वजनिक उपक्रम समितीला डिसेंबर 2020 मध्ये सादर करण्यात आला.

3.2.6 प्रणाली लेखापरीक्षण

मास्टर सेवा करार प्रदान करते की प्रभावी तारखेनंतर वाजवी रितीने व्यवहार्य होईल तितक्या लवकर प्रकल्प अंमलबजावणी टप्प्यात आणि कार्यचालन आणि व्यवस्थापनाच्या टप्प्यात नियमित लेखापरीक्षणाच्या वेळापत्रकाशी सहमत होण्यासाठी पार्टींनी सर्वोत्तम प्रयत्न करायला हवा. तसेच, प्रस्तावासाठी विनंतीमध्ये निर्दिष्ट केलेल्या प्रकल्प प्रक्रियेसाठी महामंडळाने चाचणी योजनेचा आढावा घेणे या अटीच्या अधीन राहून आवश्यक होते की प्रणाली समाकलकने खात्री करावी की त्याद्वारे वितरित अंतिम उत्पादन कार्यात्मक आणि तांत्रिक आवश्यकतांसह सर्व आवश्यकता पूर्ण करते.

सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशी (कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षेच्या परिच्छेद 3.13 वरील 5.5)

मेसर्स ट्रायमॅक्सला प्रदान केलेल्या ₹125 कोटीचे लेखापरीक्षण महामंडळाने निर्धारित कालमर्यादेत करणे आवश्यक आहे, जेणेकरून अनावश्यक खर्च टाळता येईल आणि त्यासाठी जबाबदार असलेल्या अधिकाऱ्यांवर जबाबदारी निश्चित केली जाईल आणि केलेली कारवाई दोन महिन्यांच्या आत म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत समितीकडे सादर केली जाईल.

महामंडळाने केलेली कारवाई

महामंडळाने प्रणाली लेखापरीक्षण आणि चाचण्यांसाठी मानकीकरण चाचणी आणि गुणवत्ता प्रमाणन, भारत सरकारच्या संचालनालयाची नियुक्ती केली होती. त्यानंतर मेसर्स अर्नेस्ट आणि यंग एल एल पी यांची प्रणाली कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षक म्हणून नियुक्ती केली आणि त्यांच्याकडून मासिक आधारावर अहवाल सादर करण्यात येत होता. अर्नेस्ट आणि यंगची भूमिका ट्रायमॅक्सला केलेले भुगतान तपासण्यावर केन्द्रित आहे.

सार्वजनिक उपक्रमावरील समितीच्या शिफारशी लागू करण्यासाठी महामंडळाने जबाबदारी निश्चित केली होती आणि उपाध्यक्ष आणि व्यवस्थापकीय संचालकांद्वारे एका अधिकाऱ्याला बडतर्फ करण्यात आले होते (डिसेंबर 2012).

शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की मास्टर सेवा करारानुसार आणि विनंती प्रस्तावानुसार प्रणाली कार्यनिष्पादन चाचण्या घेण्यात आल्या आहेत. सुरुवातीला वापरकर्ता स्वीकृती चाचणी देखील घेण्यात आली.

3.2.7 व्यवसाय सातत्य योजना

ट्रायमॅक्स सोबत सध्याच्या करारानुसार 14 जून 2022 पर्यंत वेब सुविधेसह इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणालीची अंमलबजावणी आणि देखभाल करणे आवश्यक होते. त्यामध्ये महामंडळाद्वारे विनिर्दिष्ट केले जाईल तेव्हा महामंडळाच्या विविध कर्मचारी सदस्यांना जसे की वाहक, लेखा अधिकारी, बस डेपो/स्थानके/विभागीय/प्रादेशिक/केंद्रीय कार्यालयातील इतर, इत्यादींना संबंधित नवीन प्रणाली संदर्भात आवश्यक प्रशिक्षण, सामग्री आणि प्रशिक्षण प्रशिक्षक इत्यादी देणे देखील समाविष्ट होते. प्रणाली समाकलक संपूर्ण प्रकल्प संकल्पनेपासून ते कार्यचालन आणि देखभालीपर्यंतचे व्यवस्थापन करेल तसेच त्यानंतरच्या पायाभूत सुविधा/ कार्यक्रम आणि हॅडहोल्डिंग आणि प्रणाली समाकलकने खरेदी केलेल्या हार्डवेअर आणि प्रणाली सॉफ्टवेअरसह सर्व मालमत्ता महामंडळाकडे हस्तांतरित करायला पाहिजे. कराराच्या

अवधी दरम्यान प्रत्येक वेळेस निर्गमन व्यवस्थापन कालावधीसहित समाविष्ट सेवेचे सातत्य सुनिश्चित करण्यासाठी प्रणाली समाकलक जबाबदार होता.

सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशी (कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षेच्या परिच्छेद 3.15 वरील 6.5)

महामंडळ मेसर्स ट्रायमॅक्सवर व्यवसायाच्या सातत्यासाठी पूर्णपणे अवलंबून होते आणि भविष्यात समस्या उद्भवल्यास आपत्ती व्यवस्थापनाचाही विचार करावयास हवा होता. या समस्येचे निराकरण करण्यासाठी माहिती तंत्रज्ञान तज्ञांचा समावेश असलेली समिती नियुक्त करून दोन महिन्यांच्या आत म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत अहवाल सादर करण्याची शिफारस देखील करण्यात आली.

महामंडळाने केलेली कारवाई

कारवाई अहवालानुसार महामंडळाने मेसर्स अर्नेस्ट आणि यंग यांना प्रकल्प व्यवस्थापन सल्लागार म्हणून नियुक्त केले होते, जे प्रकल्प नियंत्रणाचे काम पाहतात. भविष्यात प्रकल्प संचालनातील अडथळे टाळण्यासाठी आणि आपत्ती व्यवस्थापनासह मेसर्स ट्रायमॅक्स वरील अवलंबन कमी करण्यासाठी, सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशीनुसार त्वरित निराकरणासाठी मेसर्स अर्नेस्ट आणि यंग यांच्याकडून एक प्रस्ताव मागविण्यात येईल.

महामंडळाने एक समिती देखील नियुक्त केली होती, ज्यामध्ये माहिती तंत्रज्ञान आणि परिवहन विभागांचे प्रतिनिधी सदस्य आहेत. समितीने मेसर्स के पी एम जीला प्रकल्प व्यवस्थापन सल्लागार म्हणून नियुक्त केले होते, जे प्रकल्पाच्या सुरळीत क्रियाकलाप, आपत्ती व्यवस्थापनासह प्रकल्प अवलंबित्व कमी करण्यासाठी सल्ला देतील.

पाठपुरावा लेखापरीक्षणादरम्यान असे निदर्शनास आले की केलेल्या कारवाईचा अहवाल सार्वजनिक उपक्रम समितीला दोन महिन्यांच्या आत, म्हणजेच फेब्रुवारी 2018 पर्यंत सादर करावयाचा होता परंतु तो सार्वजनिक उपक्रम समितीला डिसेंबर 2020 मध्ये सादर करण्यात आला.

शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की मॉक ड्रील्स दोन प्रसंगी आयोजित करण्यात आल्या होत्या आणि आपत्तीच्या वेळी प्रणालीला पूर्वस्थितीत आणण्यासाठी आणि प्रतिबंधात्मक उपाययोजना म्हणून लावलेली उपकरणे आणि केबल सुस्थितीत राहण्यासाठी प्रणाली समाकलक जबाबदार होते.

असे निदर्शनास आले (नोव्हेंबर 2021) की प्रतिबंधात्मक उपाय म्हणून तैनात केलेली प्रणाली/उपकरणे/केबल आणि पेरीफेरल्स सुस्थितीत आहेत हे सुनिश्चित करण्यासाठी आणि कोणतीही आपत्ती उद्भवल्यास यंत्रणा पुनर्संचयित करण्यासाठी प्रणाली

समाकलकद्वारे वेळोवेळी मॉक ड्रील्स आयोजित न करता फक्त एक मॉक ड्रील आयोजित केली गेली (जानेवारी 2019). त्यामुळे महामंडळाने व्यवसाय सातत्य/संकट व्यवस्थापनासाठी प्रणाली स्थापित केलेली नाही. सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशी असतांनाही व्यवसाय सातत्य/आपत्ति व्यवस्थापनासाठी ते ट्रायमॅक्सवर अवलंबून राहिले. तसेच आपत्कालीन परिस्थितीत किंवा ऑनलाइन प्रणाली अयशस्वी झाल्यास प्रणालीची बॅकअप योजना सुस्थितीत राहण्यासाठी प्रणालीची वेळोवेळी चाचणी करणे आवश्यक आहे आणि प्रणाली सुरळीतपणे चालण्यासाठी प्रणाली समाकलक जबाबदार असले तरी बॅकअप योजनेचे कार्य आणि चाचणी सुनिश्चित करण्याची जबाबदारी महामंडळाची आहे.

3.2.8 इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणालीची¹⁷ अंमलबजावणी आणि देखरेख करण्यासाठी डेटा विश्लेषण

3.2.8.1 सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशी आणि त्यानंतर महामंडळाने केलेल्या कारवाईच्या अनुषंगाने 250 डेपोंपैकी 106 डेपोंच्या संदर्भात इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणालीची अंमलबजावणी आणि देखरेख करण्याच्या डेटाचे विश्लेषण केले ज्यावरून निदर्शनास येते (सप्टेंबर-ऑक्टोबर 2021) की

- ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली अंतर्गत व्यवहाराच्या तक्त्यामध्ये 1,91,16,593 प्रकरणांपैकी 14,477 प्रकरणांत आगाऊ बुकींग करणाऱ्या प्रवाशांची नावे संकलित करण्यासाठी तयार केलेला प्रवासी नाव रकाना रिक्त होता आणि 36 प्रकरणात रकान्यामध्ये ‘,’ अथवा ‘+’ अशी चिन्हे आहेत.
- इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीन डेटाबेस मध्ये 12¹⁸ डेपोंमध्ये सवलतीसाठी पात्र असलेल्या 8.05 कोटी प्रवाशांपैकी 7.82 कोटी प्रवाशांचा ओळख पुरावा रकाना (97 टक्के प्रकरणांमध्ये) रिक्त होता.

¹⁷ नाव, वय, लिंग, पत्ता, सवलत, मोबाईल/फोन नंबर इत्यादिसारख्या ऑनलाइन तिकीट आरक्षित करणाऱ्या प्रवाशांचे तपशील संकलित करण्यासाठी अनुप्रयोग (अॅप्लिकेशन) विकसित केले आहे.

¹⁸ औरंगाबाद-1, बीड, भंडारा, बुलढाणा, धुळे, कोल्हापूर, कुर्ला नेहरू नगर, नागपूर ग्रामीण-1, नागपूर ग्रामीण-2, नाशिक CBS, रत्नागिरी आणि यवतमाळ.

➤ ऑडिट ट्रेलच्या अनुपस्थितीत व्यवहार तक्त्यांमध्ये केलेल्या बदलांवर नियंत्रण ठेवले जाऊ शकत नाही. तथापि, ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेसमधील 449 तक्त्यांच्या तुलनेत केवळ 15¹⁹ तक्त्यांसाठी ऑडिट ट्रेल उपलब्ध होते.

➤ बारा डेपोंमध्ये सवलतीसाठी पात्र असलेल्या प्रवाशांसाठी जानेवारी 2016 ते 31 मार्च 2021 या कालावधीत इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणाऱ्या मशीनद्वारे 8.06 कोटी तिकिटे निर्मित करण्यात आली होती. या तिकिटांच्या आधारावर महामंडळाने महाराष्ट्र शासनाकडे प्रतिपूर्तीचा दावा केला होता. विश्वसनीय आणि अचूक डेटाच्या अभावी महामंडळाने महाराष्ट्र शासनाकडे उपस्थित केलेल्या प्रतीपूर्ती दाव्यांची लेखापरीक्षणात पडताळणी करता आली नाही. शासनाने म्हटले (फ्रेब्रुवारी 2022) की महामंडळाला योग्य कारवाई करण्याच्या सूचना दिल्या होत्या.

3.2.8.2 गृह विभागाच्या सूचनेनुसार (नोव्हेंबर 2008 आणि ऑक्टोबर 2018) अपंग/दृष्टीदोष असलेल्या प्रवाशांना साधारण/सेमी लक्झरी बसेस आणि शिवशाही बसेसने केल्या गेलेल्या प्रत्येक प्रवासासाठी दरात अनुक्रमे 75 टक्के आणि 70 टक्के सवलत देणे आवश्यक आहे. त्याचप्रमाणे, अपंग/दृष्टीदोष असलेल्या प्रवाशांसह प्रवास करणाऱ्या सोबत्याला साधारण/सेमी लक्झरी बस आणि शिवशाही बसेसच्या दरात अनुक्रमे 50 टक्के आणि 45 टक्के सवलत देण्यात येते.

➤ अपंग प्रवाशांसोबत (कोड-19) प्रवास करणाऱ्या सोबत्याचे तपशील संकलित करण्यासाठी 'कन्सेशन कोड-20' देण्यात आला. अपंग प्रवाशांसाठी आणि त्यांच्या सोबतच्या प्रवाशांसाठी वेगवेगळे कोड तयार करण्यात आल्यामुळे प्रत्येक कोडसाठी फक्त एक सवलतीचे तिकिट तयार केले जावे आणि अपंग प्रवासी आणि त्यांच्या सोबत प्रवास करणाऱ्या सोबत्याच्या तिकिटात त्याने/तिने प्रवास केला होता अशा अपंगांचा क्रॉस संदर्भ असणे आवश्यक आहे.

➤ प्रत्यक्ष प्रवास करणाऱ्या 20,36,122 प्रवाशांच्या तुलनेत इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणाऱ्या मशीनने अपंग प्रवाशांची 9,77,578 तिकिटे निर्माण केली. त्यामुळे 10,58,544 अपात्र प्रवाशांना सवलत दिल्याने महामंडळाचे ₹5.54 कोटींचे नुकसान झाले. त्याचप्रमाणे, सोबत्यांसाठी निर्मित झालेल्या 12,871 तिकिटांच्या तुलनेत सोबती श्रेणी अंतर्गत 30,184 प्रवाशांनी प्रवास केला. परिणामी महामंडळाचे ₹0.08 कोटींचे नुकसान झाले. अशा प्रकारे, जास्त संख्येत अपंग प्रवाशी आणि त्यांच्या सोबत्यांना दिल्या गेलेल्या सवलतीमुळे महामंडळाचे एकूण ₹5.62 कोटींचे नुकसान झाले.

¹⁹ api_log, bus_services_insert_update_log, bus_stops_insert_update_log, flat_fare_log, payment Gateway Cron_log, Procedure Book Ticket_log, Procedure release Quota Seats_log, Procedure Cancel Rebook Ticket_log, Procedure Temporary Lock Unlock Seats_log, Procedure release Seats_log, route_master_copy_log, session_log, SLA_etim Breakdown_logs, Third party_alert_logs, WS_logs.

➤ इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनने दृष्टीदोष असलेल्या प्रवाशांसाठी निर्मित केलेल्या 92,731 तिकिटांच्या तुलनेत प्रत्यक्ष 1,94,137 प्रवाशांनी प्रवास केला. परिणामी 1,01,406 अपात्र प्रवाशांना सवलत दिल्यामुळे महामंडळाला ₹0.49 कोटींचे नुकसान झाले. तसेच 2,661 तिकिटांच्या तुलनेत सोबती श्रेणी अंतर्गत 6,994 प्रवाशांनी प्रवास केला. परिणामी, महामंडळाला ₹0.02 कोटींचे नुकसान झाले. अशाप्रकारे जास्त संख्येतील दृष्टीदोष असलेले प्रवाशी आणि त्यांच्या सोबत्यांना अस्वीकार्य सवलत दिल्यामुळे महामंडळाला एकूण ₹0.51 कोटींचे नुकसान झाले.

➤ ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेसमध्ये जरी मूळ तिकिटाची आणि संदर्भ तिकिटाची तरतूद होती तरी इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणाऱ्या मशीन डेटाबेसमध्ये ते गहाळ होते. तिकीट क्रमांकाच्या क्रॉस संदर्भाअभावी पात्र प्रवाशांना दिलेल्या सवलतीच्या भाड्याची सत्यता पडताळता आली नाही.

➤ शारीरिकदृष्ट्या अपंग प्रवाशांच्या 5.35 कोटी प्रकरणांमध्ये आणि त्यांच्या सोबत्यांच्या 0.15 कोटी प्रकरणांमध्ये तिकिट दरात विहित²⁰ टक्क्यांपेक्षा जास्त सवलत देण्यात आली होती. परिणामी ₹17.89 कोटी कमी महसूल प्राप्ती झाली. त्याचप्रमाणे, दृष्टीदोष असलेल्या प्रवाशांच्या 0.47 कोटी प्रकरणांमध्ये आणि त्यांच्या 2.51 लाख सोबत्यांच्या प्रकरणांमध्ये विहित टक्क्यांपेक्षा जास्त सवलतीच्या दरामुळे महसूल प्राप्ती ₹1.28 कोटींनी कमी झाली.

शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की नऊ प्रवासी एकाच तिकीटावर प्रवास करू शकतात म्हणून अपंग प्रवाशांच्या बाबतीत त्यांच्या सोबत्यांचे क्रॉस संदर्भ करणे व्यवहार्य नव्हते. तसेच, ऑनलाइन तिकीट बुक करणारी अपंग व्यक्ती प्रत्यक्षात सोबत्यांबरोबर प्रवास करू शकते त्यामुळे इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीन प्रणालीमध्ये अशा प्रकरणात देखील क्रॉस संदर्भ शक्य नव्हते. पुढे, शासनाने महामंडळाला प्राधान्याने स्मार्ट कार्ड प्रणाली लागू करण्याच्या आणि योग्य कारवाई करण्याच्या सूचना दिल्या.

3.2.8.3 स्वातंत्र्य सैनिकांना²¹ फक्त एका सोबत्यासह तिकीट दरात 100 टक्के सवलत देण्याच्या शासनाच्या सूचना (मे 1989 आणि ऑक्टोबर 2018) आहेत. आमचे डेटा विश्लेषण निदर्शित करते की:

➤ ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेसमध्ये स्वातंत्र्य सेनानी श्रेणी अंतर्गत ऑनलाइन बुक केलेल्या 19,902 तिकीटांपैकी 17,091 तिकिटे ही ऑनलाइन तिकीटे

²⁰ शारीरिकदृष्ट्या अपंग प्रवाशांसाठी साधारण सेमी-लकडारी बसेसच्या भाड्यात 75 टक्के सवलत आणि शिवशाही बसच्या भाड्यात 70 टक्के सवलत तर त्यांच्या सोबत्यांना साधारण/सेमी-लकडारी बसच्या भाड्यात 50 टक्के सवलत आणि शिवशाही बसच्या भाड्यात 45 टक्के सवलत.

²¹ अलोकप्रिय सरकारपासून देशाला मुक्त करण्याच्या चळवळीत भाग घेणाऱ्या गटाशी संबंधित व्यक्ती.

बुक करण्याच्या वेळेस 70 वर्षांपेक्षा कमी वय दर्शविण्यात आलेल्या प्रवाशांची होती. भारतीय स्वातंत्र्यानंतर 74 वर्षांहून अधिक काळ लोटला असल्याने ऑनलाइन आरक्षण प्रणालीसाठी अप्लिकेशनची रचना करतांना पुरेसे इनपुट वय नियंत्रण प्रदान करावयाला पाहिजे होते. स्वातंत्र्य सैनिक श्रेणी अंतर्गत बुक केलेल्या तिकीटांचे वय-निहाय विश्लेषण खालील तक्ता 3.1 मध्ये दर्शविले आहे.

तक्ता 3.1: अपात्र प्रवाशांना दिली गेलेली सवलत (ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेस)

| च्या दरम्यान वय असलेल्या प्रवाशांसाठी बुक केलेली तिकिटे | | | | |
|---|-------------|-------------|-------------|------------------------------------|
| 12-20 वर्षे | 21-30 वर्षे | 31-40 वर्षे | 41-50 वर्षे | 50 वर्षांवरील परंतु 70 वर्षा खालील |
| 274 | 2,398 | 3,089 | 4,533 | 6,797 |
| स्त्रोत: महामंडळाकडून प्राप्त माहिती | | | | |

महामंडळाने नमूद केले (जानेवारी 2022) की शासनाकडून स्पष्टीकरण/मार्गदर्शन मिळाल्यानंतर प्रणालीमध्ये आवश्यक ते बदल समाविष्ट केले जातील. शासनाने महामंडळाला योग्य कारवाई करण्याच्या सूचना दिल्या (फेब्रुवारी 2022).

3.2.8.4 इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनने स्वातंत्र्य सैनिक श्रेणी अंतर्गत 24,468 तिकीटांची निर्मिती केली ज्याच्या तुलनेत प्रत्यक्षात 70,242 प्रवाशांनी प्रवास केला होता. परिणामी, 45,774 अपात्र प्रवाशांना सवलत दिल्याने महामंडळाला ₹0.21 कोटीचे नुकसान झाले. त्याचप्रमाणे सोबती श्रेणी अंतर्गत 28,470 तिकिटे जारी केल्यानंतर 72,084 प्रवाशांनी प्रवास केला, परिणामी महामंडळाला ₹0.27 कोटीचे नुकसान झाले. अशाप्रकारे, जास्त संख्येतील स्वातंत्र्य सैनिक प्रवाशी आणि त्यांच्या सोबत्यांना अस्वीकार्य सवलत दिल्यामुळे महामंडळाला एकूण ₹0.48 कोटी नुकसान झाले.

➤ लेखापरीक्षणात समाविष्ट केलेल्या कालावधी दरम्यान, प्रत्यक्ष प्रवास केलेल्या 65,443 स्वातंत्र्य सैनिक प्रवाशांच्या तुलनेत 73,097 सोबत्यांनी सवलतीच्या दराचा लाभ घेतला होता. ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेसमध्ये मूळ तिकिट आणि संदर्भ तिकिटांची तरतूद उपलब्ध करून देण्यात आली होती; तथापि इलेक्ट्रॉनिक तिकिट जारी करणाऱ्या मशीन डेटाबेसमध्ये सोबत्यांच्या तिकीटांसह स्वातंत्र्य सैनिकांच्या मूळ तिकिटांचा क्रॉस संदर्भ केला गेला नाही. स्वातंत्र्य सैनिकांना जारी केलेली 43,145 तिकिटे अशी होती की त्यांनी स्वातंत्र्य सैनिकांसोबत प्रवास केलेला नव्हता; तरीही त्यांना सवलत देण्यात आली होती.

शासनाने महामंडळाला प्राधान्याने स्मार्ट कार्ड प्रणाली लागू करण्याच्या सूचना दिल्या (फेब्रुवारी 2022).

3.2.8.5 महामंडळाचे परिपत्रका (ऑगस्ट 2000) सह शासन निर्णय (फेब्रुवारी 2000) द्वारे आदिवासी सेवक पुरस्कार प्राप्त करणाऱ्यांसोबत त्यांच्या एका सोबत्याला

साधारण, सेमी-लक्झरी आणि लक्झरी बसमध्ये प्रत्येक प्रवासासाठी दरात 100 टक्के सवलत दिली आहे. 106 डेपोमधील इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनच्या डेटाबेसच्या पडताळणीत उघडकीस आले (नोव्हेंबर 2021) की;

➤ 106 डेपोंच्या इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनच्या डेटाबेसच्या तपासणीत असे निदर्शनास आले की आदिवासी सेवक पुरस्कृत प्रवाशांना आणि त्यांच्या सोबतच्या सोबत्यांना जारी केलेल्या 19,671 तिकीटांच्या तुलनेत 81,843 प्रवाशांना सवलत दिली गेली होती. परिणामी 62,172 प्रवाशांना ₹0.19 कोटी सवलतीची अनियमित परवानगी देण्यात आली.

शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की एकाच तिकिटावर नऊ प्रवासी प्रवास करू शकत असल्यामुळे आदिवासी सेवक पुरस्कर्ते आणि संरक्षक प्रवाशांच्या संख्या, विकल्या गेलेल्या तिकिटांच्या संख्येशी जुळणार नाही. तसेच, ऑनलाइन तिकीट बुक करणारी आदिवासी सेवक पुरस्कर्ती व्यक्ती प्रत्यक्षात सोबत्यांसह प्रवास करू शकते म्हणून अशा प्रकरणात क्रॉस संदर्भ देखील इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीन प्रणालीमध्ये व्यवहार्य नव्हते.

3.2.8.6 महाराष्ट्र शासनाने (फेब्रुवारी 1998) राज्याच्या अर्जुन, द्रोणाचार्य आणि छत्रपती पुरस्कर्त्यांना सार्वजनिक मार्ग परिवहनातून मोफत प्रवास करण्याची परवानगी दिली आहे आणि माफ केलेले भाडे महाराष्ट्र शासनाद्वारे परत केले जाईल. ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली अंतर्गत तिकिटांच्या तपशीलांचा डेटा संकलित करणाऱ्या तक्त्याच्या तपासणीत असे उघडकीस आले की;

➤ अर्जुन आणि द्रोणाचार्य पुरस्कर्त्यांना 215 आणि 26 तिकीटे जारी करण्यात आली होती, परंतु प्रत्यक्षात अनुक्रमे 258 आणि 28 प्रवाशांनी प्रवास केला. तसेच इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीन डेटाबेस अंतर्गत तिकीट तपशील संकलित करणाऱ्या तक्त्याच्या तपासणीत असे उघडकीस आले की अर्जुन आणि द्रोणाचार्य पुरस्कर्त्यांना अनुक्रमे 8,399 आणि 6,778 तिकीटे जारी करण्यात आली होती परंतु प्रत्यक्षात 27,894 आणि 42,356 प्रवाशांनी प्रवास केला होता. अशाप्रकारे, 55,073 (19,495+35,578) प्रवाशांना अनियमितपणे सवलत दिली गेली, परिणामी ₹ 10.23 लाख महसुलाचे नुकसान झाले. छत्रपती पुरस्कर्त्यांच्या बाबतीत अशा 7,129 प्रवाशांच्या तुलनेत प्रत्यक्षात 8,644 प्रवाशांनी सवलतीचा लाभ घेतला. परिणामी ₹ 1.19 लाख महसुलाचे नुकसान झाले.

शासनाने महामंडळाला स्मार्ट कार्ड प्रणाली प्राधान्याने लागू करण्याच्या सूचना दिल्या (फेब्रुवारी 2022).

3.2.8.7 महामंडळाने (डिसेंबर 1976 आणि मार्च 1978 मध्ये जारी करण्यात आलेली परिपत्रके) कर्करोगाच्या रुग्णांना 1,500 किमी अंतरापर्यंतच्या प्रत्येक प्रवासासाठी

भाड्यामध्ये 50 टक्के सवलत मान्य केली होती. ती सुधारित (ऑक्टोबर 2018) करून 75 टक्के करण्यात आली होती. क्षयरोग आणि कुष्ठरोगाच्या रुग्णांना प्रत्येक प्रवासासाठी 50 किमी अंतरापर्यंत 75 टक्के सवलत देण्यात आली आहे.

डेटा विश्लेषणादरम्यान असे निदर्शनास आले की:

➤ कर्करोग, क्षयरोग आणि कुष्ठरोग श्रेणी अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनद्वारे जारी केलेल्या 5,309 तिकिटांच्या तुलनेत 11,990 प्रवाशांनी प्रवास केला. परिणामी, 6,681²² अपात्र प्रवाशांना सवलतीची परवानगी दिल्यामुळे महामंडळाला ₹ 3.60 लाखांचे²³ नुकसान झाले. 1,34,559 कॅन्सर रुग्ण प्रवाशांच्या बाबतीत 75 टक्क्यांपेक्षा जास्त सवलत दिल्याने ₹ 5.93 लाखांची महसूल हानी झाल्याचे निदर्शनास आले. त्याचप्रमाणे 8,431 क्षय रोग रुग्ण आणि 3,706 कुष्ठ रोग रुग्णांच्या बाबतीत 50 कि.मी. च्या विहित मर्यादेपेक्षा जास्त सवलत देण्यात आली होती ज्यामुळे अनुक्रमे ₹ 1.62 लाख आणि ₹ 1.05 लाख इतकी महसूल हानी झाली. शासनाने महामंडळाला स्मार्ट कार्ड प्रणाली प्राधान्याने लागू करण्याच्या सूचना दिल्या (फेब्रुवारी 2022).

3.2.8.8 'तिकीट' तक्त्यातील तिकीट ओळख असलेल्या 'तिकीट_ओळखपत्रे' रकान्याच्या संदर्भात 12 डेपोंच्या इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीन डेटाबेसच्या डेटा विश्लेषणातून उघडकीस आले (ऑक्टोबर 2021) की;

➤ 34.37 कोटी तिकीटांपैकी 0.64 कोटी तिकिटांच्या संदर्भात 01 ऑक्टोबर 2016 ते 31 मार्च 2021 या कालावधीत 'तिकीट_ओळखपत्रे' नव्हते. अशाप्रकारे, लेखापरीक्षणामध्ये डेटाची विश्वासाहता निश्चित करता आली नाही.

➤ पूर्वीच्या लेखापरीक्षणात निदर्शनास आणून दिल्याप्रमाणे सप्टेंबर 2011 ते ऑक्टोबर 2014 या कालावधीत 417.15 कोटी तिकिटांची विक्री 'तिकीट तक्त्या' मध्ये दर्शविण्यात आली होती. तथापि, चालू विश्लेषणादरम्यान त्याच कालावधीतील तिकिटांची संख्या 417.20 कोटी दर्शविली गेली जी पूर्वीच्या आणि सध्याच्या पडताळणीमध्ये अशा पाच लाख तिकिटांचा फरक दर्शविते. अशाप्रकारे, कालांतराने डेटा बदलला होता त्यामुळे डेटाची विश्वासाहता आणि व्यवस्थापन माहिती प्रणालीच्या उद्देशांसाठी त्याचा वापर याबद्दल शंका निर्माण होते.

शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की डेटाची अचूकता आणि अखंडता सुस्थितीत ठेवण्यासाठी संबंधित डेटाबेस व्यवस्थापन प्रणाली (RDBMS) चे रोल बँक वैशिष्ट्य वापरले गेले.

²² कर्करोग - 4768 प्रकरणे, कुष्ठरोग - 889 प्रकरणे आणि क्षयरोग - 1024 प्रकरणे.

²³ कर्करोग - ₹ 2.91 लाख, कुष्ठ रोग - ₹ 0.30 लाख आणि क्षयरोग - ₹ 0.39 लाख.

3.2.8.9 सवलतीसह सर्व प्रकारची तिकिटे हाताळण्यासाठी इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन प्रोग्राम केलेले होते. तथापि, आवश्यकतेनुसार आणि वेळोवेळी जारी केलेल्या शासन निर्णयानुसार यामध्ये सुधारणा करण्यात आल्या नाही. विविध सवलतीबाबत येणाऱ्या अडचणींवर मात करण्यासाठी महामंडळाने स्वतंत्रपणे स्मार्ट कार्ड प्रकल्प सुरू केला. महामंडळाने डेपोतून विद्यार्थी, ज्येष्ठ नागरिक, रुग्ण इत्यादींसाठी विविध श्रेणींमध्ये सवलतीच्या भाड्यासाठी पात्र असलेल्या प्रवाशांना पासच्या बदल्यात स्मार्ट कार्ड देण्यास सुरुवात केली. ही कार्डे केवळ इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनद्वारे वाचली आणि संकलित केली जातात आणि त्यासाठी वापरकर्त्याला ते जारी करण्यापूर्वी प्रणालीमध्ये स्मार्ट कार्ड वापरकर्त्याच्या तपशीलाची प्रविष्टी करणे आवश्यक आहे. डेस्कटॉपला लागू होणारे स्मार्टकार्ड रीडर/रायटरही बस डेपो आणि स्थानकांना पुरविण्यात आले होते. आमच्या डेटा विश्लेषणादरम्यान असे निदर्शनास आले की:

- 2019-2021 या कालावधीत सवलतीसाठी पात्र प्रवाशांना 32,55,714 स्मार्ट कार्ड जारी करण्यात आले. तथापि, इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनला हे स्मार्ट कार्ड वाचता आले नाही कारण मशीनमध्ये कार्ड ठेवल्यानंतर ही मशीन हँग झाली. अशाप्रकारे, वाहकाला अशा प्रवाशांचा डेटा मॅनुअल पद्धतीने इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनमध्ये प्रविष्ट करणे आवश्यक ठरले.
- पूर्व मुद्रित पासेसच्या विक्रीची जुनी प्रथा अजूनही चालू राहिली कारण प्रणाली समाकलक स्मार्ट कार्ड प्रदान करण्यात अयशस्वी ठरले आणि या पासेसमधून मिळणारा महसूल संबंधित तक्ता तयार करून डेटाबेसमध्ये संकलित केला गेला नाही. त्याच्या अभावी मानवी हस्तक्षेपाशिवाय प्रवासाच्या वेळी पासेसची वैधता यंत्रणेद्वारे सुनिश्चित करण्यासाठी महामंडळ असमर्थ ठरले.

मार्च 2019, मार्च 2020 आणि मार्च 2021 मध्ये नागपूर डेपोतील (ग्रामीण-2) सर्व प्रवासी श्रेणींद्वारे दावा केलेल्या सवलतींशी संबंधित लेखापरीक्षणात पडताळण्यात आलेल्या डेटाची स्थिती खालील तक्ता 3.2 मध्ये दर्शविली आहे:

तक्ता 3.2: ETIM आणि मॅन्युअल संगणनेच्या आकड्यांमधील फरक

| महीने → | मार्च 2019 | | मार्च 2020 | | मार्च 2021 | |
|--------------------------------------|-------------------------------------|-----------|-------------------------------------|-----------|-------------------------------------|-----------|
| बाबी ↓ | इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन | मॅन्युअल | इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन | मॅन्युअल | इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन | मॅन्युअल |
| प्रवाशांची संख्या | 47,158 | 50,010 | 30,859 | 33,353 | 14,927 | 14,937 |
| वास्तविक भाडे | 46,26,370 | 57,67,513 | 28,69,066 | 35,44,228 | 14,43,705 | 14,75,304 |
| वसूल केलेले भाडे (A) | 22,32,185 | 26,94,884 | 13,29,690 | 15,79,646 | 6,44,785 | 6,56,839 |
| प्रतिपूर्ती रक्कम (B) | 23,85,411 | 30,72,629 | 15,38,124 | 19,64,582 | 7,95,758 | 8,18,465 |
| एकूण रक्कम (A+B) | 46,17,596 | 57,67,513 | 28,67,814 | 35,44,228 | 14,40,543 | 14,75,304 |
| स्त्रोत: महामंडळाकडून प्राप्त माहिती | | | | | | |

वरील तक्त्यावरून सूचित होते की, इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीन प्रणालीद्वारे तयार केलेले अहवाल आणि मॅन्युअली तयार केलेले अहवाल जुळत नव्हते कारण सवलतीचे भाडे, प्रत्यक्ष भाडे, प्रतिपूर्ती केलेली रक्कम आणि एकूण रकमेचा लाभ घेणाऱ्या प्रवाशांच्या संख्येत लक्षणीय तफावत होती. अशा प्रकारे या आकडेवारीचे समायोजन होणे गरजेचे आहे. यावरून असे सूचित होते की ई-तिकिटिंग प्रणालीच्या संगणकीकरणाचा उद्देश विफल झाला.

शासनाने महामंडळाला स्मार्ट कार्ड प्रणाली प्राधान्याने लागू करण्याच्या सूचना दिल्या (फेब्रुवारी 2022).

3.2.8.10 वेबिल फेरी तपशील प्राप्त करण्यासाठी तक्त्याची निर्मिती फेरी-निहाय महसुलावर विश्लेषणात्मक अहवाल तयार करण्याच्या निर्णय प्रक्रियेसाठी केली होती. बारा डेपोंच्या संदर्भात इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीन्सच्या डेटाबेसच्या पडताळणीतून असे उघड झाले (ऑक्टोबर 2021) की:

- 1.23 कोटी अभिलेख्यांपैकी 2,909 अभिलेख्यांमध्ये मार्ग क्रमांक "0" च्या नावे ₹ 82.25 लाखांचे उत्पन्न निर्माण झाल्याचे नोंदवले गेले, जे मार्गाच्या मास्टर तक्त्यामध्ये उपलब्ध नव्हते.
- 1.23 कोटी अभिलेख्यांपैकी 4.56 लाख अभिलेख्यांमध्ये "00000000" अनुरूप फेरी क्रमांकाच्या नावे ₹ 96.95 कोटींचे एकत्रित महसूल उत्पन्न नोंदवले गेले जे फेरी असलेल्या मास्टर तक्त्यामध्ये देखील उपलब्ध नव्हते.
- नऊ डेपोंमध्ये 227 रिक्त फेरी क्रमांक निर्माण केले गेले, जे मानवी हस्तक्षेप आणि डेटा अखंडतेशी तडजोड दर्शवितात.

शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की ह्यावर मात करण्यासाठी महामंडळाला प्रस्तावित तिकीट प्रणालीमध्ये सुचविलेले बदल समाविष्ट करण्याच्या सूचना देण्यात आल्या आहेत.

3.2.8.11 अधिकृत बुकींग अभिकर्त्यांना बुकींग खिडकीवर बुक केलेल्या प्रवाशांप्रमाणे संभाव्य प्रवाशांसाठी त्यांचेकडून भाडे वसूल करून आगाऊ तिकिटे बुक करण्याची परवानगी आहे. कराराच्या अटीनुसार अधिकृत बुकींग अभिकर्त्याला क्रेडिट मर्यादेची परवानगी दिली होती, ज्याने विकलेल्या तिकीटांच्या किंमती इतके पैसे ठेवण्याची तरतूद केली होती आणि वसूल केलेले पैसे पुढील दिवसापर्यंत नियुक्त केलेल्या बँक खात्यात जमा करणे आवश्यक होते.

ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेसच्या तपासणीत उघडकीस आले (ऑक्टोबर 2021) की:

- लेखापरीक्षण कालावधीशी संबंधित अधिकृत बुकींग अभिकर्त्यांच्या 973 प्रकरणांपैकी 237 प्रकरणांत कराराच्या अटीमध्ये निर्दिष्ट केलेल्या पैशाच्या मूल्याच्या

मर्यादेवरील डेटा मास्टर तक्त्यात असलेल्या मर्यादा रकान्यामध्ये 'शून्य' म्हणून दर्शविला गेला होता आणि त्यामुळे पैशाच्या मूल्याच्या मर्यादेचे निरीक्षण करता आले नाही.

➤ 58 प्रकरणांत जेथे महामंडळाच्या कर्मचाऱ्यांना बुकींग अभिकर्ता म्हणून अधिकृत करण्यात आले होते, त्याच अभिकर्ता कोडमध्ये अनेक वेगवेगळ्या ठिकाणी एकापेक्षा जास्त बुकींग केंद्र आढळून आले; आणि

➤ इतर 83 प्रकरणांत, एकाच ठिकाणी एकाच अभिकर्त्यासाठी वेगवेगळे बुकींग केंद्र कोड तयार केले गेले होते ज्यामुळे अधिकृत बुकींग अभिकर्त्याला विहित रक्कमेच्या पलीकडे क्रेडिट मर्यादा मिळणे सुकर झाले. हे प्रणालीमधील इनपुट नियंत्रणाची अपर्याप्तता दर्शविते.

शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की टॉप-अप सुरु करण्यापूर्वी खाजगी अभिकर्त्यांना 'शून्य' शिल्लक असतांना देखील कार्यचालन करण्याची परवानगी होती. असे असूनही 205 सक्रिय अधिकृत बुकींग अभिकर्ते होते, ज्यांची क्रेडिट मर्यादा 'शून्य' म्हणून दर्शविली गेली.

3.2.8.12 इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेसमध्ये डेपोत उपलब्ध बसेसचे तपशील, हस्तलिखित पास संकलन डेटा, डीजीटाईज्ड मार्ग आणि बस स्टॉप, पासधारकांच्या डेटाचे डिजिटायझेशन, अधिकृत बुकींग अभिकर्त्यांकडून रोख संकलन आणि वित्त प्रेषण डेटा, विविध प्रकारच्या सवलतींसाठी पात्र असलेल्या सर्व प्रवाशांशी संबंधित डेटा इत्यादी दर्शविणाऱ्या तक्त्यांचा समावेश नव्हता.

प्रस्तावित प्रणालीमध्ये लेखापरीक्षाच्या सूचना समाविष्ट केल्या जातील असे शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022).

3.2.8.13 प्रवाशांच्या गरजा पूर्ण करण्यासाठी संबंधित राज्य मार्ग परिवहन महामंडळांसोबत परस्पर वाहतूक करारा²⁴ अंतर्गत महामंडळ आपल्या बसेस राज्याबाहेर (आंध्रप्रदेश, छत्तीसगड, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, मध्यप्रदेश आणि राजस्थान) चालवत आहेत.

डेटा विश्लेषणात निदर्शनास आले (ऑक्टोबर 2021) की, महामंडळाने वर नमूद केलेल्या सात शेजारच्या राज्य मार्ग परिवहन महामंडळांसोबत आंतर-राज्य करार निष्पादित केला असला तरीही इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन आणि

²⁴ आंतरराज्य प्रवासासाठी दोन राज्यांच्या मार्ग परिवहन महामंडळांमधील कराराच्या अभावी संबंधित राज्य शासन असे करार निष्पादित करतात आणि अशा मार्ग परिवहन महामंडळांवर अटी व शर्ती लादतात. अशा करारांमध्ये महसूल वाटप हा प्रमुख घटक आहे.

ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेसमधील तिकीट तपशील समाविष्ट असलेल्या तक्त्यामध्ये केवळ पाच राज्यांसाठी डेटा फिल्ड तयार करण्यात आले होते.

शासनाने नमूद केले की (फेब्रुवारी 2022) लेखापरीक्षणाच्या सूचना प्रस्तावित प्रणालीमध्ये समाविष्ट केल्या जातील.

3.2.8.14 मास्टर तक्ता “डेपो” मध्ये, 251²⁵ विद्यमान डेपोंच्या तुलनेत ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली डेटाबेसमधील 297 डेपो आणि इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणारे मशीन डेटाबेसमधील 294 डेपोंचे तपशील संकलित केले गेले. जोपर्यंत त्रुटी निर्माण करण्याव्यतिरिक्त अचूक डेटा संबंधित तक्त्यांमध्ये आणि अचूक फिल्डमध्ये संकलित केला जात नाही, भविष्यात नवीन प्रणालीमध्ये स्थलांतर करण्यात अडचणी येण्याची शक्यता अंतर्निहित होती. यापूर्वीच्या अहवालात (डिसेंबर 2014) हे निदर्शनास आणून देखील या उणीवा लक्षात आल्या.

➤ डेटा पडताळणीवरून (ऑक्टोबर 2021) निदर्शनास आले की, इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीन डेटाबेस अंतर्गत 411 तक्त्यांपैकी 135 तक्ते आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणालीच्या डेटाबेस अंतर्गत 449 तक्त्यांपैकी 58 तक्ते रिक्त होते आणि डेटा विरहित होते. तसेच, इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनमध्ये तयार केलेले 65 मास्टर तक्ते रिक्त होते आणि डेटा विरहित होते.

शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की डेटाबेस तक्ते कार्यरत डेपोंसाठी मुद्दाम तयार केले गेले होते. काही तक्त्यांमध्ये प्रवाशांच्या मागणी अभावी खिडकी बुकींग कार्य प्रणाली समाकलक संचालित नव्हते आणि काही तक्ते केवळ चाचणीच्या उद्देशाने तयार करण्यात आले होते.

3.2.8.15 इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनच्या डेटाबेसमध्ये एकूण 34,37,29,142 तिकिटांपैकी 3,46,176 मध्ये 16 जानेवारी 2016 ते 25 फेब्रुवारी 2018 या कालावधीत विभागाचे नाव, विभाग कोड, डेपोचे नाव आणि डेपो कोड संकलित करण्यासाठी तयार केलेल्या फिल्डस रिक्त होत्या. महामंडळाने केवळ विद्यमान कालावधीसाठी त्रुटीत सुधारणा केली होती आणि 16 जानेवारी 2016 ते 25 फेब्रुवारी 2018 या कालावधीतील डेटा अद्याप दुरुस्त केला नव्हता.

शासनाने नमूद केले (फेब्रुवारी 2022) की प्रणालीच्या प्रारंभीच्या एकत्रीकरणाच्या टप्प्यात लेखापरीक्षणाने निदर्शनास आणून दिलेल्या फिल्डस रिक्त होत्या.

अशाप्रकारे इलेक्ट्रॉनिक तिकीट जारी करणाऱ्या मशीनची आणि ऑनलाइन आरक्षण प्रणालीची अंमलबजावणी आणि देखरेख करण्यासाठी पूर्ण आणि विश्वासाई डेटा मिळविण्यासाठी पुरेसे इनपुट नियंत्रण आणि प्रमाणीकरण तपासण्या नाहीत.

²⁵ 250 डेपो आणि एक भुगतान गेटवे.

परिवहन विभाग

महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळ

3.3 ₹ 4.05 कोटीचा निष्फळ खर्च

महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाने मंचर येथे स्वतःच्या धोरणाविरुद्ध विद्यमान दोन डेपोपासून 30 किमीच्या आत एका डेपोचे बांधकाम केल्यामुळे ₹ 4.05 कोटीचा निष्फळ खर्च झाला

महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाने (महामंडळ) बस डेपो बांधण्यासाठी (फेब्रुवारी 1981 आणि मार्च 1999) मंजूर झालेल्या ठरावाद्वारे एक धोरण तयार केले. या धोरणानुसार या उद्देशासाठी निवडलेल्या ठिकाणी फक्त ते तालुक्याचे ठिकाण आहे म्हणून एका डेपोपासून 30 किलोमीटरच्या अंतरावर दुसरा डेपो उभारू नये. तथापि, जर वाजवी वाहतूक घनता/न्याय्य रहदारी घनता असेल आणि आर्थिकदृष्ट्या व्यवहार्य असेल किंवा क्रियात्मक गरजांनुसार योग्यरित्या समर्थित असेल आणि 100 पेक्षा जास्त बस-शेड्यूल चालवत असेल तर डेपोची स्थापना केली जाऊ शकते.

महामंडळाने पुणे जिल्ह्यातील आंबेगांव तहसिलीतील मंचर येथे डेपो बांधण्याचा निर्णय घेतला (जून 2012). मंचरच्या 30 किलोमीटरच्या परिघात आधीच दोन डेपो 14 किलोमीटर अंतरावर नारायणगांव (93 बस-शेड्यूलसह) आणि 20 किलोमीटर अंतरावर राजगुरुनगर (90 बस-शेड्यूलसह) अस्तित्वात असतांनाही मंचर येथे डेपोची आवश्यकता आणि महत्व²⁶ यावर आधारित हा निर्णय होता. या डेपोची व्यवहार्यता त्यांच्याद्वारे ₹ 0.44 कोटीच्या प्रक्षेपित वार्षिक नफ्यावर आधारित होती. हे काम ₹ 4.05 कोटी²⁷ खर्च करून पूर्ण झाले (जून 2017).

लेखापरीक्षेच्या निदर्शनास आले (डिसेंबर 2020) की जून 2017 मध्ये जरी डेपो पूर्ण झाला असला तरी आजपर्यंत (नोव्हेंबर 2021) त्याचा कोणताही उपयोग झालेला नाही. अशाप्रकारे, डेपो कार्यान्वित केला नसल्यामुळे ₹ 4.05 कोटीचा निष्फळ खर्च झाला.

उत्तरादाखल, विभागीय नियंत्रक, पुणे यांनी सांगितले (डिसेंबर 2020) की डेपोचा वापर आणि त्याच्या कामकाजासाठी अतिरिक्त कर्मचाऱ्यांची नियुक्ती करण्याची परवानगी महाव्यवस्थापक (कार्मिक) यांच्याकडून मागविली होती (मे 2018) परंतु प्रशासकीय खर्च कमी करण्यासाठी आणि 30 किलोमीटरच्या परिसरातील डेपोच्या कामकाजात

²⁶ आर्थिक घडामोडींचे केंद्र, राष्ट्रीय महामार्गावर स्थित भीमाशंकर ज्योतिर्लिंगाच्या सान्निध्यात आणि मोठ्या प्रमाणात प्रवासी वाहतूक आकर्षित करणारे अभयारण्य, साखर कारखाना आणि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, नवी मुंबईच्या बाजारपेठेत कृषी उत्पादनाची वाहतूक आणि आंबेगाव तालुका हा आदिवासी असलेला डोंगराळ प्रदेश.

²⁷ (₹ 4.05 कोटी = बांधकामांसाठी ₹ 3.60 कोटी + विद्युत कामांसाठी ₹ 27.80 लाख + जमिनीच्या किंमतीसाठी ₹ 17.50 लाख).

सुसूत्रता/एकरूपता आणण्यासाठी ती नाकारण्यात आली (जुलै 2018). त्यामुळे सक्षम अधिकाऱ्यांनी मंचर डेपो कार्यान्वित न करण्याचा निर्णय घेतला.

उत्तर या वस्तुस्थितीच्या तुलनेत पहावे लागेल की मंडळाचा निर्णय त्यांच्या धोरणाच्या विरुद्ध होता आणि तो मंचर डेपोच्या 30 किलोमीटरच्या परिघात दोन डेपो अस्तित्वात असल्याची माहिती घेतल्यानंतर घेण्यात आला होता. तसेच, उपाध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक, महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन मंडळ हे अधिकारी/कर्मचाऱ्यांच्या नियुक्तीसह डेपोचा बांधकामावरील सर्व खर्चाच्या मान्यतेसाठी अधिकृत असूनही मंचर येथे नव्याने बांधण्यात आलेल्या डेपोचे काम पूर्ण झाल्यापासून (जुलै 2017) तो कार्यान्वित करण्यासाठी महामंडळाने कोणतीही उपाययोजना केली नाही. परिणामी, त्याच्या बांधकामावर ₹ 4.05 कोटींचा निष्फळ खर्च झाला.

ही बाब शासनाच्या निदर्शनास आणून देण्यात आली (ऑगस्ट 2021); त्यांचे उत्तर प्रतीक्षित आहे (ऑगस्ट 2022).

नागपूर
दिनांक: 25 एप्रिल 2023



(रा. तिरुपति वेंकटसामी)
महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II,
महाराष्ट्र, नागपूर

प्रतिहस्ताक्षरित

नवी दिल्ली
दिनांक: 26 एप्रिल 2023



(गिरीश चंद्र मुर्मू)
भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक

परिशिष्टे

परिशिष्ट 1.1

(संदर्भ: परिच्छेद 1.1; पृष्ठ: 1)

महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-II, महाराष्ट्र, नागपूर यांच्या अधिकार क्षेत्रांतर्गत क्लस्टर-निहाय विभागांची, स्वायत्त संस्थांची आणि सार्वजनिक उपक्रमांची यादी दर्शविणारे विवरण

| क्लस्टरचे नाव | विभागाचे नाव | स्वायत्त संस्थेचे नाव | सार्वजनिक उपक्रमाचे नाव |
|--------------------|--------------|---|--|
| ऊर्जा व वीज | ऊर्जा | 1) महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग 2) महाराष्ट्र ऊर्जा विकास अभिकरण | 1) महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित (सहाय्यक) 2) महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी मर्यादित (सहाय्यक) 3) महाराष्ट्र राज्य वीज निर्मिती कंपनी मर्यादित (सहाय्यक) 4) औरंगाबाद वीज कंपनी मर्यादित (सहाय्यक) 5) धोपावे सागरी किनारा ऊर्जा मर्यादित (सहाय्यक) 6) महाजेनको अॅश मॅनेजमेंट सर्विसेस मर्यादित (सहाय्यक) 7) महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडळ होल्डिंग कंपनी मर्यादित 8) महाराष्ट्र ऊर्जा विकास महामंडळ मर्यादित |
| उद्योग आणि वाणिज्य | उद्योग | 3) महाराष्ट्र राज्य खादी आणि ग्रामोद्योग मंडळ | 9) महाराष्ट्र राज्य खनिकर्म महामंडळ मर्यादित 10) महागुज कॉलरीज मर्यादित (सहाय्यक) 11) महा तामीळ कॉलरीज मर्यादित 12) महाराष्ट्र राज्य खनिकर्म महामंडळ अडकोली नैसर्गिक संसाधने मर्यादित (सहाय्यक) 13) महाराष्ट्र राज्य खनिकर्म महामंडळ वरोरा कॉलरीज मर्यादित (सहाय्यक) 14) कोंकण विकास महामंडळ मर्यादित 15) पश्चिम महाराष्ट्र विकास महामंडळ मर्यादित 16) महाराष्ट्र पेट्रोकेमिकल्स महामंडळ मर्यादित 17) कृपानिधी मर्यादित (सहाय्यक) 18) मराठवाडा दुग्धविकास महामंडळ मर्यादित (सहाय्यक) 19) एलोरा दुग्ध उत्पादने मर्यादित (सहाय्यक) 20) परभणी कृषी गो-संवर्धन मर्यादित (सहाय्यक) 21) विदर्भ विकास महामंडळ मर्यादित 22) विदर्भ गुणवत्ता बियाणे मर्यादित ¹ 23) गोंडवाना पॅट्स आणि मिनरल्स मर्यादित ² 24) विदर्भ टॅनरीज मर्यादित ³ 25) महाराष्ट्र औद्योगिक वायु वितरण कंपनी लिमिटेड 26) मराठवाडा विकास महामंडळ मर्यादित 27) गोदावरी गारमॅट्स मर्यादित (सहाय्यक) 28) किनवट रूफिंग टाइल्स मर्यादित (सहाय्यक) 29) महाराष्ट्र इलेक्ट्रॉनिक्स महामंडळ मर्यादित 30) मराठवाडा सिरेमिक कॉम्प्लेक्स मर्यादित (सहाय्यक) 31) मराठवाडा चर्मोद्योग महामंडळ मर्यादित (सहाय्यक) 32) महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास महामंडळ मर्यादित 33) औरंगाबाद औद्योगिक टाउनशिप मर्यादित 34) एआयटीएल ऑरिगिनेल स्कील फाउंडेशन (सहाय्यक) |

¹ सार्वजनिक उपक्रम नंतर 2021-22 मध्ये विसर्जित केले गेले

² सार्वजनिक उपक्रम नंतर 2021-22 मध्ये विसर्जित केले गेले

³ सार्वजनिक उपक्रम नंतर 2021-22 मध्ये विसर्जित केले गेले

| परिशिष्ट 1.1 (पुढे..) | | | |
|----------------------------------|--|---|---|
| क्लस्टरचे नाव | विभागाचे नाव | स्वायत्त संस्थेचे नाव | सार्वजनिक उपक्रमाचे नाव |
| | वस्त्रोद्योग | -- | 35) महाराष्ट्र राज्य वित्त महामंडळ 36) महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ 37) महाराष्ट्र राज्य यंत्रमाग महामंडळ मर्यादित 38) महाराष्ट्र राज्य वस्त्रोद्योग महामंडळ मर्यादित 39) प्रताप कताई, विणकाम आणि उत्पादन कंपनी मर्यादित (सहाय्यक) 40) महाराष्ट्र राज्य हातमाग महामंडळ मर्यादित |
| वाहतूक | सामान्य प्रशासन विभाग | 4) महाराष्ट्र मेरिटाइम मंडळ, मुंबई | -- |
| | गृह | -- | 41) महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळ 42) महाराष्ट्र विमानतळ विकास कंपनी 43) नागपूर जन परिवहन कंपनी 44) पुणे (पुरंदर) आंतरराष्ट्रीय विमानतळ मर्यादित 45) मिहान इंडिया मर्यादित 46) नागपूर फ्लाईंग क्लब |
| पर्यावरण, विज्ञान आणि तंत्रज्ञान | पर्यावरण | 5) महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ | 47) महाराष्ट्र वन विकास महामंडळ मर्यादित |
| | वन | 6) राज्य पर्यायी वनीकरण निधी व्यवस्थापन आणि योजना प्राधिकरण | 48) एफडीसीएम एसेल वर्ल्ड गोरेवाडा झू प्रायव्हेट मर्यादित (जेवी ऑफ एफडीसीएम आणि एसेल वर्ल्ड) |
| | वन | -- | 49) महाराष्ट्र बांबू संवर्धन प्रतिष्ठान 50) महाराष्ट्र राज्य शेती महामंडळ मर्यादित |
| सार्वजनिक बांधकाम | पाणी पुरवठा आणि स्वच्छता विभाग (सार्वजनिक आरोग्य अभियांत्रिकी) | 7) महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण, मुंबई | 51) महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळ मर्यादित |
| | सार्वजनिक बांधकाम विभाग (रस्ते व पूले) | -- | 52) महाराष्ट्र सातारा कागल पायाभूत सुविधा मर्यादित (सहाय्यक) 53) ठाणे क्रीक ब्रिज पायाभूत सुविधा मर्यादित 54) नागपूर मुंबई सुपर कम्युनिकेशन द्रुतगती मार्ग मर्यादित 55) वरसोवा बांद्रा सी लिंक मर्यादित (महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळाची सहाय्यक कंपनी) 56) मुंबई पुणे एक्सप्रेस वे मर्यादित (महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळाची सहाय्यक कंपनी) 57) महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळ बोगदे मर्यादित (महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळाची सहाय्यक कंपनी) |

| परिशिष्ट 1.1 (पुढे...) | | | |
|----------------------------|--------------------|---|--|
| क्लस्टरचे नाव | विभागाचे नाव | स्वायत्त संस्थेचे नाव | सार्वजनिक उपक्रमाचे नाव |
| | | | 58) महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळ सी लिंक मर्यादित (महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळाची सहाय्यक कंपनी) 59) महाराष्ट्र समृद्धि अक्षय ऊर्जा मर्यादित (महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळाची सहाय्यक कंपनी) |
| वित्त | वित्त | -- | 60) मॅफको मर्यादित 61) महाराष्ट्र विक्रीकर रोखे प्राधिकरण मर्यादित |
| | योजना | -- | 62) छत्रपती शाहू जी महाराज संशोधन, प्रशिक्षण आणि मानव विकास संस्था, पुणे (सारथी) |
| माहिती तंत्रज्ञान व दळणवळण | माहिती तंत्रज्ञान | -- | 63) महाराष्ट्र माहिती तंत्रज्ञान महामंडळ मर्यादित, मुंबई |
| कायदा व सुव्यवस्था | गृह | -- | 64) महाराष्ट्र राज्य पोलिस गृहनिर्माण आणि कल्याण महामंडळ मर्यादित, मुंबई |
| कायदा व सुव्यवस्था | विधी व न्याय विभाग | 8) महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग 9) महाराष्ट्र राज्य विधी सेवा प्राधिकरण, मुंबई | -- |

परिशिष्ट 1.2

(संदर्भ: परिच्छेद 1.6.1; पृष्ठ: 4)

डिसेंबर 2020 पर्यंत निर्गमित परंतु 30 जून 2021 रोजी विभाग निहाय प्रलंबित असलेले निरीक्षण अहवाल/परिच्छेद

| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | क्षेत्राचे नाव | 2015-16 पर्यन्त | | 2016-17 | | 2017-18 | | 2018-19 | | 2019-20 | | 2020-21 | | एकूण | |
|----------------|---|---|-----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|
| | | | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद |
| 1 | क्लस्टर 9 (वाहत्क) | पश्चिम महाराष्ट्र, खानदेश आणि मुंबई | 66 | 135 | 24 | 85 | 22 | 120 | 11 | 77 | 13 | 106 | 0 | 0 | 136 | 523 |
| 2 | | मराठवाडा | 28 | 60 | 8 | 23 | 1 | 5 | 9 | 50 | 2 | 14 | 1 | 4 | 49 | 156 |
| 3 | | विदर्भ | 35 | 72 | 8 | 17 | 3 | 8 | 5 | 19 | 7 | 26 | 0 | 0 | 58 | 142 |
| 4 | | एमएमबी विभाग सर्व जिल्हे | 11 | 18 | 2 | 4 | 3 | 11 | 2 | 9 | 0 | 0 | 0 | 0 | 18 | 42 |
| एकूण | | | 140 | 285 | 42 | 129 | 29 | 144 | 27 | 155 | 22 | 146 | 1 | 4 | 261 | 863 |
| 1 | सामान्य प्रशासन विभाग | विमान चालन संचालक | 3 | 4 | 1 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 15 | 0 | 0 | 5 | 22 |
| 2 | | नागपूर फ्लाइंग क्लब | 1 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 2 |
| 3 | | महाराष्ट्र विमानतळ विकास कंपनी | 4 | 21 | 1 | 8 | 1 | 14 | 1 | 19 | 0 | 0 | 0 | 0 | 7 | 62 |
| 4 | | मिहान इंडिया लिमिटेड | 1 | 4 | 0 | 0 | 1 | 7 | 1 | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | 16 |
| 5 | | नागपूर जन परिवहन महामंडळ मर्यादित | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| एकूण | | | 10 | 32 | 2 | 11 | 2 | 21 | 2 | 24 | 1 | 15 | 0 | 0 | 17 | 103 |
| 1 | क्लस्टर 10 (वन, पर्यावरण, विज्ञान आणि तंत्रज्ञान) | वन, पर्यावरण, विज्ञान आणि तंत्रज्ञान | 273 | 744 | 22 | 78 | 30 | 146 | 31 | 160 | 29 | 151 | 6 | 46 | 391 | 1325 |
| 2 | क्लस्टर 11 (सार्वजनिक बांधकाम विभाग) | सार्वजनिक बांधकाम, सार्वजनिक आरोग्य, अभियांत्रिकी, रस्ते आणि पूल | 398 | 1040 | 67 | 211 | 70 | 339 | 92 | 525 | 91 | 637 | 8 | 67 | 726 | 2819 |
| एकूण | | | 671 | 1784 | 89 | 289 | 100 | 485 | 123 | 685 | 120 | 788 | 14 | 113 | 1117 | 4144 |
| एकूण बेरीज (अ) | | | | | | | | | | | | | | | 1395 | 5110 |

परिशिष्ट 1.2 (पुढे..)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | क्षेत्राचे नाव | 2015-16 पर्यन्त | | 2016-17 | | 2017-18 | | 2018-19 | | 2019-20 | | 2020-21 | | एकूण | |
|----------------|----------------------------|----------------|-----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|----------------|----------|
| | | | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद | निरीक्षण अहवाल | परिच्छेद |
| 1 | क्लस्टर-ऊर्जा व वीज | ऊर्जा व वीज | 88 | 233 | 20 | 84 | 21 | 105 | 39 | 166 | 56 | 303 | 16 | 83 | 240 | 974 |
| 2 | क्लस्टर-उद्योग आणि वाणिज्य | उद्योग | 89 | 373 | 20 | 146 | 12 | 75 | 17 | 116 | 8 | 51 | 5 | 37 | 151 | 798 |
| 3 | क्लस्टर-उद्योग आणि वाणिज्य | वस्त्रोद्योग | 46 | 151 | 2 | 3 | 1 | 12 | 1 | 6 | 2 | 13 | 1 | 5 | 53 | 190 |
| एकूण बेरीज (ब) | | | 223 | 757 | 42 | 233 | 34 | 192 | 57 | 288 | 66 | 367 | 22 | 125 | 444 | 1962 |

परिशिष्ट 1.2 (पुढे..)

(₹ कोटी मध्ये)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | प्राप्तीची नावे | प्रलंबित निरीक्षण अहवालांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेद/ निरीक्षणांची संख्या | अंतर्भूत मूल्य |
|--------------------|----------------------------|--|------------------------------------|--|----------------|
| 1. | गृह | राज्य उत्पादन शुल्क | 97 | 172 | 11.52 |
| 2. | कायदा व सुव्यवस्था | गृह | 279 | 1153 | 0.00 |
| | | कायदा आणि न्याय | 81 | 262 | 0.00 |
| 3. | माहिती तंत्रज्ञान व दळणवळण | माहिती तंत्रज्ञान | 5 | 31 | 0.00 |
| 4. | महसूल व वन | करमणूक कर | 181 | 268 | 17.59 |
| | | मुद्रांक आणि नोंदणी शुल्क | 1250 | 2523 | 811.99 |
| 5. | वित्त | विक्री, व्यापार कर इत्यादि | 1002 | 2714 | 826.06 |
| | | व्यवसायांवरील कर इत्यादि | 82 | 104 | 13.6 |
| 6. | कोषागार | स्थानिक निधी, लेखा व कोषागार संचालक, इत्यादि | 23 | 86 | 0.00 |
| 7. | नियोजन | अर्थ व सांख्यिकी, सांख्यिकीय अधिकारी इत्यादि | 9 | 35 | 00.00 |
| एकूण (क) | | | 3009 | 7348 | 1680.76 |
| एकूण बेरीज (अ+ब+क) | | | 4848 | 14,420 | |

परिशिष्ट 1.3

(संदर्भ: परिच्छेद 1.6.4; पृष्ठ: 6)

प्रलंबित स्पष्टीकरणात्मक जापन/अनौपचारिक संदर्भाची स्थिती

| लेखापरीक्षा अहवालाचे वर्ष | वाहतूक | | वन | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग | | ऊर्जा व वीज | | उद्योग व वाणिज्य | | वित्त | | माहिती तंत्रज्ञान व संचार | | गृह | | एकूण | |
|------------------------------|---------------------|------------------------------|---------------------|------------------------------|-------------------------|------------------------------|---------------------|------------------------------|---------------------|------------------------------|---------------------|------------------------------|---------------------------|------------------------------|---------------------|------------------------------|---------------------|------------------------------|
| | परिच्छेदांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेदांची संख्या | परिच्छेदांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेदांची संख्या | परिच्छेदांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेदांची संख्या | परिच्छेदांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेदांची संख्या | परिच्छेदांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेदांची संख्या | परिच्छेदांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेदांची संख्या | परिच्छेदांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेदांची संख्या | परिच्छेदांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेदांची संख्या | परिच्छेदांची संख्या | प्रलंबित परिच्छेदांची संख्या |
| 2014-15 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 5 | 4 | 2 | 0 | 16 | 15 | 1 | 1 | 1 | 0 | 26 | 20 |
| 2015-16 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 5 | 2 | 2 | 18 | 18 | 2 | 2 | 3 | 2 | 32 | 31 |
| 2016-17 | 3 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 7 | 7 | 1 | 1 | 27 | 25 | 0 | 0 | 1 | 1 | 41 | 34 |
| 2017-18 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 1 | 2 | 2 | 5 | 5 | 14 | 3 | 1 | 1 | 1 | 1 | 29 | 17 |
| 2018-19 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 | 3 | 2 | 2 | 0 | 0 | 11 | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 17 | 10 |
| एकूण | 7 | 4 | 2 | 2 | 9 | 4 | 21 | 20 | 10 | 8 | 86 | 66 | 4 | 4 | 6 | 4 | 145 | 112 |

परिशिष्ट 1.4

(संदर्भ: परिच्छेद 1.6.4; पृष्ठ: 7)

लोक लेखा समिती/सार्वजनिक उपक्रम समितीच्या शिफारशीची क्लस्टर-निहाय स्थिती, ज्यावर कारवाई केलेल्या टिप्पण्यांची प्रतीक्षा होती

| क्लस्टर | 2010-11 | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 | एकूण |
|----------------------------------|-----------|-----------|-----------|----------|------------|-----------|------------|
| वित्त | 0 | 14 | 14 | 6 | 83 | 12 | 129 |
| गृह | 0 | 0 | 11 | 0 | 0 | 0 | 11 |
| परिवहन/वाहतूक | 6 | 67 | 6 | 0 | 10 | 8 | 97 |
| पर्यावरण, विज्ञान आणि तंत्रज्ञान | 0 | 0 | 0 | 0 | 12 | 0 | 12 |
| सार्वजनिक बांधकाम | 1 | 0 | 25 | 0 | 19 | 8 | 53 |
| ऊर्जा व वीज | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | 0 | 6 |
| उद्योग आणि वाणिज्य | 4 | 4 | 0 | 1 | 2 | 0 | 11 |
| एकूण | 12 | 87 | 57 | 8 | 127 | 28 | 319 |

परिशिष्ट 2.1.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.1.1; पृष्ठ: 10)

नमुना घेतलेल्या विभागांची यादी

| अनु क्र. | क्षेत्राचे नाव | परिमंडळांची संख्या | नमुना घेतलेल्या विभागांचे नाव |
|--------------------------------|----------------|--------------------|---|
| 1 | नागपूर | नागपूर | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, भंडारा |
| | | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट, नागपूर |
| | | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र 2, नागपूर |
| | | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र 2, गोंदिया |
| | | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र 3, नागपूर |
| | | गडचिरोली | सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र 2, गडचिरोली |
| | | चंद्रपूर | सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र 1, चंद्रपूर |
| | | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, आर्वी, वर्धा |
| सार्वजनिक बांधकाम विभाग, वर्धा | | | |
| 2 | अमरावती | अकोला | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, बुलढाणा |
| | | अमरावती | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अमरावती |
| | | यवतमाळ | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, क्र.2, यवतमाळ |
| 3 | औरंगाबाद | नांदेड | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, हिंगोली |
| | | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, भोकर |
| | | औरंगाबाद | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, औरंगाबाद |
| 4 | कोंकण | रत्नागिरी | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, चिपळूण |
| | | ठाणे | सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1, ठाणे |
| | | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, पालघर |
| 5 | मुंबई | मुंबई | सार्वजनिक बांधकाम विभाग प्रेसिडेंसी, मुंबई |
| | | | एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट, मुंबई |
| 6 | नाशिक | नाशिक | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, मालेगांव |
| | | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, नाशिक |
| | | अहमदनगर | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, संगमनेर |
| 7 | पुणे | पुणे | सार्वजनिक बांधकाम विभाग (दक्षिण), पुणे |
| | | | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, पुणे |
| | | कोल्हापूर | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, कोल्हापूर |

परिशिष्ट 2.1.2

(संदर्भ: परिच्छेद 2.1.2.1; पृष्ठ: 12)

निधीचे अल्प विमोचन

(₹ कोटी मध्ये)

| अनु क्र. | वापरकर्त्या विभागाचे नाव | कामांची संख्या | कामाची किंमत | प्राप्त ठेवी | झालेला खर्च | निधीचे अल्प विमोचन |
|-------------|----------------------------------|----------------|---------------|---------------|---------------|--------------------|
| | | (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1 | सार्वजनिक आरोग्य | 02 | 23.17 | 16.97 | 19.11 | 6.20 |
| 2 | उच्च व तंत्र शिक्षण आणि रोजगार | 02 | 5.35 | 2.75 | 2.76 | 2.60 |
| 3 | उद्योग, ऊर्जा आणि कामगार | 77 | 11.55 | 1.45 | 1.45 | 10.10 |
| 4 | विधी व न्याय | 01 | 0.91 | 0.91 | 0.93 | 0.00 |
| 5 | योजना | 09 | 52.92 | 24.38 | 41.91 | 28.54 |
| 6 | सामाजिक न्याय आणि विशेष सहाय्य | 85 | 16.08 | 8.27 | 7.42 | 7.81 |
| 7 | क्रिडा | 01 | 1.26 | 1.00 | 1.04 | 0.26 |
| 8 | पर्यटन व संस्कृती | 11 | 29.26 | 19.25 | 20.09 | 10.01 |
| 9 | आदिवासी विकास | 01 | 57.85 | 4.23 | 5.48 | 53.62 |
| 10 | नगर विकास | 02 | 9.20 | 4.30 | 4.41 | 4.90 |
| 11 | ग्रामीण विकास (मुख्य शीर्ष 2515) | 1043 | 122.44 | 74.28 | 42.02 | 48.16 |
| 12 | महसूल व वन | 02 | 0.37 | 0.28 | 0.34 | 0.09 |
| 13 | गृह | 04 | 0.80 | 0.05 | 0.47 | 0.75 |
| एकूण | | 1240 | 331.16 | 158.12 | 147.43 | 173.04 |

परिशिष्ट 2.1.3

(संदर्भ: परिच्छेद 2.1.3.2(ii); पृष्ठ: 18)

अपूर्ण कामे आणि निधीची कमतरता यामुळे थांबलेली कामे

(₹ कोटी मध्ये)

| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | कामाचे नाव | झालेला खर्च | टिप्पण्या |
|---|--|---|-------------|--|
| निधीची कमतरता यामुळे थांबलेली कामे | | | | |
| 1 | एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, नागपूर | गव्हर्नमेंट मेडिकल कॉलेज व हॉस्पिटल, नागपूर येथील सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल विंग 'अ' मध्ये 3 वॉर्डचे बांधकाम | 4.78 | एम्स, नागपूरच्या अर्थसंकल्पीय कामासाठी ₹ 1.60 कोटीचा निधी वळविल्याने काम अपूर्ण. |
| 2 | सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र. 2, यवतमाळ | जिल्हा यवतमाळ, तालुका आर्णी, पिंपळनेर गावातील अप्पा स्वामी मंदिराचा विकास | 0.52 | निधी उपलब्ध नसल्याने काम अपूर्ण आहे. |
| 3 | सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.2, यवतमाळ | खातेश्वर (भाग नं. 4, घाट विस्तार), कळंब, जिल्हा-यवतमाळ येथील श्री खातेश्वर महाराज संस्थान (क वर्ग तीर्थ क्षेत्र) चे सौंदर्यीकरण व तलाव परिसराचा विकास | 0.13 | ₹ 0.49 कोटीच्या निधीची गरज असल्याने काम अपूर्ण राहिले. |
| 4 | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, औरंगाबाद | पैठण, औरंगाबाद येथे निवासी इमारत आणि दोन प्रशिक्षण केंद्रे | 2.34 | निधीची कमतरता आणि कामाच्या व्याप्तीत बदल. |
| 5 | सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्र.1, ठाणे | मुंब्रा कौसा, मुंबई येथे औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था इमारत | 3.64 | निधीची कमतरता असल्यामुळे काम अपूर्ण. |
| 6 | एकात्मिक (वैद्यकीय) युनिट, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, मुंबई | जेजे हॉस्पिटल मुंबईच्या आवारात प्रशासकीय इमारत | 1.72 | निधीची गरज असल्याने विजेचे काम अपूर्ण सोडले. |
| स्त्रोत: विभागाद्वारे दिलेली माहिती | | | | |

परिशिष्ट 2.1.4

(संदर्भ: परिच्छेद 2.1.3.2(v); पृष्ठ: 23)

सिमेंट कॉन्क्रीट क्यूब्सच्या तपासणीला झालेल्या विलंबाचा तपशील

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | कामाचे नाव | कॉन्क्रीटचा प्रकार | क्यूब कास्टिंगची तारीख | क्यूब चाचणीची तारीख | क्यूबचे वय (दिवसात) |
|----------|----------------------------------|--|--------------------|------------------------|---------------------|---------------------|
| 1 | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, बुलढाणा | नगर परिषद, देऊळगाव राजा (जाफराबाद रोड ते बगीचा) येथे सिमेंट कॉन्क्रीट रस्त्याचे बांधकाम | सीसीएम-15 | 10.01.2019 | 28.03.2019 | 77 |
| | | | सीसीएम-20 | 20.01.2019 | 28.03.2019 | 67 |
| | | | सीसीएम-40 | 11.01.2019 | 28.03.2019 | 76 |
| 2 | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, बुलढाणा | बुलढाणा नगर परिषदेच्या तहसील चौक ते बाळ शिवाजी कॉन्व्हेंट पर्यन्तच्या आंतरिक रस्त्याची सुधारणा | सीसीएम-20 | 21.06.2018 | 27.09.2018 | 98 |
| 3 | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, बुलढाणा | सिविल हॉस्पिटल बुलढाणा येथील आंतरिक रस्त्याचे बांधकाम | सीसीएम-20 | 18.10.2019 | 07.08.2020 | 294 |
| | | | सीसीएम-20 | 22.11.2019 | 07.08.2020 | 259 |
| 4 | सार्वजनिक बांधकाम विभाग, बुलढाणा | सिविल हॉस्पिटल बुलढाणा परिसरात आंतरिक भुयारी गटाराचे बांधकाम | सीसीएम-20 | 17.03.2020 | 06.08.2020 | 142 |

स्त्रोत: विभागाद्वारे दिलेली माहिती

परिशिष्ट 2.2.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.2; पृष्ठ: 31)

जोखीम आणि खर्चावर केलेली सामान्य दुरुस्ती दर्शविणारे विवरण

| अनु. क्र. | करार क्रमांक | कार्य आदेशाची तारीख | कामाचे नाव | कंत्राटदाराचे नाव | दिलेली रक्कम (₹ मध्ये) | व्हाउचर क्रमांक आणि तारीख |
|-----------|--------------|---------------------|--|----------------------------------|------------------------|---------------------------|
| 1 | 46/2017-18 | 05.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 607/250 ते 608/00 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 281571 | 40/03/2018 |
| 2 | 47/2017-18 | 05.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 593/750 ते 594/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 280495 | 41/03/2018 |
| 3 | 48/2017-18 | 06.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 599/750 ते 600/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 272163 | 72/03/2018 |
| 4 | 49/2014-18 | 06.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 592/250 ते 593/00 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 276217 | 43/03/2018 |
| 5 | 50/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 608/00 ते 608/750 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 267914 | 44/03/2018 |
| 6 | 51/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 605/750 ते 606/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 282037 | 45/03/2018 |
| 7 | 52/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 602/750 ते 603/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 274380 | 46/03/2018 |
| 8 | 53/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 597/500 ते 598/250 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 278714 | 47/03/2018 |
| 9 | 54/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 610/250 ते 611/00 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 273667 | 48/03/2018 |
| 10 | 55/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 603/500 ते 604/250 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 269966 | 49/03/2018 |
| 11 | 58/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 590/500 ते 591/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 281288 | 50/03/2018 |
| 12 | 59/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 604/250 ते 605/000 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 271907 | 51/03/2018 |
| 13 | 60/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 595/250 ते 596/00 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 268617 | 52/03/2018 |
| 14 | 61/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 595/250 ते 596/00 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 270652 | 53/03/2018 |
| 15 | 62/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 611/750 ते 612/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 270310 | 54/03/2018 |
| 16 | 63/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 612/500 ते 613/250 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 281141 | 55/03/2018 |
| 17 | 64/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 608/750 ते 609/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 275521 | 56/03/2018 |
| 18 | 65/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 587/00 ते 588/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 289517 | 57/03/2018 |
| 19 | 66/2017-18 | 07.12.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 606/500 ते 607/205 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 270496 | 77/03/2018 |
| 20 | 67/2017-18 | 07.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 589/500 ते 590/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 285335 | 78/03/2018 |
| 21 | 68/2017-18 | 13.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 593/00 ते 593/750 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 277256 | 79/03/2018 |
| 22 | 69/2017-18 | 13.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 596/00 ते 596/750 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 279479 | 80/03/2018 |
| 23 | 70/2017-18 | 13.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 591/500 ते 592/250 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 279194 | 81/03/2018 |

परिशिष्ट 2.2.1 (पुढे..)

| अनु. क्र. | करार क्रमांक | कार्य आदेशाची तारीख | कामाचे नाव | कंत्राटदाराचे नाव | दिलेली रक्कम (₹ मध्ये) | व्हाउचर क्रमांक आणि तारीख |
|-----------|--------------|---------------------|--|----------------------------------|------------------------|---------------------------|
| 24 | 71/2017-18 | 13.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 600/500 ते 601/250 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 285660 | 82/03/2018 |
| 25 | 72/2017-18 | 13.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 594/500 ते 595/250 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 274825 | 83/03/2018 |
| 26 | 73/2017-18 | 13.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 602/00 ते 602/750 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 269113 | 84/03/2018 |
| 27 | 74/2017-18 | 13.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 598/250 ते 599/00 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 281206 | 85/03/2018 |
| 28 | 75/2017-18 | 15.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 588/500 ते 589/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 277110 | 86/03/2018 |
| 29 | 76/2017-18 | 15.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 596/750 ते 597/500 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 274980 | 87/03/2018 |
| 30 | 77/2017-18 | 15.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 599/00 ते 599/750 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 267666 | 88/03/2018 |
| 31 | 78/2017-18 | 18.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 609/500 ते 610/250 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 277532 | 89/03/2018 |
| 32 | 79/2017-18 | 18.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 601/250 ते 602/00 | मे. शारदा कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 271591 | 90/03/2018 |
| 33 | 85/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 559/400 ते 560/600 | मे. ग्लोबल इंटरप्राइझेस, नांदेड | 297950 | 15/03/2018 |
| 34 | 86/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 558/200 ते 559/400 | मे. ग्लोबल इंटरप्राइझेस, नांदेड | 290585 | 160/03/2018 |
| 35 | 90/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 564/00 ते 565/00 | मे. ग्लोबल इंटरप्राइझेस, नांदेड | 296709 | 157/03/2018 |
| 36 | 91/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 563/00 ते 564/00 | मे. ग्लोबल इंटरप्राइझेस, नांदेड | 295397 | 159/03/2018 |
| 37 | 92/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 560/600 ते 561/800 | मे. ग्लोबल इंटरप्राइझेस, नांदेड | 296010 | 161/03/2018 |
| 38 | 103/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 581/00 ते 583/000 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 298302 | 132/03/2018 |
| 39 | 104/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 613/250 ते 614/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 270282 | 135/03/2018 |
| 40 | 105/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 565/00 ते 569/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 291831 | 138/03/2018 |
| 41 | 106/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 585/00 ते 587/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 294231 | 133/03/2018 |
| 42 | 107/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 573/00 ते 577/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 297520 | 139/03/2018 |
| 43 | 108/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 569/00 ते 573/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 297981 | 131/03/2018 |
| 44 | 109/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 611/00 ते 611/750 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 277829 | 134/03/2018 |
| 45 | 110/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 577/00 ते 579/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 293882 | 140/03/2018 |
| 46 | 111/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 614/00 ते 615/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 276949 | 136/03/2018 |
| 47 | 112/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 583/00 ते 585/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 298977 | 141/03/2018 |
| 48 | 113/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 579/00 ते 581/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 299063 | 137/03/2018 |

परिशिष्ट 2.2.1 (पुढे..)

| अनु. क्र. | करार क्रमांक | कार्य आदेशाची तारीख | कामाचे नाव | कंत्राटदाराचे नाव | दिलेली रक्कम (₹ मध्ये) | व्हाउचर क्रमांक आणि तारीख |
|-------------------|--------------|---------------------|---|----------------------------------|------------------------|---------------------------|
| 49 | 114/2017-18 | 08.03.2018 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 561/800 ते 563/00 | मे. जी.जे कन्स्ट्रक्शन्स, नांदेड | 298935 | 156/03/2018 |
| 50 | 32/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 444/00 ते 446/500 | मे. पल्लवी कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 276618 | 596/03/2018 |
| 51 | 33/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 446/500 ते 449/00 | मे. पल्लवी कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 272855 | 597/03/2018 |
| 52 | 34/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 458/00 ते 463/550 | मे. पल्लवी कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 274996 | 63/03/2018 |
| 53 | 35/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 452/00 ते 455/00 | मे. पल्लवी कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 271956 | 61/03/2018 |
| 54 | 36/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 455/00 ते 458/00 | मे. साई कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 272440 | 65/03/2018 |
| 55 | 37/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 498/00 ते 503/00 | मे. साई कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 274908 | 70/03/2018 |
| 56 | 38/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 481/00 ते 485/00 | मे. साई कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 274976 | 66/03/2018 |
| 57 | 39/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 449/00 ते 452/00 | मे. पल्लवी कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 272471 | 60/03/2018 |
| 58 | 40/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 485/00 ते 489/00 | मे. साई कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 273817 | 67/03/2018 |
| 59 | 41/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 489/00 ते 493/00 | मे. साई कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 275411 | 68/03/2018 |
| 60 | 42/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 503/00 ते 508/00 | मे. पल्लवी कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 275479 | 62/03/2018 |
| 61 | 43/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 495/500 ते 498/00 | मे. साई कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 274270 | 71/03/2018 |
| 62 | 44/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 508/00 ते 514/500 | मे. पल्लवी कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 270894 | 64/03/2018 |
| 63 | 45/2017-18 | 02.12.2017 | ओआर ते एनएच 222 किमी. 493/00 ते 495/00 | मे. साई कन्स्ट्रक्शन्स, परभणी | 279076 | 69/03/2018 |
| एकूण रक्कम | | | | | 17650120 | |

परिशिष्ट 2.4.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.4.1; पृष्ठ: 37)

निवडलेल्या 15 जिल्ह्यांमध्ये निर्मितीसाठी हाती घेतलेल्या जैव-विविधता उद्यानांचा तपशील

| अनु क्रं | जिल्ह्यांचे नाव | उद्यानांचे स्थान | तपशीलवार प्रकल्प अहवाल खर्च (₹ लाखात) | 2015-21 दरम्यान झालेला खर्च (₹ लाखात) | पूर्ण झाले की नाही | पूर्ण झाल्यास सुपूर्द केले (कोणाला) |
|----------|-----------------|------------------|---------------------------------------|---------------------------------------|---------------------------|-------------------------------------|
| 1 | अमरावती | उपटखेडा | 272.5 | 261.93 | होय | होय (प्रादेशिक वन विभाग) |
| 2 | चंद्रपूर | गोंदेडा | 151.41 | 140.93 | होय | होय (प्रादेशिक वन विभाग) |
| 3 | चंद्रपूर | गोंडपिंपरी | 153.47 | 146.06 | होय | होय (प्रादेशिक वन विभाग) |
| 4 | चंद्रपूर | चंद्रपूर | 380.68 | 375.92 | होय | होय (प्रादेशिक वन विभाग) |
| 5 | जालना | जालना | 199.30 | 214.94 | होय | नाही |
| 6 | नांदेड | बोंधर | 259.85 | 192.00 | होय | नाही |
| 7 | नांदेड | वाडेपुरी | 197.55 | 143.25 | होय | नाही |
| 8 | उस्मानाबाद | ढोकी | 150.00 | 142.15 | होय | होय (विश्वस्त) |
| 9 | उस्मानाबाद | तीर्थ (बु) | 128.84 | 99.01 | होय | होय (विश्वस्त) |
| 10 | सोलापूर | मालोली | 170.11 | 163.35 | होय | नाही |
| 11 | सोलापूर | कुंभारी | 109.97 | 101.15 | होय | होय (ग्राम पंचायत) |
| 12 | ठाणे | कानविंदे | 583.85 | 463.89 | होय | होय (प्रादेशिक वन विभाग) |
| 13 | अकोला | काटीपाटी | 256.62 | 67.41 | पूर्ण घोषित करूनही अपूर्ण | होय (ग्राम पंचायत) |
| 14 | धुळे | जामखेळ | 214.30 | 96.78 | पूर्ण घोषित करूनही अपूर्ण | होय (ग्राम पंचायत) |
| 15 | जालना | दहीपूरी | 190.94 | 95.35 | पूर्ण घोषित करूनही अपूर्ण | नाही |
| 16 | वर्धा | एमआयडीसी | 219.52 | 117.77 | नाही | - |
| 17 | वर्धा | राजनी | 172.54 | 97.61 | नाही | - |
| 18 | यवतमाळ | जोंधळणी | 105.00 | 96.80 | नाही | - |
| 19 | यवतमाळ | आंबवन | 122.00 | 97.63 | नाही | - |
| 20 | अकोला | वाशिम्बा | 254.45 | 191.35 | नाही | --- |
| 21 | अकोला | कुरुम | 478.82 | 308.49 | नाही | - |
| 22 | अमरावती | मादलाबाद | 275.49 | 148.44 | नाही | - |
| 23 | भंडारा | डोंगरला | 201.2 | 93.23 | नाही | - |
| 24 | गोंदिया | अर्जुनी मोरगांव | 178.12 | 104.11 | नाही | - |
| 25 | गोंदिया | नवाटोला | 178.32 | 116.30 | नाही | - |
| 26 | गोंदिया | कुडवा | 190.80 | 161.84 | नाही | - |
| 27 | गोंदिया | गराडा | 184.93 | 104.97 | नाही | - |
| 28 | नागपूर | वेणा निमजी | 296.44 | 178.51 | नाही | - |
| 29 | नाशिक | पारेगांव | 196.77 | 71.16 | नाही | - |
| 30 | नाशिक | माणिकपुंज | 201.61 | 69.27 | नाही | - |
| 31 | नाशिक | कंधाणे | 206.31 | 108.22 | नाही | - |
| 32 | ठाणे | माजीवाडे | 738.45 | 641.33 | नाही | - |
| | | एकूण | 7620.16 | 5411.15 | | |

स्रोत: विभागाद्वारे दिलेली माहिती

परिशिष्ट 2.5.1

(संदर्भ: परिच्छेद : 2.5.8.1; पृष्ठ: 60)

तक्ता 5 c नुसार कलम 140(1), 140(4)(a) अंतर्गत अग्रेषित जास्त क्रेडिट

(र कोटी मध्ये)

| अनु क्र. | वस्तू व सेवाकर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | मूळ विवरणाची तारीख | मूळ विवरण अग्रेषित रक्कम | मूळ विवरण वापसी रक्कम | सुधारित विवरण तारीख | सुधारित विवरण अग्रेषित रक्कम | सुधारित विवरण परतावा रक्कम | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेतलेले क्रेडिट | स्वीकार्य क्रेडिट | अनियमित/ जास्तीचे क्रेडिट |
|--|-----------------------------------|---|--------------------|--------------------------|-----------------------|---------------------|------------------------------|----------------------------|--|-------------------|---------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, बांद्रा | | | | | | | | | | | |
| 1 | 27AAACM5967F1ZA | मेसर्स मनका एजेंसीज प्रायव्हेट लिमिटेड, मुंबई | 18.07.2017 | 0.01 | 0 | 05.12.2018 | 0.013 | 0 | 0.08 | 0.01 | 0.07 |
| 2 | 27AAFPM2002G1ZZ | मातोश्री इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रायव्हेट लिमिटेड | 22.05.2018 | 0 | 0 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.1 | 0 | 0.1 |
| 3 | 27AABCD8397D1ZG | मे. दोषी मेटल प्रॉडक्शन प्रायव्हेट लिमिटेड, मुंबई | 31.07.2017 | 0 | 0.09 | 27.03.2019 | 0 | 0.09 | 0.09 | 0 | 0.09 |
| 4 | 27AAOCS1655A1ZF | मे. सन स्टार स्पेसेस प्रायव्हेट लिमिटेड | 31.07.2017 | 0 | 0 | 18.02.2019 | 0 | 0 | 0.08 | 0 | 0.08 |
| 5 | 27AAFCT7961D1Z4 | मे. टोटल मार्केटिंग सपोर्ट इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड, मुंबई | 27.09.2017 | 0 | 0.79 | 27.12.2017 | 0 | 0.83 | 0.86 | 0 | 0.86 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, बोरीवली | | | | | | | | | | | |
| 6 | 27AADCP7469G1Z1 | प्रशांती लॅड डेव्हलपर्स | 20.07.2017 | 0 | 0 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.09 | 0 | 0.09 |
| 7 | 27AAHFR5520P1ZQ | मे. रिलायन्स एंटरप्रायझेस | 27.07.2017 | 0 | 0 | दाखल केले नाही | 0 | 0 | 0.48 | 0 | 0.48 |
| 8 | 27ACPPS1273C1ZH | मे. मार्क इंजीनियरिंग | 27.10.2017 | 0.07 | 0 | 14.12.2018 | 0.01 | निरंक | 0.07 | 0.01 | 0.06 |
| 9 | 27ABTFS6605H1Z0 | मे. स्कायलाईन इलेक्ट्रिकल कंट्रोल | 10.08.2018 | 0 | 0.14 | 02.10.2018 | 0 | 0.15 | 0.15 | 0 | 0.15 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, गोरेगांव | | | | | | | | | | | |
| 10 | 27AAACR4919G1ZD | राहुल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 28.10.2017 | 0 | 0.12 | 10.01.2019 | 0 | 0.0075 | 0.12 | 0 | 0.12 |

परिशिष्ट 2.5.1 (पुढे.)

| अनु क्र. | वस्तू व सेवाकर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | मूळ विवरणाची तारीख | मूळ विवरण अद्येष्ठित रक्कम | मूळ विवरण वापसी रक्कम | सुधारित विवरण तारीख | सुधारित विवरण अद्येष्ठित रक्कम | सुधारित विवरण परतावा रक्कम | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेतलेले क्रेडिट | स्वीकार्य क्रेडिट | अनियमित/ जास्तीचे क्रेडिट |
|---|-----------------------------------|---|--------------------|----------------------------|-----------------------|---------------------|--------------------------------|----------------------------|--|-------------------|---------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, कांदिवली | | | | | | | | | | | |
| 11 | 27ABHPL3580G1ZK | कालिंदी ओवरसीज | 19.07.2017 | 0.0746 | 0 | 25.01.2019 | 0.0695 | 0 | 0.0746 | 0.0695 | 0.0051 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, मुलूंड | | | | | | | | | | | |
| 12 | 27AADCG2319N1ZG | गुम्प्रो ड्रिलिंग फ्लूइड्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 29.07.2017 | 0 | 0.18 | 28.12.2018 | 0 | 0.19 | 0.16 | 0 | 0.16 |
| 13 | 27AADCK2789G1Z9 | दि सेल वेल एंटरप्रायझेस प्रायव्हेट लिमिटेड | 29.07.2017 | 0.11 | 0 | 23.02.2019 | 0.1 | 0 | 0.11 | 0.1 | 0.01 |
| 14 | 27AAFCS0334P2Z2 | सुयोग टेलिमेंटिक्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 29.11.2017 | 0 | 0.16 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.16 | 0 | 0.16 |
| 15 | 27AAACH1781Q1Z4 | हिंद रेकटीफीलर लिमिटेड | 31.07.2017 | 0.435 | 0 | 30.09.2019 | 0.435 | 0.06 | 0.44 | 0.435 | 0.005 |
| 16 | 27AGUPA5634J1Z2 | एस आर ट्रेडर्स | 26.07.2017 | 0.25 | 0 | 25.12.2018 | 0.11 | 0 | 0.25 | 0.11 | 0.14 |
| 17 | 27AAECV2679R1ZD | व्हाक्स्चर बायो लिमिटेड | 26.07.2017 | 0.05 | 0 | 15.02.2019 | 0.15 | 0 | 0.15 | 0.05 | 0.1 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, नरीमन पॉइंट | | | | | | | | | | | |
| 18 | 27AAAFH4046H1ZL | हीना जेम्स | 18.07.2017 | 0 | 0.11 | 15.12.2018 | 0 | 0.11 | 0.11 | 0 | 0.11 |
| 19 | 27AADCP4964A1ZJ | फोनिक्स फॉईल्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 31.07.2017 | 0 | 0 | 02.01.2019 | 0.10 | 0.00 | 0.10 | 0 | 0.10 |
| 20 | 27AAAFV1261E1Z1 | वरुण एक्सपोर्ट्स | 24.07.2017 | 0 | 0.09 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.09 | 0 | 0.09 |
| 21 | 27AAIFT5952A1Z6 | टोटल सेक्युरिटी सोल्युशन | 31.07.2017 | 0 | 0 | 21.02.2019 | 0.05 | 0.02 | 0.08 | 0 | 0.08 |
| 22 | 27AAAPJ6235G1ZX | मे. चंपालाल एंड संस | 29.07.2017 | 0.08 | 0 | 28.09.2019 | 0 | 0.04 | 0.08 | 0 | 0.08 |
| 23 | 27AAKFD4170C1ZO | मे. दिनल डायम | 17.07.2017 | 0 | 0.07 | 05.01.2019 | 0 | 0.07 | 0.07 | 0 | 0.07 |
| 24 | 27AACCD3340F1Z2 | मे. डोजाहन ट्रेडिंग प्रा. लिमिटेड | 23.08.2017 | 0 | 0.07 | 01.02.2019 | 0 | 0 | 0.07 | 0 | 0.07 |
| 25 | 27AACHB4199K1ZO | मे. पी जसवंतराय अँड कंपनी | 31.07.2017 | 0 | 0 | 07.12.2017 | 0.07 | 0 | 0.07 | 0 | 0.07 |

परिशिष्ट 2.5.1 (पुढे..)

| अनु क्र. | वस्तू व सेवाकर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | मूळ विवरणाची तारीख | मूळ विवरण अशेषित रक्कम | मूळ विवरण वापसी रक्कम | सुधारित विवरण तारीख | सुधारित विवरण अशेषित रक्कम | सुधारित विवरण परतावा रक्कम | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेतलेले क्रेडिट | स्वीकार्य क्रेडिट | अनियमित/ जास्तीचे क्रेडिट |
|--|-----------------------------------|--|--------------------|------------------------|-----------------------|---------------------|----------------------------|----------------------------|--|-------------------|---------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| 26 | 27AABCI8026L1ZC | मे. इंडीगो मेटालॉयज प्रा. लिमिटेड | 28.08.2017 | 0 | 0.17 | 08.01.2019 | 0.17 | 0 | 0.17 | 0 | 0.17 |
| 27 | 27AAACZ0103C1Z1 | मे. झॅनिथ बिर्ला इंडिया लिमिटेड | 19.07.2017 | 0.75 | 0 | 03.04.2019 | 0 | 0.75 | 0.75 | 0 | 0.75 |
| 28 | 27AAACD4819K1ZJ | मे. डी. डी. कॉटन प्रा. लिमिटेड | 31.07.2017 | 0 | 0.55 | 28.11.2019 | 0 | 0.53 | 0.55 | 0 | 0.55 |
| 29 | 27AADCP7181M1ZV | पोद्दार डायमंड्स लिमिटेड | 26.08.2017 | 0.17 | 0 | 24.09.2019 | 0 | 0.16 | 0.17 | 0 | 0.17 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, रायगड | | | | | | | | | | | |
| 30 | 27BAWPS7241A1ZD | मे. के. जी. एन. एंटरप्रायझेस | 26.08.2017 | 0.14 | 0 | 26.02.2019 | 0 | 0.14 | 0.14 | 0 | 0.14 |
| 31 | 27AAFCS5547N1ZQ | मे. स्वीजेरा लॅब्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 28.07.2017 | 0 | 0.01 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.10 | 0 | 0.10 |
| 32 | 27AHUPD5378D1Z1 | मे. एल. बी. स्पेशियलिटीज | 29.07.2017 | 0 | 0 | 28.02.2019 | 0 | 0 | 0.10 | 0 | 0.10 |
| 33 | 27AAGFB1877N1ZZ | मे. बाजवा मरीन सर्विसेस | 04.09.2017 | 0.05 | 0 | 09.01.2019 | 0 | 0.05 | 0.05 | 0 | 0.05 |
| 34 | 27ACPFS4662K1ZE | मे. शिवदीप कार्पोरेशन | 31.07.2017 | 0.04 | 0 | 24.02.2019 | 0.04 | 0.02 | 0.09 | 0.04 | 0.05 |
| 35 | 27AACCP0500B1ZA | मे. पॅलॉडीयन नेटवर्क्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 31.07.2017 | 0.07 | 0 | 05.11.2018 | 0.10 | 0. | 0.10 | 0.07 | 0.03 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, ठाणे शहर | | | | | | | | | | | |
| 36 | 27AABCO76068IZT | ओलाघ आयटी सर्विसेस प्रायव्हेट लिमिटेड | 21.07.2017 | 0 | 0 | 12.12.2018 | 0 | 0 | 0.22 | 0 | 0.22 |
| 37 | 27AAKCS3399H1ZS | रेमंड अपॅरल लिमिटेड | 27.07.2017 | 0 | 0 | 29.02.2020 | 0 | 0.32 | 0.32 | 0 | 0.32 |
| 38 | 27AADCT6631L1Z0 | मे. टाटा कॅपिटल सर्विसेज लिमिटेड | 31.07.2017 | 0 | 0.15 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 3.29 | 3.15 | 0.14 |
| 39 | 27BKLPB8495A1Z2 | मे. एम. व्ही. डी. एअर कंडिशनिंग कंपनी इंडिया | 25.09.2017 | 0 | 0.19 | 28.09.2017 | 0.10 | 0 | 0.10 | 0 | 0.10 |

| परिशिष्ट 2.5.1 (पुढे.) | | | | | | | | | | | |
|------------------------|-----------------------------------|---|--------------------|------------------------|-----------------------|---------------------|----------------------------|----------------------------|--|-------------------|---------------------------|
| अनु क्र. | वस्तू व सेवाकर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | मूळ विवरणाची तारीख | मूळ विवरण अशेषित रक्कम | मूळ विवरण वापसी रक्कम | सुधारित विवरण तारीख | सुधारित विवरण अशेषित रक्कम | सुधारित विवरण परतावा रक्कम | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेतलेले क्रेडिट | स्वीकार्य क्रेडिट | अनियमित/ जास्तीचे क्रेडिट |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| 40 | 27AANPD7713Q1Z4 | मे. न्यू आदर्श इलेक्ट्रीकल वर्क्स | 30.07.2017 | 0 | 0 | 20.12.2017 | 0 | 0 | 0.17 | 0 | 0.17 |
| 41 | 27AABCF9091L1Z4 | मे. फिनटेक अलॉयज प्रायव्हेट लिमिटेड | 11.12.2017 | 0 | 0.52 | 21.12.2018 | 0.52 | 0.05 | 0.52 | 0 | 0.52 |
| 42 | 27AAECV1425F1ZK | व्ही सेल इंडिया इम्पेक्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 31.07.2017 | 0 | 0 | 28.08.2017 | 0.29 | 0 | 0.29 | 0 | 0.29 |
| 43 | 27AFHPB8596C1ZC | श्री गणेश फार्मास्युटिकल | 26.09.2018 | 0 | 0.20 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.20 | 0 | 0.20 |
| 44 | 27AAFPL9069D1ZI | मे. आयुष फूड प्रॉडक्ट्स | 14.08.2017 | 0 | 0.07 | 29.11.2018 | 0.07 | 0 | 0.07 | 0 | 0.07 |
| 45 | 27AABCM1570F1ZQ | पितांबरी प्रॉडक्ट्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 29.07.2017 | 0 | 0.01 | 27.03.2019 | 0 | 0.23 | 0.21 | 0 | 0.21 |
| 46 | 27ABHPD3046P1ZG | मे. प्रेसिजन स्टील ट्यूब मॅन्यु. कं. | 31.07.2017 | 0 | 0.12 | 26.02.2019 | 0.06 | 0 | 0.12 | 0 | 0.12 |
| 47 | 27AEKPM5873M1ZP | प्रिंट शॉपी | 31.07.2017 | 0 | 0.10 | 05.01.2019 | 0 | 0.10 | 0.10 | 0 | 0.10 |
| 48 | 27AAACR2108R1Z5 | रोटरी इन्विवपमेंट प्रा. ली. | 19.07.2017 | 0.01 | 0.09 | 27.02.2019 | 0.10 | 0 | 0.12 | 0.01 | 0.11 |
| 49 | 27AAHCR6321H1ZC | मे. आर. जे. एन. मार्केटिंग प्रा ली | 20.07.2017 | 0 | 0 | 05.12.2018 | 0 | 0 | 0.13 | 0 | 0.13 |
| 50 | 27AFPPR4059G1ZY | विवा फूड्स | 21.07.2017 | 0 | 0.11 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.11 | 0 | 0.11 |
| 51 | 27AOCPG4182M1ZQ | फिनिक्स इंजि. वर्क्स | 30.09.2017 | 0 | 0.06 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.11 | 0 | 0.11 |
| 52 | 27AANFG7757M1ZI | मे. ग्रॅब मोअर इंटरप्रायझेस | 01.08.2017 | 0.015 | 0 | 23.08.2017 | 0.026 | 0 | 0.026 | 0.015 | 0.011 |
| 53 | 27AAHCM7564R1ZH | मोम्माई अॅपारेल्स लिमिटेड | 26.12.2017 | 0 | 0.44 | 27.12.2017 | 0.82 | 0 | 0.68 | 0.44 | 0.24 |

| परिशिष्ट 2.5.1 (पुढे..) | | | | | | | | | | | |
|---|-----------------------------------|--|--------------------|--------------------------|-----------------------|---------------------|------------------------------|----------------------------|--|-------------------|---------------------------|
| अनु क्र. | वस्तू व सेवाकर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | मूळ विवरणाची तारीख | मूळ विवरण अद्येधित रक्कम | मूळ विवरण वापसी रक्कम | सुधारित विवरण तारीख | सुधारित विवरण अद्येधित रक्कम | सुधारित विवरण परतावा रक्कम | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेतलेले क्रेडिट | स्वीकार्य क्रेडिट | अनियमित/ जास्तीचे क्रेडिट |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, पुणे (पूर्व) | | | | | | | | | | | |
| 54 | 27AACCD5788K1Z3 | डी व्ही एस टेक्नो सॉफ्ट प्रायव्हेट लिमिटेड | 31.07.2017 | 0 | 0.21 | 10.05.2018 | 0.23 | 0 | 0.45 | 0.21 | 0.24 |
| 55 | 27AAKFD2558G1ZC | डी. ए. बोराडे अँड सन्स | 21.07.2017 | 0 | 0 | 26.02.2019 | 0 | 0 | 0.08 | 0 | 0.08 |
| 56 | 27AAACY4329D1ZG | वाय. ओ. बी. इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड | 31.07.2019 | 0 | 0 | 14.01.2019 | 0 | 0.03 | 0.09 | 0 | 0.09 |
| 57 | 27AADFE5236B1ZV | इंटरप्रिझम इंडिया | 22.07.2017 | 0.63 | 0 | 18.01.2019 | 0.06 | 0 | 0.60 | 0.06 | 0.54 |
| 58 | 27ABDFM6383J1ZU | मे. मैग्नेशिया केमिकल्स, एल एल पी | 31.07.2017 | 0.36 | 0 | 06.10.2017 | 0.36 | 0 | 0.44 | 0.36 | 0.08 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, पुणे (दक्षिण) | | | | | | | | | | | |
| 59 | 27AAICS9355F1ZY | प्रोमेशियन स्पॅटा टेक्नॉलॉजी प्रा. ली. | 18.09.2017 | 0 | 0.07 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.90 | 0 | 0.90 |
| 60 | 27ACOF53599Q1ZT | सनबिम पॅट्स अँड कोर्टिंगज | 21.07.2017 | 0 | 0.02 | 13.02.2019 | 0 | 0.006 | 0.68 | 0 | 0.66 |
| 61 | 27AADCI8126M1Z7 | इनोव्हेटीव इलेक्ट्रो सॉफ्ट इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड | 11.12.2017 | 0 | 0.09 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.09 | 0 | 0.09 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, पुणे (पश्चिम) | | | | | | | | | | | |
| 62 | 27AABCA2153L1ZS | अॅमलगमेटेड होल्डींग्स लिमिटेड | 21.07.2017 | 0 | 0 | 16.01.2021 | 0.61 | 0 | 0.61 | 0 | 0.61 |
| 63 | 27AANCA2437M1ZB | मे. अटलांटीस लायटिंग प्रायव्हेट लिमिटेड | 29.11.2017 | 0 | 0.13 | 21.01.2019 | 0 | 0.13 | 0.21 | 0 | 0.21 |
| 64 | 27AAMFD9392A1Z8 | डुरॅकॉन प्रोजेक्टस एलएलपी | 31.07.2017 | 0 | 0 | 31.01.2019 | 0.19 | 0 | 0.23 | 0 | 0.19 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, मांडवी | | | | | | | | | | | |
| 65 | 27AACCT9399N1ZA | द मोबाइल स्टोर लिमिटेड | 20.07.2017 | 0 | 0.01 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.28 | 0 | 0.28 |

| परिशिष्ट 2.5.1 (पुढे..) | | | | | | | | | | | |
|---|-----------------------------------|--|--------------------|--------------------------|-----------------------|---------------------|------------------------------|----------------------------|--|-------------------|---------------------------|
| अनु क्र. | वस्तू व सेवाकर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | मूळ विवरणाची तारीख | मूळ विवरण अग्रेषित रक्कम | मूळ विवरण वापसी रक्कम | सुधारित विवरण तारीख | सुधारित विवरण अग्रेषित रक्कम | सुधारित विवरण परतावा रक्कम | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेतलेले क्रेडिट | स्वीकार्य क्रेडिट | अनियमित/ जास्तीचे क्रेडिट |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| 66 | 27AAACU5676R1ZF | यूनियन चॅन्स अँड ज्वेलरीज प्रायव्हेट लिमिटेड | 31.07.2017 | 0 | 0 | 29.12.2017 | 0 | 0.21 | 0.21 | 0 | 0.21 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, माझगांव | | | | | | | | | | | |
| 67 | 27AAHCA6486A1ZP | अनामक्लीन एनव्हायर्नमेंट प्रायव्हेट लिमिटेड | 22.08.2017 | 0 | 0.1 | 24.08.2017 | 0 | 0.1 | 0.12 | 0 | 0.12 |
| 68 | 27AABCU5142M1Z3 | सीएट स्पेशलिटी टायर्स लिमिटेड | 31.07.2017 | 0.65 | 0 | 27.03.2019 | 0 | 1.34 | 0.75 | 0 | 0.65 |
| 69 | 27AACCK4908L1ZA | कामालीं स्टील्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 02.09.2017 | 0 | 0 | 05.09.2017 | 0.07 | 0 | 0.15 | 0 | 0.08 |
| 70 | 27AAACV1897K1ZT | व्हीएचएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड | 28.07.2017 | 0.15 | 0 | 27.09.2019 | 0.22 | 0.07 | 0.25 | 0.15 | 0.1 |
| 71 | 27AASCS9389R1ZP | शुअरफ्लो टेककॉन प्रायव्हेट लिमिटेड | 28.08.2017 | 0 | 0 | 13.12.2018 | 0 | 0.001 | 0.34 | 0 | 0.34 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, फोर्ट | | | | | | | | | | | |
| 72 | 27AAGPS4712D1ZU | डी आर असोसिएट | 31.07.2017 | 0.0058 | 0 | 23.08.2017 | 0.4 | 0 | 0.40 | 0.0058 | 0.3942 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, अंधेरी | | | | | | | | | | | |
| 73 | 27AACCD7985L1ZY | डायस्ट इंडस्ट्रीज प्रायव्हेट लिमिटेड | 29.11.2017 | 0.25 | 0 | 26.02.2019 | 0 | 0.25 | 0.24 | 0 | 0.24 |
| 74 | 27AAACV1300M1ZJ | वेदान्त डायस्टफस इंटरमिडियट प्रायव्हेट लिमिटेड | 29.07.2017 | 0 | 0.2 | 14.06.2018 | 0 | 0.2 | 0.20 | 0 | 0.20 |
| 75 | 27ABNFS2780F1ZU | एस. आर एंटरप्रायझेस | 22.09.2017 | 0 | 0.11 | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | दाखल केले नाही | 0.19 | 0 | 0.19 |

| परिशिष्ट 2.5.1 (पुढे..) | | | | | | | | | | | |
|---|-----------------------------------|---|--------------------|------------------------|-----------------------|---------------------|----------------------------|----------------------------|--|-------------------|---------------------------|
| अनु क्र. | वस्तू व सेवाकर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | मूळ विवरणाची तारीख | मूळ विवरण अशेषित रक्कम | मूळ विवरण वापसी रक्कम | सुधारित विवरण तारीख | सुधारित विवरण अशेषित रक्कम | सुधारित विवरण परतावा रक्कम | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेतलेले क्रेडिट | स्वीकार्य क्रेडिट | अनियमित/ जास्तीचे क्रेडिट |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, एल टी यु-1, मुंबई | | | | | | | | | | | |
| 76 | 27AAFCC6808E1ZR | क्रेयोन सॉफ्टवेअर एक्स्पर्ट्स इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड | 26.07.2017 | 0 | 0 | 30.03.2019 | 0 | 0.06 | 0.35 | 0 | 0.35 |
| 77 | 27AACCM4684P1ZR | मेट्रो कॅश कॅरी इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड | 31.07.2017 | 0 | 0.83 | 24.10.2017 | 0 | 1.08 | 1.46 | 0 | 1.46 |
| 78 | 27AEQPG0751G1ZJ | अॅस्पायर इनकॉर्पोरेशन | 24.07.2017 | 0.19 | 0 | 15.01.2019 | 0 | 0.23 | 0.19 | 0 | 0.19 |
| 79 | 27AAACF0253H1Z0 | एम/एफ.डी. सी.लिमिटेड | 31.07.2017 | 0 | 1.48 | 02.08.2019 | 0 | 1.61 | 0.76& 0.84 | 0 | 1.6 |
| 80 | 27AAACZ2155N1ZY | झेनीथ डाय इंटरमिडियट्स लिमिटेड | 21.08.2017 | 0 | 0.19 | 16.03.2019 | 0 | 0.19 | 0.19 | 0 | 0.19 |
| 81 | 27AACCM0488P1ZX | मे. मरक्युरी कार रेंटल्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 28.07.2017 | 0 | 0 | 22.09.2017 | 0 | 0 | 4.01 | 0 | 4.01 |
| 82 | 27AAACN1252A1Z5 | मे. नवनीत मोटर्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 24.07.2017 | 0.61 | 0 | 22.08.2017 | 0.63 | 0 | 0.63 | 0 | 0.63 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, एल टी यु-2 मुंबई | | | | | | | | | | | |
| 83 | 27AAACS0705K1ZJ | सुडाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड | 29.07.2017 | 0 | 1.29 | 29.11.2019 | 0 | 0.25 | 0.25 | 0 | 0.25 |
| 84 | 27AAACG4414B1Z8 | ग्लॅक्सो स्मिथक लाइन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड | 21.07.2017 | 0.61 | 0 | 26.08.2019 | 0 | 2.43 | 0.61 | 0 | 0.61 |
| 85 | 27AAACS6994C1Z5 | शापूर्जी पल्लोजी कंपनी प्रायव्हेट लिमिटेड | 30.07.2017 | 0.01 | 0 | 20.10.2017 | 2.06 | 0 | 2.05 | 0.01 | 2.04 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, एल टी यु-2 पुणे | | | | | | | | | | | |
| 86 | 27AAPFB2057B1ZP | बोरा अँड बोरा टेक्नॉलॉजीज एलएलपी | 31.07.2017 | 0 | 0.41 | 19.08.2019 | 0 | 0.46 | 0.46 | 0 | 0.46 |
| | | | | | | | | | | एकूण | 26.92 |

परिशिष्ट 2.5.2

(संदर्भ: परिच्छेद 2.5.8.2; पृष्ठ: 61)

तक्ता 5 c प्रमाणे लेगसी रिटर्न दाखल न करता कलम 140(1), 140(4) (a) अंतर्गत अयोषित अनियमित क्रेडिट

(₹ कोटीं मध्ये)

| अनु क्र. | वस्तू व सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | विभागाचे नाव | लेगसी रिटर्न दाखल न करण्याचा कालावधी (जानेवारी ते जून 2017 दरम्यान) | | | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये घेतलेले क्रेडिट |
|----------|------------------------------------|---|----------------------------|---|----------|--------------|---|
| | | | | पासून | पर्यन्त | एकूण कालावधी | |
| 1 | 27AAFPG3345P1ZF | मे. श्रीमती जैनी पीयूष गांगर | सह आयुक्त, बोरिवली | जानेवारी-17 | जून-17 | 6 महिने | 0.35 |
| 2 | 27AAGCM8622B1ZM | मे. एमएएडी रिलेटर्स अँड इन्फ्रा कंपनी लिमिटेड मुंबई | सह आयुक्त, गोरेगांव | जानेवारी -17 | जून-17 | 6 महिने | 3.05 |
| 3 | 27AAGFG8459D1Z7 | मे. ग्रीन पॉवर सोल्युशन्स | सह आयुक्त, रायगड | जानेवारी-17 | मार्च-17 | 3 महिने | 0.83 |
| 4 | 27AAWCS7040M1ZJ | मे. समाई हेल्थकेयर प्रायव्हेट लिमिटेड | सह आयुक्त, ठाणे सिटी | जानेवारी-17 | मार्च-17 | 3 महिने | 0.07 |
| 5 | 27AETPM3540G1Z9 | मे.निओ बिल्डर्स अँड डेव्हलपर्स | सह आयुक्त, नरीमनपॉइंट | जानेवारी-17 | जून-17 | 6 महिने | 0.34 |
| 6 | 27AABCL4861A1ZT | लोहर इंडिया ऑटोमोटिव्ह प्रायव्हेट लिमिटेड | सह आयुक्त, पुणे (उत्तर) | मे-17 | मे-17 | 1 महिना | 0.17 |
| 7 | 27AAFPC2784C1ZF | प्रीकास्ट इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चरस प्रायव्हेट लिमिटेड | सह आयुक्त, एल टी यु-2 पुणे | मे-17 | जून-17 | 2 महिने | 0.46 |
| 8 | 27AAPFS1542Q1ZH | स्टील फॅब इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन | सह आयुक्त, माझगांव | जानेवारी-17 | जून-17 | 6 महिने | 2.72 |
| | | | | | | एकूण | 7.99 |

परिशिष्ट 2.5.3

(संदर्भ: परिच्छेद 2.5.8.3; पृष्ठ: 62)

पूर्व लेगसी रिटर्न पासून क्रेडिटचा अनियमित लाभ

(₹ कोटीं मध्ये)

| अनु क्र. | वस्तू व सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | विभागाचे नाव | रिटर्न आक्षेपाचा महिना | आक्षेपित महिन्यात दाखविलेले अग्रेषित क्रेडिट | आक्षेपित महिन्यात दावा केलेली परतावा रक्कम | लेखापरीक्षेनुसार स्वीकार्य क्रेडिट अग्रेषित करणे | जून 2017 मध्ये अग्रेषित केलेले क्रेडिट | जास्तीचे क्रेडिट |
|----------|------------------------------------|--------------------------------|--------------------------------|------------------------|--|--|--|--|------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1 | 27AANCS3404 NIZY | शमन व्हील्स प्रायव्हेट लिमिटेड | एल टी यु - 02, मुंबई | एप्रिल -17 | 9.31 | 0.02 | 0 | 4.41 | 4.41 |
| 2 | 27AAACW0387 R1ZN | विप्रो लिमिटेड | सह आयुक्त, एल टी यु - 01 मुंबई | मे-17 | 0 | 1.13 | 0 | 1.13 | 1.13 |
| | | | | | | | | एकूण | 5.54 |

परिशिष्ट 2.5.4

(संदर्भ: परिच्छेद 2.5.8.5; पृष्ठ: 64)

तक्ता 6(b) नुसार कलम 140(2) अंतर्गत भांडवली वस्तूंच्या संदर्भात लाभ न घेतलेल्या केंद्रीय मूल्यवर्धित कर क्रेडिटचे अनियमित अग्रेषण

(₹ कोटीं मध्ये)

| अनु क्र. | वस्तू व सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | विभागाचे नाव | TRAN -1तक्ता 6-ब अनुसार क्रेडिट दावा रक्कम | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजरमध्ये घेतलेले MGST क्रेडिट | | आक्षेपित SGST रक्कम |
|----------|------------------------------------|--|--------------------|--|---|------------|---------------------|
| | | | | | रक्कम | दिनांक | |
| 1 | 27AAACO2563P1Z1 | ओरिक्स ऑटो इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विसेस लिमिटेड | एल टी यु-002 मुंबई | 9.66 | 9.66 | 28.08.2017 | 9.66 |
| 2 | 27AAGCA5212K1ZR | आरवल इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड | एल टी यु-002 मुंबई | 3.74 | 3.74 | 17.11.2017 | 3.74 |
| | | | | | | एकूण | 13.40 |

परिशिष्ट 2.5.5

(संदर्भ: परिच्छेद 2.5.8.7; पृष्ठ: 68)

बांधकाम व्यावसायिक आणि विकासकांनी कलम 140(4)(b), 140(6), 140(7) अंतर्गत स्टॉकमध्ये ठेवलेल्या इनपुटवर किंवा स्टॉकमध्ये ठेवलेल्या अर्धतयार अथवा तयार वस्तूंमधील इनपुटवर करांच्या क्रेडिटचा अनियमित लाभ

(₹ कोटी मध्ये)

| अनु क्र. | वस्तू व सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | करदात्याचे नाव | विभागाचे नाव | SAP TRAN-1(Rs) च्या तक्ता 7-c च्या रकाना 8 मध्ये दावा केलेले क्रेडिट | | | Boweb TRAN -1 तक्ता 7(c) च्या रकाना 8 मध्ये स्टॉकमध्ये असलेल्या इनपुटवर किंवा स्टॉकमध्ये असलेल्या तयार वस्तूंमधील इनपुटवर दावा केलेले क्रेडिट | इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर मध्ये SGST म्हणून अयेशित क्रेडिट | | आक्षेपित SGST रक्कम |
|-------------|------------------------------------|---|------------------------|--|--|------|---|--|------------|---------------------|
| | | | | स्टॉकमध्ये असलेले इनपुट्स | स्टॉकमध्ये असलेल्या अर्धतयार/तयार वस्तूंमधील इनपुट्स | एकूण | | रक्कम | तारीख | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) |
| 1 | 27AAICM0604K1ZJ | सर्बिया अबोडे डेव्हलपर्स प्रायव्हेट लिमिटेड | घाटकोपर | 0 | 0.11 | 0.11 | 0.11 | 0.32 | 25.12.2017 | 0.11 |
| 2 | 27AABAJ5177F1ZM | मे. जय कुल असोसिएट्स | घाटकोपर | 0 | 0.12 | 0.12 | 0.12 | 0.54 | 27.12.2017 | 0.12 |
| 3 | 27AADFL5509N1ZZ | लार्किंग रिअलटर्स | ठाणे शहर | 0 | 0.71 | 0.71 | 0.71 | 0.80 | 27.12.2017 | 0.80 |
| 4 | 27AAOFK2187J1ZT | एम एस कृती कन्स्ट्रक्शन्स | पुणे दक्षिण | 0.15 | 0 | 0.15 | 0.15 | 0.22 | 26.12.2017 | 0.15 |
| 5 | 27AAIFN5426B1ZH | नाहर होम्स एल एल पी | पुणे पश्चिम | 0 | 0.41 | 0.41 | 0.41 | 0.66 | 25.12.2017 | 0.41 |
| 6 | 27AAECG7846JF1ZE | सर्बिया चाकण डेव्हलपर्स प्रायव्हेट लिमिटेड | पुणे पश्चिम | 0 | 0.22 | 0.22 | 0.22 | 0.47 | 26.12.2017 | 0.47 |
| 7 | 27ABAPM3697A1ZS | रेणुका कन्स्ट्रक्शन्स | पुणे पूर्व | 0.54 | 0 | 0.54 | 0.54 | 0.77 | 30.11.2017 | 0.54 |
| 8 | 27AADCC3425D1Z4 | करोया प्रॉपर्टीज | फोर्ट | 0 | 0.04 | 0.04 | 0.04 | 0.46 | 25.10.2017 | 0.04 |
| 9 | 27AABC3630P1ZJ | भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर | अंधेरी | 0 | 0.82 | 0.82 | 0.82 | 1.13 | 24.11.2017 | 0.82 |
| 10 | 27AAOCS9607A1Z7 | स्कायलार्क रियलटर्स | अंधेरी | 0.14 | 0.12 | 0.26 | 0.31 | 0.81 | 19.12.2017 | 0.12 |
| 11 | 27AAFRC6616R1ZN | राज आरकेड्स होम्स प्रायव्हेट लिमिटेड | सह आयुक्त, कांदीवली | 0.004 | 0.59 | 0.59 | 0.59 | 0.82 | 28.08.2017 | 0.59 |
| 12 | 27AAGHA4110F1ZX | मार्क मशीन टूल्स | सह आयुक्त, फोर्ट मुंबई | 0 | 0.08 | 0.08 | 0.08 | 0.18 | 27.12.2017 | 0.08 |
| एकूण | | | | | | | | | | 4.25 |

परिशिष्ट 2.6.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.6.2; पृष्ठ: 77)

दुसऱ्यांदा पेमेंट अडवाईस जारी केल्यामुळे जास्तीचे वस्तू व सेवा कर परतावा भरणा झाल्याची प्रकरणे दर्शविणारे विवरण (करदात्याने जास्तीच्या परताव्याची परतफेड केली)

(₹ मध्ये)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव/ वस्तू व सेवा कर ओळख संख्या GSTIN संख्या | परताव्याचा प्रकार/ अर्ज संदर्भ क्रमांक आणि तारीख | परतावा आदेशाची तारीख | मंजूर परतावा रक्कम | प्रथम पेमेंट अडवाईस संख्या व तारीख | द्वितीय पेमेंट अडवाईस संख्या व तारीख | रक्कम | एकूण जास्तीची रक्कम | जास्तीच्या परताव्याच्या परतफेडीची तारीख | विलंबाचा कालावधी | विलंबाच्या कालावधीसाठी आकारणीय व्याज | वसूल केलेले/ देय व्याज |
|----------|-----------------------------|---|--|----------------------|--------------------|--------------------------------------|---------------------------------------|---------|---------------------|---|------------------|--------------------------------------|------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| 1 | सह आयुक्त बांदा, नोडल-5 | सांघवी अँड संस/ 27AAAFS3192F1Z9 | तात्पुरते/ AA271219094568K/ 21.12.2019 | 14.01.2020 | 2400588 | ZA2701200341283 /14.01.2020 (RFD-04) | ZA27012003411449/ 14.01.2020 (RFD-04) | 2400588 | 2400588 | 03.02.2020 | 0 महिना 20 दिवस | 24006 | 0/24006 |
| 2 | सह आयुक्त बोरीवली | संजय डायमंड्स/ 27AATFS8747D1ZJ | तात्पुरते/ AA2712191187128/ 27.12.2019 | 18.01.2020 | 75160 | ZA270120048952Q /20.01.2020 (RFD-04) | ZA270120048938G/ 20.01.2020 (RFD-04) | 75160 | 75160 | 03.02.2020 | 0 महिना 14 दिवस | 526 | 0/526 |
| 3 | सह आयुक्त घाटकोपर | के.जे. ओवरसीज/ 27AAIPB7109F1Z0 | तात्पुरते/ AA2712190576330/ 13.12.2019 | 16.01.2020 | 11402 | ZA270120041797N /16.01.2020 (RFD-04) | ZA270120041809Q/ 16.01.2020 (RFD-04) | 11402 | 11402 | 28.01.2020 | 0 महिना 12 दिवस | 68 | 0/68 |
| 4 | सह आयुक्त मांडवी | रिलीवि इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड/ 27AAGCR7691R1Z9 | अंतिम/ AA271219051568V/ 12.12.2019 | 16.01.2020 | 90450 | ZA270120039677L /16.01.2020 (RFD-06) | ZA270120039704W/ 16.01.2020 (RFD-06) | 90450 | 90450 | 03.02.2020 | 0 महिना 17 दिवस | 769 | 0/769 |
| 5 | सह आयुक्त माझगांव नोडल-4 | ईश्वर एक्सपोर्ट्स/ 27AAAFI0081K1ZI | तात्पुरते/ AA2712190773605/ 18.12.2019 | 21.01.2020 | 3013984 | ZA270120051438V /21.01.2020 (RFD-04) | ZA2701200514450/ 21.01.2020 (RFD-04) | 3013984 | 3013984 | 03.02.2020 | 0 महिना 12 दिवस | 18084 | 0/18084 |
| 6 | सह आयुक्त मुलुंड नोडल-13 | कॉस मेट प्रॉडक्ट्स एलएलपी/ 27AAKFC1844J1ZB | तात्पुरते/ AA2711191326249/ 22.11.2019 | 22.01.2020 | 815507 | ZA270120056217Y /22.01.2020 (RFD-04) | ZA2701200562433/ 22.01.2020 (RFD-04) | 815507 | 815507 | 06.02.2020 | 0 महिना 14 दिवस | 5709 | 0/5709 |
| 7 | सह आयुक्त नाशिक | चन्दन टेक्स्टाइल्स/ 27ABBPM4052G1ZW | अंतिम/ AA271219001702J/ 02.12.2019 | 20.01.2020 | 2723408 | ZA2701200503362 /20.01.2020 (RFD-06) | ZA270120050339W/ 20.01.2020 (RFD-06) | 2723408 | 2723408 | 24.02.2020 25.02.2020 26.08.2021 | 01 महिना 04 दिवस | 46298 | 61300/0 |
| 8 | सह आयुक्त पुणे पूर्व नोडल-1 | गोवेल प्रेसि कॉम्प प्रायव्हेट लिमिटेड/ 27AAHCG5361L1Z8 | अंतिम/ AA271119158964P/ 27.11.2019 | 21.01.2020 | 24684 | ZA2701200517206 /21.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200517032/ 21.01.2020 (RFD-06) | 24684 | 24684 | 03.02.2020 | 0 महिना 12 दिवस | 148 | 0/148 |
| 9 | सह आयुक्त पुणे पूर्व नोडल-1 | आचलिया इन्फोटेक प्रायव्हेट लिमिटेड/ 27AAQCA8394J1ZU | अंतिम/ AA2712190775601/ 18.12.2019 | 21.01.2020 | 792 | ZA270120051818P /21.01.2020 (RFD-06) | ZA270120051794R/ 21.01.2020 (RFD-06) | 792 | 792 | 04.02.2020 | 0 महिना 14 दिवस | 6 | 0/6 |

| परिशिष्ट 2.6.1 | | | | | | | | | | | | | |
|----------------|--------------------------|--|--|----------------------|--------------------|--|---|---------|---------------------|---|---------------------|--------------------------------------|------------------------|
| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव/ वस्तू व सेवा कर ओळख संख्या GSTIN संख्या | परताव्याचा प्रकार/ अर्ज संदर्भ क्रमांक आणि तारीख | परतावा आदेशाची तारीख | मंजूर परतावा रक्कम | प्रथम पेमेंट अॅडवाईस संख्या व तारीख | द्वितीय पेमेंट अॅडवाईस संख्या व तारीख | रक्कम | एकूण जास्तीची रक्कम | जास्तीच्या परताव्याच्या परतफेडीची तारीख | विलंबाचा कालावधी | विलंबाच्या कालावधीसाठी आकारणीय व्याज | वसूल केलेले/ देय व्याज |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| 10 | सह आयुक्त ठाणे शहर | आलम टेक्सटाईल्स/ 27AYEPS3042E1ZK | अंतिम/ AA2712190542365/ 13.12.2019 | 20.01.2020 | 539960 | ZA270120049537P /20.01.2020 (RFD-06) | ZA270120049523Y/ 20.01.2020 (RFD-06) | 539960 | 539960 | 07.02.2020 | 0 महिना 18 दिवस | 4860 | 0/4860 |
| 11 | सह आयुक्त ठाणे शहर | एस. एफ. टेक्सटाईल्स/ 27BJPPK6429Q1Z8 | अंतिम/ AA271219063151E/ 15.12.2019 | 14.01.2020 | 378758 | ZA2701200358121 /14.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200355787M /14.01.2020 (RFD-06) | 378758 | 378758 | 25.02.2020 | 01 महिना 11 दिवस | 2083 | 0/2083 |
| 12 | सह आयुक्त ठाणे ग्रामिण | अंगदपाल इंडस्ट्रीज प्रायव्हेट लिमिटेड/ 27AACCA5854D1ZU | तात्पुरते/ AA271219083794O/ 19.12.2019 | 20.01.2020 | 1015316 | ZA2701200504336 /20.01.2020 (RFD-04) | ZA270120050429V/ 20.01.2020 (RFD-04) | 1015316 | 1015316 | 29.01.2020 | 0 महिना 09 दिवस | 4569 | 0/4569 |
| 13 | सह आयुक्त नागपूर | श्रीराम फूड इंडस्ट्री प्रायव्हेट लिमिटेड/ 27AAUCS1765R1Z7 | तात्पुरते/ AA271219111360M/ 25.12.2019 | 16.01.2020 | 586848 | ZA2701200405253 /16.01.2020 (RFD-04) | ZA2701200405063/ 16.01.2020 (RFD-04) | 586848 | 586848 | 06.02.2020 | 0 महिना 20 दिवस | 5868 | 0/5868 |
| 14 | सह आयुक्त मुलुंड नोडल-13 | अमित बॅंगल्स/ 27AABPY3797K1ZV | अंतिम/ AA271119133505A/ 22.11.2019 | 17.01.2020 | 81685 | ZA2701200435432 /17.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200435531/ 17.01.2020 (RFD-06) | 81685 | 81685 | 09.09.2021 | 19 महिने 21 दिवस | 24138 | 0/24138 |
| 15 | सह आयुक्त, नाशिक | सोना सिक्का फॅब्रिक्स/ 27AAQPH9602K1Z9 | अंतिम/ AA271219053467X/ 12.12.2019 | 20.01.2020 | 874730 | ZA2701200502942 /20.01.2020 (RFD-06) | ZA270120050312C/ 20.01.2020 (RFD-06) | 874730 | 874730 | 25.08.2021 27.08.2021 | 19 महिने 05 दिवस | 251485 | 262420/0 |
| | | | | | | | एकूण | | 12633272 | | | 388616 | 323942/ 90833 |

परिशिष्ट 2.6.2

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.6.2; पृष्ठ: 77)

दुसऱ्यांदा पेमेंट अडव्हाईस जारी केल्यामुळे वस्तू व सेवा कराच्या परताव्याचे जास्तीचे पेमेंट दर्शविणाऱ्या प्रकरणांचे विवरण (करदात्याने जास्तीच्या परताव्याची परतफेड केली नाही)

(₹ मध्ये)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | परताव्याचा प्रकार, अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | परतावा आदेशाची तारीख | मंजूर परतावा रक्कम | प्रथम पेमेंट अडव्हाईस संख्या व तारीख | द्वितीय पेमेंट अडव्हाईस संख्या व तारीख | रक्कम | एकूण अतिरिक्त रक्कम | विलंबाचा कालावधी | विलंबाच्या कालावधीसाठी आकारणीय व्याज | दिलेले/देय व्याज |
|-------------|-----------------------|--|--|----------------------|--------------------|--|--|---------|---------------------|---------------------|--------------------------------------|------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) |
| 1 | सह आयुक्त, कांदिवली | किरिट रतीलाल राजा/ 27AAAPR4783P1ZX | अंतिम/ AA271119022201S/ 06.11.2019 | 23.01.2020 | 33130 | ZA270120060061D/ 23.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200600639/ 23.01.2020 (RFD-06) | 33130 | 33130 | 19 महिने 11 दिवस | 9624 | 0/9624 |
| 2 | सह आयुक्त, कांदिवली | केमोसिड इम्पेक्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAACC2243C1ZB | तात्पुरते/ AA2710190165179/ 05.10.2019 | 14.10.2019 | 2154713 | ZA2701200610539/ 23.01.2020 (RFD-04) | ZA270120060996/ 23.01.2020 (RFD-04) | 2154713 | 2154713 | 19 महिने 11 दिवस | 625944 | 0/625944 |
| 3 | सह आयुक्त, कोल्हापूर | सूर्यकांत राजाराम नेजे/ 27AANPN6103C1ZX | अंतिम/ AA271119146756U/ 25.11.2019 | 10.01.2020 | 25592 | ZA270120031419Z/ 13.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200314082/ 13.01.2020 (RFD-06) | 25592 | 25592 | 19 महिने 21 दिवस | 7562 | 0/7562 |
| 4 | सह आयुक्त, सांताक्रुझ | अर्व इंजीनियरिंग कंपनी एल एल पी 27ABJFA2735N1Z4 | तात्पुरते/ AA271119051541D/ 12.11.2019 | 18.01.2020 | 365983 | ZA270120051886M/ 21.01.2020 (RFD-04) | ZA270120051898H/ 21.01.2020 (RFD-04) | 365983 | 365983 | 19 महिने 13 दिवस | 106684 | 0/106684 |
| 5 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | बीके टेक्सटाईल्स/ 27AFHPB0122Q1ZL | अंतिम/ AA271119009085D/ 04.11.2019 | 21.01.2020 | 993696 | ZA270120053673V/ 21.01.2020 (RFD-06) | ZA270120053725U/ 21.01.2020 (RFD-06) | 993682 | 993682 | 19 महिने 07 दिवस | 286677 | 0/286677 |
| 6 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | राधाकृष्णा टेक्सटाईल्स/ 27AADHK2780C1ZG | अंतिम/ AA271219090454Z/ 20.12.2019 | 20.01.2020 | 230755 | ZA2701200500558/ 20.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200500368/ 20.01.2020 (RFD-06) | 230755 | 230755 | 19 महिने 08 दिवस | 66688 | 0/66688 |
| 7 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | ग्रीनटेक्स एक्सपोर्ट्स इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड/ 27AAECG4272B1ZW | तात्पुरते/ AA271219115997P/ 26.12.2019 | 18.01.2020 | 1818924 | ZA270120046130E/ 18.01.2020 (RFD-04) | ZA270120046139W/ 18.01.2020 (RFD-04) | 1818924 | 1818924 | 19 महिने 10 दिवस | 527488 | 0/527488 |
| एकूण | | | | | | | | | 5622779 | | 1630668 | 0/1630668 |

परिशिष्ट 2.6.3

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.1; पृष्ठ: 78)

कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (अर्जाच्या पोचपावतीत विलंब) (स्वयंचलित प्रणाली पूर्व)

| अनु. क्र. | लेखापरीक्षित कार्यालयाचे नाव (विभाग) | लेखापरीक्षित तपासलेली परतावा प्रकरणांची संख्या | पोचपावतीत विलंब झालेल्या परतावा प्रकरणांची संख्या | विलंबाचा कालावधी (दिवस) | 3 महिन्यांपर्यंत विलंब | 3 ते 6 महिन्यांपर्यंत विलंब | 6 महिन्यांपेक्षा जास्त विलंब |
|-----------|---|--|---|-------------------------|------------------------|-----------------------------|------------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
| 1 | सह आयुक्त, एल टी यु - 1, पुणे | 82 | 13 | 03-353 | 12 | 0 | 1 |
| 2 | सह आयुक्त, एल टी यु - 2, पुणे | 48 | 33 | 03-175 | 27 | 6 | 0 |
| 3 | सह आयुक्त, नोडल - 1, पुणे | 40 | 19 | 01-440 | 15 | 1 | 3 |
| 4 | सह आयुक्त, नोडल - 2, पुणे | 12 | 10 | 01-282 | 6 | 2 | 2 |
| 5 | सह आयुक्त, नोडल - 3, पुणे | 12 | 3 | 18-61 | 3 | 0 | 0 |
| 6 | सह आयुक्त, नोडल - 4, पुणे | 54 | 27 | 1-387 | 21 | 5 | 1 |
| 7 | सह आयुक्त, नोडल - 4, माझगांव | 38 | 15 | 6-585 | 10 | 2 | 3 |
| 8 | सह आयुक्त, नोडल-7, अंधेरी, माझगांव, मुंबई | 52 | 32 | 8-333 | 19 | 5 | 8 |
| 9 | सह आयुक्त, मुंबई-एल टी यु-01 | 138 | 82 | 1-335 | 71 | 7 | 4 |
| 10 | सह आयुक्त, फोर्ट (नोडल-1) माझगांव, मुंबई | 48 | 13 | 2-102 | 12 | 1 | 0 |
| 11 | सह आयुक्त, गोरेगांव विभाग | 27 | 13 | 2-264 | 9 | 1 | 3 |
| 12 | सह आयुक्त, मुंबई एल टी यु- 03 | 29 | 22 | 1-383 | 19 | 1 | 2 |
| 13 | सह आयुक्त, मुंबई एल टी यु- 04 | 34 | 14 | 2-368 | 9 | 4 | 1 |
| 14 | सह आयुक्त, नागपूर | 86 | 42 | 02-333 | 35 | 4 | 3 |
| 15 | सह आयुक्त, नोडल - 5 (बांद्रा) | 52 | 37 | 5-201 | 35 | 1 | 1 |
| 16 | सह आयुक्त, ठाणे (शहर) विभाग | 134 | 71 | 1-463 | 45 | 15 | 11 |
| | एकूण | 886 | 446 | 0 | 348 | 55 | 43 |

परिशिष्ट 2.6.4

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.1; पृष्ठ: 78)

कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (अर्जाच्या पोचपावतीत विलंब) स्वयंचलित प्रणाली पश्चात

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | लेखापरीक्षणाने नमून्यातून तपासलेल्या परतावा अर्जांची संख्या | परतावा प्रकरणांची एकूण संख्या ज्यामध्ये पोचपावतीत विलंब झाल्याचे लक्षात आले | विलंबाचा कालावधी (दिवस) | 3 महिन्यांपर्यंत विलंब | 3 ते 6 महिन्यांपर्यंत विलंब | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक विलंब |
|----------|---------------------------------|---|---|-------------------------|------------------------|-----------------------------|-----------------------------|
| 1 | सह आयुक्त, एल टी यु - 01, पुणे | 32 | 3 | 2-5 | 3 | 0 | 0 |
| 2 | सह आयुक्त, माझगांव, मुंबई | 16 | 3 | 5-31 | 3 | 0 | 0 |
| 3 | सह आयुक्त, नोडल-7 अंधेरी, मुंबई | 26 | 12 | 3-113 | 9 | 3 | 0 |
| 4 | सह आयुक्त, औरंगाबाद विभाग | 23 | 5 | 3-43 | 5 | 0 | 0 |
| 5 | सह आयुक्त, बोरीवली विभाग | 24 | 3 | 1-58 | 3 | 0 | 0 |
| 6 | सह आयुक्त, फोर्ट विभाग | 62 | 18 | 1-81 | 18 | 0 | 0 |
| 7 | सह आयुक्त, घाटकोपर विभाग | 5 | 2 | 11-20 | 2 | 0 | 0 |
| 8 | सह आयुक्त, गोरेगांव विभाग | 32 | 16 | 2-72 | 16 | 0 | 0 |
| 9 | सह आयुक्त, कांदीवली विभाग | 9 | 4 | 7-15 | 4 | 0 | 0 |
| 10 | सह आयुक्त, कोल्हापूर विभाग | 42 | 6 | 1-9 | 6 | 0 | 0 |
| 11 | सह आयुक्त, मांडवी विभाग | 10 | 4 | 2-39 | 4 | 0 | 0 |
| 12 | सह आयुक्त, मुलुंड विभाग | 8 | 3 | 2-41 | 3 | 0 | 0 |
| 13 | सह आयुक्त, मुंबई-एल टी यु-01 | 61 | 8 | 01 ते 36 | 8 | 0 | 0 |
| 14 | सह आयुक्त, मुंबई-एल टी यु-03 | 26 | 3 | 04 ते 25 | 3 | 0 | 0 |
| 15 | सह आयुक्त, मुंबई-एल टी यु-04 | 10 | 3 | 01 ते 04 | 3 | 0 | 0 |
| 16 | सह आयुक्त, मुंबई-एल टी यु-02 | 13 | 4 | 01 ते 164 | 3 | 1 | 0 |
| 17 | सह आयुक्त, नागपूर विभाग | 33 | 7 | 1-49 | 7 | 0 | 0 |
| 18 | सह आयुक्त, नांदेड विभाग | 2 | 1 | 9 | 1 | 0 | 0 |
| 19 | सह आयुक्त, नरीमन पॉइंट विभाग | 21 | 9 | 1-35 | 9 | 0 | 0 |
| 20 | सह आयुक्त, नाशिक विभाग | 73 | 28 | 1-95 | 27 | 1 | 0 |
| 21 | सह आयुक्त, नोडल-2, पुणे पश्चिम | 23 | 5 | 10-53 | 5 | 0 | 0 |
| 22 | सह आयुक्त, नोडल-3, पुणे | 12 | 1 | 111 | 0 | 1 | 0 |
| 23 | सह आयुक्त, नोडल-5, (बांद्रा) | 7 | 5 | 2-22 | 5 | 0 | 0 |
| 24 | सह आयुक्त, नोडल-4, पुणे दक्षिण | 37 | 9 | 1-14 | 9 | 0 | 0 |
| 25 | सह आयुक्त, नोडल-1, पुणे | 32 | 9 | 2-25 | 9 | 0 | 0 |

परिशिष्ट 2.6.4 (पुढे..)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | लेखापरीक्षणाने नमून्यातून तपासलेल्या परतावा अर्जाची संख्या | परतावा प्रकरणांची एकूण संख्या ज्यामध्ये पोचपावतीत विलंब झाल्याचे लक्षात आले | विलंबाचा कालावधी (दिवस) | 3 महिन्यांपर्यंत विलंब | 3 ते 6 महिन्यांपर्यंत विलंब | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक विलंब |
|----------|-------------------------------|--|---|-------------------------|------------------------|-----------------------------|-----------------------------|
| 26 | सह आयुक्त, पुणे, एल टी यु-02 | 16 | 2 | 2-39 | 2 | 0 | 0 |
| 27 | सह आयुक्त, रायगड | 63 | 13 | 2-44 | 13 | 0 | 0 |
| 28 | सह आयुक्त, साकीनाका | 20 | 6 | 2-64 | 6 | 0 | 0 |
| 29 | सह आयुक्त, सांताक्रुझ विभाग | 25 | 9 | 3-26 | 9 | 0 | 0 |
| 30 | सह आयुक्त, सोलापूर विभाग | 19 | 3 | 1-3 | 3 | 0 | 0 |
| 31 | सह आयुक्त, ठाणे शहर विभाग | 211 | 80 | 1-51 | 80 | 0 | 0 |
| 32 | सह आयुक्त, ठाणे ग्रामीण विभाग | 75 | 29 | 1-70 | 29 | 0 | 0 |
| | एकूण | 1068 | 313 | | 307 | 6 | 0 |

परिशिष्ट 2.6.5

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.2; पृष्ठ: 80)

कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (शून्य रेटेड पुरवठ्याच्या कारणास्तव तात्पुरता परतावा वेळेत मंजूर झाला नाही) स्वयंचलित प्रणाली पूर्व

| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | लेखापरीक्षणाने नमुन्यातून तपासलेल्या परतावा अर्जांची संख्या | परतावा प्रकरणांची संख्या ज्यात लेखापरीक्षेचे आक्षेप लक्षात आले | विलंबाचा कालावधी (दिवस) | 3 महिन्यांपर्यंत विलंब | 3 ते 6 महिन्यांपर्यन्त विलंब | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक विलंब |
|-----------|--|---|--|-------------------------|------------------------|------------------------------|-----------------------------|
| 1 | सह आयुक्त, विक्रीकर, एल टी यु-01, पुणे | 77 | 32 | 1-151 | 31 | 1 | 0 |
| 2 | सह आयुक्त, विक्रीकर, एल टी यु-02, पुणे | 34 | 22 | 1-21 | 22 | 0 | 0 |
| 3 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नागपूर | 53 | 26 | 1-73 | 26 | 0 | 0 |
| 4 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 1, पुणे | 34 | 9 | 1-81 | 9 | 0 | 0 |
| 5 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 2, पुणे | 7 | 4 | 4-5 | 4 | 0 | 0 |
| 6 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 3, पुणे | 6 | 1 | 44 | 1 | 0 | 0 |
| 7 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 4, पुणे | 41 | 12 | 1-52 | 12 | 0 | 0 |
| 8 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 04, माझगांव, मुंबई | 27 | 5 | 1-87 | 5 | 0 | 0 |
| 9 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल-7, माझगांव, मुंबई | 37 | 6 | 3-102 | 5 | 1 | 0 |
| 10 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई- एल टी यु-01 | 121 | 44 | 1-68 | 44 | 0 | 0 |
| 11 | सह आयुक्त, विक्रीकर, फोर्ट (नोडल-1) माझगांव, मुंबई | 17 | 2 | 6-17 | 2 | 0 | 0 |
| 12 | सह आयुक्त, विक्रीकर, गोरेगांव विभाग | 20 | 7 | 2-136 | 6 | 1 | 0 |
| 13 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई- एल टी यु-03 | 20 | 16 | 1-240 | 15 | 0 | 1 |
| 14 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई- एल टी यु-04 | 26 | 15 | 1-64 | 15 | 0 | 0 |
| 15 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल-5 (बांद्रा) | 41 | 8 | 3-208 | 7 | 0 | 1 |
| 16 | सह आयुक्त, विक्रीकर, ठाणे (शहर) विभाग | 40 | 18 | 5-211 | 15 | 2 | 1 |
| | एकूण | 601 | 227 | | 219 | 5 | 3 |

परिशिष्ट 2.6.6

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.2; पृष्ठ: 80)

कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (शून्य रेटेड पुरवठ्यामुळे तात्पुरता परतावा वेळेत मंजूर झाला नाही) स्वयंचलित प्रणाली पश्चात

| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | लेखापरीक्षणाने नमुन्यातून तपासलेल्या शून्य रेटेड परतावा प्रकरणांची संख्या | परतावा प्रकरणांची संख्या ज्यात लेखापरीक्षेचे आक्षेप लक्षात आले | विलंबाचा कालावधी (दिवस) | 3 महिन्यांपर्यंत विलंब | 3 ते 6 महिन्यांपर्यंत विलंब | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक विलंब |
|-----------|----------------------------------|---|--|-------------------------|------------------------|-----------------------------|-----------------------------|
| 1 | सह आयुक्त, एल टी यु-001, पुणे | 25 | 9 | 1-54 | 9 | 0 | 0 |
| 2 | सह आयुक्त, माझगाव, मुंबई | 6 | 2 | 2 | 2 | 0 | 0 |
| 3 | सह आयुक्त, औरंगाबाद | 2 | 2 | 5-10 | 2 | 0 | 0 |
| 4 | सह आयुक्त, बोरीवली | 1 | 1 | 38 | 1 | 0 | 0 |
| 5 | सह आयुक्त, फोर्ट | 23 | 7 | 3-145 | 5 | 2 | 0 |
| 6 | सह आयुक्त, घाटकोपर | 2 | 2 | 56-104 | 1 | 1 | 0 |
| 7 | सह आयुक्त, गोरेगांव | 19 | 14 | 3 ते 75 | 14 | 0 | 0 |
| 8 | सह आयुक्त, कोल्हापूर | 11 | 6 | 7-53 | 6 | 0 | 0 |
| 9 | सह आयुक्त, मांडवी | 4 | 1 | 3 | 1 | 0 | 0 |
| 10 | सह आयुक्त, मुंबई- एल टी यु -01 | 36 | 14 | 3 ते 64 | 14 | 0 | 0 |
| 11 | सह आयुक्त, मुंबई- एल टी यु -03 | 22 | 8 | 1 ते 59 | 8 | 0 | 0 |
| 12 | सह आयुक्त, मुंबई- एल टी यु -04 | 5 | 4 | 4 ते 30 | 4 | 0 | 0 |
| 13 | सह आयुक्त, मुंबई- एल टी यु -02 | 6 | 5 | 4-33 | 5 | 0 | 0 |
| 14 | सह आयुक्त, नागपूर | 6 | 4 | 1-51 | 4 | 0 | 0 |
| 15 | सह आयुक्त, नरीमन पॉइंट | 10 | 3 | 4-5 | 3 | 0 | 0 |
| 16 | सह आयुक्त, नाशिक | 34 | 27 | 1-137 | 26 | 1 | 0 |
| 17 | सह आयुक्त, नोडल-2, पुणे (पश्चिम) | 14 | 10 | 1-23 | 10 | 0 | 0 |
| 18 | सह आयुक्त, नोडल-3, पुणे | 5 | 2 | 1-9 | 2 | 0 | 0 |
| 19 | सह आयुक्त, नोडल-4, पुणे (दक्षिण) | 23 | 9 | 2-40 | 9 | 0 | 0 |
| 20 | सह आयुक्त, नोडल-1, पुणे | 21 | 8 | 2-33 | 8 | 0 | 0 |
| 21 | सह आयुक्त, पुणे- एल टी यु -2 | 12 | 6 | 4-167 | 5 | 1 | 0 |
| 22 | सह आयुक्त, रायगड | 39 | 12 | 2-81 | 12 | 0 | 0 |
| 23 | सह आयुक्त, साकीनाका | 8 | 3 | 4 ते 11 | 3 | 0 | 0 |
| 24 | सह आयुक्त, सांताक्रुझ | 14 | 11 | 3-133 | 10 | 1 | 0 |
| 25 | सह आयुक्त, सोलापूर | 8 | 6 | 4-17 | 6 | 0 | 0 |
| 26 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | 14 | 7 | 5-81 | 7 | 0 | 0 |

परिशिष्ट 2.6.6 (पुढे..)

| अनु. क्रं. | विभागाचे नाव | लेखापरीक्षणाने नमुन्यातून तपासलेल्या शून्य रेटेड परतावा प्रकरणांची संख्या | परतावा प्रकरणांची संख्या ज्यात लेखापरीक्षेचे आक्षेप लक्षात आले | विलंबाचा कालावधी (दिवस) | 3 महिन्यांपर्यंत विलंब | 3 ते 6 महिन्यांपर्यन्त विलंब | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक विलंब |
|------------|-------------------------|---|--|-------------------------|------------------------|------------------------------|-----------------------------|
| 27 | सह आयुक्त, कांदीवली | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 28 | सह आयुक्त, बांद्रा | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 29 | सह आयुक्त, अंधेरी | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 30 | सह आयुक्त, ठाणे ग्रामीण | 11 | 8 | 1-15 | 8 | 0 | 0 |
| | एकूण | 391 | 191 | | 185 | 6 | 0 |

परिशिष्ट 2.6.7

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.3; पृष्ठ: 82)

कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (देय व्याज-प्रदान केलेले/न केलेले) स्वयंचलित प्रणाली पूर्व

| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | लेखापरीक्षेने नमुन्यातून तपासलेल्या परतावा अर्जांची संख्या | परतावा प्रकरणांची संख्या ज्यात लेखा परीक्षा आक्षेप आढळले | दिवसां मध्ये विलंबाचा कालावधी | प्रदान केलेले देय व्याज (₹ मध्ये) | प्रदान न केलेले देय व्याज (₹ मध्ये) | 3 महिन्यांपर्यंत विलंब | 3 ते 6 महिन्यां पर्यंत विलंब | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक विलंब |
|-----------|---|--|--|-------------------------------|-----------------------------------|-------------------------------------|------------------------|------------------------------|-----------------------------|
| 1 | सह आयुक्त, विक्रीकर, एल टी यु-1, पुणे | 82 | 76 | 23-369 | 0 | 16860770 | 11 | 29 | 36 |
| 2 | सह आयुक्त, विक्रीकर, एल टी यु-2, पुणे | 48 | 44 | 4-368 | 0 | 13192644 | 7 | 22 | 15 |
| 3 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 1, पुणे | 40 | 31 | 11-405 | 0 | 641361 | 11 | 10 | 10 |
| 4 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 2, पुणे | 12 | 10 | 31-433 | 0 | 404627 | 1 | 1 | 8 |
| 5 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 3, पुणे | 12 | 3 | 144-224 | 0 | 143096 | 0 | 1 | 2 |
| 6 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 4, पुणे | 54 | 37 | 5-397 | 0 | 620169.12 | 14 | 6 | 17 |
| 7 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 04, माझगांव | 38 | 22 | 36-654 | 0 | 1596248 | 1 | 2 | 19 |
| 8 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 07, माझगांव, मुंबई | 52 | 21 | 2-550 | 0 | 1056590.15 | 5 | 1 | 15 |
| 9 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई- एल टी यु-01 | 138 | 105 | 6-633 | 0 | 8206316 | 11 | 24 | 70 |
| 10 | सह आयुक्त, विक्रीकर, फोर्ट (नोडल-1), माझगांव, मुंबई | 48 | 13 | 11-446 | 0 | 322927.42 | 4 | 2 | 7 |
| 11 | सह आयुक्त, विक्रीकर, गोरेगांव | 27 | 15 | 8-395 | 0 | 478535 | 2 | 2 | 11 |
| 12 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई- एल टी यु-03 | 29 | 23 | 4-544 | 0 | 13992085.47 | 2 | 3 | 18 |
| 13 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई - एल टी यु-04 | 34 | 25 | 22-608 | 0 | 3710681.26 | 2 | 3 | 20 |
| 14 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नागपूर | 86 | 48 | 18-700 | 0 | 2076757.3 | 8 | 4 | 36 |
| 15 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल-5 (बांद्रा) | 52 | 35 | 86-618 | 0 | 2977921.29 | 1 | 0 | 34 |
| 16 | सह आयुक्त, विक्रीकर, ठाणे (शहर) विभाग | 134 | 56 | 1-807 | 0 | 5832366 | 17 | 11 | 28 |
| | एकूण | 886 | 564 | | | 72113095.01 | 97 | 121 | 346 |

परिशिष्ट 2.6.8

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.3; पृष्ठ: 82)

कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (अंतिम परतावा आदेश वेळेत निर्गमित केलेला नाही (देय व्याज-प्रदान केलेले/न केलेले) स्वयंचलित प्रणाली पश्चात

| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | लेखापरीक्षेने नमुन्यातून तपासलेल्या परतावा अर्जांची संख्या | परतावा प्रकरणांची संख्या ज्यात लेखापरीक्षा आक्षेप आढळले | दिवसां मध्ये विलंबाचा कालावधी | प्रदान केलेले देय व्याज (₹ मध्ये) | प्रदान न केलेले देय व्याज (₹ मध्ये) | 3 महिन्यांपर्यंत विलंब | 3 ते 6 महिन्यांपर्यंत विलंब | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक विलंब |
|-----------|--|--|---|-------------------------------|-----------------------------------|-------------------------------------|------------------------|-----------------------------|-----------------------------|
| 1 | सह आयुक्त, विक्रीकर, एल टी यु-01, पुणे | 32 | 23 | 7 ते 154 | 0 | 5584266.00 | 15 | 8 | 0 |
| 2 | सह आयुक्त, विक्रीकर, माझगांव | 16 | 6 | 32 ते 140 | 0 | 42788.37 | 4 | 2 | 0 |
| 3 | सह आयुक्त, विक्रीकर, अंधेरी | 26 | 13 | 9 ते 139 | 0 | 149594.85 | 10 | 3 | 0 |
| 4 | सह आयुक्त, विक्रीकर, औरंगाबाद | 23 | 14 | 2 ते 105 | 0 | 184188.55 | 13 | 1 | 0 |
| 5 | सह आयुक्त, विक्रीकर, बोरीवली | 24 | 3 | 31 ते 69 | 0 | 32087.00 | 3 | 0 | 0 |
| 6 | सह आयुक्त, विक्रीकर, फोर्ट | 62 | 31 | 3 ते 170 | 0 | 242436.00 | 17 | 14 | 0 |
| 7 | सह आयुक्त, विक्रीकर, घाटकोपर | 5 | 2 | 44 ते 120 | 0 | 33943.00 | 1 | 1 | 0 |
| 8 | सह आयुक्त, विक्रीकर, गोरेगांव | 32 | 16 | 34 ते 198 | 0 | 77789.45 | 11 | 3 | 2 |
| 9 | सह आयुक्त, विक्रीकर, कांदीवली | 9 | 4 | 24 ते 80 | 0 | 18255.69 | 4 | 0 | 0 |
| 10 | सह आयुक्त, विक्रीकर, कोल्हापूर | 42 | 29 | 14 ते 187 | 0 | 935019.54 | 19 | 9 | 1 |
| 11 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मांडवी | 10 | 6 | 4 ते 61 | 0 | 10048.40 | 6 | 0 | 0 |
| 12 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुलुंड | 8 | 1 | 77 | 0 | 26530.00 | 1 | 0 | 0 |
| 13 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई-एल टी यु-01 | 61 | 27 | 12 ते 151 | 0 | 849418.69 | 19 | 8 | 0 |
| 14 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई-एल टी यु-03 | 26 | 14 | 11 ते 94 | 0 | 115385.57 | 13 | 1 | 0 |
| 15 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई-एल टी यु-04 | 10 | 7 | 28 ते 118 | 0 | 258978.41 | 6 | 1 | 0 |
| 16 | सह आयुक्त, विक्रीकर, मुंबई-एल टी यु-02 | 13 | 5 | 33 ते 173 | 0 | 96190.92 | 4 | 1 | 0 |
| 17 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नागपूर | 33 | 12 | 3 ते 184 | 0 | 334566.73 | 7 | 4 | 1 |

| परिशिष्ट 2.6.8 (पुढे..) | | | | | | | | | |
|-------------------------|--|--|---|-------------------------------|-----------------------------------|-------------------------------------|------------------------|------------------------------|-----------------------------|
| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | लेखापरीक्षेने नमुन्यातून तपासलेल्या परतावा अर्जांची संख्या | परतावा प्रकरणांची संख्या ज्यात लेखापरीक्षा आक्षेप आढळले | दिवसां मध्ये विलंबाचा कालावधी | प्रदान केलेले देय व्याज (₹ मध्ये) | प्रदान न केलेले देय व्याज (₹ मध्ये) | 3 महिन्यांपर्यंत विलंब | 3 ते 6 महिन्यांपर्यन्त विलंब | 6 महिन्यांपेक्षा अधिक विलंब |
| 18 | सह आयुक्त विक्रीकर, नांदेड | 2 | 1 | 19 | 0 | 1722.40 | 1 | 0 | 0 |
| 19 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नरीमन पॉइंट | 21 | 13 | 5 ते 220 | 0 | 98845.84 | 11 | 1 | 1 |
| 20 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नाशिक | 73 | 48 | 2 ते 138 | 0 | 299770.00 | 42 | 6 | 0 |
| 21 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल-2, पुणे (पश्चिम) | 23 | 16 | 5 ते 162 | 0 | 416367.00 | 12 | 4 | 0 |
| 22 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल-3, पुणे | 12 | 4 | 6 ते 134 | 0 | 46212.00 | 3 | 1 | 0 |
| 23 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल-5, (बांद्रा) | 7 | 1 | 126 | 0 | 16623.00 | 0 | 1 | 0 |
| 24 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल-4, पुणे (दक्षिण) | 37 | 20 | 9 ते 71 | 0 | 1543265.00 | 20 | 0 | 0 |
| 25 | सह आयुक्त, विक्रीकर नोडल-1, पुणे | 32 | 22 | 3 ते 168 | 0 | 124508.00 | 18 | 4 | 0 |
| 26 | सह आयुक्त, विक्रीकर, पुणे-एल टी यु-002 | 16 | 10 | 7 ते 167 | 0 | 961560.00 | 6 | 4 | 0 |
| 27 | सह आयुक्त, विक्रीकर, रायगड | 63 | 35 | 3 ते 165 | 0 | 1012981.00 | 21 | 14 | 0 |
| 28 | सह आयुक्त, विक्रीकर, साकीनाका | 20 | 11 | 10 ते 209 | 0 | 121775.00 | 7 | 3 | 1 |
| 29 | सह आयुक्त, विक्रीकर, सांताक्रुझ | 25 | 16 | 07 ते 197 | 0 | 284585.00 | 12 | 3 | 1 |
| 30 | सह आयुक्त, विक्रीकर, सोलापूर | 19 | 13 | 1 ते 111 | 0 | 137835.28 | 12 | 1 | 0 |
| 31 | सह आयुक्त, विक्रीकर, ठाणे शहर | 211 | 75 | 1 ते 205 | 0 | 1099300.00 | 68 | 6 | 1 |
| 32 | सह आयुक्त, विक्रीकर, ठाणे ग्रामिण | 75 | 29 | 1 ते 123 | 0 | 343952.37 | 26 | 3 | 0 |
| | एकूण | 1068 | 527 | | | 15500789.06 | 412 | 107 | 8 |

परिशिष्ट 2.6.9

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.4(1); पृष्ठ: 84)

कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (शून्य रेटेड समायोजित उलाढाल न जुळल्यामुळे परताव्याचे अतिरिक्त प्रदान)

(₹ मध्ये)

| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तू व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व दिनांक | RFD-01A मध्ये दावा केलेल्या परताव्याची रक्कम | विभागाद्वारे परतावा मंजूर | | | लेखापरीक्षणानुसार परतावा देय | | अतिरिक्त परतावा (8-11) | पूर्व/पश्चात |
|-----------|--|---|-------------------------------------|------------------------------------|--|---------------------------|--------------------|---------------------------------------|-------------------------------|------------|------------------------|--------------|
| | | | | | | समायोजित एकूण उलाढाल | मंजूर परतावा रक्कम | फॉर्म GST RFD-06 नुसार आदेशाचा दिनांक | समायोजित एकूण उलाढालीची रक्कम | परतावा देय | | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) |
| 1 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल 04 (माझगांव) मुंबई | मे. पेस वॅचर्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAFPC2418K1ZB | AA270318013449 4/02.01.2019 | 4789257 | 116808854 | 4779574 | 17.12.2019 | 205154452 | 2726860 | 2052713 | पूर्व |
| 2 | सह आयुक्त, विक्रीकर, सांताक्रुझ, मुंबई | मे. क्रॉगनर इम्पेक्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AADCK0373Q2Z3 | AA270120088986W/ 21.10.2020 | 7920360 | 5303588 | 7920360 | 18.06.2020 | 8738499 | 4807041 | 3113319 | पश्चात |
| 3 | सह आयुक्त, विक्रीकर, गोरेगांव, मुंबई | मे. जुसल इंडस्ट्रीज | 27AAFFJ9953Q1ZD | AA271119142700 F/25.11.2019 | 3209014 | 94346459 | 3209014 | 13.03.2020 | 94632023 | 2716807 | 492206 | पश्चात |
| 4 | सह आयुक्त, विक्रीकर, एल टी यु-2, पुणे | सुदर्शन केमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड | 27AABCS4223P1Z3 | AC270318243101 1/24.09.2018 | 103419636 | 3890725711 | 101352992 | 26.11.2019 | 3904552205 | 100986771 | 366221 | पूर्व |
| | | | | एकूण | | | | | | | 6024459 | |

परिशिष्ट 2.6.10

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.4(III); पृष्ठ: 85)

कमतरता लक्षात आलेल्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण (शून्य रेटेड वस्तु/सेवांच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे अतिरिक्त परतावा-चुकीचे इनपुट टॅक्स क्रेडिट)

(₹ मध्ये)

| अनु. क्र. | करदात्याचे नाव | वस्तु व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व दिनांक | RFD-01A मध्ये दावा केलेल्या परताव्याची रक्कम | विभागाद्वारे परतावा मंजूर | | | लेखापरीक्षणानुसार देय परतावा | | अतिरिक्त परतावा (7-10) | पूर्व/ पश्चात |
|---|---------------------------------------|-------------------------------------|------------------------------------|--|--|--------------------|---------------------------------|-----------------------------------|-------------------|------------------------|---------------|
| | | | | | निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट म्हणून मानले जाते | मंजूर परतावा रक्कम | फॉर्म GST RFD-06 चा आदेश दिनांक | निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट म्हणून | म्हणून परतावा देय | | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, घाटकोपर, मुंबई | | | | | | | | | | | |
| 1 | मे. क्लिनोरा कॉर्पोरेशन इंडिया | 27AAJFK5087G1 Z0 | AA271219013516 A/04.12.2019 | 39601502 | 39621327 | 36623550 | 17.03.2020 | 32320200 | 32304028 | 4319522 | पश्चात |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, नोडल-4 (माझगांव), मुंबई | | | | | | | | | | | |
| 2 | मे. युरोएशिया ट्रान्स कॉन्टिनेन्टल | 27AABFE0631L1 ZN | AC271217136042 H/26.08.2018 | 3659837 | 3659837 | 3293852 | 24.09.2020 | 3019285 | 3019285 | 274567 | पूर्व |
| 3 | मे. झार ज्वेल्स | 27AADCR7143K 1Z3 | AA271018099896 G/12.01.2019 | 3096211 | 17087096 | 3096211 | 23.09.2020 | 16453982 | 2967083 | 129127 | पूर्व |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, नोडल-5 (बांद्रा), मुंबई | | | | | | | | | | | |
| 4 | मे. फोटोक्विप इंडिया लिमिटेड | 27AAECP0468Q 1ZU | AA270219142252 F/06.03.2019 | 3561818 | 5298899 | 3560944 | 28.09.2020 | 5175627 | 3478958 | 81986 | पूर्व |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, एल टी यु-01, पुणे | | | | | | | | | | | |
| 5 | टेक महिंद्रा लिमिटेड | 27AAAACM3484F 1ZI | AA270719022348 X/12.07.2019 | 97032622 | 301384598 | 97032622 | 06.09.2019 | 157696466 | 50771345 | 46261277 | पूर्व |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, एल टी यु-02, पुणे | | | | | | | | | | | |
| 6 | जनरल मोटर्स इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAACG8371P 1ZZ | AA271019065317 4/18.10.2019 | 729986153 | 744700199 | 729986153 | 08.01.2020 | 608549073 | 601253686 | 128732466 | पश्चात |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, एल टी यु-01, (मुंबई उपनगरी जिल्हा) मुंबई | | | | | | | | | | | |
| 7 | सीमेन्स हेल्थकेअर प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAVCS8021PIZ | AC270618320576T /23.01.2019 | 81745276 | 392503214 | 80272710 | 30.09.2020 | 399488198 | 65725274 | 14547436 | पूर्व |
| | | | | एकूण | | | | | | 194346381 | |

परिशिष्ट 2.6.11

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.4(IV); पृष्ठ: 87)

शून्य रेटेड वस्तु/सेवांच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे अतिरिक्त परतावा मंजूर केलेल्या प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण - भांडवली वस्तुंवर परताव्याचे अनियमित प्रदान

(₹ मध्ये)

| अनु. क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तु व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व दिनांक | परताव्याचा कालावधी | अंतिम आदेश निर्गमित केल्याची तारीख (RFD-06) | मंजूर परतावा रक्कम | | | अतिरिक्त परतावा | | | |
|-----------|--|--|-------------------------------------|------------------------------------|--------------------------|---|------------------------|--------------------------|-----------------------|------------------------|--------------------------|-----------------------|---------|
| | | | | | | | एकीकृत वस्तु व सेवा कर | केंद्रीय वस्तु व सेवा कर | राज्य वस्तु व सेवा कर | एकीकृत वस्तु व सेवा कर | केंद्रीय वस्तु व सेवा कर | राज्य वस्तु व सेवा कर | एकूण |
| 1 | सह आयुक्त, विक्रीकर, नरिमन पॉइंट | अडनेट इन्फो सिस्टम्स (इंडिया) प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAACA5326Q2ZD | AA2703200738390/24.03.2020 | ऑगस्ट-19 | 03.07.2020 | 0 | 1029177 | 1029177 | 0 | 902422 | 902422 | 1804844 |
| 2 | सह आयुक्त, विक्रीकर, पुणे नोडल-04, पुणे | फ्लोरेसेन्स परफ्यूम्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAACF9151G1ZN | AA271119038151H/09.11.2019 | एप्रिल 2019 ते जुलै 2019 | 09.12.2019 | 0 | 14312264 | 14312264 | 0 | 269572.5 | 269572.5 | 539145 |
| 3 | सह आयुक्त, विक्रीकर, पुणे एल टी यु-001, पुणे | फोनिकस मेकेनो इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAACP2452L1ZC | AA270220013607P/05.02.2020 | डिसेंबर-19 | 08.05.2020 | 0 | 7151584 | 7159109 | 0 | 6178 | 6177 | 12355 |
| एकूण | | | | | | | | | | 0 | 1178172.5 | 1178171.5 | 2356344 |

परिशिष्ट 2.6.12

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.5(I); पृष्ठ: 89)

इन्व्हर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चरच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे अतिरिक्त परतावा दर्शविणारे विवरण पत्र
(विवरण 1-A/संलग्नक-B/GSRT 3B सोबत इन्व्हर्टेड उलाढाल न जुळणे)

(₹ लाखात)

| अनु. क्र. | करदात्याचे नाव आणि वस्तू व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | RFD-01A नुसार परतावा व्याची रक्कम | विभागाने मंजूर केलेला परतावा | | | | | | लेखापरीक्षणाने गृहीत धरल्यानुसार परतावा | | | | | अतिरिक्त परतावा |
|--|---|------------------------------------|-----------------------------------|--|----------------------|--|--|---------------------------|---------------------------------------|---|-----------------|--|--|----------------------|-----------------|
| | | | | निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट मध्ये विभागाने गृहीत धरलेल्या सेवांचे ITC | समायोजित एकूण उलाढाल | वस्तू आणि सेवांचे इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्या ची उलाढाल | वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्या वर देय कर | मंजूर केलेली परतावा रक्कम | GST RFD-06 नुसार अंतिम परतावाची तारीख | निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट | समायोजित उलाढाल | वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्या ची उलाढाल | वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्या वर देय कर | मंजूर परतावाची रक्कम | |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, विक्रीकर, नागपूर | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 | बॉम्बे वेल प्रिंट इन्क्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAACB6602J1ZU | AA2712191 333169/ 31.12.2019 | 23.31 | 119.75 | 800.30 | 786.60 | 94.39 | 22.50 | 22.06.2020 | 119.75 | 800.30 | 713.75 | 86.44 | 19.56 | 2.95 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, विक्रीकर, औरंगाबाद | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2 | गंगामाई इंडस्ट्रीज अँड कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड 27AABCG2199Q1ZY | AA27042002 4916D/ 30.04.2020 | 97.30 | 281.21 | 1340.46 | 560.87 | 20.37 | 91.25 | 07.07.2020 | 281.21 | 1340.46 | 376.51 | 15.49 | 57.46 | 33.80 |
| 3 | गंगामाई इंडस्ट्रीज अँड कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड 27AABCG2199Q1ZY | AA27032000 3084Z/ 02.03.2020 | 32.35 | 366.49 | 5455.21 | 1882.92 | 94.15 | 30.60 | 09.05.2020 | 366.49 | 5455.21 | 1687.21 | 84.36 | 27.23 | 3.36 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, विक्रीकर, कोल्हापूर | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4 | महावीर फॅब्रिक्स 27AAJPL6209R1Z1 | AA27052002 2900Q/ 20.05.2020 | 30.53 | 68.69 | 753.08 | 741.04 | 37.06 | 30.53 | 26.05.2020 | 68.69 | 753.08 | 699.28 | 35.10 | 28.68 | 1.85 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, विक्रीकर, फोर्ट, मुंबई | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5 | शंकरेश्वर टेक्सटाइल्स 27AAIPJ1574E1ZT | AA27012005 8991B/ 14.01.2020 | 29.04 | 79.67 | 1012.13 | 1011.17 | 50.56 | 28.83 | 04.05.2020 | 77.40 | 1012.13 | 1011.17 | 50.56 | 26.77 | 2.06 |
| | | एकूण | | | | | | | | | | | | | 44.02 |

परिशिष्ट 2.6.13

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.5(III); पृष्ठ: 90)

इन्व्हर्टेड इयूटी स्ट्रक्चरच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे अतिरिक्त परतावा दर्शविणारे विवरण (समायोजित एकूण उलाढालीचे चुकीचे निर्धारण)

(₹ लाखात)

| अनु क्र. | करदात्याचे नाव व वस्तू व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | RFD-01A मध्ये दावा केलेली परतावा रक्कम | विभागाने मंजूर केलेला परतावा | | | | | | लेखापरीक्षणाने गृहीत धरलेले देय परतावा | | | | | अतिरिक्त परतावा |
|--|--|-----------------------------------|--|--|----------------------|---|--|---------------------------|---------------------------------------|--|----------------------|---|--|---------------------------|-----------------|
| | | | | निव्वळ इनपुट टॅक्स (क्रेडिट) मध्ये विभागाने गृहीत धरलेल्या सेवांचे ITC | समायोजित एकूण उलाढाल | वस्तू आणि सेवांचे इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्याची उलाढाल | वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्या वर देय कर | मंजूर केलेली परतावा रक्कम | GST RFD-06 मध्ये अंतिम परतावाची तारीख | निव्वळ इनपुट टॅक्स (क्रेडिट) | समायोजित एकूण उलाढाल | वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्याची उलाढाल | वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हर्टेड रेटेड पुरवठ्या वर देय कर | मंजूर परतावा व्याची रक्कम | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) | (15) | (16) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, विक्रीकर, सोलापूर | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 | श्रीराम फिलामेंट्स अँड रोप्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECS0051J1ZI | AA2703200449156B /14.03.2020 | 22.29 | 85.54 | 553.94 | 553.94 | 63.25 | 22.29 | 29.04.2020 | 85.54 | 587.52 | 553.94 | 63.25 | 17.41 | 4.89 |
| 2 | श्रीराम फिलामेंट्स अँड रोप्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECS0051J1ZI | AA270520027109J/2 3.05.2020 | 14.19 | 33.99 | 188.26 | 188.26 | 19.80 | 14.19 | 05.06.2020 | 33.99 | 199.33 | 188.26 | 19.80 | 12.31 | 1.89 |
| 3 | श्रीराम फिलामेंट्स अँड रोप्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECS0051J1ZI | AA2710190816061/ 22.10.2019 | 15.12 | 50.20 | 319.21 | 319.21 | 35.09 | 15.12 | 24.12.2019 | 50.20 | 341.20 | 319.21 | 35.09 | 11.88 | 3.24 |
| 4 | श्रीराम फिलामेंट्स अँड रोप्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECS0051J1ZI | AA2712191293090/ 30.12.2019 | 21.05 | 47.37 | 218.55 | 218.55 | 26.32 | 21.05 | 28.02.2020 | 47.37 | 219.16 | 218.55 | 26.32 | 20.92 | 0.13 |
| 5 | श्री वेंकटेश फिलामेंट्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECS0052M1ZB | AA2712191185239/ 27.12.2019 | 14.71 | 53.30 | 322.59 | 322.59 | 38.59 | 14.71 | 28.02.2020 | 53.30 | 381.09 | 322.59 | 38.59 | 6.52 | 8.18 |
| 6 | श्री वेंकटेश फिलामेंट्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECS0052M1ZB | AA270420014856D/ 23.04.2020 | 15.01 | 59.01 | 367.09 | 367.09 | 44.00 | 15.01 | 30.04.2020 | 59.01 | 417.19 | 367.089 | 44.00 | 7.92 | 7.09 |
| 7 | श्री वेंकटेश फिलामेंट्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECS0052M1ZB | AA270520025225P/ 22.05.2020 | 17.63 | 72.87 | 377.65 | 377.65 | 45.24 | 17.63 | 11.06.2020 | 72.87 | 454.22 | 377.65 | 45.24 | 15.34 | 2.29 |

परिशिष्ट 2.6.13 (पुढे..)

| अनु क्रं. | करदात्याचे नाव व वस्तू व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | RFD-01A मध्ये दावा केलेली परतावा रक्कम | विभागाने मंजूर केलेला परतावा | | | | | | लेखापरीक्षणाने गृहीत धरलेले देय परतावा | | | | | अति रिक्त परतावा |
|--|---|-----------------------------------|--|---|----------------------|---|--|---------------------------|--|--|----------------------|---|--|---------------------------|------------------|
| | | | | निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट) मध्ये विभागाने गृहीत धरलेल्या सेवांचे ITC | समायोजित एकूण उलाढाल | वस्तू आणि सेवांचे इन्व्हेंट ड रेटेड पुरवठ्याची उलाढाल | वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हेंट ड रेटेड पुरवठ्या वर देय कर | मंजूर केलेली परतावा रक्कम | FORM GST RFD-06 मध्ये अंतिम परताव्याची तारीख | निव्वळ इनपुट टॅक्स क्रेडिट | समायोजित एकूण उलाढाल | वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हेंट ड रेटेड पुरवठ्याची उलाढाल | वस्तू आणि सेवांच्या इन्व्हेंट ड रेटेड पुरवठ्या वर देय कर | मंजूर परतावा व्याची रक्कम | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) | (15) | (16) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, विक्रीकर, नोडल-1, पुणे | | | | | | | | | | | | | | | |
| 8 | सिक्सन इंडस्ट्रीज 27ABLFS1494A1Z1 | AA27022008818OM/ 22.02.2020 | 29.13 | 29.17 | 0.30 | 0.30 | 0.036 | 29.13 | 04.05.2020 | 29.17 | 0.30 | 0.30 | 0.036 | 1.15 | 27.99 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, विक्रीकर, फोर्ट, मुंबई | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9 | आहान सिल्क मिल्स 27AHGPJ7715G1ZA | AA27022008112OZ/ 20.02.2020 | 17.83 | 35.26 | 348.71 | 348.71 | 17.44 | 17.83 | 03.03.2020 | 35.26 | 546.92 | 348.71 | 17.44 | 5.05 | 12.78 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त, विक्रीकर, एल टी यु-3, मुंबई | | | | | | | | | | | | | | | |
| 10 | मे. बेवकफ ब्रण्ड्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECB6555G1ZL | AA27031834722SIW /24.11.2018 | 115.08 | 389.85 | 5725.67 | 5002.49 | 249.72 | 90.89 | 08.03.2019 | 389.85 | 5849.13 | 5002.49 | 249.72 | 83.70 | 7.19 |
| विभागाचे नाव : सह आयुक्त, विक्रीकर, नाशिक | | | | | | | | | | | | | | | |
| 11 | लकी टेक्सटाइल्स 27AAGFL1152L1Z9 | AA270220059689Z /15.02.2020 | 21.28 | 44.94 | 296.38 | 296.38 | 23.49 | 21.28 | 21.05.2020 | 44.94 | 296.38 | 172.50 | 8.62 | 17.53 | 3.75 |
| | | एकूण | | | | | | 279.14 | | | | | | | 79.41 |

परिशिष्ट 2.6.14

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.5 (III); पृष्ठ: 90)

इन्व्हर्टेड इयूटी स्ट्रक्चरच्या बाबतीत चुकीचे घटक विचारात घेतल्यामुळे जास्तीचा परतावा दर्शविणारे विवरण (निव्वळ ITC न जुळणे)

(₹ मध्ये)

| अनु. क्र. | करदात्याचे नाव व वस्तू व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | RFD-01A मध्ये दावा केलेली रक्कम | विभागाद्वारे परताव्याची मंजूरी | | | लेखापरीक्षणाने गृहीत धरलेला देय परतावा | | अतिरिक्त परतावा |
|---|--|-----------------------------------|---------------------------------|--|---------------------------|---------------------------------|--|-------------------|-----------------|
| | | | | निव्वळ ITC मध्ये विभागाने गृहीत धरलेल्या सेवांचे ITC | मंजूर केलेली परतावा रक्कम | फॉर्म GST RFD-06 चे आदेश दिनांक | निव्वळ ITC म्हणून | परतावा देय म्हणून | |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, फोर्ट, मुंबई | | | | | | | | | |
| 1 | बिशन डाइंग, प्रिंटिंग अँड विव्हींग मिल्स 27AAAFB3418R1Z8 | AA270819038394Q /22.08.2019 | 8357124 | 32270817 | 8106664 | 21.09.2019 | 24490147 | 4795980 | 3310684 |
| 2 | मे. पीयूष फॅब्रिक्स 27AABCP4935H1ZC | AA2709182480413 /08.04.2019 | 4089222 | 11357805 | 4036022 | 13.05.2019 | 11223837 | 3955254 | 80768 |
| 3 | मे. श्री स्वस्तिक टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज 27AALFS3057N1ZL | AC2706183573201 /26.02.2019 | 1718095 | 3310959 | 1718095 | 20.03.2019 | 3287276 | 1694412 | 23683 |
| 4 | जय इंडस्ट्रियल केम प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAACJ0894N1Z4 | AA271219115502G /26.12.2019 | 10819374 | 36547308 | 10414601 | 28.01.2020 | 26070090 | 9089720 | 1324881 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, अंधेरी, मुंबई | | | | | | | | | |
| 5 | मे. हेलवूड लेबोरटरीज प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAACH8645M1Z3 | AA2708190333424 /13.08.2019 | 4427100 | 7565208 | 4351792 | 11.03.2020 | 6408423 | 3417393 | 934399 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, एल टी यु-1, (एमएसडी) मुंबई | | | | | | | | | |
| 6 | मे. बेस्ट निटिंग मिल्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECB6073B1ZY | AA2703200260420 /07.03.2020 | 4427214 | 8404284 | 4427214 | 24.04.2020 | 7246885 | 3275333 | 1151881 |
| 7 | मे. बेस्ट निटिंग मिल्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECB6073B1ZY | AA270320004571V /02.03.2020 | 4541930 | 9071087 | 4541930 | 24.04.2020 | 8619592 | 4092669 | 449261 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, ठाणे शहर | | | | | | | | | |
| 8 | कॅपिटल नॉनवूवॅन्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAECC4174G1ZP | AA270120043166R /10.01.2020 | 2540213 | 5257808 | 2540213 | 06.03.2020 | 4195177 | 1477582 | 1062631 |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, एल टी यु-1, पुणे | | | | | | | | | |
| 9 | गारटेक ईक्विपमेंट्स प्रायव्हेट लिमिटेड 27AABCG4360K1ZJ | AA270318018105H /05.01.2019 | 20613984 | 58391757 | 20613984 | 23.01.2019 | 52252425 | 15295513 | 5318471 |
| | | एकूण | | | | | | | 13656659 |

परिशिष्ट 2.6.15

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.7.6; पृष्ठ: 92)

पुनःक्रेडिटच्या सूचनांचे अनुपालन न करण्यासंबंधी आणि चुकीच्या/अयोग्य ITC च्या वसुलीच्या परतावा प्रकरणांची यादी दर्शविणारे विवरण

(₹ लाखात)

| अनु. क्र. | करदात्याचे नाव आणि वस्तू व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) आणि दिनांक | अंतिम आदेश जारी करण्याची तिथी (RFD-06) | मंजूर परतावा रक्कम | | | | जास्त परताव्याची मंजूरी | | | | | पूर्व/ पश्चात |
|--|---|--------------------------------------|--|----------------------------|----------------------------|-------------------------|-------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|------|-------|---------------|
| | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | उप कर | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | उपकर | एकूण | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, एल टी यु-1, पुणे | | | | | | | | | | | | | |
| 1 | मे. बजाज ऑटो लिमिटेड 27AADCB2923M1ZL | AC2706181721331/ 05.11.2018 | 06.01.2020 | 0 | 0 | 5380.05 | 0 | 0 | 0 | 33.19 | 0 | 33.19 | पूर्व |
| 2 | सेलपॉइंट टेक्नॉलॉजीज इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAOCS8987P1ZV | AC2703183081185/ 30.10.2018 | 20.08.2019 | 0.04 | 23.13 | 23.13 | 0 | 0.003 | 1.65 | 1.65 | 0 | 3.29 | पूर्व |
| 3 | सेलपॉइंट टेक्नॉलॉजीज इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAOCS8987P1ZV | AA270919036436Q /16.09.2019 | 28.02.2020 | 92.43 | 0 | 0 | 0 | 2.75 | 0 | 0 | 0 | 2.75 | पूर्व |
| 4 | सेलपॉइंट टेक्नॉलॉजीज इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAOCS8987P1ZV | AC271218318528V/ 26.02.2019 | 20.08.2019 | 0.68 | 22.96 | 22.96 | 0 | 0.20 | 6.71 | 6.71 | 0 | 13.61 | पूर्व |
| 5 | इंटीग्रेटेड डीसीझन्स अँड सिस्टीम्स इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAACI7132C1ZZ | AC2706183391140/ 01.02.2019 | 23.10.2019 | 7.87 | 19.67 | 19.67 | 0 | 0.60 | 1.50 | 1.50 | 0 | 3.60 | पूर्व |
| 6 | विस्टेऑन टेक्निकल अँड सर्विसेस सेंटर प्रायव्हेट लिमिटेड 27AACCV3261H1ZC | AA270719001919R/ 01.07.2019 | 30.11.2019 | 0 | 17.30 | 17.69 | 0 | 0 | 0.61 | 0.62 | 0 | 1.23 | पूर्व |

परिशिष्ट 2.6.15 (पुढे..)

| अनु. क्र. | करदात्याचे नाव आणि वस्तू व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) आणि दिनांक | अंतिम आदेश जारी करण्याची तिथी (RFD-06) | मंजूर परतावा रक्कम | | | | जास्त परताव्याची मंजूरी | | | | | पूर्व/ पश्चात |
|--|---|--------------------------------------|--|----------------------------|----------------------------|-------------------------|-------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|-------|-------|---------------|
| | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | उप कर | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | उप कर | एकूण | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, औरंगाबाद | | | | | | | | | | | | | |
| 7 | निलेप अप्लायंसेस प्रायव्हेट लिमिटेड 27AABCD3162G1ZX | AA2712191084647/ 24.12.2019 | 13.05.2020 | 0 | 4.19 | 4.19 | 0 | 0 | 2.35 | 2.35 | 0 | 4.70 | पश्चात |
| 8 | गंगामाई इंडस्ट्रीज अँड कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड 27AABCG2199Q1ZY | AA2701200572191/ 14.01.2020 | 11.03.2020 | 0 | 97.74 | 97.74 | 0 | 0 | 0.69 | 0.69 | 0 | 1.38 | पश्चात |
| 9 | गंगामाई इंडस्ट्रीज अँड कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड 27AABCG2199Q1ZY | AA270420024916D /30.04.2020 | 07.07.2020 | 0 | 45.63 | 45.63 | 0 | 0 | 3.02 | 3.02 | 0 | 6.04 | पश्चात |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, नाशिक | | | | | | | | | | | | | |
| 10 | सुप्रीम ईक्विपमेंट प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAOCS5679N1Z8 | AA270220055093Q /14.02.2020 | 13.05.2020 | 0 | 23.50 | 48.08 | 0 | 0 | 2.02 | 2.02 | 0 | 4.04 | पश्चात |
| 11 | सुप्रीम ईक्विपमेंट प्रायव्हेट लिमिटेड 27AAOCS5679N1Z8 | AA2702200490201/ 13.02.2020 | 13.05.2020 | 0 | 27.49 | 65.54 | 0 | 0 | 23.13 | 23.13 | 0 | 46.25 | पश्चात |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, कोल्हापूर | | | | | | | | | | | | | |
| 12 | इंडो काउंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड 27AAACI0866P1Z5 | AA2711190570459/ 13.11.2019 | 19.03.2020 | 487.13 | 178.30 | 178.30 | 13.23 | 2.45 | 0.90 | 0.90 | 0.07 | 4.31 | पश्चात |
| 13 | इंडो काउंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड 27AAACI0866P1Z5 | AA2712190057273/ 03.12.2019 | 26.05.2020 | 440.26 | 113.97 | 113.97 | 0 | 1.89 | 0.49 | 0.49 | 0 | 2.87 | पश्चात |
| 14 | इंडो काउंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड 27AAACI0866P1Z5 | AA271219103966Y/ 24.12.2019 | 26.05.2020 | 506.61 | 176.38 | 176.38 | 0 | 1.30 | 0.45 | 0.45 | 0 | 2.21 | पश्चात |

| परिशिष्ट 2.6.15 (पुढे..) | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--------------------------------------|--|----------------------------|----------------------------|-------------------------|-------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|-------|--------|---------------|
| अनु. क्र. | करदात्याचे नाव आणि वस्तू व सेवा कर ओळख क्रमांक (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) आणि दिनांक | अंतिम आदेश जारी करण्याची तिथी (RFD-06) | मंजूर परतावा रक्कम | | | | जास्त परताव्याची मंजूरी | | | | | पूर्व/ पश्चात |
| | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | उप कर | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | उप कर | एकूण | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| विभागाचे नाव: सह आयुक्त विक्रीकर, ठाणे (ग्रामीण) | | | | | | | | | | | | | |
| 15 | अंगदपाल इंडस्ट्रीज प्रायव्हेट लिमिटेड 27AACCA5854D1ZU | AA270220020744Q/ 06.02.2020 | 28.02.2020 | 0 | 6.16 | 6.16 | 0 | 0 | 2.08 | 2.08 | 0 | 4.17 | पश्चात |
| | | | एकूण | 1535.03 | 756.41 | 6199.48 | 13.23 | 9.20 | 45.60 | 78.80 | 0.07 | 133.67 | |

परिशिष्ट 2.6.16

(संदर्भ: परिच्छेद 2.6.8.2; पृष्ठ: 95)

इन्व्हेंटर्ड इयुटी स्ट्रक्चर अंतर्गत परताव्यासाठी करदात्याने बीजक तपशील सादर न करता परतावा मंजूर केलेल्या परतावा प्रकरणांची सूची दर्शविणारे विवरण
(परिशिष्ट ब)

(₹ मध्ये)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तू आणि सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | परतावा आदेशाची तारीख (RED-06) | परतावा रक्कम मंजूर | | | |
|----------|---------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|-------------------------------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|----------|
| | | | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | एकूण |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 1 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | एफ टी टेक्सटाईल्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AABCF4516C1Z3 | AA271019076666S दिनांक 21.10.2019 | 20.12.2019 | 4824118 | 0 | 0 | 4824118 |
| 2 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | एन झेड सीझनल वियर प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AADCN0287C1ZP | AA2703200748282 दिनांक 25.03.2020 | 05.06.2020 | 7909570 | 7511447 | 0 | 15421017 |
| 3 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | मे. कपलेश्वर फूड प्रॉडक्ट्स | 27AAQFK7195L1ZD | AA270520027705F दिनांक 23.05.2020 | 10.06.2020 | 0 | 0 | 7047998 | 7047998 |
| 4 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | प्रेमे न्यूट्रीशियन | 27AAMFP6459J1ZJ | AA270120106995E दिनांक 24.01.2020 | 06.03.2020 | 0 | 2371720 | 2371719 | 4743439 |
| 5 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | प्रेमे न्यूट्रीशियन | 27AAMFP6459J1ZJ | AA270520031236O दिनांक 26.05.2020 | 03.07.2020 | 0 | 639361 | 3468264 | 4107625 |
| 6 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | मे. कपलेश्वर फूड प्रॉडक्ट्स | 27AAQFK7195L1ZD | AA271019010243Q दिनांक 03.10.2019 | 04.01.2020 | 0 | 0 | 1775717 | 1775717 |
| 7 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | पार्वती फूड प्रॉडक्ट्स | 27AEHPG2748G1ZJ | AA2711191646142 दिनांक 28.11.2019 | 12.03.2020 | 386255 | 386254 | 0 | 772509 |
| 8 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | मारू एंटरप्रायझेस प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AADCM7713L1Z6 | AA271219001013U दिनांक 02.12.2019 | 30.01.2020 | 471585 | 2782562 | 2782833 | 6036980 |
| 9 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | वॅनीला फूड प्रॉडक्ट्स | 27AEBPR7620A1ZT | AA2702200935659 दिनांक 24.02.2020 | 11.05.2020 | 0 | 0 | 5590726 | 5590726 |
| 10 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | वॅनीला फूड प्रॉडक्ट्स | 27AEBPR7620A1ZT | AA271219132264B दिनांक 31.12.2020 | 18.03.2020 | 0 | 0 | 5542920 | 5542920 |
| 11 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | एस आर सिन्थेटिक्स | 27AAAPV5123B1Z2 | AA270220069704D दिनांक 18.02.2020 | 11.05.2020 | 0 | 52633 | 5413005 | 5465638 |

परिशिष्ट 2.6.16 (पुढे..)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तू आणि सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | परतावा आदेशाची तारीख (RED-06) | परतावा रक्कम मंजूर | | | |
|----------|---------------------|---------------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|-------------------------------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|---------|
| | | | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | एकूण |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 12 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | अग्रवाल एजेंसी | 27AAWPA6773C1ZH | AA2702200201434 दिनांक 06.02.2020 | 11.05.2020 | 749538 | 1517940 | 2704551 | 4972029 |
| 13 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | एस आर सिन्थेटिक्स | 27AAAPV5123B1Z2 | AA271119006244I दिनांक 02.11.2019 | 17.01.2020 | 0 | 0 | 3185895 | 3185895 |
| 14 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | अग्रवाल एजेंसी | 27AAWPA6773C1ZH | AA271219029665X दिनांक 07.12.2019 | 30.01.2020 | 70962 | 1240178 | 1492942 | 2804082 |
| 15 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | कोकी टेक्सटाईल्स एल एल पी | 27AAPFK2726G1Z6 | AA270220087965Z दिनांक 22.02.2020 | 14.05.2020 | 0 | 1062252 | 1062252 | 2124504 |
| 16 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | महासागर | 27AFBPA3543A1ZA | AA271219116387I दिनांक 26.12.2019 | 15.02.2020 | 0 | 789054 | 789054 | 1578108 |
| 17 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | रिंकू विव्हीग मिल्स | 27AESPJ5854K1ZR | AA271219013356A दिनांक 04.12.2019 | 15.02.2020 | 0 | 6896 | 1650769 | 1657665 |
| 18 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | रिंकू विव्हीग मिल्स | 27AESPJ5854K1ZR | AA270220119422U दिनांक 29.02.2020 | 13.05.2020 | 0 | 132361 | 1379722 | 1512083 |
| 19 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | कोकी टेक्सटाईल्स एल एल पी | 27AAPFK2726G1Z6 | AA270919085345K दिनांक 28.09.2019 | 17.12.2019 | 1140732 | 0 | 0 | 1140732 |
| 20 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | जनक एंटरप्रायझेस | 27AANFJ3736B1ZF | AA271219050918T दिनांक 12.12.2019 | 15.02.2020 | 1020817 | 0 | 0 | 1020817 |
| 21 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | खाटू श्याम टेक्सटाईल्स | 27AKUPK5434G1ZS | AA271119163332B दिनांक 28.11.2019 | 21.12.2019 | 0 | 1093290 | 535366 | 1628656 |
| 22 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | राजेंद्र टेक्सटाईल्स | 27AEEPJ7643E1ZJ | AA271219131785Y दिनांक 31.12.2019 | 12.06.2020 | 0 | 0 | 2740049 | 2740049 |
| 23 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | रिया टेक्सटाईल्स | 27ADRPS9687B1ZP | AA2712191264562 दिनांक 30.12.2019 | 28.02.2020 | 0 | 842666 | 842666 | 1685332 |
| 24 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | श्री साई कृपा टेक्सटाईल्स | 27AEGPC9348P1ZV | AA271119097814Q दिनांक 18.11.2019 | 16.12.2019 | 0 | 1043832 | 1043833 | 2087665 |

| परिशिष्ट 2.6.16 (पुढे..) | | | | | | | | | |
|--------------------------|---------------------|---|--------------------------------------|--------------------------------------|-------------------------------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|---------|
| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तू आणि सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | परतावा आदेशाची तारीख (RED-06) | परतावा रक्कम मंजूर | | | |
| | | | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | एकूण |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 25 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | व्ही एस टेक्सटाईल्स | 27ETAPSS465L1ZO | AA270520017322T दिनांक 16.05.2020 | 21.05.2020 | 0 | 0 | 1609007 | 1609007 |
| 26 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | एफ डी टेक्सटाईल्स | 27ABHPK3581E1ZO | AA271119052261G दिनांक 12.11.2019 | 30.11.2019 | 1476603 | 0 | 0 | 1476603 |
| 27 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | एफ डी टेक्सटाईल्स | 27ABHPK3581E1ZO | AA270120105882O दिनांक 24.01.2020 | 15.02.2020 | 1126232 | 134892 | 134892 | 1396016 |
| 28 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | श्री कन्हैया टेक्सटाईल्स | 27AKKPB3115D1ZR | AA271119120599Y दिनांक 18.11.2019 | 16.12.2019 | 0 | 602414 | 602415 | 1204829 |
| 29 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | श्री कन्हैया टेक्सटाईल्स | 27AKKPB3115D1ZR | AA270220058254L दिनांक 15.02.2020 | 04.03.2020 | 0 | 538455 | 538455 | 1076910 |
| 30 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | रविराज निट प्रोसेसिंग प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAACR2808J1ZE | AA270120048231X दिनांक 11.01.2020 | 15.07.2020 | 0 | 1316422 | 1316422 | 2632844 |
| 31 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | कृष्णा प्रोसेसर्स अँड इंडस्ट्रीज प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AADCK1539Q1Z2 | AA2710190063878 दिनांक 02.10.2019 | 02.12.2019 | 0 | 871937 | 871937 | 1743874 |
| 32 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | मुस्कान प्रॉडक्ट्स | 27ARNPM6423F1ZM | AA2712191098713 दिनांक 25.12.2019 | 17.02.2020 | 0 | 983451 | 983451 | 1966902 |
| 33 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | दीपक टेक्स्टाइल्स | 27AFEPB7870E1ZK | AA2712190272946 दिनांक 06.12.2019 | 02.01.2020 | 0 | 715887 | 715887 | 1431774 |
| 34 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | लाहोटी असोसिएट्स | 27ABBPL2599R1ZU | AA2702200908474 दिनांक 22.02.2020 | 09.03.2020 | 0 | 649105 | 736141 | 1385246 |
| 35 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | धनलक्ष्मी डाईंग | 27AABPI2076D1Z4 | AA270220025498E दिनांक 07.02.2020 | 02.03.2020 | 0 | 626769 | 626769 | 1253538 |
| 36 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | दीपक टेक्स्टाइल्स | 27AFEPB7870E1ZK | AA271019010317J दिनांक 03.10.2019 | 18.11.2019 | 0 | 609161 | 609161 | 1218322 |
| 37 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | रानीसती फॅब्रिक मिल्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAACR2347C1ZR | AA270220107800W दिनांक 26.02.2020 | 23.04.2020 | 0 | 148037 | 973282 | 1121319 |

परिशिष्ट 2.6.16 (पुढे..)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तू आणि सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | परतावा आदेशाची तारीख (RED-06) | परतावा रक्कम मंजूर | | | |
|----------|---------------------|-------------------------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|-------------------------------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|---------|
| | | | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | एकूण |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 38 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | सागर फूड प्रॉडक्ट्स | 27AHYPG6714E1Z2 | AA271219067099S दिनांक 16.12.2019 | 02.01.2020 | 0 | 397359 | 397359 | 794718 |
| 39 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | हेम एंटरप्राईसेस | 27AAQPD3057N1ZA | AA2712190339415 दिनांक 08.12.2019 | 27.12.2019 | 0 | 1012206 | 1310563 | 2322769 |
| 40 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | हेम एंटरप्रायझेस | 27AAQPD3057N1ZA | AA271219067068X दिनांक 16.12.2019 | 26.12.2019 | 112801 | 897242 | 897242 | 1907285 |
| 41 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | सिद्ध एंटरप्रायझेस | 27AAZFS2659G1ZG | AA2712190318732 दिनांक 16.12.2019 | 24.12.2019 | 0 | 530436 | 261859 | 792295 |
| 42 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | अजंता फूड प्रॉडक्ट्स | 27AAJPV7565Q1ZG | AA270620001780P दिनांक 01.06.2020 | 11.07.2020 | 0 | 125099 | 125100 | 250199 |
| 43 | सह आयुक्त ठाणे शहर | स्वस्तिक फूड प्रॉडक्ट्स | 27ABGFS5813A1ZF | AA270620004944E दिनांक 03.06.2020 | 09.07.2020 | 0 | 957673 | 4602598 | 5560271 |
| 44 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | डिंपल फॅब्रिक्स | 27AAJPS8349F1Z6 | AA2711191701962 दिनांक 29.11.2019 | 24.12.2019 | 0 | 1066778 | 1923318 | 2990096 |
| 45 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | डिंपल फॅब्रिक्स | 27AAJPS8349F1Z6 | AA270220028890J दिनांक 08.02.2020 | 27.02.2020 | 0 | 688818 | 1141068 | 1829886 |
| 46 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | हबीब टेक्सटाईल्स प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AABCH3399B1ZO | AA2703200709929 दिनांक 21.03.2020 | 06.05.2020 | 0 | 259861 | 1557398 | 1817259 |
| 47 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | एम जे टेक्सटाईल्स | 27AEKPA3107N1ZK | AA271219050619X दिनांक 12.12.2019 | 02.01.2020 | 0 | 630694 | 630694 | 1261388 |
| 48 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | राजेश टेक्सटाईल्स | 27ABWPG5400F1ZP | AA270220073536E दिनांक 19.02.2020 | 20.05.2020 | 0 | 2302661 | 2302661 | 4605322 |
| 49 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | खेमी डार्ईग अँड ब्लीचिंग वर्क्स | 27 AABFK2895A1ZI | AA270620035352M दिनांक 17.06.2020 | 24.06.2020 | 0 | 878101 | 878101 | 1756202 |
| 50 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | कृष्णा टेक्सटाईल्स | 27AOCBP4199M1ZM | AA271119007174G दिनांक 15.02.2020 | 14.05.2020 | 0 | 762605 | 535344 | 1297949 |

| परिशिष्ट 2.6.16 (पुढे..) | | | | | | | | | |
|--------------------------|---------------------|-----------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|-------------------------------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|---------|
| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तू आणि सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | परतावा आदेशाची तारीख (RED-06) | परतावा रक्कम मंजूर | | | |
| | | | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | एकूण |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 51 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | संटोक टेक्सटाईल्स | 27AKPPM5950J1ZJ | AA271119167972R दिनांक 28.11.2019 | 24.12.2019 | 0 | 572639 | 572639 | 1145278 |
| 52 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | अमसल टेक्सटाईल्स | 27AKBPK5308A1ZQ | AA270320027727D दिनांक 09.03.2020 | 09.07.2020 | 0 | 505414 | 539461 | 1044875 |
| 53 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | आर बी एंटरप्राइज | 27AGCPJ0674P1Z1 | AA27012001407S दिनांक 04.01.2020 | 27.02.2020 | 0 | 0 | 2737052 | 2737052 |
| 54 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | आर बी एंटरप्राइज | 27AGCPJ0674P1Z1 | AA271019009093I दिनांक 03.10.2019 | 17.12.2019 | 0 | 0 | 2161930 | 2161930 |
| 55 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | निशी फॅब्रिक्स | 27AEKPM0339Q1ZY | AA270220006733R दिनांक 04.02.2020 | 27.05.2020 | 0 | 720946 | 720946 | 1441892 |
| 56 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | अंकित टेक्सटाईल्स | 27ACZPJ1088Q1ZI | AA271119025613C 07.11.2019 | 14.01.2020 | 0 | 0 | 1419112 | 1419112 |
| 57 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | केवल टेक्सटाईल्स | 27ACMPS3439F1ZA | AA270220035819A दिनांक 11.02.2020 | 29.05.2020 | 0 | 297339 | 1062746 | 1360085 |
| 58 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | एम डी टेक्सटाईल्स | 27BLHPK7379H1ZK | AA271219021832A दिनांक 05.12.2019 | 22.01.2020 | 0 | 613312 | 683312 | 1296624 |
| 59 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | गाला टेक्सटाईल्स | 27AAWPG6072E1ZF | AA2702201029899 दिनांक 26.02.2020 | 04.05.2020 | 0 | 663315 | 527662 | 1190977 |
| 60 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | वली टेक्सटाईल्स | 27ASNPA5918J1ZH | AA2712190082692 दिनांक 03.12.2019 | 17.12.2019 | 0 | 723747 | 755715 | 1479462 |
| 61 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | क्यू. एच. टेक्सटाईल्स | 27AFBPA5824J1ZN | AA271119145151H दिनांक 25.11.2019 | 03.02.2020 | 0 | 727670 | 727670 | 1455340 |
| 62 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | पी. एन. टेक्सटाईल्स | 27AAZPG8863G1ZX | AA2711191535618 दिनांक 26.11.2019 | 15.01.2020 | 0 | 0 | 1476653 | 1476653 |
| 63 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | जय बालाजी टेक्स | 27ANIPP2529A1Z7 | AA270120047224T दिनांक 11.01.2020 | 30.01.2020 | 0 | 0 | 1168113 | 1168113 |

| परिशिष्ट 2.6.16 (पुढे..) | | | | | | | | | |
|--------------------------|---------------------|--------------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|-------------------------------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|---------|
| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तू आणि सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | परतावा आदेशाची तारीख (RED-06) | परतावा रक्कम मंजूर | | | |
| | | | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | एकूण |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 64 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | बाबा टेक्स | 27AEDPA1321H1Z8 | AA271019015415G दिनांक 05.10.2019 | 27.11.2019 | 0 | 528020 | 1178574 | 1706594 |
| 65 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | हीना फॅब्रिक्स | 27AEHPG7086H1Z8 | AA270120086485A दिनांक 21.01.2020 | 06.03.2020 | 0 | 1111171 | 1111171 | 2222342 |
| 66 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | महालक्ष्मी पॉलीटेक्स | 27AHXPS6384B1ZN | AA271119092096Z दिनांक 16.11.2019 | 20.12.2019 | 0 | 1927 | 1050002 | 1051929 |
| 67 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | मे. आदेश्वर सिन्थेटिक्स | 27AOMPG8607H1ZP | AA270520000990N दिनांक 02.05.2020 | 29.05.2020 | 0 | 516230 | 516229 | 1032459 |
| 68 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | वैभव लक्ष्मी सिल्क मिल्स | 27AABPA5095N1ZI | AA271219099955E दिनांक 23.12.2019 | 14.01.2020 | 0 | 0 | 1462304 | 1462304 |
| 69 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | ए बी टेक्सटाईल्स | 27BHBPK8405Q1ZV | AA270120131316V दिनांक 30.01.2020 | 19.03.2020 | 0 | 326891 | 803691 | 1130582 |
| 70 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | न्यू रेड रोज सिन-टेक्स | 27AGLPG5367R1ZJ | AA2702200913994 दिनांक 23.02.2020 | 21.05.2020 | 0 | 837509 | 837509 | 1675018 |
| 71 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | समीर अँड कंपनी | 27ACQFS0665K1ZI | AA271219004362I दिनांक 02.12.2019 | 23.01.2020 | 0 | 851074 | 1025597 | 1876671 |
| 72 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | समीर अँड कंपनी | 27ACQFS0665K1ZI | AA270620001577G दिनांक 01.06.2020 | 15.07.2020 | 0 | 787292 | 995086 | 1782378 |
| 73 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | समीर अँड कंपनी | 27ACQFS0665K1ZI | AA270120074155N दिनांक 17.01.2020 | 12.03.2020 | 0 | 630679 | 904255 | 1534934 |
| 74 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | समीर अँड कंपनी | 27ACQFS0665K1ZI | AA2703200469862 दिनांक 14.03.2020 | 25.05.2020 | 0 | 689162 | 912556 | 1601718 |
| 75 | सह आयुक्त ठाणे शहर | उमर टेक्सटाईल्स | 27CFQPK6733R1ZE | AA270120109964G दिनांक 24.01.2020 | 15.02.2020 | 0 | 569041 | 569042 | 1138083 |
| 76 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | पारस टेक्सटाईल्स | 27ATGPS4007C1ZX | AA2701200648395 दिनांक 15.01.2020 | 06.03.2020 | 0 | 1489051 | 1489051 | 2978102 |

परिशिष्ट 2.6.16 (पुढे..)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तू आणि सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | परतावा आदेशाची तारीख (RED-06) | परतावा रक्कम मंजूर | | | |
|----------|---------------------------|---|--------------------------------------|--------------------------------------|-------------------------------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|---------|
| | | | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | एकूण |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 77 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | हांडी टेक्सटाईल्स | 27ABXPH5663C1ZC | AA2712190137348 दिनांक 04.12.2019 | 23.12.2019 | 0 | 1209884 | 521012 | 1730896 |
| 78 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | हांडी टेक्सटाईल्स | 27ABXPH5663C1ZC | AA2702200170811 दिनांक 05.02.2020 | 04.03.2020 | 0 | 1119067 | 532589 | 1651656 |
| 79 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | ए टी टेक्सटाईल्स | 27CXQPS4846D1ZW | AA270120017617M दिनांक 05.01.2020 | 15.02.2020 | 0 | 210936 | 845082 | 1056018 |
| 80 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | समई हेल्थकेयर प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAWCS7040M1ZJ | AA270220019607J दिनांक 06.02.2020 | 09.03.2020 | 0 | 466121 | 525638 | 991759 |
| 81 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | समई हेल्थकेयर प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAWCS7040M1ZJ | AA270220033209P दिनांक 10.02.2020 | 24.04.2020 | 0 | 322498 | 89482 | 411980 |
| 82 | सह आयुक्त, ठाणे शहर | साई फूड्स | 27AAGPL6240F1ZU | AA270919088570K दिनांक 30.09.2019 | 05.11.2019 | 549595 | 299810 | 299810 | 1149215 |
| 83 | सह आयुक्त, रायगड | जयको एंटरप्राइज एलएलपी | 27AAKFJ4143K1Z4 | AA271119107136F दिनांक 19.11.2019 | 06.12.2019 | 0 | 0 | 1997188 | 1997188 |
| 84 | सह आयुक्त रायगड | अंजेलिक इंटरनॅशनल लिमिटेड | 27AACCA4675N1Z8 | AA270220095819Y दिनांक 24.02.2020 | 21.04.2020 | 1341890 | 0 | 0 | 1341890 |
| 85 | सह आयुक्त रायगड | इम्युनिटी कन्स्ट्रक्शन प्रायव्हेट लिमिटेड | 27AAECI8240F1ZM | AA270120113434X दिनांक 25.01.2020 | 06.03.2020 | 0 | 1464293 | 1464293 | 2928586 |
| 86 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | शिल्पा एंटरप्रायझेस | 27AAUFS9301A1Z4 | AA2712191205186 दिनांक 27.12.2019 | 07.01.2020 | 4018103 | 0 | 0 | 4018103 |
| 87 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | अर्पण ट्रेडिंग कंपनी | 27AQUPS7720H1Z5 | AA270220029342T दिनांक 08.02.2020 | 17.02.2020 | 0 | 600971 | 1300926 | 1901897 |
| 88 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | दीप स्टील | 27AAOPD7135R1Z1 | AA271219101431N दिनांक 23.12.2019 | 24.01.2020 | 0 | 1773094 | 0 | 1773094 |
| 89 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | पार्श्वनाथ मेटल | 27AAEHJ5339M1ZU | AA271219072973R दिनांक 17.12.2019 | 24.01.2020 | 1459178 | 98572 | 98572 | 1656322 |

परिशिष्ट 2.6.16 (पुढे..)

| अनु क्र. | विभागाचे नाव | करदात्याचे नाव | वस्तू आणि सेवा कर ओळख संख्या (GSTIN) | अर्ज संदर्भ क्रमांक (ARN) व तारीख | परतावा आदेशाची तारीख (RED-06) | परतावा रक्कम मंजूर | | | |
|----------|---------------------------|---------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|-------------------------------|----------------------------|----------------------------|-------------------------|-----------|
| | | | | | | एकात्मिक वस्तू आणि सेवा कर | केंद्रीय वस्तू आणि सेवा कर | राज्य वस्तू आणि सेवा कर | एकूण |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 90 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | रूपाना टेक्सटाईल्स | 27AAJHM8455Q1Z7 | AA270320031404V दिनांक 10.03.2020 | 28.04.2020 | 0 | 773522 | 773521 | 1547043 |
| 91 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | शिल्पा एंटरप्रायझेस | 27AAUFS9301A1Z4 | AA2711190473380 दिनांक 11.11.2019 | 26.11.2019 | 2746715 | 98825 | 0 | 2845540 |
| 92 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | यास्मीन बाईंडर | 27AGCPK0731C1Z1 | AA2701200084220 दिनांक 03.01.2020 | 17.03.2020 | 0 | 939119 | 939118 | 1878237 |
| 93 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | रूपाना टेक्सटाईल्स | 27AAJHM8455Q1Z7 | AA2711191670480 दिनांक 28.11.2019 | 24.12.2019 | 0 | 720348 | 720348 | 1440696 |
| 94 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | रूपाना टेक्सटाईल्स | 27AAJHM8455Q1Z7 | AA271119086534X दिनांक 16.11.2019 | 29.11.2019 | 0 | 628343 | 628342 | 1256685 |
| 95 | सह आयुक्त, ठाणे (ग्रामीण) | क्वालिटी इंडस्ट्रीज | 27AAQPD3176L1ZA | AA2712190005868 दिनांक 01.12.2019 | 12.12.2019 | 1056415 | 0 | 0 | 1056415 |
| | | | | | एकूण | 30461109 | 63066341 | 115845404 | 209372854 |

परिशिष्ट 2.7.1
(संदर्भ: परिच्छेद 2.7; पृष्ठ: 100)

कराची कमी आकारणी
परिगणना पत्रक

| | |
|-------------------------|---------------------------------------|
| कार्यालयाचे नाव | उपायुक्त विक्रीकर, PUN-VAT-E-706 पुणे |
| कर निर्धारण कालावधी | 2014-15 |
| विक्रेत्याचे नाव | मेसर्स के कॉम्प सर्विसेस |
| कर ओळख संख्या (TIN) | 27710344344V |
| कर निर्धारण आदेश दिनांक | 19/02/2019 |

(रक्कम ₹ मध्ये)

| अनु क्र. | टॅबलेट विक्रीचा तपशील | बीजक क्रमांक आणि दिनांक | नमूना बीजकानुसार विक्रीची रक्कम | 12.5 टक्के दराने कर आकारणी | 5 टक्के दराने आकारलेला कर | कमी कर आकारणी/ विभेदक कर दायित्व |
|----------|--|-------------------------------------|---------------------------------|----------------------------|---------------------------|----------------------------------|
| 1 | सॅमसंग टॅब 3 | 42/07.04.2014 | 7,42,857 | 92,857 | 37,143 | 55,714 |
| 2 | अॅप्पल आयपॅड मिनी वायफाय | 386/28.05.2014 | 10,56,000 | 1,32,000 | 52,800 | 79,200 |
| 3 | अॅप्पल आयपॅड मिनी वायफाय | 887/30.07.2014 | 8,69,524 | 1,08,691 | 43,476 | 65,215 |
| 4 | अॅप्पल आयपॅड मिनी वायफाय | 8/06.08.2014 | 2,68,762 | 33,595 | 13,438 | 20,157 |
| 5 | अॅप्पल आयपॅड मिनी वायफाय | 14-15/डिसेंबर/154/ 15.12.2014 | 8,04,762 | 1,00,595 | 40,238 | 60,357 |
| 6 | अॅप्पल आयपॅड एअर 2 वायफाय, आयपॅड एअर 2 वाय फाय+ सेल्युलर, आयपॅड मिनी | 14-15/डिसेंबर/160/ 15.12.2014 | 7,84,268 | 98,034 | 39,213 | 58,821 |
| 7 | अॅप्पल आयपॅड एअर वायफाय सेल्युलर | 14-15/डिसेंबर/185/ 18.12.2014 | 30,20,160 | 3,77,520 | 1,51,008 | 2,26,512 |
| 8 | अॅप्पल आयपॅड मिनी वायफाय | 14-15/फेब्रुवारी/203/ 20.02.2015 | 8,45,476 | 1,05,685 | 42,274 | 63,411 |
| | एकूण | | 83,91,809 | 10,48,976 | 4,19,590 | 6,29,386 |
| | कलम 30(3) नुसार 47 महिन्यांचे आकारणीयोग्य व्याज | | | | | 5,42,845 |
| | देयाची एकूण कमी आकारणी | | | | | 11,72,231 |

47 महिन्यांसाठी व्याजाची परिगणना

(रक्कम ₹ मध्ये)

| देय कर | कालावधी | महिन्यांची संख्या | व्याजाचा दर | व्याजाची रक्कम | अभिप्राय |
|----------|--------------------------|-------------------|--------------------------|------------------|--------------------------|
| 6,29,386 | 01.04.2015 ते 30.11.2015 | 8 | 1.25 | 62938.61 | 30.11.2015 पर्यंत |
| | 01.12.2015 ते 31.12.2015 | 1 | 1.25 | 7867.33 | एक महिन्यांपर्यन्त |
| | 01.01.2016 ते 29.02.2016 | 2 | 1.5 | 18881.58 | तीन महिन्यांपर्यन्त |
| | 01.03.2016 ते 31.03.2016 | 1 | 2 | 12587.72 | तीन महिन्यांपेक्षा जास्त |
| | 01.04.2016 ते 31.03.2017 | 12 | 2 | 151052.67 | |
| | 01.04.2017 ते 31.03.2018 | 12 | 2 | 151052.67 | |
| | 01.04.2018 ते 28.02.2019 | 11 | 2 | 138464.95 | |
| | | 47 | आकारणीयोग्य व्याज | 542845.53 | |

परिशिष्ट 2.8.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.8; पृष्ठ: 102)

चुकीच्या गणनेमुळे व्याजाची कमी आकारणी

परिगणना पत्रक

| | |
|----------------------|---|
| कार्यालयाचे नाव | उपायुक्त विक्रीकर, PUN-VAT-E-607 (LTU), पुणे |
| निर्धारण कालावधी | 2014-15 |
| विक्रेत्याचे नाव | मे. संजय ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग प्रायव्हेट लिमिटेड |
| कर ओळख संख्या (TIN) | 27445225193V |
| निर्धारण आदेश दिनांक | 28.03.2019 |

विभागाद्वारे केलेली परिगणना

| देय कर (₹) | कालावधी | व्याजाचा दर | महिण्यांची संख्या | व्याजाची रक्कम (₹) |
|-----------------|----------------------------|-------------|-------------------|--------------------|
| 16658322 | नोव्हेंबर 2015 पर्यंत | 1.25 टक्के | 8 | 1665832 |
| | नंतरचे दोन महिने | 1.50 टक्के | 2 | 416458 |
| | त्यानंतर 31.03.2019 पर्यंत | 2 टक्के | 38 | 7912703 |
| एकूण (A) | | | | 9994993 |

लेखापरीक्षणाने केलेली परिगणना

| देय कर (₹) | कालावधी | व्याजाचा दर | महिण्यांची संख्या | व्याजाची रक्कम (₹) |
|-----------------|----------------------------|-------------|-------------------|--------------------|
| 16658322 | नोव्हेंबर 2015 पर्यंत | 1.25 टक्के | 8 | 1665832.30 |
| | डिसेंबर 2015 | 1.25 टक्के | 1 | 208229.04 |
| | नंतरचे दोन महिने | 1.50 टक्के | 2 | 499749.69 |
| | त्यानंतर 31.03.2019 पर्यंत | 2 टक्के | 37 | 12327159.02 |
| एकूण (B) | | | | 14700970.05 |

व्याजाची कमी आकारणी

| | |
|-----------|---------------------|
| (A) - (B) | ₹ 4705977.05 |
|-----------|---------------------|

परिशिष्ट 2.9.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.9; पृष्ठ: 103)

महाराष्ट्र मूल्यवर्धित करांतर्गत परताव्याचे अतिरिक्त प्रदान

परिगणना पत्रक

| | |
|----------------------|---|
| कार्यालयाचे नाव | उप-आयुक्त विक्रीकर, E-002 अमरावती |
| निर्धारण कालावधी | 2012-13 |
| विक्रेत्याचे नाव | मे. विरेन्द्र फूड प्रॉडक्ट्स प्रायव्हेट लिमिटेड |
| TIN | 27600328642V |
| निर्धारण आदेश दिनांक | 28.03.2017 |

विक्री

(रक्कम ₹ मध्ये)

| | विभागाप्रमाणे | लेखापरीक्षणानुसार |
|-------------|---------------|-------------------|
| GTO विक्री | 0 | 0 |
| एकूण देय कर | 0 | 0 |

खरेदी

| | विभागाप्रमाणे | लेखापरीक्षणानुसार |
|--------------------------------------|---------------|-------------------|
| GTO खरेदी | 95478804 | 95478804 |
| वजा आंतरराज्यीय खरेदी | 20443719 | 20443719 |
| वजा सेट-ऑफ साठी पात्र नसलेल्या वस्तु | 35762350 | 35762350 |
| राज्यांतर्गत खरेदी सेट ऑफ साठी पात्र | 39272735 | 39272735 |

| कराचा दर | MVAT साठी पात्र निव्वळ उलाढाल | सेट ऑफ उपलब्ध | सेट ऑफ उपलब्ध |
|-------------|-------------------------------|---------------|---------------|
| 5 टक्के | 19595449 | 979772 | 979772 |
| 12.50 टक्के | 16617002 | 2077125 | 2077125 |
| | एकूण अनुज्ञेय सेट ऑफ | 3056898 | 3056898 |

उपलब्ध ITC

| | एकूण अनुज्ञेय सेट ऑफ | 3056898 | 3056898 |
|---|----------------------|---------|---------|
| वजा नियम 53 अंतर्गत J1XJ2 विसंगती आणि कमी | | 1176584 | 1176584 |
| वजा नियम 54(एच) अंतर्गत | | 0 | 942435 |
| एकूण अनुज्ञेय कर क्रेडीट | | 1880314 | 937879 |

कराची परिगणना

| विभागाप्रमाणे | | लेखापरीक्षणानुसार | |
|---|----------|--|----------|
| MVAT देय | 0 | MVAT देय | 0 |
| वजा: सेट-ऑफ | 1880314 | वजा: सेट-ऑफ | 937879 |
| शिल्लक: देय कर (+)/परतावा(-) | -1880314 | शिल्लक: देय कर (+)/परतावा(-) | -937879 |
| अधिक: नियम 52 अंतर्गत 24 महिन्यांचे व्याज | -225638 | अधिक: कलम 52 अंतर्गत 24 महिन्यांचे व्याज | -112545 |
| एकूण परतावा प्रदान | -2105951 | एकूण अनुज्ञेय परतावा | -1050424 |
| | | अतिरिक्त परतावा प्रदान | -1055527 |

परिशिष्ट 2.9.1 (पुढे..)

कलम 51(6)(b) अंतर्गत वसुली योग्य रक्कम

| | |
|----------------------------------|---------|
| अतिरिक्त परतावा (देय कर म्हणून) | 1055527 |
| अधिक: कलम 51(6)(ब) अंतर्गत व्याज | 1100387 |
| एकूण वसुली योग्य रक्कम | 2155914 |

व्याज परिगणना

विभागाप्रमाणे कलम 52 अंतर्गत व्याज

| देय कर | कालावधी | महिण्यांची संख्या | व्याज दर | व्याज रक्कम |
|----------|--------------------------|-------------------|-------------------------|-------------|
| -1880314 | 01.04.2015 ते 31.03.2016 | 12 | 0.005 | -112819 |
| | 01.04.2016 ते 31.03.2017 | 12 | 0.005 | -112819 |
| | | | परताव्यावर दिलेले व्याज | -225638 |

लेखापरीक्षेनुसार कलम 52 अंतर्गत व्याज

| देय कर | कालावधी | महिण्यांची संख्या | व्याज दर | व्याज रक्कम |
|---------|--------------------------|-------------------|----------------------|-------------|
| -937879 | 01.04.2015 ते 31.03.2016 | 12 | 0.005 | -56273 |
| | 01.04.2016 ते 31.03.2017 | 12 | 0.005 | -56273 |
| | | | परताव्यावर देय व्याज | -112545 |

नोट: (-)ऋण चिन्ह परतावा रक्कम दर्शविते

लेखापरीक्षेनुसार कलम 51(6)(b) अंतर्गत व्याज

| देय कर | कालावधी | महिण्यांची संख्या | व्याज दर | व्याज रक्कम | टिप्पण्या |
|---------|--------------------------|-------------------|-------------------|-------------|--------------------------|
| 1055527 | 01.04.2017 ते 30.04.2017 | 1 | 1.25 | 13194 | एक महिण्यापर्यन्त |
| | 01.05.2017 ते 30.06.2017 | 2 | 1.5 | 31666 | तीन महिण्यांपर्यन्त |
| | 01.07.2017 ते 31.03.2018 | 9 | 2 | 189995 | तीन महिण्यांपेक्षा जास्त |
| | 01.04.2018 ते 31.03.2019 | 12 | 2 | 253326 | |
| | 01.04.2019 ते 31.03.2020 | 12 | 2 | 253326 | |
| | 01.04.2020 ते 31.03.2021 | 12 | 2 | 253326 | |
| | 01.04.2021 ते 31.08.2021 | 5 | 2 | 105553 | |
| | | 53 | आकारणीयोग्य व्याज | 1100387 | |

कारखाना इमारतीच्या बांधकामावर नियम 54(h) अंतर्गत अनुज्ञेय ITC चा तपशील

| अनु. क्र. | विक्रेत्याचे नाव जेथून खरेदी केली गेली | निव्वळ किंमत | ITC |
|-----------|--|--------------|--------|
| 1 | पोरवाल पेंट हाऊस, अमरावती | 281155 | 34788 |
| 2 | युनिक इलेक्ट्रीकल्स, अमरावती | 4170 | 241 |
| 3 | भाग्यलक्ष्मी रोलिंग प्रायव्हेट लिमिटेड | 8270447 | 413522 |
| 4 | माणिकगढ सिमेंट, गडचांदूर | 3951071 | 493884 |
| | अग्राह्य असलेला एकूण सेट-ऑफ | 8555772 | 942435 |

परिशिष्ट 2.9.1 (पुढे..)

प्रपंजी लेख्यात उपलब्ध असल्यानुसार पोरवाल पेंट हाऊस, अमरावती कडून खरेदीचा तपशील

| अनु. क्र. | दिनांक | किंमत | मूल्यवर्धित कर | | एकूण |
|-------------|-----------------|---------------|----------------|---------|---------------|
| | | | 12.50 टक्के | 5 टक्के | |
| 1 | 12.09.2012 | 34448 | 4149 | 63 | 38660 |
| 2 | 15.11.2012 | 7995 | 999 | 0 | 8994 |
| 3 | 02.01.2013 | 98288 | 12000 | 114 | 110403 |
| 4 | 22.01.2013 | 50401 | 6300 | 0 | 56701 |
| 5 | 07.02.2013 | 32338 | 3891 | 60 | 36289 |
| 6 | 25.03.2013 | 19076 | 2385 | 0 | 21461 |
| 7 | 30.03.2013 | 38609 | 4826 | 0 | 43435 |
| | उप-बेरीज | | 34550 | 238 | |
| एकूण | | 281155 | 34788 | | 315943 |

प्रपंजी लेख्यात उपलब्ध असल्यानुसार युनिक इलेक्ट्रीकल्स, अमरावती कडून खरेदीचा तपशील

| अनु. क्र. | दिनांक | किंमत | मूल्यवर्धित कर | | एकूण |
|-------------|------------|-------------|----------------|-------------|-------------|
| | | | 12.50 टक्के | 12.50 टक्के | |
| 1 | 13.10.2012 | 4170 | 53 | 188 | 1 |
| एकूण | | 4170 | 241 | 4411 | एकूण |

प्रपंजी लेख्यात उपलब्ध असल्यानुसार भाग्यलक्ष्मी रोलिंग प्रायव्हेट लिमिटेड कडून खरेदीचा तपशील

| अनु. क्र. | दिनांक | किंमत | मूल्यवर्धित कर | एकूण |
|-------------|------------|----------------|----------------|----------------|
| 1 | 03.04.2012 | 484155 | 24208 | 508363 |
| 2 | 13.04.2012 | 494539 | 24727 | 519266 |
| 3 | 14.04.2012 | 627142 | 31357 | 658499 |
| 4 | 17.05.2012 | 460921 | 23046 | 483967 |
| 5 | 18.05.2012 | 407538 | 20377 | 427915 |
| 6 | 18.05.2012 | 401114 | 20056 | 421170 |
| 7 | 12.06.2012 | 583769 | 29188 | 612957 |
| 8 | 28.06.2012 | 450127 | 22506 | 472633 |
| 9 | 08.07.2012 | 473559 | 23678 | 497237 |
| 10 | 08.07.2012 | 871304 | 43565 | 914869 |
| 11 | 08.07.2012 | 704418 | 35221 | 739639 |
| 12 | 04.08.2012 | 680086 | 34004 | 714090 |
| 13 | 01.09.2012 | 379031 | 18952 | 397983 |
| 14 | 01.09.2012 | 394380 | 19719 | 414099 |
| 15 | 01.09.2012 | 390802 | 19540 | 410342 |
| 16 | 29.09.2012 | 467562 | 23378 | 490940 |
| एकूण | | 8270447 | 413522 | 8683969 |

परिशिष्ट 2.9.1 (पुढे..)

प्रपंजी लेख्यात उपलब्ध असल्यानुसार माणिकगढ सिमेंट, गडचिरोलीकडून खरेदीचा तपशील

| अनु.क्र. | दिनांक | किंमत | मूल्यवर्धित कर (12.5 टक्के) | एकूण |
|-------------|------------|----------------|-----------------------------|----------------|
| 1 | 14.04.2012 | 75947 | 9493 | 85440 |
| 2 | 14.04.2012 | 75947 | 9493 | 85440 |
| 3 | 14.04.2012 | 75947 | 9493 | 85440 |
| 4 | 11.05.2012 | 73956 | 9244 | 83200 |
| 5 | 17.05.2012 | 73956 | 9244 | 83200 |
| 6 | 18.05.2012 | 73956 | 9244 | 83200 |
| 7 | 20.05.2012 | 73102 | 9138 | 82240 |
| 8 | 04.06.2012 | 71111 | 8889 | 80000 |
| 9 | 07.06.2012 | 71680 | 8960 | 80640 |
| 10 | 07.06.2012 | 71680 | 8960 | 80640 |
| 11 | 07.06.2012 | 71680 | 8960 | 80640 |
| 12 | 30.06.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 13 | 30.06.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 14 | 01.07.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 15 | 01.07.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 16 | 02.07.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 17 | 02.07.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 18 | 14.07.2012 | 72533 | 9067 | 81600 |
| 19 | 14.07.2012 | 72533 | 9067 | 81600 |
| 20 | 26.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 21 | 26.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 22 | 26.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 23 | 26.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 24 | 28.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 25 | 28.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 26 | 24.08.2012 | 68551 | 8569 | 77120 |
| 27 | 24.08.2012 | 68551 | 8569 | 77120 |
| 28 | 26.08.2012 | 68551 | 8569 | 77120 |
| 29 | 26.08.2012 | 68551 | 8569 | 77120 |
| 30 | 30.08.2012 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 31 | 30.08.2012 | 68287 | 8533 | 76800 |
| 32 | 01.09.2012 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 33 | 04.09.2012 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 34 | 14.09.2012 | 65422 | 8178 | 73600 |
| 35 | 14.09.2012 | 65422 | 8178 | 73600 |
| 36 | 23.09.2012 | 64853 | 8107 | 72960 |
| 37 | 25.09.2012 | 64000 | 8000 | 72000 |
| 38 | 25.09.2012 | 64853 | 8107 | 72960 |
| 39 | 30.09.2012 | 64853 | 8107 | 72960 |
| 40 | 30.09.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 41 | 30.09.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 42 | 01.10.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 43 | 01.10.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 44 | 01.10.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 45 | 28.10.2012 | 65991 | 8249 | 74240 |
| 46 | 28.10.2012 | 65991 | 8249 | 74240 |
| 47 | 12.11.2012 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 48 | 06.12.2012 | 66560 | 8320 | 74880 |
| 49 | 07.12.2012 | 66560 | 8320 | 74880 |
| 50 | 11.12.2012 | 66560 | 8320 | 74880 |
| 51 | 14.01.2013 | 63431 | 7929 | 71360 |
| 52 | 24.01.2013 | 64000 | 8000 | 72000 |
| 53 | 24.01.2013 | 64000 | 8000 | 72000 |
| 54 | 11.02.2013 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 55 | 11.02.2013 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 56 | 22.02.2013 | 68689 | 8586 | 77275 |
| 57 | 16.03.2013 | 68836 | 8604 | 77440 |
| एकूण | | 3951071 | 493884 | 4444955 |

परिशिष्ट 2.10.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.10.1; पृष्ठ: 105)

बांधलेल्या क्षेत्राचा विचार न केल्यामुळे भाडेपट्टीवर ₹ 1.06 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|---|--|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक, हवेली-XVIII, जिल्हा-पुणे |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 10503/2018 |
| मालमत्तेचा तपशील | जिल्हा-पुणे, तालुका-मुळशी, गांव-म्हाळुंगे येथील सर्व्हे क्रमांक 12/1 वर वसलेला 42.05 R म्हणजेच 4,205 चौरस मीटर मोजमापाच्या जमिनीसहित पहिल्या टप्प्यातील 30,000 चौरस फूट म्हणजेच 2,788.10 चौरस मीटर मोजमापाच्या आणि दुसऱ्या टप्प्यातील 30,000 चौ. फूट म्हणजेच 2,788.10 चौरस मीटर मोजमापाच्या बांधलेल्या क्षेत्राचा भाडेपट्टा हक्क |
| लेखापरीक्षणाद्वारे परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2017-18 |
| मौजा/गाव | म्हाळुंगे (प्रभावित क्षेत्र) |
| सर्व्हे क्रमांक | 12/1 |
| मालमत्तेचे क्षेत्रफळ | 4205 चौरस मीटर मोजमापाच्या खुल्या जमिनीमध्ये 5776.20 चौरस मीटर मोजमाप असलेल्या इमारतीच्या बांधकामाचा समावेश आहे. (टप्पा-I-2788.10 चौरस मीटर + टप्पा-II- 2788.10 चौरस मीटर) |
| खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 12,240 प्रति चौरस मीटर |
| निवासी इमारती/फ्लॅट चे दर | ₹ 51,330 प्रति चौरस मीटर |
| भाडेपट्ट्याचा कालावधी | 30 वर्ष |
| वार्षिक दर विवरण 2017-18 च्या निर्देश क्र. 7(d) नुसार मालमत्तेचे बाजार मूल्य 5576.20 चौरस मीटर X 51,330 | ₹ 28,62,26,346 |
| अनुच्छेद 36 (IV) नुसार बाजार मूल्याच्या 90 टक्के ₹ 28,62,26,346 X 90 टक्के | ₹ 25,76,03,711 |
| ₹ 25,76,03,711 वर 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 1,28,80,186 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 23,16,200 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 1,05,63,986 |
| विभागाद्वारे केलेली परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2018 |
| जिल्हा | पुणे |
| तालुका | मुळशी |
| गाव | मौजा म्हाळुंगे |
| क्षेत्र | प्रभावित क्षेत्र |
| सर्व्हे क्रमांक | 12 |
| मालमत्तेचा प्रकार | खुली जमीन |
| मालमत्तेचे क्षेत्र | 4205 चौरस मीटर |
| वार्षिक दर विवरणानुसार खुल्या जमिनीचा दर | 12,240 प्रति चौ.मी. |
| जमिनीचे मूल्यांकन 4205 चौ.मी.X ₹ 12,240= 5,14,69,200 | ₹ 5,14,69,200 |
| मोबदला रक्कम | निरंक |
| परिसराचे बाजार मूल्य | ₹ 5,14,69,200 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 23,16,200 |

परिशिष्ट 2.10.2

(संदर्भ: परिच्छेद 2.10.2; पृष्ठ: 106)

मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 1.16 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|--|--|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक, हवेली XVIII, पुणे. |
| दस्तावेज क्रं आणि वर्ष | 4481/2016 |
| परिसराचा तपशील | पुणे महानगर पालिकेच्या हद्दीतील बाणेर-म्हाळुंगे मार्ग, गाव-बाणेर, तालुका-हवेली, जिल्हा-पुणे येथे स्थित सर्व्हे क्रमांक 111/11/1 (pt) येथे पट्टेकाराद्वारे 7965 चौरस मीटर मोजमाप असलेल्या जागेवर 2 (दोन) तळघर, तळमजला + 7 (सात) वरचे मजले अधिक टेरेस असलेली 'बेअर शेल इमारत' म्हणून संदर्भित प्रस्तावित रुग्णालयाची इमारत बांधण्यात येईल ज्याचे एकूण बांधकाम केलेले क्षेत्रफळ किमान 2,50,000 चौरस फूट असेल ज्यापैकी मोजणीयोग्य क्षेत्र 2,40,000 चौरस फूट म्हणजेच 22,304.83 चौरस मीटर पेक्षा जास्त नसेल. |
| लेखापरीक्षणाद्वारे परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2016-17 |
| गाव | बाणेर |
| झोन क्रमांक | 39/567 |
| सर्व्हे क्रमांक | 111/11/1 (pt) |
| बांधकाम केलेले क्षेत्रफळ (जास्तीत जास्त मोजण्यायोग्य क्षेत्र) | 22304.83 चौरस मीटर |
| खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 24000 प्रति चौरस मीटर |
| तळ मजल्यावरील दुकाने/व्यावसायिक दर | ₹ 91740 प्रति चौरस मीटर |
| भाडेपट्ट्याचा कालावधी | 28 वर्ष व 11 महीने |
| मालमत्तेचे बाजार मूल्य | |
| दस्तावेजांमध्ये मजल्यानुसार तपशील नमूद केलेले नाहीत, त्यामुळे मॉल व्यतिरिक्त मोठ्या शॉपिंग कॉम्प्लेक्सचा समावेश असलेल्या इमारती मधील दुकानांच्या मूल्यांकनासाठी लागू असलेल्या मूल्यमापन मार्गदर्शक तत्व क्रमांक 8(d) लागू करण्यासाठी, सरासरी खालील प्रमाणे आली आहे : | |
| (मूल्यमापन मार्गदर्शक तत्व 8(d) नुसार-वार्षिक दर विवरणीमध्ये विहित केलेल्या दुकानाच्या दराची टक्केवारी (i) तळघर-70 टक्के (ii) तळमजला-100 टक्के (iii) पहिला मजला-90 टक्के आणि (iv) दूसरा ते सातवा मजला-80 टक्के) | |
| अशा प्रकारे, | |
| 2 तळघर- | 140 टक्के |
| 1 तळमजला- | 100 टक्के |
| 1 पहिला मजला- | 90 टक्के |
| 6 वरचे मजले- | 480 टक्के |
| एकूण | 810 टक्के |
| सरासरी 810/10 | 81 टक्के |
| म्हणजे-80 टक्के परिगणनेसाठी वार्षिक दर विवरण 2016-17 मध्ये दुकानांसाठी विहित केलेल्या दराच्या 80 टक्के घेतले आहेत. | |
| ₹ 91,740X80 टक्के= ₹ 73392 (मार्गदर्शक तत्व क्रमांक 8 (d) नुसार) | ₹ 73,392 |
| 22304.83 चौरस मीटर X ₹ 73392 | ₹ 1,63,69,96,083 |
| अनुच्छेद 36(iii) नुसार बाजार मूल्याच्या 50 टक्के ₹ 163,69,96,083X 50 टक्के | ₹ 81,84,98,042 |
| 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 4,09,24,902 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 2,93,19,300 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 1,16,05,602 |
| विभागाद्वारे केलेली परिगणना | |
| मोबदला रक्कम | निरंक |
| मालमत्तेचे बाजार मूल्य | ₹ 1,17,27,68,548 |
| बाजार मूल्यावर 5 टक्के दराने आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 2,93,19,300 |

परिशिष्ट 2.10.3

(संदर्भ:परिच्छेद 2.10.3; पृष्ठ: 107)

मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 12.29 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|---|--|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक (वर्ग-II) हवेली-V, जिल्हा-पुणे |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 570/2017 |
| मालमत्तेचा तपशील | पिंपरी-चिंचवड महानगर पालिकेच्या हद्दीतील गांव-भोसरी, एम.आय.डी.सी.च्या पिंपरी औद्योगिक क्षेत्रातील भूखंड क्र. एस-36, टी-ब्लॉक येथे स्थित 2957 चौरस मीटर क्षेत्रफळ असलेल्या औद्योगिक भूखंडासहीत त्यावर उभारलेले 670 चौरस मीटर आकारमानाचे औद्योगिक शेड. |
| लेखापरीक्षणाद्वारे परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2016-17 |
| मौजा | भोसरी, जिल्हा पुणे. |
| सर्व्हे क्रमांक | भूखंड क्रमांक एस-36, टी ब्लॉक |
| खुल्या जमिनीचे दर/झोन/विभाग क्रमांक 46/2 | ₹ 25,630 प्रति चौरस मीटर |
| बांधकाम दर | ₹ 22,000 प्रति चौरस मीटर |
| बांधकाम दराच्या खालील नोंदीनुसार औद्योगिक शेडकरिता बांधकाम दर: ₹ 22,000 X 75 टक्के | ₹ 16,500 प्रति चौरस मीटर |
| जमिनीचे क्षेत्रफळ | 2975 चौरस मीटर |
| औद्योगिक शेडचे क्षेत्रफळ | 670 चौरस मीटर |
| जमिनीचे बाजार मूल्य | |
| 2,975 चौमी x ₹ 25,630 (a) | ₹ 7,57,87,910 |
| औद्योगिक शेडचे बाजार मूल्य | |
| वार्षिक दर विवरणाच्या निर्देश क्रमांक 6 नुसार 30 टक्के घसारा 670 चौरस मीटर x ₹ 16,500 x 70 टक्के (b) | ₹ 77,38,500 |
| मालमत्तेचे एकूण बाजार मूल्य (a+b) | ₹ 8,35,26,410 |
| एकूण बाजार मूल्याच्या 90 टक्के | ₹ 7,51,73,769 |
| 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 37,58,688 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 25,30,000 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 12,28,688 |
| विभागाद्वारे परिगणना | |
| मोबदला रक्कम | ₹ 5,06,00,000 |
| जमिनीचे बाजार मूल्य | ₹ 4,90,46,000 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 25,30,000 |

परिशिष्ट 2.10.4

(संदर्भ: परिच्छेद 2.10.4; पृष्ठ: 108)

भाडेपट्ट्याच्या नूतनीकरणाच्या कालावधीचा विचार न केल्यामुळे ₹ 16.26 लाख रुपयांच्या मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|--|--|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक (वर्ग-II) हवेली-III, पुणे |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 3058/2019 |
| परिसराचा तपशील | तालुका-हवेली, गांव-साडेसतरानळी, हडपसर, जिल्हा-पुणे, येथील "अमनोरा टाउन सेंटर" नावाने ओळखल्या जाणाऱ्या रिटेल मॉल/शॉपिंग कॉम्प्लेक्समधील तळ मजल्यावरील आकारणीयोग्य क्षेत्रफळ 10,104 चौरस फूट म्हणजेच 939.03 चौरस मीटर मोजमापाची युनिट क्रमांक ईबी-जीएफ-28 आणि 29 |
| लेखापरीक्षणाद्वारे परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2018-19 |
| गाव | साडेसतरानली, हडपसर, तालुका हवेली, जिल्हा-पुणे. |
| झोन क्रमांक | 14.4 |
| सर्व्हे क्रमांक | अमनोरा टाउन सेंटर |
| क्षेत्रफळ | 10104 चौरस फूट म्हणजेच 939.03 चौरस मीटर |
| तळमजल्यावरील दुकाने/व्यावसायिकचे दर | ₹ 1,41,490 |
| मालमत्तेचे बाजार मूल्य | ₹ 13,28,63,355 |
| 939.03 चौरस मीटर x ₹ 1,41,490 | |
| एकूण बाजार भाव | ₹ 13,28,63,355 |
| अनुच्छेद 36(iii) नुसार बाजार मूल्याच्या 50 टक्के | ₹ 6,64,31,678 |
| 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 33,21,584 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 16,95,800 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 16,25,784 |
| विभागाद्वारे परिगणना | |
| मोबदला रक्कम | निरंक |
| मालमत्तेचे बाजार मूल्य | ₹ 13,28,64,844 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 16,95,800 |

परिशिष्ट 2.10.5

(संदर्भ: परिच्छेद 2.10.5; पृष्ठ: 109)

भाडेपट्ट्याच्या नूतनीकरणाच्या कालावधीचा विचार न केल्यामुळे ₹ 21.93 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|--|---|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक ठाणे-VIII, जिल्हा ठाणे |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 3961/2015 |
| मालमत्तेचा तपशील | सेक्टर 3K, ऐरोली, नवी मुंबई येथील जमीन मोजमाप क्षेत्र 990.27 चौरस मीटर वर बांधलेल्या 1899.64 चौरस मीटर मोजमाप क्षेत्राच्या नविन प्राथमिक आरोग्य केंद्राच्या इमारतीमध्ये दवाखाना चालविण्यासाठी असुसज्जित दवाखाना, तळघर+खालचा मजला + 7 मजली इमारत (जेथे आहे त्या आधारावर) |
| लेखापरीक्षणाद्वारे केलेली परिगणना | |
| सह जिल्हा निबंधक, ठाणे शहराच्या निवाडा आदेशानुसार निर्धारित मालमत्तेचे बाजार मूल्य | ₹ 17,54,15,500 |
| बाजार मूल्याच्या 50 टक्के | ₹ 8,77,07,750 |
| 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 43,85,388 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 21,92,700 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 21,92,688 |
| विभागाद्वारे केलेली परिगणना | |
| मोबदला रक्कम | ₹ 15,00,000 |
| परिसराचे बाजार मूल्य | ₹ 17,54,15,500 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 21,92,700 |

परिशिष्ट 2.10.6

(संदर्भ: परिच्छेद 2.10.6; पृष्ठ: 110)

भाडेपट्टाकराराच्या नूतनीकरणावर ₹ 4.00 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी
कार्यालयाचे नाव: सह जिल्हा निबंधक-I, नागपूर
भाडेपट्ट्याचा कालावधी: 30 वर्ष

| अनु. क्र. | संलेख संख्या/वर्ष | विभागाने निर्धारित केलेले बाजार मूल्य (₹ मध्ये) | लेखापरीक्षणाने परिगणना केलेले बाजार मूल्य (₹ मध्ये) | लेखापरीक्षणाने परिगणना केलेल्या बाजार मूल्याच्या 90 टक्के (₹ मध्ये) | बाजार मूल्याच्या 90 टक्क्यांवर 5 टक्के दराने आकारणीयोग्य मुद्रांक शुल्क (₹ मध्ये) | आकारलेले मुद्रांक शुल्क (₹ मध्ये) | मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी (₹ मध्ये) |
|-----------|-------------------|---|---|---|---|-----------------------------------|--|
| 1 | 2978/2018 | 40,85,500 | 32,88,38,070 | 29,59,54,263 | 1,47,97,713 | 2,04,300 | 1,45,93413 |
| 2 | 3992/2018 | 13,63,420 | 15,36,38,100 | 13,82,74,290 | 69,13,715 | 68,200 | 68,45,515 |
| 3 | 4753/2018 | 38,90,000 | 10,61,91,800 | 9,55,72,620 | 47,78,631 | 1,94,500 | 45,84,131 |
| 4 | 3905/2018 | 6,61,000 | 7,65,49,616 | 6,88,94,654 | 34,44,733 | 33,200 | 34,11,533 |
| 5 | 2465/2018 | 10,63,000 | 6,44,55,772 | 5,80,10,195 | 29,00,510 | 47,900 | 28,52,610 |
| 6 | 5070/2018 | 6,84,400 | 6,06,10,000 | 5,45,49,000 | 27,27,450 | 34,300 | 26,93,150 |
| 7 | 2468/2018 | 6,80,500 | 5,66,00,045 | 5,09,40,040 | 25,47,002 | 34,100 | 25,12,902 |
| 8 | 4382/2018 | 7,13,376 | 3,61,66,500 | 3,25,49,850 | 16,27,493 | 35,700 | 15,91,793 |
| 9 | 3722/2018 | 20,77,000 | 2,19,70,850 | 1,97,73,765 | 9,88,688 | 1,04,000 | 8,84,688 |
| | एकूण | 1,52,18,196 | 90,50,20,753 | 81,45,18,677 | 4,07,25,935 | 7,56,200 | 3,99,69,735 |

परिशिष्ट 2.11.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.11.1.1; पृष्ठ: 112)

बाजार मूल्याची चुकीची परिगणना केल्यामुळे ₹ 39.39 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|--|---|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक, वर्ग-II, औरंगाबाद-V, जिल्हा औरंगाबाद |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 8654/2015 |
| मालमत्तेचा तपशील | औरंगाबाद महानगर पालिकेच्या हद्दीतील गट क्रमांक-701, चिकलठाणा गाव, तालुका आणि जिल्हा औरंगाबाद येथे वसलेला 1486.98 चौरस मीटरचा (संयुक्तपणे डिमाइंड भूखंड म्हणून संबोधले जाते) हस्तांतरणीय विकास हक्कासह 3716.71 चौरस मीटरचा खुला भूखंड क्र-2. |
| लेखापरीक्षणाद्वारे परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2015 |
| मौजा | चिकलठाणा तालुका आणि जिल्हा औरंगाबाद |
| सर्वे क्रमांक/ गट क्रमांक | 701 |
| झोन/विभाग क्रमांक | 10.156 |
| खुल्या जमिनीचा दर | ₹ 22,200 प्रति चौरस मीटर |
| निवासी युनिट दर | ₹ 29,700 प्रति चौरस मीटर |
| जमिनीचे क्षेत्रफळ, जमीन दस्तावेजाच्या पृष्ठ 10 वरील परिच्छेद व हस्तांतरणीय विकास हक्कानुसार संयुक्तपणे डिमाइंड भूखंड म्हणून मानले जाते. त्यामुळे जमिनीचे क्षेत्रफळ 5203.69 चौरस मीटर आहे | 3,716.71 चौरस मीटर+1,486.98 चौरस मीटर एकूण 5,203.69 चौरस मीटर |
| विकासकाच्या हिश्याचे बाजार मूल्य 5203.69 चौ.मी. x ₹ 22,200 = ₹ 11,55,21,918 | ₹ 11,55,21,918 |
| जमिनीचे एकूण बाजार मूल्य (A) | 11,55,21,918 |
| मालकाच्या हिश्याची मोबदला रक्कम | |
| मालकाचा हिस्सा 48% (a) 5203.69 चौरस मीटरx48%=2497.77 चौरस मीटर 2497.77 चौरस मीटरx ₹ 29,700 x0.85= ₹ 6,30,56,204 | ₹ 6,30,56,204 |
| ₹ 1,75,00,000/- ठेवीवर व्याज (b) 2 वर्षासाठी (वार्षिक दर विवरणाच्या सूचना क्रमांक 33 (A) (ii) लागू करून) म्हणजेच ₹ 1,75,00,000 x 10 % x 2 = 35,00,000 | ₹ 35,00,000 |
| मोबदल्याची एकूण रक्कम (a+b) (B) | ₹ 6,65,56,204 |
| मोबदल्यापेक्षा जास्त असल्यामुळे बाजार मूल्यावर 5 टक्के दराने आकारणी योग्य मुद्रांक शुल्क | ₹ 57,76,096 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 18,37,500 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 39,38,596 |
| विभागाद्वारे परिगणना | |
| मोबदला रक्कम | ₹ 3,56,80,416 |
| जमिनीचे बाजार मूल्य | ₹ 3,56,80,416 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 18,37,500 |

परिशिष्ट 2.11.2

(संदर्भ: परिच्छेद 2.11.1.2; पृष्ठ: 113)

मालकाच्या हिश्याची चुकीची परिगणना झाल्यामुळे ₹ 55.13 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | | | |
|--|---|---------------------------|------------------------------|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक, वर्ग-II, अमरावती शहर-II, जिल्हा अमरावती | | |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 2587/2016 | | |
| मालमत्तेचा तपशील | अमरावती महानगर पालिकेच्या हद्दीतील तालुका- अमरावती, मौजा- बडनेरा येथे स्थित सर्व्हे क्रमांक 159/1,159/2 आणि 162 वरील 14,600 चौरस मीटर मोजमाप असलेल्या आणि सर्व्हे क्र. 160 आणि 164/2 वरील 4800 चौरस मीटर मोजमाप असलेल्या, एकूण 19,400 चौरस मीटर मोजमाप असलेल्या जमिनीच्या विकासासाठी. | | |
| लेखापरीक्षणाने केलेली परिगणना | | | |
| वार्षिक दर विवरण | 2016-17 | | |
| मौजा | बडनेरा, जिल्हा-अमरावती | | |
| सर्व्हे क्रमांक 159/1, 159/2 व 162 (झोन 17.522) करिता खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 2,000 प्रति चौरस मीटर | | |
| सर्व्हे क्रमांक 160 व 164/2 (झोन 17.435) करिता खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 1,050 प्रति चौरस मीटर | | |
| 2016-17 च्या वार्षिक दर विवरणाच्या सूचना क्रमांक 7(i) (बी) नुसार न्यूनतम निवासी युनिट दर (1050+19000)x 1.15 = ₹ 23,058) | ₹ 23,058 प्रति चौरस मीटर | | |
| सर्व्हे क्रमांक आणि जमिनीचे क्षेत्रफळ | सर्व्हे क्रमांक/ हिस्सा क्रमांक | क्षेत्रफळ हेक्टर मध्ये | क्षेत्रफळ चौरस मीटर मध्ये |
| | 159/1 | 0-51 | 5100 |
| | 159/2 | 0-11 | 1100 |
| | 160 | 0-16 | 1600 |
| | 162 | 0-84 | 8400 |
| | 164/2 | 0-32 | 3200 |
| | | 1-94 | 19400 |
| विकासकाच्या हिश्याची परिगणना (पूर्ण जमिनीचे बाजार मूल्य) | | | |
| सर्व्हे क्रमांक 159/1, 159/2 व 162 करिता (5100 चौरस मीटर + 1100 चौरस मीटर + 8400 चौरस मीटर = 14600 चौरस मीटर) 14600x2000= ₹ 2,92,00,000 (a) | | | |
| सर्व्हे क्रमांक 160 व 164/2 करिता (1600 चौरस मीटरx3200 चौरस मीटर=4800 चौरस मीटर) 4800x 1050 = ₹ 50,40,000 (b) | | | |
| जमिनीचे एकूण बाजार मूल्य (a +b) (A) | ₹ 3,42,40,000 | | |
| मालकाच्या हिश्याची परिगणना (मोबदला) | | | |
| मालकाचा हिस्सा 35 टक्के 19,400 चौरस मीटरx 35% = 6790 चौरस मीटर 6790 चौरस मीटरx ₹ 23,058 x 0.85 = ₹ 13,30,79,247 | ₹ 13,30,79,247 | | |
| मालकाच्या हिश्याची एकूण रक्कम (B) | ₹ 13,30,79,247 | | |
| 5 टक्के दराने आकारणी योग्य मुद्रांक शुल्क | ₹ 66,53,962 | | |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 11,41,400 | | |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 55,12,562 | | |

| परिशिष्ट 2.11.2 (पुढे..) | |
|--|-----------------------|
| सह दुय्यम निबंधक-II, अमरावती, जिल्हा अमरावतीद्वारे केलेली परिगणना | |
| मोबदला रक्कम | ₹ 2,28,27,000 |
| जमिनीचे बाजार मूल्य | ₹ 2,28,27,000 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 11,41,400 |
| सह जिल्हा निबंधक, वर्ग-I, अमरावती, जिल्हा अमरावतीद्वारे केलेली परिगणना | |
| मोबदला रक्कम (मालकाचा हिस्सा) | |
| रस्ता आणि मोकळी जागा वगळल्यानंतर भूखंडाचे क्षेत्रफळ 16675.17 DCR नुसार चटई क्षेत्र निर्देशांक-1.1 नुसार अनुज्ञेय बांधकाम केलेले क्षेत्र 18342.68 चौ.मी. (19000+1050)×1.15×18342.68 = ₹ 42,29,36,344 मालकाचा हिस्सा 35 टक्के ₹ 42,29,36,344 × 35% × 0.85 = ₹ 12,58,23,662.36 | ₹ 12,58,23,662.36 |
| आकारणयायोग्य मुद्रांक शुल्क ₹ 12,5823,662.36 × 5% = ₹ 62,91,183 | ₹ 62,91,183 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 11,41,400 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 51,49,783 |
| नोंदणी महानिरिक्षक आणि मुद्रांक नियंत्रक, पुणे यांच्या कार्यालयाद्वारे केलेली परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2016-17 |
| मौजा | बडनेरा जिल्हा अमरावती |
| सर्व्हे क्रमांक 159/1, 159/2 व 162 (झोन 17.522) करिता खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 2,000 प्रति चौ.मी. |
| सर्व्हे क्रमांक 160 व 164/2 (झोन 17.435) करिता खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 1,050 प्रति चौ.मी. |
| 2016-17 च्या वार्षिक दर विवरणाच्या सूचना क्रमांक 7(i)(B) नुसार न्यूनतम निवासी युनिट दर (1050+19000)×1.15 = ₹ 23058 | ₹ 23,058 प्रति चौ.मी. |
| एकूण क्षेत्रफळ | 19400 चौ.मी. |
| विकासकाच्या हिश्याची परिगणना (पूर्ण जमिनीचे बाजार मूल्य) सर्व्हे क्रमांक 159/1, 159/2 व 162 करिता (5100 चौ.मी. +1100 चौ.मी. +8400 चौ.मी.=14,600 चौ.मी.) 14600×2000= ₹ 2,92,00,000 (a) ₹ 50,40,000 सर्व्हे क्रमांक 160 व 164/2 करिता (1600 चौ.मी. +3200 चौ.मी. = 4,800 चौ.मी.) 4800 × 1050 = ₹ 50,40,000 (b) | |
| जमिनीचे एकूण बाजार मूल्य (a+b) (A) | ₹ 3,42,40,000 |
| मालकाच्या हिश्याची परिगणना (मोबदला) एकूण अनुज्ञेय बांधलेले क्षेत्रफळ 21010.71 चौ.मी. त्यापैकी मालकाचा हिस्सा 35 टक्के 21,010.71 चौ.मी. × 35 टक्के= 7353.74 चौ.मी. 7353.74 चौ.मी. × ₹ 24,150 × 0.85 = ₹ 15,09,53,898 | ₹ 15,09,53,898 |
| मालकाच्या हिश्याची एकूण रक्कम (B) | ₹ 15,09,53,898 |
| 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 75,47,694 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 11,41,400 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 64,06,294 |

परिशिष्ट 2.11.3

(संदर्भ: परिच्छेद 2.11.1.3; पृष्ठ: 114)

मालकाच्या हिश्याची चुकीची परिगणना केल्यामुळे ₹ 1.07 कोटी मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | | | |
|--|---|-------------------------------|-------------------------------|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक -VIII हवेली, जिल्हा पुणे | | |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 5469/2016 | | |
| जमिनीचा तपशील | पुणे महानगर पालिकेच्या हद्दीतील गाव येवलेवाडी, तालुका हवेली येथे वसलेल्या सर्व्हे क्रमांक 15 भाग आणि 16 भाग येथे 67.272 चौ.मी. जमिनीचा विकास. (तपशील सर्व्हेनुसार खालीलप्रमाणे) | | |
| | सर्व्हे क्रमांक | क्षेत्रफळ हेक्टर मध्ये | क्षेत्रफळ चौ.मी. मध्ये |
| | 15/1 (भाग) | 00 H 53.72 R | 5,372 |
| | 16/1/4 | 00 H 23.00 R | 2,300 |
| | 16/1/8 A/1 | 00 H 68.00 R | 6,800 |
| | 16/1/8 A/2 | 00 H 68.00 R | 6,800 |
| | 16/1/8 B/1 | 01 H 02.00 R | 10,200 |
| | 16/1/8 B/2 | 00 H 34.00 R | 3,400 |
| | 16/1/9 | 00 H 61.00 R | 6,100 |
| | 16/1/10 | 00 H 83.00 R | 8,300 |
| | 16/1/11 | 00 H 33.00 R | 3,300 |
| | 16/1/12/2 | 01 H 04.00 R | 10,400 |
| | 16/1/12/3 | 00 H 68.00 R | 4,300 |
| | एकूण | 06 H 72.72 R | 67,272 |
| लेखापरिक्षणाद्वारे परिगणना | | | |
| वार्षिक दर विवरण | 2016-17 | | |
| झोन क्रमांक/विभाग क्रमांक | 65/717, 65/718 | | |
| मौझा/गांव | येवलेवाडी | | |
| सर्व्हे क्र. 15 करिता खुल्या जमिनीचा दर | ₹ 10,000 प्रति चौ.मी. | | |
| सर्व्हे क्र. 15 करिता निवासी युनिट दर | ₹ 35,000 प्रति चौ.मी. | | |
| सर्व्हे क्र. 16 करिता खुल्या जमिनीचा दर | ₹ 9000 प्रति चौ.मी. | | |
| सर्व्हे क्र. 16 करिता निवासी युनिट दर | ₹ 33000 प्रति चौ.मी. | | |
| जमिनीचे क्षेत्रफळ | सर्व्हे क्र 15/1 (भाग) चे 5,372 चौ.मी. आणि सर्व्हे क्र 16 (भाग) चे 61,900 चौ.मी. एकूण 67,272 चौमी | | |
| मालक: विकासक त्यांच्यातील हिश्याचे प्रमाण | न विकलेली युनिट्स 28.20 : 71.80 वाटप केलेला परिसर 12.90 : 87.10 रो हाऊस व व्हिला 43.00 : 57.00 | | |
| वार्षिक दर विवरणाच्या सूचना 16 (c) नुसार जमिनीचे बाजार मूल्य 5372 चौमीx₹ 10000x90 टक्के =₹ 4,83,48,000 (a) 61900 चौमीx₹ 9000 x 90 टक्के =₹ 50,13,90,000(b) एकूण: (a+b) = ₹ 54,97,38,000 | ₹ 54,97,38,000 | | |
| मोबदला रक्कम (मालकाचा हिस्सा) नोंद : सर्व्हे क्रमांक 16 मधील निवासी इमारतीचे दर (कमी असल्याने) मूल्यांकनाच्या उद्देशाने स्वीकारले जातात | | | |

| परिशिष्ट 2.11.3 (पुढे..) | |
|--|--------------------|
| वाटप केलेल्या जागेसाठी विक्रीतून मिळालेल्या उत्पन्नातील हिस्सा 3,00,853 चौ.फूट म्हणजेच 27960.31 चौमी क्षेत्रफळ उत्पन्नातील हिस्सा 27,960.31 चौ. मी. x 12.9 टक्के x ₹ 33,000 x 0.85 | ₹ 10,11,72,984 (a) |
| रो हाऊस व व्हिला यांच्या विक्रीतून मिळालेल्या उत्पन्नातील हिस्सा 6749.38 चौ. मी. x 43 टक्के x ₹ 33000 x 0.85 | ₹ 8,14,07,647 (b) |
| न विकलेल्या परिसरासाठी विक्रीतून मिळालेल्या उत्पन्नातील हिस्सा एकूण FSI = 74,202 चौ. मी. 74,202 चौ. मी. - 27,960.31 चौ. मी.- 6,749.38 चौ.मी. = 39,492.31 चौ. मी. 39,492.31 चौ. मी. x 28.20 टक्के x ₹ 33,000 x 0.85 | ₹ 31,23,88,121 (c) |
| एकूण मोबदला रक्कम (a+b+c) | ₹ 49,49,68,752 |
| बाजार मूल्य जास्त असल्यामुळे त्यावर 5 टक्के दराने आकारण्यायोग्य मुद्रांक शुल्क | ₹ 2,74,86,900 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 1,67,55,000 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 1,07,31,900 |
| सह दुय्यम निबंधक -VIII हवेली, जिल्हा पुणे यांच्याद्वारे परिगणना | |
| बाजार मूल्य | ₹ 12,04,35,200 |
| मोबदला रक्कम | ₹ 33,50,65,000 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 1,67,55,000 |
| नोंदणी महानिरिक्षक आणि मुद्रांक नियंत्रक, पुणे यांच्याद्वारे परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरणाच्या सूचना क्रमांक 31 नुसार जमिनीचे बाजार मूल्य 67,672 चौ.मी. x ₹ 10,000 x 1.25 | ₹ 84,09,00,000 |
| आकारण्यायोग्य मुद्रांक शुल्क | ₹ 4,20,45,000 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 1,67,55,000 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 2,52,90,000 |

परिशिष्ट 2.11.4

(संदर्भ: परिच्छेद 2.11.2.1; पृष्ठ: 115)

मालकाच्या हिश्याची चुकीची परिगणना केल्यामुळे ₹ 10.27 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|--|--|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक, हवेली-X, जिल्हा पुणे |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 2036/2015 |
| मालमत्तेचा तपशील | गट क्रमांक 637 असलेला गाव किरकटवाडी (प्रभाव क्षेत्र), तालुका हवेली, जिल्हा पुणे येथील 3600 चौरस मीटर मोजमापाच्या जमिनीच्या तुकड्याच्या विकासासाठी. |
| लेखापरीक्षणाने केलेली परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2015 |
| मौजा | किरकटवाडी (प्रभाव क्षेत्र) तालुका हवेली, जिल्हा-पुणे |
| गट क्रमांक | 637 |
| खुल्या जमिनीचा दर/झोन/विभाग क्रमांक 25/25.1 | ₹ 1,340 प्रति चौ.मी. |
| बांधकाम दर | ₹ 15,400 प्रति चौ.मी. |
| जमिनीचे क्षेत्रफळ | ₹ 3,600 चौ.मी. |
| मोबदला रक्कम (मालकाचा हिस्सा) | |
| मालकाचे क्षेत्रफळ 18,480 चौ.मी. म्हणजेच 1717.47 चौरस मीटर 1717.47 चौ.मी.x ₹ 15,400 | ₹ 2,64,49,038 (a) |
| ₹ 44,00,000 सुरक्षा ठेवीवर 7 वर्षाकरिता व्याज म्हणजेच 44,00,000 x 10 टक्के x 7 वर्षे | ₹ 30,80,000 (b) |
| 2 बंगल्यांचे भूखंड 2x 200 चौरस मीटरx ₹ 1,340 | ₹ 5,36,000 (c) |
| मोबदल्याची एकूण रक्कम (a+b+c) | ₹ 3,00,65,038 (A) |
| विकासाच्या हिश्याचे बाजार मूल्य | |
| मान्य केल्याप्रमाणे प्रस्तावित बांधकाम केलेल्या क्षेत्राच्या वाटणीचे गुणोत्तर 40 (मालक): 60 (विकासक), VG 32 लागू करण्यासाठी विकासाच्या हिस्स्यामध्ये समाविष्ट असलेल्या जमिनीचे क्षेत्रफळ काढण्यासाठी लागू केले जाते. 3,600 च्या 60 टक्के =2,160 चौ.मी.x ₹ 1,340 | ₹ 28,94,400 (B) |
| मोबदल्यावर 4 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 12,02,602 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 1,76,000 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 10,26,602 |
| विभागाद्वारे केलेली परिगणना | |
| मोबदला रक्कम | ₹ 44,00,000 |
| जमिनीचे बाजार मूल्य | ₹ 42,00,000 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 1,76,000 |

परिशिष्ट 2.11.5

(संदर्भ: परिच्छेद 2.11.3.1; पृष्ठ: 117)

मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 91.43 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|--|---|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक, मुंबई-1 |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 7992/2015 |
| मालमत्तेचा तपशील | मलबार-कंबाला हिल विभागातील 56-62, अ, ऑगस्ट क्रांति मार्ग येथे स्थित सी.टी.एस. क्र. 540 असलेले 648.83 चौ.मी. मोजमाप असलेले क्षेत्र |
| लेखापरीक्षणाद्वारे परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2015 |
| झोन/विभाग क्रमांक | 7/64 अ |
| बांधकामाचा खर्च | ₹ 25,000 प्रति चौ.मी. |
| खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 2,74,400 प्रति चौ.मी. |
| भूखंडाचे क्षेत्रफळ चौ.मी. मध्ये | 648.83 चौ.मी. |
| एकूण चटई क्षेत्र निर्देशांक (3*648.83) | 1946.49 चौ.मी. |
| विद्यमान सदस्यांसह एकूण क्षेत्रफळ | 2064.20 चौ.मी.(A) |
| प्रोत्साहन चटई क्षेत्र निर्देशांक म्हणून विद्यमान सदस्यांसह एकूण क्षेत्रफळाच्या 50 टक्के जोडा | 1032.10 चौ.मी. (B) |
| एकूण (A+B) | 3096.30 चौ.मी. |
| वजा विद्यमान भाडेकरूंकडे (सदस्य) उपलब्ध क्षेत्र | 2064.20 चौ.मी. |
| विकासकाकडे उपलब्ध उर्वरित क्षेत्र | 1032.10 चौ.मी. |
| शिल्लक क्षेत्राचे बाजार मूल्य (1032.10*₹ 2,74,400) | ₹ 28,32,08,240 |
| विकासकाकडे उपलब्ध शासनाच्या मान्य मर्यादेपेक्षा अतिरिक्त क्षेत्राचे बाजार मूल्य 1032.10*0.35*2,74,400*0.4 | ₹ 3,96,49,154 |
| एकूण बाजार मूल्य | ₹ 32,28,57,394 |
| मोबदला | |
| सदस्यांना देण्यात येणारा क्षेत्राचा बांधकाम खर्च (2777.98*25,000) | ₹ 6,94,49,500 |
| कार पार्कींग खर्च (32*13.75*25,000*0.25) | ₹ 27,50,000 |
| कष्टाची भरपाई | ₹ 3,33,00,000 |
| विस्थापन भरपाई (28417800*3) | ₹ 8,52,53,400 |
| दलाली शुल्क (एक महिन्याचे भाडे) (2,84,17,800/12) | ₹ 23,68,150 |
| स्थानांतरण शुल्क (16*2*15,000) | ₹ 4,80,000 |
| एकूण मोबदला | ₹ 19,36,01,050 |
| बाजार मूल्यावर @ 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क (₹ 32,28,57,394) | ₹ 1,61,42,870 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 70,00,000 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 91,42,870 |
| विभागाद्वारे परिगणना | |
| मोबदल्याची रक्कम | ₹ 13,95,86,500 |
| जमिनीचे बाजार मूल्य | ₹ 13,95,86,500 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 70,00,000 |

परिशिष्ट 2.11.6

(संदर्भ: परिच्छेद 2.11.3.2; पृष्ठ: 118)

मोबदल्याच्या चुकीच्या परिगणनेमुळे ₹ 17.70 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी - सोसायटीचा पुनर्विकास

| | |
|--|---|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक-VII, बोरीवली |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 8840/2014 |
| मालमत्तेचा तपशील | मुंबई उपनगर जिल्हा, तालुका बोरीवली, गाव एकसर येथे स्थित सीटीएस क्र. 1404, 1404/1 ते 23 असलेली 3539.58 चौ.मी. मोजमापाची खोटे जमिनीचे सर्व तुकडे. |
| लेखापरीक्षणाद्वारे केलेली परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2014 |
| सीटीएस क्रमांक | 1404,1404/1 ते 23 |
| झोन/विभाग क्रमांक | 87/394 |
| बांधकाम खर्च | ₹ 17,600 प्रति चौ.मी. |
| सरसकट दर/फ्लॅटचे दर | ₹ 1,02,300 प्रति चौ.मी. |
| खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 46,100 प्रति चौ.मी. |
| भूखंड क्षेत्रफळ चौ.मी. मध्ये | 3539.58 चौ.मी. |
| एकूण चटई क्षेत्र निर्देशांक (एफ एस आय) (2.7*3539.58) | 9556.87 चौ.मी. |
| सदस्यांना देण्यात येणारे एकूण क्षेत्र | 3786.10 चौ.मी. |
| विकासकाकडे उपलब्ध शिल्लक क्षेत्र | 5770.77 चौ.मी. |
| विकासकाकडे उपलब्ध शिल्लक क्षेत्राचे बाजार मूल्य (5770.77*₹ 46100) | ₹ 26,60,32,497 |
| वजा एफएसआय/टीडीआर वर देय प्रिमियम (3539.58*1.7*0.6*₹ 46,100) | ₹ 16,64,38,131 |
| बाजार मूल्य (₹ 19,62,06,180-₹ 12,27,52,634) | 9,95,94,366 |
| मोबदला | |
| बांधकाम खर्च (3786.10*₹ 17,600) (A) | ₹ 6,66,35,360 |
| कार पार्कींग खर्च (49*13.75*₹ 17,600*0.25) (B) | ₹ 29,64,500 |
| निकाय निधी (C) | ₹ 3,46,12,212 |
| निवासीतांकरिता भाडे (D) (पहिल्या 12 महिन्यांकरिता-₹ 1,55,29,147 दुसऱ्या 12 महिन्यांकरिता-₹ 1,70,82,062 तिसऱ्या 12 महिन्यांकरिता-₹ 1,87,90,268 चौथ्या सहा महिन्यांकरिता-₹ 1,03,34,647 | ₹ 6,17,36,124 |
| व्यावसायिकांकरिता भाडे (E) (पहिल्या 12 महिन्यांकरिता-₹ 43,88,698 दुसऱ्या 12 महिन्यांकरिता-₹ 48,27,567 तिसऱ्या 12 महिन्यांकरिता-₹ 53,10,324 चौथ्या सहा महिन्यांकरिता-₹ 29,20,678 | ₹ 1,74,47,267 |
| निवासीतांकरिता दलाली शुल्क (दोन महिन्यांचे भाडे) (F) | ₹ 25,88,191 |
| दुकानांकरिता दलाली शुल्क (G) | ₹ 7,31,450 |
| स्थानांतरण शुल्क(49*₹ 20,000) (H) | ₹ 9,80,000 |
| आर्किटेक्ट/सल्लागार शुल्क (₹ 200000*4) (I) | ₹ 8,00,000 |
| सोसायटी कार्यालय (20*₹ 17600) (J) | ₹ 3,52,000 |
| एकूण मोबदला (A+B+C+D+E+F+G+H+I+J) | ₹ 1,88,47,104 |

| परिशिष्ट 2.11.6 (पुढे..) | | | | | |
|--|-----------------------|------------------------------------|---|--------------|---------------|
| मोबदल्यांवर 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | | | | | ₹ 94,42,355 |
| अनुच्छेद 54 अंतर्गत बँक हमीवर (₹ 8,00,00,000) आकारणीय मुद्रांक शुल्क | | | | | ₹ 4,00,000 |
| एकूण आकारणीय मुद्रांक शुल्क | | | | | ₹ 98,42,355 |
| संलेखाच्या नोंदणीच्या वेळी आकारलेले मुद्रांक शुल्क | | | | | ₹ 22,85,000 |
| लेखापरिक्षणाने लक्षात आणून दिलेली मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | | | | | ₹ 75,57,355 |
| लेखापरिक्षणाने लक्षात आणून दिल्यानंतर मुद्रांक शुल्क वसूल केले | | | | | ₹ 58,50,050 |
| मुद्रांक शुल्काच्या कमी वसुलीची शिल्लक रक्कम | | | | | ₹ 17,07,305 |
| सह दुय्यम निबंधक-VII, बोरीवली, मुंबई उपनगरद्वारे परिगणना | | | | | |
| मोबदल्याची रक्कम | | | | | ₹ 3,46,12,213 |
| बाजार मूल्य | | | | | निरंक |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | | | | | ₹ 22,85,000 |
| मुद्रांक जिल्हाधिकारी, बोरीवली, मुंबई उपनगरद्वारे परिगणना | | | | | |
| विकास हक्क प्रदान केलेले करार (42 महीने + 6 महिने वाढीव कालावधी) | | | | | |
| बीआरएल-7/8840/2014 | जमीन | सदनिका | कार्यालय | दुकान | बांधकाम खर्च |
| 2014 | 34,000 | 75,200 | | | 17600 |
| झोन-गाव-एकसर | 85/384 | | | | |
| भूखंड क्षेत्रफळ | 3539.58 | चौ.मी. | | | |
| | | चौ. फूट मध्ये विद्यमान चटई क्षेत्र | चौ. मी. मध्ये विद्यमान बांधकाम केलेले क्षेत्र | | |
| सदस्यांचे विद्यमान क्षेत्रफळ | | 23854.04 | 2660.30 | | |
| सदस्यांची/सदनिकांची संख्या/सदनिका | 49 | | | | |
| निवासी सदस्य | 41 | 21568.26 | 2405.38 | | |
| दुकानांचे सदस्य | 8 | 2285.78 | 254.92 | | |
| | | चौ. फूट मध्ये नवीन चटई क्षेत्र | चौ.मी. मध्ये एकूण नवीन बांधलेले क्षेत्र | | |
| अतिरिक्त नवीन क्षेत्र | 49 | 33948.70 | 3786.10 | | |
| निवासी सदस्य (33 टक्के+7 टक्के =40 टक्के) | 41 | 30695.81 | 3423.32 | | |
| दुकानांचे सदस्य (33 टक्के+7 टक्के =40 टक्के) | 8 | 3252.89 | 362.78 | | |
| अनुज्ञेय क्षेत्र | 3539.58 | X | 2.70 | = | 9556.87 |
| फंजीबल (Fungible) चटई क्षेत्र निर्देशांक | मोफत फंजीबल | | शुल्क आकारण्यायोग्य फंजीबल निवासी | | |
| 2,477.71 | 892.87 | | 1,584.84 | | |
| चटई क्षेत्र निर्देशांकाचा अनुज्ञेय/संभाव्य प्रकार | चौ.मी.मध्ये क्षेत्रफळ | X जमीन दर | X बहु कार्य | = एकूण मूल्य | |
| विद्यमान मूलभूत-1 | 3539.58 | 34,000 | | | 1,20,34,572 |
| उपलब्ध टीडीआर-1 | 3539.58 | 34,000 | 0.40 | | 4,81,38,288 |

| परिशिष्ट 2.11.6 (पुढे..) | | | | | |
|--|---------------------------|----------|----------|--------|---------------|
| फंजीबल चटई क्षेत्र निर्देशांक (3539.58+3539.58=7079.16) 7079.16x 0.35 = 2477.71 चौ.मी. | | | | | |
| 7079.16 | 2,477.71 | | | | |
| विद्यमान निवासी व दुकानांवर मोफत फंजीबल | 892.87 | 34,000 | 1.00 | | 3,03,57,502 |
| मोफत फंजीबल निवासी | 2,405.38 | 0.35 | 841.88 | | |
| मोफत फंजीबल दुकान | 254.92 | 0.20 | 50.98 | | |
| मोफत फंजीबल एकूण | | | 892.87 | | |
| निवासीतांवर अधिमूल्य आकारणे (2477.71-892.87-50.98=1533.85) | 1,533.85 | 34,000 | 0.40 | | 2,08,60,419 |
| (दुकानांवर 100% अधिमूल्य आकारले गेले आहेत म्हणजेच दुकानांवर मोफत फंजीबल नाही) | | | | | |
| दुकानांवर अधिमूल्य आकारणे | 50.98 | 34,000 | 1.00 | | 17,33,454 |
| एकूण | 9,556.87 | | | | 22,14,35,383 |
| सरासरी दर | एकूण मूल्य/एकूण क्षेत्र | | 23170.29 | | |
| बाजार मूल्य | शिल्लक क्षेत्र* सरासरी दर | | | | |
| 9,556.87 | 3786.10 | = | 5,770.77 | चौ.मी. | |
| | शिल्लक क्षेत्र *सरासरी दर | | | | |
| | 5,770.77 | 23170.29 | | | 13,37,10,329 |
| विकासकाच्या क्षेत्राचे मूल्य हे बाजार मूल्य आहे म्हणजेच ₹ | | | | | 13,37,11,000 |
| मोबदला | | | | | ₹ रक्कम मध्ये |
| निवासी व दुकानांच्या सदस्यांना नविन क्षेत्र देण्यात आले | 3786.10 | 17600 | | | 6,66,35,367 |
| निवासीतांना निकाय निधी आणि | 23854.04 | 1451 | | | 3,46,12,212 |
| निवासीतांसाठी भाडे पहिल्या 12 महिन्यांकरिता | 21568.26 | 60 | 12 | | 1,55,29,147 |
| दुसऱ्या 12 महिन्यांकरिता (10 टक्के) | 21568.26 | 66 | 12 | | 1,70,82,062 |
| तिसऱ्या 12 महिन्यांकरिता (10 टक्के) | 21568.26 | 72.60 | 12 | | 1,87,90,268 |
| चौथ्या 6 महिन्यांकरिता (10 टक्के) | 21568.26 | 79.86 | 6 | | 1,03,34,647 |
| 5. निवासीतांसाठी दलाली | | | | | |
| पहिल्या 12 महिन्यांकरिता | 21568.26 | 60 | 2 | | 25,88,191 |
| 6. दुकान भाडे | | | | | |
| पहिल्या 12 महिन्यांकरिता (10 टक्के) | 2285.78 | 160 | 12 | | 43,88,698 |
| दुसऱ्या 12 महिन्यांकरिता (10 टक्के) | 2285.78 | 176 | 12 | | 48,27,567 |
| तिसऱ्या 12 महिन्यांकरिता (10 टक्के) | 2285.78 | 193.6 | 12 | | 53,10,324 |
| चौथ्या 6 महिन्यांकरिता (10 टक्के) | 2285.78 | 212.96 | 6 | | 29,20,678 |
| 7. दुकानांसाठी दलाली | | | | | |
| पहिल्या टर्म साठी | 2285.78 | 160 | 2 | | 7,31,450 |

| परिशिष्ट 2.11.6 (पुढे..) | | | | | |
|--------------------------|-------|-------|---|------|--------------|
| 8. स्थलांतरण शुल्क | 20000 | 49 | | | 9,80,000 |
| 9. कार पार्किंग | 13.75 | 17600 | 49 | 0.25 | 29,64,500 |
| 10. सोसायटी कार्यालय | 20.00 | 17600 | | | 3,52,000 |
| 11. वकिलाचे शुल्क | | | | | 8,00,000 |
| | | | | एकूण | 18,88,47,111 |
| | | | एकूण मोबदला | | 18,88,48,000 |
| | | | 5(g-a) वर आकारणीय मुद्रांक शुल्क | | 94,42,400 |
| | | | 54(ii) वर आकारणीय मुद्रांक शुल्क | | 4,00,000 |
| | | | एकूण आकारणीय मुद्रांक शुल्क | | 98,42,400 |
| | | | एकूण आकारलेले मुद्रांक शुल्क | | 22,85,000 |
| | | | चालान 24.06.2019 द्वारे मुद्रांक शुल्काची वसुली केली गेली | | 58,50,050 |
| | | | मुद्रांक शुल्काची थकित रक्कम | | 17,07,350 |

परिशिष्ट 2.12.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.12.1; पृष्ठ: 119)

मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 40.96 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|--|---|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक-II, हवेली, जिल्हा पुणे. |
| परिच्छेद क्रमांक व निरीक्षण अहवालाचे वर्ष | निरीक्षण अहवाल 2016-17 चा परिच्छेद-4 |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 1571/2016 |
| मालमत्तेचा तपशील | पुणे महानगर पालिकेच्या हद्दीतील जिल्हा- पुणे, तालुका- हवेली ,धानोरी गावातील सर्व्हे क्रमांक 90/B ची 40 एकर म्हणजे 4000 चौ.मी. मोजमाप असलेली जमीन, सर्व्हे क्रमांक 90/A/2 ची 1 हेक्टर 42 R म्हणजे 14200 चौ.मी. मोजमाप असलेली जमीन आणि सर्व्हे क्रमांक 90/A/1/2 ची 61 R म्हणजे 6100 चौ.मी. जमीन म्हणजेच एकूण 2 हेक्टर 43 R म्हणजे 24300 चौ.मी. मोजमाप असलेल्या जमीनीसाठी. |
| लेखापरीक्षणाद्वारे परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2015 |
| झोन क्रमांक | 26/409 |
| मौजा/गाव | धानोरी, तालुका हवेली |
| सर्व्हे क्रमांक | 90/B, 90/A/2 व 90/A/1/2 |
| खुल्या जमिनीचा दर | ₹ 14,040 प्रति चौ.मी. |
| जमिनीचे क्षेत्रफळ | 24,300 चौ.मी. |
| सूचना क्रमांक 16 (b)नुसार जमिनीचे खरे बाजार मूल्य | ₹ 22,78,69,200 |
| 500 चौ.मी. x 14,040 x 100 टक्के = ₹ 70,20,000 | |
| 1,500 चौ.मी. x 14,040 x 90 टक्के = ₹ 1,89,54,000 | |
| 2,000 चौ.मी. x 14,040 x 80 टक्के = ₹ 2,24,64,000 | |
| 6,000 चौ.मी. x 14,040 x 70 टक्के = ₹ 5,89,68,000 | |
| 14,300 चौ.मी. x 14,040 x 60 टक्के = ₹ 12,04,63,200 | |
| एकूण : ₹ 22,78,69,200 | |
| 6 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 1,36,72,152 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 95,76,000 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 40,96,152 |
| सह दुय्यम निबंधक-II, हवेली, जिल्हा-पुणे द्वारे परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2015 |
| झोन क्रमांक | 26/409 |
| मौजा/गाव | धानोरी, तालुका हवेली |
| सर्वेक्षण क्रमांक | 90/B, 90/A/2 व 90/A/1/2 |
| खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 14,040 प्रति चौ.मी. |
| जमिनीचे क्षेत्रफळ | 24,300 चौ.मी. |
| सूचना क्रमांक 16(B) नुसार जमिनीचे बाजार मूल्य | ₹ 22,78,69,200 |
| 500 चौ.मी. x 14,040 x 100 टक्के = ₹ 70,20,000 | |
| 1,500 चौ.मी. x 14,040 x 90 टक्के = ₹ 1,89,54,000 | |
| 2,000 चौ.मी. x 14,040 x 80 टक्के = ₹ 2,24,64,000 | |
| 6,000 चौ.मी. x 14,040 x 70 टक्के = ₹ 5,89,68,000 | |
| 14,300 चौ.मी. x 14,040 x 60 टक्के = ₹ 12,04,63,200 | |
| एकूण : ₹ 22,78,69,200 | |
| बाजार मूल्याच्या 70 टक्के (A) | ₹ 15,96,00,000 |
| मोबदल्याची रक्कम (B) | ₹ 8,62,00,000 |
| बाजार मूल्याच्या 70 टक्क्यांवर 6 टक्के दराने आकारलेले मुद्रांक शुल्क (A) | ₹ 95,76,000 |

परिशिष्ट 2.12.2

(संदर्भ: परिच्छेद 2.12.2; पृष्ठ: 121)

मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 56.06 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | |
|--|---|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक, अंधेरी-I, MSD |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 9353/2018 |
| मालमत्तेचा तपशील | गाव-विले पार्ले (पश्चिम), तालुका-अंधेरी, मुंबई उपनगर येथे स्थित सीटीएस क्र. 435, 435/1 च्या 1012.80 चौ.मी. मोजमापाच्या म्हणजेच 3922 चौ.मी. ते 4934.80 चौ.मी. जमिनीचे क्षेत्र अभिहस्तांतरण पत्रात सुधारण्यासाठी. |
| लेखापरीक्षणाद्वारे केलेली परिगणना | |
| वार्षिक दर विवरण | 2017-18 |
| झोन क्रमांक | 37/190 |
| मौजा/गाव | विले पार्ले (पश्चिम), तालुका अंधेरी MSD |
| CTS क्रमांक | 434,435, 435/1 |
| खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 1,57,000 प्रति चौ.मी. |
| जमिनीचे क्षेत्रफळ | 1012.80 चौ.मी. |
| जमिनीचे बाजार मूल्य 1012.80 चौ.मी. x ₹ 1,57,000 | ₹ 15,90,09,600 |
| बाजार मूल्यावर 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 79,50,480 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 23,44,300 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 56,06,180 |
| सह दुय्यम निबंधक अंधेरी-I, MSD द्वारे परिगणना | |
| मोबदल्याची रक्कम | निरंक |
| मालमत्तेचे बाजार मूल्य | ₹ 4,68,86,000 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 23,44,300 |

परिशिष्ट 2.13.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.13; पृष्ठ: 122)

गहाणखतांचे एकत्रीकरण केल्यामुळे ₹ 30.00 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | | | | |
|--|---|--|--|---|
| कार्यालयाचे नाव | मुद्रांक जिल्हाधिकारी, अंधेरी, जिल्हा मुंबई उपनगर. | | | |
| ADJ केस क्रमांक | ADJ/1100900/1108/2018 दिनांक 11/10/2018 | | | |
| व्यवहाराचे तपशील | एकूण कर्जाची रक्कम ₹ 6,25,00,00,000 सुरक्षित करण्याकरीता दिनांक 28 फेब्रुवारी 2018 च्या कराराद्वारे ₹ 1,45,00,00,000, दिनांक 22 डिसेंबर 2017 चा कर्ज करार रक्कम ₹ 2,00,00,00,000, दिनांक 26 जून 2018 चा कर्ज करार रक्कम ₹ 1,60,00,00,000 आणि दिनांक 12 सप्टेंबर 2018 चा कर्ज करार रक्कम ₹ 1,20,00,00,000. | | | |
| लेखापरीक्षणाद्वारे केलेली परिगणना | | | | |
| | | | | रक्कम ₹ |
| कर्ज करार दिनांक | मंजुरी दिनांक | कर्जाची रक्कम व व्याज दर | 0.5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | अनुच्छेद 40 (ब) नुसार मर्यादित मुद्रांक शुल्क |
| 28.02.2018 | 21.02.2018 | ₹ 1,45,00,00,000 (व्याज दर 14.10 टक्के) | ₹ 72,50,000 | ₹ 10,00,000 |
| 22.12.2017 | 15.12.2017 | ₹ 2,00,00,00,000 (व्याज दर 14.10 टक्के) | ₹ 1,00,00,000 | ₹ 10,00,000 |
| 26.06.2018 | 20.06.2018 | ₹ 1,60,00,00,000 (व्याज दर 15.00 टक्के) | ₹ 80,00,000 | ₹ 10,00,000 |
| 12.09.2018 | 10.09.2018 | ₹ 1,20,00,00,000 (व्याज दर 15.90 टक्के) | ₹ 60,00,000 | ₹ 10,00,000 |
| | | ₹ 6,25,00,00,000 | एकूण देय मुद्रांक शुल्क | ₹ 40,00,000 |
| | आकारलेले मुद्रांक शुल्क | | | ₹ 10,00,000 |
| | मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | | | ₹ 30,00,000 |
| मुद्रांक जिल्हाधिकारी, अंधेरी, जिल्हा मुंबई उपनगरद्वारे परिगणना | | | | |
| कर्ज रक्कम | | | | ₹ 6,25,00,00,000 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | | | | ₹ 10,00,000 |

परिशिष्ट 2.14.1

(संदर्भ: परिच्छेद 2.14; पृष्ठ: 124)

मालमत्तेच्या न्यून मूल्यांकनामुळे ₹ 23.12 लाख मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी

| | | |
|---|---|--------------------|
| कार्यालयाचे नाव | सह दुय्यम निबंधक, मुंबई शहर-I | |
| दस्तावेज क्रमांक व वर्ष | 13461/2015 | |
| मालमत्तेचा तपशील | वार्ड क्रमांक A-206,(1,1A) रस्ता क्रमांक 147 आणि 5 आणि 7A कुलाबा रोड, ससून डॉक कुलाबा रोड जंक्शनवर स्थित कुलाबा विभागातील कॅडस्ट्रल सर्व्हे क्रमांक 64 वरील 2170.58 चौ.मी. (दिनांक 8 जुलै 2002 च्या हस्तांतरण विलेखानुसार) आणि 1781.79 चौ.मी. (मुंबई शहर आणि बेटासाठी असलेल्या सर्वेक्षण नोंदवहीनुसार) तसेच वार्ड 'A' ,रस्ता क्रमांक 147 मधील कॅडस्ट्रल सर्व्हे क्रमांक 1/64 वरील 388.80 चौ.मी. मोजमापाची जमिनीची पट्टी यावरील भाडेतत्वावरील जमिनीच्या सर्व तुकड्यांवरील प्रथम विमोचनकर्त्याचे 30 टक्के व्याज या संपूर्ण मालमत्तेवर वर्ष 1931 पूर्वी बांधलेल्या संरचनेचे एकूण बांधकाम क्षेत्र 2507.23 चौ.मी. (बांधकाम क्षेत्र) आहे, ज्यापैकी 423.60 चौ.मी. (बांधकाम क्षेत्र) चा वापर व्यावसायिक कारणासाठी आणि 2080 चौ.मी. (बांधकाम क्षेत्र) चा वापर निवासी उद्देशासाठी केला जातो. | |
| लेखापरीक्षाद्वारे परिगणना | | |
| | प्रकार | हक्क सोड |
| | अभिनिर्णय संख्या | एडीजे/एम/1145/2015 |
| | आर आर झोन | 1/5 |
| | अंमलबजावणी तारीख | 30.12.2015 |
| | वार्षिक दर विवरण वर्ष | 2015 |
| | खुल्या जमिनीचे दर | ₹ 2,71,900 |
| | निवासी दर | ₹ 6,02,500 |
| | तळमजल्यावरील व्यावसायिक दर | ₹ 8,26,700 |
| X | भूखंड क्षेत्र | 2170.58 चौ.मी. |
| Y | अनुज्ञेय चटई क्षेत्र निर्देशांक (उपकर प्राप्त मालमत्ता) | 3 |
| XY | भूखंडाकरीता एकूण स्वीकार्य क्षेत्र (2170.58 चौ.मी. x 3) | 6511.74 चौ.मी. |
| B | भाडेकरूचे मासिक भाडे ₹ 666 + ₹ 540 + ₹ 808 = ₹ 2014 | ₹ 2014 |
| Z | भाडेकरूच्या ताब्यात असलेले एकूण क्षेत्र (882 चौ.मी. + 2046 चौ.मी. + 2348 चौ.मी.) x 1.2/10.76 | 588.40 चौ.मी. |
| H | रिलीझर व रिलीझी यांच्या ताब्यात असलेले एकूण निवासी क्षेत्र (शाश्वत भाडेपट्टा धारक) (2080.62 चौ.मी. - 588.40 चौ.मी.) | 1492.22 चौ.मी. |
| H | रिलीझर व रिलीझी यांच्या ताब्यात असलेले एकूण व्यावसायिक क्षेत्र (शाश्वत भाडेपट्टा धारक) | 423.60 चौ.मी. |
| (XY-Z-H) | शिल्लक चटई क्षेत्र निर्देशांक (6511.74 चौ.मी. -588.40 चौ.मी. -1492.22 चौ.मी. -423.60 चौ.मी.) | 4007.52 चौ.मी. |
| <p>भाडेकरूसह जुन्या मालमत्तेच्या मूल्यासाठी एएसआर ची सूचना क्रमांक 1. उदाहरण 2 : जर भाडेकरूच्या ताब्याखालील एकूण क्षेत्रफळ कमी असेल तर परवानगी दिलेल्या एफएसआय नुसार एकूण परवानगी योग्य क्षेत्र म्हणजे जर Z<XY असेल तर बाजार मूल्य खालीलप्रमाणे असावे. =112B+(XY-Z-H) x (रेडी रिकनर प्रमाणे जमीन दर)+(H x मालमत्तेच्या वय आणि वापरानुसार घसारा बाजार मूल्य दर) बाजार मूल्य= 122X ₹ 2014 + {(6511.74-588.40-1915.82) X ₹ 2,71,900} + { 423.60 X (₹ 8,26,700 X 30%)} + {1492.22 X (₹ 6,02,500 X 30%) बाजार मूल्य= ₹ 2,45,708 + (4007.52 X ₹ 2,71,900) + (423.60X ₹ 2,48,010) + (1492.22 X ₹ 1,80,750) बाजार मूल्य= ₹ 2,45,708 + ₹ 1,08,96,44,688 + ₹ 10,50,57,036 + ₹ 26,97,18,765</p> | | |

| परिशिष्ट 2.14.1 (पुढे..) | |
|---|--------------------|
| बाजार मूल्य | ₹ 1,46,46,66,197 |
| एकूण बाजार मूल्याच्या 30 टक्के | ₹ 43,93,99,860 |
| मोबदला | ₹ 3,70,00,000 |
| बाजार मूल्यावर 5 टक्के दराने आकारणीय मुद्रांक शुल्क | ₹ 2,19,69,993 |
| आकारणीय मुद्रांक शुल्क पूर्णाकीत | ₹ 2,19,70,000 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 1,96,57,900 |
| मुद्रांक शुल्काची कमी आकारणी | ₹ 23,12,100 |
| सह दुय्यम निबंधक, मुंबई शहर-1 द्वारे परिगणना | |
| मोबदल्याची रक्कम | ₹ 3,70,00,000 |
| जमिनीचे बाजार मूल्य | ₹ 39,31,57,000 |
| आकारलेले मुद्रांक शुल्क | ₹ 1,96,57,900 |



भारताचे नियंत्रक व महालेखापरीक्षक
<https://cag.gov.in>



<https://cag.gov.in/ag/nagpur/en>



सत्यमेव जयते

**Report of the
Comptroller and Auditor General of India
on
Compliance Audit
for the year ended March 2021**



SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थं सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest



Government of Maharashtra
Report No. 3 of the year 2023

**Report of the
Comptroller and Auditor General of India
on
Compliance Audit
for the year ended March 2021**

**GOVERNMENT OF MAHARASHTRA
Report No. 3 of the year 2023**

TABLE OF CONTENTS

| | Reference | |
|---|------------------|-------------|
| | Paragraph Number | Page Number |
| Preface | | ix |
| Executive Summary | | xi - xv |
| CHAPTER-I INTRODUCTION | | |
| About this report | 1.1 | 1 |
| Audited entity profile | 1.2 | 1 |
| Authority for audit | 1.3 | 2 |
| Organisational structure of the offices of the Principal Accountant General (Audit)-I, Mumbai and the Accountant General (Audit)-II, Nagpur | 1.4 | 2 |
| Planning and conduct of audit | 1.5 | 3 |
| Responsiveness of Government to Audit | 1.6 | 3 |
| CHAPTER II AUDIT OF TRANSACTIONS (STATE GOVERNMENT DEPARTMENTS) | | |
| Public Works Department | | |
| Buildings and Roads Deposit Works undertaken by Public Works Department | 2.1 | 7 |
| Undue benefit to the Concessionaire of ₹ 1.44 crore on account of delay in recovery of expenditure incurred by the department on repair works | 2.2 | 21 |
| Avoidable expenditure of ₹ 3.48 crore on widening of a road length notified as National Highway | 2.3 | 23 |
| Revenue and Forest Department | | |
| Implementation of the scheme of Creation of Swargiya Uttamrao Patil Van Udyans in Maharashtra | 2.4 | 25 |
| Department of Goods and Services Tax | | |
| GST Transitional Credits | 2.5 | 36 |
| GST Refunds | 2.6 | 49 |
| Short levy of Tax | 2.7 | 69 |
| Short levy of interest due to incorrect calculation | 2.8 | 69 |
| Excess grant of refund under MVAT | 2.9 | 70 |
| Stamp Duty and Registration Department | | |
| Short levy of Stamp Duty in cases of lease deed | 2.10 | 71 |

| | Reference | |
|---|------------------|-------------|
| | Paragraph Number | Page Number |
| Short levy of Stamp Duty due to undervaluation of property | 2.11 | 76 |
| Short levy of Stamp Duty in conveyance deed due to incorrect/non-application of provision of MS Act and ASR | 2.12 | 82 |
| Short levy of Stamp Duty due to non-consideration of distinct matters in one instrument and clubbing of Mortgage Deeds | 2.13 | 84 |
| Short levy of Stamp Duty in release deed | 2.14 | 84 |
| CHAPTER III AUDIT OF TRANSACTIONS (STATE PUBLIC SECTOR UNDERTAKINGS) | | |
| Energy Department | | |
| Maharashtra State Electricity Distribution Company Limited | | |
| Performance of Maharashtra State Electricity Distribution Company Limited Pre and Post Ujwal DISCOM Assurance Yojana (UDAY) | 3.1 | 87 |
| Transport Department | | |
| Maharashtra State Road Transport Corporation | | |
| Follow up Audit of Performance audit on 'Computerisation of e-ticketing system in Maharashtra State Road Transport Corporation' | 3.2 | 101 |
| Unfruitful expenditure of ₹ 4.05 crore | 3.3 | 114 |

| APPENDICES | Appendix Number | Page Number |
|---|-----------------|-------------|
| Statement showing the cluster-wise list of departments, autonomous bodies and public sector undertakings under the jurisdiction of the Accountant General (Audit)-II, Maharashtra, Nagpur | 1.1 | 117 |
| Department wise Outstanding Inspection Report/Paras issued upto December 2020 but outstanding as on 30 June 2021 | 1.2 | 119 |
| Position of outstanding EMs/UORs | 1.3 | 121 |
| Cluster wise position of PAC/COPU recommendations on which Action Taken Notes were awaited | 1.4 | 122 |
| List of sampled Divisions | 2.1.1 | 123 |
| Short release of fund | 2.1.2 | 124 |

| APPENDICES | Appendix Number | Page Number |
|--|------------------------|--------------------|
| Works halted due to paucity of funds & Incomplete works | 2.1.3 | 125 |
| Details of delay in testing of cement concrete cubes | 2.1.4 | 126 |
| Statement showing Ordinary Repairs carried out on risk and cost | 2.2.1 | 127 |
| Details of Bio-diversity parks taken up for creation in the selected 15 districts | 2.4.1 | 129 |
| Excess credit carried forward under section 140 (1), 140 (4) (a) as per Table 5c | 2.5.1 | 130 |
| Irregular credit carried forward under Sn.140(1), 140(4)(a), as per Table 5c without filing legacy return | 2.5.2 | 137 |
| Irregular availment of credit from previous legacy returns | 2.5.3 | 138 |
| Irregular carry forward of Unavailed Cenvat credit in respect of capital goods under Section 140(2) as per Table 6(b) | 2.5.4 | 139 |
| Irregular availment of credit of taxes on input held in stock or inputs contained in semi-finished or finished goods held in stock under Section 140(4)(b), 140(6) & 140(7) by Builders & Developers | 2.5.5 | 140 |
| Statement showing cases where Excess payment of GST Refund due to issue of double payment advice (Tax payer repaid the excess refund) | 2.6.1 | 142 |
| Statement showing cases where Excess payment of GST Refund due to issue of double payment advice (Tax payer not repaid the excess refund) | 2.6.2 | 144 |
| Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Delay in acknowledgement of applications) pre-automation | 2.6.3 | 145 |
| Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Delay in acknowledgement of applications) Post Automation | 2.6.4 | 146 |
| Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Provisional refund on account of zero rated supply not sanctioned within time) Pre-automation | 2.6.5 | 147 |
| List of Refund cases in which deficiency noticed (Provisional refund on account of zero rated supply not sanctioned within time) Post-automation | 2.6.6 | 148 |
| Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Interest due-paid/not paid) Pre-automation | 2.6.7 | 149 |

| APPENDICES | Appendix Number | Page Number |
|--|------------------------|--------------------|
| Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Final refund order not issued within time Interest due-paid/not paid) Post automation | 2.6.8 | 150 |
| Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Excess allowance of refund due to mismatch of Zero Rated Adjusted Turnover) | 2.6.9 | 151 |
| Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Excess refund due to consideration of incorrect components in case of zero rated goods/services – Incorrect Input Tax Credit) | 2.6.10 | 152 |
| Statement Showing List of Refund cases involving excess sanction of Refund due to consideration of incorrect components in case of zero rated goods/services- Irregular grant of refund on capital goods | 2.6.11 | 153 |
| Statement Showing Excess refund due to consideration of incorrect components in case of Inverted Duty Structure (Mismatch of inverted turnover with Statement 1-A/Annexure-B/GSRT 3B) | 2.6.12 | 154 |
| Statement Showing Excess refund due to consideration of incorrect components in case of Inverted Duty Structure (Incorrect determination of Adjusted Total Turnover) | 2.6.13 | 155 |
| Statement Showing Excess refund due to consideration of incorrect components in case of Inverted Duty Structure (Mismatch of Net ITC) | 2.6.14 | 157 |
| Statement Showing List of Refund cases showing non-compliance to instructions for re-credit and recovery of wrong/ineligible ITC | 2.6.15 | 158 |
| Statement Showing List of Refund cases in which Refunds sanctioned without submission of invoice details by the tax payers for refund under inverted duty structure (Annexure B) | 2.6.16 | 160 |
| Short Levy of Tax | 2.7.1 | 166 |
| Short levy of interest due to incorrect calculation | 2.8.1 | 167 |
| Excess grant of refund under MVAT | 2.9.1 | 168 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 1.06 crore on lease deed due to non-consideration of constructed area | 2.10.1 | 173 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 1.16 crore due to under valuation of property | 2.10.2 | 174 |

| APPENDICES | Appendix Number | Page Number |
|---|------------------------|--------------------|
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 12.29 lakh due to undervaluation of property | 2.10.3 | 175 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 16.26 lakh due to non-consideration of renewal period of lease | 2.10.4 | 176 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 21.93 lakh due to non consideration of renewal period of lease | 2.10.5 | 177 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 4.00 crore on renewal of lease deed | 2.10.6 | 178 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 39.39 lakh due to incorrect calculation of market value | 2.11.1 | 179 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 55.13 lakh due to incorrect calculation of owner's share | 2.11.2 | 180 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 1.07 crore due to incorrect consideration of Owner's share | 2.11.3 | 182 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 10.27 lakh due to incorrect calculation of Owner's share | 2.11.4 | 184 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 91.43 lakh due to undervaluation of property | 2.11.5 | 185 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 17.70 lakh due to incorrect calculation of consideration – Redevelopment of Society | 2.11.6 | 186 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 40.96 lakh due to undervaluation of property | 2.12.1 | 189 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 56.06 lakh due to undervaluation of property | 2.12.2 | 190 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 30.00 lakh due to clubbing of Mortgage Deeds | 2.13.1 | 191 |
| Short levy of Stamp Duty of ₹ 23.12 lakh due to undervaluation of property | 2.14.1 | 192 |

Preface

This report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31 March 2021 has been prepared for submission to the Governor of the State of Maharashtra under Article 151 of the Constitution of India.

This report relates to audit of the Government Departments, Autonomous Bodies and Public Sector Undertakings of the Government of Maharashtra (GoM) conducted under the provisions of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 and Regulations on Audit and Accounts, 2020 issued there under by the Comptroller and Auditor General of India. This report is required to be placed before the State Legislature under Article 151 (2) of the Constitution of India.

The instances mentioned in this report are those, which came to notice in the course of test audit for the period 2019-20 and 2020-21 as well as those which came to notice in earlier years, but could not be reported in the previous audit reports; instances relating to the period subsequent to 2020-21 have also been included, wherever necessary.

The audit has been conducted in conformity with the Auditing Standards (March 2017) issued by the Comptroller and Auditor General of India.

EXECUTIVE SUMMARY

This Report of the Comptroller and Auditor General of India (C&AG) relates to matters arising from compliance audit of government departments, autonomous bodies and public sector undertakings of the Government of Maharashtra. Compliance Audit refers to examination of the expenditure and revenue of the audited entities to ascertain whether the provisions of the Constitution of India, applicable laws, rules, regulations and various orders and instructions issued by the authorities are being complied with.

The primary purpose of this Report is to bring important results of audit to the notice of the State Legislature. The findings of audit are expected to enable the executive to take corrective actions and also to frame policies and directives that will lead to improved operational efficiency and financial management of the organisation, thus contributing to better governance.

This Report includes audit findings in three chapters. **Chapter I** includes “Introduction, Audited entity profile, Planning and conduct of audit and responsiveness of Government to Audit”, **Chapter II** includes Audit observations related to State Government Departments and **Chapter III** includes Audit observations related to Public Sector Undertakings.

A synopsis of Key findings contained in this report is presented below:

Chapter-I: Introduction

There are 14 departments, 9 autonomous bodies and 64 public sector undertakings of the Government of Maharashtra headed by Additional Chief Secretary/Principal Secretaries/Secretaries which are audited by the Accountant General (Audit)-II, Maharashtra, Nagpur.

Explanatory Memorandum on 112 paragraphs and reviews included in the Audit Report were outstanding. Action Taken Notes on 319 recommendations of Public Accounts Committee and Committee on Public Undertakings were pending from 14 departments.

Chapter –II: Audit of Transactions: State Government Departments

Buildings and Roads Deposit Works undertaken by Public Works Department

Audit of Buildings and Roads Deposit works undertaken by Public Works Department revealed that inadequate release of funds by the user department led to stalling of the works and creation of liability for the PWD. A huge amount of ₹ 22 crore of scarce government funds remained unutilized with the PW divisions even after completion of deposit works. The user departments could not utilize the constructed buildings/infrastructure for the intended purpose for want of electrification, water supply and non-handing over of the completed buildings by the PWD. Instances of inadequate survey and improper estimation resulting in avoidable extra items and excess quantities were observed. Deficiencies in adhering to specified quality control norms were noticed. Instances of diversion of funds, generation of multiple IDs for same work and non-display of status of work in the DCMS were also noticed. Lack of monitoring and control on deposit works led to scarce financial

resources of GoM remaining unutilized or blocked on account of incomplete works.

Implementation of the scheme of creation of Swargiya Uttamrao Patil Van Udyans in Maharashtra

Out of 67 Bio-diversity Parks (BDPs), termed as ‘Swargiya Uttamrao Patil Van Udyan’ taken up by the GoM under the scheme, only 15 BDPs could be completed and handed over (March 2021). The improper selection of sites resulted in unsuccessful plantations and creation of parks on non-government land. There was absence of budgetary and expenditure controls, short release of funds resulted in extension of scheme and majority of parks remained incomplete. Audit observed non-completion of BDPs within stipulated period and deterioration of assets created as there was no provision in the DPR for maintenance of assets formed during creation of BDPs.

Goods and Service Tax Transitional Credits

Audit of “Goods and Service Tax transitional credits” revealed cases of excess availment of transitional credits due to irregular declaration in GST TRAN-1 by tax payers. Irregular transitional credit was availed by tax payers though they did not file all the prescribed returns. Audit also observed the cases of irregular availment of transitional credit on capital goods, goods in transit and input contained in work in progress/finished goods. Commissioner of State Tax failed to produce the records pertaining to verification of the claims of transitional credits availed by tax payers to Audit for scrutiny in spite of repeated requisitions due to which audit could not verify effectiveness of department’s verification and internal control mechanism regarding transitional credit.

Goods and Service Tax refunds

Audit of “Goods and Service Tax refunds” revealed that the electronic credit/cash ledgers of the tax payer were not debited before generation of Application Reference Number of the refund application resulting in irregular grant of refund. There were cases of delayed issuance of refund order, thereby, creating liability of payment of interest. The grant of provisional refunds in excess of total due amount were also noticed. Department granted refund on account of zero rated exports without obtaining the proof of exports. Department erred in considering the input tax credit on capital goods, input services and pre-GST invoices for grant of refund wherever applicable. The cases of consideration of incorrect values of components such as Adjusted Total Turnover, Net Input Tax Credit, values of invoices which resulted in excess refunds were noticed. On rejection of refund claim of unutilized ITC on account of ineligibility of the said credit, the Department did not ensure re-credit of rejected amount in the Electronic Credit Ledger of the claimant. Department did not submit data of communication of refund orders to counterpart tax authorities, data relating to conduct of post-audit of refund claims and data of mode of payment of GST refunds to the tax payer for audit scrutiny despite repeated requests.

Individual Audit Observations

- Audit observed undue benefit to the Concessionaire of ₹ 1.44 crore on account of delay in recovery of expenditure incurred by the department

on repair works and in another case avoidable expenditure of ₹ 3.48 crore on widening of a road length notified as National Highway was noticed.

- Audit of VAT offices revealed Short levy of Value Added Tax and interest thereon to the tune of ₹ 11.72 lakh due to application of incorrect rate of tax. Further in another two cases it was noticed short levy of interest under section 30(3) of Maharashtra Value Added Tax Act, 2002 of ₹ 47.06 lakh and an Excess refund to the tune of ₹ 21.56 lakh due to grant of inadmissible allowance of set-off on inputs utilized in construction of Factory Building.
- Audit of offices under Stamp Duty and Registration Department revealed Short levy of Stamp Duty of ₹ 6.72 crore in 14 cases of lease deeds due to non-consideration of constructed area in one case, non-consideration of renewal clause in two cases and undervaluation of market value in 11 cases.
- In three cases audit noticed Short levy of Stamp Duty of ₹ 2.02 crore due to not working out the correct market value of property or consideration in revenue sharing agreements. In another two cases audit noticed Short levy of Stamp Duty ₹ 0.97 crore in conveyance deed due to incorrect/non-application of provision of Maharashtra Stamps Act, 1958 and Annual Statement of Rates. Further in one case Short levy of Stamp Duty of ₹ 0.30 crore due to clubbing of Mortgage Deed and Short levy of Stamp Duty ₹ 0.23 crore in one case of release deed was noticed.

Chapter III: Audit of Transactions: State Public Sector Undertakings

Performance of Maharashtra State Electricity Distribution Company Limited Pre and Post Ujwal DISCOM Assurance Yojana (UDAY)

Audit of UDAY scheme revealed that though MSEDCL received an amount of ₹ 4,960 crore from GoM under the scheme to repay its high cost debt, it did not receive any other dedicated fund to achieve various operational parameters. As a result, MSEDCL was left to improve its operational parameters through its own resources or under other Central/State schemes. At the time MSEDCL approached (March 2017) the GoM for availing guarantee for raising bonds of ₹ 1,653 crore in accordance with the GR (December 2016), GoM denied standing guarantee to MSEDCL for raising the funds. There was no firm commitment from GoM departments to expeditiously clear the outstanding dues of MSEDCL. MSEDCL could not achieve its targets of bringing down the AT&C losses to the desired level. On the contrary, AT&C losses of MSEDCL had increased from 16.94 *per cent* in 2018-19 to 20.73 *per cent* in 2020-21 due to poor collection mainly from agricultural consumers and various State Government departments. Thus, the main objectives of achieving financial and operational turnaround of MSEDCL were not achieved in spite of implementing UDAY scheme.

Follow-up audit of performance audit on ‘Computerisation of e-ticketing system in Maharashtra State Road Transport Corporation’

Follow-up audit of Performance Audit on ‘Computerisation of e-ticketing system in Maharashtra State Road Transport Corporation’ revealed that the recommendations of the Committee on Public Undertakings (COPU) have not been fully complied within the prescribed time period of two months. The audit also revealed that potential revenue loss on sale of tickets due to delay in fixing the contract advertisement and issues related to various concession through Electronic Ticket Issuing Machine¹ (ETIM) were not addressed. Implementing and maintaining ETIM and Online Reservation System (ORS) did not have sufficient input controls and validation checks in place to have complete and reliable data.

Individual Audit Observation

- Construction of depot at Manchar by the MSRTC within 30 kms of two existing depots against its own policy resulted in unfruitful expenditure of ₹ 4.05 crore.

Main recommendations

Chapter –II: Audit of Transactions: State Government Departments

Buildings and Roads Deposit Works undertaken by Public Works Department

1. *The Government may ensure that the user departments deposit the funds in time to PWD so that works are executed without delay.*
2. *Government may ensure timely completion and handing over of the completed works to user departments.*
3. *The Government may ensure streamline the DCMS and strengthen the internal control and monitoring system of deposit works.*

Goods and Service Tax Transitional Credits

1. *Department should ensure timely submission of records to Audit.*
2. *The Department may revisit the provisions of internal circular No.23A of 2018 and issue clarification on un-availed ITC on Capital goods.*
3. *Department should ensure compliance of all required conditions for availment of transitional credit by tax payer to avoid irregular/excess availment/utilisation of Input Tax Credit by the tax payer.*
4. *Department needs to initiate action for issue of demand notices to the assessee concerned for recovery of irregular excess availment of transitional credit.*

¹ Application developed to capture the details of all tickets issued to the passengers boarding the bus by the conductor through the machine called Electronic Ticket Issuing Machine (ETIM)

Goods and Service Tax refunds

1. Department should ensure debit to the electronic credit/cash ledger before generation of Application Reference Number and issue of refund orders.
2. Department should ensure availability and production of requisitioned records/statements to audit.
3. Compliance to codal provisions and instructions issued by the Government from time to time may be ensured for correct and timely disposal of the refund cases.

Chapter III: Audit of Transactions: State Public Sector Undertakings

Performance of Maharashtra State Electricity Distribution Company Limited (MSEDCL) Pre and Post Ujwal DISCOM Assurance Yojana (UDAY)

1. GoM may ensure that all electricity dues of MSEDCL from departments and local bodies towards public water works and street lights are cleared in a time bound manner.
2. MSEDCL should complete DT metering and feeder segregation expeditiously and reduce the AT&C losses to 15 per cent or less by improving its billing and collection efficiency.

CHAPTER – I

INTRODUCTION

CHAPTER I

INTRODUCTION

1.1 About this report

This Report of the Comptroller and Auditor General of India (C&AG) relates to matters arising from compliance audit of government departments, autonomous bodies and public sector undertakings of the Government of Maharashtra (GoM) falling under various clusters under the jurisdiction of Accountant General (Audit)-II, Maharashtra, Nagpur. The cluster wise list of departments, autonomous bodies and public sector undertakings audited by this office is shown in **Table 1.1**. The details are given in **Appendix 1.1**.

Table 1.1: Cluster wise list of departments, autonomous bodies and public sector undertakings audited by this office

| Name of the cluster | Number of departments | Number of autonomous bodies | Number of public sector undertakings |
|-------------------------------------|-----------------------|-----------------------------|--------------------------------------|
| Energy and Power | 1 | 2 | 8 |
| Industry and Commerce | 2 | 1 | 32 |
| Transport | 2 | 1 | 6 |
| Environment, Science and Technology | 2 | 2 | 4 |
| Public Works | 2 | 1 | 9 |
| Finance | 2 | -- | 3 |
| IT and Communication | 1 | -- | 1 |
| Law and Order | 2 | 2 | 1 |
| Total | 14 | 9 | 64 |

Compliance audit refers to examination of the expenditure and revenue of the audited entities to ascertain whether the provisions of the Constitution of India, applicable laws, rules, regulations and various orders and instructions issued by the competent authorities are being complied with.

The primary purpose of this report is to bring the important results of audit to the notice of the State Legislature. Auditing standards require that the materiality level for reporting should be commensurate with the nature, volume and magnitude of transactions. The findings of audit are expected to enable the executive to take corrective actions as also to frame policies and directives that will lead to improved operational efficiency and financial management of the organisations thus, contributing to better governance.

1.2 Audited entity profile

The departments in the State at the Secretariat level are headed by Additional Chief Secretaries/Principal Secretaries/Secretaries and assisted by Directors/Commissioners and sub-ordinate officers.

A summary of the state government's fiscal transactions during 2020-21 *vis-à-vis* the previous years is given in **Table 1.2**.

Table1.2: Summary of fiscal operations during 2019-20 and 2020-21

(₹ in crore)

| Receipts | 2019-20 | 2020-21 | Disbursements | 2019-20 | 2020-21 |
|---|---------------|---------------|-----------------------------------|---------------|---------------|
| Section-A:Revenue | | | | | |
| Revenue receipts | 283190 | 269468 | Revenue expenditure | 300305 | 310610 |
| Tax revenue | 188948 | 164255 | General services | 100050 | 103854 |
| Non-tax revenue | 14297 | 15976* | Social services | 122947 | 122024* |
| Share of Union Taxes/Duties | 36220 | 36504 | Economic services | 56044* | 64336 |
| Grants from Government of India | 43725 | 52733 | Grants-in-aid and Contributions | 21264 | 20396 |
| Section B:Capital and Others | | | | | |
| Miscellaneous Capital Receipts | 0 | 0 | Capital Outlay | 36416 | 29687 |
| Recoveries of Loans and Advances | 1615 | 1612 | Loans and Advances disbursed | 1970 | 2342 |
| Public debt receipts @ | 55396 | 87357 | Repayment of Public Debt@ | 22868 | 26427 |
| Appropriation from Contingency fund | 7350 | 11500 | Appropriation to Contingency fund | 15350 | 1500 |
| Contingency Fund | 15350 | 10500 | Contingency Fund | 16350 | 11500 |
| Public Account Receipts | 119634 | 88531 | Public Account Disbursements | 100329 | 74787# |
| Opening Cash Balance | | | Closing Cash Balance | | |
| a) Sinking Fund | 34488 | 41427 | a) Sinking Fund | 41427 | 45738 |
| b) Cash balance | 32781 | 15055\$ | b) Cash balance | 14789 | 22859 |
| Total | 549804 | 525450 | Total | 549804 | 525450 |
| @ Excluding net transaction under ways and means advances (₹ 1,757.61 crore) and overdraft: (nil) (2019-20) Excluding net transaction under ways and means advances and overdraft (receipt and disbursement ₹ 31,159 crore) (2020-21) | | | | | |
| #Lower Rounding | | | | | |
| *Higher Rounding | | | | | |
| \$Differs by ₹ 266.57 crore adjusted proforma due to rectification of misclassification | | | | | |
| Source: Finance Accounts of respective years | | | | | |

1.3 Authority for audit

The authority for audit by the C&AG is derived from Articles 149 and 151 of the Constitution of India and the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971. The C&AG conducts audit of expenditure and revenue of the departments, autonomous bodies and public sector undertakings of GoM under the provisions of the DPC Act and Regulations on Audit and Accounts, 2020 issued by the C&AG.

1.4 Organisational structure of the offices of the Principal Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, Mumbai and the Accountant General (Audit)-II, Maharashtra, Nagpur

Under the directions of the C&AG, the offices of the Principal Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, Mumbai and the Accountant General (Audit)-II, Maharashtra Nagpur conduct the audit of various Government departments & offices, autonomous bodies and public sector undertakings

(audited entities) falling under them. While eight clusters fall under the jurisdiction of the Principal Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, Mumbai, the remaining eight clusters are under the jurisdiction of the Accountant General (Audit)-II, Maharashtra Nagpur as shown in **Table 1.3**.

Table 1.3: Details of clusters

| Sr. No. | Clusters falling under the jurisdiction of Principal Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Mumbai | Clusters falling under the jurisdiction of Accountant General (Audit) II, Maharashtra, Nagpur |
|---------|--|---|
| 1. | Health & Welfare | Energy and Power |
| 2. | Education, Skill Development and Employment | Industry and Commerce |
| 3. | Rural Development | Transport |
| 4. | Agriculture, Food & Allied industries | Environment, Science and Technology |
| 5. | Water Resources | Public Works |
| 6. | Urban Development | Finance |
| 7. | Culture and Tourism | IT and Communication |
| 8. | General Administration | Law and Order |

1.5 Planning and conduct of audit

The audit process starts with the assessment of risk faced by audited entities based on expenditure incurred and revenue generated, criticality and complexity of activities, the levels of delegated financial powers and assessment of overall internal controls and concerns of stakeholders. Previous audit findings are also considered in this exercise. The frequency and extent of audit are decided, based on this risk assessment.

After completion of audit of each unit, Inspection Reports (IRs) containing audit findings are issued to the Heads of the offices inspected. The Heads of the offices inspected are requested to furnish replies to the audit findings within one month of receipt of the IRs. Whenever replies are received, audit findings are either settled or further action for compliance is advised. The important audit observations arising out of these IRs are processed for inclusion in the audit reports which are submitted to the Governor under Article 151 (2) of the Constitution of India.

1.6 Responsiveness of Government to Audit

1.6.1 Inspection reports outstanding

Periodical inspections of government departments, autonomous bodies and Public Sector Undertakings are conducted to test-check their transactions and verify the maintenance of important accounting and other records as per prescribed rules and procedures. These inspections are followed up with IRs which are issued to the heads of the offices inspected, with copies to the next higher authorities. Half-yearly detailed statements of pending IRs are sent to the secretaries of the departments concerned to facilitate monitoring of action taken on the audit observations included in the IRs.

As of June 2021, 4848 IRs (14,420 paragraphs) were outstanding for settlement. Year-wise details of IRs and paragraphs are shown in **Appendix 1.2**.

1.6.2 Departmental Audit committee

The Finance Department, GoM instructed (December 1985) all the administrative departments to constitute Audit Committee, to review outstanding IRs and paragraphs and to take prompt action for their settlement. The Audit Committee is chaired by the Joint Secretary of the administrative department with Joint Director, Accounts and Treasuries as member and Deputy Director of Accounts and Treasuries as the convener. A representative from the audit office not below the rank of Deputy Accountant General assists the Audit Committees. The Audit Committee Meetings (ACMs) are required to be held at least once in every quarter.

During 2019-20 and 2020-21, six ACMs were conducted as indicated in **Table 1.4**.

Table 1.4: ACMs conducted during 2019-20 and 2020-21

| Sr. No. | Name of the Administrative Department | No. of ACMs held | No. of IRs settled | No. of paras settled |
|--------------|---------------------------------------|------------------|--------------------|----------------------|
| 1. | Finance | 01 | Nil | 396 |
| 2. | Revenue, Registration and Stamps | 04 | Nil | 545 |
| 3. | Energy | 01 | 04 | 20 |
| Total | | 06 | 04 | 961 |

As seen from the **Table 1.4**, very few Audit Committee meetings were convened by the department, despite the pendency of large number of inspection report paragraphs. Further, out of 14 administrative departments under the audit jurisdiction of the Accountant General (Audit)-II, Maharashtra, Nagpur, ACMs of only three administrative departments were conducted during 2019-20 and 2020-21.

1.6.3 Response of departments to draft paragraphs and compliance audits

Seventeen draft paragraphs appearing in this report, including five compliance audit paragraphs and one follow up audit paragraph, were forwarded demi-officially to the principal secretaries/secretaries of the departments concerned between May 2021 and December 2021 with a request to send responses within six weeks. No replies were received (August 2022) in respect of eight audit paragraphs featured in this report.

In response to our audit observations seven divisions¹ refunded the unspent balance amounting to ₹ 5.92 crore pertaining to 49 completed or cancelled deposit works; two Public Works Divisions (PWD, Amravati and PWD Nagpur-3) recovered charges on account of insurance premium for extended period of four works amounting to ₹ 15.45 lakh.

1.6.4 Follow-up on audit report

According to instructions issued by the Finance Department, GoM in January 2001, administrative departments were required to furnish Explanatory Memoranda (EMs) duly verified by Audit to the Maharashtra Legislature Secretariat in respect of paragraphs included in the Audit Reports of the C&AG of India, within three months of presenting the audit reports to

¹ Public Works Division – Bhokar, Buldana, Hingoli, Kolhapur, South Pune; Integrated Unit (Medical) PW Nagpur, Special Project Division, Yavatmal

the state legislature. The administrative departments, however, did not comply with these instructions. The status of outstanding EMs from 2014-15 to 2018-19 is indicated in **Table 1.5**. The Cluster-wise details are shown in **Appendix 1.3**.

Table 1.5: Status of outstanding EMs for Audit Reports of year 2014-15 to 2018-19

| Audit report | Date of tabling of Report | Number of paragraphs and Reviews | Number of EMs received | Balance |
|--------------|---------------------------|----------------------------------|------------------------|------------|
| 2014-15 | 13 April 2016 (ES) | 1 | 1 | 0 |
| | 13 April 2016 (RS) | 18 | 2 | 16 |
| | 05 August 2016 (PSUs) | 7 | 3 | 4 |
| 2015-16 | 11 August 2017 (RS) | 25 | 1 | 24 |
| | 07 April 2017 (PSUs) | 7 | 0 | 7 |
| 2016-17 | 28 March 2018 (ES) | 2 | 2 | 0 |
| | 20 July 2018 (RS) | 31 | 5 | 26 |
| | 20 July 2018 (PSUs) | 8 | 0 | 8 |
| 2017-18 | 02 July 2019 (ES) | 4 | 1 | 3 |
| | 4 March 2020 (RS) | 18 | 11 | 7 |
| | 4 March 2020 (PSUs) | 7 | 0 | 7 |
| 2018-19 | 08 September 2020 (ES) | 4 | 1 | 3 |
| | 08 September 2020 (RS) | 11 | 6 | 5 |
| | 08 September 2020 (PSUs) | 2 | 0 | 2 |
| Total | | 145 | 33 | 112 |

Note: ES -Economic Sector Report, RS- Revenue Sector Report

As seen from the Table 1.5 out of 145 paragraphs and reviews included in Audit Reports, 112 EMs were outstanding.

The Public Accounts Committee (PAC) and the Committee on Public Undertakings (COPU) lay down in each case, the period within which action taken notes (ATNs) on its recommendations should be sent by the departments with a view to ensuring accountability of the Executive in respect of all the issues dealt with in the Audit Reports.

During 2015-16 and 2020-21, the PAC and COPU discussed 123 paragraphs pertaining to the Audit Reports for the years from 2010-11 to 2015-16 and gave 355 recommendations of which, ATNs were pending on 319 recommendations as indicated in **Table 1.6**.

Table 1.6: Position of outstanding ATNs on PAC/COPU recommendations

| Year of Audit Report | Audit Report | PAC/COPU Report Number | Year of PAC/COPU | Number of PAC/COPU recommendations | Number of ATNs awaited |
|----------------------|--------------|------------------------|------------------|------------------------------------|------------------------|
| 2010-11 | ES | 12 | 2015-16 | 2 | 1 |
| | PSUs | 1 | 2020-21 | 6 | 6 |
| | | 6, 11, 7 | 2015-16 | 5 | 5 |
| 2011-12 | RS | 33 | 2017-18 | 17 | 17 |
| | | 34 | 2017-18 | 64 | 64 |
| | PSUs | 5 | 2015-16 | 1 | 1 |
| | | 18 | 2017-18 | 3 | 3 |
| | | 6 | 2015-16 | 2 | 2 |
| 2012-13 | RS | 37 | 2017-18 | 34 | 31 |
| | ES | 45, 60 | 2017-18 | 26 | 25 |
| | PSUs | 6 | 2015-16 | 1 | 1 |

| Year of Audit Report | Audit Report | PAC/COPU Report Number | Year of PAC/COPU | Number of PAC/COPU recommendations | Number of ATNs awaited |
|-----------------------------|---------------------|-------------------------------|-------------------------|---|-------------------------------|
| 2013-14 | RS | 15 | 2015-16 | 29 | 6 |
| | PSUs | 16 | 2017-18 | 1 | 1 |
| | | 7 | 2015-16 | 1 | 1 |
| 2014-15 | RS | 66 | 2017-18 | 5 | 5 |
| | | 53 | 2017-18 | 46 | 46 |
| | | 54 | 2017-18 | 37 | 37 |
| | ES | 43 | 2017-18 | 20 | 19 |
| | GSS | 61 | 2017-18 | 13 | 12 |
| | PSUs | 2 | 2020-21 | 5 | 5 |
| | | 18 | 2017-18 | 3 | 3 |
| 2015-16 | RS | 19 | 2015-16 | 9 | 8 |
| | | 56 | 2017-18 | 12 | 12 |
| | ES | 39 | 2017-18 | 13 | 8 |
| Total | | | | 355 | 319 |

The department-wise position of PAC and COPU recommendations on which ATNs were awaited (May 2022) is indicated in **Appendix 1.4**. As seen from Appendix 1.4, out of 319 ATNs awaited from 14 departments, maximum ATNs (129 ATNs) were pending from Finance Cluster.

CHAPTER – II

AUDIT OF TRANSACTIONS: STATE GOVERNMENT DEPARTMENTS

CHAPTER II

Audit of Transactions: Government Departments

Audit of transactions of the government departments brought out instances of lapses in management of resources and failures in the observance of the norms of regularity, propriety and economy.

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

2.1 Buildings and Roads Deposit Works undertaken by PWD

Inadequate release of funds by the user department led to stalling of the works and creation of liability for the Public Works Department (PWD). Huge amount of scarce government funds remained unutilized with the PW divisions even after completion of deposit works. The user departments could not utilize the constructed buildings/infrastructure for the intended purpose, for want of electrification, water supply and non-handing over of the completed buildings by the PWD. Instances of inadequate survey and improper estimation resulting in avoidable extra items and excess quantities were observed. Deficiencies in adhering to specified quality control norms were noticed. Instances of diversion of funds, generation of multiple IDs for same work and non-display of status of work in the DCMS were also noticed. Lack of monitoring and control on deposit works led to scarce financial resources of GoM remaining unutilized or blocked on account of incomplete works.

2.1.1 Introduction:

The Public Works Department (PWD) Government of Maharashtra (GoM) is responsible for construction and maintenance of roads, bridges and Government buildings in the state. It also executes the construction works entrusted by other Government and semi-Government departments or organizations as 'Contribution and Deposit works' (Deposit Works). The works to be executed as deposit works are administratively approved by the Government and semi-Government departments or organizations termed as user department/agency, which release fund for this purpose to the divisions of the PWD. The technical sanction (TS) for the works is given by the PWD before tendering and executing these works. The accounting of the funds so received from the user agencies is being carried out since December 2017 through the "Deposit Contribution Monitoring System (DCMS)" developed by the National Informatics Centre, Pune.

The PWD in Maharashtra is headed by an Additional Chief Secretary and assisted by two Secretaries of Roads and Works wings. The execution of various deposit works of roads and buildings is carried out under the technical control of seven¹ regional Chief Engineers (CEs), assisted by 31 Superintending Engineers (SEs) at circle level, who in turn are assisted by 157 Executive Engineers (EEs) at division level. The divisions are responsible for the construction and maintenance of deposit works.

¹ Amravati, Aurangabad, Konkan, Mumbai, Nagpur, Nashik and Pune.

The Compliance Audit was conducted to derive an assurance that:

- (i) Funds received from the user departments/agency were in consonance with the requirement assessed by the divisions for execution of works and its utilization was in accordance with prescribed technical and financial norms/standards and as per requirement of user department.
- (ii) Tendering and contract management was fair, transparent, competitive and consistent with sectors' best practices, and contract variations and payments were managed efficiently as per provisions of agreements and financial rules; and
- (iii) An adequate and effective monitoring system was in place to ensure timely execution of works in accordance with the quality control norms.

Details of deposit works of roads and buildings in respect of 105 Public Works divisions for the period 2018-2021 were available on DCMS. Audit selected 26 Divisions (25 per cent) and seven CEs and 15 SEs as detailed in **Appendix 2.1.1** for detailed scrutiny. In view of the Covid-19 situation and restrictions thereon, nine out of 17 divisions (50 per cent) from Nagpur region, two divisions from Mumbai region (being smallest region) and three divisions each from the remaining five regions were sampled using IDEA software based on the total expenditure incurred during the period 2018-2021. In the 26 divisions, 385 works out of total 7184 deposit works were selected for audit² scrutiny.

The audit findings were communicated (November 2021) to the Government and discussed with Secretary (works), PWD, GoM during the exit conference (December 2021). The replies of the department have been suitably incorporated in the report.

Audit findings

2.1.2 Financial Management

PWD developed (December 2017) a "Deposit contribution Monitoring System (DCMS)" through NIC, Pune for monitoring the expenditure on deposit works. All transactions pertaining to deposits shall be carried out through the DCMS from (4.12.2017). The details of the funds received and expenditure incurred on deposit works during the period 2018-2021 through DCMS for the entire state and 26 sampled divisions is given in **Table 2.1.1**.

Table 2.1.1: Funds received and expenditure incurred on deposit works

| Year | Funds received | | Expenditure incurred | |
|--------------|----------------|-------------------|----------------------|-------------------|
| | State | Sampled divisions | State | Sampled divisions |
| 2018-19 | 3402.13 | 742.34 | 2858.69 | 481.38 |
| 2019-20 | 3014.02 | 911.43 | 3649.29 | 703.69 |
| 2020-21 | 2319.97 | 605.80 | 2929.83 | 535.02 |
| Total | 8736.12 | 2259.57 | 9437.81 | 1720.09 |

Source: Information furnished by department

² The quality control Circles and Electrical divisions for the sampled works were also audited on need basis.

2.1.2.1 Short release of funds by user departments

Para 301 and 303 of the MPW manual prescribes that the outlay on the deposit works must be limited to the amount of deposit received and the deposit amount must also be realized before creating any liability on account of such works. It is also stipulated that the necessary funds for the execution of the work must be realized and paid into the Government treasury.

Audit observed in 16³ divisions that 13 user departments, against the requirement of ₹ 331.16 crore, released ₹ 158.12 crore only for execution of 1240 deposit works resulting in short release of ₹ 173.04 crore as shown in the **Appendix 2.1.2**. This short-release of funds by the user departments had delayed the progress of the works as discussed in succeeding paragraphs.

State Government while accepting the facts stated (December 2021) that efforts were being made to receive funds from the user department.

Recommendation 1: The Government may ensure that the user departments deposit the funds in time to PWD so that works are executed without delay.

2.1.2.2 Non-refund of unspent balance in respect of completed deposit works

The GoM, guidelines (April 2017) on execution of deposit works provided that if total expenditure incurred on completion of the work is less than the deposit amount received, unspent balance need to be refunded to the user department.

Audit observed that in 11⁴ divisions, an amount of ₹ 22 crore pertaining to 151 deposit works was lying with these divisions for a period ranging from two months to 58 months from completion of these works. This resulted in blocking of Government money, which could have been utilized for execution of other works.

State Government stated (December 2021) that the deposit was lying for onward liabilities of work in progress and assured to verify and refund unspent balance, if any, after completion of work. Reply is not acceptable as the unspent balance should have been refunded as and when the works were completed.

2.1.2.3 Blocking of funds due to non-execution of works

Audit observed that 14⁵ PW divisions delayed execution of 270 deposit works, for periods ranging from one month to 67 months from the date of deposit of funds of ₹ 43.19 crore by the user departments as discussed in subsequent

³ PWD Amravati, Arvi, Aurangabad, Bhandara, Buldhana, Hingoli, Kolhapur, Nashik, Palghar, Pune, Wardha, Integrated Unit Medical (PW) Nagpur, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gondia, PWD No.2 Nagpur and PWD No.2 Yavatmal.

⁴ PWD Amravati, Arvi, Aurangabad, Bhandara, Hingoli, Kolhapur, Sangamner, Integrated (M) Unit Nagpur, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gondia, and PWD Presidency Mumbai.

⁵ PWD Amravati, Arvi, Aurangabad, Bhandara, Bhokar, Kolhapur, Malegaon, Sangamner, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gondia, PWD No.2 Nagpur, PWD Presidency Mumbai, PWD (South) Pune and PWD No.2 Yavatmal.

paragraph 2.1.3.2 (i). This resulted in blocking up the huge amount of Government fund.

Government assured (December 2021) to review the works and instructed the CEs to take necessary action or otherwise refund the balance amount. Further progress was awaited (March 2022).

2.1.2.4 Irregular transfer of budget funds to the deposit head to avoid lapse of grant

The GoM Budget Manual prohibits retention of any excess amount by the Controlling Officers to meet the excess expenditure on any particular head or to keep the unspent grant in anticipation of any new work to be taken up in subsequent year out of such funds and any unspent amount within the financial year should be immediately returned to the Administrative Department of the Government. Further, the GoM, Finance department instructed (01.04.2019) to return unspent grant to government treasury else the amount lapses to the Government.

Audit observed that four⁶ PW divisions transferred ₹ 22.50 crore of the budgeted works to the Electrical divisions in the month of March of the financial year (March 2016, March 2018, March 2019 & March 2020). An amount of ₹ 14.24 crore was returned to these PW divisions after a period ranging from 80 days to 813 days by the Electrical divisions. The PW divisions credited this amount to the Deposit Contribution Monitoring System contravening the above manual provisions and Finance department's instructions. Thus, the budget funds were irregularly retained under deposit head to avoid lapse of grant instead of returning it to the Government account.

Further, in three budgeted⁷ works of two divisions, Arvi and Palghar, expenditure of ₹ 104.78 crore was booked under deposit head (MH 8443) to avoid lapse of grant during 2018-2021 as shown in **Table 2.1.2:**

Table 2.1.2: Details of budgeted works booked under deposit heads

| (₹ in crore) | | | | | |
|--------------|----------------------|--|------------|---------------|-----------------------------|
| Sr No. | Name of the Division | Name of the work and year | Major head | Amount | Expenditure till March 2021 |
| 1 | Arvi | Basic public amenities of Newly established Nagar Panchayat at Karanja and Ashti, Year 2018-19 | 2217-9492 | 6.00 | 4.00 |
| 2 | Palghar | Land acquisition for Railway Over Bridge (ROB), Year 2020-21 | 3054-0238 | 125.53 | 100.78 |
| Total | | | | 131.53 | 104.78 |

Source: Information furnished by department

Thus, it can be seen that the budget grant was not only treated as deposit grant, but the works were executed as deposit works.

Further, out of ₹ six crore grant received by the Arvi division, there was a saving of ₹ two crore and the division refunded ₹ one crore to the Chief Officer, Nagar Parishad, Karanja, instead of remitting it into the Government

⁶ PWD Amravati, Aurangabad, Pune and PWD No.1 Chandrapur.

⁷ The estimates of expenditure embodied in the annual financial statement required to meet expenditure treated as charged upon the consolidated fund of state.

account before 31st March. Moreover, ₹ one crore was lying with the department.

Government accepted (December 2021) the facts and stated that care would be taken that no extra funds are transferred to avoid lapse of grant.

2.1.2.5 Irregular utilization of fund

Audit observed that PW division No.1 Chandrapur, received ₹ 13.76 crore between June 2010 and April 2011 from Karnataka EMTA Coal Mines Ltd. (KECML), Nagpur, a public sector company of Government of Karnataka, for construction of diversion road. However, this work was executed under 'Design-Build-Finance-Operate and Transfer' (DBFOT)⁸ arrangement through a concessionaire in 2014.

The division retained the deposit amount and instead of refunding it to KECML utilized it for another road work (improvement of Jam-Warora-Rajura-Asifabad Road km 86/100 to 88/00) part of which was proposed under Central Road Fund (CRF) works. This had resulted in irregular utilization of the deposit amount for carrying out the work not related to the purpose for which it was received.

Government stated (December 2021) that the matter was referred to the user department for the utilization of funds; however there was no response from them. Hence, the amount was utilized. The deposit amount was paid as part of Viability Gap Funding (VGF) to concessionaire thereby saving the share of the State government. Reply is not acceptable since the amount should have been refunded to the user department during the year 2014 when the road was constructed under DBFOT as prescribed under the guidelines or remitted to the Government account as lapsed deposit.

2.1.2.6 Diversion of funds

The PW manual, para 305, provides that at the written request of the user department the contribution on account of one work may, if there are savings, be utilized in meeting outlay on account of another work, the contributions for which may be in arrears.

Audit observed that in seven⁹ divisions, funds amounting to ₹ 5.07 crore allotted for 49 different works, were diverted from one work to another work within the same user department without prior consent and also across the user departments. This resulted in irregular diversion of funds without the consent of the user department.

Government stated (December 2021) that necessary permission from the user department would be obtained. Further progress was awaited (March 2022).

2.1.3 Preparation of estimates and execution of deposit works

The deposit works are executed by PWD under the provisions of MPW manual and GoM instructions issued from time to time.

⁸ By the PWD No.1 Chandrapur.

⁹ PWD Nashik, Malegaon, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gondia, PW Presidency Mumbai, PWD No.2 Nagpur, and PW (South) Pune.

2.1.3.1 Preparation of estimates

The MPW manual provides that in case of works the estimate for which have been sanctioned by the competent authority, no addition or alteration, likely to cause an excess which will not fall within the powers of sanction of that authority, should be permitted without previous approval of a higher authority.

Audit observed that in respect of 15 works under eight¹⁰ out of 26 selected PW divisions quantity of work in excess of 125 *per cent* amounting to ₹ 15.76 crore was executed without prior approval of the competent authorities. This increase in quantities was due to change in the scope of original work such as footing of columns, raft foundation in lieu of RCC foundation, change in site location, demand from the user department *etc.*

Government stated (December 2021) that necessary instructions would be issued to the divisions to obtain prior approval of the competent authority and care would be taken in future.

2.1.3.2 Execution of works

i) Works affected due to land related issues

Para 251 of MPW manual provides that no work should be commenced on land which has not been duly handed over to the responsible civil officer. The land should be clear of all encumbrances before the orders to 'commence the work' are issued. Similarly, in respect of buildings to be constructed on Government land, the Sub-divisional officer in charge of the work should personally satisfy himself that the *line-out*¹¹ given is entirely within the Government land as per approved layout. Scrutiny of records revealed that works were taken up without having possession of clear land and as a result the works were either delayed or remained incomplete.

Audit observed that in eight¹² divisions 13 works were adversely affected due to encroachment. This resulted in delay in the completion of work, changes in the scope of work, incomplete works and stoppage of work.

Government stated (December 2021) that the user department did not make encroachment free land available. The reply of the Government is not acceptable, as PWD should not have commenced the work unless clear land was available in terms of provision *ibid.*

ii) Non-completion of works

As per Para 318 of the MPW Manual on completion of an original work on behalf of another department a completion certificate in standard form P.W 561 should be forwarded by the Executive Engineer to the Civil or military authority concerned, who should after signing it return it to the Executive Engineer. Government of Maharashtra PWD vide Resolution No. BDG-2017/CR-50/Bldg-2 dated 06.04.2017 has reiterated the procedure to be followed while executing deposit work. The MPWA Code and the MPW manual provides that outlay on deposit works need to be limited to the deposit

¹⁰ PWD Arvi, Bhandara, Bhokar, Integrated (M) Unit Mumbai, Integrated (M) Unit Nagpur, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gadchiroli, and PWD No.2 Yavatmal.

¹¹ Demarcation.

¹² PWD Buldhana, Kolhapur, Malegaon, Nashik, Integrated (M) Unit Nagpur, PWD No. 2 Nagpur, PWD No.1 Thane and PWD No.2 Yavatmal.

amounts received and the contribution on account of savings on one work can be utilized in meeting outlay on account of another work contributions for which may be in arrears with the consent of user department.

➤ In two divisions, two buildings *i.e.* BC boys hostel Pulgaon, Wardha and BC boys hostel at Chamorshi, Gadchiroli constructed at a cost of ₹ 5.51 crore and ₹ 6.84 crore respectively could not be put to use for 17 and 25 months respectively as the buildings could not be electrified due to paucity of funds at Chamorshi and non shifting of high tension wires at Pulgaon. Lack of coordination between PWD and Electrical Divisions resulted in the buildings remaining unutilized, rendering expenditure of ₹ 12.35 crore as idle.

Government stated (December 2021) that the electrical works would be completed by March 2022.

➤ Audit observed in six works of five divisions, that the works started without receipt of deposit required for completion of the works as shown in **Appendix 2.1.3**.

Government stated (December 2021) that efforts were being made to obtain funds from the user department for completion of the work. The reply is not acceptable, as the work should have been started only after receipt of deposit from the user department.

➤ In Malegaon PW division a deposit work of construction of taluka sports complex was awarded (January 2015) to a contractor at a cost of ₹ 0.92 crore with completion period of 12 months from the date of work order. The contractor had executed work costing ₹ 0.96 crore till November 2016. The physically completed (November 2016) civil work was handed over (January 2021) to the user department. Audit observed that no funds were handed over to the electrical division for electrification work. Although the building was completed in November 2016 the work of electrification was still pending, rendering the entire sports complex non-functional and the entire expenditure of ₹ 0.96 crore unfruitful.

Government stated (December 2021) that the electrical work will be executed as and when the fund for electrification was available. Further progress was awaited (March 2022).

Recommendation 2: Government may ensure timely completion and handing over of the completed works to user departments.

iii) Non-compliance of contractual conditions

➤ **Non-recovery of liquidated damage and fine:** The B-2¹³ and EPC¹⁴ contracts provide for deduction of liquidated damages (LD) from payments due to the contractor in case of delay in completion of work or non-achievement of milestone (as per stipulated time-period) at prescribed rate limited to 10 *per cent* of contract value. Further B-2 contract provides for deduction of fine/penalty from payments due to the contractor for delay in completion of works or not maintaining the desired pace while executing the

¹³ Forms used for schedule contracts where the contractor undertakes to execute works at fixed rates.

¹⁴ Engineering, Procurement and Construction.

work. Audit observed in nine works of six¹⁵ divisions that though the contractors did not maintain the pace of work as per milestones specified in the contract. EEs failed to recover liquidated damages amounting to ₹ 3.09 crore. It was further observed in eight works of four¹⁶ divisions, that the contractors did not maintain the desired pace of work as per stipulated time-period given in the contract and did not submit the revised work programme to the division. However, the EEs failed to deduct the prescribed fine/penalty amounting to ₹ 0.56 crore.

Government stated (December 2021) that detailed reply would be submitted along with supporting documents of valid extension. Further progress was awaited (March 2022).

➤ **Non-recovery of insurance charges:** The Director of Insurance, Maharashtra State instructed (March 2015) that the contractor shall obtain an insurance policy prior to start of work, else one *per cent* of the work value would be deducted from first RA bill of contractor and the same would be remitted into Government account within 30 days from the date of deduction. Further instructions (July 2015) stipulated that the contractor shall obtain insurance policy for extended period of work, else deduction at the rate prescribed for extended period (in month) on the value of work would be deducted from subsequent RA bill of contractor and remitted into Insurance Fund of the Finance Department, GoM.

Audit observed that in nine works out of 385 test checked works executed between December 2014 and September 2020 in six¹⁷ divisions, the contractor had neither submitted the insurance policy nor the division had deducted the prescribed amount of the work value from RA bills of the contractor leading to works remaining un-insured and providing undue benefit to the contractors amounting to ₹ 0.76 crore. Further, in nine works of four¹⁸ divisions the contractors had neither furnished the insurance policy for the extended period nor did the divisions recover the prescribed proportionate insurance cost with reference to the cost of work amounting to ₹ 0.45 crore in these works.

Government stated (December 2021) that the necessary action was being taken to obtain the insurance policy from the contractor.

➤ **Non-recovery of mobilization advance:** In terms of the Engineering, Procurement, Construction (EPC) contract, interest rate of 14 *per cent* per annum to be compounded quarterly would be recovered along with the recovery of advance payment towards mobilization expenses. Audit observed that in five deposit works of Palghar division, mobilization advance of ₹ 1.32 crore was paid to the contractors for machinery, equipment, staging, centering (₹ 0.63 crore) and for establishment of construction of site office, site laboratory, computer, furniture *etc.* (₹ 0.69 crore). However, the mobilization advance along with interest was not deducted from subsequent bills.

¹⁵ PWD Amravati, Malegaon, Sangamner, Wardha, PWD No.1 Chandrapur and Integrated (M) Unit Nagpur.

¹⁶ PWD Amravati, Arvi, Bhandara, PWD No.1 Chandrapur.

¹⁷ PWD Amravati, Aurangabad, Bhandara, Malegaon, Sangamner and PWD No.3 Nagpur.

¹⁸ PWD Arvi, Aurangabad, Palghar and PWD No.1 Chandrapur.

Government stated (December 2021) that the necessary action was being taken to recover the mobilisation advance. Further progress was awaited (March 2022).

➤ **Non-recovery of retention money from contractor's bill:** The contract conditions in respect of B-2 and EPC contracts provide for retention of six *per cent* amount from each bill subject to a maximum of five *per cent* of final contract price till the final completion of work to ensure the fulfilment of the contractual obligation by the contractor. Audit observed that in 13 works in four¹⁹ divisions, the retention money was not recovered from running account (RA) bills of the contractors resulting in undue financial benefit of ₹ 4.29 crore to contractors.

Government stated (December 2021) that action was being taken to recover the retention money from next RA bill of the contractors. Further progress was awaited (March 2022).

➤ **Non-verification of bitumen invoices from refinery:** The GoM, provided (April 2017 and March 2019) for verification of invoices towards purchase of bitumen from refineries and used in the work by the contractors executing road works. The original bitumen invoices were required to be attached along with the Running Account (RA) Bills. This verification needs to be done by the PW divisions on submission of RA bills. Audit observed that in nine works in three²⁰ divisions, payment of ₹ 1.21 crore in respect of bitumen works was made by the divisions without attaching the invoices with bills nor verifying 30 invoices towards purchase of bitumen from refineries.

Government stated (December 2021) that verification of invoices were being made. However, verification reports from the refineries were still awaited.

➤ **Non-recovery of centage charges²¹:** MPW Manual and PWD instructions (October 2003) provided for recovery of centage charges at the rate of five *per cent* of the estimated cost of deposit works. Audit observed that in 22 works, executed during 2018-2021, in five²² divisions, centage charges amounting to ₹ 1.66 crore was not recovered from the Planning, Home, Tribal, Industries & Mining, Social Justice & Special Assistance, Rural Development, Urban Development departments by the divisions.

Government stated (December 2021) that supporting documents for exemption of non-levy of centage charges for some of the user department is being submitted. However, no supporting documents were furnished to audit.

➤ **Non-recovery of maintenance charges:** As per additional condition for materials clauses 30 (i), the contractor shall maintain the finished work for a period mentioned after the completion of work without any extra cost. Five *per cent* amount of the total work done shall be withheld, from the date of actual completion of work, as maintenance charges for maintaining and keeping the road in good condition. Audit observed in PWD Aurangabad that

¹⁹ PWD Aurangabad, Malegaon, Palghar and Sangamner.

²⁰ PWD Arvi, Aurangabad and PWD No.1 Chandrapur.

²¹ It is the charges leviable on works executed by PWD on behalf of non-government organization, other departments of Government, MP/MLA funds and National Highway Authority of India works.

²² PWD Aurangabad, Hingoli, Palghar, PWD No.1 Chandrapur and PWD No.2 Yavatmal.

in two deposit works, maintenance charges were not recovered from RA bills resulting in undue benefit to the contractor amounting to ₹ 0.91 crore.

Government stated (December 2021) that necessary action was being taken to recover the maintenance charges from next RA bill of the contractor. Further progress was awaited (March 2022).

➤ **Irregular payment of secured advance:** The MPWA code prohibits payment of advances to contractors, except in case a contract for a finished work requires an advance on security of material brought on site. For this purpose the contractor must produce document evidencing the purchase of the material. Audit observed that in respect of six works in five²³ divisions, secured advance of ₹ 2.79 crore was paid to the contractors. But, the invoice in support of the material so purchased was not produced by the contractors resulting in irregular payment of secured advance to the contractors.

Government stated (December 2021) that necessary action was being taken to recover secured advance from the RA bills of the contractors.

➤ **Non-recovery of royalty charges from the contractor bills:** GoM issued (May 2015) orders of royalty charges of ₹ 400 per brass (₹ 141.34 per cum) for the items of supply of natural minerals (rubble, metal, sand, *murum etc.*) which were to be used for calculation of rate analysis in estimate. The contractor had to pay these charges directly to revenue department and original challans, shall be produced to the concerned EE. If the contractor failed to produce the documents, the royalty charges were to be recovered from the contractor. Audit observed that during the period 2017-18 to 2020-21 in respect of nine works under four²⁴ divisions, royalty charges of ₹ 2.31 crore were not recovered from RA bills of the contractor resulting in undue benefit to the contractor.

Government stated (December 2021) that the necessary action was being taken to recover royalty charges from RA bills of the contractor.

➤ **Non-recovery of additional performance security:** GoM issued (September 2019) orders that if the contractor intended to quote his offer 14 *per cent* below the estimated cost put to bid then, he should submit additional performance security of five *per cent* of cost put to tender.

Audit observed in three²⁵ divisions comprising four works that additional performance security of only ₹ 5.08 crore was obtained against the requirement of ₹ 7.83 crore. This resulted in short payment of ₹ 2.75 crore by the contractor as additional performance security.

Government stated (December 2021) that necessary action was being taken to recover the additional performance security from RA bills of the contractor.

iv) Non-observance of quality control norms in execution

Additional general condition of contract stipulates the frequency of sample testing to be done for construction material and the percentage of the testing from the field and Government laboratory. As per contract clause, 15 *per cent*

²³ PWD Amravati, Aurangabad, Bhandara, Buldhana and PWD No.1 Chandrapur.

²⁴ PWD Arvi, Aurangabad, Bhandara and PWD No.3 Nagpur.

²⁵ PWD Arvi, Palghar and PWD No.1 Chandrapur.

of the rate shall be withheld and shall be released only after the receipt of the satisfactory test results wherever specified excluding concrete items.

Audit observed that in 14 works of seven²⁶ divisions, the testing of the material was not carried out as per contract conditions. In ten cases the entire amount was paid and in the remaining four cases, 15 *per cent* of bill amount was deducted and retained by EE. In the absence of test results, the quality material and construction could not be assessed.

Government stated (December 2021) that due care would be taken to follow the quality control norms.

v) Delay in testing of cement concrete cubes: As per the tender conditions the contractor was required to collect the sample of cement concrete at the time of execution and cast at-least three cubes and get them tested from the district testing laboratory at the age of seven days and 28 days. Audit observed that in four works in Buldhana division the contractor had submitted the cubes after the period ranging between 67 and 294 days of its casting as shown in *Appendix 2.1.4*. The exact strength of the cube could not be verified due to testing of the cubes after such long period after its casting.

Government agreed (December 2021) that there was delay in testing of the cement concrete cubes and assured to take necessary steps in future.

vi) Non-establishment of field laboratory: As per special condition of field laboratory, equipment for execution of work under consideration shall be available in the field/plant laboratory. If the contractor fails to establish field/plant laboratory, ₹ five lakh shall be recovered from first RA bill. Audit observed that in one work of PW division, Bhandara and two works of PW division Arvi, contractors had not established field laboratory as per contract norms and the divisions did not recover amount of ₹ 15 lakh for failure to do so.

Government stated (December 2021) that the facts would be verified and necessary records regarding establishment of field laboratories would be furnished in due course. Further progress was awaited (March 2022).

vii) Splitting of works resulted in excess expenditure on work

The MPW manual provides that a group of work or alteration or purchases, the aggregate cost of which exceeds what an officer is empowered to sanction should not be split up to bring them within the power of sanction of that officer. The power prescribed for accepting the tender with the EE, SE and CE is up to ₹ 50 lakhs, from ₹ 50 lakhs to ₹ 2.50 crore and above ₹ 2.50 crore respectively.

The work of providing rock fall protection on Mouje Sinhagad, Golewadi road was administratively approved (June 2017) by the Forest department. Audit observed that instead of preparing and sanctioning a single estimate for the work, Pune division made three separate estimates incorporating different rates for three different chainages. These works were taken up under civil deposit work and Forest department released the entire grant of ₹ 4.26 crore

²⁶ PWD Arvi, Buldhana, Bhokar, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Nagpur, PWD No.3 Nagpur and PWD No.2 Yavatmal.

for the above work during 2014-15 to 2018-19. The division accepted the lowest rate of ₹ 9225 per square meter (inclusive of GST) of an agency during 2018-2019 for 0/700 km to 0/800 chainages while in other two chainages, the division called for separate quotations and accepted the quotations at higher rates of the same agency as detailed in **Table 2.1.3**.

Table 2.1.3: Details of excess amount paid due to splitting of work

(Amount in ₹)

| Sr. No. | Agreement No. | Chainage | Quantity (sq.m) | Rate (₹/sq.m) | Rate difference | Excess Expenditure | Total amount paid |
|-------------------------|----------------|---|-----------------|---------------|----------------------|--------------------|-------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7(6*4) | 8 |
| 1 | B1/503/2018-19 | 0/700 to 0/800 | 1194.53 | 8118* | - | - | 9697194 |
| 2 | B1/47/2020-21 | 0/00 to 1/500 | 574 | 15551 | 7433 (15551-8118) | 4272282 | 8926274 |
| 3 | B1/49/2020-21 | 2/00 to 2/500 | 650.25 | 15551 | 7433 | 4833308 | 10112037 |
| | | | 390.15 | 15481 | 7363 (15481-8118) | 2872674 | 6039919 |
| Total Extra cost | | | | | | 11,978,264 | |
| *excluding GST | | Source: Information furnished by department | | | | | |

From above table, it is observed that the division had irregularly split a single work into three different works by preparing separate estimates for three different chainages and tendered the works in different years so as to avoid obtaining of sanction from the SE. The acceptance of higher rates in chainage 0/00 to 1/500 and 2/00 to 2/500 resulted in excess expenditure of ₹ 1.20 crore.

Government stated (December 2021) that funds were received in four installments in April 2018, May 2019, June 2020 and June 2021. Hence, the work was split as and when the funds were received. As it was a tourist spot, the work was taken up in parts. Reply was not acceptable as the division split the work in three parts despite the fact that it had single administrative approval and the entire fund of ₹ 4.26 crore for the above work was available with the department till 2018-19.

2.1.4 Internal Control and Monitoring

Internal Control Mechanism is a tool for financial & operational control and ensuring safeguards against error and fraud. The controls are embodied in various provisions of Codes, Manuals and executive instructions of the Government. An adequate and effective internal control and monitoring mechanism should exist to provide reasonable assurance to ascertain the physical and financial status of deposit works, efficiency, effectiveness of its execution and compliance of applicable rules, regulations, condition of contract *etc.*

Audit findings on internal controls and monitoring mechanism in PWD in respect of deposit works are discussed below:

2.1.4.1 Non-maintenance of deposit register

The MPWA Code provides for maintenance of a deposit register by each division to show month by month, total receipt, adjustment and the closing balance of each deposit item, however, in case of deposit works to be done a single entry for all such deposits would suffice.

Audit observed that in 18²⁷ divisions deposit register was not maintained. Four²⁸ divisions were maintaining deposit register but the registers were not up-to-date.

Government stated (December 2021) that necessary instructions would be issued to the concerned divisions to maintain and update the deposit register.

2.1.4.2 Non-supply of progress of expenditure to user department

As per MPW manual, a statement of expenditure should be supplied by the EE to the depositors every quarter in the format prescribed, when the expenditure is within the contribution received and every month when an excess expenditure on the contribution is anticipated until the excess is regularized.

Audit observed that the statement showing the requisite progress of expenditure was supplied to the concerned user departments only by two²⁹ divisions and 16³⁰ divisions did not supply the same to the user departments.

Government stated (December 2021) that necessary instructions would be issued to the concerned to follow the procedure.

2.1.4.3 Non-submission of progress report of works

As per paragraph 289 of MPW manual, progress report of all works estimated to cost over ₹ 10 lakh should be submitted to the SE every quarter, who may forward it to the CE in respect of works costing more than ₹ 50 lakh. In case the administrative department controlling the funds is different from this department, quarterly progress reports of all works should be submitted to that department, if so directed by it. Audit observed that the said progress report of all works costing over ₹ 10 lakh was submitted to the SE every quarter only by Kolhapur division. In 18³¹ divisions, the said progress report of all works was not submitted to the SE every quarter.

Government stated (December 2021) that necessary instructions would be issued to the concerned to follow the procedure.

2.1.4.4 Non-submission of information of ongoing deposit works

In order to properly implement and keep control over deposit works, GoM prescribed (April 2017) a proforma and timeline for each level of compilation and submission of information in respect of ongoing deposit works. Each division is required to submit the year-wise information (proforma-A) to the concerned circle office on fifth of every month and subsequently the compiled

²⁷ PWD Amravati, Arvi, Aurangabad, Bhandara, Chiplun, Malegaon, Pune, Sangamner, Wardha, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gadchiroli, PWD No.2 Gondia, PWD Presidency Mumbai, PWD No.2 Nagpur, PWD No.3 Nagpur, Integrated (M) Unit Nagpur, PWD No.1 Thane and PWD No.2 Yavatmal.

²⁸ PWD Bhokar, Nashik, Palghar and Integrated (M) Unit Mumbai.

²⁹ PWD Hingoli and Kolhapur.

³⁰ PWD Bhokar, Buldhana, Chiplun, Malegaon, Nasik, Palghar, Pune, Sangamner, Integrated (M) Unit Nagpur, PWD No.2 Nagpur, PWD (South) Pune, PWD No.1 Thane, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gondia, PWD Presidency Mumbai and PWD No.2 Yavatmal.

³¹ PWD Arvi, Aurangabad, Bhokar, Chiplun, Hingoli, Malegaon, Palghar, Pune, Sangamner PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gondia, PWD Presidency Mumbai, Integrated (M) Unit Nagpur, PWD No.2 Nagpur, PWD No.3 Nagpur, PWD (South) Pune, PWD No.1 Thane and PWD No.2 Yavatmal.

information (proforma-B) was required to be submitted by each circle office to regional office on tenth of every month. Finally, each CE was required to compile and submit it to the Secretary, PWD. Audit observed that none of the 26 divisions furnished the information of ongoing deposit works to respective circle offices. Hence, the respective SE offices did not submit the required information (proforma-B) to the CE offices.

Government stated (December 2021) that necessary instructions would be issued to the concerned to follow the procedure. Further progress was awaited (March 2022).

2.1.4.5 Deficiencies in ‘Schedule of Deposit works’

The MPWA Code provides for preparation of Schedule of Deposit works in Form-76 which contains important consolidated record of all deposit works of the PW division. Instructions for entries to be taken are also provided in the schedule in Form-76 and an entry of sanction in red ink should be done when a work is included for the first time in the schedule.

The PWD adopted a software module named as Account Management System (AMS), designed and developed by the C-DAC, Pune for preparation of schedule of deposit works (Form-76). The data entry of cashbook was done online and accordingly the schedule was generated automatically and can be extracted through password of respective PW division from AMS module. Following deficiencies were noticed in the system generated Form-76.

i) It was noticed that the system generated schedule did not provide the column for detailed classification of estimate and date/month of completion of work. The details of the unexpended balances, excess expenditure charged to MPW advances and the steps taken for its adjustments are not entered. Thus, newly inserted work as well as completed work could not be distinguished and subsequently the delay, if any, in refund of unspent amount of deposit to the user department could not be monitored. In absence of information on unspent balance and expenditure incurred in excess of deposit received, the amounts involved and steps taken for its adjustments could not be ascertained. This indicated that the format of system generated schedule of deposit works was inadequate for monitoring of the deposit works.

Government stated (December 2021) that the matter had been referred to C-DAC to modify the module. Further progress was awaited (March 2022).

ii) Audit verified deposits received and expenditure incurred on deposit works with reference to utilisation certificates (UCs) on Budget Estimation, Allocation and Management System (BEAMS) to ascertain the correctness of account of deposit works effected during the month. It was observed that in 13³² divisions receipt and expenditure figures of the works depicted in UCs did not match with the corresponding figures shown in Form-76.

Government stated (December 2021) that matter was being referred to C-DAC for updating of the software. Further progress was awaited (March 2022).

³² PWD Amravati, Bhokar, Buldhana, Hingoli, Malegaon, Sangamner, Integrated (M) Unit Nagpur, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gadchiroli, PWD No.2 Gondia, PWD No.3 Nagpur, PWD No.1 Thane and PWD No.2 Yavatmal.

2.1.4.6 Deficiencies in deposit contribution monitoring system

With a view to monitor the Deposit works on real time basis, GoM (PWD) developed a “Deposit Contribution Monitoring System (DCMS)” through NIC Pune. It provides the real-time information of progress of on-going works, funds received, expenditure incurred and the unspent amount. The detailed guidelines for recording of deposit works in DCMS and payment thereof were issued by the GoM (December 2017) to control and monitor the deposit works.

Audit observed following shortcomings in DCMS.

- **Absence of date of completion of work:** DCMS should indicate the date of completion of works so as to identify physical and financial status and consequent timely refund of unspent amount to the user departments. However, no such information was available in the DCMS.
- **Multiple IDs of same work:** Audit observed that in respect of nine deposit works in seven³³ divisions, the deposit IDs were allotted twice. Thus, the possibility of expenditure on the work in excess of the AA or diversion of fund cannot be ruled out due to creation of multiple IDs for the same work.
- **Expenditure or balance shown without receipt of any deposit:** Audit observed in six divisions that no deposit amount was received by the divisions in the case of 44 works. However, expenditure incurred or balance amount was being depicted under deposit against such works. This indicated that the DCMS system depicted the expenditure on the deposit works without receipt of any fund.
- **Negative deposit balances:** Audit observed in 15³⁴ divisions that in case of 158 works, there was a negative balance of ₹ 55.46 crore under deposit.

Government stated (December 2021) that matter was being referred to C-DAC for updating of the software. Further progress was awaited (March 2022).

Recommendation 3: The Government may ensure to streamline the DCMS and strengthen the internal control and monitoring system of deposit works.

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

2.2 Undue benefit to the Concessionaire of ₹ 1.44 crore on account of delay in recovery of expenditure incurred by the department on repair works

The Chief Engineer, National Highway (Public Works Department), Government of Maharashtra, Navi Mumbai (CE) issued (15 March 2017 and 13 April 2017) Letters of Acceptance (LoAs) to M/s Gannon Dunkerley & Co.

³³ PWD Aurangabad, Hingoli, Kolhapur, Malegaon, Pune, PWD No.2 Nagpur and PWD No.1 Thane.

³⁴ PWD Amravati, Aurangabad, Bhandara, Buldhana, Chiplun, Malegaon, Nashik, Pune, Sangamner, PWD No.1 Chandrapur, PWD No.2 Gondia, Integrated (M) Unit Nagpur, PWD No.2 Nagpur, PWD No.3 Nagpur and PWD No.2 Yavatmal.

Ltd Mumbai (Concessionaire) for two works³⁵ of Engineering, Procurement and Construction (EPC) agreements amounting to ₹ 151.61 crore and ₹ 145.26 crore respectively. Both the EPC agreements were executed (20 December 2016) between the CE (on behalf of Government of India, Ministry of Road Transport & Highways *i.e.* MoRTH) and the Concessionaire. The stipulated period of completion of the works was 18 months and 24 months respectively, from the issue of LoAs. The Chief Engineer and Regional Officer, MoRTH, Mumbai paid ₹ 127.10 crore (August 2021) and ₹ 70.66 crore (June 2021) to the concessionaire.

The EPC agreements provided that during the construction period, the concessionaire shall maintain, at its cost, the existing lane(s) of the Project Highway so that the traffic worthiness and safety thereof are at no time materially inferior as compared to their condition ten days prior to the date of this Agreement. Further, the Concessionaire shall undertake the necessary repair and maintenance works for this purpose; provided that the concessionaire may, at its cost, interrupt and divert the flow of traffic if such interruption and diversion is necessary for the efficient progress of works and conforms to Good Industry Practice.

Audit observed that the Concessionaire failed to maintain the existing carriageway and traffic worthiness as provided for in the agreement during execution of the work. Thus, the National Highway (Public Works) Division, Nanded carried out (December 2017 and March 2018) maintenance works through 63 contracts of ordinary repairs (ORs) on the same chainage of road incurring expenditure (March 2018) of ₹ 1.76 crore (*Appendix 2.2.1*). As such, the department discharged the liability of the Concessionaire at its own cost. The amount was not recovered subsequently, from the Concessionaire (September 2021) even after the lapse of more than three years.

The Executive Engineer (EE) National Highway (Public Works) Division, Nanded stated (September 2021) that as the Concessionaire failed to maintain the road, OR works were carried out to make the road safe and traffic worthy at the earliest and the amount spent on these works was to be recovered from the Concessionaire. But, the recovery could not be made due to Corona pandemic and recovery would be made before finalization of the EPC work excluding ₹ 0.32 crore recovered (in case of works B1 No.32 to 45 of 2017-18) till date.

The reply is not acceptable as payment on OR works was made in the month of March 2018 and restrictions related to Corona pandemic started from March 2020. As such, there was a gap of two years between the two events and even after a lapse of more than three years only ₹ 0.32 crore has been recovered leaving a balance of ₹ 1.44 crore to be recovered. This resulted in undue benefit to the Concessionaire of ₹ 1.44 crore on account of delay in

³⁵ “Rehabilitation and up gradation of Barasgaon to Rahatee Bu (Mah/AP Border Section of NH-222 in km 558/200 to km 615/000 from existing to two lanes with paved shoulders on EPC basis under NHDP-IV” and “Rehabilitation and up gradation of Kolha to Nasaratpur Section of NH-222 from existing km 444/00 to km 463/545 and km 481/00 to km 513/1300 in the State of Maharashtra to two lanes with paved shoulders on EPC basis under NHDP-IV”.

recovery of expenditure incurred by the department on repair works which in normal case should have been carried by the concessionaire at its own cost.

The matter was referred (November 2021) to Government. Reply is awaited.

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

2.3 Avoidable expenditure of ₹ 3.48 crore on widening of a road length notified as National Highway.

Government of India, Ministry of Road Transport and Highways, New Delhi (GoI) notified (January 2017) the State Highway (SH), starting at a junction with NH-47 near Multai (in Madhya Pradesh) connecting Warud, Ashti, Arvi, Pulgaon, Wardha, Sevagram, Sonegaon, Hinganghat, Jamb and terminating at its junction with NH-930 near Warora (in Maharashtra), as national highway. Accordingly, the Secretary, Public Works Department, Government of Maharashtra directed (February 2017) the Chief Engineer (CE), Public Works Region, Nagpur to stop all works immediately on the stretch of roads notified as NHs. It was specified that liability of the Government should not be increased, as excavation of existing roads would soon be done for laying cement concrete roads. It was also directed to keep such roads in trafficable condition by carrying out proper repair and maintenance works until their transfer to concerned NH authorities. The directions were reiterated (March 2017) with the instructions to stop all the ongoing works on these roads after treating the existing carriageway to sustain the monsoon season in that year.

During scrutiny of records in the office of the Executive Engineer (EE), Public Works Division (PWD), Wardha it was observed (September 2019) that the work of widening and improvement to Nachangaon-Deoli-Waigaon-Hinganghat-Nandori-Kora road (SH-322) in km 34/500 to 55/500 in Wardha district was tendered (August 2016) at an estimated cost of ₹ 34.02 crore and the work was awarded³⁶ (January 2017) to a contractor³⁷ at a contract cost of ₹ 26.32 crore with completion period of 18 months.

Similarly, in PW Division, Arvi it was observed (February 2018) that the work of construction of fly-over in Arvi city along with widening to four lane with strengthening and black topping of Pulgaon-Arvi-Talegaon-Durgawasa road (SH-295) in km 59/600 to km 61/800 was awarded (January 2017) to a contractor³⁸ at a cost of ₹ 4.05 crore.

The CE directed (February 2017) EE, PWD, Wardha and EE, PWD, Arvi during inspection (January 2018) to reduce the scope of work and keep these roads in trafficable condition by carrying out proper repair and maintenance work. Accordingly, the scope of these two road works were reduced and completed as detailed below:

³⁶ Agreement No. B-1/523/DL/2016-17.

³⁷ M/s Jaswantsingh Oberai Construction Private Limited, Yavatmal.

³⁸ M/s D K Construction, Arvi.

| Name of the PW division and work | Cost and scope of original work | Reduced cost and scope of work | Date of work order and completion |
|--|---|---|-----------------------------------|
| Wardha and work of widening (km 40/500–55/500) and improvement (km 34/500 – 55/500) to part of SH-347A | ₹ 26.32 crore for 21 km length Improvement including widening in 15 km length | ₹ 8.11 crore for 15 km (km 40/500–55/500) length widening and improvement including 5 km (km 40/500 –45/500) widening part (₹.3.12 crore) | January 2017 and July 2018 |
| Arvi and work of widening and improvement (km 59/600– 61/800) to part of SH-295 | ₹ 4.05 crore for Improvement including widening work in 2.2 km length | ₹ 0.88 crore for 1.7 km (km 59/600–61/300) length improvement and widening in 0.7 km (km 59/600–60/300) part (₹ 0.36 crore) | January 2017 and March 2018 |

The contractor was paid (September 2019) ₹ 8.11 crore *vide* fifth and final RA bill for the work executed including ₹ 3.12 crore for widening work in Wardha division. The Arvi division paid (August 2018) ₹ 0.88 crore including ₹ 0.36 crore for widening and handed over (July 2018) the road to NH division Nagpur.

The execution of work of widening of the existing roads by these divisions was not compliant with the above said Secretary's directives, which instructed only proper repair and maintenance works of roads declared as NHs until their transfer to NH authorities to be carried out. In spite of this Wardha and Arvi divisions did not initiate any action to follow the Secretary's directives to limit the work to maintenance and incorporated new work of widening the roads. An expenditure on work of widening of road amounting to ₹ 3.48 crore (3.12+0.36 = 3.48) was incurred.

Government stated (July 2022) that in case of work of PWD, Wardha the scope of work was reduced by incurring minimum possible expenditure to maintain the road in trafficable condition during the rainy season of 2017. In case of PWD, Arvi work was executed to maintain the riding quality.

The reply is not acceptable as the reduced scope of work was not limited only to carry out repairs and maintenance of the existing carriageway but the new work of widening the existing road was carried out. Since the road was notified (January 2017) as National Highway for construction of cement concrete road, the entire road was to be excavated for construction of NH. As such, keeping the existing road in trafficable condition was needed but widening the road was avoidable in view of cement concrete road of NH. Thus, the execution of widening works of roads resulted in avoidable expenditure of ₹ 3.48 crore.

REVENUE AND FOREST DEPARTMENT

2.4 Implementation of the scheme of creation of Swargiya Uttamrao Patil Van Udyans in Maharashtra

Out of 67 Bio-diversity Parks, termed as ‘Swargiya Uttamrao Patil Van Udyan’ BDPs, taken up for creation, only 15 BDPs could be completed and handed over (March 2021). The improper selection of sites resulted in unsuccessful plantations and creation of parks on non-government land. There was absence of budgetary and expenditure controls, short release of funds resulted in extension of scheme and majority of parks remained incomplete. Audit observed non-completion of BDPs within stipulated period and deterioration of assets created as there was no provision in the DPR for maintenance of assets formed during creation of BDPs.

2.4.1 Introduction

Revenue and Forest Department (R&FD) of Government of Maharashtra (GoM) launched (June 2015) a state sponsored scheme for creation of Bio-diversity Parks (BDPs) termed as ‘Swargiya Uttamrao Patil Van Udyan’. These BDPs were to be created in 34 districts of the State (excluding Mumbai city and Mumbai Suburban) with two each in a district (total 68 BDPs) along with upgradation of existing National and other parks under Forest Department (FD). The scheme was to be implemented by Social Forestry wing of the Forest Department during the period 2015-2016 to 2018-2019 which was further extended (June 2019) by four years till 2022-2023 with a budget provision of ₹ 134.14 crore.

The objectives of the scheme were to:

- conserve bio-diversity and nature,
- plant, protect and conserve rare and beautiful plants,
- create Upvans (having small group of different variety of plants),
- facilitate public to spend joyful moments with nature,
- make available source of recreation and entertainment,
- create a safe environment for future generation, and
- establish a small library with books highlighting importance of trees and disseminating information of the same.

The BDPs after completion were to be operated and maintained through participation of local people, preferably by the Joint Forest Management Committee (JFMC) wherever it was functioning. Otherwise, a committee consisting of the local people at village level or local body level was required to operate and maintain the same.

Implementation of the scheme was carried out by Divisional Forest Officer, Social Forestry (DFOSF) at the division level under the supervision of six³⁹ Conservators of Forests, Social Forestry (CFSF) at the circle level and headed by Principal Chief Conservator of Forest, Social Forestry, (PCCF, SF), Pune.

³⁹ Amravati, Aurangabad, Nagpur, Nashik, Pune and Thane.

The Compliance Audit (CA) was conducted to ascertain whether the scheme of creation of BDPs was implemented as per the scheme guidelines and monitoring mechanism of the scheme was in place and effective. The Forest Conservation Act 1980, Maharashtra Public Works Manual 1984, Government Resolutions/Orders/Circulars issued by GoM, and Detailed Project Report of the Bio diversity Park were used as criteria.

Fifteen⁴⁰ out of 34 districts (44 *per cent*), where these parks were envisaged to be established, were selected for audit analysis. Owing to COVID-19 pandemic, maximum coverage for test check was planned for nearby circles *viz.*, Amravati (three out of five districts) and Nagpur (five out of six districts). Further, from remaining four circles (Aurangabad, Nashik, Pune and Thane) seven districts out of 23 were selected on the basis of simple random sampling method. Besides test check of records for the period from April 2015 to March 2021 at DFOSFs of the selected districts, audit scrutiny was carried out at four CF (SF) offices (Amravati, Nagpur, Pune and Thane) including the PCCF (SF), Pune. The audit was conducted between October 2020 and September 2021.

Work of creation of 67 BDPs were taken up in the State against 68 BDPs planned to be created at a cost of ₹ 134.14 crore. However, audit noticed that, an expenditure of ₹ 96.52 crore (72 *per cent*) was incurred till March 2021 and only 15 BDPs (22 *per cent*) were completed (March 2021). As on August 2022, 35 BDPs (52 *per cent*) were completed and work in the remaining 32 BDPs was in progress. Further, out of 35 completed BDPs, 21 were handed over (August 2022).

In 15 selected districts 32 BDPs were taken up for creation, which were covered in audit as detailed in **Appendix 2.4.1**.

The audit findings were issued (November 2021) to State Government and discussed in an exit meeting held on 25 November 2021 with Principal Secretary (Forest). Department's views/replies have been incorporated appropriately.

Audit Findings

Out of 32 BDPs taken up for creation in 15 selected districts, only 15 BDPs were completed and work was in progress in 17 BDPs (August 2022).

Reasons for non-achievement of target of BDP creation are brought out in succeeding paragraphs.

2.4.2 Planning and Selection of sites

PCCF (SF) issued (April and June, 2015) instructions regarding site selection and preparation of Detailed Project Report (DPR) of each BDP under the scheme. The said instructions provided that the BDP should be created only on government land (forest/non-forest) adjacent to village which is not in use or land reserved for parks by Universities/Municipal Corporations and Councils.

⁴⁰ Bhandara, Chandrapur, Gondia, Nagpur and Wardha (Nagpur circle), Akola, Amravati and Yavatmal (Amravati circle), Jalna, Nanded, Osmanabad (Aurangabad circle), Dhule, Nashik (Nashik circle) Solapur (Pune circle) and Thane (Thane circle).

The BDP must have area of 5 to 10 hectares (*Ha*) situated within 500 meters of a habitat/village and the land should not be rocky or of inferior quality.

2.4.2.1 BDPs located beyond the prescribed distance

Twelve⁴¹ out of 32 selected BDPs were found to be situated in rural area beyond the prescribed distance of 500 meters and upto five kilometers from the nearest human habitat/village, which was in contravention to instruction issued (April 2015) by PCCF, Pune for creation of BDPs. As the BDPs were located farther than the prescribed distance, possibility of fewer visitors cannot be ruled out, which would defeat the purpose of the scheme of promoting nature conservation amongst public through provision of recreation and environment education facility in their vicinity.

State Government stated (December 2021) that a conscious attempt was made to select BDP sites either next to the main road or near some historical or religious places, where dedicated footfalls of visitors was expected.

However, it is mentioned that out of these 12 BDPs only one (Tirth BDP) was near religious place and four BDPs (Gondpimpri, Kurum, Madlabad and Navatola) were next to the main road and remaining BDPs were located far away from nearby villages which would discourage the number of people visiting to the park.

2.4.2.2 BDPs created in fragmented parts of the land

Audit observed that in three BDPs, as detailed below, the sites selected for creation of BDP were fragmented in two or more parts and these parts were unconnected internally requiring the public to visit each part separately.

- It was observed that the Majiwade BDP (Thane district) having length of 1.10 km along the road was divided into five parts by four nallahs of which only two parts were connected by a bridge. The DPR of this BDP did not have any provision for inter connection of the parts with each other.

State Government accepted the fact and stated (December 2021) that DPR would be revised for inter connection of the unconnected parts

- Rajani BDP of Wardha district, had two separate unconnected parts as the bridge proposed to connect two parts was not constructed for want of funds.

State Government accepted the fact and stated that it would be undertaken on availability of funds.

- In Jamkhel (Dhule district) though area made available was 10 *Ha*, a nallah divided the land and a library room, playing equipment, inspection hut was provided in 0.31 *Ha* portion only at a cost of ₹ 66.77 lakh and in the other portion of the BDP (9.69 *Ha*) only plantation work was done at a cost of ₹ 30.01 lakh. After incurring total expenditure of ₹ 96.78 lakh against the DPR cost of ₹ 2.14 crore, BDP was declared as completed and handed over (May 2020) to Gram Panchayat for

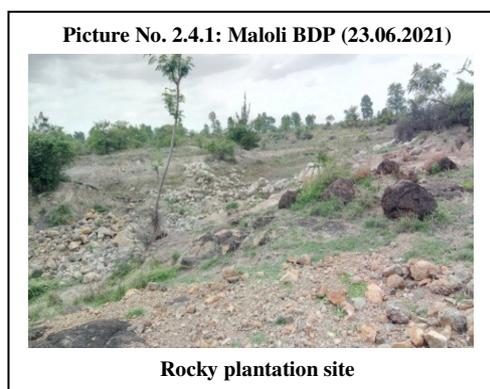
⁴¹ 500 meter to 1 km–3 parks (Upatkhedha, Navatola, Tirth), 1 km to 3 km–5 parks (Garada, Jondhalni, Kalamb, Gondpimpri, Maloli), 3 km to 5 km–1 park (Kurum–4 km), Above 5 km–3 parks (Madlabad, Dongarala, Bondhar).

operation and maintenance. Audit observed that various *components*⁴² executed were much smaller in size as envisaged in the BDP's DPR. Further, equipment *viz.* benches, street lights, animal figurines procured for this BDP were dumped in a room. Thus, the execution of BDP in a smaller area (only 0.30 *per cent* of the total area) of the site had resulted in non-installation of equipment and execution of components in available smaller area. Moreover, the plantation done on bigger area was not accessible to people as there was no pathway or road in that part.

State Government stated (December 2021) that the BDP facilities were restricted to smaller areas and plantations were taken up on the remaining area.

Reply is not acceptable as plantation was taken up on bigger part of site separated by a nallah with no access for people.

2.4.2.3 Unsuitable site of plantation



In case of Maloli BDP in Solapur district, audit observed (June 2021) that plantation on the BDP was not successful (29 *percentage* survival) and only tall grasses were observed as the site selected was rocky which was in contravention of instructions regarding site selection issued (April and June, 2015) by PCCF (SF).

State Government stated (December 2021) that most of the soil in drought prone Solapur district are derived from basalt rock and varies from shallow to moderate depth resulting in poor nutrient availability and stunted growth due to limited moisture availability. Hence, plants and vegetation chosen were suitable to this area. The Government further stated that the survival *percentage* has now increased to 70 *per cent* (December 2021).

However, documents to prove increased survival *percentage* were not furnished to audit (August 2022).

2.4.2.4 Creation of BDPs without any plan for their operation

BDPs were planned for use by general public after their completion and hence it was prescribed that these should be created on government land. Audit observed following deviations, which resulted in non-achievement of the intended benefit from the BDPs:

➤ BDPs created on non-government land

Audit observed that two BDPs of Osmanabad district, Tirth BDP and Dhoki BDP, were completed at expenditure of ₹ 99.01 lakh and ₹ 142.15 lakh respectively on land belonging to two different temple trusts⁴³. Both the BDPs were handed over (June 2020 and July 2020) to concerned trusts after

⁴² Playing equipment, Internal roads, Information centre, Library, Fencing etc.

⁴³ Site for Dhoki BDP belongs to a Sugar mill however some part of land is with a temple trust to which the BDP was handed over.

completion. Thus, creation of BDPs on non-government land was in contravention of instructions regarding site selection issued (April and June, 2015) by PCCF (SF).

➤ **BDPs created on land provided for plantation purposes**

Kati-Pati BDP of Akola district was created on a land, which was given (February 2017) to the department by the local Gram Panchayat for three years for plantation work only. Works for creation of BDP started in the year 2018-19 and an expenditure of ₹ 67.41 lakh on execution of 13 components out of total 38 components of the DPR was incurred. However, the remaining works could not be completed due to strong opposition of local people as they wanted the BDP site for grazing their cattle. Without executing the remaining works, the BDP was handed over (July 2020) to the Gram Panchayat for further operation and maintenance. Audit observed (December 2020) during site visit that instead of functioning as a BDP, the area was being utilized as a grazing ground for livestock and it was devoid of any plantation. Created assets within the park viz., the pipeline, sitting benches, etc. were also found vandalized.



Thus, selection of site for taking up of BDP without consent of Gram Panchayat resulted in handover of it to Gram Panchayat in incomplete stage and expenditure incurred rendered wasteful.

State Government stated (December 2021) that Chief Executive Officer, ZP, Akola was instructed to resolve the issue.

2.4.3 Financial Management

An outlay of ₹ 134.14 crore was projected by R&FD during 2015-2019 to create 68 BDPs against which only ₹ 87.83 crore *i.e.* only 65 per cent of the required fund was released during the scheme period of 2015-2019.

It was also observed that during 2019-2021 only ₹ 10.34 crore was released as against required funds of ₹ 46.31 crore to complete the BDPs. Thus, a total of ₹ 98.17 crore was released (March 2021), against which an expenditure of ₹ 96.52 crore was incurred.

Audit observed that out of 67 BDPs taken up for creation against the 68 targeted, only 15 BDPs could be completed (March 2021). As of August 2022, 35 BDPs were completed and 21 BDPs handed over for operation and maintenance.

2.4.3.1 Short release of funds

In 15 selected districts, the funds required, released and expenditure incurred during 2015-2021 was as shown in **Table 2.4.1**.

Table 2.4.1: Fund required, released and expenditure incurred

| (₹ in crore) | | | | | | |
|--------------|------------------|----------------|--------------------------|---------------|----------------------|-----------------------|
| Sr. No. | Name of District | Number of BDPs | Fund required as per DPR | Fund Released | Expenditure incurred | Short release of fund |
| 1 | Akola | 3 | 9.90 | 6.10 | 5.67 | 3.80 |
| 2 | Amravati | 2 | 5.48 | 4.10 | 4.10 | 1.38 |
| 3 | Bhandara | 1 | 2.01 | 0.93 | 0.93 | 1.08 |
| 4 | Chandrapur | 3 | 6.86 | 6.62 | 6.61 | 0.24 |
| 5 | Dhule | 1 | 2.14 | 0.97 | 0.97 | 1.17 |
| 6 | Gondia | 4 | 7.32 | 4.87 | 4.87 | 2.45 |
| 7 | Jalna | 2 | 3.90 | 3.10 | 3.10 | 0.80 |
| 8 | Nagpur | 1 | 2.96 | 1.79 | 1.79 | 1.17 |
| 9 | Nanded | 2 | 4.57 | 3.35 | 3.35 | 1.22 |
| 10 | Nashik | 3 | 6.05 | 2.92 | 2.49 | 3.13 |
| 11 | Osmanabad | 2 | 2.79 | 2.41 | 2.41 | 0.38 |
| 12 | Solapur | 2 | 2.80 | 2.65 | 2.65 | 0.16 |
| 13 | Thane | 2 | 13.22 | 11.05 | 11.05 | 2.17 |
| 14 | Wardha | 2 | 3.92 | 2.28 | 2.15 | 1.64 |
| 15 | Yavatmal | 2 | 2.27 | 1.95 | 1.95 | 0.32 |
| Total | | 32 | 76.20 | 55.10 | 54.09 | 21.10 |

Source:-Information submitted by Department

➤ There was a shortfall of ₹ 21.10 crore (27 per cent) in the funds provided to selected BDPs. Out of 32 BDPs, only 9 BDPs were completed in which three BDPs were declared as completed after execution of partial works (45 per cent) and 23 BDPs were still incomplete (June 2021).

State Government (December 2021) accepted that due to non-availability of funds, the BDPs remain incomplete.

2.4.3.2 Non- utilization of allocated funds

GoM had allocated ₹ 6.33 crore for the scheme during 2019-20 (for all 67 BDPs) out of which ₹ 89.26 lakh was surrendered and ₹ 68.50 lakh lapsed to Government on 31 March 2020 and ₹ 7.99 lakh could not be drawn by DFOSF, Aurangabad due to locking of Budget Distribution System (BDS) since 27 March 2020 till the end of the financial year (31 March 2020). Thus, the amount of ₹ 1.66 crore though available could not be utilized for the scheme during 2019-20.

In Wardha district, an amount of ₹ 10 lakh out of ₹ 70.64 lakh received in 2016-17 was surrendered (January 2017) to PCCF (SF) Pune and in Akola district, funds of ₹ 12 lakh and ₹ 31.16 lakh released in 2015-16 and 2019-20 respectively could not be utilized during these years.

State Government accepted the fact and stated (December 2021) that funds remained unutilized due to delay in e-tendering process of the proposed works.

2.4.4 Creation, operation and maintenance of BDPs

Audit observed that out of 32 BDPs taken up for creation in the selected 15 districts, only 9 BDPs were completed (June 2021) and work in 23 BDPs were in progress. As on August 2022, 15 were completed out of which three were declared as completed at incomplete stage. Out of the 15 completed BDPs, 10 BDPs were handed over to trusts/ local bodies/ forest department for operation and maintenance.

2.4.4.1 Deterioration of assets created in BDPs not yet completed

Audit observed in 12 BDPs in 10 out of 15 selected districts during site visits with officials of concerned DFOSF (between October 2020 and July 2021) of the incomplete BDPs that the assets created had deteriorated, damaged or stolen as shown in **Table 2.4.2**:

Table 2.4.2: Deteriorated/damaged/stolen assets or equipments of incomplete BDPs

| Sl. No. | Deterioration/damages noticed | Audit observations | | | | | | |
|--|---|---|---|--|--|---|--------------------------------|-------------------------------|
| 1. | Plantation not found and long grasses noticed | <p>Jondhalni BDP (Yavatmal): Plantation like Nakshatra van, Mix plantation, 400 Bamboo plants carried out at a cost of ₹ 7.41 lakh were not found and long grasses above height of 6 feet were noticed.</p> <p>Kudwa BDP (Gondia): Plantations carried out in various vans were not in existence which was also confirmed by CF, Nagpur during his visit (February 2019).</p> <p>Dongarla BDP (Bhandara): Nakshatra van, Panchvati van, Rashi van, Navgrah van and medicinal plants were not found at the BDP site except for long grasses.</p> <p>Madlabad BDP (Amravati): Most of the plants in various vans (Melghat van, Medicinal van, Sericulture van, Oil van, Lac van, Bamboo van) were found dead and only long grasses were noticed.</p> <p>Washimba BDP (Akola): Wild grass/shrubs had covered the internal pathways.</p> <p>Kurum BDP (Akola): Wild grass/shrubs had grown in various Vans hampering the growth of plantations.</p> <p>Arjuni-Morgaon, Kudwa, Navatola and Garada BDPs (Gondia): Large grasses were found at all places hampering growth of plants and also making the internal roads unusable.</p> <p>Vena Nimji BDP (Nagpur) and MIDC Wardha BDP: Playing equipment and lavatories had deteriorated and were not usable because of long grasses above height of 6 feet.</p> | | | | | | |
| | Sample pictures | <table border="1"> <thead> <tr> <th>Picture No. 2.4.3 Jondhalni BDP (4.12.2020)</th> <th>Picture No. 2.4.4 MIDC Wardha BDP (12.11.2020)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td>Grass instead of Nakshatra van</td> <td>Tall grasses all over the BDP</td> </tr> </tbody> </table> | Picture No. 2.4.3 Jondhalni BDP (4.12.2020) | Picture No. 2.4.4 MIDC Wardha BDP (12.11.2020) |  |  | Grass instead of Nakshatra van | Tall grasses all over the BDP |
| Picture No. 2.4.3 Jondhalni BDP (4.12.2020) | Picture No. 2.4.4 MIDC Wardha BDP (12.11.2020) | | | | | | | |
|  |  | | | | | | | |
| Grass instead of Nakshatra van | Tall grasses all over the BDP | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|---|--|--|---|---|---|--|--------------------|-------------------|
| 2. | Playing equipment and other created assets found damaged | <p>Maloli BDP (Solapur): Reception room and lavatories for the BDP were constructed in a nursery adjacent to the BDP site. Out of 10 solar lights installed at a cost of ₹ 2.38 lakh in park, eight lights (₹ 1.90 lakh) were missing and only two solar lights were found. No fencing to secure the BDP was executed.</p> <p>Kumbhari BDP (Solapur): Farm pond, reception room, toilet, water tank, tree ottas, internal roads and sign boards were damaged and deteriorating due to non-maintenance. Trenching work (at a cost of ₹ 2.69 lakh) was done in 2015-16 to secure the area was rendered wasteful as later in 2017-18, work of chain-link fencing was carried out at a cost of ₹ 10.83 lakh.</p> <p>Dongarla BDP (Bhandara): Garden lawn created at a cost of ₹ 2.99 lakh was not in existence, playing equipment (costing ₹ 2.98 lakh), Pagodas and pathway were damaged.</p> <p>Madlabad BDP (Amravati): Work of chain-link fencing (103 meter) was incomplete, roads/pathways, solar lamps were damaged, and Electricity system installed at ₹ 6.69 lakh was not in working condition.</p> <p>Washimba BDP (Akola): Fountain constructed in a garden at a cost of ₹ 2.53 lakh was not in working condition.</p> <p>Kurum BDP (Akola): Benches and tree ottas (costing ₹ 9.80 lakh) were found damaged.</p> <p>Kandhane BDP (Nashik): Animal figurines, tree ottas, playing equipment, water tank were found damaged.</p> <p>Arjuni-Morgaon, Kudwa, Navatola and Garada BDPs (Gondia): Water tank, playing equipment, ottas and walking track were damaged/deteriorated. Solar lights (costing ₹ 2.83 lakh) were not in working condition.</p> <p>Majiwade BDP (Thane): Pathways, internal roads (paver block) benches and playing equipment was damaged due to movement of machineries for construction of Information Center.</p> | | | | | | |
| | Sample pictures | <table border="1"> <tr> <td data-bbox="469 1151 820 1205">Picture No. 2.4.5: Kurum BDP (22.12.2020)</td> <td data-bbox="820 1151 1200 1205">Picture No. 2.4.6 Kurum BDP(22.12.2020)</td> </tr> <tr> <td data-bbox="469 1205 820 1473">  </td> <td data-bbox="820 1205 1200 1473">  </td> </tr> <tr> <td data-bbox="469 1473 820 1496">Deteriorated bench</td> <td data-bbox="820 1473 1200 1496">Damaged tree otta</td> </tr> </table> | Picture No. 2.4.5: Kurum BDP (22.12.2020) | Picture No. 2.4.6 Kurum BDP(22.12.2020) |  |  | Deteriorated bench | Damaged tree otta |
| Picture No. 2.4.5: Kurum BDP (22.12.2020) | Picture No. 2.4.6 Kurum BDP(22.12.2020) | | | | | | | |
|  |  | | | | | | | |
| Deteriorated bench | Damaged tree otta | | | | | | | |

As the BDPs were incomplete and there was no provision in the DPR for maintenance of assets formed during creation of BDPs, the assets had deteriorated or had damaged or stolen.

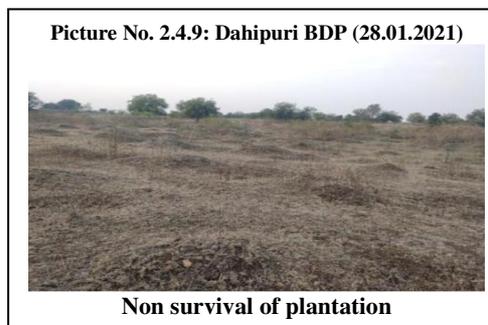
State Government accepted (December 2021) the above facts and stated that paucity of funds, non availability of labour during Covid and restriction on movement of staff adversely affected the infrastructure during last 2 years.

2.4.4.2 Non-handing over of completed BDPs

Audit observed (January 2021) that the BDP at FGTS, Jalna was completed (March 2019) after spending ₹ 2.14 crore, but not handed over to any JMFC or local bodies for operation and maintenance. During site visit (January 2021) audit observed that due to lack of operation and maintenance the BDP was in poor condition and articles like playing equipment, solar lamps, bird nest and dust bins were dumped in a room as shown in the photograph below.



It was also observed (January 2021) that Dahipuri BDP of Jalna district was taken up at sanctioned cost of ₹ 1.91 crore, was declared as completed (March 2019) after execution of only 45 per cent work (of ₹ 0.86 crore) due to opposition from villagers. It could not be handed over for operation and maintenance because the Gram Panchayat was unwilling to take over.



Further, the fencing work which was required to be taken up at the initial stage of creation of BDP for protection of plantations and safeguarding against encroachment was not done resulting in non-survival of entire plantation of 10,170 saplings of various species and 75,500 saplings of Duranta plants at the cost of ₹ 36.14 lakh as shown in adjoining photograph. The pipes, costing ₹ 14.64 lakh installed for drip irrigation of plantation work, were also non-operational and damaged.

Thus, non-handing over of the completed BDPs for further operation and maintenance resulted in deterioration and damaging of asset created in FGTS, Jalna BDP and non survival of plantation in Dahipuri BDP.

State Government stated (December 2021) that in case of FGTS Jalna BDP handing over process was in progress, in case of Dahipuri BDP there was no alternative than to hand over the park to Gram Panchayat. Concerned authorities were instructed to complete the park despite opposition from villagers.

Reply is not tenable as FGTS Jalna BDP was completed in March 2019 and thereafter timely action for handing over the park or maintenance of the park was not taken up by the DFOSF, Jalna. Dahipuri BDP was declared as completed on execution of partial work in March 2019 and thereafter the BDP was neither handed over nor being maintained.

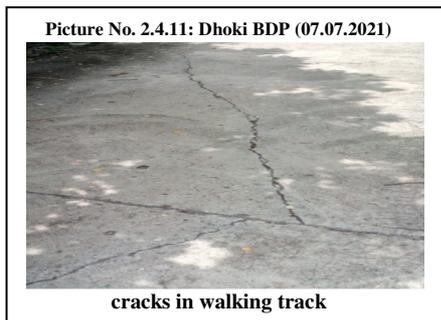
2.4.4.3 Lack of maintenance of handed over BDPs

Scheme guidelines prescribed handing over of the completed BDPs to JFMC, if available and working, or to any Local Body (Gram Panchayat or Municipal Council) for its further maintenance and operation. Levy of entry fee to the BDP was aimed to make the BDPs self-sustainable.



Out of the 10 BDPs, which were handed over to the trusts/local bodies/territorial forest division for operation and maintenance, two BDPs (Tirth and Dhoki) of Osmanabad district, as discussed in **Paragraph 2.4.2.4**, were handed over to temple trusts after completion. During site visit (July 2021) of Tirth BDP audit observed that animal figurines, playing equipment, lavatories, solar lamps and drip irrigation pump were found to be damaged

or deteriorating as shown in photograph.



In Dhoki BDP, audit observed during site visit (July 2021) with Assistant Conservator of Forest, Osmanabad that walking tracks, animal figurines and pagodas were in damaged condition.

The poor condition and inadequate maintenance of Jamkhel BDP of Dhule district, and Kati-pati BDP of Akola

district, which were handed over to respective Gram Panchayats have been discussed in **Paragraphs 2.4.2.2 and 2.4.2.4** respectively.

State Government stated (November 2021) that enquiry will be initiated in the case of three BDPs (Dahipuri in Jalna, Jamkhel in Dhule and Kati-Pati in Akola). State Government further stated (December 2021) that in case of Tirth and Dhoki BDPs, responsibilities of management and protection lay with the authority/agency to which the BDP was handed over and the trusts had been informed to repair the equipment.

2.4.4.4 Irregular award of works to contractors

Maharashtra Public Works Manual, 1984 (MPWM) stipulates that for all works to be given out on contract, tenders should invariably be invited.

In four BDPs (Arjuni Morgaon, Kudwa, Navatola and Garada) of Gondia district, an agency was appointed (September 2016) for the work of providing technical services and Multi-Tasking Staff, without inviting tenders and payment of ₹ 0.55 crore was made to the agency during October 2016 to March 2019.

State Government accepted (December 2021) the lapse and asked CF, Nagpur to fix responsibility and initiate action.

2.4.4.5 Irregular splitting of work

General Administration Department of GoM vide resolution of November 2014 directed that for the tenders costing above ₹ 3 lakh, e-tendering system should be followed. The Maharashtra Public Works Manual, 1984 also specifies that if a single work is split up into smaller works, the officer concerned should obtain prior approval of the authority competent to accept the tender for the whole work.

Audit observed that in five⁴⁴ BDPs, 12 works (total cost of ₹ 1.06 crore) were split up into each work costing less than ₹ 3 lakh. No e-tendering process was followed in respect of these works. Further, this splitting of work by DFOSFs did not have prior approval of the authority competent to accept the tender for the whole work.

State Government accepted (December 2021) the fact and issued instruction to CF, Aurangabad and Thane to fix responsibility and initiate disciplinary action on the officers concerned.

2.4.5 Monitoring Mechanism

Monitoring is crucial for tracking the progress of any scheme, programme or a process with a view to detect deviations for early corrective action and learn lessons for future planning. Audit observed the following inadequacies in monitoring of the scheme.

2.4.5.1 Inspection/monitoring of BDPs

PCCF, SF Pune instructed (October 2015) that CFSFs should visit each BDP during the first year of the scheme. There was no other provision regarding periodical inspection of the BDPs either by the CFSF or DFOSF.

Details of visit by the four CFSFs during 2015-2021 are shown in **Table 2.4.3**

Table 2.4.3: Number of field visits of BDPs by CFSFs

| Name of CF | No. of BDPs | Total number of visits | BDPs not visited during first year | BDP never visited | BDPs visited only once |
|--------------|-------------|------------------------|------------------------------------|--------------------|------------------------|
| Amravati | 11 | 47 | 3 | 1 (Kati-Pati) | 0 |
| Nagpur | 12 | 33 | 10 | 1 (Arjuni-Morgaon) | 2 |
| Thane | 10 | 81 | 4 | 0 | 1 |
| Pune | 10 | 19 | 9 | 0 | 3 |
| Total | 43 | 180 | 26 | 2 | 6 |

Source: Information submitted by department

From above table it is observed that 26 out of the 43 BDPs under these four CFSFs were not visited by the respective CFSFs during the first year. Further, no details like inspection notes etc. were available on record regarding 180 visits by these CFSFs during 2015-2021 to the BDPs.

State Government stated (November 2021) that updated information of inspection of BDP would be provided to audit.

2.4.5.2 Mid-term evaluation of BDPs

PCCF (SF) instructed (April 2015) that a mid-term evaluation of BDP should be carried out to take necessary corrective actions.

Audit observed that only two DFOSFs (Gondia and Nashik) had conducted (February 2021) a mid-term evaluation of BDPs under them but no evaluation reports or documents were produced to audit for verification. In the remaining 13 districts, no records pertaining to mid-term evaluation were provided to audit.

⁴⁴ Wadeपुरi and Bondhar (Nanded), Majiwade and Kanwinde (Thane) and FGTS (Jalna).

Further, no such mid-term evaluation of the scheme was ever carried out by the PCCF. However, a meeting was called for (May 2017) by the PCCF to discuss guidelines of the scheme in which members of the Maharashtra State Biodiversity Board and Botanical Survey of India were also invited. The recommendations emerging out of this meeting regarding selection of sites, species of plants to be planted and ensuring water availability were forwarded (June 2017) to all the CFs.

State Government stated (December 2021) that due precautions would be taken henceforth to conduct timely evaluation.

Department of Goods and Services Tax

2.5 GST Transitional Credits

Audit observed inconsistency in departmental circular with respect to provisions of MGST Act allowing unavailed credit in respect of capital goods which leads to impede dealers from getting benefits of transitional credit. Audit noticed cases of excess availment of transitional credits amounting to ₹ 26.92 crore due to irregular declaration in GST TRAN-1 by tax payers. Irregular transitional credit amounting to ₹ 7.99 crore was availed by tax payers though they did not file all the prescribed returns. Audit also observed the cases of irregular availment of transitional credit on goods in transit, input contained in work-in-progress/finished goods and amount credited to ECL in excess of TRAN form. Commissioner of State Tax failed to produce the records pertaining to verification of the claims of transitional credits availed by tax payers to Audit for scrutiny inspite of repeated requisitions due to which audit could not verify effectiveness of verification of transitional credit by the Department.

2.5.1 Introduction

Introduction of Goods and Services Tax (GST) is a significant reform in the field of indirect taxes in our country, which replaced multiple taxes levied and collected by the Centre and States. GST is a destination based tax on supply of goods or services or both, which is levied at multi-stages, wherein the taxes will move along with supply. The tax will accrue to the taxing authority, which has the jurisdiction over the place of supply.

Tax is levied simultaneously by the Centre and States on a common tax base. Central GST (CGST) and State GST (SGST)/Union Territory GST (UTGST) is levied on intra-state supplies and Integrated GST (IGST) is levied on inter-state supplies.

On the lines of the Central Goods and Services Tax Act, 2017, to make provisions for levy and collection of tax on intra-State supply of goods or, services or, both in the State of Maharashtra and the matters connected therewith or incidental thereto, the Maharashtra Goods and Services Tax Act, 2017 (MGST Act) was enacted and came into force with effect from 01 July 2017.

2.5.1.1 Transitional Credit:

Input Tax Credit (ITC) of taxes paid on inputs, input services and capital goods by a dealer is available for set-off against the output tax liability is one of the key features of GST. To ensure the seamless flow of ITC from the existing laws (Value Added Tax (VAT) regime) to GST regime, a 'Transitional arrangements for Input Tax' was included in the MGST Act⁴⁵ to provide transitional provisions relating to migration of existing tax payers and arrangements for ITC specifying for the entitlement and manner of claiming input tax in respect of appropriate taxes or duties paid under existing laws. Transitional credit provisions are important for both the Government and business to ensure seamless transition of accumulated credits from the legacy returns (VAT regime), input tax in respect of raw materials, work in progress, finished goods held in stock as on the appointed day as well as unavailed credit in respect of capital goods into the GST regime. The provisions enable taxpayers to transfer such input credits only when they are used in the ordinary course of business or furtherance of business and for taxable supplies under GST.

2.5.2 Process of Transitional Credit

Section 140 of the MGST Act provide that a registered person (other than a person opting to pay tax under section 10) shall be entitled to take transitional credit, which is carried forward in the last return relating to pre-GST regime subject to the following:

- (1) said amount of credit is admissible as input tax credit under this Act ;
- (2) taxpayer furnished all the returns required under the existing law for the period of six months immediately preceding the appointed date;
- (3) credit relates to units entitled to claim set-off under rule 79 of MVAT Rules;
- (4) unavailed ITC in respect of capital goods;

Section 140 of MGST Act envisaged that a registered person, other than a person opting to pay tax under section 10, shall be entitled to take, in his electronic credit ledger, credit of the amount of VAT, and Entry Tax, if any, carried forward in the return relating to the period ending with the day immediately preceding the appointed day⁴⁶, furnished by him under the existing law⁴⁷ by filing declaration electronically in FORM GST TRAN-1.

Tax payers can claim various components of transitional credit, under the relevant sections of the MGST Act, in the appropriate tables of TRAN-1 as mentioned below in **Table 2.5.1**.

⁴⁵ Section 139 to 142 of MGST Act.

⁴⁶ 01 July 2017.

⁴⁷ Maharashtra Value Added Tax Act, 2002 and Maharashtra Value Added Tax Rules, 2005.

Table 2.5.1

| Sections of the MGST Act | TRAN-1 Table No. | Transitional credit component |
|---|------------------|--|
| 140 (1) | 5(b) | Details of statutory forms for the period (01.04.2015-30.06.2017) received for which credit is carried forward |
| 140 (1), 140(4) | 5 (c) | Amount of tax credit carried forward to electronic credit ledger as state tax |
| 140(2) | 6(b) | Un-availed credit on capital goods |
| 140(3), 140(4) | 7(a)B | Credit on duty paid stock-without invoices |
| 140(5) | 7(b) | Credit on Input/input service in transit |
| 140(3),140(4),140(6) | 7 (c) | Credit on duty paid stock-with invoices |
| 141(4) | 9(a) | Details of goods sent as Principal to job-worker |
| 141(4) | 9(b) | Details of goods held in stock as job-worker on behalf of the Principal |
| 142 (14) | 10(a) | Details of goods held as an agent on behalf of Principal |
| 142(11)(c) | 11 | Detail of credit availed on VAT paid under works contract |
| 142(12) | 12 | Details of goods sent on approval basis |
| <i>Source: Section 140 to 142 of MGST Act</i> | | |

The transitional credit is a one-time flow of input credit from the legacy regime in to the GST regime.

2.5.3 Audit Scope, Methodology and Sample Selection

All registered taxpayers, except those, who had opted for payment of tax under Composition Scheme⁴⁸ were eligible to claim transitional credit by filing FORM GST TRAN-1 declaration. The records relating to selected cases of transitional credit claims were scrutinized by Audit between April 2021 and September 2021. The methodology for verification of transitional credit claims involved scrutiny of records available with the Assessing Officers and data analysis/verification of information available in SAP⁴⁹ Portal as well as Back Office System of State GST Department. An Entry Conference with Deputy Secretary (Taxation), Finance Department, Government of Maharashtra was held online on MS Teams on 25 February 2021. The six Additional Commissioners and four Joint Commissioners and Dy. Commissioner (Internal Audit) of the State Tax Department attended the entry conference.

Considering the pandemic, out of total 52,669 cases involving total Transitional credit amounting to ₹ 2270 crore, a sample of 1,366 cases involving an amount of ₹ 756.57 crore, was selected by adopting Statistical Random Sampling Method covering major economic hubs/industrial centres located under the jurisdiction of Mumbai, Mumbai-Suburban, Nagpur, Pune and Thane divisions. The physical audit of 124 cases of Nagpur division was conducted from April-June 2021 and online audit of remaining cases from selected divisional offices was conducted between July 2021 and September 2021 with the following audit objectives:

⁴⁸ Section 10 of MGST Act.

⁴⁹ Systems Applications and Products in Data Processing.

2.5.4 Audit objectives

Subject Specific Compliance Audit on GST Transitional Credit was conducted with the objectives to seek an assurance on:

- Whether the mechanism envisaged by the Department for selection and verification of transitional credit claims was adequate and effective (system issues).
- Whether the transitional credits carried over by the assessee into GST regime were valid and admissible (compliance issues).

2.5.5 Audit criteria

The Audit findings are based on the criteria derived from:

- Section 139-142 of the Maharashtra Goods and Services Tax Act, 2017 (MGST Act);
- Rule 117-119 of the Maharashtra Goods and Services Tax Rules, 2017 (MGST Rules);
- Relevant provisions of Maharashtra Value Added Tax Act, 2002 (MVAT Act);
- Maharashtra Value Added Tax Rules, 2005 (MVAT Rules);
- Notifications/Circulars/Orders issued by Commissioner of State Tax, Maharashtra State, Mumbai.

2.5.6 Responsiveness of the Department

We sought access to records pertaining to 1366 sample cases, the Department provided access to departmental systems through user IDs. During scrutiny, the Audit sought various information and issued various audit memorandums to the test checked Divisional and Controlling Officers. However, responses from the Department remained to be received in most of the audit memorandum till date (August 2022). A draft Subject Specific Compliance Audit Report was issued to the Government in December 2021, wherein Government's comments were sought on the audit findings included in the report. The Exit conference was held in January 2022.

Audit Findings

A sample of 1,366 transitional credit cases was selected for online audit. In test check of 1,095 cases it was observed that in 86 cases there was excess availment of transitional credit against credit carried forward in last return, in eight cases legacy return was not filed while in three cases the tax payers availed irregular/excess credit from previous return/without requisite certificate as detailed in paragraph 2.5.8.1, 2.5.8.2, 2.5.8.3 and 2.5.8.4. Audit observations on irregular availment of Transitional Credit on capital goods, on goods in transit and on inputs contained in semi-finished and finished goods are discussed in paragraph 2.5.8.5, 2.5.8.6, 2.5.8.7 and 2.5.8.8.

A summary of audit observations is given in **Table 2.5.2:**

Table 2.5.2: Extent of deficiencies noticed (Deviation)

(₹ in crore)

| Sl. No. | Para No. | Nature of Audit Findings (indicative only) | Audit Sample | | Number of Deficiencies noticed | | Deficiencies as percentage of Sample | |
|---------|----------|---|--------------|--------|--------------------------------|--------|--------------------------------------|--------|
| | | | Number | Amount | Number | Amount | Number | Amount |
| 1 | 2.5.8.1 | Availment of transitional credit against credit carried forward in the last return of Pre-GST regime | 1095 | 594.35 | 86 | 26.92 | 9.13 | 9.11 |
| 2 | 2.5.8.2 | Transitional credit availed without filing legacy returns | | | 8 | 7.99 | | |
| 3 | 2.5.8.3 | Irregular availment of transitional credit from previous legacy returns | | | 2 | 5.54 | | |
| 4 | 2.5.8.4 | Excess availment of transitional credit in absence of requisite certificates | | | 1 | 0.22 | | |
| 5 | 2.5.8.5 | Inconsistent departmental circular with respect to provisions of MGST Act allowing unavailed credit in respect of capital goods | | | 3 | 13.51 | | |
| 6 | 2.5.8.6 | Irregular availment of transitional credit on input services | 118 | 112.57 | 1 | 1.57 | 0.85 | 1.39 |
| 7 | 2.5.8.7 | Irregular availment of transitional credit on inputs contained in work-in-progress or finished goods | 210 | 139.52 | 12 | 4.25 | 5.71 | 3.05 |
| 8 | 2.5.8.8 | Amount credited to ECL in excess of the TRAN amount | | | 1 | 0.29 | 0.48 | 0.21 |

2.5.7.1 Non-production of information relating to Transitional Credit Verification by the Department

A tax payer is required to avail input tax credit by filing TRAN-1, which was shown in the return filed for the period ending June 2017. On filing TRAN-1 by the dealer, the same is fetched in the GST Electronic Credit Ledger (ECL) of the tax payer. Thus, transition of ITC is trust based. The Economic Intelligence Unit (EIU) of the Department shared this data relating to transitional credit taken to the ECL with the respective Joint Commissioners of State Tax (JCST), who in-turn should share with the respective Nodal Officers for verification of TRAN-1 credit.

The Commissioner of State Tax (CST) directed (January 2018⁵⁰ and September 2018⁵¹) Nodal Officers to complete the verification of the claims of transitional credits taken through TRAN-1 on or before 25 September 2018 and to submit the report by 10 November 2018. It was further directed that all the Additional Commissioner of State Tax (ACST) and concerned JCST shall ensure that the verification of TRAN-1 credit was monitored effectively and ACST shall take weekly review of the said exercise.

⁵⁰ Internal Circular 1A of 2018 dated 01 January 2018.

⁵¹ Internal Circular 23A of 2018 dated 01 September 2018.

In order to ascertain the extent of verification (SGST component of transitional credit allotted to State authorities) done by the Divisional Joint Commissioner and monitoring done by the Zonal Additional Commissioners, as directed by CST, relevant data was called for (July 2021) from the Office of the CST, Maharashtra State, Mumbai.

CST provided details of 9,043 cases involving Transitional credit claims of ₹ 1,970 crore (5,637 pertaining to State jurisdiction and 3,406 of Central jurisdiction) out of total 52,669 cases involving Transitional credit of ₹ 2,270 crore distributed to officers of the State Tax Department for detailed verification only in January 2022. However, details of the cases verified and result thereof was not provided to Audit due to which Audit could not ascertain the adequacy and effectiveness of verification done by the Department.

The Audit observations were communicated to the Government (February 2022 and April 2022). However, their replies are awaited (August 2022).

2.5.7.2 Non-production of invoices / list of invoices

Audit requisitioned (June 2022) the list of invoices and sample invoices for detailed scrutiny in 93 cases where taxpayers were required to provide details of tax invoices in TRAN form, out of selected 255 cases pertaining to four⁵² units. However, in 71 cases the concerned list of invoices and sample invoices were not submitted to Audit.

In reply, the JCSTs concerned replied that the requisitioned records would be obtained from the assesseees and submitted to Audit in due course. However the same are still awaited (August 2022). The matter is brought to notice of Commissioner of State Tax, Maharashtra State (August 2022). The compliance is still awaited.

Due to non-production of requisitioned records, Audit could not assess the correctness of the transitional credits availed in those cases.

Recommendation 1: Department should ensure timely submission of records to Audit.

2.5.8 Compliance Issues

2.5.8.1 Irregular/excess availment of transitional credit against credit carried forward in the last return of pre-GST regime

As per sub-section (1) of section 140 of the MGST Act, a registered person, other than a person opting to pay tax under section 10, shall be entitled to take, in his ECL, credit of the amount of VAT and Entry Tax, if any, carried forward in the return relating to the period ending with the day immediately preceding the appointed day⁵³, furnished by him under the existing law⁵⁴ in such manner as may be prescribed:

⁵² JCST, Mazgaon, JCST, LTU-I, Mumbai, JCST, LTU-II, Mumbai and JCST, LTU-II, Pune.

⁵³ 01 July 2017.

⁵⁴ MVAT Act and Rules.

As per section 20(4) of the MVAT Act, any person or dealer who, having furnished a return, discovers any omission or incorrect statement therein, may furnish a revised return as regards to the period in respect of which the omission or incorrect statement is discovered, before the expiry of the prescribed period therein.

Vide Para 2 of Internal Circular No.35A of 2019 dated 19 October 2019, the CST clarified four situations where the amount carried forward was wrongly mentioned as 'refund claimed' in the original return for the period ending 30 June 2017 *vis-a-vis* in the 'revised return' is to be considered for allowing transitional credit as shown in **Table 2.5.3**:

Table 2.5.3

| Situation | Amount claimed as | Amount claimed in return for the period ending 30.06.2017 | | Credit to be allowed as Transitional Credit as per CST circular | |
|-----------|-------------------|---|----------------|---|--|
| | | Original (in ₹) | Revised (in ₹) | Instructions | Amount |
| 1 | Refund | 1,00,000 | 0 | Claimed 'refund' in original return but in revised return same amount was claimed as 'carry forward' instead of refund. | 1,00,000 |
| | Carry forward | 0 | 1,00,000 | | |
| | Carry forward | 0 | 1,50,000 | Claims higher amount as 'carry forward' in revised return instead of 'refund' amount of original return. | 1,00,000 |
| | Carry forward | 0 | 80,000 | Claims lesser amount as 'carry forward' in revised return instead of 'refund' amount of original return. | 80,000 |
| 2 | Carry forward | 1,00,000 | 1,20,000 | Claims higher amount as 'carry forward' in revised return than original return. | 1,00,000 |
| 3 | Carry forward | 1,00,000 | 90,000 | Claims lesser amount as 'carry forward' in revised return than original return. | 90,000 |
| 4 | Refund | 1,00,000 | 1,50,000 | Claimed 'carry forward' as well as 'refund' both in original return but claims different amount for both in revised return. | 1,50,000 (Amount in original or revised returns whichever is less to be allowed) |
| | Carry forward | 2,00,000 | 1,50,000 | | |

It was also clarified that the Nodal authorities shall ensure that in no case the tax payer is eligible for MVAT refund as well as transitional credit for the same credit. Audit observed that there were availment of excess transitional credits amounting to ₹ 26.92 crore in ECLs of 86 cases out of 1,095 test checked cases (**Appendix 2.5.1**) due to irregular excess declaration in GST TRAN-1 Table-5(c) by tax payers as compared to their respective original and revised VAT returns for the period ended on June 2017.

The Audit observations were communicated to the Assessing Officers concerned (April 2021 to September 2021). In one case⁵⁵, the department took corrective action. An assessment order was passed (February 2022) wherein

⁵⁵ M/s. Bora and Bora Technologies LLP, GSTIN-27AAPFB2057B1ZP, LTU-II, Pune.

the refund claimed by the assessee was rejected. Replies in remaining cases are still awaited. (August 2022).

Illustration:

A dealer⁵⁶ in original VAT return for the month of June 2017 shown VAT credit under carried forward as NIL amount as closing VAT input credit balance in July 2017 and refund of ₹ 1.48 crore under refund column in Table 5(c). The amount of ₹ 0.76 crore was reflected in his ECL on 28 September 2017 and ₹ 0.84 crore on 27 December 2017. Thus, total transitional credit carried forward in ECL was ₹ 1.60 crore. Further, in August 2019, dealer filed revised return for the month of June 2017, wherein Excess credit carried forward to subsequent tax period was again shown as 'NIL' and refund claimed was shown as ₹ 1.61 crore. Hence the dealer did carry forward the credit neither in original nor in revised return. This resulted in irregular availment of transitional credit amounting to ₹ 1.60 crore.

2.5.8.2 Transitional credit availed without filing legacy returns

Proviso (ii) of section 140 (1) provided a precondition, for transition of credit from legacy returns of GST, that the tax payer should file all returns required under the existing law for a period of six months immediately preceding the appointed date.

Audit observed that out of 1,095 cases, in eight cases, irregular transitional credit amounting to ₹ 7.99 crore was availed (*Appendix-2.5.2*) though tax payers did not file all the prescribed returns for a period of six months immediately preceding the appointed date.

Audit communicated the observation in April to September 2021. However, replies thereof are awaited (August 2022).

Illustration:

A tax payer⁵⁷ did not file VAT return for the period of January 2017 to June 2017. However, in the TRAN-1, the tax payer declared a claim of transitional credit amounting to ₹ 2.72 crore under Table 5(c), which reflected in his ECL in November 2017. This resulted in irregular availment of transitional credit of ₹ 2.72 crore

2.5.8.3 Irregular availment of credit from previous legacy returns

Scrutiny of the previous six monthly returns of two tax payers (*Appendix-2.5.3*) revealed that the dealers did not have balance of ITC to be carried forward or have claimed refund in previous return but the amount was carried forward to next return and was taken in ECL as transitional credit. This had resulted in consideration of irregular transitional credit of ₹ 5.54 crore.

The Audit communicated the observation in August to September 2021. However, replies thereof are awaited (August 2022).

⁵⁶ F.D.C. Ltd. having GSTIN: 27AAACF0253H1Z0 under the Mumbai LTU-502 Division.

⁵⁷ M/s Steel Fab Engineering Corporation having GSTIN No. 27AAPFS1542Q1ZH under the Mazgaon Division of Mumbai.

Illustration:

A tax payer⁵⁸ in his monthly VAT return of March 2017 had shown ITC of ₹ 9.31 crore as carried forward to next return viz April 2017 and accordingly, credit was carried forward in June 2017 in ECL. However, scrutiny of Revised Annual Return for the year 2016-17 revealed that the tax payer had shown credit carried forward as 'NIL' and claimed refund of ₹ 1.51 lakh at the end of March 2017. However, the tax payer carried forward ITC of ₹ 4.41 crore. The taxpayer was required to pay the credit of ₹ 4.41 crore, wrongly taken and also to pay the amount based on the revised figures in annual return. Audit reworked amount payable by tax payer for the period from March 2017 to June 2017 as ₹ 4.79 crore.

2.5.8.4 Excess availment of transitional credit in absence of requisite certificates

As per paragraph 3.3 of Internal Circular No. 23A of 2018 dated 01 September 2018, the ITC as attributed to the interstate sales, branch transfer/consignment transfer, or deemed export, sales to Special Economic Zone and where declarations or certificates i.e. Form-C, Form-F, Form-H and Form-I as provided under the Central Sales Tax Act, 1956 has not been received then to such extent, the tax payer is not entitled to take credit of ITC into Electronic Credit Ledger.

Audit observed that a tax payer⁵⁹ availed ITC of ₹ 0.85 crore. Audit found from Chartered Accountant's Audit Report that requisite certificates in Form-C and Form-F involving tax liability of ₹ 0.10 crore and ₹ 0.41 crore respectively were wanting. Thus, credit of ₹ 0.51 crore was inadmissible. The tax payer reversed ITC of ₹ 0.29 crore in November 2019 out of total tax liability of ₹ 0.51 crore. However, the excess credit of ₹ 0.22 crore was not reversed till December 2021 resulting in excess availment of ITC of ₹ 0.22 crore.

Audit communicated the observation in September 2021. However, replies thereof are awaited (August 2022).

2.5.8.5 Inconsistent departmental circular with respect to provisions of MGST Act allowing unavailed credit in respect of capital goods

Section 140(2) of the MGST Act envisaged that a registered person, other than a person opting to pay tax under section 10, shall be entitled to take, in his ECL, credit of the un-availed input tax credit in respect of capital goods, not carried forward in a return, furnished under the existing law by him, for the period ending with the day immediately preceding the appointed day in such manner as may be prescribed.

Provided that the registered person shall not be allowed to take credit unless the said credit was admissible as input tax credit before as well as after appointed day.

⁵⁸ Shaman Wheels Pvt Ltd with GSTN No 27AANCS3404N1ZY under LTU-02, Mumbai.

⁵⁹ M/s Consul Neowatt Power Solutions Pvt Ltd with GSTN 27AABCC2553QZC under Thane City Division.

Prior to appointed day, the Rule 52 of MVAT Rules envisaged for grant of a set off of the sum collected separately from the claimant dealer by the other registered dealer by way of tax on the purchases made by the said registered dealer of goods being capital assets.

Further, Rule 54 (a) clarified that purchases of motor vehicles (being passenger vehicles) which are treated by the claimant dealer as capital assets and parts, components and accessories thereof except the claimant dealer is engaged in the business of transferring the right to use (whether or not for a specified period) for any purpose in respect of the said vehicles. Rule 53(11) further clarified that if the claimant dealer is engaged in the business of transferring the right to use (whether or not for a specified period) for any purpose, of passenger motor vehicles, then he shall be entitled to claim set-off of tax paid on the purchase of such motor vehicles only to the extent of tax payable on such transfer of right to use and shall be claimed in the period in which such right to use has been transferred by the claimant dealer.

However, CST Maharashtra vide paragraph 4 of Internal Circular No. 23A of 2018 dated 01.09.2018 stated that the provision of allowing CENVAT credit in a staggered manner in Central Excise Act 1944, are not applicable to MVAT Act as the full set-off/input tax credit in respect of Capital Goods was allowed to be claimed in the month in which such purchases are affected. Therefore, the tax payer would not be entitled to take any MVAT credit into ECL under section 140 (2) of the MGST Act.

(A) We noticed in two cases of dealers engaged in the business of transferring the right to use of passenger motor vehicle, transitional credit of ₹ 13.40 crore (**Appendix 2.5.4**) was availed in ECL as un-availed input tax credit in respect of capital goods which was incorrect in view of Para 4 of Internal Circular 23A of 2018.

On this being pointed out (September 2021), in one case⁶⁰, Joint Commissioner, LTU-2, Mumbai accepted (November 2021) the audit observation and stated that the tax payer, being engaged in providing motor vehicle on lease and treating the same as capital goods, was not entitled to claim TRAN credit of ₹ 9.66 crore and the same is needed to be reversed. While in other case⁶¹, Deputy commissioner, LTU-2, Mumbai stated (November 2021) that in view of the provisions of Notification dated 01 April 2016, the tax payer was entitled to take the balance of ITC available as on appointed day to the tune of ₹ 3.74 crore. Later on, the Joint Commissioner, LTU-2, Mumbai confirmed (January 2022) that the provision of allowing credit relating to the capital goods in staggered manner as was available under Central Excise Act are not applicable to MVAT Act and tax payer would not be entitled to take any MVAT credit into ECL under GST. Accordingly, recovery notice against the claimant was issued (January 2022).

Thus, the right of the claimant for un-claimed portion of ITC which remained to be claimed as on appointed day in view of Rule 53 of MVAT Rules which allows the set off in staggered manner to the extent of taxes payable on

⁶⁰ Orix Auto Infrastructure Services Ltd with GSTN No. 27AACO25631ZI and

⁶¹ Arval India Pvt Ltd with GSTN No. 27AAGCA5212K1ZR.

services actually provided is not now available after appointed day due to the contradictory provision of paragraph 4 of Internal Circular No. 23A of 2018.

The Government may revisit the provisions of internal circular No. 23A of 2018 and issue clarification on un-claimed ITC in such cases.

(B) We noticed that in one case,⁶² the tax payer claimed TRAN credit of ₹ 11.46 lakh on capital goods by filing a declaration in form GST TRAN-1 under table 6(b) and taken in his ECL in the month of November and December 2017 in respect of the purchases effected between January and June 2017, which was contrary to the provisions of paragraph 4 of Internal Circular No. 23A of 2018.

On this being pointed out (September 2021), in reply it was stated (September 2021 and April 2022) that credit was correctly taken by the dealer for goods purchased during January to June 2017. The dealer received the said invoices between July and August 2017 and hence, due to non-availability of tax invoices in time, the tax payer could not prepare a true account thereof and claim the tax credit in VAT return. As the credit thereof remained un-availed under MVAT, the same credit was availed as TRAN credit by filing a declaration in form GST TRAN-1 under table 6(b).

However, as though the dealer paid MVAT on purchase of capital goods and was entitled for un-availed ITC as transitional credit for the same by virtue of provisions of section 140(2) of MGST Act is negated in view of paragraph 4 of Internal Circular No. 23A of 2018 which envisage that full set-off/input tax credit in respect of Capital goods was allowed to be claimed in the month in which such purchases were affected. Thus, the Government may revisit the provisions of internal circular No. 23A of 2018 and issue clarification on such un-availed ITC on capital goods.

Recommendation 2: The Department may revisit the provisions of internal circular No. 23A of 2018 and issue clarification on un-availed ITC on Capital goods

2.5.8.6 Irregular availment of transitional credit on input services in transit

In accordance with the provision of Section 140(5) of MGST Act a registered person shall be entitled to take, in his ECL, credit of VAT and entry tax, if any, in respect of inputs received on or after the appointed day but the tax in respect of which has been paid by the supplier under the existing law, subject to the condition that the invoice or any other taxpaying document of the same was recorded in the books of account of such person within a period of thirty days from the appointed day.

Audit noticed that a tax payer⁶³ declared a claim of ₹ 2.20 crore under TRAN 1 Table 7(b) and availed credit of the same in ECL in December 2017. Audit scrutiny of list of inputs revealed that the tax payer had availed credit amounting to ₹ 1.57 crore on input services for which there was no provision

⁶² Pidilite Industries GSTIN No 27AAACP4156B1ZS.

⁶³ M/s Wipro Limited having GSTIN No. 27AAACW0387R1ZN under the LTU-1 Division of Mumbai.

in the MGST Act. Hence, availing transitional credit on input services amounted to irregular excess availment of transitional credit by ₹ 1.57 crore.

Audit communicated the observation in October 2021. JCST LTU-1 Mumbai replied (January 2022) that the show-cause notice (DRC-01) was issued. Further compliance is awaited (August 2022).

2.5.8.7 Irregular availment of transitional credit on inputs contained in work-in-progress or finished goods

As per section 140(6) of the MGST Act, a registered person, who was either paying tax at a fixed rate or paying a fixed amount in lieu of the tax payable under the existing law shall be entitled to take, in his ECL, credit of VAT in respect of inputs held in stock and inputs contained in semi-finished or finished goods held in stock on the appointed day subject to the following conditions, namely:

- (i) such inputs or goods are used or intended to be used for making taxable supplies under this Act ;
- (ii) the said registered person is not paying tax under section 10 ;
- (iii) the said registered person is eligible for input tax credit on such inputs under this Act ;
- (iv) the said registered person is in possession of invoice or other prescribed documents evidencing payment of tax under the existing law in respect of inputs and
- (v) such invoices or other prescribed documents were issued not earlier than twelve months immediately preceding the appointed day.

Further CST clarified (September 2018)⁶⁴ that the term “inputs” means any goods other than the capital assets. Hence, the terms “inputs” will not include the capital goods and therefore, the Builder and Developer shall not be entitled to claim the credit of VAT in respect of the capital goods that are held in the stock as on 01 July 2017. It was further clarified that Building or the work in progress *i.e.* the “inputs” contained in semi-finished or finished goods, will not get covered under the term “goods” as defined under the MGST Act and therefore, inputs that are in the nature of work-in progress *i.e.* contained in semi-finished and finished goods are not “goods” within the meaning and scope of the MGST Act and tax payer shall not be entitled to claim the VAT credit.

Audit noticed that in 12 out of 210 cases of Builders and Developers, transitional credit of ₹ 4.25 crore (**Appendix 2.5.5**) was declared under Table 7c of TRAN-1 by the tax payers and credit thereof was availed in ECL on inputs contained in semi-finished or finished goods. This resulted in irregular availment of transitional credits amounting to ₹ 4.25 crore.

The Audit communicated the observation from July to September 2021. However, replies thereof are awaited (August 2022).

⁶⁴ Para 8.7 of internal circular No. 23A of 2018 dated 01/09/2018.

Illustration:

A tax payer⁶⁵ had made transitional credit claim of ₹ 81.62 lakh for inputs contained in semi finished goods under Table 7(c) of TRAN-1 and carried forward the same in ECL. As the tax payer was a Builder/Developer, he was not entitled for VAT credit on inputs contained in semi-finished goods. This resulted in irregular availment of transitional credit of ₹ 81.62 lakh.

2.5.8.8 Amount credited to ECL in excess of the TRAN amount

As per section 140 (1) of Maharashtra Goods and Service Tax Act a registered taxable person may take into Electronic Credit ledger (ECL), the amount of ITC carried forward as shown in the Return filed for the period ending June 2017 i.e. before 01 July 2017. The registered taxpayers were required to file a return in prescribed form i.e. TRAN-1 within stipulated date and the amount shown in TRAN-1 towards ITC shall be taken into ECL as Transitional Credit (TC).

Scrutiny of the TRAN-1 filed (October 2017) by M/s. Sylvanus Properties Limited pertaining to LTU-II, Mumbai (GSTIN-27AAJCS9992H1ZI) revealed the credit of ₹ 69.39 lakh under Table 7 C (amount of VAT paid on inputs supported by invoices) and ₹ 14.16 lakh under Table 11 C (credit in terms of section 142 (11) (c)). Thus total credit as per TRAN-1 was ₹ 83.55 lakh. However, audit observed (June 2022) that in ECL, transitional credit of ₹ 1.12 crore under State Tax was credited. This resulted in excess credit of transitional credit by ₹ 28.79 lakh.

In response, the JCST, LTU-02, Mumbai submitted (August 2022) that the case is selected for GST audit for the period 2017-18 on the point of ITC claim in TRAN-1.

Recommendation 3: Department should ensure compliance of all required conditions for availment of transitional credit by tax payer to avoid irregular/excess availment/utilisation of Input Tax Credit by the tax payer.

Recommendation 4: Department needs to initiate action for issue of demand notices to the assessee concerned for recovery of irregular excess availment of transitional credit.

⁶⁵ Bharat Infrastructure and Engineering Private Limited having GSTN 27AABCB3630P1ZJ.

Department of Goods and Services Tax

2.6 GST Refunds

The failure to debit the electronic credit/cash ledger of the tax payer before generation of Application Reference Number of the refund application led to irregular grant of refund. Further, Department failed to ensure the debit the amount of refund claim in the electronic credit/cash ledger of the tax payer before issuance of refund order. Department did not submit data of communication of refund orders to counterpart tax authorities, data relating to conduct of post-audit of refund claims and data of mode of payment of GST refunds to the tax payer for audit scrutiny despite repeated requests. Thus, Audit could not ensure compliance to the codal provisions as well as correctness and timeliness in issuance of refund orders. There were cases of delayed issuance of refund order, thereby, creating liability of payment of interest. Department granted refund on account of zero rated exports without obtaining the proof of exports. Department erred in considering the input tax credit on capital goods and input services for grant of refund wherever applicable. The cases of consideration of incorrect values of components such as Adjusted Total Turnover, Net Input Tax Credit, which resulted in excess refunds, were noticed. On rejection of refund claim of unutilized ITC on account of ineligibility of the said credit, the Department did not ensure re-credit of rejected amount in the Electronic Credit Ledger of the claimant.

2.6.1 Introduction

Goods and Services Tax (GST) is a significant reform in the field of indirect taxes in our country, which replaced multiple taxes levied and collected by the Centre and States. GST is a destination based tax on supply of goods or services or both, which is levied at multi-stages, wherein the taxes will move along with supply. The tax will accrue to the taxing authority, which has the jurisdiction over the place of supply.

Tax is levied simultaneously by the Centre and States on a common tax base. Central GST (CGST) and State GST (SGST)/Union Territory GST (UTGST) is levied on intra-state supplies and Integrated GST (IGST) is levied on inter-state supplies.

The Maharashtra Goods and Services Tax Act, 2017 (MGST Act) was enacted on the lines of the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (CGST Act) to make the provisions for levy and collection of tax on intra-state supply of goods or, services or, both in the State of Maharashtra and the matters connected therewith or incidental thereto and came into force with effect from 01 July 2017.

2.6.1.1 Timely refund mechanism constitutes a crucial component of tax administration, as it facilitates trade through release of blocked funds for working capital, expansion and modernization of existing business. The provisions pertaining to refund contained in the GST laws aim to streamline and standardise the refund procedures under GST regime. It was decided by

Maharashtra Government that the claim and sanctioning procedure would be completely online. Due to unavailability of electronic refund module on the common portal, Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) issued circulars⁶⁶ in November/December 2017, wherein a temporary mechanism was devised and the detailed procedure was prescribed for GST refunds. In this electronic-cum-manual procedure, the applicant was required to file the refund application in Form GST RFD-01A on the common portal, take a print out of the same and submit it physically to the jurisdictional tax office along with all supporting documents. Further processing of those refund applications, *i.e.* issuance of acknowledgement, issuance of deficiency memo, passing of provisional/final refund orders, payment advice *etc.* were being done manually. In order to make the process of submission of the refund application electronic, CBIC further specified⁶⁷ that the refund applications in Form GST RFD-01A along with all supporting documents had to be submitted electronically. However, various post-submission stages of processing of the refund applications continued to be manual. Between 01.07.2017 to 25.09.2019 (*i.e.* pre-automation period), it could not be made fully electronic due to technical glitches.

2.6.1.2 Complete Automation of Refund Process *i.e.* necessary capabilities for making the refund procedure fully electronic, wherein all the steps from submission of refund application to processing thereof electronically were deployed on the common portal with effect from 26.09.2019. Post-automation, the CBIC in November 2019 issued⁶⁸ fresh set of guidelines in supersession of earlier circulars/guidelines⁶⁹ for electronic submission and processing of refund claims. However, all refund applications filed on the common portal before 26.09.2019 (*i.e.* pre-automation period) continued to be processed manually as were done prior to deployment of new system.

2.6.1.3 Circumstance for GST Refund

A claim for GST refund arose on account of the following:

- (i) Export of goods or services;
- (ii) Supplies to SEZs units and developers;
- (iii) Deemed exports;
- (iv) Refund of taxes on purchase made by UN or embassies *etc.*;
- (v) Refund arising on account of judgment, decree, order or direction of the Appellate Authority, Appellate Tribunal or any court;
- (vi) Refund of accumulated Input Tax Credit of GST on account of inverted duty structure/Reverse Charge cases;
- (vii) Finalisation of provisional assessment;

⁶⁶ Circulars No. 17/17/2017-GST dated 15.11.2017 and 24/24/2017-GST dated 21.12.2017.

⁶⁷ Circular No. 79/53/2018-GST dated 31.12.2018.

⁶⁸ Master Circular No.125/44/2019-GST dated 18.11.2019.

⁶⁹ Circulars No. 17/17/2017-GST dated 15.11.2017; 24/24/2017-GST dated 21.12.2017; 37/11/2018-GST dated 15.03.2018; 45/19/2018-GST dated 30.05.2018 (including corrigendum dated 18.07.2019); 59/33/2018-GST dated 04.09.2018; 70/44/2018-GST dated 26.10.2018; 79/53/2018-GST dated 31.12.2018 and 94/13/2019-GST dated 28.03.2019.

- (viii) Refund of balance in electronic cash ledger;
- (ix) Refund of pre-deposit;
- (x) Excess GST payment;
- (xi) Refunds to International tourists of GST paid on goods in India and carried abroad at the time of their departure from India;
- (xii) Refund on account of issuance of refund vouchers for taxes paid on advances against which, goods or services have not been supplied;
- (xiii) Refund of CGST & SGST paid by treating the supply as intra-state supply which is subsequently held as inter-state supply and *vice versa*.

2.6.2 Organisation Set up

Department of Goods and Service Tax functions under the administrative control of the Additional Chief Secretary, Finance Department at Government level. The Commissioner of State Tax, Maharashtra State (CST) heads the Department and is assisted by a Special Commissioner of State Tax, four Additional Commissioners of State Tax (ACST) and 12 Joint Commissioners of State Tax (JCST). Apart from Head Office at Mazgaon, Mumbai, there are five more Zonal Offices headed by ACSTs. There are 13 Divisional offices headed by JCSTs (Admn.) and 39 State Tax Offices (STOs)⁷⁰ spread across 36 districts of the State.

2.6.3 Audit Scope, Methodology and Sample Selection

Pan-India refund data was obtained from GST Network and a sample of refund cases relating to Maharashtra State were extracted for detailed examination. A sample of 1954 cases in 32 GST divisions was selected by Statistical Random Sampling Method covering major economic hubs/ industrial centres located in major districts viz. Mumbai, Mumbai-Suburban, Thane, Pune *etc.* An online Entry Conference was held on 09 December 2020 with Deputy Secretary (Finance), Finance Department, Government of Maharashtra. Three Additional Commissioners (ACSTs), three Joint Commissioners (JCSTs), four Deputy Commissioners and an Assistant Commissioner (Internal Audit) of the State Tax Department attended an Entry conference.

Field work was conducted between December 2020 and September 2021 for detailed examination of the selected refund cases processed during the period from July 2017 to July 2020. During December 2020 to September 2021, physical audit of 886 cases pertaining to pre-automation period and online audit of 1068 cases of post-automation period of all the selected divisions was conducted.

The online Exit conference was held on 04 January 2022. The draft report containing the audit observations were communicated to the Government (December 2021). However, their response is still awaited (August 2022).

⁷⁰ State Tax Offices headed either by Dy. Commissioner of State Tax, Assistant Commissioner of State Tax or State Tax Officer.

2.6.4 Audit objectives

Subject Specific Compliance Audit of GST Refunds was conducted to assess:

- the adequacy of Act, Rules, Notifications, Circulars *etc* issued in relation to grant of refund;
- the compliance of extant provisions by the tax authorities and the efficacy of the systems in place to ensure compliance by taxpayers; and
- whether effective internal control mechanism exists to check the performance of the departmental officials in disposing the refund applications.

2.6.5 Audit criteria

The Audit findings are based on the criteria derived from:

- Section 54 to 58 and section 77 of Maharashtra Goods and Services Tax Act, 2017 (MGST Act);
- Rule 89 to 97A of Maharashtra Goods and Services Tax Rules, 2017 (MGST Rules);
- Section 15, 16 and 19 of Integrated Goods and Services Tax Act, 2017 (IGST Act);
- Notifications/Circulars issued by Central Board of Indirect Taxes and Customs(CBIC) and Commissioner of State Tax of Maharashtra State;

Audit Findings

The audit findings of the draft report are summarized in **Table 2.6.1**:

Table: 2.6.1

(₹ in crores)

| Sr. No. | Nature of Audit Findings (indicative only) | Audit Sample | | Number of Deficiencies noticed | | Deficiencies as percentage of Sample | |
|---------|--|-------------------|---------|--------------------------------|--------|--------------------------------------|--------|
| | | Number | Amount | Number | Amount | Number | Amount |
| 1 | Delay in issue of acknowledgement | 1954 | 3117.57 | 759 | -- | 38.84 | -- |
| 2 | Delay in issue of Refund Orders | 1954 | 3117.57 | 1091 | -- | 55.83 | -- |
| 3 | Delay in sanction of Provisional Refund on account of Zero-rated Supply | 992 | 2634.86 | 418 | -- | 42.14 | -- |
| 4 | Irregular refund under Inverted Duty Structure | 661 | 277.58 | 125 | 24.16 | 18.91 | 8.70 |
| 5 | Irregular refund in Zero-rated Supply cases | 992 | 2634.86 | 50 | 22.73 | 5.04 | 0.86 |
| 6 | Non-production of data of communicating refund orders to counterpart tax authority | Data not provided | | | | | |
| 7 | Non-production of data of conducting of post audit | Data not provided | | | | | |
| 8 | Non-production of data of payment of GST refund | Data not provided | | | | | |

2.6.6 Systemic issues

2.6.6.1 Failure to debit ECL in one case resulted in irregular refunds

CBIC clarified⁷¹ (November 2019) that the Application Reference Number (ARN) will be generated only after the applicant has completed the process of filing the refund application in FORM GST RFD-01 and has uploaded all the supporting documents/undertaking/statements/invoices and where required, the amount has been debited from the electronic credit/cash ledger.

Out of the 1068 cases pertaining to post automation period, Audit observed in one case that a tax payer⁷² deposited an amount of ₹ 0.69 crore in October 2019 on account of CGST liability, whereas his actual CGST tax liability was ₹ 0.02 crore only. This led to excess deposit of ₹ 0.67 crore in his ECL. The tax payer applied for refund of ₹ 0.67 crore and ARN was generated in November 2019. This time, the debit of ₹ 0.67 crore in ECL was required to be affected before generation of ARN. The Department sanctioned refund of ₹ 0.67 crore in January 2020. The same was received by the tax payer in January 2020. However, it was observed that there was no debit of the amount so refunded in ECL of the tax payer. This shows the failure to debit the ECL before generation of ARN. Also, it was failure on the part of the Department to ensure the debit of equal amount in the ECL before issue of refund order. This resulted in irregular grant of refund amounting to ₹ 0.67 crore.

On being pointed out (February 2021), the DCST stated (February 2021) that in the normal course while processing RFD-1, the excess balance amount in electronic ledgers are debited from respective ledgers but in the present case, this did not happen due to technical error or system error. The tax payer filed DRC-3 for debit of ₹ 0.67 crore in electronic cash ledger in February 2021 on persuasion of the Department.

Recommendation 1: Department should ensure debit to the electronic credit/cash ledger before generation of Application Reference Number and issue of refund orders.

2.6.6.2 Excess payment of GST Refund due to issue of double payment advice

As per section 73(1) read with sections 50(1) and 122(2)(a) of the MGST Act, where it appears to the proper officer⁷³ that any tax has not been paid or short paid or erroneously refunded, or where ITC has been wrongly availed or utilised for any reason, other than the reason of fraud or any willful misstatement or suppression of facts to evade tax, he shall serve notice on the person chargeable with tax, which has not been so paid or which has been so short paid or to whom the refund has erroneously been made, or who has wrongly availed or utilised ITC, requiring him to show cause as to why he

⁷¹ Para 4(b) of Circular No. 125/44/2019 – GST dated 18.11.2019.

⁷² M/s. Valvoline Cummins Private Limited having GSTIN No.27AAACW0287A1ZN under jurisdiction of Thane City Division.

⁷³ “proper officer” in relation to any function to be performed under this Act, means the Commissioner or the officer of the Maharashtra tax who is assigned that function by the Commissioner in the Board.

should not pay the amount specified in the notice along with interest at the rate of 18 per cent per annum.

Audit observed (August 2021 to October 2021) that in 22 cases (**Appendix 2.6.1 and 2.6.2**) of GST refund claims, the taxpayers were sanctioned refund on zero-rated supplies of goods/services. However, electronic payment advices thereof by the proper officer were found issued twice. This resulted in excess payment of refund amounting to ₹ 1.83 crore.

On this being pointed out (August 2021 to October 2021), nine⁷⁴ proper officers stated that erroneous double payment advice were issued due to system/technical errors.

In 15 of above 22 cases, the taxpayers repaid the amount of excess refund of ₹ 1.26 crore with interest of ₹ 3.24 lakh (**Appendix-2.6.1**). Interest of ₹ 0.91 lakh was still outstanding. Out of these 15 cases, in two cases⁷⁵ under JCST Mulund, Mumbai and JCST Nashik the amount of ₹ 12.19 lakh had been recovered at the instance of audit.

In remaining seven cases, excess refund of ₹ 0.56 crore was made with interest liability of ₹ 0.16 crore. Out of these, recovery of ₹ 0.26 lakhs with interest was made only in one⁷⁶ case (**Appendix-2.6.2**), in three cases, recovery was stated to have been made but no proof thereof was provided to Audit. Replies still awaited in balance two cases.

Illustration:

A tax payer⁷⁷ had filed an application (05.10.2019) for refund of ITC of ₹ 0.24 crore for the month of May 2019 for which acknowledgement was issued in RFD-02 on 07.10.2019. The taxpayer was sanctioned provisional refund order on 14.10.2019 for ₹ 0.22 crore.

However, Department issued payment advice thereof twice vide No. ZA2701200610539 & ZA270120060996 on 23.01.2020 electronically which resulted in excess payment of refund of ₹ 0.22 crore. The same is still not refunded by the tax payer till date (October 2021) on which interest recoverable amounted to ₹ 0.06 crore.

On this being pointed out (September 2021), the Department did not submit any reply till date.

2.6.7 Compliance issues

2.6.7.1 Delay in issue of acknowledgment of refund application

As per Rule 90(2) and 90(3) of MGST Rules, where the refund application is related to claim for refund other than claim for refund from Electronic Cash Ledger, it shall be forwarded to the proper officer who shall, within a period of fifteen days of filing of the said application, scrutinize the application for its

⁷⁴ JCST, Nodal V, Bandra; JCST, Ghatkopar; JCST, Mandvi; JCST, Nodal XIII, Mulund; JCST, Nashik; JCST, Nodal-I, Pune (East); JCST, Thane City; JCST, Nagpur; JCST Kandivali.

⁷⁵ M/s Amit Bangles of Mulund & Sona Sikka Fabrics of Nashik.

⁷⁶ S.R. Neje of Kolhapur Division.

⁷⁷ M/s Chemocid Impex Private Limited having GSTN No. 27AAACC2243C1ZB under Kandivali Division of Mumbai.

completeness and where the application is found to be complete, an acknowledgement in FORM GST RFD-02 shall be made available to the applicant through the common portal electronically. Otherwise, if any deficiency is noticed, a proper officer shall communicate the same to the applicant in FORM GST RFD-3 through the common portal electronically, requiring applicant to file a fresh refund application after rectification of such deficiency.

Out of 1954 test checked cases, in 759 refund cases (38.84 per cent) pertaining to refund from other than Electronic Cash Ledger that there was delay in issue of acknowledgements (*Appendix 2.6.3 and 2.6.4*) by the Department ranging between one day and 585 days as detailed in **Table 2.6.2**:

Table 2.6.2

| Period | No. of cases with range of delay in months | | | Total | Appendix |
|---|--|------------|--------------------|------------|----------|
| | Up to 3 months | 3-6 months | More than 6 months | | |
| Pre-Automation period (01.07.2017 to 25.09.2017) | 348 | 55 | 43 | 446 | 2.6.3 |
| Post-Automation period (26.09.2017 to 31.07.2020) | 307 | 6 | 0 | 313 | 2.6.4 |
| Total | 655 | 61 | 43 | 759 | |

On this being pointed out in audit (December 2020 to September 2021), the JCSTs concerned accepted in 271 cases that during pre-automation period, it happened in the initial stage of implementation of GST. It was further submitted that the delay was due to non-submission of all required documents by the tax payer. In remaining 175 cases, the reply is still awaited (August 2022).

In respect of post-automation period, in 157 cases, JCSTs concerned cited (January-November 2021) various reasons such as encountering technical problem in introduction of new taxation system, existing delegation of powers, fire broke out in GST building which took several days to settle down, delay in shifting as well as lockdown due to Covid-19 delayed the process of acknowledgement. Reply in respect of remaining 156 cases is still awaited.

Replies were not acceptable as deficiency memo could have been issued by the Department under Rule 90(3) of MGST Rules for obtaining fresh application from refund claimant where delay was due to non-submission of all required documents by the tax payer.

Illustration:

Pre-automation: A tax payer⁷⁸ filed application for GST Refund of ₹ 2.93 lakh on 27.10.2018 for the month of September 2017. However, acknowledgement was issued on 18.06.2020 with a delay of 585 days.

Post-automation: A tax payer⁷⁹ filed application for GST Refund for the month of June 2019 amounting to ₹ 1.51 crore on 24.10.2019. However, acknowledgement was issued on 20.04.2020 with a delay of 164 days.

⁷⁸ M/s. Jalaram Exports having GST No. 27AAAFJ3818M1Z6 and ARN No. AC2709172066370 under Nodal-4 Mazgaon Division.

⁷⁹ M/s. Blue Star Limited having GST No. 27AAACB4487D1Z5 and ARN No. AA271019092898H under LTU-02 Division, Mumbai.

2.6.7.2 Delay in issue of provisional refund order

Section 54(6) of the MGST Act read with Rule 91(2) of MGST Rules provide for grant of refund on account of zero rated supply of goods or services, on a provisional basis, at 90 *per cent* of the total amount so claimed excluding the amount of ITC provisionally accepted, within a period of seven days from the date of the acknowledgement.

Audit observed delay in 418 (42.14 *per cent*) cases (**Appendix 2.6.5 and 2.6.6**). Out of 992 test checked cases, ranging between one day and 364 days, as detailed in **Table 2.6.3**:

Table- 2.6.3

| Period | No. of cases with range of delay | | | Total | Appendix |
|--|----------------------------------|------------|--------------------|------------|----------|
| | Up to 3 months | 3-6 months | More than 6 months | | |
| Pre-Automation period (1.07.2017 to 25.09.2019) | 219 | 5 | 3 | 227 | 2.6.5 |
| Post-Automation period (26.09.2019 to 31.07.2020) | 185 | 6 | 0 | 191 | 2.6.6 |
| Total | 404 | 11 | 3 | 418 | |

On this being pointed out (December 2020 to September 2021), regarding Pre-automation period, in 133 cases, the JCSTs concerned stated (December 2020 to September 2021) that the delay in sanctioning provisional refund during pre-automation period was due to various reasons such as technical difficulties faced in operating new system/portal, delay in submission of relevant document by the tax payers, delay in verification of shipping bills on ICEGATE⁸⁰ and non-production of required documents for verification due to lockdown. Replies in respect of 94 cases are still awaited.

Regarding Post-automation period, JCSTs concerned in 89 cases stated (January-November 2021) various reasons such as non-availability of electricity and net connectivity, incomplete/delayed submission of records by the tax payers, delay in verification of invoices on ICEGATE owing to its improper functioning, delay in verification of invoices of ITC, fire in GST Bhawan, *etc.* Replies in remaining 102 cases are still awaited.

Replies were not acceptable as in case of incomplete information, deficiency memo could have been issued by the Department under Rule 90(3) of MGST Rules for obtaining fresh application from refund claimant where delay was due to non-submission of all required documents by the tax payer.

Illustration:

Pre-automation: A tax payer⁸¹ filed an application for GST Refund of ₹ 12.35 crore for the month of November 2018 on 11.03.2019. Acknowledgement in RFD-02 was issued on 15.04.2019. However, the provisional refund was sanctioned with a delay of 240 days.

⁸⁰ Indian Customs and Maharashtra Excise Electronic Commerce/Electronic Data Interchange (ED/ECI) Gateway.

⁸¹ M/s. Tata Consultancy Services Limited having GST No. 27AAICS0137P1ZZ and ARN No. B2711180530859 under LTU-03 Division, Mumbai.

Post-automation: A tax payer⁸² filed an application for GST Refund amounting to ₹ 2.93 crore on 02.12.2019 for the month of January 2019. Acknowledgement in RFD-02 was issued on 19.12.2019. However, the provisional refund was sanctioned with a delay of 167 days on 10.06.2020.

2.6.7.3 Delay in issue of final refund order

As per section 54(7) of the MGST Act, on receipt of application of refund, if the proper officer is satisfied that the whole or part of the amount claimed as refund is refundable, he may issue an final refund order within sixty days from the date of receipt of application and the amount so determined shall be paid to the applicant. For delayed refund, interest at the rate of six *percent*⁸³ per annum shall be payable for the period after expiry of sixty days from the date of receipt of such refund application, as provided in Section 56 of MGST Act.

Audit observed 5614 cases (March 2021) of GST refund claims of ₹ 2584.29 crore were pending for issue of sanction/rejection order, of which 3485 cases were pending for less than 45 days, 507 cases for 45-60 days and 1622 cases for more than 60 days. Further there were delays ranging between one day and 807 days in 1091 (51.83 *per cent*) final refund cases (*Appendix 2.6.7 and 2.6.8*). Out of test checked 1954 cases as detailed in **Table 2.6.4**:

Table- 2.6.4

| Period | No. of cases with range of delay | | | Total | Interest liability (₹ in crore) | Appendix |
|---|----------------------------------|------------|--------------------|-------------|------------------------------------|----------|
| | Up to 3 months | 3-6 months | More than 6 months | | | |
| Pre-Automation period (01.07.2017 to 25.09.2017) | 97 | 121 | 346 | 564 | 7.21 | 2.6.7 |
| Post Automation period (26.09.2017 to 31.07.2020) | 412 | 107 | 8 | 527 | 1.55 | 2.6.8 |
| Total | 509 | 228 | 354 | 1091 | 8.76 | |

On this being pointed out (December 2020 to September 2021) in 321 cases of pre-automation period, JCSTs concerned stated (December 2020 to September 2021) that delay was due to various reasons such as tax payers did not submit required documents along with refund application, technical problem in the system, lockdown due to COVID-19 pandemic and difficulties in operating new portal. Replies in respect of remaining 243 cases are still awaited.

In respect of 263 cases of post-automation period, JCSTs concerned stated (January-November 2021) that VPN Connectivity issue, Covid-19 pandemic and delayed submission of documents by taxpayers delayed the issuance of final refund orders, fire incidence in GST Building. Replies in remaining 264 cases are still awaited.

Replies were not acceptable as deficiency memo could have been issued by the Department for obtaining fresh application from refund claimant where delay was due to non-submission of all required documents by the tax payer.

⁸² M/s. Wipro Limited Having GST No. 27AAACW0387R2ZM and ARN No. AA271219004068C under LTU-2 Division, Pune.

⁸³ As specified in the Notification No.13/2017-CT issued by the CBIC.

Audit observed that the Department did not make any payment on account of interest for delayed refund payment till date, but a liability of interest payment amounting to ₹ 8.76 crore as shown above in **Table-2.6.4** was accrued due to delayed issue of final refund orders.

Illustration:

Pre-automation: A tax payer⁸⁴ filed an application for GST refund amounting to ₹ 2.34 lakh for the month of December 2018 on 19.01.2019. However, refund was sanctioned with a delay of 807 days on 04.06.2021. This created liability of payment of interest of ₹ 0.31 lakh on account of delayed issuance of final refund order.

Post-automation: A taxpayer⁸⁵ filed GST Refund application on 27.09.2019 for the period of April 2019 and claimed refund of ₹ 54.96 lakh. However, the JCST concerned sanctioned refund on 03.07.2020 *i.e.* after a delay of 220 days creating a liability of payment of interest of ₹ 0.20 lakh.

2.6.7.4 Excess refund due to consideration of incorrect components in case of zero rated goods/services

As per section 54(3)(i) of the MGST Act read with section 16(3) of IGST Act, a registered person may claim refund of any unutilized ITC at the end of any tax period where zero rated supplies were made without payment of tax. Sub-rule 4 of Rule 89 of MGST Rules provides following formula for grant of refund of ITC in case of zero-rated supply of goods or services or both without payment of tax under bond or letter of undertaking in accordance with the provisions of sub-section (3) of section 16 of the IGST Act:

Refund Amount = (Turnover of zero rated supply of goods + Turnover of zero rated supply of services) x Net ITC ÷ Adjusted Total Turnover

Audit observed excess grant of refund due to incorrect consideration of the components of the formula as detailed below:

(I) Incorrect Adjusted Total Turnover

Adjusted Total Turnover in the above formula means the sum total of the value of-(a) the turnover in a State or a Union Territory excluding the turnover of services; and (b) the turnover of zero rated supply of services and non-zero rated supply of services, excluding- (i) the value of exempt supplies other than zero rated supplies; and (ii) the turnover of supplies in respect of which refund is claimed, if any, during the relevant period.

It was observed in four cases out of 992 cases (0.40 *Per cent*) pertaining to zero rated exports of goods that the adjusted turnover as per refund determined under Rule 89(4) was not considered correctly as it did not match with the figures of GSTR 3B, GSTR 9C. This has resulted in excess refund of ₹ 0.60 crore as detailed in **Appendix 2.6.9**. This excess refund needs to be recovered with applicable interest.

⁸⁴ M/s. K E Infrastructure having GST No. 27AATFK1246M1ZS and ARN No. AA2701190568033 under Thane City Division.

⁸⁵ M/s. Adnet Infosystems (India) Private Limited having GST No. 27AAACA5326Q2ZD and ARN No. AA270919081926C under Nariman Point Division, Mumbai.

On this being pointed out (March and September 2021), the JCST, Nodal-4 Division, Mumbai stated (January 2022) that the case is undertaken for audit and form GST_ADT_01 issued. Another Division JCST Santacruz stated (April 2021) that DRC-01 issued for recovery of the amount. The JCST Goregaon stated (May 2021) that the case is submitted to revisional authority for the revision of the refund order and the JCST LTU-02 Pune stated (September 2021) the point will be verified and excess grant of refund will be recovered.

(II) Incorrect Input Tax Credit

For processing of the refund claims of integrated tax, the CST circular⁸⁶ envisaged to submit the invoices relating to inputs and input services (other than capital goods) where goods or services are exported without payment of integrated tax. It was further stated that the claimant should also submit the details of the invoices on the basis of which ITC has been availed in Annexure-A along with refund application. Further the proper officer shall verify the amount of refund claimed in GSTR-1, GSTR-2A, GSTR-3B, Annexure-A and Annexure-VIII.

In 7 refund cases out of a total 992 cases (1.4 per cent) in four divisions, it was noticed (March-October 2021) that the proper officer considered Net ITC amount, which did not match with the amount shown in the Annexure-A, GSTR-2A & GSTR 9. This resulted in excess refund to the tune of ₹ 19.43 crore (**Appendix 2.6.10**). This excess refund needs to be recovered with applicable interest.

On this being pointed out (March–October 2021), JCST LTU-1 Pune in one case (M/s Tech Mahindra) stated that the refund claimant had excess balance in their IGST Electronic Credit Ledger and therefore there was no excess refund due to incorrect net ITC. Further JCST Nodal-4 Mazgaon in case of M/s Zar Jewels stated that DRC-01A has been issued to the dealer for recovery. In another case (M/s. Klinera Corporation), JCST Ghatkopar stated (September 2021) that the invoices of previous year were included in the Net ITC and hence the difference. However, no supporting documents were provided to verify the facts.

JCST, LTU-01 Mumbai, in one case (M/s. Siemens Health Care Pvt. Ltd.) stated (November 2021) that the Net ITC as per GSTR 3B was incorrect due to clerical mistake and same mistake was corrected in subsequent GSTR-3B. The reply is not acceptable as refund determined based on incorrect parameters.

Remaining two divisions stated that the matter would be verified and the outcome intimated in due course.

Illustration:

The refund claimant⁸⁷, who was an exporter of services filed the refund application for tax period (March 2019). The refund claimant submitted the details of the invoices on the basis of which ITC was availed during the

⁸⁶ Para 3.1 and 3.2 of the Circular No.33T of 2018 dated 14.11.2018.

⁸⁷ M/s. Tech Mahindra Limited having GSTIN-27AAACM3484F1ZI under the LTU-1 Pune Division.

relevant period in Annexure-A (a summary Statement of 255 number of invoices with respect to inputs/inputs service) amounting to ₹ 15.77 crore as eligible ITC along with the refund application (RFD-01A) and also declared the eligibility.

It was observed (August 2021) that the proper officer considered Net ITC of ₹ 30.14 crore (as per GSTR-3B) instead of ₹ 15.77 crore for working of maximum refund amount. This resulted in excess grant of refund to the tune of ₹ 4.63 crore.

On this being pointed out (August 2021), the JCST stated (August 2021) that the refund claimant had excess balance in their IGST Electronic Credit Ledger while filling of GSTR-3B for the tax period and refund was claimed only under the head of IGST.

The reply is not acceptable as the proper officer failed to consider the lesser amount of Net ITC as per Annexure-A.

(III) Excess refund due to incorrect calculation of exclusion of credit of pre-GST period

CBIC circular clarified⁸⁸ that as the transitional credit pertains to duties and taxes paid under the existing laws viz., under Central Excise Act, 1944 and Chapter V of the Finance Act, 1994, the same cannot be said to have been availed during the relevant period and thus, cannot be treated as part of 'Net ITC' and thus no refund of such unutilized transitional credit is admissible.

Audit noticed (July and November 2021) that in one⁸⁹ refund case out of total test checked 992 cases of zero rated exports of services (0.10 per cent), that although while arriving at the 'Net ITC' the department excluded ITC of ₹ 1.66 crore pertaining to pre-GST period⁹⁰ but miscalculated the figures as ₹ 9.94 crore in place of correct net ITC of ₹ 8.29 crore which resulted in excess refund of ₹ 0.66 crore recoverable with applicable interest.

We pointed this out in (November 2021), Reply was awaited.

(IV) Irregular grant of refund on capital goods

As per Rule 89 of the MGST Rules, in case of zero rated supply of goods and services, capital goods are to be excluded while considering the Net ITC for calculating refund. The tax payer shall upload the details of all the invoices on the basis of which ITC was availed in Annexure-B⁹¹ which includes the details of inputs, capital goods or input services.

It was observed (February and March 2021) in three cases, out of total test checked 992 cases of zero rated exports of goods/services that the tax payers have availed the credit on capital goods. This had resulted in an excess refund of ₹ 0.24 crore as detailed in **Appendix 2.6.11**. This excess refund should be recovered with applicable interest.

⁸⁸ Paragraph 50 of CBIC Circular No. 125/44/2019-GST dated 18.11.2019.

⁸⁹ M/s. WNS Global Services Private Limited having GSTIN 27AAACW2598L1ZQ under LTU-01 Division, Mumbai.

⁹⁰ Sr. No.(s) 1 to 423 in the ITC Register indicating availment of ITC on pre GST invoices prior to 01 July 2017.

⁹¹ As per Paragraph 36 of Circular No. 125/44/2019 - GST dated 18.11.2019.

On being pointed out (February and March 2021), in one case (M/s. Adnet Info System Pvt. Ltd), the proper officer accepted (March 2021) the audit observation and issued DRC-1A to the taxpayer for recovery of ₹ 18.05 lakh and interest of ₹ 3.97 lakh. Final compliance is awaited.

In another case⁹² the Proper Officer accepted (June 2021) the audit observation and has asked the taxpayer to pay the excess refund of ₹ 2.15 lakhs with an interest of ₹ 0.66 lakhs totaling 2.81 lakhs in Form DRC 03. Final compliance is awaited.

Reply in remaining one case⁹³ is still awaited. The matter was communicated to the Government in December 2021; However, their response is awaited (August 2022).

2.6.7.5 Excess refund due to consideration of incorrect components in case of Inverted Duty Structure

Rule 89(5) of the MGST Rules states that in the case of refund on account of Inverted Duty Structure, refund of ITC shall be granted as per the following formula:-

Maximum Refund Amount = {(Turnover of inverted rated supply of goods and services) x Net ITC ÷ Adjusted Total Turnover} - tax payable on such inverted rated supply of goods and services.

CBIC⁹⁴ clarified that refund would not be applicable in cases, where the input and output supplies are the same.

Audit observed cases of excess refund in respect of inverted duty structures which are detailed below :

(I) Mismatch of inverted turnover with Statement-1A/Annexure-B/ GSTR-3B:

CBIC in November 2019 clarified⁹⁵ that GST refund application shall be accompanied with statements/declarations and documents as required for processing of the refund claim and be uploaded on the common portal. Neither the refund application nor any of the supporting documents shall be required to be physically submitted to the office of the jurisdictional proper officer.

Further, as per paragraph 36 of the circular, the tax payer shall upload the details of all the invoices on the basis of which ITC was availed in Annexure-B which includes the details of inputs, capital goods or input services.

Audit observed (February/March 2021) that in five refund cases (post automation period) out of the total 661 test checked cases (0.75 per cent), the values of turnover of inverted rated supply of goods and services disclosed by the tax payer in Statement-1A/GSTR-3B *i.e.* statement showing the details of invoices received and issued or Annexure-B as the case may, were not considered by the Department and instead considered higher value mentioned in refund application (RFD-01) by the tax-payer. This resulted in excess

⁹² Floressence Perfumes Private Limited, JCST Nodal 4, Pune.

⁹³ JCST LTU-1 Pune.

⁹⁴ Paragraph 3.2 of the CBIC Circular No. 135/05/2020-GST dated 31.03.2020.

⁹⁵ As per Paragraph 36 of Circular No. 125/44/2019 - GST dated 18.11.2019.

sanction of refund amounting to ₹ 44.02 lakh. (**Appendix 2.6.12**). This excess refund is recoverable with applicable interest.

On this being pointed out (February and March 2021), the Division⁹⁶ stated (January 2022) that tax payer had wrongly uploaded incomplete statement and submitted complete statement in physical form, which was considered for sanction of refund.

The reply is not acceptable, as the submission of statements/declarations and documents in physical form are not allowed during post-automation period. Further, the Department failed to issue deficiency memo in GST RFD 03 as envisaged in such cases.

Another Division⁹⁷ stated (June 2021) that there was no deviation. Reply of the Division is not correct, as Audit observed difference in values mentioned in Statement-1A and RFD-01.

Reply from the Government is still awaited (August 2022).

(II) Incorrect determination of Adjusted Total Turnover:

As per Rule 89(4) of MGST Rules, Adjusted Total Turnover means the sum total of the value of -

- (a) the turnover in a State or a Union Territory and
- (b) the turnover of zero rated supply of services and non-zero rated supply of services excluding (i) the value of exempt supplies other than zero rated supplies; and (ii) turnover of supplies for which refund is claimed.

Audit observed in 11 refund cases out of total test checked 661 cases (1.4 per cent) of five Divisions⁹⁸ that Department failed to include the value of zero rated/non-zero rated supply of goods in the value of Adjusted Total Turnover. This resulted in excess sanction of refund of ₹ 0.79 crore (**Appendix 2.6.13**). This excess refund is recoverable with applicable interest.

On this being pointed out (February to September 2021), one Division⁹⁹ stated (November 2021) that recovery of excess payment of ₹ 27.70 lakh has been effected and notices (DRC-01) were issued for interest amounting ₹ 9.41 lakh in respect of seven cases. Another Division¹⁰⁰ stated (September 2021) that notice (DRC-07) issued and one more Division¹⁰¹ stated (October 2021) that notice (DRC-01A) issued and ₹ 10.67 lakh is recovered along with interest.

Replies from remaining two Divisions and the Government were awaited (August 2022).

(III) Mismatch of Net ITC

As per CBIC instructions (November 2019), the refund application shall be accompanied with the statement/declaration and documents such as Statement

⁹⁶ JCST, Kolhapur.

⁹⁷ JCST, Aurangabad.

⁹⁸ JCST, Solapur; JCST, Nodal-1, Pune, JCST, Fort, Mumbai, JCST Mumbai LTU-03 and JCST Nashik.

⁹⁹ JCST, Solapur.

¹⁰⁰ JCST, Nodal-1, Pune.

¹⁰¹ JCST Mumbai LTU-03.

1A, GSTR-2A etc which gives the details of invoices received and issued during a tax period related to inverted rated supply of goods and services.

In nine refund cases (pre-automation-5 and post-automation-4) out of 661 total test checked cases of five Divisions (1.36 *per cent*), it was noticed that the higher values of Net ITC amount as shown in the RFD-1 was considered by the proper officer while issuing refund order instead of the Net ITC values shown in the corresponding Statement-1A/GSTR-2A¹⁰²/GSTR-9¹⁰³ and/or purchase register. This resulted in excess allowance of refund amounting to ₹ 1.37 crore (**Appendix 2.6.14**). This excess refund is recoverable with applicable interest.

On this being pointed out (February to September 2021), one Division¹⁰⁴ accepted (November 2021) the fact and excess refund along with interest ₹ 49.16 lakh was recovered. In another Division¹⁰⁵ it was intimated (January 2022) that DRC-01A was issued on 13.12.2021 for excess refund of ₹ 34.47 lakh (with interest) in final settlement of objection taking into account earlier recovery of ₹ 18.71 lakh.

Specific replies from remaining Divisions and the Government are still awaited (August 2022).

Illustration:

A tax payer¹⁰⁶ filed refund application on 10.01.2020 for refund of accumulated ITC of ₹ 25.40 lakh on account of Inverted Duty Structure for the period from April 2018 to March 2019.

It was observed that the proper officer considered (06.03.2020) Net ITC of ₹ 52.58 lakh as per application (RFD-01) submitted by the tax payer and issued sanction order for refund of ₹ 25.40 lakh.

Scrutiny of GSTR-9¹⁰⁷ revealed that an amount of ₹ 41.95 lakh only was available as ITC on account of inputs and ITC amounting to ₹ 10.25 lakh was available for input services.

The ITC on input services do not qualify for refund in the instant case, being Inverted Duty Structure case.

However, proper officer had considered the ITC on account of input services irregularly and granted refund of ₹ 25.40 lakh instead of eligible refund of ₹ 14.78 lakh. This resulted in sanction of excess refund amounting to ₹ 10.63 lakh.

On this being pointed out (March 2021), JCST (November 2021) stated that dealer has paid excess refund amounting to ₹ 10.62 lakh and interest there ₹ 2.99 lakh.

¹⁰² Statement of ITC accrued to the purchaser.

¹⁰³ Annual statement of turnover of sales.

¹⁰⁴ JCST (Fort), Mumbai.

¹⁰⁵ LTU-01 Pune.

¹⁰⁶ M/s. Capital Nonwovens Private Limited having GSTIN – 27AAECC4174G1ZP under Thane City Division.

¹⁰⁷ The GSTR-9 contains the details of all supplies made and received under various tax heads during the entire year along with turnover.

2.6.7.6 Non-compliance to CBIC instructions for re-credit/recovery of wrong/ineligible ITC

Para 4 of CBIC circular¹⁰⁸ (September 2018) envisaged that on rejection of refund claim of unutilized ITC on account of ineligibility of the said credit, the proper officer shall order for re-credit of rejected amount in the Electronic Credit Ledger of the claimant. Simultaneously, a demand notice (DRC-01) was to be issued to the claimant for recovery of said amount. Alternatively, the claimant can voluntarily pay this amount along with required interest and penalty *suo-motu* and intimate the same to the proper officer in FORM GST DRC-03.

In 15 cases in six Divisions, out of test checked 1954 cases (One per cent), Audit observed that the proper officer rejected the claims amounting to ₹ 2.78 crore which included the claim of ₹ 1.34 crore on account of ineligible items such as canteen expenses, *etc.* However, the proper officer had neither initiated any action for re-credit of the same amount into the Electronic Credit Ledger nor issued any demand notice for recovery of the same along with interest and penalty. This resulted in non-recovery of the ineligible availed ITC amounting to ₹ 1.34 crore (**Appendix 2.6.15**). This excess refund is recoverable with applicable interest.

On this being pointed out (March and July 2021), one Division¹⁰⁹ stated (August 2021) that the rejected inadmissible amount was not re-credited as the applicant preferred an appeal. In another Division¹¹⁰, it was stated (June 2021) that the taxpayer made voluntary payment and reversal of ITC would be done. In another two divisions¹¹¹ the proper officer submitted that the same were not re-credited due to non-submission of undertaking by the taxpayers. Remaining two Divisions¹¹² did not submit any specific reply.

The matter was communicated to the Government in December 2021; However, their response is still awaited (August 2022).

Illustration:

A tax payer¹¹³ filed (04.11.2018) an application for refund of ₹ 55.23 crore for the month of June 2018 on account of zero rated supply of goods or services or both without payment of tax. The proper officer sanctioned (06.01.2020) refund (RFD-06) of ₹ 53.80 crore and rejected claim ₹ 1.43 crore. The rejected claim contained an amount of ₹ 33.19 lakh pertaining to canteen expenses which was ineligible ITC.

However, the proper officer neither ordered for re-credit into the Electronic Credit Ledger of the tax payer nor issued demand notice for recovery of the ineligible ITC amounting to ₹ 33.19 lakh along with applicable interest and penalty. On this being pointed out (August 2021), it was stated

¹⁰⁸ Circular No. 59/33/2018-GST.

¹⁰⁹ LTU-1, Pune Division.

¹¹⁰ Aurangabad Division.

¹¹¹ JCST Nodal-1 Pune and Kolhapur.

¹¹² JCST Nashik and Thane Rural.

¹¹³ M/s. Bajaj Auto Limited having GSTN-27AADCB2923M1ZL under the LTU-1 Pune Division.

(August 2021) that the rejected inadmissible amount was not re-credited as the applicant preferred an appeal.

2.6.8 Miscellaneous issues

2.6.8.1 Irregular grant of refund without proof of exports

As per Rule 89(2)(b) of the MGST Rules, the application for refund in case of export of goods shall be accompanied by a statement containing number and date of shipping bills or bills of export of goods. CBIC instructed¹¹⁴ that in case of refund claim on account of export of goods without payment of tax, the shipping bill details shall be checked by the proper officer through ICEGATE site (www.icegate.gov.in) and check the details of EGM¹¹⁵ and shipping bill, Shipping bill number and date.

In one out of 886 cases pertaining to Pre-automation period, Audit observed (December 2020) that the Department sanctioned (February 2020) refund of ₹ 30.38 lakh to a tax payer¹¹⁶ on the basis of Bank Realisation Certificates (eBRC) issued by the DGFT (Director General of Foreign Trade). However, exporter did not submit Statement-3 containing details of shipping bills as proof of export. Thus the proper officer sanctioned refund without verification of shipping bills, which was irregular.

In another case out of 886 cases pertaining to Pre-automation period, a refund of ₹ 0.48 crore was sanctioned (September 2020) to tax payer¹¹⁷ on the basis of list of shipping bills in Statement-3. Audit cross-checked the Statement-3 from website ICEGATE but 107 shipping bills amounting to ₹ 91.10 lakh were not available on the 'ICEGATE' on which refund of ₹ 0.52 lakh was included in the refund order. Non- verification of shipping bills resulted in irregular refund of ₹ 30.90 lakh in two cases without availability of proof of export.

On this being pointed out, the DCST Nagpur in both the cases stated (December 2020 & February 2021) that the exports were done through India Posts in Mumbai and thus, not available on ICEGATE, as these post offices are not linked to ICEGATE. Replies indicate that CBIC instructions were not followed by the proper officer in respect of verification shipping bills through ICEGATE. The details regarding export through foreign post office were not found on records. This resulted in grant of irregular refund of ₹ 30.90 lakh without verification of proof of exports, which was recoverable with applicable interest.

2.6.8.2 Non-submission of invoice details by the taxpayers for refund under inverted duty structure

An Inverted Duty situation arises, when the taxes on output or final product is lower than the taxes on inputs creating an inverse accumulation of ITC, which in most cases has to be refunded.

¹¹⁴ Para 18 of the Circular No.125/44/2019 GST dated 18.11.2019.

¹¹⁵ Export General Manifest.

¹¹⁶ M/s. LEEHPL Ventures Private Ltd, Nagpur.

¹¹⁷ M/s. SSD Pharma, Nagpur.

As per Rule 89(5) of the MGST Rules, the capital goods and input services do not qualify for refund of ITC on account of Inverted Duty Structure.

CBIC issued circular (November 2019) and clarified¹¹⁸ that the refund applicants shall upload on common portal, the details of all the invoices on the basis of which ITC has been availed during the relevant period for which the refund is being claimed in Annexure- B *i.e.* a statement, which provides the details of type of transaction on which ITC is availed *viz.* inputs, capital goods or input services.

In three Divisions¹¹⁹, Audit observed (February 2021) that the Department issued 95 refund orders amounting to ₹ 20.94 crore on account of Inverted Duty Structure pertaining to post-automation period¹²⁰ (**Appendix 2.6.16**), though Annexure-B was not uploaded by the applicant on the common portal.

On this being pointed out (February 2021), two divisions¹²¹ stated (February 2021) that due to technical glitches, the Annexure B could not be uploaded at that point of time, but the refund claimants had submitted the same physically which was duly scrutinized before sanction of the refund. Belapur-Raigad Division did not submit any reply.

Reply was not acceptable as Department should have issued deficiency memo in such cases for non-furnishing of relevant documents.

2.6.8.3 Non-recovery of provisional refund after rejection of refund claim

Section 54(6) of the MGST Act provides for grant of refund on a provisional basis in respect of zero rated supply of goods or services at 90 *per cent* of the total amount so claimed. Rule 91(2) of MGST Rules stipulated that the proper officer, after scrutiny of the claim and the evidences submitted in support thereof and on being *prima facie* satisfied that the amount claimed as refund is due to the applicant, shall make an order for refund on a provisional basis.

Audit observed that in one out of 886 cases pertaining to Pre-automation, a tax payer¹²² filed refund application on 09.01.2019 (ARN-AA271118897558E) for the refund of ₹ 47.00 lakh on account of supplies made to SEZ unit/SEZ developer without payment of tax for the period from August 2018 to November 2018.

It was observed (August 2021) that the proper officer sanctioned (March 2019) 90 *per cent* provisional refund amounting to ₹ 42.30 lakh. The Proper officer issued (September 2020) notice (RFD-08) for rejection of application for refund due to non-submission of required document (*i.e.* statement containing number and date of invoice, proof of receipt of goods or services which is authorized by the specified officer of SEZ, details of payment made, invoice of suppliers, declaration and Agreement). Subsequently, the proper officer issued (November 2020) final refund order

¹¹⁸ Para 36 of Circular No. 125/44/2019-GST dated 18.11.2019.

¹¹⁹ Belapur-Raigad (3), Thane Rural (10) and Thane City (82).

¹²⁰ Period after 26.09.2019.

¹²¹ Thane City and Thane Rural.

¹²² M/s Airlift Global Carriers Pvt. Ltd. having GSTN 27AAMCA4358E1ZL under Nodal-7 Andheri, Mumbai Division.

for 'Nil' amount rejecting the balance refund amount of ₹ 4.70 lakh. However, no action was taken to recover refund amount sanctioned provisionally. After being pointed out by Audit, Department issued notice (August 2021) for recovery of provisional refund of ₹ 42.30 lakh, which was already granted.

On this being pointed out (August 2021) the proper officer stated (September 2021) that primarily, the provisional refund was sanctioned on the basis of documents submitted by the tax payer and while granting final refund, it was found that more documents were required. The balance refund was rejected and further notice (DRC-01A) was issued (August 2021) for the recovery of provisional refund already granted with applicable interest.

2.6.8.4 Non-production of Records/Production of incomplete records

(I) Non-production of data of communication of refund orders to counterpart tax authority

As per CBIC circular¹²³, refund order issued either by State or Union Territory tax authority, it shall be communicated to the concerned counterpart tax authority within seven working days for the purpose of payment of relevant sanctioned amount of tax or cess as the case may be.

Audit requested (August as well as September 2021) to CST and also to Principal Secretary (Financial Reforms) to submit the aforesaid data/information for further scrutiny.

In case of CGST, the CST provided the data of refund orders of CGST forwarded to the Central Tax authority only in January 2022 but it did not contain details like ARN, date of issue of ARN provisional (RFD-04) order/Final order (RFD-06).

As a result audit could not assess delay at various stages in forwarding refund claims to the Central Tax authority.

Similarly in case of SGST, the CST provided the data of refund orders of SGST received from Central Tax authority (January 2022) but it did not contain details like date of issue of ARN, provisional (RFD-04) order/Final order (RFD-06) and date of credit in the bank account.

Despite several requests the required information such as date of issue of ARN, RFD04 and RFD-06 was not furnished to Audit.

As a result audit could not assess delay at various stages in credit of refund claims to the bank account of the claimant.

(II) Non-production of data of conducting of post-audit of refund claims

CBIC¹²⁴ issued circular and elaborately laid down the procedure for manual processing of refund of zero rated supplies¹²⁵. The circular stipulated that pre-audit of the manually processed refund applications is not required irrespective of the amount involved till separate detailed guidelines are issued. However, post-audit of the refund orders may continue on the basis of extant guidelines.

¹²³ No. 24/24/2017 GST dated 21.12.2017.

¹²⁴ Circular No. 17/17/2017-GST dated 15.11.2017 issued by CST.

¹²⁵ Exports without Payment of Tax.

This procedure was extended to all type of refund applications processed manually vide CBIC circular No. 24/24/2017 dated 21 December 2017.

Information in this respect was requested (August as well as September 2021) from the CST and also from Principal Secretary (Financial Reforms) (November 2021).

In reply, list of cases selected for scrutiny were provided to audit (October 2021) but the same were related to evasion prone commodities and not related to post audit of refund claims. CST further stated (January 2022) that list of 3,764 cases have been selected for comprehensive audit but results of audit are awaited.

As a result, Audit could not assess the adequacy, impact and effectiveness of post-audit checks of the refund orders done by the Department (if any).

(III) Non-production of data of payment of GST refund

As per Internal circular¹²⁶ issued in December 2017, the Additional Commissioner of State Tax (VAT-2), Mumbai is state level in-charge and co-ordinator for disbursement of GST refund through NEFT for the pre-automation period. Similarly, in respect of post-automation period¹²⁷, the disbursement of amount of GST refund issued by the Center and State/UT Tax Officers shall be through the Public Financial Management System (PFMS) of the Controller General of Accounts. The common portal shall generate a master file containing the relevant details. The master file shall be shared with PFMS for validation of the bank account details. After validation of bank account details, the proper officer shall issue the payment order. The disbursement status of the refund would also be communicated by the PFMS to the common portal of the GSTN.

Audit requested (August 2021 as well as September 2021) to CST and also to Principal Secretary (Financial Reforms) (November 2021) to submit the following information of disbursement of refund by the Department shown in **Table 2.6.5** :

Table: 2.6.5

| Sr. No. | Details of GST refund processed during pre-automation and post automation period | Date of sending letter to CST | Date of sending reminder |
|----------------|---|--------------------------------------|---------------------------------|
| 1 | Disbursement of GST Refund for the pre-automation period through NEFT | 04.08.2021 | 14.09.2021 |
| 2 | Disbursement of refund of SGST through PFMS | 04.08.2021 | 14.09.2021 |

In reply (September 2021), Department did not provide data of pre-automation period (2017-18 and 2018-19) but provided data of post automation period (2019-20 & 2020-21) (September 2021) only. However, it did not contain details like Date of issue of Final order/payment advice (RFD 05 and 06), Date of sharing the master file with the PFMS for disbursement and date of credit in the bank account.

Despite several requests the required information such as date of issue of RFD-05, RFD-06, Date of sharing the master file with the PFMS and date of credit in the bank account was not furnished to Audit.

¹²⁶ No.27A of 2017 dated 30.12.2017 issued by CST.

¹²⁷ CBIC circular No.125/44/2019 dated 18.11.2019.

As a result, Audit could not assess timeliness at various stages (for both pre and post automation period) in credit of refund claims to the bank account of the claimant.

Recommendation 2: Department should ensure availability and production of requisitioned records/statements to audit.

Recommendation 3: Compliance to codal provisions and instructions issued by the Government from time to time may be ensured for correct and timely disposal of the refund cases.

2.7 Short Levy of Tax

Application of incorrect rate of tax resulted in short levy of tax and interest thereon to the tune of ₹ 11.72 lakh.

As per provisions of Section 6 of the MVAT Act, 2002, there shall be levied a sales tax on the turnover of sales of goods specified in different schedules at the rates set out in the respective schedule. Further, goods which are not covered by Schedule A, B, C and D of the MVAT Act shall be covered by Entry 1 of Schedule E of the Act and shall be taxable at the rate of 12.5 per cent. Further, as per order¹²⁸ (January 2017) issued by Advance Ruling Authority, Mumbai, 'Tablets' are to be covered under residual entry E-1, and are required to be taxed at the rate of 12.5 per cent.

Scrutiny of records (January 2020) in office of the Deputy Commissioner State Tax, PUN-VAT- E-706, Pune, revealed that a wholesale dealer¹²⁹ of Computers and Computer peripherals was assessed in 2018-19 under MVAT Act, 2005 for the period 2014-15. From the sample invoices available on records, Audit noticed that MVAT on sale of 'Tablets' at ₹ 83.92 lakh was levied at the rate of five per cent instead of 12.5 per cent. This resulted in short levy of tax ₹ 11.72 lakh inclusive of interest thereon (**Appendix 2.7.1**).

On this being brought to notice (January 2020), the assessing authority concerned stated that the point would be verified and complied accordingly. The matter was brought to notice of the Government in May 2021.

In reply, the Deputy Commissioner of State Tax (Audit) stated (March 2022) that the Assessing authority had issued Rectification order (August 2020) after re-assessment and issued demand notice accordingly for recovery of dues of ₹ 6.008 lakh along with interest.

Further progress of recovery is awaited (August 2022).

2.8 Short levy of interest due to incorrect calculation

Incorrect computation of interest under section 30(3) of MVAT Act, 2002 resulted in short levy of interest to the tune of ₹ 47.06 lakh

As per section 30(3) of MVAT Act, 2002, if any tax remains unpaid up to one month after the end of the period of assessment, then the dealer is liable to pay simple interest at the rates as specified from time to time, on such tax for each month or part thereof from the date immediately following the last date of the

¹²⁸ Order No. ARA Mumbai 126/2016-17/Disp. Reg. No. 10 dated 21/01/2017.

¹²⁹ M/s. K Comp Services, TIN :27710344344V, Period : 2014-15, AO dated 18.02.2019.

period for which the dealer has been assessed till the date of the order of assessment. Accordingly, dealer was liable to pay interest at the rate of 1.25 *per cent* per month as prescribed in Rule 88(1) of MVAT Rules, 2005.

Further, by virtue of the Government of Maharashtra, Finance Department's Notification¹³⁰ (November 2015), the rate of interest under Rule 88(1) for the purpose of sub-section (1), (2) and (3) of Section 30 of MVAT Act, 2002 was revised w.e.f. 01 December 2015 as shown in **Table 2.8.1** :

Table 2.8.1

| Sl. No. | Period liable for interest | Rate of interest |
|---------|----------------------------|---|
| 1 | Upto one month | One and quarter <i>per cent</i> of the amount of such tax, for the month or part thereof. |
| 2 | Upto three months | One and quarter <i>per cent</i> of the amount of such tax, for the month or part thereof for the first month of delay and One and half <i>per cent</i> of the amount of such tax, for each month or part thereof for delay beyond one month upto three months. |
| 3 | More than three months | One and quarter <i>per cent</i> of the amount of such tax, for the month or part thereof for the first month of delay and One and half <i>per cent</i> of the amount of such tax for each month or part thereof for delay beyond one month upto three months and two <i>per cent</i> of the amount of such tax for each month or for part thereof for the period delay beyond three months. |

Scrutiny of records (February 2020) in the office of the Deputy Commissioner of State Tax, PUN-VAT-E-607, LTU, Pune revealed that during assessment of a dealers, the Department mentioned the revised rate of interest in the calculation sheet but actually calculated the interest at pre-revised rate. This resulted in short levy of interest under Section 30(3) amounting to ₹ 47.06 lakh (**Appendix 2.8.1**).

(₹ in lakh)

| Sl. No. | Name of the Dealer | Assessment Period Date of assessment | Interest leviable under | Interest levied under | Difference |
|--------------|--------------------|---|-------------------------|-----------------------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7(5-6) |
| 1 | Dealer A | 2014-15 28/03/2019 | 147.01 | 99.95 | 47.06 |
| Total | | | | | 47.06 |

On this being brought to notice (February 2020), the Assessing Authority stated that the point would be verified and complied accordingly.

The matter was brought to notice of Government in May 2021; The Department intimated the acceptance of facts (February 2022) and issued order for recovery of interest amounting to ₹ 58.70 lakh. A report on recovery has not been received (August 2022).

2.9 Excess grant of refund under MVAT

Inadmissible allowance of set-off on inputs utilized in construction of factory building resulted in grant of excess refund to the tune of ₹ 21.56 lakh

As per Rule 54(h) of MVAT Rules, 2005, no set-off under any rule shall be admissible in respect of purchases of goods by a dealer, the property in which is not transferred (whether as goods or in other some form) to any other

¹³⁰ Notification No. VAT 1515/CR-81/Taxation-1 dated 05 November 2015.

person, which are used in erection of immovable property other than plant and machinery.

Further, as per Section 51(6)(b) MVAT Act, 2002, if it is found as a result of any order passed under this Act that the refund granted under this section is in excess of the refund, if any, determined as per the said order, then the excess amount shall be recovered as if it is an amount of tax due from the dealer and the dealer shall be liable to pay simple interest at the prescribed rate per month or part thereof from the date of the grant of refund.

During Scrutiny (June 2018) of assessment in the office of the Deputy Commissioner of Sales Tax, E-002, Amravati, Audit noticed that a Manufacturer¹³¹ of bakery products was assessed in 2016-17 for the period 2012-13. As per the Assessment Order, the tax refund was worked out to ₹ 18.80 lakh and the interest thereon granted under Section 52 of MVAT Act, 2002 as ₹ 2.26 lakh. Audit noticed that the purchases on which set-off was allowed included cement, electrical installation items *etc* used in construction of factory building, which was inadmissible in view of the rule *ibid*. This was resulted in excess refund of ₹ 10.56 lakh to the dealer. Thus, ₹ 21.56 lakh was to be recovered under section 51(6)(b) from the dealer which includes interest of ₹ 11.00 lakh (*Appendix-2.9.1*).

On this being pointed out by Audit (June 2018), the Department stated that the matter would be verified and compliance would be furnished in due course.

The matter was brought to notice of the Government in October 2021; their reply thereto was awaited (August 2022).

STAMP DUTY AND REGISTRATION DEPARTMENT

STAMP DUTY AND REGISTRATION FEES

2.10 Short levy of Stamp Duty in cases of lease deed

As per Article 36(A)(b), if leave and license agreement purports to be for a period exceeding sixty months with or without renewal clause, the duty is leviable on lease under clauses (ii) (iii) or (iv) as the case may be of Article 36. As per Article 36(i), (ii), (iii) and (iv) of the Maharashtra Stamp Act (MS Act), in case of lease with a renewal clause contingent or otherwise, where period of lease is up to five years Stamp Duty is leviable on ten *per cent* of market value of the property, if lease is for a period exceeding five years and up to ten years, Stamp Duty is leviable on 25 *per cent* of market value of the property, if lease is for period exceeding ten years and up to 29 years then Stamp Duty is leviable on 50 *per cent* of market value of the property and in case where lease period exceeds 29 years, the Stamp Duty is leviable on 90 *per cent* of market value of the property. Further, as per explanation-II, the renewal period, if specifically mentioned, shall be treated as part of the present lease.

As per Article 60 of the MS Act, transfer of lease by way of assignment and not by way of under lease or by way of decree or final order passed by any Civil Court or any Revenue Officer, the Stamp Duty leviable is the same duty

¹³¹ M/s. Virendra Food Products Pvt. Ltd. TIN: 27600328642V, Period: 2012-13, AO Date: 28.03.2017.

as is leviable on lease under clause (i), (ii), (iii) or (iv) as the case may be of Article 36 for the remaining period of lease.

Audit observed short levy of Stamp Duty amounting to (i) ₹ 01.06 crore due to non- consideration of constructed area in one case, (ii) ₹ 38.19 lakh due to non-consideration of renewal clause in two cases (in two units) and (iii) ₹ 5.28 crore due to undervaluation of market value in 11 cases (in three units) as detailed below :

2.10.1 As per Valuation Guideline (VG) No. 7(d) of Annual Statement of Rates, a school and religious building should be valued at the rate assigned to residential flat in the concerned valuation zone of Annual Statement of Rates.

A Lease deed (Document No. 10503/2018) was executed (August 2018) between Lessee¹³² and Lessor¹³³ at the office of Joint Sub Registrar, Haveli -XVIII, District Pune for leasehold rights of land admeasuring 42.05 R *i.e.* 4,205 sqm along with constructed area admeasuring 5,576.20 sqm situated at Survey No.12/1 in village Mahalunge (Influence Area), *Taluka* Mulshi, District Pune for a period of 30 years commencing from 27 June 2018 to 26 June 2048.

The Department worked out the market value of property by taking into account the area of open land (4,205 sqm) only at ₹5.15 crore and consideration mentioned in the document was 'Nil'. The Department recovered SD of ₹ 23.16 lakh.

Scrutiny of document revealed (July 2019) that as per clause 3, the Lessor agrees and undertakes to construct two buildings having construction area of 30,000 square feet each for school in phase-wise manner at their own cost and expenses on land under lease. The possession of Phase-I and Phase-II buildings would be handed over by Lessor to Lessee on 01 March 2019 and 01 June 2022 respectively.

Audit worked out that market value of the property at ₹ 28.62 crore on which SD of ₹ 1.29 crore at the rate of five *per cent* under Article 25 of the MS Act was leviable as against ₹ 23.16 lakh recovered by the department. This resulted in short levy of SD of ₹ 1.06 crore (**Appendix 2.10.1**).

In reply, office of the Inspector General of Registration and Controller of Stamps, Pune (IGR) accepted (March 2021) the audit observation. The Inspector General of Registration stated that process of recovery is in progress at level of office of Collector of Stamps, Pune city, Pune. Further progress of recovery is awaited (August 2022).

The matter was brought to the notice of the Government in May 2021 and October 2021, the reply is awaited (August 2022).

2.10.2 As per VG No. 7(b) of Annual Statement of Rates (ASR), a dispensary/hospital/bank situated on the upper floors should be valued as per clauses (c) and (d) of Valuation Guideline No. 8. The Valuation Guideline No. 8(d) is for valuation of shops in the building comprising larger shopping complex other than Malls as shown in **Table 2.10.2.1** :

¹³² Sant Gyaneshwar Education Trust, Mumbai through its Chairman and Managing Trustee Dr. Nikil Wagh.

¹³³ Mr. Atul Bhima Padale and 20 others, Pune.

Table 2.10.2.1

| Sr. No. | Floor comprising a shop | Percentage of the rate of shop as assigned in the ASR to be taken into consideration |
|---------|---|--|
| 1 | Basement | 70% |
| 2 | Lower ground floor | 90% |
| 3 | Ground floor/Upper ground floor | 100% |
| 4 | First floor (above ground floor or above still floor) | 90% |
| 5 | Second floor and floors above | 80% |

An agreement to construct and lease (Document No. 4481/2016) was executed (July 2016) between Lessor¹³⁴ and Lessee¹³⁵ at the office of the Joint Sub-Registrar, Haveli- XVII, District Pune for a proposed hospital building referred to as the "Bare Shell Building". The period of lease was of 28 years and 11 months. The proposed building comprised of 2 (Two) basements, Ground + 7 (seven) upper floors *plus* terrace. Total built up area was admeasuring at least 2,50,000 sq. ft., of which calculable area shall not exceed 2,40,000 sq.ft. *i.e* 22,304.83 sqm. This building would be constructed by Lessor on the land admeasuring 7,965 sqm at survey No. 111/11/1 (pt), situated at Baner-Mhalunge Road, village Baner, Taluka Haveli, District Pune within the limits of Pune Municipal Corporation.

The Department worked out the market value of the property at ₹ 117.28 crore and consideration mentioned in the document is 'Nil'. The details of calculation based on which the valuation of property arrived at, was not available on records.

Audit worked out the market value of the property at ₹ 163.70 crore as per the rates mentioned in Annual Statement of Rates for the year 2016-17 read with Valuation Guideline 8(d). Accordingly, as per the provisions of Article 36(iii) of the Act, SD amounting to ₹ 4.09 crore on 50 *per cent* of market value was leviable. However, the Department recovered SD of ₹ 2.93 crore only. This resulted in short levy of SD by ₹ 1.16 crore (**Appendix 2.10.2**).

On being pointed out (January 2018), the Joint Sub-Registrar submitted that the compliance would be submitted after getting opinion from the office of the Joint District Registrar, Pune City. The matter was reported (October 2020 and June 2021) to the office of the Inspector General of Registration and Controller of Stamps, Pune (IGR). In reply the IGR stated (February 2022) that the matter is taken under consideration under section 32 C and the decision taken will be intimated to audit.

The matter was brought to the notice of the Government in July 2021 and October 2021, their reply is awaited (August 2022).

2.10.3 Scrutiny of records (Document No. 570/2017) of office of the Joint Sub Registrar (Class-II), Haveli-V, District Pune revealed (April 2018) that a Deed of Assignment of Lease was executed (January 2017) between Assignor¹³⁶ and Assignee¹³⁷ for assigning an industrial plot on lease having area of 2,957 sqm along with industrial shed admeasuring 670 sqm (constructed in year 1989) standing thereon situated at plot No.S-36, T Block

¹³⁴ M/s. AC Realty Spaces LLP, Pune.

¹³⁵ M/s. Columbia Asia Hospitals Pvt. Ltd., Bangalore.

¹³⁶ M/s. Laxmi Agni Components & Forgings Pvt. Ltd.

¹³⁷ M/s. Sachin Projects.

in Pimpri Industrial Area of Maharashtra Industrial Development Corporation, Village Bhosari within the limits of Pimpri-Chinchwad Municipal Corporation. The Department worked out the market value of the property at ₹ 490.46 lakh. However, the consideration mentioned in the instrument was ₹ 506 lakh. The Department recovered the SD of ₹ 25.30 lakh. The details of calculation based on which Department arrived at valuation of property were not available on records.

Originally, the said plot was allotted to an allottee¹³⁸ in May 1988 for period of 95 years who thereafter has assigned their rights in respect of plot together with shed in the name of current Assignor vide registered Deed of Assignment of Lease in December 2001. Further, the present Deed of Assignment of Lease was executed (January 2017) between Assignor and Assignee for unexpired period of lease.

Audit observed (April 2018) that market value of plot along with shed was to the tune of ₹ 8.35 crore, thus, SD at the rate of five *per cent* under Article 25 of the Act, on 90 *per cent* of the market value amounting to ₹ 37.59 lakh was leviable as against ₹ 25.30 lakh recovered by the Department. This resulted in short levy of SD to the tune of ₹ 12.29 lakh. (**Appendix 2.10.3**).

In reply, IGR stated that process of recovery is in progress at level of office of Collector of Stamps, Pune.

The matter was brought to the notice of the Government in May 2021 and October 2021, their reply is awaited (August 2022).

2.10.4 Scrutiny of records (Document No. 3058/2019) of the Office of Joint Sub Registrar, (Class-II), Haveli -III, District Pune revealed (January 2020) that a Leave and License Agreement was executed (February 2019) between Licensor¹³⁹ and Licensee¹⁴⁰ for Units No EB-GF-28 & 29 admeasuring chargeable area 10,104 sqft *i.e* 939.03 sqm on ground floor in Retail Mall/ Shopping Complex known as "Amanora Town Centre" at village Sadesatranali, Hadaspsar, *Taluka* Haveli, District Pune. As per the clause 3 of the document, the period of lease was for nine years. However, in clause No. 3(a), it was mentioned that after expiry of the initial term, the licensee with the consent of licensor, might renew this agreement for a further term of four years. The Department worked out market value of property at ₹ 13.29 crore and recovered SD of ₹ 16.96 lakh considering the period of lease of nine years only.

Audit worked out that SD at the rate of five *per cent* under Article 25 of the MS Act amounting to ₹ 33.22 lakh on 50 *per cent* of the market value as per the provisions of Article 36 (iii) was leviable as against ₹ 16.96 lakh recovered by the Department. This resulted in short levy of SD to the tune of ₹ 16.26 lakh (**Appendix 2.10.4**).

¹³⁸ M/s Ashoka Powerling Ind. Pvt. Ltd.

¹³⁹ City Reality and Development Private Limited, Pune through its authorised signatory Mr. Rameshwar Jatale and Mr. Ramesh Kangude.

¹⁴⁰ The Barbeque Nation Hospitality Ltd, Bangalore.

On being pointed out in October 2020, the IGR accepted (June 2021) the audit observation. The IGR stated that Collector of Stamps, Pune city is directed to effect recovery on priority.

The matter was brought to the notice of the Government in May 2021 and October 2021, their reply thereto was awaited (August 2022).

2.10.5 A Lease deed (Document No. 3961/2015) was executed (May 2015) between Lessor¹⁴¹ and Lessee¹⁴² at the Office of Joint Sub Registrar, Thane-VIII, District Thane for leasehold rights of an unfurnished hospital, Basement +G+7 Floor building (on as is where is basis) for running hospital in newly constructed Primary Health Centre (PHC) building admeasuring area 1,899.64 sqm constructed on land admeasuring 990.27 sqm situated at Sector 3K, Airoli, New Mumbai. The document was earlier adjudicated by the Joint District Registrar (JDR), Thane City vide Adj. Order No. Adj/190/15/5297-98/15 dated 06/05/2015. The Department determined the market value of property at ₹ 17.54 crore and recovered Stamp Duty of ₹ 21.93 lakh on 25 per cent of the market value of property. The details of calculation based on which the valuation of property was arrived at not available on records. The consideration mentioned in the instrument was ₹ 15.00 lakh.

Audit scrutiny of the document revealed (February 2017) that as per Clause 1 of the document, the initial period of lease was for 10 years. However, in Clause No. 24, it was mentioned that “after expiry of this Lease deed, both the parties hereby agree to extend the Lease Deed for another ten years with mutual consent.” Thus, the total lease period works out to 20 years. This was not considered by the Department while levying the SD.

Audit considered the market value of ₹ 17.54 crore as determined by the Department and worked out the SD leviable amounting to ₹ 43.85 lakh on 50 per cent of market value at the rate of five per cent as against ₹ 21.93 lakh recovered by the Department. This resulted in short levy of SD by ₹ 21.93 lakh (*Appendix 2.10.5*).

On being pointed out in October 2020, the IGR stated (January 2021) that the matter is under consideration under Section 53A of the MS Act, and appropriate action would be taken after final decision in the matter.

The matter was brought to the notice of the Government in July 2021 and October 2021, their reply is awaited (August 2022).

2.10.6 As per Government of Maharashtra, Revenue & Forest Department Resolution (May 2006), for allotment of Government land on occupancy or on lease basis and in all the cases where valuation of government land is to be done, valuation of such land should be determined as per the rates prescribed in ASR as on date on which order for allotment of government land is passed or other orders consisting of valuation is passed.

Scrutiny of records (Document Nos. 2978/2018, 3992/2018, 4753/2018, 3905/2018, 2465/2018, 5070/2018, 2468/2018, 4382/2018 and 3722/2018) of the Office of Joint Sub Registrar-I, Nagpur, District Nagpur revealed

¹⁴¹ Smt. Sonpattidevi Memorial Medical Trust, Navi Mumbai.

¹⁴² Wellcare Health Services, Navi Mumbai.

(July 2019) that nine cases of renewal of lease of intra Municipal/Nazul¹⁴³ for building purpose were executed (between May 2018 and September 2018) between Lessee¹⁴⁴ and Lessor¹⁴⁵ in respect of nazul plots situated in Nagpur district. The Department worked out the market value of property at ₹ 1.52 crore and consideration was shown as Nil. The Department recovered SD of ₹ 7.56 lakh in these nine cases. The details of calculation of market value of the property by the Department were not found on records.

Audit observed that period of lease was 30 years in all the above cases. Thus, SD was leviable on 90 *per cent* of the market value of the property. Audit worked out market value of the property at ₹ 90.50 crore as per the Annual Statement of Rates. SD of ₹ 4.07 crore at the rate of five *per cent* was leviable on 90 *per cent* of the market value of the property, as against the ₹ 7.56 lakh recovered by the Department. This resulted in short levy of SD of ₹ 4.00 crore (**Appendix 2.10.6**).

The matter was brought to the notice of the Government in July 2021 and October 2021; their reply is awaited (August 2022).

2.11 Short levy of Stamp Duty due to undervaluation of property

2.11.1 Development agreement - Revenue sharing

As per Article 5 (g-a) of Schedule-1 of MS Act, in case of instrument relating to giving authority or power to a promoter or a developer, by whatever name called, for construction on, development of or, sale or transfer (in any manner whatsoever) of, any immovable property, SD leviable shall be as is leviable on a conveyance under clause (a), (b) or (c) as the case may be, of Article 25, on the market value of the property. Further, as per VG No. 33 of ASR, valuation of development agreement relating to revenue sharing (sale proceeds) should be done :- (a) Consideration value of owner's share –Current value of owner's share in terms of the rate of sale having regard to the permissible use thereof x 0.85 + consideration in cash or kind *i.e.* interest on security deposit, *etc.*

(b) Market value of entire land area at land rate of ASR

Value at (a) or (b) whichever is more.

Further, as per Valuation Guideline No. 31, where instruments pertaining to development agreement/sharing of revenue mention that built-up area/revenue inclusive of the Transferable Development Right (TDR) area is to be shared or that Transferable Development Right is to be utilized therein, the rate assigned for such land under the ASR with 25 *per cent* increase therein should be taken into account for the valuation.

¹⁴³ Prior to independence, erstwhile Government of Central Province (CP) & Berar and prior to formation of Maharashtra State (Maharashtra State was formed in May 1960) the Government of Madhya Pradesh in Vidarbha Region of Maharashtra, allotted Nazul lands on lease subject to certain terms and conditions to public for residential, commercial, educational and charitable purposes. Nazul land means any type of Government land used for non-agricultural purpose such as building, market, playground or any other public purpose or the Nazul land which has potential for such use in future including such lands granted on long or short term lease. (Source: Para 4.4 of Audit Report for the year ended 31 March 2017 on Revenue Sector).

¹⁴⁴ As per calculation sheet of respective Documents number.

¹⁴⁵ Deputy Collector, Nagpur on behalf of Government of Maharashtra.

Audit observed short levy of Stamp Duty amounting to (₹ 39.39 lakh + ₹ 55.13 lakh + ₹ 01.07 crore = ₹ 02.02 crore) in three cases (in three units) due to not working out the correct market value of property or consideration as per the applicable provisions of Annual Statement of Rates in the development agreements involving sharing of revenue as elaborated below :

2.11.1.1 Scrutiny of records (Document 8654/2015) of the Joint Sub Registrar, Class-II, Aurangabad-V, District Aurangabad revealed (December 2016) that a Development Agreement was executed (December 2015) between Owners¹⁴⁶ and Developer¹⁴⁷ for a piece and parcel of open plot No. 2 admeasuring 3,716.71 sqm situated at Gat No. 701 village Chikalhana, Taluka and District Aurangabad along with Transferable Development Right admeasuring 1,486.98 sqm (referred to as demised plot¹⁴⁸) within the limits of Aurangabad Municipal Corporation. The Department worked out the market value of the property at ₹ 3.57 crore. The details of calculation based on which the valuation of property arrived was not available on records. The consideration of ₹ 3.57 crore was mentioned in the document and the Department recovered SD of ₹ 18.37 lakh.

Audit noticed that it was mentioned in page 10 of the document that the said project consists of development of demised plot comprising open land admeasuring 3,716.71 sqm on plot No. 2 and Transferable Development Right admeasuring 1,486.98 sqm. Further, as per clause 4 of the document, the parties agreed to share gross sale proceeds of the project to be constructed on the demised plot in the ratio of 48:52¹⁴⁹. In addition, the developer also gave refundable security deposit of ₹ 1.75 crore to the Owners.

Audit worked out the Owner's share at ₹ 6.66 crore and Developer's share (market value of demised plot admeasuring 5,203.69 sqm including Transferable Development Right) at ₹ 11.55 crore and pointed out (September 2020) short levy of SD of ₹ 39.39 lakh (*Appendix 2.11.1*).

On this being pointed out in September 2020, the IGR accepted (March 2021) the audit observation for ₹ 39.39 lakh. Further progress of recovery is awaited (August 2022).

The matter was brought to the notice of the Government in May 2021 and October 2021; the reply thereto awaited (August 2022).

2.11.1.2 Scrutiny of records of the Office of the Joint Sub-Registrar Class-II, Amravati City-II, District Amravati revealed (September 2019) that a General Power of Attorney (Document No. 2586/2016) and Joint Development Agreement (Document No. 2587/2016) was executed (August 2016) between Owner¹⁵⁰ and Developer¹⁵¹ for development of land admeasuring 14,600 sqm bearing survey No. 159/1, 159/2 and 162 and land admeasuring 4800 sqm of survey No. 160 and 164/2, total land admeasuring 19,400 sqm situated at

¹⁴⁶ Shri Rajesh S/o Laxmandas Paraswant, Aurangabad and three others.

¹⁴⁷ M/s Sara Builders and Developers, Aurangabad.

¹⁴⁸ Demised plot is here referred to plot area 3,716.71 sqm and TDR 1,486.98 sqm collectively.

¹⁴⁹ Owner's share 48 *per cent* and developer's share 52 *per cent*.

¹⁵⁰ Mr. Nilkanth Bapurao Katre & 3 others, Badnera, District Amravati.

¹⁵¹ M/s. Raj Associates, Nagpur.

Mouza Badnera, *Taluka* Amravati within the limits of Amravati Municipal Corporation. In the General Power of Attorney, the Department worked out the market value of the property at ₹ 2.28 crore by levying the rate of open land and consideration was shown as ₹ 2.28 crore and recovered SD of ₹ 11.41 lakh.

As per clause 4(i) of the joint development agreement, the Owner shall be entitled to 35 *per cent* of the net sale price received from the allotments and sales and leases or licenses of saleable premises developed and constructed solely out of basic Floor Space Index (FSI). Further as per clause 4(iii), it is agreed that other than owner's realisation of entire balance purchase price and consideration received from and out of allotments and sales of saleable premises shall belong to Developer. Further, as per clause 5 of the joint development agreement developer shall be responsible for entire cost and risk of development.

Audit worked out the Owner's share (consideration) at ₹ 13.31 crore and Developer's share (market value of whole land) at ₹ 3.42 crore. Thus, the owner's share being more should have been treated as market value and SD at the rate of five *per cent* under Article 25 of the MS Act amounting to ₹ 66.54 lakh was leviable as against ₹ 11.41 lakh recovered by department. This resulted in short levy of SD of ₹ 55.13 lakh (**Appendix 2.11.2**).

On being pointed out in September 2020, the IGR accepted (February 2021) the audit observation¹⁵². The IGR stated (February 2022) to have effected recovery of ₹ 51.50 lakh. (August 2022).

The matter was brought to the notice of the Government in May 2021 and October 2021; their reply is awaited (August 2022).

2.11.1.3 Scrutiny of records (Document No. 5469/2016) of the Office of Joint Sub-Registrar, Class-II, Haveli-VIII, District Pune revealed (January 2018) that a Joint Development Agreement was executed (June 2016) between Owner¹⁵³ and Developer¹⁵⁴ for development of land admeasuring 67,272 sqm¹⁵⁵ for Phase-2 at Survey No. 15 part and 16 part, situated at village Yeolewadi, *Taluka* Haveli, within the limits of Pune Municipal Corporation. The Department worked out the market value at ₹ 12.04 crore and consideration was shown as ₹ 33.51 crore. The Department recovered SD of ₹ 1.68 crore on the amount of consideration.

Audit observed that as per paragraph A and B of the document, land admeasuring 3,79,971 sq.m. is "larger property" and said larger property was converted to "Non-agricultural" in April 2009. Further, as per paragraph E (ii), out of this larger property, land area of 67,272 sqm is subject matter of development for Phase-2 having total Floor Space Index (FSI) availability of

¹⁵² As per IGR office calculation, the short levy of Stamp Duty is amounting to ₹ 64.06 lakh considering the permissible built up area of 21010.71 sqm. The reasons for considering permissible built up area instead of basic FSI is not available on records.

¹⁵³ M/s Pune Kondhwa Realty Pvt. Ltd, Pune.

¹⁵⁴ M/s Lake District Realty Pvt. Ltd, Pune.

¹⁵⁵ 5,372 sqm of S.N.15/1(part), 2,300 sqm of S.N.16/1/4, 6,800 sqm of S.N.16/1/8A/1, 6,800 sqm of S.N.16/1/8A/2, 10,200 sqm of S.N.16/1/8B/1, 3,400 sqm of S.N.16/1/8B/2, 6,100 sqm of S.N.16/1/9, 8,300 sqm of S.N.16/1/10, 3,300 sqm of S.N.16/1/11, 10,400 sqm of S.N.16/1/12/2 and 4,300 sqm of S.N.16/1/12/3 total 67,272 sqm.

74,202.28 sqm. Out of available FSI, 6,749.38 sqm FSI was available on land admeasuring 5,372 sqm situated in survey No.15/1 (part) for villa and bungalow. As per paragraph 3.1, the entire cost to complete project would be borne and paid by the Developer and as per paragraph 6.1, Owner shall be entitled to receive 28.2 *per cent* of the realisation of the unsold units, 12.9 *per cent* of the realisation of allotted premises and 43 *per cent* of the realisation of the row houses and villa.

Accordingly, Audit worked out the consideration at ₹ 49.50 crore and market value of land at ₹ 54.97 crore by applying the Valuation Guideline No. 16(c)¹⁵⁶ of ASR on which SD of ₹ 2.75 crore at the rate of five *per cent* was leviable. However, Department recovered SD of ₹ 1.68 crore only. This resulted in short levy of SD of ₹ 1.07 crore (**Appendix 2.11.3**).

The Office of the IGR accepted (January 2021) the short levy of Stamp Duty and informed that short levy worked out to ₹ 2.53 crore. The IGR stated that recovery action is in progress.

The matter was brought to the notice of the Government in July 2021 and October 2021; the reply is awaited (August 2022).

2.11.2 Development agreement - Sharing of constructed area

Article 5 (g-a) of Schedule-1 of Maharashtra Stamp Act provides, in case of instrument relating to giving authority or power to a promoter or a developer, by whatever name called, for construction on development of or, sale or transfer (in any manner whatsoever) of, any immovable property, Stamp Duty as is leviable on a conveyance under clause (a), (b), or (c) as the case may be, of Article 25 shall be charged on the market value of the property or consideration, whichever is higher, which is the subject matter of transfer. Further, as per instruction No. 32 of Annual Statement of Rates, in case of development agreement the market value shall be derived by calculating owner's share (cost of constructed area plus interest at the rate of ten *per cent* on security deposit) and developer's share and higher of these should be considered as market value.

Audit observed short levy of Stamp Duty amounting to ₹ 10.27 lakh in one development agreement due to incorrect calculation of owner's share and market value as detailed below :

2.11.2.1 Scrutiny of records (Document No. 2036/2015) of the Office of Joint Sub-Registrar, Haveli-X, District Pune revealed (January 2017) that a Development Agreement was executed (February 2015) between Owners¹⁵⁷ and Developer¹⁵⁸ for development of piece and parcel of land admeasuring 3,600 sqm. bearing *Gut* No.637 of village Kirkatwadi (Influence area), *Taluka* Haveli, District Pune. The Department worked out the market value of the property at ₹ 42 lakh and consideration was shown as ₹ 44 lakh. The Department recovered SD of ₹ 1.76 lakh on the amount of consideration.

¹⁵⁶ Valuation of land/plot assessed as Non-Agricultural user is done by considering 90% of the rates as applicable to the concerned non-agricultural user under ASR.

¹⁵⁷ Shri Digamber B Mate, Pune and 33 others.

¹⁵⁸ M/s. Mantra Buildcraft LLP, Pune through its partner Mr. Vishal N. Gupta.

Audit observed that as mentioned in paragraph 4 (four) of the document, the Owner would retain 40 *per cent* admeasuring 18,480 sq.ft. *i.e.* 1,717.47 sqm of the proposed constructed area and in addition, two Co-owners would get bungalow plots admeasuring 200 sqm each. Further, the Developer would complete the construction at its own cost. In addition to this, the Developer had also given interest free refundable security deposit of ₹ 44 lakh to Owners.

Accordingly, Audit worked out Owner's consideration at ₹ 3.01 crore on which SD of ₹ 12.03 lakh at the rate of four *per cent* was leviable. However, Department recovered SD of ₹ 1.76 lakh only. This resulted in short levy of SD of ₹ 10.27 lakh (**Appendix 2.11.4**).

On being pointed out in March 2021, the IGR stated that Collector of Stamps, Pune City has been directed to effect recovery on priority.

The matter was brought to the notice of the Government in July 2021 and October 2021; their reply is awaited (August 2022).

2.11.3 Development agreement – Re-development of the Society

Article 5 (g-a) of Schedule-1 of MS Act, 1958 (Act) provides, in case of instrument relating to giving authority or power to a promoter or a developer, by whatever name called, for construction on, development of or, sale or transfer (in any manner whatsoever) of, any immovable property, SD is leviable as applicable on a conveyance under clause (b) or (c) as the case may be, of Article 25 of Schedule-1 of the MS Act on the market value of the property or consideration, whichever is higher, which is the subject matter of transfer.

As per Appendix III under Regulation 33(7) of the Development Control Regulation for greater Mumbai, 1991 (DCRM), in case of redevelopment of 'A' Category cessed building, the total FSI shall be 3.00 of the gross plot area or the FSI required for rehabilitation of existing occupiers *plus 50 per cent* incentive FSI¹⁵⁹; whichever is more shall be a permissible built up area. In addition, Further, the Regulation 35(4) of DCRM further envisage for fungible FSI not exceeding 35 *per cent* for residential development and 20 *per cent* for industrial/commercial development, over and above admissible FSI, by charging a premium at the rate of 60 *per cent*, 80 *per cent*, and 100 *per cent* of the Ready reckon rate for Residential, Industrial and Commercial development respectively.

Audit observed short levy of Stamp Duty amounting to (₹ 91.43 lakh + ₹ 17.07 lakh = ₹ 1.08 crore) in two case (in two units) due to incorrect calculation of market value and consideration as detailed below :

2.11.3.1 Scrutiny of records (Document No. 7992/2015) of the Office of Joint Sub Registrar, Mumbai – I revealed (February 2017) that a Development Agreement was executed (July 2015) between Owner¹⁶⁰ and Developer¹⁶¹ for the redevelopment of the building known as "Hardinge House" consisting of

¹⁵⁹ As per note (b) attached to VG No.2.2 of ASR, 2015 (Mumbai and MSD), permissible Incentive FSI as per DCRM should be considered for calculation of permissible built up area.

¹⁶⁰ Hardinge House Co-operative Housing Society.

¹⁶¹ Sambhavparshva Developers Private Limited.

ground plus three upper floors, admeasuring area 648.83 sqm. situated at 56-62, A, August Kranti Marg, bearing CTS No. 540 of Malabar–Cumballa Hill Division. The property and the structure is a ‘A’ category cess building.

Audit worked out the market value of the property as per the provisions stated under Regulation 35(4) and Appendix-III of Regulation 33(7) of the DCRM at ₹ 32.30 crore. Audit worked out the consideration at ₹ 19.36 crore. The SD at the rate of five *per cent* was leviable on the market value of the property at ₹ 1.61 crore as against ₹ 70.00 lakh recovered by the Department. This resulted in short levy of SD of ₹ 91.43 lakh (**Appendix 2.11.5**). The details of valuation done by Department were not available on records.

On being pointed out (February 2017), the Joint Sub-Registrar, Mumbai City-I, in reply stated that as the document is adjudicated, compliance would be submitted after obtaining the comments of the Collector of Stamps, Mumbai. The matter was intimated (August 2021) to the Office of the IGR.

In reply, IGR stated (October 2021) that the matter is under consideration under section 53A of MS Act, and appropriate action would be taken after the decision is taken in the matter. Further progress in the matter was awaited (August 2022).

The matter was brought to the notice of Government in October 2021; their reply thereto was awaited (August 2022).

2.11.3.2 Scrutiny of records (Document No.8840/2014) of the Office of Joint Sub-Registrar, Borivali–VII, Mumbai Suburban District revealed (September 2015) that a development agreement was executed between Owner¹⁶² and Developer¹⁶³ for redevelopment of piece or parcel of khote land admeasuring 3,539.58 sqm bearing CTS No. 1404, 1404/1 to 23 of village-Eksar, *Taluka* Borivali, Mumbai Suburban District. The Department worked out the consideration ₹ 3.46 crore and recovered SD of ₹ 22.85 lakh on amount of consideration.

Audit worked out the market value of the property at ₹ 9.96 crore and consideration amount at ₹ 20.21 crore and amount of SD leviable at ₹ 1.05¹⁶⁴ crore at the rate of five *per cent* as against ₹ 22.85 lakh which was recovered by the department. This resulted in short levy of SD amounting to ₹ 82.20 lakh (**Appendix 2.11.6**).

In July 2019, the Collector of Stamps, Borivali partially accepted the audit observation and stated that recovery of ₹ 58.50 lakh had been effected. The short levy of SD amounting to ₹ 75.57 lakh and outstanding balance recovery of ₹ 17.07 lakh was communicated (August 2021) to IGR.

IGR accepted (December 2021) the audit observation. Further progress of recovery was awaited (August 2022).

The matter was brought to the notice of the Government in October 2021; their reply thereto was awaited (August 2022).

¹⁶² Shri Saraswati Apartment Co-operative Housing Society Ltd.

¹⁶³ Kag-Hitech-Hafizi Builders.

¹⁶⁴ Stamp Duty leviable on consideration amount (₹ 1,01,05,122) + Stamp Duty leviable on Bank Guarantee (₹ 4,00,000).

2.12 Short levy of Stamp Duty in conveyance deed due to incorrect/non-application of provision of MS Act and ASR

Maharashtra Stamp Act envisaged that the consideration for the purpose of levy of Stamp Duty and Registration Fee on an instrument brought for registration shall be the amount mentioned in the instrument or the market value of the property determined in accordance with the Articles of Schedule-I of Maharashtra Stamp Act and the instructions and rates contained in the Annual Statement of Rates prescribed for that year whichever is higher.

Audit observed short levy of Stamp Duty amounting to (₹ 40.96 lakh + ₹ 56.06 lakh = ₹ 0.97 crore) in two cases (in two units) due to incorrect/non-application of provisions of Maharashtra Stamp Act and instructions to Annual Statement of Rates as elaborated below :

2.12.1 As per VG No.17 of the ASR, regarding plot situated in the interior of a road in an urban and influence area, for which separate valuation zone is provided, the valuation of such plot which is situated at a distance of more than 50 meters from the road should be done by taking into consideration 70 *per cent* of the rate applicable to the road.

Scrutiny of records (Document No. 1571/2016) of the Office of Joint Sub Registrar, Haveli-II, District Pune revealed (October 2017) that a Sale Deed was executed (February 2016) between Vendors¹⁶⁵ (Party of the First Part) and Purchaser¹⁶⁶ (Party of the Third Part) for land admeasuring 40 *Ares i.e.* 4,000 sqm of Survey No. 90/B, land admeasuring one hectare 42 *Ares i.e.* 14,200 sqm of Survey No.90/A/2 and land admeasuring 61 *Ares i.e.* 6,100 sqm of Survey No. 90/A/1/2 totaling to land admeasuring 2 hectare 43 *Ares i.e.* 24,300 sqm situated at village Dhanorie, *Taluka* Haveli, District Pune within the limits of Pune Municipal Corporation. The Department calculated the market value of the property at ₹ 22.79 crore by applying Valuation Guideline No. 16B¹⁶⁷ and the consideration mentioned in the Document was ₹ 8.62 crore. Department recovered SD at the rate of six *per cent* (Five *per cent* SD and One *per cent* LBT) on ₹ 15.96 crore (70 *per cent* of market value as per VG No.17 of ASR) at ₹ 95.76 lakh.

Audit observed that as per Annual Statement of Rates for the year 2015, Survey No. 90 is situated on the Dhanorie village to Kalas Road. Further, as per Schedule A of the conveyance, the property is bounded by a DP Road/Shiv of village Kalas on west side and remaining part of Survey No. 90 on east side. Proposed Draft Regional Plan (1990-2011)¹⁶⁸ also confirms that the property is located on road. Thus, valuation of the property at 70 *per cent* rate of Annual Statement of Rates by applying Valuation Guideline No. 17 was not correct.

¹⁶⁵ Shri Baburao Navlu Deokar, Pune and 13 others.

¹⁶⁶ M/s Lunkad Realty, Pune through its partner Smt. Pushpa Kantilal Lunkad and two others.

¹⁶⁷ As per VG 16(b), the valuation of consolidated areas coming under category of bare land shall be done as per the slabs given in table.

¹⁶⁸ Issued by Development Plan Division, Pune Municipal Corporation.

Audit worked out the amount of leviable SD at ₹ 1.37 crore as against ₹ 95.76 lakh recovered by the Department on the true market value of property. This resulted in short levy of SD by ₹ 40.96 lakh (**Appendix 2.12.1**).

On being pointed out in October 2020, in reply the office of the IGR accepted (August 2021) the audit observation. The IGR stated that Collector of Stamps, Pune city is directed to effect recovery on priority. Further progress of recovery was awaited (August 2022).

The matter was brought to the notice of Government in July 2021 and October 2021, their reply thereto was awaited (August 2022).

2.12.2 As per Section 14A of the MS Act, where due to material alterations made in an instrument by a party, with or without the consent of other parties, the character of the instrument is materially or substantially altered, then such instrument shall require a fresh stamp paper according to its altered character.

Scrutiny of records (Document No. 9353/2018) of the Office of Joint Sub Registrar, Andheri-I revealed (January 2020) that a Deed of Rectification was executed (July 2018) between Vendor¹⁶⁹ and Purchaser¹⁷⁰ for rectifying the area of land from 3,922 sqm to 4,934.80 sqm of CTS No. 434, 435, 435/1 situated at village Vile Parle (West), Taluka Andheri, Mumbai Suburban District of a conveyance deed which was executed in June 2005. Based on the valuation report from Town Planning Office, the Department considered the market value of the property at ₹ 4.69 crore and recovered SD of ₹ 23.45 lakh.

Audit observed that at the time of execution of conveyance deed in June 2005, all the property cards of the entire land were not available. Hence, conveyance deed (Document No. 6299/2005) was executed only for land admeasuring 3,922 sqm situated at C.T.S. No. 435, 435/1 to 24 for which property cards were available and proper SD was paid on it. Now, all the property cards of the said entire land were found and as per entries in the property cards, the area of land now is being rectified as 4,934.80 sqm replacing 3,922 sqm. Hence, there is a difference of area of land admeasuring 1,012.80 sqm (4,934.80 sqm–3,922.00 sqm) for which present Rectification deed was executed and SD was levied on the land admeasuring 1,012.80 sqm.

As per the IGR circular dated 31 March 2018, the ASR rates for the year 2017-18 were applicable and remained in force for the year 2018-19. Accordingly, Audit worked out the market value of differential area of land as per rate of 2017-18 at ₹ 15.90 crore on which SD of ₹ 79.50 lakh at the rate of five per cent was leviable. However, Department recovered SD of ₹ 23.44 lakh only. This resulted in short levy of SD of ₹ 56.06 lakh (**Appendix 2.12.2**).

On being pointed out in December 2020, in reply the Office of the IGR, stated (July 2021) that the matter is under consideration under section 53A of MS Act, and appropriate action would be taken after the decision is taken in the matter. Further progress in the matter was awaited (August 2022).

The matter was brought to the notice of the Government in July 2021, their reply thereto was awaited (August 2022).

¹⁶⁹ Mr. Ignatius Francis Gonsalves and seven others, Mumbai.

¹⁷⁰ M/s. Amum Builders through its partner Mr. Mukesh Nishar, Mumbai.

2.13 Short levy of Stamp Duty due to non-consideration of distinct matters in one instrument and clubbing of Mortgage Deeds

As per Section 5 of MS Act 1958 (Act), any instrument comprising or relating to several distinct matters shall be chargeable with the aggregate amount of the duties with which separate instruments, each comprising or relating to one of such matters, would be chargeable under this Act. Further, as per Clause (b) of Article 40 of Schedule-1 of MS Act, in case of “instruments of mortgage deed, not being an agreement relating to [Deposit of Title Deeds, Pawn or Pledge or Hypothecation (Article 6)], Bottomry Bond (Article 14), Mortgage of a Crop (Article 41), Respondentia Bond (Article 53) or security Bond or Mortgage deed (Article 54)”, when possession is not given or agreed to be given, the duty at five rupees for every one thousand or part thereof for the amount secured by such deed, subject to a minimum of one hundred rupees and maximum of ten lakh rupees is leviable.

Scrutiny of records of Collector of Stamps, Andheri, Mumbai Sub-urban District revealed (May 2019) that an unexecuted Deed of Mortgage between Mortgagor¹⁷¹ and Mortgagee¹⁷² for securing total amount of loan of ₹ 625 crore through four¹⁷³ different agreements was adjudicated vide ADJ case No. ADJ/1100900/1108/2018 dated 11.10.2018 and Stamp Duty of ₹ 1001100/- (under article 40(b) ₹ ten lakh read with Section-6 and 48(d), 5(h)B and 35, ₹ 1,100) was recovered.

Audit observed that there were four independent instruments of loan agreement sanctioned on different dates¹⁷⁴ to two different companies¹⁷⁵. Further, the loans were sanctioned vide four different sanction letters bearing different applicable rates of interest. As four distinct matters were considered in the instant Deed of Mortgage, the application of Article 40(b) (read with Section 6), 48(d), 5h(B) and 35 giving the benefit of maximum limit of ₹ ten lakh for levy of Stamp Duty is incorrect and contrary to the provisions of Section 5 of the MS Act. This resulted in short levy of SD of ₹ 30 lakh (*Appendix 2.13.1*).

On being pointed out in September 2020, in reply the Office of the IGR stated that as per decision under section 53A an recovery of Stamp Duty of ₹ 40 lakh and penalty of ₹ 32 lakh has been ordered. Further progress of recovery was awaited (August 2022).

The matter was brought to the notice of the Government in July 2021 and October 2021; their reply thereto was awaited (August 2022).

2.14 Short levy of Stamp Duty in release deed

As per Article 52 (b) of Schedule-I of MS Act, 1958 (Act) on a release deed same SD as is leviable on a conveyance under clause (a), (b) [or as the case may be (c)] of Article 25, on the market value of the share, interest, part or

¹⁷¹ M/s Neepa Real Estates Pvt. Ltd., Mumbai.

¹⁷² M/s Indiabulls Housing Finance Limited, New Delhi.

¹⁷³ (1) Dated 28 February 2018 amounting to ₹ 145 crore, (2) Dated 22 December 2017 amounting to ₹ 200 crore, (3) Dated 26 June 2018 amounting to ₹ 160 crore, and (4) Dated 12 September 2018 amounting to ₹ 120 crore, total ₹ 625 crore.

¹⁷⁴ 21 February 2018, 15 December 2017, 20 June 2018 and 10 September 2018.

¹⁷⁵ M/s Sheth creators Private Limited and M/s Neepa Real Estates Private Limited.

claim renounced. Further, as per the definition under section 2 (na) of Act, “market value” in relation to any property which is the subject matter of an instrument means the price which such property would have fetched if sold in open market on the date of execution of such instrument, or the consideration stated in the instrument whichever is higher. Further as per Example-2 under VG No.1 of ASR given for valuation of old property with tenants at the time of conveyance/sale.

If total area under tenants' occupation is less than total allowable area as per permitted F.S.I.

i.e. If $Z < XY$ then market value should be as under¹⁷⁶:

= $112B + [(XY - Z - H) \times (\text{Land Rate as per ASR})] + (H \times \text{Depreciated Market Value rate as per age and use of property})$.

Scrutiny of records (Document No. 13461/2015) of the Office of Joint Sub Registrar, Mumbai City-I revealed (February 2017) that a release deed was executed (December 2015) between the “first Releasor”¹⁷⁷ and the Confirming parties/Second Releasor¹⁷⁸ and “Releasee”¹⁷⁹. The release deed was for release of 30 *per cent* interest of the first Releasor in favour of “Releasee” in all those pieces or parcels of leasehold land situated at (i) the junction of Colaba Road, Ward No. A 206, (1,1A) Street No. 147 & 5 & 7A Colaba Road, Sassoon Dock and bearing Cadastral Survey No. 64 of Colaba Division admeasuring 2,170.58 sqm (as per Deed of Transfer dated 8th July 2002) and 1,781.79 sqm (as per the survey register for the Town & Island of Bombay) and (ii) the strip of land bearing Cadastral Survey No. 1/64 in the “A” ward street No. 147 admeasuring 388.80 sqm. The total constructed area of the structure constructed prior to the year 1931 on the said entire property is 2,504.22 sqm (built up area), out of which 423.60 sqm (built up area) is used for Commercial purposes and 2,080.62 sqm (built up area) is used for Residential purposes. The Releasors and the Releasee are the perpetual lease holders of the plot. The Department worked out the market value of 30 *per cent* share of “Releasor” at ₹ 39.32 crore and consideration at ₹ 3.70 crore and levied SD of ₹ 1.97 crore at the rate of five *per cent* on market value of the property. The details of valuation of market value done by Department were not available on records.

Audit worked out the 30 *per cent* of market value of the property by applying VG No.1 of ASR at ₹ 43.94 crore and consideration at ₹ 3.70 crore. Thus, SD of ₹ 2.20 crore at the rate of five *per cent* was leviable on market value as against ₹ 1.97 crore as levied by the Department. This resulted in short levy of SD of ₹ 23.12 lakh (**Appendix 2.14.1**).

After being pointed out, the Joint Sub-Registrar, Mumbai City-I in reply stated (February 2017) that as the document was adjudicated by the Collector of

¹⁷⁶ Where 1. Area of total land = X Sq.Mtrs, 2. Permissible F.S.I. = Y, 3. Total allowable Area for that plot = (X) x (Y) = XY Sq.Mtrs., 4. Total area occupied by the tenants = Z Sq.Mtrs., 5. Total area occupied by the owners = H Sq.Mtrs., 6. Total monthly rent from all the tenants, = ₹ B.

¹⁷⁷ Mr. Cyrus Soli Nallaseth.

¹⁷⁸ Mr. Sorab Fali Mehta.

¹⁷⁹ Dr. Keiki R. Mehta.

Stamps, Mumbai, compliance would be submitted after obtaining the comments of that office. The matter was intimated (August and October 2021) to the Office of the IGR. In reply, IGR stated (November 2021) that the matter is under consideration under Section 53A of MS Act, and appropriate action would be taken after the decision is taken in the matter. Further progress in the matter was awaited (August 2022).

The matter was brought to the notice of the Government in October 2021; the reply there to awaited (August 2022).

CHAPTER – III

AUDIT OF TRANSACTIONS: STATE PUBLIC SECTOR UNDERTAKINGS

Chapter III

Audit of Transactions: Public Sector Undertakings

Audit of transactions of the Public Sector Undertakings of Government Departments brought out instances of lapses in management of resources and failures in the observance of the norms of regularity, propriety and economy.

Energy Department

Maharashtra State Electricity Distribution Company Limited

3.1 Performance of Maharashtra State Electricity Distribution Company Limited Pre and Post Ujwal DISCOM Assurance Yojana (UDAY)

Though MSEDCL received an amount of ₹ 4,960 crore from GoM under UDAY scheme to repay its high cost debt, it did not receive any other dedicated fund to achieve various operational parameters. As a result, MSEDCL was left to improve its operational parameters through its own resources or under other Central/State schemes. MSEDCL approached (March 2017) the GoM for availing guarantee for raising bonds of ₹ 1,653 crore. However, GoM did not agree to provide guarantee to MSEDCL for raising the funds. There was no firm commitment from GoM to expeditiously clear the outstanding dues of MSEDCL.

MSEDCL could not achieve its targets of bringing down the AT&C losses to the desired level. On the contrary, AT&C losses of MSEDCL increased from 16.94 per cent in 2018-19 to 20.73 per cent in 2020-21. Thus, the main objectives of achieving financial and operational turnaround of MSEDCL were not achieved inspite of implementing UDAY scheme.

3.1.1 Introduction

Maharashtra State Electricity Distribution Company Limited (MSEDCL) was incorporated (June 2005) on unbundling of the erstwhile Maharashtra State Electricity Board (MSEB) as part of reforms in power sector. MSEDCL is the Distribution Licensee for the State of Maharashtra except for Greater Mumbai and certain suburban areas. MSEDCL earned revenue of ₹ 73,041.61 crore from sale of power to approximately 2.85 crore consumers in the Financial Year (FY) 2020-21.

With the objective of improving the health of State-owned DISCOMS, the Ministry of Power (MoP), Government of India (GoI) launched (November 2015) the Ujwal DISCOM Assurance Yojana (UDAY). UDAY was envisaged as a path breaking reform for realising the vision of affordable and accessible '24X7 Power for All'.

The main objectives envisaged in the UDAY scheme were:

- Financial turnaround of the DISCOMs; and
- Improving operational efficiency of the DISCOMs.

Government of Maharashtra (GoM) communicated (January 2016) its 'in principle' acceptance to MoP to participate in the UDAY scheme.

As stipulated¹ under the UDAY scheme, Tripartite Memorandum of Understanding (MoU) was entered (October 2016) into by MoP (GoI), GoM and MSEDCL. MoU laid down the obligations/commitments of MoP, GoM and MSEDCL for achieving the financial and operational milestones as required by the UDAY scheme.

Some of the major obligations/commitments of each of the signatory parties to the MoU are detailed below:

I. Obligations/Commitments of Ministry of Power, GoI

- Facilitate the State to get additional and priority funding through Deen Dayal Upadhyay Gram Jyoti Yojana (DDUGJY), Integrated Power Development Scheme (IPDS) and/or such other schemes of MoP or Ministry of New and Renewable Energy (MNRE) as outlined in the scheme.
- Facilitate through Ministry of Coal increased supply of domestic coal to Maharashtra State Power Generation Company Limited (MSPGCL).
- Allocate coal linkage to the State at notified price based on which the State will go for tariff-based bidding.
- Ensure rationalisation of coal linkages.
- Ensure supply of 100 *per cent* crushed coal from Coal India.
- Rationalise coal prices based on Gross Calorific Value (GCV).
- Facilitate National Thermal Power Corporation (NTPC) to provide hand holding support for improving operational efficiencies of MSPGCL.

II. Obligations/Commitments of GoM

- GoM was to take over Medium Term and Short Term (MT&ST) debt of ₹ 4,960 crore (being 75 *per cent* of MT&ST debt of ₹ 6,613 crore as on 30 September 2015) over a period of five years from 2016-17 to 2020-21.
- GoM was to guarantee repayment of principal and interest for the balance 25 *per cent* MT&ST debt remaining with MSEDCL.
- Release outstanding dues of the State Government Departments to the DISCOMs expeditiously.
- Future losses were to be taken over by GoM in a graded manner from 2016-17 to 2020-21.

III. Obligation/Commitments of MSEDCL

- For the 25 *per cent* of the Medium and Short term loan remaining with MSEDCL, MSEDCL was to issue State Government guaranteed bonds or get them converted by banks/FIs into loans/bonds with interest not more than the banks base rate plus 0.1 *per cent*.

¹ Office Memorandum issued by MoP, GoI dated 20 November 2015.

- Reduce Aggregate Technical & Commercial (AT&C) losses from 20.79 *per cent* in FY 2014-15 to 14.98 *per cent* by FY 2018-19.
- Eliminate the gap between Average Cost of Supply (ACS) and Average Revenue Realisation (ARR) by FY 2018-19.
- Achieve physical feeder segregation by March 2018.
- Achieve 100 *per cent* feeder metering by 31 December 2016.
- Achieve 100 *per cent* Distribution Transformer (DT) metering by 30 June 2018.
- Install Smart meters for all consumers other than agricultural consumers.
- Provide electricity access to unconnected households as per trajectory finalised in the '24X7 Power for All' document by FY 2019.
- Take measures for demand side management and energy efficiency by providing LEDs for domestic and other category consumers.
- Replace at least 10 *per cent* existing agriculture pumps with energy efficient pumps by March 2019.
- Undertake appropriate measures for timely filing of Tariff Petitions.
- Devise Key Performances Indicators (KPI) for each officer-in-charge on areas of AT&C losses reduction and improvement in meter/billing/collection efficiency.
- Set up Centralised Customer Call Center for timely resolution of complaints and introduce e-payment avenues to consumers for bill payments *etc.*

3.1.2 Audit objectives

The audit was conducted to examine:

- whether directives pertaining to financial parameters envisaged in the UDAY scheme and MoU have been adhered to and the overall objective of financial turnaround of the DISCOMs were achieved; and
- whether targeted operational improvement and intended outcomes were achieved by implementing operational efficiencies as envisaged in the tripartite MoU and the Scheme.

3.1.3 Audit criteria

The audit criteria were drawn from the following sources:

- Office Memorandum of the UDAY scheme issued by MoP, GoI.
- MoU and Addendum to MoU signed amongst MoP, State Government and DISCOM.
- The Electricity Act, 2003 and Maharashtra Electricity Regularity Commission (MERC) (Electricity Supply Code and other conditions of supply) Regulations, 2005 and other instructions issued by MERC.
- Agenda and Minutes of Meeting of Board of Directors of MSEDCL.

- Lending agreement of MSEDCL with banks under UDAY.
- Directions/instructions issued by MoP, GoI and State Government from time to time.

3.1.4 Scope and Methodology of audit

The audit was conducted during September 2020 to October 2021 to analyse the effectiveness and efficiency in the performance of MSEDCL, pre and post implementation of UDAY for the period from 2014-15 to 2020-21. It included scrutiny of records at Head Office (HO) and nine² circle offices (out of 45) which were selected from circles having high AT&C losses as well as those circles that have achieved reduction in AT&C losses.

The scope and audit methodology adopted for attaining the objectives was explained to the top Management during an Entry Conference held in October 2020. It also involved scrutiny/examination of relevant records at HO and the selected field units of MSEDCL, analysis of data, interaction with Management and issuing preliminary audit enquires to the Management of MSEDCL. Further, to check efficiency of generating unit and transmission loss of transmission unit in pre and post UDAY scenario, information and records were obtained from MSPGCL and Maharashtra State Electricity Transmission Company Limited (MSETCL).

Exit conference was held on 20 December 2021 with the officials of MSEDCL and representatives of GoM. Replies received from the Company and GoM have suitably been incorporated in the Report.

Audit findings

3.1.5 Implementation of UDAY Scheme in Maharashtra

UDAY Scheme was approved (November 2015) by the MoP, GoI with an objective to improve the financial and operational efficiency of the State DISCOMs. As stated above, all three parties to the MoU, *i.e.* MoP (GoI), GoM and MSEDCL, had certain obligations/commitments to perform.

GoM after a meeting (December 2015) with the officials of MSEDCL, communicated (4 January 2016) its in-principle acceptance to MoP for MSEDCL to participate in UDAY scheme.

Initially, MSEDCL had proposed (15 January 2016) to GoM to take over its total debt of ₹ 22,097 crore (outstanding as on September 2015) and Operational Funding Requirement (OFR) of ₹ 6,597 crore (*i.e.* total ₹ 28,694 crore) under the scheme. The said proposal was revised (14 March 2016) by MSEDCL to include only the operational parameters, without any financial support. Thereafter, during the Review meeting (24 June 2016) with GoM, it was decided to re-examine the implementation of the Scheme with Financial parameters. The draft proposal (20 September 2016) was again revised and forwarded to GoM to take over 75 *per cent* of the total debt of ₹ 22,097 crore and to restructure the balance 25 *per cent* debt by floating bond with GoM guarantee.

² Bhiwandi, Buldhana, Nandurbar, Palghar (mini), Parbhani, Pen, Pune (Rural), Solapur, Vashi.

Audit observed that against the draft proposal covering entire debt of ₹ 22,097 crore, the Tripartite MoU³ entered (07 October 2016) covered only the Medium Term and Short Term (MT&ST) loans amounting to ₹ 6,613 crore. Consequently, GoM decided to take over an amount of only ₹ 4,960 crore, being 75 per cent of MT&ST of ₹ 6,613 crore, and balance 25 per cent (₹ 1,653 crore) was to be issued by the MSEDCL as State guaranteed DISCOM bonds. As a result, MSEDCL continued to bear interest ranging from 9.75 to 12.19 per cent per annum on long term loans and interest ranging from 7.02 to 10.15 per cent per annum on working capital loans on the remaining⁴ borrowings.

MSEDCL accepted (January 2022) that the audit findings were factual. In reply, GoM stated (July 2022) that the decision was taken in the cabinet meeting held on 4 October 2016 to take over only the MT&ST loans amounting to ₹ 6,613 crore instead of the entire debt.

GoM issued (10 February 2017) special securities viz. GoM Special Bonds, 2022 of 7.33 per cent amounting to ₹ 2,000 crore; and 7.38 per cent GoM Special Bonds, 2022 of ₹ 2,959.75 crore to raise the above funds and the funds so raised were transferred to MSEDCL as loan on 13 February 2017. GoM later converted ₹ 4,960 crore (₹ 992 crore annually) from loan to grant to MSEDCL as per schedule specified in MoU.

3.1.6 Deficiencies in implementation of the scheme

Audit observed that though MSEDCL received (13 February 2017) an amount of ₹4,960 crore from GoM to repay its high cost debt and thereby reduce the interest burden, it did not receive any other dedicated fund under UDAY scheme to achieve various operational parameters such as 100 per cent feeder segregation, DT metering etc. as laid down in the MoU for UDAY. As a result, MSEDCL was left to improve its operational parameters through its own resources or under other Central/State schemes.

Audit also observed that the quantitative targets set for achieving various operational parameters covered in the MoU remained unchanged although the MoU covered only the MT&ST loans amounting to ₹ 6,613 crore against the earlier proposal to cover entire debt of ₹ 22,097 crore.

In reply the GoM stated that scheme was designed to achieve the financial turnaround and to improve operational efficiency of the DISCOMs. Under the financial turnaround the entire debt as on 30 September 2015 was to be taken over by the State Government. The targets under operational efficiency were for ascertaining exact distribution losses and to take appropriate action to reduce the loss, which was entirely under the jurisdiction of MSEDCL, and it could not be reduced partially though amount of debt taken over by GoM was reduced.

The achievements of MSEDCL against each of the financial and operational parameters/obligations as set under the MoU of UDAY are discussed in the ensuing paragraphs:

³ Tripartite MoU entered into by MoP (GoI), GoM and MSEDCL.

⁴ ₹ 22,097 crore outstanding as on September 2015 less ₹ 6,613 crore taken over under UDAY = ₹ 15,484 crore.

Financial parameters

3.1.7 Taking over 75 per cent of Medium Term and Short Term debt

The total debt of MSEDCL outstanding as on September 2015 was ₹ 22,097 crore as shown in **Table 3.1.1**

Table 3.1.1: Total debt of MSEDCL outstanding as on September 2015

| Sl. No. | Debt type | Amount (₹ in crore) |
|---------|--|---------------------|
| 1 | Long term | 13,090 |
| 2 | Short Term (₹ 6,156 crore)/Medium Term (₹ 458 crore) | 6,613 |
| 3 | Working capital | 2,394 |
| | Total | 22,097 |

(Source: Information furnished by MSEDCL)

As per MoU, GoM took over only MT&ST debt of ₹ 4,960 crore (being 75 per cent of the MT&ST debt as on 30 September 2015) and issued (February 2017) non-SLR bonds (non-Statutory Liquidity Ratio bonds) to raise these funds.

Audit observed that even though the amount of MT&ST debt (₹ 4,960 crore) agreed to be taken over was as on September 2015, the MoU was entered into in October 2016 and funds were actually transferred by GoM to MSEDCL only in February 2017. During this intervening period (October 2015 to January 2017 i.e. 16 months), MSEDCL continued to pay ₹ 661 crore⁵ towards interest on these MT&ST debts. As a result, the MT&ST debt burden had already ballooned to ₹ 5,621 crore against which only ₹ 4,960 crore was taken over.

MSEDCL replied that even if funds from GoM were received in September 2015 itself, the debt burden would still exist at the rate of 7.36 per cent per annum.

The **Table 3.1.2** below depicts the change in debt, accumulated losses and arrears position of MSEDCL during the period of implementation of UDAY.

Table 3.1.2: Year wise total debt, accumulated losses and arrears position of MSEDCL

| Sl. No. | Year | Total Debt of MSEDCL | % change in total debt | Accumulated losses in crore | % change in loss | Arrears ⁶ | % change in arrears |
|---------|---------------------------------|----------------------|------------------------|-----------------------------|---------------------|----------------------|---------------------|
| 1 | 2014-15 | 17,021 | - | (-)7,087 | - | 14,135 | - |
| 2 | 2015-16 | 21,111 | 24.03 | (-)28,165 | 297.42 ⁷ | 17,817 | 26.05 |
| 3 | 2016-17 (Receipt of UDAY funds) | 27,264 | 29.15 | (-)27,380 | -2.79 | 22,133 | 24.22 |
| 4 | 2017-18 | 29,242 | 7.25 | (-)26,887 | -1.80 | 27,569 | 24.56 |
| 5 | 2018-19 | 35,197 | 20.36 | (-)24,001 | -10.73 | 35,279 | 27.97 |
| 6 | 2019-20 | 39,089 | 11.06 | (-)23,317 | -2.85 | 44,825 | 27.06 |
| 7 | 2020-21 | 42,910 | 9.78 | (-)24,638 | 5.67 | 44,680 | (-)0.32 |

(Source: Data provided by MSEDCL from its Accounts)

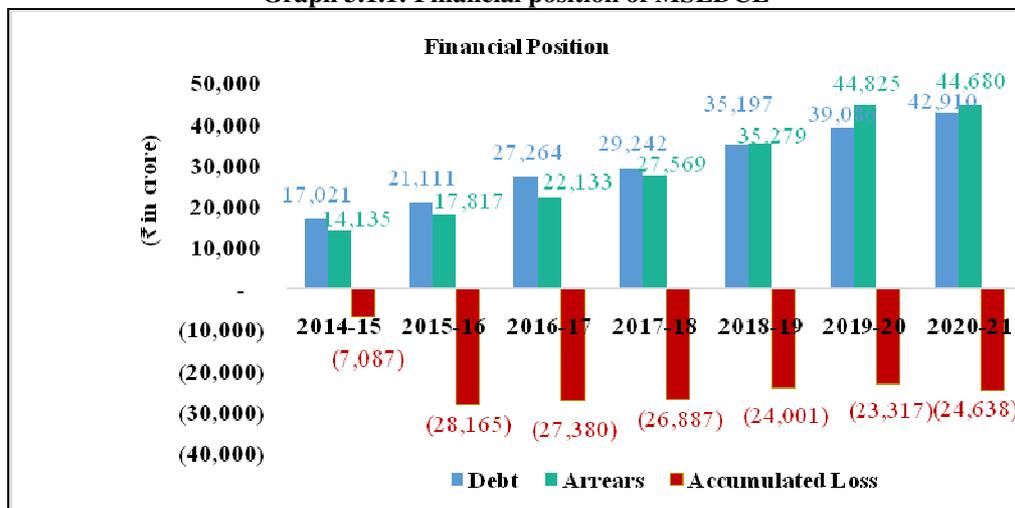
⁵ Considering minimum borrowing rate of 10 per cent interest per annum for the period from October 2015 to January 2017 (16 months).

⁶ Excluding dues from Public water works, street lights and excluding permanently disconnected consumers.

⁷ Due to depreciation on revalued assets for the period 2005 to 2016 consequent to finalisation (March 2016) of Transfer scheme of power companies.

Further, it was observed that even after taking over the MT&ST debt, the total debt position of MSEDCL continued to worsen as can be seen from the Graph 3.1.1 below.

Graph 3.1.1: Financial position of MSEDCL



(Source: Data provided by MSEDCL from its Accounts)

Audit observed that total debt of MSEDCL increased from ₹ 17,021 crore in 2014-15 to ₹ 42,910 crore in 2020-21. The total debt position of MSEDCL also worsened due to poor collection from various categories of consumers. The arrears towards electricity bills (₹ 44,680 crore) were even more than the total debts (₹ 42,910 crore) as on March 2021. If part of these arrears were recovered, the amount could have been used to retire some portion of debt. Therefore, inspite of GoM taking over MT&ST loans, the financial turnaround of MSEDCL could not be achieved.

MSEDCL accepted that it had to borrow Medium Term Loan as well as Long Term loans for implementation of projects. Moreover, in FY 2020-21, MSEDCL had to resort to Bill Discounting facility due to Covid-19 pandemic which had increased the debts. GoM accepted that during the period 2014-15 to 2019-20, the Government had decided not to disconnect the supply of agricultural consumers on non-payment of arrears and hence arrears had piled up to about ₹ 45,000 crore, which resulted in worsening the cash flow of MSEDCL. Further, GoM admitted that financial turnaround as envisaged could not be achieved.

3.1.8 Outstanding dues of the State Government Departments

As per MoU, GoM was required to pay all outstanding dues of the State Government departments to MSEDCL towards supply of electricity expeditiously to facilitate financial turnaround of the MSEDCL.

Audit observed that as per the final MoU entered into in October 2016 there was no mention of a specific date by which outstanding dues of Government Departments would be paid to MSEDCL. Thus, there was no firm commitment from GoM to expeditiously clear the outstanding dues of MSEDCL. As a result, dues from some of the GoM departments⁸ which stood at ₹ 2,828.25 crore as on 30 September 2015 increased to ₹ 8,381 crore as on

⁸ Dues pertaining to Public Water Works and Street Light.

March 2021. Consequently, MSEDCL had to resort to working capital loans which stood at ₹ 2,735 crore (as on March 2021) leading to further deterioration of its financial health.

MSEDCL replied that it had been continuously following up with State Government to clear the dues. GoM directed (June 2021) the concerned local authorities to pay MSEDCL's dues on priority. Further, GoM also directed that any grant to local bodies would be released subject to timely payment of MSEDCL dues pertaining to street light and water works. Thus, due to initiatives taken by GoM, further increase in arrears from Government department would be restricted.

GoM admitted that State Government dues were mainly of public water works and street light connections of urban and rural local bodies. It further stated that though all these departments were under GoM, the authorities for payment were different and hence specific date by GoM was not mentioned in MoU.

The reply of GoM is not tenable as firm commitment, as per the obligation of GoM was necessary, to expeditiously clear the outstanding dues of Government Departments to facilitate timely financial turnaround of MSEDCL.

Recommendation No. 1: GoM may ensure that all electricity dues of MSEDCL from departments and local bodies towards public water works and street lights are cleared in a time bound manner.

3.1.9 Facilitating conversion of 25 per cent of debts of MSEDCL into loan or bonds

As per MoU, GoM was to guarantee repayment of principal and interest payment of ₹ 1,653 crore (being balance 25 per cent of MT&ST debt of ₹ 6,613 crore) for funds to be raised by MSEDCL through bonds or other appropriate mechanism. Accordingly, GoM issued (December 2016) a Government Resolution wherein it was agreed to stand guarantee for bonds of ₹ 1,653 crore to be raised by MSEDCL. MSEDCL approached (March 2017) the GoM for availing guarantee in accordance with the GR along with waiver of guarantee fee. GoM however replied (August 2018) that since the loans outstanding on 30 September 2015 were already repaid by MSEDCL, it was not possible for GoM to stand guarantee to MSEDCL for raising balance funds.

Audit observed that GoM had taken over only MT&ST loans having tenure of upto two years. As the MoU entered (October 2016) covered the MT&ST loans as on 30 September 2015 and the amount was received in February 2017, the MT&ST loans were already due in the intervening period and hence paid by MSEDCL. The amount of ₹ 4,960 crore received by MSEDCL was, therefore, used to repay the working capital requirement, which was met through overdraft (approximately ₹ 3,500 crore), and short term loans (₹ 1,450 crore).

As a result, bonds of ₹ 1,653 crore towards the remaining 25 per cent could not be raised even though it was agreed upon in the MoU. This further weakened the financial position of MSEDCL.

MSEDCL accepted that since GoM denied to stand guarantee to MSEDCL for raising bonds for the balance debt of ₹ 1,653 crore, MSEDCL had raised the funds at market rates. GoM stated that by the time of disbursement of grant in February 2017, the MT&ST loans were already repaid by MSEDCL.

GoM's denial (August 2018) to stand guarantee citing loans outstanding were already repaid by MSEDCL was not in line with the GR issued (December 2016) by GoM itself, as it was well aware at the time of entering into MOU that MT&ST loans were maturing by August 2017.

Operational parameters

3.1.10 Feeder and distribution transformer metering

Metering of Distribution Transformers⁹ (DTs) helps in improving the energy distribution system and load balancing. It also provides real time input and output data of the units consumed for tracking losses and for corrective action.

3.1.10.1 Distribution Transformer metering

As per the MoU, all DTs were to be metered by 30 June 2018 by MSEDCL and 100 *per cent* metering of DTs was to be achieved. The status of DT metering is shown below in **Table 3.1.3**.

Table 3.1.3: Position of DTs metered as on 31 March 2021

| Sl. No. | Particulars | Urban | Rural | Total |
|--------------|---|-------------|-------------|-------------|
| 1 | Number of DTs metered in base year (2015-16) | 77,875 | 46,119 | 123,994 |
| 2 | DTs to be metered during the period 2016-2021(A) | 1,85,448 | 2,01,589 | 387,037 |
| 3 | DTs actually metered during the period 2016-2021(B) | 3,998 | 1,760 | 5,758 |
| Total | % achievement (B x 100/A) | 2.15 | 0.87 | 1.48 |

(Source: Progress report of MSEDCL for 2020-21 as per UDAY dashboard)

As seen from above, against the target of 100 *per cent* DT metering upto 30 June 2018, MSEDCL could achieve only 1.48 *per cent* metering even after more than two years from the target date. However, MSEDCL while depicting the position of DT metering in the UDAY Dashboard as on March 2021 had shown the achievement as 31 *per cent* and 19.33 *per cent* for urban and rural areas respectively. Audit observed that this was due to MSEDCL erroneously including the DTs which were already metered upto the base year.

Further, audit observed that meter reading was not taken even for metered DTs, which rendered the entire exercise of DT metering ineffective.

⁹ Distribution transformer is an electrical device used for stepping down or stepping up the supply voltage. It steps down the primary distribution voltage of 11 KV or 33 KV.



(Source: Photographs taken by audit team during audit)

Further, as can be seen from some of the pictures above of Pune (Rural) Circle, the DTs were not maintained properly. It was seen that in many places DTs were not placed in adequately secured enclosures.

MSEDCL accepted that metered DTs were mostly non-communicating. Proposal for installation of DT meters on agricultural feeders had been submitted for approval of MERC and non-agricultural DTs were proposed to be metered by using communicable meters under Revamped Distribution Sector Scheme (RDSS).

3.1.10.2 Feeder Metering

As per MoU, MSEDCL had to achieve 100 *per cent* feeder metering¹⁰ by 31 December 2016. Audit observed that MSEDCL was able to achieve this target within the stipulated period.

3.1.11 Physical feeder segregation

Feeder separation refers to supply of electricity to agricultural (AgC) and non-agricultural consumers (non-AgC) separately through dedicated feeders which would allow MSEDCL to regulate power supply to AgC for effective Demand Side Management (DSM).

¹⁰ Meter installed on a feeder to measure the power output from the feeder.

As per MoU, MSEDCL had to complete 100 *per cent* feeder segregation by March 2018. Under Deen Dayal Upadhyaya Gram Jyoti Yojana (DDUGJY) for rural electrification, MSEDCL had proposed 837 feeders for physical separation. Against this, only 636 feeders were installed (as on March 2021). Further, audit observed that MSEDCL had 956 feeders which continued as mix feeders (*i.e.* agricultural load more than 25 *per cent*) even in March 2021. It is pertinent to note that the UDAY dashboard as on March 2021 showed that 100 *per cent* feeder segregation was achieved by MSEDCL.

MSEDCL accepted that though DPR was prepared for segregation of mix feeders, they were yet to be segregated due to lack of funds. It also stated that separation of balance feeders was, now, proposed under newly launched Revamped Distribution Sector Scheme (RDSS) by GoI.

3.1.12 Installation of Smart meters

As per MoU, MSEDCL was to install 80,065 Smart Meters (SMs) for all consumers (other than AgC); 15,385 smart meters for consumers with consumption more than 500 units/month by 30 June 2018 and 64,680 smart meters for consumers with consumption more than 200 units/month by June 2020.

Audit observed that the milestones for installation of smart metering as envisaged under the MoU was not achieved in respect of above-mentioned consumers as no smart meters were installed by MSEDCL under UDAY scheme.

MSEDCL stated that it has proposed to install smart meters for approximately 1.66 crore consumers (other than agricultural consumers and scattered consumers) under RDSS.

3.1.13 Measures for demand side management

As per MoU, MSEDCL was to undertake measures for Demand Side Management (DSM) and energy efficiency which included providing three crore energy efficient LED bulbs under DELP (Domestic Efficient Lighting Program) and replacing at least 10 *per cent* existing agriculture pumps with energy efficient pumps by March 2019.

Audit observed that MSEDCL provided only 2.20 crore LED bulbs to consumers, under DELP upto March 2021.

Audit observed that out of the 40.16 lakh agricultural consumers, MSEDCL had to replace at least 4.02 lakh (being 10 *per cent* of total pumps) of the agriculture pumps. However, only 2,209 pumps were replaced during April 2017 to March 2021.

3.1.14 Energy audit

Energy audit is the most effective tool, which provides the balance between energy supplied and energy billed. It is the first step in identifying the areas of leakages, wastage and inefficient energy use so that steps can be taken to contain the loss.

DT level Energy Audit reports could not be generated as DT meter reading was not carried out. Therefore, the energy audit was conducted at feeder level

by MSEDCL. While conducting the feeder level audit, total units sold/billed from particular feeder were compared against the input units into feeders. This gave an incorrect picture as the total units sold/ billed included consumers billed on average consumption basis, revised/ corrected bills, different billing cycles were included *etc.*

MSEDCL accepted that there were various issues in DT meter readings and had proposed to install meters with embedded MODEMs, so that meter readings will be available automatically and DT level energy audit can be conducted.

3.1.15 To reduce AT&C losses

The concept of Aggregate Technical & Commercial (AT&C) losses provides a realistic picture of loss situation of the electricity Distribution Company. It is a combination of technical loss (11 KV and DT losses, LT line losses *etc.*) and commercial loss (inefficiencies in billing, theft, inefficiency in collection *etc.*).

3.1.15.1 As per the MoU of October 2016, MSEDCL had to reduce its AT&C losses from 18.71 *per cent* in 2014-15 to 14.39 *per cent* in 2018-19. Later as MERC re-instated (November 2016) the AT&C losses in its Multi Year Tariff (MYT) Order, an addendum to MoU (October 2017) was entered into and targets for AT&C losses were revised from 20.79 *per cent* in FY 2014-15 to 14.98 *per cent* by FY 2018-19. The targets for FY 2019-20 onwards were not included in the MoU.

Year-wise target for AT&C losses *vis-a-vis* achievement is as given in **Table 3.1.4:**

Table 3.1.4: Achievement of AT&C targets

| Year | Target | Achievement |
|---------|--------|-------------|
| 2014-15 | 20.79 | 20.79 |
| 2015-16 | 21.51 | 21.51 |
| 2016-17 | 18.88 | 18.88 |
| 2017-18 | 17.51 | 17.41 |
| 2018-19 | 14.98 | 16.94 |
| 2019-20 | 14.98 | 21.32 |
| 2020-21 | 14.98 | 20.73 |

(Source: Data provided by MSEDCL and Addendum to Tripartite MOU)

It could be seen from above that MSEDCL achieved the AT&C losses targets for the years 2014-15 to 2017-18. It was observed that the targets for the year 2014-15 to 2016-17 were revised on the basis of actuals as the addendum was entered into in October 2017. Audit observed that later MSEDCL could not achieve its targets of bringing down the AT&C losses to the desired level. On the contrary, AT&C losses of MSEDCL had increased from 16.94 *per cent* in 2018-19 to 20.73 *per cent* in 2020-21 due to poor collection mainly from agricultural consumers and various State Government departments. Agricultural consumers as on 31 March 2021 had outstanding dues of ₹ 36,827 crore, out of total dues of ₹ 44,680 crore (i.e. 82.42 *per cent* of the total receivables).

MSEDCL accepted that their AT&C losses had increased and the target of 14.98 *per cent* was not achieved due to various factors such as poor collection from AgC, drop in demand by industrial consumers, poor collection efficiency

since March 2020 due to Covid-19 and high receivables from Government departments.

3.1.15.2 Inadequate monitoring of theft cases and follow-up thereon

As per MoU, MSEDCL was to reduce losses by undertaking campaign to control power theft. In MSEDCL, theft cases are monitored by the flying squad at Circle office level and by sub-division office staff at sub-division office level by undertaking drives.

Audit observed that sub-division offices in all nine circles theft case Register contained information of only the cases, where theft was detected. However, the record relating to total number of cases visited/inspected *vis-a-vis* number of theft cases actually detected out of those was not maintained in the Register.

MSEDCL accepted that presently monitoring of theft cases was done manually. It also stated that an IT module is being developed for centralised monitoring, which would be implemented shortly for effective observation of theft cases.

Recommendation 2: MSEDCL should complete DT metering and feeder segregation expeditiously and reduce the AT&C losses to 15 per cent or less by improving its billing and collection efficiency.

3.1.16 Achievements/shortfalls *vis-à-vis* various other commitments of MSEDCL

3.1.16.1 MSEDCL had to provide electricity access to unconnected households as per trajectory finalised in the ‘24X7 Power for All’ document by FY 2019. Audit observed that MSEDCL had to connect 14.80 lakh rural households by 2017-18 under UDAY. MSEDCL was able to achieve 100 per cent target of connecting all the unconnected households in Maharashtra in 2018-19.

3.1.16.2 MSEDCL had to eliminate the gap between Average Cost of Supply¹¹ (ACS) and Average Revenue Realisation¹² (ARR) by FY 2018-19. Audit observed that MSEDCL was able to eliminate the ACS-ARR gap from 2017-18 onwards till 2019-20. However, there was a gap of 0.04 Rupees per unit during 2020-21 as can be seen in **Table 3.1.5** below.

Table 3.1.5: ACS-ARR gap

| Year | ACS-ARR GAP (in Rupees per unit) | |
|---------|----------------------------------|--------|
| | Target | Actual |
| 2015-16 | Not set | -0.30 |
| 2016-17 | 0.30 | 0.28 |
| 2017-18 | 0.01 | -0.07 |
| 2018-19 | -0.39 | -0.04 |
| 2019-20 | - | -0.06 |
| 2020-21 | - | 0.04 |

(Source: Data provided by MSEDCL)

¹¹ ACS – Average Cost of Supply is the sum of all costs associated in supplying power-such as the cost of purchasing power from various generators, cost of operating and maintaining the distribution network, employee cost, depreciation and finance cost – divided by total sales to consumers.

¹² ARR – Average Revenue Realised is the sum total of revenue earned by charging consumers at the specified tariff for energy supplied and subsidy received from the State Government – divided by total sales to consumers.

3.1.16.3 MSEDCL had to devise Key Performances Indicators (KPI) for each officer-in-charge on areas of AT&C losses and reduction and improvement in meter/billing/collection efficiency. Audit observed that MSEDCL had not set KPI for its personnel. AT&C losses target was set for the division offices of MSEDCL for the year 2017-18 and 2018-19 and there was no incentive/penalty based on actual performance. Only 50 divisions (out of 148 divisions) could achieve the targets set for them in 2018-19. However, this number fell to just 14 and 32 divisions for 2019-20 and 2020-21 respectively. As a result, MSEDCL could not bring down its AT&C losses to the target of 14.98 *per cent*.

MSEDCL stated that the targets for AT&C losses reduction were given every year, which were monitored and reviewed time to time by controlling officers. The KPI parameter included billing efficiency and collection efficiency and based on these KPI parameters, personnel performance grading was decided.

Reply of MSEDCL is not acceptable as targets were set only for division offices and not for each officer as required under the MoU.

3.1.16.4 MSEDCL had to set up Centralised Customer Call Center (CCCC) for timely resolution of complaints and introduce e-payment avenues to consumers for bill payments *etc.* A centralised customer call center was established by MSEDCL. The details of CCCC pertaining to 2020-21 is shown in **Table 3.1.6**.

Table 3.1.6: Status of complaints in Centralised Customer Call Center

| Sl. No. | Type of complaint | No. of complaints received | No. of complaints resolved in prescribed time | Time period in which complaint was to be resolved | Percentage of complaints resolved within prescribed time |
|---------|-------------------|----------------------------|---|---|--|
| 1. | Power Failure | 19,42,994 | 6,07,376 | 0 hours to 48 hours | 31.26 |
| 2. | Billing | 16,22,542 | 13,59,527 | 1 to 30 days | 83.79 |
| 3. | Other Complaints | 2,25,969 | 1,17,906 | 0 hours to 30 days | 52.18 |

(Source: Data provided by MSEDCL)

It was observed that while MSEDCL resolved 83.79 *per cent* of its Billing related complaints within the time stipulated in its SoP, it could resolve only 31.26 *per cent* of Power failure complaints.

MSEDCL stated that though power failure is restored generally within the SoP period. However, personnel were sometimes busy in restoration of supply which caused delay in closure of actual complaints. Further, in 2020-21, bulk complaints were received during natural calamities like Nisarg Cyclone, flood in Vidarbha and Western Maharashtra and restoration of supply of electricity took more time than SoP period.

TRANSPORT DEPARTMENT

Maharashtra State Road Transport Corporation

FOLLOW-UP AUDIT

3.2 Follow-up audit of Performance Audit on ‘Computerisation of e-ticketing system in Maharashtra State Road Transport Corporation’

Follow-up audit of Performance Audit on ‘Computerisation of e-ticketing system in Maharashtra State Road Transport Corporation’ revealed that the recommendations of the Committee on Public Undertakings (COPU) have not been fully complied within the prescribed time period of two months. The audit also revealed that potential revenue loss on sale of tickets due to delay in fixing the contract for advertisement and issues related to various concession through Electronic Ticket Issuing Machine¹³ (ETIM) were not addressed. Implementing and maintaining ETIM and Online Reservation System (ORS) did not have sufficient input controls and validation checks in place to have complete and reliable data.

3.2.1 Introduction

Maharashtra State Road Transport Corporation (Corporation) was incorporated in July 1961 under Section 3 of the State Road Transport Corporations Act, 1950 to provide an economical, efficient, adequate and properly coordinated road transport system within Maharashtra State.

The Corporation had 30 divisional offices and 251 depots in the State at the end of March 2021. The Information Technology (IT) needs of the Corporation were overseen by the Electronic Data Processing (EDP) centre at Mumbai headed by a Deputy General Manager (DGM/IT), who was assisted by a Senior Manager (IT) and a Manager (IT).

A Performance Audit Report (PA) on ‘Computerisation of e-ticketing system in the Maharashtra State Road Transport Corporation’ for the period May 2009 to October 2014 was included in the Audit Report (AR) of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31 March 2014. The PA highlighted the deficiencies in the e-ticketing system and functioning of various authorities under the control of the Corporation. The AR was discussed by the Committee on Public Undertakings (COPU) during the year 2017-18. The COPU, in its fifteenth report of 2017-18 laid in the State legislature in December, 2017 and made recommendations on six points.

We conducted a follow-up audit between September 2021 and October 2021 to assess the extent of implementation of the recommendations of the COPU with respect to e-ticketing only. The follow-up audit covered the office of the

¹³ Application developed to capture the details of all tickets issued to the passengers boarding the bus by the conductor through the machine called Electronic Ticket Issuing Machine (ETIM).

Dy. General Manager (EDP), 106 depots and Divisional Managers of Nagpur and Nagpur Rural-2 depot. Records and databases for the period from January 2016 to March 2021 were test checked in these offices to the extent of observations, which appeared in the earlier AR and the recommendations thereon by the COPU.

An exit meeting was held on 18 January 2022 with the Additional Chief Secretary (Transport & Ports), Government of Maharashtra (GoM) wherein the audit findings were discussed. The reply furnished (February 2022) by the GoM has been suitably incorporated in the report.

3.2.2 E-ticketing system

In order to facilitate online/web-based reservation system and to adopt software technology in its day to day operations, the Corporation invited (June 2008 and September 2014) Request for Proposal (RFP) from interested parties for the project of providing, computerising, implementing and maintaining ETIM and Online Reservation System¹⁴ (ORS) with web facility on Build, Operate and Transfer (BOT) basis.

Audit Findings

3.2.3 Failure to generate revenue by selling advertising rights

In the PA report (2014) it was pointed out that as per terms of Master Service Agreement (MSA), Trimax¹⁵ was required to supply the ticket rolls free of cost and the Corporation reserved its right of advertisements on the backside of the ticket rolls to supplement its revenue. Trimax had offered (August 2011) one paisa per ticket for the advertisement rights, but the offer was not considered (November 2011) on the ground that it would be dealt separately. However, no such efforts were made till December 2014 and the potential revenue thus forgone by the corporation worked out to ₹ 4.17 crore, considering 417.15 crore tickets actually issued between September 2011 and October 2014.

Recommendation of COPU (1.5 on para 3.7.1 of the PA)

The Corporation was in loss and had the opportunity to generate revenue but it did not take action for three years. If the Corporation had taken prompt action it would have benefitted from the revenue so generated and it was recommended that enquiry should be conducted and action should be taken against the officers responsible. The action taken report to be submitted within two months i.e. by February 2018.

Action Taken by Corporation

Despite the recommendation by the COPU, no enquiry was conducted against the officials, on the ground that no official was responsible for delay in taking

¹⁴ Application developed to capture the details of passengers reserve the tickets online, like name, age, gender, address, concession, mobile/phone number *etc.*

¹⁵ Agency appointed by MSRTC for Providing, Computerizing, Implementing and Maintenance of ETIM & ORS system.

action for loss of revenue on account of printing of advertisement on backside of tickets.

It was observed during the follow-up audit that the action taken report which was to be submitted to the COPU within two months i.e. by February 2018 was submitted to COPU only in December 2020. Considering the sale of 395.48 crore tickets between November 2014 and June 2018, the potential revenue loss to the Corporation worked out to ₹ 3.95 crore. Further, the Corporation failed to include an appropriate clause in the subsequent contract made (2015) with Trimax for paper roll supply and advertisement rights.

The Corporation stated (January 2022) that no response was received till August 2018 for advertisement to be printed on backside of the tickets and thereafter offer of one rupee per roll was accepted.

Government stated (February 2022) that Corporation has been instructed to collect the advertisement revenue on time.

3.2.4 System Design

The Application controls are the checks and balances that are incorporated in the ETIM and ORS applications developed for maintaining data integrity. The application controls consist of input controls, processing controls and output controls and the absence of or inadequacies in any of these controls would have an adverse impact on the integrity and reliability of the database.

Recommendation of COPU (2.5 on para 3.8.5 of the PA)

The ETIM needed upgradation but the Corporation continued with the old system as pointed out by the audit and incurred loss. This matter needs to be investigated and responsibility fixed on the officers responsible for this and action taken details be submitted to the committee within two months i.e. by February 2018.

Action taken by Corporation

It was observed during the follow-up audit that the action taken report which was to be submitted to the COPU within two months i.e. by February 2018 was submitted to COPU only in December 2020. According to this report, as per the provisions of the ETIM system, the changes were incorporated as per requirements from time to time. However, it was observed during January 2016 to March 2021, 9,761 ETIM out of 12,272 were working in the rural area in the old version.

To give effect to the recommendation of the COPU, the ETIM was upgraded in phased manner, but partly. The issues related to various concessions were not addressed. Departmental enquiries were initiated against the seven officials.

3.2.4.1 In the Online Reservation System (ORS) database, the Corporation was allowing concession in fares, with or without limiting factor¹⁶ to different

¹⁶ Limiting factors are put on the number of times a concession holder can travel and/or the total kilometers of travel permitted and/or on the total amount of concession allowed.

category of passengers like Arjuna awardees, vision impaired persons, Dronacharya Awardees and other awardees, freedom fighters, physically handicapped, patients suffering from diseases like tuberculosis/cancer/leprosy, senior citizens *etc.* The amount of concessions so allowed was periodically claimed by the Corporation from the State Government.

Recommendation of COPU (3.5 on para 3.10.5 of the PA)

The Corporation at the time of reservation, should make the passengers fill all the relevant information and the passengers availing concessions in incorrect way should be charged double the actual ticket rates and action taken report be submitted within two months i.e. by February 2018.

Action taken by the Corporation

According to the Corporation's Action Taken Report, the passengers who book tickets by giving wrong credentials/details would be penalized as per rules and regulations of MSRTC and not by double the rates as recommended (December 2017) by the COPU. However, changes in the system were proposed so that the vacant reserved quota tickets would be available for passengers availing concessional fares.

It was observed during the follow-up audit that the action taken report which was to be submitted to the COPU within two months i.e. by February 2018 was submitted to COPU only in December 2020.

Audit also observed (September-October 2021) that the Authorised Booking Agents (ABAs) did not enter the identity (ID) proof details of passengers eligible for concessional fare in the columns meant to capture the same in ORS database in 9,199 cases out of 1,91,16,593 cases. Further, one more column 'Concession Proof' had been created; but in 339 cases the field was 'blank' and in 95 cases 'none' was shown in the field during the period covered in audit.

Follow-up audit revealed that data relating to concession proof, name of the passenger and ID proof were not fully captured and therefore its correctness could not be ascertained in audit.

The Corporation stated (January 2022) that the ABAs did not enter the ID proof details in the initial stage of launching the project. In the case of group booking under ORS, minimum one passenger name was compulsory and the discrepancy pointed out by audit was rectified in October 2016.

Our data analysis revealed that in 9,473 out of 14,513 cases, although the tickets were issued for a single passenger, the passenger name field was blank and these cases pertained to the period after October 2016.

The Government did not furnish any reply.

3.2.5 Management Information System

In the PA report (2014), it was pointed out that the Master Service Agreement (MSA) provided for setting up of a comprehensive Management Information System (MIS) providing reports, dashboards *etc.* The MIS was to provide user-friendly reporting functionalities such as graphical display for the staff, officials of Corporation and any entity authorized by Corporation, the end day

procedure for processing information and generating MIS in report formats and all operational MIS and Revenue Reports for a specified period, booking centre- wise, service wise, operator wise, depot wise, agent wise *etc.*

Recommendation of COPU (4.5 on para 3.11 of the PA)

The Corporation must have good quality MIS and for this purpose guidance from IT and statistical experts may be sought and the report of action taken may be submitted within two months i.e. by February 2018.

Action taken by the Corporation

According to the Corporation's Action Taken Report, all the information related to income received by the buses running on various passenger routes, passenger number *etc.* are received by the corporation through ETIM and ORS which is used for analysis of profit/loss and decision making. Further, a dashboard under MIS is created for the Management. However due to incomplete capturing of data and incomplete tables MIS reports generated are not reliable.

No specific comment on guidance from IT and statistical experts was made by the Corporation (December 2020).

It was observed during the follow-up audit that the action taken report which was to be submitted to the COPU within two months i.e. by February 2018 was submitted to COPU only in December 2020.

3.2.6 System audit

The Master Service Agreement (MSA) provided that as soon as reasonably practicable after the effective date, the parties shall use their best endeavor to agree to a time table for routine audit during the project implementation phase and the operation and management phase. Further, the Project processes specified in Request For Proposal (RFP), required the Corporation to review the test plan subject to the condition that the System Integrator (SI) ensured that the end product delivered by it met all the requirements including functional and technical requirements.

Recommendation of COPU (5.5 on para 3.13 of the PA)

The Corporation must conduct audit of payment of ₹ 125 crore to M/s Trimax within prescribed time limit so as to avoid unwarranted expenditure and responsibility be fixed on the officers responsible for this and action taken be submitted to the committee within two months i.e. by February 2018.

Action taken by the Corporation

The Corporation had appointed Standardization Testing and Quality Certification (STQC) Directorate of Government of India for carrying out system audit and testing. After this, M/s Ernst and Young LLP was appointed as system performance auditor and the report was submitted by them on monthly basis. The role of E&Y is focused on checking of payments to Trimax (SI).

To give effect to the recommendation of the COPU, the Corporation had fixed responsibility and one official had been dismissed (December 2012) by the Vice Chairman and Managing Director.

Government stated (February 2022) that the system performance tests as per MSA and RFP had been conducted. In the initial stage, the User Acceptance Test (UAT) was also conducted.

3.2.7 Business Continuity Plan

As per the current contract with the Trimax, it was required to implement and maintain the ETIM and ORS with web facility till 14 June 2022. It also included providing necessary training, material and training faculty related to the new system to various staff members of the Corporation like Conductors, Account Officers and others across bus depots/stations/divisional/regional/central office *etc.*, as and when specified by the Corporation. The SI shall manage the entire project from conceptualisation to operationalisation and maintenance as well as subsequent transfer of infrastructure/applications and handholding and all assets including Hardware and System Software procured by the SI to the Corporation. The SI was responsible to ensure continuity of service at all times during the currency of the agreement including exit management period.

Recommendation of the COPU (6.5 on para 3.15 of the PA)

The Corporation was entirely dependent on M/s Trimax for business continuity and in case of problem arising in future it should have thought of the crisis management issue also. It was also recommended to appoint a committee consisting of IT experts to address this issue and submit the report within two months i.e. by February 2018.

Action taken by the Corporation

According to its Action Taken Report, the Corporation had appointed M/s Ernst and Young as a Project Management consultant which looks after the project monitoring work. For avoiding hurdles in project operations in future and to reduce project dependency on M/s. Trimax including disaster management, a proposal would be sought from M/s Ernst and Young for immediate resolution as per recommendations of COPU.

The Corporation had also appointed a committee in which representatives from IT and Transport Departments are members. The committee had appointed M/s. KPMG as a Project Management Consultant which will also advise for smooth project operations, reducing project dependence including Disaster Management.

It was observed during the follow-up audit that the action taken report which was to be submitted to the COPU within two months i.e. by February 2018 was submitted to COPU only in December 2020.

Government stated (February 2022) that the mock drills had been conducted on two occasions and the SI was responsible for sound health of equipments and cables deployed for the purpose as a preventive measure and restoring the system in case of any disaster.

It was observed (November 2021) that the SI had carried out only one mock drill (January 2019) instead of conducting drills periodically so as to ensure sound health of systems/equipments/cables and peripherals deployed for the purpose as a preventive measure and to restore the system in case of any disaster. As such, the Corporation has not established a system for business continuity/crisis management. Despite recommendations by the COPU, it continued to depend on M/s Trimax for business continuity/crisis management. Further even though the SI is responsible for smooth running, the system needs to be tested periodically for sound health of backup plan in case of contingency or failure of the online system. It is the primary responsibility of the Corporation to ensure the smooth working and testing of the backup plan.

3.2.8 Data Analysis of implementing and maintaining ETIM and online Reservation System¹⁷ (ORS)

3.2.8.1 In consonance with the recommendations of COPU and subsequent follow-up action taken by the Corporation, Audit did the data analysis of implementing and maintaining ETIM and Online Reservation System (ORS) in respect of 106 depots out of 250 depots which revealed (September-October 2021) that;

- In the transaction table under ORS, the passenger name field designed to capture the names of passengers booking in advance was blank in 14,477 cases out of 1,91,16,593 cases and in 36 cases field contained symbols like ‘,’ or ‘+’.
- In the ETIM data base, in 12¹⁸ depots the identity proof in respect of 7.82 crore passengers, stated to be eligible for concession, out of 8.05 crore passengers eligible for concessions (97 *per cent* cases) were blank.
- In the absence of audit trail, changes made in the transaction tables could not be monitored. However, audit trail was available only for 15¹⁹ tables as against 449 tables in the ORS data base.
- In 12 depots that 8.06 crore ETIM tickets for passengers eligible for concession were generated from January 2016 to 31 March 2021 on the basis of these tickets, reimbursement was claimed by the Corporation from GoM. In the absence of reliable and correct data, the claims raised for reimbursement by the Corporation with the GoM could not be verified in audit. The Government stated (February 2022) that the Corporation had been instructed to take corrective action.

3.2.8.2 The Home Department instructions (November 2008 and October 2018) required grant of 75 *per cent* and 70 *per cent* concession in

¹⁷ Application developed to capture the details of passengers reserve the tickets online, like name, age, gender, address, concession, mobile/phone number *etc.*

¹⁸ Aurangabad-1, Beed, Bhandara, Buldana, Dhule, Kolhapur, Kurla Nehru Nagar, Nagpur Rural-1, Nagpur Rural-2, Nashik CBS, Ratnagiri and Yavatmal.

¹⁹ api_log, bus_services_insert_update_log, bus_stops_insert_update_log, flat_fare_log, payment Gateway Cron_log, Procedure Book Ticket_log, Procedure release Quota Seats_log, Procedure Cancel Rebook Ticket_log, Procedure Temporary Lock Unlock Seats_log, Procedure release Seats_log, route_master_copy_log, session_log, SLA_etim Breakdown_logs, Third party_alert_logs, WS_logs.

fares for each journey performed in ordinary/semi luxury buses and Shivshahi buses respectively to handicapped/vision impaired passengers. Similarly, 50 per cent and 45 per cent concession in fares in ordinary/semi luxury bus and Shivshahi bus respectively was available to an escort travelling with the handicapped/ vision impaired passengers.

➤ ‘concession code – 20’ was designed to capture the details of escorts travelling with the handicapped passengers (code-19). As different codes were created for handicapped passengers and their escorts, only one concession ticket should be generated for each code and the ticket of the escort must contain cross reference with that of the handicapped with whom he/she had travelled.

➤ ETIM generated 9,77,578 tickets of handicapped passengers against which 20,36,122 passengers actually travelled. This resulted in loss of ₹ 5.54 crore to the Corporation owing to allowance of concession to 10,58,544 ineligible passengers. Similarly, under the escort category, 30,184 passengers travelled as against 12,871 tickets for escorts generated, resulting in loss of ₹ 0.08 crore to the Corporation. Thus, there was a total loss of ₹ 5.62 crore to the Corporation due to allowance of concession to excess number of handicapped passengers and excess number of their escorts.

➤ Against the ETIM generated 92,731 tickets of vision impaired, 1,94,137 passengers actually travelled. This resulted in loss of ₹ 0.49 crore to the Corporation owing to allowance of concession to 1,01,406 ineligible passengers. Similarly, under the escort category 6,994 passengers travelled as against 2,661 tickets resulting in loss of ₹ 0.02 crore to the Corporation. Thus, there was total loss of ₹ 0.51 crore to the Corporation due to allowance of concession to excess number of vision impaired passengers and excess number of their escorts.

➤ Although ORS database had the provision for original ticket and reference ticket, the same was missing in ETIM database. In the absence of cross referencing of ticket numbers, authenticity of concessional fares to the eligible passengers could not be verified.

➤ In 5.35 crore cases of physically handicapped passengers and 0.15 crore cases of their escorts, the concession in fare was allowed in excess of the prescribed²⁰ per cent. This resulted in short realization of revenue of ₹ 17.89 crore. Similarly, in 0.47 crore cases of vision impaired passengers and 2.51 lakh cases of their escorts, there was short realization of revenue of ₹ 1.28 crore owing to allowance of concessional fare in excess of the prescribed per cent.

Government stated (February 2022) that nine passengers could travel on a single ticket only; hence, cross referencing of escort in case of handicapped passengers was not feasible. Further, a handicapped person booking online ticket may actually travel with escort; hence, cross reference in such case was

²⁰ For PH passengers, 75 per cent concession in fare of Ordinary/Semi Luxury buses and 70 per cent concession in fare of Shivshahi buses whereas for their escorts 50 per cent concession in fare of Ordinary/Semi Luxury buses and 45 per cent concession in fare of Shivshahi buses.

also not feasible in ETIM system. Government further instructed to the Corporation to implement the smart card system on priority.

3.2.8.3 The Government had instructions (May 1989 and October 2018) to grant 100 *per cent* concession in ticket fare to Freedom Fighter²¹ (FF) along with one escort only. Our data analysis revealed that;

➤ In ORS database, 17,091 tickets out of 19,902 tickets, booked online under the category of FF were of those passengers, whose age was shown below 70 years at the time of booking of online tickets. Since more than 74 years have elapsed after Indian independence, adequate input age control should have been provided while designing the application for ORS. The age wise analysis of tickets booked under FF category is shown in **Table 3.1**.

Table 3.1: Concession given to ineligible passenger (ORS database)

| Tickets booked for passenger having age between | | | | |
|--|---------------|---------------|---------------|-----------------------------------|
| 12 – 20 years | 21 – 30 years | 31 – 40 years | 41 – 50 years | Above 50 years but below 70 years |
| 274 | 2,398 | 3,089 | 4,533 | 6,797 |
| <i>Source: Information obtained from Corporation</i> | | | | |

The Corporation stated (January 2022) that necessary changes in the system would be incorporated after getting clarification/guidance from the Government. Government instructed (February 2022) the Corporation to take necessary action.

3.2.8.4 ETIM generated 24,468 tickets under FF category against which 70,242 passengers actually travelled. This has resulted in loss of ₹ 0.21 crore to the Corporation owing to allowance of concession to 45,774 ineligible passengers. Similarly, under escort category 72,084 passengers travelled against 28,470 tickets issued resulting in loss of ₹ 0.27 crore to the Corporation. Thus, there was total loss of ₹ 0.48 crore to the Corporation due to inadmissible allowance of concession to excess number of FF passengers and excess number of their escorts.

➤ 73,097 escorts had availed the concessional fare against 65,443 FF passengers actually travelled during the period covered by audit. In the ORS database, provision for original ticket and reference ticket was made available; however in ETIM database, cross reference of original tickets of FF with the tickets of escorts was not done. 43,145 tickets issued to the escorts were such that they had not travelled with the FF; still concession was granted to them.

Government instructed (February 2022) the Corporation to implement the smart card system on priority.

3.2.8.5 The Corporation circular (August 2000), read with Government Resolution (GR) (February 2000) which granted 100 *per cent* concession in fares to Adivasi Sevak Awardees (ASA) including one escort for each journey performed in Ordinary, Semi Luxury and Luxury bus services. Scrutiny of the ETIM database of 106 depots revealed that (November 2021);

²¹ persons who belong to a group that takes part in a movement to liberate a country from an un-popular government.

➤ ETIM data base of 106 depot revealed that against 19,671 tickets issued to ASA passengers and their escorts, concession to 81,843 passengers was allowed. This resulted in irregular allowance of concession to 62,172 passengers amounting to ₹ 0.19 crore.

Government stated (February 2022) that the number of ASA and escort travel would not match the number of tickets sold because nine passengers could travel on a single ticket. Again, an ASA person booking online ticket may actually travel with escort; hence cross reference in such case was also not feasible in ETIM system.

3.2.8.6 The GoM (February 1998) allowed free travel to Arjuna, Dronacharya and Chhatrapati awardees of the State in the public road transport and fare so foregone is reimbursed by the GoM. Scrutiny of the table capturing data of ticket details under ORS revealed that;

➤ 215 and 26 tickets were issued to Arjuna and Dronacharya Awardees, but 258 and 28 passengers respectively actually travelled thereon. Similarly, table capturing ticket details under ETIM database revealed that 8,399 and 6,778 tickets were issued to Arjuna and Dronacharya Awardees respectively but 27,894 and 42,356 passengers actually travelled thereon. Thus, 55,073 (19,495+35,578) passengers were allowed the concession irregularly resulting in loss of revenue of ₹ 10.23 lakh. In respect of Chhatrapati awardees, as against 7,129 tickets, 8,644 passengers actually availed the concession resulting in loss of revenue of ₹ 1.19 lakh.

Government instructed (February 2022) the Corporation to implement the smart card system on priority.

3.2.8.7 The Corporation had granted (circulars issued in December 1976 and March 1978), 50 per cent concession in fares to Cancer patients for each journey performed up to 1,500 Km distance for each travel. This was revised (October 2018) to 75 per cent. TB and Leprosy patients are allowed 75 per cent concession up to 50 km distance for each travel.

During data analysis it was revealed that;

➤ 11,990 passengers under Cancer, TB and Leprosy categories travelled as against 5,309 tickets issued by ETIM. This resulted in loss of ₹ 3.60 lakh²² to the Corporation owing to allowance of concession to 6,681²³ ineligible passengers. It was also observed that in case of 1,34,559 cancer patient passengers, concession of more than 75 per cent was allowed resulting in revenue loss of ₹ 5.93 lakh. Similarly in case of 8,431 TB and 3,706 Leprosy patients, concession was allowed beyond the prescribed limit of 50 Km resulting in revenue loss of ₹ 1.62 lakh and ₹ 1.05 lakh respectively. Government instructed (February 2022) the Corporation to implement the smart card system on priority.

3.2.8.8 Data analysis of ETIM database of 12 depots in respect of 'Ticket_IDs' columns containing ticket identification of the 'ticket' table revealed (October 2021) that;

²² Cancer- ₹ 2.91 lakh, Leprosy- ₹ 0.30 lakh and TB- ₹ 0.39 lakh.

²³ Cancer-4768 cases, Leprosy- 889 cases and TB-1024 cases.

➤ In respect of 0.64 crore tickets, out of 34.37 crore tickets issued during the period from 01 October 2016 to 31 March 2021, ‘Ticket_IDs’ were missing. Thus the integrity of data could not be ascertained.

➤ Sale of 417.15 crore tickets was shown in the ‘Ticket table’ for the period from September 2011 to October 2014 as pointed out in the earlier audit. However, during the current analysis, the number of tickets for the same period was shown as 417.20 crore, indicating difference of 5 lakh such tickets between earlier and current scrutiny. Thus, the data had changed with the passage of time thereby misgivings on data reliability and its use for MIS purposes.

Government stated (February 2022) that to maintain the accuracy and integrity of data, rolled back feature of RDBMS was used.

3.2.8.9 The ETIMs were programmed to handle all types of tickets, including concessions. However, these were not amended as needed, and as per GRs issued from time to time. To overcome the difficulties in respect of various concessions, a smart card project was separately initiated by the corporation. The Corporation started issuing smart cards in lieu of passes to the passengers eligible for concessional fare under various categories like students, senior citizens, patients *etc.* from the depots. These cards are only read and captured by the ETIMs, for which details of the smart card user need to be entered into the system before issuing it to the user. The smart card reader/writer applicable to desktops was also provided to the bus depots and stations. Our data analysis revealed that;

➤ 32,55,714 smart cards were issued during the period 2019-2021 to the passengers eligible for concession. However, the ETIMs were unable to read these smart cards as these machines started hanging after the card was placed on them. Thus, the conductors were required to enter the data of such passengers manually into ETIMs.

➤ The old practice of sale of pre-printed passes still continued as the System Integrator (SI) did not provide adequate smart cards and the revenue earned from these passes were not captured in the database. In absence of this, the Corporation was unable to ensure the validity of passes at the time of travel through the system without human intervention.

➤ Position of data verified related to the concessions claimed in March 2019, March 2020 and March 2021 by all the passenger categories of Nagpur depot (Rural-2) is shown in the following **Table 3.2**:

Table 3.2: Difference in figures of ETIM and Manual computation

| Months → Items ↓ | March 2019 | | March 2020 | | March 2021 | |
|----------------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| | ETIM | Manual | ETIM | Manual | ETIM | Manual |
| Number of passengers | 47,158 | 50,010 | 30,859 | 33,353 | 14,927 | 14,937 |
| Actual fare | 46,26,370 | 57,67,513 | 28,69,066 | 35,44,228 | 14,43,705 | 14,75,304 |
| Fare recovered (A) | 22,32,185 | 26,94,884 | 13,29,690 | 15,79,646 | 6,44,785 | 6,56,839 |
| Reimbursement amount (B) | 23,85,411 | 30,72,629 | 15,38,124 | 19,64,582 | 7,95,758 | 8,18,465 |
| Total amount (A+ B) | 46,17,596 | 57,67,513 | 28,67,814 | 35,44,228 | 14,40,543 | 14,75,304 |

Source: Information obtained from Corporation

The table above indicates that the reports generated through ETIM system and those prepared manually were not matching as there were significant difference in figures of number of passengers availing concessional fare, actual fare, reimbursed amount and total amount. Thus, these figures need to be reconciled. This indicated that purpose of computerization of e-ticketing system was lacking.

Government instructed (February 2022) the Corporation to implement the smart card system on priority.

3.2.8.10 The table for capturing waybill trip details was designed to generate analytical report on trip-wise revenue earned for decision making process. Data scrutiny of ETIMs database in respect of 12 depots revealed (October 2021) that;

- In 2,909, out of 1.23 crore records, income of ₹ 82.25 lakh was reported to have been generated against route number “0”, which was not available in the Master table of routes.
- In 4.56 lakh out of 1.23 crore records, cumulative revenue income of ₹ 96.95 crore was reported against analogous Trip number “00000000” which was also not available in the Master table containing trips.
- In 9 depots, 227 blank trip numbers were generated, which indicated manual intervention and compromise of data integrity.

Government stated (February 2022) that to overcome this, the Corporation has been instructed to incorporate the suggested changes in proposed ticket system.

3.2.8.11 The Authorised Booking Agents (ABAs) are allowed to book advance tickets for the prospective passengers by collecting fares from them besides those booked at the ticket booking window. The contractual terms allowed credit limits to ABAs, which provided for retention of the money aggregating to value of tickets sold and the money so collected was to be deposited in the designated bank account by next day.

Scrutiny of the ORS database revealed (October 2021) that;

- In 237 out of 973 cases of ABAs pertaining to the audit period, the data on money value limit specified in the contractual terms was shown as ‘Zero’ in the limit column contained in the Master table and hence monetary value limit could not be monitored.
- In 58 cases where Corporation employees were authorized as the Booking Agents, the same Agent code with access to more than one Booking Centre (BC) in many different locations were detected and
- In 83 other cases, different BC codes were created for the same Agent at the same location which facilitated the ABAs in availing credit limits beyond the prescribed amount. This indicated inadequacy of input control in the system.

Government stated (February 2022) that prior to introducing the top-up, private agents were allowed to operate even with ‘zero’ balance. Despite this, there were 205 active ABAs, whose credit limit was shown as ‘Zero’.

3.2.8.12 ETIM and ORS database did not contain tables depicting the details of buses available with depots, manual pass collection of data, digitised routes and bus stops, digitisation of data of pass holders, ABA cash collection and remittance data, data pertaining to all passengers eligible to different types of concessions *etc.*

Government stated (February 2022) that audit suggestions would be incorporated in the proposed system.

3.2.8.13 The Corporation is operating its buses outside the state (Andhra Pradesh, Chhattisgarh, Goa, Gujarat, Karnataka, Madhya Pradesh and Rajasthan) under Reciprocal Transport Agreements²⁴ executed with the respective state Road Transport Corporations (RTCs) to cater to the needs of passengers.

Data analysis revealed (October 2021) that data fields for only five states were created in the table containing ticket details in ETIM and ORS data base though the Corporation had executed inter-state agreements with the above mentioned seven neighbouring State Road Transport Corporations (RTCs).

Government stated (February 2022) that audit suggestions would be incorporated in the proposed system.

3.2.8.14 In the Master table “Depot”, details of 297 depots in ORS database and 294 depots in ETIM database were captured as against 251²⁵ existing depots. So long as the correct data was not captured in the corresponding tables and correct fields, besides error generation, the prospect of difficulties in migration to new system in future, was inherent. Despite this pointed out in the earlier Report (December 2014) this deficiency was noticed.

➤ Data scrutiny (October 2021) revealed that 135 tables out of 411 tables under the ETIM database and 58 tables, out of 449 tables under ORS database were blank and devoid of any data. Further, 65 Master tables created in ETIM were blank and devoid of any data from Master tables.

Government stated (February 2022) that the database tables were purposely created for working depots. In some of the tables, window booking operation was not operated by SI because of lack of demand from passenger and some tables were created for testing purpose only.

3.2.8.15 In ETIM database, the fields created to capture division name, division code, depot name and depot code were blank in 3,46,176, out of total 34,37,29,142 tickets during the period from 16 January 2016 to 25 February 2018. The Corporation had rectified the error for the current period only and the data for the period from 16 January 2016 to 25 February 2018 was still not rectified.

²⁴ In the absence of any agreement between RTCs of two States for interstate operations, the respective State Governments execute such agreements and impose the terms and conditions on such RTCs. Revenue sharing is the major element addressed in such agreements.

²⁵ 250 depots and one Payment Gateway.

Government stated (February 2022) that during the initial stage of integration of the system, fields pointed out by the audit were blank.

Thus, implementing and maintaining ETIM and Online Reservation System (ORS) did not have sufficient input controls and validation checks in place to have complete and reliable data.

TRANSPORT DEPARTMENT

Maharashtra State Road Transport Corporation

3.3 Unfruitful expenditure of ₹ 4.05 crore

Construction of depot at Manchar by the MSRTC within 30 km of two existing depots against its own policy resulted in unfruitful expenditure of ₹ 4.05 crore

The Maharashtra State Road Transport Corporation (Corporation) through resolutions (passed between February 1981 and March 1999) framed a policy for constructing a bus depot. According to the policy, a depot should not be set up within a distance of 30 km of another depot in a place selected for this purpose simply because it is a Taluka place. However, a depot could be set up if it has the justified traffic density and is economically viable or duly supported by the operational needs and operates more than 100 bus-schedules.

The Corporation decided (June 2012) to construct a depot at Manchar in Ambegaon Tahsil of Pune District. This decision was based on the necessity and importance²⁶ of the depot at Manchar even though two depots were already existing within 30 km of Manchar viz. Narayangaon at 14 km (with 93 bus-schedules) and Rajgurunagar at 20 km (with 90 bus-schedules). The feasibility of this depot was based on the projected generation of an annual profit of ₹ 0.44 crore by it. The work was completed (June 2017) after incurring an expenditure of ₹ 4.05 crore²⁷.

Audit observed (December 2020) that although the depot was completed in June 2017 it has not been put to any use till date (November 2021). Thus, non-operationalisation of the depot resulted in unfruitful expenditure of ₹ 4.05 crore.

In reply, the Divisional Controller, Pune stated (December 2020) that the permission for the use of depot and appointment of additional staff for its operation was sought (May 2018) from General Manager (Personnel), but the same was denied (July 2018) in order to reduce the administrative expenditure and to bring coordination/uniformity in the functioning of the depots within 30 km area. Hence, the competent authority decided not to operate Manchar depot.

²⁶ Centre of economic activity, located on national highway, proximity to Bhimashankar Jyotrilinga and a Sanctuary attracting heavy passenger traffic, Sugar Mill and Engineering College, transportation of Agriculture produce to the Navi Mumbai market and Ambegaon taluka being hilly area with tribal population.

²⁷ (₹ 4.05 crore = ₹ 3.60 crore for civil works + ₹ 27.80 lakh for electrical works + ₹ 17.50 lakh for cost of land).

The reply has to be viewed against the fact that the decision of the Board was contrary to their policy and was made after knowing about the existence of two depots within 30 Km of Manchar Depot. Further, the Corporation did not take any measures to operate the newly constructed depot at Manchar since its completion (July 2017), though Vice Chairman & Managing Director, MSRTC was authorized to approve all the expenditure on depot construction including appointment of the officers/ staff. This has resulted in unfruitful expenditure of ₹ 4.05 crore on its construction.

The matter was brought to the notice (August 2021) of the Government; their reply is awaited (August 2022).



(R. THIRUPATHI VENKATASAMY)
Accountant General (Audit)-II,
Maharashtra, Nagpur

Nagpur
The 25 April 2023

Countersigned



(GIRISH CHANDRA MURMU)
Comptroller and Auditor General of India

New Delhi
The 26 April 2023

APPENDICES

Appendix 1.1

(Reference: Paragraph 1.1; page 1)

Statement showing the cluster-wise list of departments, autonomous bodies and public sector undertakings under the jurisdiction of the Accountant General (Audit)-II, Maharashtra, Nagpur

| Name of the Cluster | Name of department | Name of autonomous bodies | Name of public sector undertakings |
|-----------------------|--------------------|--|--|
| Energy and Power | Energy | 1) Maharashtra Electricity Regulatory commission 2) Maharashtra Energy Development Agency | 1) Maharashtra State Electricity Distribution Company Limited (Subsidiary) 2) Maharashtra State Electricity Transmission Company Limited (Subsidiary) 3) Maharashtra State Power Generation Company Limited (Subsidiary) 4) Aurangabad Power Company Limited (Subsidiary) 5) Dhopave Coastal Power Limited (Subsidiary) 6) Mahagenco Ash Management Services Limited (Subsidiary) 7) M.S.E.B. Holding Company Limited 8) Maharashtra Power Development Corporation Limited |
| Industry and Commerce | Industries | 3) Maharashtra State Khadi and Village Industries Board (MSKVIB) | 9) Maharashtra State Mining Corporation Limited 10) Mahaguj Collieries Limited (Subsidiary) 11) Maha Tamil Collieries Limited 12) MSMC Adkoli Natural Resources Limited (Subsidiary) 13) MSMC Warora Collieries Limited (Subsidiary) 14) Development Corporation of Konkan Limited 15) Western Maharashtra Development Corporation Limited 16) Maharashtra Petrochemicals Corporation Limited 17) Krupanidhi Limited (Subsidiary) 18) Dairy Development Corporation of Marathwada Limited (Subsidiary) 19) Ellora Milk Products Limited (Subsidiary) 20) Parbhani Krishi Go-samvardhan Limited (Subsidiary) 21) Development Corporation of Vidarbha Limited 22) Vidarbha Quality Seeds Limited ¹ 23) The Gondwana Paints and Minerals Limited ² 24) Vidarbha Tanneries Limited ³ 25) Maharashtra Industrial Gas Transmission Company Limited 26) Marathwada Development Corporation Limited 27) Godavari Garments Limited (Subsidiary) 28) Kinwat Roofing Tiles Limited (Subsidiary) 29) Maharashtra Electronics Corporation Limited 30) Marathwada Ceramic Complex Limited (Subsidiary) 31) Leather Industries Corporation of Marathwada Limited (Subsidiary) 32) Maharashtra Small Scale Industries Development Corporation Limited 33) Aurangabad Industrial Township Limited 34) AITL Auric Skill Foundation (Subsidiary) 35) Maharashtra State Financial Corporation 36) Maharashtra Industrial Development Corporation |
| | Textiles | --- | 37) Maharashtra State Powerlooms Corporation Limited 38) Maharashtra State Textile Corporation Limited 39) The Pratap Spinning, Weaving and Manufacturing Company Limited (Subsidiary) 40) Maharashtra State Handlooms Corporation Limited |

¹ The PSUs have been subsequently dissolved in 2021-22

² The PSUs have been subsequently dissolved in 2021-22

³ The PSUs have been subsequently dissolved in 2021-22

Report No. 3 (Compliance Audit Report for the year ended 31 March 2021)

| Name of the Cluster | Name of department | Name of autonomous bodies | Name of public sector undertakings |
|-------------------------------------|--|---|--|
| Transport | GAD | 4) Maharashtra Maritime Board (MMB), Mumbai | -- |
| | Home | -- | 41) Maharashtra State Road Transport Corporation 42) Maharashtra Airport Development Company (MADC) 43) Nagpur Mass Transport Company 44) Pune (Purandar) International Airport Ltd. 45) MIHAN India Ltd. 46) Nagpur Flying Club |
| Environment, Science and Technology | Environment | 5) Maharashtra Pollution Control Board (MPCB) | 47) Forest Development Corporation of Maharashtra Limited |
| | Forest | 6) State Compensatory Afforestation Fund Management and Planning Authority (CAMPA) | 48) FDCM ESSEL World Gorewada Zoo Pvt. Ltd. (JV of FDCM and Esselworld) |
| | Forest | -- | 49) Maharashtra Bamboo Promotion Foundation 50) Maharashtra State Farming Corporation Limited |
| Public Works | Water Supply & Sanitation Department (Public Health Engineering) | 7) Maharashtra Jeevan Pradhikaran (MJP), Mumbai | 51) Maharashtra State Road Development Corporation Limited |
| | Public Works Department (Roads & Bridges) | -- | 52) Maharashtra Satara Kagal Infrastructure Limited (Subsidiary) 53) Thane Creek Bridge Infrastructure Limited 54) Nagpur Mumbai Super communication Express way Limited 55) Versova Bandra Sea Link Limited (Subsidiary of MSRDC) 56) Mumbai Pune Expressway Limited (Subsidiary of MSRDC) 57) MSRDC Tunnels Limited (Subsidiary of MSRDC) 58) MSRDC Sea Link Limited (Subsidiary of MSRDC) 59) Maharashtra Samruddhi Renewal Energy Ltd.(Subsidiary of MSRDC) |
| Finance | Finance | -- | 60) MAFCO Limited 61) Maharashtra Vikrikar Rokhe Pradhikaran Limited |
| | Planning | -- | 62) Chhatrapati Sahu ji Maharaj Research , Training and Human Development Institute, Pune (SAARTHI) |
| IT and Communication | Information Technology | -- | 63) Maharashtra Information Technology Corporation Limited, Mumbai |
| Law and Order | Home | -- | 64) Maharashtra State Police Housing and Welfare Corporation Limited, Mumbai |
| Law and Order | Law & Judiciary department | 8) Maharashtra State Human Rights Commission (MSHRC) 9) Maharashtra State Legal Services Authority (MSLSA), Mumbai | -- |

Appendix 1.2

(Reference: Paragraph 1.6.1; page 3)

Department wise Outstanding Inspection Report/Paras issued upto December 2020 but outstanding as on 30 June 2021

| Sr. No. | Name of Department | Name of Region | Upto 2015-16 | | 2016-17 | | 2017-18 | | 2018-19 | | 2019-20 | | 2020-21 | | Total | |
|------------------------|--|---|--------------|-------------|-----------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|------------|-----------|------------|-------------|-------------|
| | | | IR | Paras | IR | Paras | IR | Paras | IR | Paras | IR | Paras | IR | Paras | IR | Paras |
| 1 | Cluster 9 (Transport) | West. Maharashtra, Khandesh & Mumbai | 66 | 135 | 24 | 85 | 22 | 120 | 11 | 77 | 13 | 106 | 0 | 0 | 136 | 523 |
| 2 | | Marathwada | 28 | 60 | 8 | 23 | 1 | 5 | 9 | 50 | 2 | 14 | 1 | 4 | 49 | 156 |
| 3 | | Vidarbha | 35 | 72 | 8 | 17 | 3 | 8 | 5 | 19 | 7 | 26 | 0 | 0 | 58 | 142 |
| 4 | | MMB Deptt. All Dist. | 11 | 18 | 2 | 4 | 3 | 11 | 2 | 9 | 0 | 0 | 0 | 0 | 18 | 42 |
| Total | | | 140 | 285 | 42 | 129 | 29 | 144 | 27 | 155 | 22 | 146 | 1 | 4 | 261 | 863 |
| 1 | General Admn. Deptt. | Director of Aviation | 3 | 4 | 1 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 15 | 0 | 0 | 5 | 22 |
| 2 | | Nagpur Flying Club | 1 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 2 |
| 3 | | MADC | 4 | 21 | 1 | 8 | 1 | 14 | 1 | 19 | 0 | 0 | 0 | 0 | 7 | 62 |
| 4 | | Mihan India Ltd. | 1 | 4 | 0 | 0 | 1 | 7 | 1 | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | 16 |
| 5 | | Nagpur Mass Transport Co. Ltd. | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| Total | | | 10 | 32 | 2 | 11 | 2 | 21 | 2 | 24 | 1 | 15 | 0 | 0 | 17 | 103 |
| 1 | Cluster 10 (Forest, Environment, Science & Technology) | Forest, Environment, Science & Technology | 273 | 744 | 22 | 78 | 30 | 146 | 31 | 160 | 29 | 151 | 6 | 46 | 391 | 1325 |
| 2 | Cluster 11 (PWD) | Public Works, Public Health Engineering, Road & Bridges | 398 | 1040 | 67 | 211 | 70 | 339 | 92 | 525 | 91 | 637 | 8 | 67 | 726 | 2819 |
| Total | | | 671 | 1784 | 89 | 289 | 100 | 485 | 123 | 685 | 120 | 788 | 14 | 113 | 1117 | 4144 |
| Grand total (A) | | | | | | | | | | | | | | | 1395 | 5110 |
| 1. | Cluster – Energy and Power | Energy & Power | 88 | 233 | 20 | 84 | 21 | 105 | 39 | 166 | 56 | 303 | 16 | 83 | 240 | 974 |
| 2. | Cluster – Industry & Commerce | Industry | 89 | 373 | 20 | 146 | 12 | 75 | 17 | 116 | 8 | 51 | 5 | 37 | 151 | 798 |
| 3. | Cluster – Industry & Commerce | Textile | 46 | 151 | 2 | 3 | 1 | 12 | 1 | 6 | 2 | 13 | 1 | 5 | 53 | 190 |
| Grant total (B) | | | 223 | 757 | 42 | 233 | 34 | 192 | 57 | 288 | 66 | 367 | 22 | 125 | 444 | 1962 |

| Appendix 1.2 (Concl...) | | | | | |
|-------------------------|----------------------------|--|---------------------------|--|-----------------------------------|
| Sr. No. | Name of the department | Name of receipts | Number of outstanding IRs | Number of outstanding paras/observations | Money value involved (₹ in crore) |
| 1 | Home | State Excise | 97 | 172 | 11.52 |
| 2 | Low & Order | Home | 279 | 1153 | 0.00 |
| | | Law & Judiciary | 81 | 262 | 0.00 |
| 3 | IT & Communication | Information Technology | 5 | 31 | 0.00 |
| 4 | Revenue & Forest | Entertainment Duty | 181 | 268 | 17.59 |
| | | Stamp & Registration Fee | 1250 | 2523 | 811.99 |
| 5 | Finance | Taxes of Sales, Trade etc. | 1002 | 2714 | 826.06 |
| | | Taxes on Professions etc. | 82 | 104 | 13.60 |
| | | Local Funds, Director of Account & Treasuries etc. | 23 | 86 | 0.00 |
| 6 | Planning | Economics & Statistic, Statistical Officer etc. | 9 | 35 | 0.00 |
| | Total (C) | | 3009 | 7348 | 1680.76 |
| | Grand Total (A+B+C) | | 4848 | 14,420 | |

Appendix 1.3
(Reference: Paragraph: 1.6.4; page 4)
Position of outstanding EMs/UORs

| Year of Audit Report | Transport | | Forest | | PWD | | Energy & Power | | Industry & Commerce | | Finance | | IT & Communication | | Home | | Total | |
|----------------------|--------------|------------------|--------------|------------------|--------------|------------------|----------------|------------------|---------------------|------------------|--------------|------------------|--------------------|------------------|--------------|------------------|--------------|------------------|
| | No. of Paras | No. of o/s paras | No. of Paras | No. of o/s Paras | No. of Paras | No. of o/s Paras | No. of Paras | No. of o/s Paras | No. of Paras | No. of o/s Paras | No. of Paras | No. of o/s Paras | No. of Paras | No. of o/s Paras | No. of Paras | No. of o/s Paras | No. of Paras | No. of o/s Paras |
| 2014-15 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 5 | 4 | 2 | 0 | 16 | 15 | 1 | 1 | 1 | 0 | 26 | 20 |
| 2015-16 | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 | 5 | 2 | 2 | 18 | 18 | 2 | 2 | 3 | 2 | 32 | 31 |
| 2016-17 | 3 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 7 | 7 | 1 | 1 | 27 | 25 | 0 | 0 | 1 | 1 | 41 | 34 |
| 2017-18 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 1 | 2 | 2 | 5 | 5 | 14 | 3 | 1 | 1 | 1 | 1 | 29 | 17 |
| 2018-19 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 | 3 | 2 | 2 | 0 | 0 | 11 | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 17 | 10 |
| Total | 7 | 4 | 2 | 2 | 9 | 4 | 21 | 20 | 10 | 8 | 86 | 66 | 4 | 4 | 6 | 4 | 145 | 112 |

Appendix 1.4

(Reference: Paragraph 1.6.4; page 4)

Cluster wise position of PAC/COPU recommendations on which Action Taken Notes were awaited

| Cluster | 2010-11 | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 | Total |
|-------------------------------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|--------------|
| Finance | 0 | 14 | 14 | 6 | 83 | 12 | 129 |
| Home | 0 | 0 | 11 | 0 | 0 | 0 | 11 |
| Transport | 6 | 67 | 6 | 0 | 10 | 8 | 97 |
| Environment, Science and Technology | 0 | 0 | 0 | 0 | 12 | 0 | 12 |
| Public Works | 1 | 0 | 25 | 0 | 19 | 8 | 53 |
| Energy & Power | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | 0 | 6 |
| Industry & Commerce | 4 | 4 | 0 | 1 | 2 | 0 | 11 |
| Total | 12 | 87 | 57 | 8 | 127 | 28 | 319 |

Appendix 2.1.1
(Reference: Paragraph: 2.1.1; page 8)
List of sampled Divisions

| Sr. No. | Name of the Region | Number of the Circles | Name of the Divisions sampled |
|------------|--------------------|-----------------------|--------------------------------|
| 1 | Nagpur | Nagpur | PWD, Bhandara |
| | | | PWD Integrated (M) Unit Nagpur |
| | | | PWD No. 2 Nagpur |
| | | | PWD No. 2 Gondia |
| | | | PWD No. 3 Nagpur |
| | | Gadchiroli | PWD No. 2 Gadchiroli |
| | | Chandrapur | PWD No.1 Chandrapur |
| | | | PWD Arvi, Wardha |
| PWD Wardha | | | |
| 2 | Amravati | Akola | PWD Buldhana |
| | | Amravati | PWD Amravati |
| | | Yavatmal | PWD No.2 Yavatmal |
| 3 | Aurangabad | Nanded | PWD Hingoli |
| | | | PWD Bhokar |
| | | Aurangabad | PWD Aurangabad |
| 4 | Konkan | Ratnagiri | PWD Chiplun |
| | | Thane | PWD No.1 Thane |
| | | | PWD Palghar |
| 5 | Mumbai | Mumbai | PWD Presidency, Mumbai |
| | | | Integrated (M) Unit Mumbai |
| 6 | Nashik | Nashik | PWD Malegon |
| | | | PWD Nashik |
| | | Ahmednagar | PWD Sangamner |
| 7 | Pune | Pune | PWD (South) Pune |
| | | | PWD Pune |
| | | Kolhapur | PWD Kolhapur |

Appendix 2.1.2
(Reference: Paragraph 2.1.2.1; page 9)
Short release of fund

(₹ in crore)

| Sr. No. | Name of the User Departments | No. of works | Cost of the work | Deposit received | Expenditure incurred | Short release of fund |
|--------------|---|--------------|------------------|------------------|----------------------|-----------------------|
| | | (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1 | Public Health | 02 | 23.17 | 16.97 | 19.11 | 6.20 |
| 2 | Higher and Technical Education and Employment | 02 | 5.35 | 2.75 | 2.76 | 2.60 |
| 3 | Industry Energy and Labour | 77 | 11.55 | 1.45 | 1.45 | 10.10 |
| 4 | Law and Judiciary | 01 | 0.91 | 0.91 | 0.93 | 0.00 |
| 5 | Planning | 09 | 52.92 | 24.38 | 41.91 | 28.54 |
| 6 | Social Justice and Special Assistance | 85 | 16.08 | 8.27 | 7.42 | 7.81 |
| 7 | Sports | 01 | 1.26 | 1.00 | 1.04 | 0.26 |
| 8 | Tourism and Cultural | 11 | 29.26 | 19.25 | 20.09 | 10.01 |
| 9 | Tribal development | 01 | 57.85 | 4.23 | 5.48 | 53.62 |
| 10 | Urban development | 02 | 9.20 | 4.30 | 4.41 | 4.90 |
| 11 | Rural Development (MH 2515) | 1043 | 122.44 | 74.28 | 42.02 | 48.16 |
| 12 | Revenue and Forest | 02 | 0.37 | 0.28 | 0.34 | 0.09 |
| 13 | Home | 04 | 0.80 | 0.05 | 0.47 | 0.75 |
| Total | | 1240 | 331.16 | 158.12 | 147.43 | 173.04 |

Appendix 2.1.3

(Reference: Paragraph 2.1.3.2(ii); page 13)

Works halted due to paucity of funds and incomplete works

(₹ in crore)

| Sr. No. | Name of the division | Name of the work | Expenditure incurred | Remarks |
|--|---------------------------------|---|----------------------|---|
| Works halted due to paucity of funds | | | | |
| 1. | Integrated (M) Unit PWD, Nagpur | Construction of 3-wards at wing 'A' in super specialty hospital at GMCH Nagpur | 4.78 | Work incomplete due to diversion of fund of ₹ 1.60 crore for budgeted work of AIIMS Nagpur. |
| 2. | PWD No.2 Yavatmal | Development of Appa Swami Mandir at Village- Pimpalner, Arni, Yavatmal | 0.52 | Work is incomplete due to unavailability of fund. |
| 3. | PWD No.2 Yavatmal | Development of Lake premises & beautification of Shri Khateshwar-Maharaj-Sansthan (C-class pilgrimage) at Khatewshwar (Part No.4 Ghat extension) Kalamb, Yavatmal | 0.13 | Work was incomplete for want of fund of ₹ 0.49 crore. |
| 4. | PWD Aurangabad | Residential building and two training centers at Paithan, Aurangabad | 2.34 | Shortages of funds and change in scope of work. |
| 5. | PWD No.1 Thane | ITI building at Mumbra Kausa, Mumbai | 3.64 | Work incomplete due to shortage of funds. |
| 6. | Integrated (M) Unit PWD, Mumbai | Administrative building in campus of JJ Hospital Mumbai | 1.72 | Electrical work was left incomplete for want of funds. |
| <i>Source: Information furnished by department</i> | | | | |

Appendix 2.1.4
(Reference: Paragraph 2.1.3.2 (v); page 17)
Details of delay in testing of cement concrete cubes

| Sr. No. | Name of the Division | Name of the work | Type of concrete | Date of casting of cube | Date of testing of cube | Age of cube (in days) |
|---------|----------------------|--|------------------|-------------------------|-------------------------|-----------------------|
| 1. | PWD Buldhana | Construction of Cement Concrete road at Nagar Parishad Deulgaon Raja (Jafrabad road to garden) | CCM-15 | 10.01.19 | 28.03.19 | 77 |
| | | | CCM_20 | 20.01.19 | 28.03.19 | 67 |
| | | | CCM-40 | 11.01.19 | 28.03.19 | 76 |
| 2. | PWD Buldhana | Improvement to internal road of Buldhana Municipal council from Tahsil chowk to Balshivaji convent | CCM-20 | 21.06.18 | 27.09.18 | 98 |
| 3. | PWD Buldhana | Construction of internal roads to Civil Hospital Buldhana | CCM-20 | 18.10.19 | 07.08.20 | 294 |
| | | | CCM-20 | 22.11.19 | 07.08.20 | 259 |
| 4. | PWD Buldhana | Construction of internal underground drain in the premises of Civil Hospital Buldhana | CCM-20 | 17.03.20 | 06.08.20 | 142 |

Source: Information furnished by department

Appendix 2.2.1

(Reference: Paragraph 2.2; page 22)

Statement showing Ordinary Repairs carried out on risk and cost

| Sr. No. | Agreement No. | Date of work order | Name of work | Name of contractor | Amount Paid (in ₹) | Voucher No. & Date. |
|---------|---------------|--------------------|-------------------------------------|-----------------------------------|--------------------|---------------------|
| 1 | 46/2017-18 | 05.12.2017 | OR to NH 222 Km. 607/250 to 608/00 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 281571 | 40/03/2018. |
| 2 | 47/2017-18 | 05.12.2017 | OR to NH 222 Km. 593/750 to 594/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 280495 | 41/03/2018 |
| 3 | 48/2017/18 | 06.12.2017 | OR to NH 222 Km. 599/750 to 600/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 272163 | 72/03/2018 |
| 4 | 49/2014-18 | 06.12.2017 | OR to NH 222 Km. 592/250 to 593/00 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 276217 | 43/03/2018 |
| 5 | 50/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 608/00 to 608/750 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 267914 | 44/03/2018 |
| 6 | 51/2017/18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 605/750 to 606/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 282037 | 45/03/2018 |
| 7 | 52/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 602/750 to 603/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 274380 | 46/03/2018 |
| 8 | 53/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 597/500 to 598/250 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 278714 | 47/03/2018 |
| 9 | 54/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 610/250 to 611/00 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 273667 | 48/03/2018 |
| 10 | 55/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 603/500 to 604/250 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 269966 | 49/03/2018 |
| 11 | 58/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 590/500 to 591/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 281288 | 50/03/2018 |
| 12 | 59/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 604/250 to 605/000 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 271907 | 51/03/2018 |
| 13 | 60/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 595/250 to 596/00 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 268617 | 52/03/2018 |
| 14 | 61/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 595/250 to 596/00 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 270652 | 53/03/2018 |
| 15 | 62/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 611/750 to 612/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 270310 | 54/03/2018 |
| 16 | 63/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 612/500 to 613/250 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 281141 | 55/03/2018 |
| 17 | 64/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 608/750 to 609/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 275521 | 56/03/2018 |
| 18 | 65/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 587/00 to 588/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 289517 | 57/03/2018 |
| 19 | 66/2017-18 | 07.12.2018 | OR to NH 222 Km. 606/500 to 607/205 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 270496 | 77/03/2018 |
| 20 | 67/2017-18 | 07.12.2017 | OR to NH 222 Km. 589/500 to 590/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 285335 | 78/03/2018 |
| 21 | 68/2017-18 | 13.12.2017 | OR to NH 222 Km. 593/00 to 593/750 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 277256 | 79/03/2018 |
| 22 | 69/2017-18 | 13.12.2017 | OR to NH 222 Km. 596/00 to 596/750 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 279479 | 80/03/2018 |
| 23 | 70/2017-18 | 13.12.2017 | OR to NH 222 Km. 591/500 to 592/250 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 279194 | 81/03/2018 |
| 24 | 71/2017-18 | 13.12.2017 | OR to NH 222 Km. 600/500 to 601/250 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 285660 | 82/03/2018 |
| 25 | 72/2017-18 | 13.12.2017 | OR to NH 222 Km. 594/500 to 595/250 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 274825 | 83/03/2018 |
| 26 | 73/2017-18 | 13.12.2017 | OR to NH 222 Km. 602/00 to 602/750 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 269113 | 84/03/2018 |
| 27 | 74/2017-18 | 13.12.2017 | OR to NH 222 Km. 598/250 to 599/00 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 281206 | 85/03/2018 |
| 28 | 75/2017-18 | 15.12.2017 | OR to NH 222 Km. 588/500 to 589/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 277110 | 86/03/2018 |
| 29 | 76/2017-18 | 15.12.2017 | OR to NH 222 Km. 596/750 to 597/500 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 274980 | 87/03/2018 |
| 30 | 77/2017-18 | 15.12.2017 | OR to NH 222 Km. 599/00 to 599/750 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 267666 | 88/03/2018 |
| 31 | 78/2017-18 | 18.12.2017 | OR to NH 222 Km. 609/500 to 610/250 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 277532 | 89/03/2018 |

| Appendix 2.2.1 (Conclid...) | | | | | | |
|-----------------------------|---------------|--------------------|-------------------------------------|--------------------------------------|--------------------|---------------------|
| Sr. No. | Agreement No. | Date of work order | Name of work | Name of contractor | Amount Paid (in ₹) | Voucher No. & Date. |
| 32 | 79/2017-18 | 18.12.2017 | OR to NH 222 Km. 601/250 to 602/00 | M/s. Sharda Constructions, Nanded | 271591 | 90/03/2018 |
| 33 | 85/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km.559/400 to 560/600 | M/s. Global Enterprises, Nanded | 297950 | 15/03/2018 |
| 34 | 86/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 558/200 to 559/400 | M/s. Global Enterprises, Nanded | 290585 | 160/03/2018 |
| 35 | 90/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 564/00 to 565/00 | M/s. Global Enterprises, Nanded | 296709 | 157/03/2018 |
| 36 | 91/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 563/00 to 564/00 | M/s. Global Enterprises, Nanded | 295397 | 159/03/2018 |
| 37 | 92/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 560/600 to 561/800 | M/s. Global Enterprises, Nanded | 296010 | 161/03/2018 |
| 38 | 103/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 581/00 to 583/000 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 298302 | 132/03/2018 |
| 39 | 104/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 613/250 to 614/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 270282 | 135/03/2018 |
| 40 | 105/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 565/00 to 569/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 291831 | 138/03/2018 |
| 41 | 106/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 585/00 to 587/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 294231 | 133/03/2018 |
| 42 | 107/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 573/00 to 577/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 297520 | 139/03/2018 |
| 43 | 108/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 569/00 to 573/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 297981 | 131/03/2018 |
| 44 | 109/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 611/00 to 611/750 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 277829 | 134/03/2018 |
| 45 | 110/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 577/00 to 579/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 293882 | 140/03/2018 |
| 46 | 111/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 614/00 to 615/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 276949 | 136/03/2018 |
| 47 | 112/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 583/00 to 585/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 298977 | 141/03/2018 |
| 48 | 113/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 579/00 to 581/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 299063 | 137/03/2018 |
| 49 | 114/2017-18 | 08.03.2018 | OR to NH 222 Km. 561/800 to 563/00 | M/s. G.J Constructions, Nanded | 298935 | 156/03/2018 |
| 50 | 32/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 444/00 TO 446/500 | M/s. Pallavi Constructions, Parbhani | 276618 | 596/03/2018 |
| 51 | 33/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 446/500 to 449/00 | M/s. Pallavi Constructions, Parbhani | 272855 | 597/03/2018 |
| 52 | 34/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 458/00 to 463/550 | M/s. Pallavi Constructions, Parbhani | 274996 | 63/03/2018 |
| 53 | 35/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 452/00 to 455/00 | M/s. Pallavi Constructions, Parbhani | 271956 | 61/03/2018 |
| 54 | 36/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 455/00 to 458/00 | M/s. Sai Constructions, Parbhani | 272440 | 65/03/2018 |
| 55 | 37/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km.498/00 to 503/00 | M/s. Sai Constructions, Parbhani | 274908 | 70/03/2018 |
| 56 | 38/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 481/00 to 485/00 | M/s. Sai Constructions, Parbhani | 274976 | 66/03/2018 |
| 57 | 39/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 449/00 to 452/00 | M/s. Pallavi Constructions, Parbhani | 272471 | 60/03/2018 |
| 58 | 40/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km.485/00 to 489/00 | M/s. Sai Constructions, Parbhani | 273817 | 67/03/2018 |
| 59 | 41/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 489/00 to 493/00 | M/s. Sai Constructions, Parbhani | 275411 | 68/03/2018 |
| 60 | 42/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 503/00 to 508/00 | M/s. Pallavi Constructions, Parbhani | 275479 | 62/03/2018 |
| 61 | 43/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 495/500 to 498/00 | M/s. Sai Constructions, Parbhani | 274270 | 71/03/2018 |
| 62 | 44/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 508/00 to 514/500 | M/s. Pallavi Constructions, Parbhani | 270894 | 64/03/2018 |
| 63 | 45/2017-18 | 02.12.2017 | OR to NH 222 Km. 493/00 to 495/00 | M/s. Sai Constructions, Parbhani | 279076 | 69/03/2018 |
| Total amount | | | | | 17650120 | |

Appendix 2.4.1

(Reference: Paragraph 2.4.1; page 26)

Details of Bio-diversity parks taken up for creation in the selected 15 districts

| Sr. No. | Name of district | Location of Parks | DPR cost (₹ in lakh) | Expenditure incurred 2015-21 (₹ in lakh) | Whether completed or not | If completed whether handed over (Whom) |
|---------|------------------|-------------------|----------------------|--|--------------------------------------|---|
| 1 | Amravati | Upatkhedda | 272.5 | 261.93 | Yes | Yes (territorial forest division) |
| 2 | Chandrapur | Gondeda | 151.41 | 140.93 | Yes | Yes (territorial forest division) |
| 3 | Chandrapur | Gondpipri | 153.47 | 146.06 | Yes | Yes (territorial forest division) |
| 4 | Chandrapur | Chandrapur | 380.68 | 375.92 | Yes | Yes (territorial forest division) |
| 5 | Jalna | Jalna | 199.30 | 214.94 | Yes | No |
| 6 | Nanded | Bondhar | 259.85 | 192.00 | Yes | No |
| 7 | Nanded | Wadepuri | 197.55 | 143.25 | Yes | No |
| 8 | Osmanabad | Dhoki | 150.00 | 142.15 | Yes | Yes (Trust) |
| 9 | Osmanabad | Tirth (Bu) | 128.84 | 99.01 | Yes | Yes (Trust) |
| 10 | Solapur | Maloli | 170.11 | 163.35 | Yes | No |
| 11 | Solapur | Kumbhari | 109.97 | 101.15 | Yes | Yes (Gram Panchayat) |
| 12 | Thane | Kanvinde | 583.85 | 463.89 | Yes | Yes (territorial forest division) |
| 13 | Akola | Katipati | 256.62 | 67.41 | Incomplete though declared completed | Yes (Gram Panchayat) |
| 14 | Dhule | Jamkhel | 214.30 | 96.78 | Incomplete though declared completed | Yes (Gram Panchayat) |
| 15 | Jalna | Dahipuri | 190.94 | 95.35 | Incomplete though declared completed | No |
| 16 | Wardha | MIDC | 219.52 | 117.77 | No | - |
| 17 | Wardha | Rajani | 172.54 | 97.61 | No | - |
| 18 | Yavatmal | Jondhalni | 105.00 | 96.80 | No | - |
| 19 | Yavatmal | Ambwan | 122.00 | 97.63 | No | - |
| 20 | Akola | Washimba | 254.45 | 191.35 | No | --- |
| 21 | Akola | Kurum | 478.82 | 308.49 | No | - |
| 22 | Amravati | Madlabad | 275.49 | 148.44 | No | - |
| 23 | Bhandara | Dongarla | 201.2 | 93.23 | No | - |
| 24 | Gondia | Arjuni Morgaon | 178.12 | 104.11 | No | - |
| 25 | Gondia | Navatola | 178.32 | 116.30 | No | - |
| 26 | Gondia | Kudva | 190.80 | 161.84 | No | - |
| 27 | Gondia | Garada | 184.93 | 104.97 | No | - |
| 28 | Nagpur | Vena Nimji | 296.44 | 178.51 | No | - |
| 29 | Nashik | Paregaon | 196.77 | 71.16 | No | - |
| 30 | Nashik | Manikpunj | 201.61 | 69.27 | No | - |
| 31 | Nashik | Kandhane | 206.31 | 108.22 | No | - |
| 32 | Thane | Majiwade | 738.45 | 641.33 | No | - |
| | | Total | 7620.16 | 5411.15 | | |

Source: Information submitted by the department

Appendix 2.5.1

(Reference: Paragraph 2.5.8.1; Page: 41)

Excess credit carried forward under section 140 (1), 140 (4) (a) as per Table 5c

(₹ in crore)

| Sl. No. | GSTIN No. | Name of Tax Payers | Date of Original Return | Original Return carried forward amount | Original Return Refund amount | Revised Return Date | Revised Return Carried forward Amount | Revised Return Refund Amount | Credit taken in ECL | Admissible Credit | Irregular/ Excess Credit |
|--|-----------------|--|-------------------------|--|-------------------------------|---------------------|---------------------------------------|------------------------------|---------------------|-------------------|--------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| Name of Division : Joint Commissioner, Bandra | | | | | | | | | | | |
| 1 | 27AAACM5967F1ZA | M/s. Maneka Agencies Pvt. Ltd., Mumbai | 18.07.2017 | 0.01 | 0 | 05.12.2018 | 0.013 | 0 | 0.08 | 0.01 | 0.07 |
| 2 | 27AAF2M2002G1ZZ | Matoshree Infrastructure Pvt. Ltd. | 22.05.2018 | 0 | 0 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.1 | 0 | 0.1 |
| 3 | 27AABCD8397D1ZG | M/s. Doshi Metal Production Pvt. Ltd., Mumbai | 31.07.2017 | 0 | 0.09 | 27.03.2019 | 0 | 0.09 | 0.09 | 0 | 0.09 |
| 4 | 27AAOCS1655A1ZF | M/s. Sun Star spaces private limited | 31.07.2017 | 0 | 0 | 18.02.2019 | 0 | 0 | 0.08 | 0 | 0.08 |
| 5 | 27AAFCT7961D1Z4 | M/s. Total Marketing Support India Pvt. Ltd., Mumbai | 27.09.2017 | 0 | 0.79 | 27.12.2017 | 0 | 0.83 | 0.86 | 0 | 0.86 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Borivali | | | | | | | | | | | |
| 6 | 27AADCP7469G1Z1 | Prashanti Land Developers | 20.07.2017 | 0 | 0 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.09 | 0 | 0.09 |
| 7 | 27AAHFR5520P1ZQ | M/s. Reliance Enterprises | 27.07.2017 | 0 | 0 | Not filed | 0 | 0 | 0.48 | 0 | 0.48 |
| 8 | 27ACPPS1273C1ZH | M/s. Marc Engineering | 27.10.2017 | 0.07 | 0 | 14.12.2018 | 0.01 | Nil | 0.07 | 0.01 | 0.06 |
| 9 | 27ABTFS6605H1Z0 | M/s. Skyline Electrical Control | 10.08.2018 | 0 | 0.14 | 02.10.2018 | 0 | 0.15 | 0.15 | 0 | 0.15 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Goregaon | | | | | | | | | | | |
| 10 | 27AAACR4919G1ZD | Rahul Electronics Pvt. Ltd. | 28.10.2017 | 0 | 0.12 | 10.01.2019 | 0 | 0.0075 | 0.12 | 0 | 0.12 |

| Appendix 2.5.1 (contd...) | | | | | | | | | | | |
|---|-----------------|--------------------------------------|-------------------------|--|-------------------------------|---------------------|---------------------------------------|------------------------------|---------------------|-------------------|--------------------------|
| Sl. No. | GSTIN No | Name of Tax Payers | Date of Original Return | Original Return carried forward amount | Original Return Refund amount | Revised Return Date | Revised Return Carried forward Amount | Revised Return Refund Amount | Credit taken in ECL | Admissible Credit | Irregular/ Excess Credit |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| Name of Division : Joint Commissioner, Kandevali | | | | | | | | | | | |
| 11 | 27ABHPL3580G1ZK | Kalindi Overseas | 19.07.2017 | 0.0746 | 0 | 25.01.2019 | 0.0695 | 0 | 0.0746 | 0.0695 | 0.0051 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Mulund | | | | | | | | | | | |
| 12 | 27AADCG2319N1ZG | Gumpro Drilling Fluids Pvt. Ltd. | 29.07.2017 | 0 | 0.18 | 28.12.2018 | 0 | 0.19 | 0.16 | 0 | 0.16 |
| 13 | 27AADCK2789G1Z9 | The Sell well Enterprises Pvt. Ltd. | 29.07.2017 | 0.11 | 0 | 23.02.2019 | 0.1 | 0 | 0.11 | 0.1 | 0.01 |
| 14 | 27AAFCS0334P2Z2 | Suyog Telematics Pvt. Ltd. | 29.11.2017 | 0 | 0.16 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.16 | 0 | 0.16 |
| 15 | 27AAACH1781Q1Z4 | Hind Rectifier Ltd. | 31.07.2017 | 0.435 | 0 | 30.09.2019 | 0.435 | 0.06 | 0.44 | 0.435 | 0.005 |
| 16 | 27AGUPA5634J1Z2 | S.R .Traders | 26.07.2017 | 0.25 | 0 | 25.12.2018 | 0.11 | 0 | 0.25 | 0.11 | 0.14 |
| 17 | 27AAECV2679R1ZD | Voxtur Bio Limited | 26.07.2017 | 0.05 | 0 | 15.02.2019 | 0.15 | 0 | 0.15 | 0.05 | 0.1 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Nariman Point | | | | | | | | | | | |
| 18 | 27AAAFH4046H1ZL | Heena Gems | 18.07.2017 | 0 | 0.11 | 15.12.2018 | 0 | 0.11 | 0.11 | 0 | 0.11 |
| 19 | 27AADCP4964A1ZJ | Phonix Foils Pvt. Ltd. | 31.07.2017 | 0 | 0 | 02.01.2019 | 0.10 | 0.00 | 0.10 | 0 | 0.10 |
| 20 | 27AAAFV1261E1ZI | Varun Exports | 24.07.2017 | 0 | 0.09 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.09 | 0 | 0.09 |
| 21 | 27AAIFT5952A1Z6 | Total Security Solution | 31.07.2017 | 0 | 0 | 21.02.2019 | 0.05 | 0.02 | 0.08 | 0 | 0.08 |
| 22 | 27AAAPJ6235G1ZX | M/s Champalal & Sons | 29.07.2017 | 0.08 | 0 | 28.09.2019 | 0 | 0.04 | 0.08 | 0 | 0.08 |
| 23 | 27AAKFD4170C1ZO | M/s Dinal Diam | 17.07.2017 | 0 | 0.07 | 05.01.2019 | 0 | 0.07 | 0.07 | 0 | 0.07 |
| 24 | 27AACCD3340F1Z2 | M/s. Dojahan Trading Private Limited | 23.08.2017 | 0 | 0.07 | 01.02.2019 | 0 | 0 | 0.07 | 0 | 0.07 |
| 25 | 27AACHB4199K1ZO | M/s P. Jasvantrai and Company | 31.07.2017 | 0 | 0 | 07.12.2017 | 0.07 | 0 | 0.07 | 0 | 0.07 |
| 26 | 27AABCI8026L1ZC | M/s. Indigo Metalloys Pvt. Ltd. | 28.08.2017 | 0 | 0.17 | 08.01.2019 | 0.17 | 0 | 0.17 | 0 | 0.17 |
| 27 | 27AAACZ0103C1Z1 | M/s Zenith Birla India Ltd. | 19.07.2017 | 0.75 | 0 | 03.04.2019 | 0 | 0.75 | 0.75 | 0 | 0.75 |

| Appendix 2.5.1 (contd...) | | | | | | | | | | | |
|--|-----------------|-----------------------------------|-------------------------|--|-------------------------------|---------------------|---------------------------------------|------------------------------|---------------------|-------------------|--------------------------|
| Sl. No. | GSTIN No | Name of Tax Payers | Date of Original Return | Original Return carried forward amount | Original Return Refund amount | Revised Return Date | Revised Return Carried forward Amount | Revised Return Refund Amount | Credit taken in ECL | Admissible Credit | Irregular/ Excess Credit |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| 28 | 27AAACD4819K1ZJ | M/s. D.D. Cotton Pvt. Ltd. | 31.07.2017 | 0 | 0.55 | 28.11.2019 | 0 | 0.53 | 0.55 | 0 | 0.55 |
| 29 | 27AADCP7181M1ZV | Poddar Diamonds Ltd. | 26.08.2017 | 0.17 | 0 | 24.09.2019 | 0 | 0.16 | 0.17 | 0 | 0.17 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Raigad | | | | | | | | | | | |
| 30 | 27BAWPS7241A1ZD | M/s K.G.N. Enterprises | 26.08.2017 | 0.14 | 0 | 26.02.2019 | 0 | 0.14 | 0.14 | 0 | 0.14 |
| 31 | 27AAFCS5547N1ZQ | M/s Svizera Labs Pvt. Ltd. | 28.07.2017 | 0 | 0.01 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.10 | 0 | 0.10 |
| 32 | 27AHUPD5378D1Z1 | M/s L.B. Specialties | 29.07.2017 | 0 | 0 | 28.02.2019 | 0 | 0 | 0.10 | 0 | 0.10 |
| 33 | 27AAGFB1877N1ZZ | M/s Bajwa Marine Services | 04.09.2017 | 0.05 | 0 | 09.01.2019 | 0 | 0.05 | 0.05 | 0 | 0.05 |
| 34 | 27ACPFS4662K1ZE | M/s Shivdeep Corporation | 31.07.2017 | 0.04 | 0 | 24.02.2019 | 0.04 | 0.02 | 0.09 | 0.04 | 0.05 |
| 35 | 27AACCP0500B1ZA | M/s Paladion Networks Pvt. Ltd. | 31.07.2017 | 0.07 | 0 | 05.11.2018 | 0.10 | 0 | 0.10 | 0.07 | 0.03 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Thane City | | | | | | | | | | | |
| 36 | 27AABCO76068IZT | Ologh IT Services Pvt. Ltd. | 21.07.2017 | 0 | 0 | 12.12.2018 | 0 | 0 | 0.22 | 0 | 0.22 |
| 37 | 27AAKCS3399H1ZS | Raymond Apparel Limited | 27.07.2017 | 0 | 0 | 29.02.2020 | 0 | 0.32 | 0.32 | 0 | 0.32 |
| 38 | 27AADCT6631L1Z0 | M/s Tata Capital Services Ltd. | 31.07.2017 | 0 | 0.15 | Not filed | Not filed | Not filed | 3.29 | 3.15 | 0.14 |
| 39 | 27BKLPB8495A1Z2 | M/s MVD Air conditioning Co India | 25.09.2017 | 0 | 0.19 | 28.09.2017 | 0.10 | 0 | 0.10 | 0 | 0.10 |
| 40 | 27AANPD7713Q1Z4 | M/s New Adarsh Electrical Works | 30.07.2017 | 0 | 0 | 20.12.2017 | 0 | 0 | 0.17 | 0 | 0.17 |
| 41 | 27AABCF9091L1Z4 | M/s Finetech Alloys Pvt. Ltd. | 11.12.2017 | 0 | 0.52 | 21.12.2018 | 0.52 | 0.05 | 0.52 | 0 | 0.52 |

Appendix 2.5.1 (contd...)

| Sl. No. | GSTIN No. | Name of Tax Payers | Date of Original Return | Original Return carried forward amount | Original Return Refund amount | Revised Return Date | Revised Return Carried forward Amount | Revised Return Refund Amount | Credit taken in ECL | Admissible Credit | Irregular/ Excess Credit |
|---|------------------|-----------------------------------|-------------------------|--|-------------------------------|---------------------|---------------------------------------|------------------------------|---------------------|-------------------|--------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| 42 | 27AAECV1425F1ZK | Vcell India Impex Pvt. Ltd. | 31.07.2017 | 0 | 0 | 28.08.2017 | 0.29 | 0 | 0.29 | 0 | 0.29 |
| 43 | 27AFHPB8596C1ZC | Shree Ganesh Pharmaceutical | 26.09.2018 | 0 | 0.20 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.20 | 0 | 0.20 |
| 44 | 27AAFPL9069D1ZI | M/s Ayush Food Products | 14.08.2017 | 0 | 0.07 | 29.11.2018 | 0.07 | 0 | 0.07 | 0 | 0.07 |
| 45 | 27AABCM1570F1ZQ | Pitambari Products Pvt. Ltd. | 29.07.2017 | 0 | 0.01 | 27.03.2019 | 0 | 0.23 | 0.21 | 0 | 0.21 |
| 46 | 27ABHPD3046P1ZG | M/s Precision Steel Tube Mfg. Co. | 31.07.2017 | 0 | 0.12 | 26.02.2019 | 0.06 | 0 | 0.12 | 0 | 0.12 |
| 47 | 27AEKPM5873M1ZP | Print Shoppe | 31.07.2017 | 0 | 0.10 | 05.01.2019 | 0 | 0.10 | 0.10 | 0 | 0.10 |
| 48 | 27AAACR2108R1Z5 | Rotary Equipment Pvt. Ltd. | 19.07.2017 | 0.01 | 0.09 | 27.02.2019 | 0.10 | 0 | 0.12 | 0.01 | 0.11 |
| 49 | 27AAHCR6321H1ZC | M/s RJN Marketing Pvt. Ltd. | 20.07.2017 | 0 | 0 | 05.12.2018 | 0 | 0 | 0.13 | 0 | 0.13 |
| 50 | 27AFPPR4059G1ZY | Viva Foods | 21.07.2017 | 0 | 0.11 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.11 | 0 | 0.11 |
| 51 | 27AOC PG4182M1ZQ | Phoenix Engg. Works | 30.09.2017 | 0 | 0.06 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.11 | 0 | 0.11 |
| 52 | 27AANFG7757M1ZI | M/s Grab More Enterprises | 01.08.2017 | 0.015 | 0 | 23.08.2017 | 0.026 | 0 | 0.026 | 0.015 | 0.011 |
| 53 | 27AAHCM7564R1ZH | Mommai Apparels Limited | 26.12.2017 | 0 | 0.44 | 27.12.2017 | 0.82 | 0 | 0.68 | 0.44 | 0.24 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Pune (East) | | | | | | | | | | | |
| 54 | 27AACCD5788K1Z3 | DVS Techno Soft Private Limited | 31.07.2017 | 0 | 0.21 | 10.05.2018 | 0.23 | 0 | 0.45 | 0.21 | 0.24 |
| 55 | 27AAKFD2558G1ZC | D A Borade and Sons | 21.07.2017 | 0 | 0 | 26.02.2019 | 0 | 0 | 0.08 | 0 | 0.08 |
| 56 | 27AAACY4329D1ZG | YOB India Private Limited | 31.07.2019 | 0 | 0 | 14.01.2019 | 0 | 0.03 | 0.09 | 0 | 0.09 |

| Appendix 2.5.1 (contd...) | | | | | | | | | | | |
|--|-----------------|--|-------------------------|--|-------------------------------|---------------------|---------------------------------------|------------------------------|---------------------|-------------------|--------------------------|
| Sl. No | GSTIN No. | Name of Tax Payers | Date of Original Return | Original Return carried forward amount | Original Return Refund amount | Revised Return Date | Revised Return Carried forward Amount | Revised Return Refund Amount | Credit taken in ECL | Admissible Credit | Irregular/ Excess Credit |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| 57 | 27AADFE5236B1ZV | Enterprism India | 22.07.2017 | 0.63 | 0 | 18.01.2019 | 0.06 | 0 | 0.60 | 0.06 | 0.54 |
| 58 | 27ABDFM6383J1ZU | M S Magnesia Chemicals LLP | 31.07.2017 | 0.36 | 0 | 06.10.2017 | 0.36 | 0 | 0.44 | 0.36 | 0.08 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Pune (South) | | | | | | | | | | | |
| 59 | 27AAICS9355F1ZY | Promethean Spenta Technology Pvt. Ltd. | 18.09.2017 | 0 | 0.07 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.90 | 0 | 0.90 |
| 60 | 27ACOF3599Q1ZT | Sunbeam Paints and Coatings | 21.07.2017 | 0 | 0.02 | 13.02.2019 | 0 | 0.006 | 0.68 | 0 | 0.66 |
| 61 | 27AADCI8126M1Z7 | Innovative Electrosoft India Private Limited | 11.12.2017 | 0 | 0.09 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.09 | 0 | 0.09 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Pune (West) | | | | | | | | | | | |
| 62 | 27AABCA2153L1ZS | Amalgamated Holdings Limited | 21.07.2017 | 0 | 0 | 16.01.2021 | 0.61 | 0 | 0.61 | 0 | 0.61 |
| 63 | 27AANCA2437M1ZB | M/S Atlantis Lighting Private Limited | 29.11.2017 | 0 | 0.13 | 21.01.2019 | 0 | 0.13 | 0.21 | 0 | 0.21 |
| 64 | 27AAMFD9392A1Z8 | Duracon Projects LLP | 31.07.2017 | 0 | 0 | 31.01.2019 | 0.19 | 0 | 0.23 | 0 | 0.19 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Mandavi | | | | | | | | | | | |
| 65 | 27AACCT9399N1ZA | The Mobile Store Limited | 20-07-2017 | 0 | 0.01 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.28 | 0 | 0.28 |
| 66 | 27AAACU5676R1ZF | Union Chains and Jeweleries Pvt. Ltd. | 31-07-2017 | 0 | 0 | 29.12.2017 | 0 | 0.21 | 0.21 | 0 | 0.21 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Mazgaon | | | | | | | | | | | |
| 67 | 27AAHCA6486A1ZP | Anamclean Environment Pvt. Ltd. | 22-08-2017 | 0 | 0.1 | 24.08.2017 | 0 | 0.1 | 0.12 | 0 | 0.12 |
| 68 | 27AABCU5142M1Z3 | Ceat Specialty Tyres Ltd. | 31.07.2017 | 0.65 | 0 | 27.03.2019 | 0 | 1.34 | 0.75 | 0 | 0.65 |

Appendix 2.5.1 (contd...)

| Sl. No | GSTIN No. | Name of Tax Payers | Date of Original Return | Original Return carried forward amount | Original Return Refund amount | Revised Return Date | Revised Return Carried forward Amount | Revised Return Refund Amount | Credit taken in ECL | Admissible Credit | Irregular/ Excess Credit |
|--|-----------------|---|-------------------------|--|-------------------------------|---------------------|---------------------------------------|------------------------------|---------------------|-------------------|--------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| 69 | 27AACCK4908L1ZA | Kamarli Steels Pvt. Ltd. | 02.09.2017 | 0 | 0 | 05.09.2017 | 0.07 | 0 | 0.15 | 0 | 0.08 |
| 70 | 27AAACV1897K1ZT | VHM Industries Ltd. | 28.07.2017 | 0.15 | 0 | 27.09.2019 | 0.22 | 0.07 | 0.25 | 0.15 | 0.1 |
| 71 | 27AASCS9389R1ZP | Sureflo Techcon Pvt. Ltd. | 28.08.2017 | 0 | 0 | 13.12.2018 | 0 | 0.001 | 0.34 | 0 | 0.34 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Fort | | | | | | | | | | | |
| 72 | 27AAGPS4712D1ZU | D R Associate | 31.07.2017 | 0.0058 | 0 | 23.08.2017 | 0.4 | 0 | 0.40 | 0.0058 | 0.3942 |
| Name of Division : Joint Commissioner, Andheri | | | | | | | | | | | |
| 73 | 27AACCD7985L1ZY | Diest Industries Pvt. Ltd. | 29.11.2017 | 0.25 | 0 | 26.02.2019 | 0 | 0.25 | 0.24 | 0 | 0.24 |
| 74 | 27AAACV1300M1ZJ | Vedant Dyestuffs Intermediate Pvt. Ltd. | 29.07.2017 | 0 | 0.2 | 14.06.2018 | 0 | 0.2 | 0.20 | 0 | 0.20 |
| 75 | 27ABNFS2780F1ZU | S.R. Enterprises | 22.09.2017 | 0 | 0.11 | Not filed | Not filed | Not filed | 0.19 | 0 | 0.19 |
| Name of Division : Joint Commissioner, LTU-1 Mumbai | | | | | | | | | | | |
| 76 | 27AAFCC6808E1ZR | Crayon Software Experts India Pvt. Ltd. | 26.07.2017 | 0 | 0 | 30.03.2019 | 0 | 0.06 | 0.35 | 0 | 0.35 |
| 77 | 27AACCM4684P1ZR | Metro Cash Carry India Pvt. Ltd. | 31.07.2017 | 0 | 0.83 | 24.10.2017 | 0 | 1.08 | 1.46 | 0 | 1.46 |
| 78 | 27AEQPG0751G1ZJ | Aspire Incorporation | 24.07.2017 | 0.19 | 0 | 15.01.2019 | 0 | 0.23 | 0.19 | 0 | 0.19 |
| 79 | 27AAACF0253H1Z0 | M/ F.D.C. Ltd. | 31.07.2017 | 0 | 1.48 | 02.08.2019 | 0 | 1.61 | 0.76 & 0.84 | 0 | 1.6 |
| 80 | 27AAACZ2155N1ZY | Zenith Dye intermediates Ltd. | 21.08.2017 | 0 | 0.19 | 16.03.2019 | 0 | 0.19 | 0.19 | 0 | 0.19 |
| 81 | 27AACCM0488P1ZX | M/s Mercury Car Rentals Pvt. Ltd. | 28.07.2017 | 0 | 0 | 22.09.2017 | 0 | 0 | 4.01 | 0 | 4.01 |
| 82 | 27AAACN1252A1Z5 | M/s Navnit Motors Pvt. Ltd. | 24.07.2017 | 0.61 | 0 | 22.08.2017 | 0.63 | 0 | 0.63 | 0 | 0.63 |

| Appendix 2.5.1 (concl...) | | | | | | | | | | | |
|--|-----------------|--|-------------------------|--|-------------------------------|---------------------|---------------------------------------|------------------------------|---------------------|--------------------|--------------------------|
| Sl. No | GSTIN No. | Name of Tax Payers | Date of Original Return | Original Return carried forward amount | Original Return Refund amount | Revised Return Date | Revised Return Carried forward Amount | Revised Return Refund Amount | Credit taken in ECL | Admissi-ble Credit | Irregular/ Excess Credit |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| Name of Division : Joint Commissioner, LTU-2 Mumbai | | | | | | | | | | | |
| 83 | 27AAACS0705K1ZJ | Sudal Industries Limited | 29.07.2017 | 0 | 1.29 | 29.11.2019 | 0 | 0.25 | 0.25 | 0 | 0.25 |
| 84 | 27AAACG4414B1Z8 | Glaxo smithk line Pharmaceuticals Ltd. | 21.07.2017 | 0.61 | 0 | 26.08.2019 | 0 | 2.43 | 0.61 | 0 | 0.61 |
| 85 | 27AAACS6994C1Z5 | Shapoorji Pallonji Company Pvt. Ltd. | 30.07.2017 | 0.01 | 0 | 20.10.2017 | 2.06 | 0 | 2.05 | 0.01 | 2.04 |
| Name of Division : Joint Commissioner, LTU-2 Pune | | | | | | | | | | | |
| 86 | 27AAPFB2057B1ZP | Bora and Bora Technologies LLP | 31.07.2017 | 0 | 0.41 | 19.08.2019 | 0 | 0.46 | 0.46 | 0 | 0.46 |
| | | | | | | | | | | Total | 26.92 |

Appendix 2.5.2

(Reference: Paragraph 2.5.8.2; Page 43)

Irregular credit carried forward under Sn.140(1), 140(4)(a), as per Table 5c without filing legacy return

(₹ in crore)

| Sl. No. | GSTIN | Name of the Taxpayer | Name of the Division | Period for which legacy return not filed (between January to June 2017) | | | Credit taken in ECL |
|---------|-----------------|---|----------------------|---|--------|--------------|---------------------|
| | | | | From | To | Total period | |
| 1 | 27AAFPG3345P1ZF | M/s. Smt. Jainee Piyush Gangar | JC Borivali | Jan-17 | Jun-17 | 6 months | 0.35 |
| 2 | 27AAGCM8622B1ZM | M/s. MAAD Relators & Infra comp. Ltd., Mumbai | JC Goregoan | Jan-17 | Jun-17 | 6 months | 3.05 |
| 3 | 27AAGFG8459D1Z7 | M. S. Green Power Solutions | JC Raigad | Jan-17 | Mar-17 | 3 months | 0.83 |
| 4 | 27AAWCS7040M1ZJ | M/s Samai Healthcare Pvt. Ltd. | JC Thane City | Jan-17 | Mar-17 | 3 months | 0.07 |
| 5 | 27AETPM3540G1Z9 | M/s Neo builders & Developers | J C Narimanpoint | Jan-17 | Jun-17 | 6 months | 0.34 |
| 6 | 27AABCL4861A1ZT | Lohr India Automotive Private Limited | JC Pune (North) | May-17 | May-17 | 1 month | 0.17 |
| 7 | 27AAFPC2784C1ZF | Precast India Infrastructures Private Limited | JC LTU-2 Pune | May-17 | Jun-17 | 2 month | 0.46 |
| 8 | 27AAPFS1542Q1ZH | Steel Fab Engineering Corporation | JC Mazgaon | Jan-17 | Jun-17 | 6 months | 2.72 |
| | | | | | | Total | 7.99 |

Appendix 2.5.3

(Reference: Paragraph 2.5.8.3.; Page 43)

Irregular availment of credit from previous legacy returns

(₹ in crore)

| Sl. No. | GSTN No. | Name of Tax Payers | Name of Division | Month of return objected | Credit Carried Forward shown in objected month | Amount of Refund claimed in objected month | Admissible credit as per Audit to be carried forward | Credit carried forward in June 2017 | Excess Credit |
|---------|-----------------|-------------------------|------------------|--------------------------|--|--|--|-------------------------------------|---------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1 | 27AANCS3404N1ZY | Shaman Wheels Pvt. Ltd. | LTU-002, Mumbai | Apr-17 | 9.31 | 0.02 | 0 | 4.41 | 4.41 |
| 2 | 27AAACW0387R1ZN | Wipro Limited | JC LTU-01 Mumbai | May-17 | 0 | 1.13 | 0 | 1.13 | 1.13 |
| | | | | | | | | TOTAL | 5.54 |

Appendix 2.5.4

(Reference: Paragraph 2.5.8.5.; Page 44)

Irregular carry forward of Unavailed Cenvat credit in respect of capital goods under Section 140(2) as per Table 6(b)

(₹ in crore)

| Sl. No. | GSTIN | Name of the Taxpayer | Name of Division | Amount of credit claimed in Table 6-b of TRAN-1 | Credit of MGST taken in the Electronic Credit Ledger | | SGST Amount objected |
|---------|-----------------|--|-------------------|---|--|--------------|----------------------|
| | | | | | Amount | Date | |
| 1 | 27AAACO2563P1Z1 | Orix Auto Infrastructure Services Ltd. | LTU-002 Mumbai | 9.66 | 9.66 | 28.08.2017 | 9.66 |
| 2 | 27AAGCA5212K1ZR | Arval India Pvt. Ltd. | LTU-002 Mumbai | 3.74 | 3.74 | 17.11.2017 | 3.74 |
| | | | | | | Total | 13.40 |

Appendix 2.5.5

(Reference: Paragraph 2.5.8.7.; Page 47)

Irregular availment of credit of taxes on input held in stock or inputs contained in semi-finished or finished goods held in stock under Section 140(4)(b), 140(6) & 140(7) by Builders & Developers

(₹ in crore)

| Sl. No. | GSTIN | Name of the Tax payer | Name of the Division | Credit claimed in column 8 of Table 7-c of SAP TRAN-1 (₹) | | | Credit claimed on inputs lying in stock or inputs contained in finished goods lying in stock in column 8 of Table 7-c of Boweb TRAN-1 | Credit carried over as SGST in the Electronic Credit Ledger | | SGST Amount objected |
|---------|------------------|-----------------------------------|----------------------|---|---|-------|---|---|------------|----------------------|
| | | | | On Inputs lying in stock | On Inputs contained in semi-finished/ finished goods lying in stock | Total | | Amount | Date | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) |
| 1 | 27AAICM0604K1ZJ | Xrbia Abode Developers Pvt. Ltd. | Ghatkopar | 0 | 0.11 | 0.11 | 0.11 | 0.32 | 25.12.2017 | 0.11 |
| 2 | 27AABAJ5177F1ZM | M/S Jai Kul Associates | Ghatkopar | 0 | 0.12 | 0.12 | 0.12 | 0.54 | 27.12.2017 | 0.12 |
| 3 | 27AADFL5509N1ZZ | Larking Realators | Thane City | 0 | 0.71 | 0.71 | 0.71 | 0.80 | 27.12.2017 | 0.80 |
| 4 | 27AAOFK2187J1ZT | M S Kruti Constructions | Pune South | 0.15 | 0 | 0.15 | 0.15 | 0.22 | 26.12.2017 | 0.15 |
| 5 | 27AAIFN5426B1ZH | Nahar Homes LLP | Pune West | 0 | 0.41 | 0.41 | 0.41 | 0.66 | 25.12.2017 | 0.41 |
| 6 | 27AAECG7846JF1ZE | Xrbia Chakan Developers Pvt. Ltd. | Pune West | 0 | 0.22 | 0.22 | 0.22 | 0.47 | 26.12.2017 | 0.47 |
| 7 | 27ABAPM3697A1ZS | Renuka constructions | Pune East | 0.54 | 0 | 0.54 | 0.54 | 0.77 | 30.11.2017 | 0.54 |
| 8 | 27AADCC3425D1Z4 | Caroa Properties | Fort | 0 | 0.04 | 0.04 | 0.04 | 0.46 | 25.10.2017 | 0.04 |
| 9 | 27AABCB3630P1ZJ | Bharat Infrastructure | Andheri | 0 | 0.82 | 0.82 | 0.82 | 1.13 | 24.11.2017 | 0.82 |

Appendix 2.5.5 (concl...

| Sl. No. | GSTIN | Name of the Tax payer | Name of the Division | Credit claimed in column 8 of Table 7-c of SAP TRAN-1 (₹) | | | Credit claimed on inputs lying in stock or inputs contained in finished goods lying in stock in column 8 of Table 7-c of Boweb TRAN-1 | Credit carried over as SGST in the Electronic Credit Ledger | | SGST Amount objected |
|---------|------------------|-----------------------------|----------------------|---|---|-------|---|---|--------------|----------------------|
| | | | | On Inputs lying in stock | On Inputs contained in semi-finished/ finished goods lying in stock | Total | | Amount | Date | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) |
| 10 | 27AAOCS9607A1Z7 | Skylark Realtors | Andheri | 0.14 | 0.12 | 0.26 | 0.31 | 0.81 | 19.12.2017 | 0.12 |
| 11 | 27AAFRCR6616R1ZN | Raj Arcades Homes Pvt. Ltd. | JC Kandivali | 0.004 | 0.59 | 0.59 | 0.59 | 0.82 | 28.08.2017 | 0.59 |
| 12 | 27AAGHA4110F1ZX | Mark Machine Tools | JC Fort Mumbai | 0 | 0.08 | 0.08 | 0.08 | 0.18 | 27.12.2017 | 0.08 |
| | | | | | | | | | Total | 4.25 |

Appendix 2.6.1

(Reference: Paragraph 2.6.6.2; Page 53)

Statement showing cases where Excess payment of GST Refund due to issue of double payment advice. (Tax payer repaid the excess refund)

(in ₹)

| Sr. No. | Name of Division | Name of the Taxpayer/ GSTIN No. | Type of Refund/ ARN No. & Date | Date of refund order | Refund amount Sanctioned | First Payment Advice Number & date | Second Payment Advice Number & date | Amount | Total Excess amount | Date of Re-payment of Excess refund | Period of delay | Interest leviable for period of delay | Interest recovered/ Due |
|---------|-----------------------|---|---|----------------------|--------------------------|--|---|---------|---------------------|--|------------------------|---------------------------------------|-------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| 1 | JC, Bandra Nodal-5 | Sanghvi & Sons/ 27AAAFS3192F1Z9 | Provisional/ AA271219094568K /21.12.2019 | 14.01.2020 | 2400588 | ZA2701200341283 /14.01.2020 (RFD-04) | ZA27012003411449/ 14.01.2020 (RFD-04) | 2400588 | 2400588 | 03.02.2020 | 0 month 20 days | 24006 | 0/24006 |
| 2 | JC, Borivali | Sanjay Diamonds / 27AATFS8747D1ZJ | Provisional/ AA2712191187128 / 27.12.2019 | 18.01.2020 | 75160 | ZA270120048952Q /20.01.2020 (RFD-04) | ZA270120048938G/ 20.01.2020 (RFD-04) | 75160 | 75160 | 03.02.2020 | 0 month 14 days | 526 | 0/526 |
| 3 | JC, Ghatkopar | K.J. Overseas/ 27AAIPB7109F1Z0 | Provisional/ AA2712190576330 /13.12.2019 | 16.01.2020 | 11402 | ZA270120041797N /16.01.2020 (RFD-04) | ZA270120041809Q/ 16.01.2020 (RFD-04) | 11402 | 11402 | 28.01.2020 | 0 month 12 days | 68 | 0/68 |
| 4 | JC, Mandvi | Rilievi India Private Limited/ 27AAGCR7691R1Z9 | Final/ AA271219051568V /12.12.2019 | 16.01.2020 | 90450 | ZA270120039677L /16.01.2020 (RFD-06) | ZA270120039704W/ 16.01.2020 (RFD-06) | 90450 | 90450 | 03.02.2020 | 0 month 17 days | 769 | 0/769 |
| 5 | JC, Mazgaon Nodal-4 | Ishwar Exports/ 27AAAFI0081K1ZI | Provisional/ AA2712190773605 /18.12.2019 | 21.01.2020 | 3013984 | ZA270120051438V /21.01.2020 (RFD-04) | ZA2701200514450/ 21.01.2020 (RFD-04) | 3013984 | 3013984 | 03.02.2020 | 0 month 12 days | 18084 | 0/18084 |
| 6 | JC, Mulund Nodal-13 | Cos Mate Products LLP/ 27AAKFC1844J1ZB | Provisional/ AA2711191326249 /22.11.2019 | 22.01.2020 | 815507 | ZA270120056217Y /22.01.2020 (RFD-04) | ZA2701200562433/ 22.01.2020 (RFD-04) | 815507 | 815507 | 06.02.2020 | 0 month 14 days | 5709 | 0/5709 |
| 7 | JC, Nashik | Chandan Textiles/ 27ABBPM4052G1ZW | Final/ AA271219001702J/ 02.12.2019 | 20.01.2020 | 2723408 | ZA2701200503362/ 20.01.2020 (RFD-06) | ZA270120050339W/ 20.01.2020 (RFD-06) | 2723408 | 2723408 | 24.02.2020 25.02.2020 26.08.2021 | 01 Month 04 days | 46298 | 61300/0 |
| 8 | JC, Pune East Nodal-1 | Grovel Precicomp Private Limited/ 27AAHCG5361L1Z8 | Final/ AA271119158964P /27.11.2019 | 21.01.2020 | 24684 | ZA2701200517206/ 21.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200517032/ 21.01.2020 (RFD-06) | 24684 | 24684 | 03.02.2020 | 0 month 12 days | 148 | 0/148 |
| 9 | JC, Pune East Nodal-1 | Achliya Infotech Private Limited/ 27AAQCA8394J1ZU | Final/ AA2712190775601 /18.12.2019 | 21.01.2020 | 792 | ZA270120051818P/ 21.01.2020 (RFD-06) | ZA270120051794R/ 21.01.2020 (RFD-06) | 792 | 792 | 04.02.2020 | 0 month 14 days | 6 | 0/6 |
| 10 | JC, Thane City | Alam Textiles/ 27AYEPS3042E1ZK | Final/ AA2712190542365 /13.12.2019 | 20.01.2020 | 539960 | ZA270120049537P/ 20.01.2020 (RFD-06) | ZA270120049523Y/ 20.01.2020 (RFD-06) | 539960 | 539960 | 07.02.2020 | 0 month 18 days | 4860 | 0/4860 |
| 11 | JC, Thane City | S. F. Textiles/ 27BJPPK6429Q1Z8 | Final/ AA271219063151E /15.12.2019 | 14.01.2020 | 378758 | ZA2701200358121/ 14.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200355787M /14.01.2020 (RFD-06) | 378758 | 378758 | 25.02.2020 | 01 month 11 days | 2083 | 0/2083 |
| 12 | JC, Thane Rural | Angadpal Industries Private Ltd./ 27AACCA5854D1ZU | Provisional/ AA271219083794O /19.12.2019 | 20.01.2020 | 1015316 | ZA2701200504336/ 20.01.2020 (RFD-04) | ZA270120050429V/ 20.01.2020 (RFD-04) | 1015316 | 1015316 | 29.01.2020 | 0 month 09 days | 4569 | 0/4569 |

Appendix 2.6.1 (concl...)

| Sr. No. | Name of Division | Name of the Taxpayer/ GSTIN No. | Type of Refund/ ARN No. & Date | Date of refund order | Refund amount Sanctioned | First Payment Advice Number & date | Second Payment Advice Number & date | Amount | Total Excess amount | Date of Re-payment of Excess refund | Period of delay | Interest leviable for period of delay | Interest recovered/ Due |
|----------------|-------------------------|--|---|-----------------------------|---------------------------------|---|--|---------------|----------------------------|--|------------------------|--|--------------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| 13 | JC, Nagpur | Shriram Food Industry Private Limited/ 27AAUCS1765R1Z7 | Provisional/ AA271219111360M / 25.12.2019 | 16.01.2020 | 586848 | ZA2701200405253/ 16.01.2020 (RFD-04) | ZA2701200405063/ 16.01.2020 (RFD-04) | 586848 | 586848 | 06.02.2020 | 0 month 20 days | 5868 | 0/5868 |
| 14 | JC, Mulund Nodal-13 | AMIT BANGLES/27AABPY 3797K1ZV | Final/ AA271119133505A /22.11.2019 | 17.01.2020 | 81685 | ZA2701200435432/ 17.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200435531/ 17.01.2020 (RFD-06) | 81685 | 81685 | 9.9.2021 | 19 months 21 days | 24138 | 0/24138 |
| 15 | JC, Nashik | Sona Sikka Fabrics/ 27AAQPH9602K1Z9 | Final/ AA271219053467X /12.12.2019 | 20.01.2020 | 874730 | ZA2701200502942/ 20.01.2020 (RFD-06) | ZA270120050312C/ 20.01.2020 (RFD-06) | 874730 | 874730 | 25.08.2021 27.08.2021 | 19 Months 05 Days | 251485 | 262420/0 |
| | | | | | | | | Total | 12633272 | | | 388616 | 323942/ 90833 |

Appendix 2.6.2

(Reference: Paragraph 2.6.6.2 ; Page 53)

Statement showing cases where Excess payment of GST Refund due to issue of double payment advice. (Tax payer not repaid the excess refund)

(in ₹)

| Sr. No. | Name of Division | Name of the Taxpayer | Type of Refund/ ARN No. & Date | Date of refund order | Refund Amount Sanctioned | First Payment Advice Number & date | Second Payment Advice Number & date | Amount | Total Excess amount | Period of delay | Interest leviable for period of delay | Interest paid/Due |
|---------|------------------|---|--|----------------------|--------------------------|--|--|--------------|---------------------|----------------------|---------------------------------------|-------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) |
| 1 | JC, Kandivali | Kirit Ratilal Raja/ 27AAAPR4783P1ZX | Final/ AA271119022201S/ 06.11.2019 | 23.01.2020 | 33130 | ZA270120060061D/ 23.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200600639/ 23.01.2020 (RFD-06) | 33130 | 33130 | 19 months 11 days | 9624 | 0/9624 |
| 2 | JC, Kandivali | Chemocid Impex Pvt. Ltd./ 27AAACC2243C1ZB | Provisional/ AA2710190165179/ 05.10.2019 | 14.10.2019 | 2154713 | ZA2701200610539/ 23.01.2020 (RFD-04) | ZA270120060996/ 23.01.2020 (RFD-04) | 2154713 | 2154713 | 19 months 11 days | 625944 | 0/625944 |
| 3 | JC, Kolhapur | Suryakant Rajaram Neje/ 27AANPN6103C1ZX | Final/ AA271119146756U/ 25.11.2019 | 10.01.2020 | 25592 | ZA270120031419Z/ 13.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200314082/ 13.01.2020 (RFD-06) | 25592 | 25592 | 19 months 21 days | 7562 | 0/7562 |
| 4 | JC, Santacruz | Arv Engineering Co LLP/ 27ABJFA2735N1Z4 | Provisional/ AA271119051541D/ 12.11.2019 | 18.01.2020 | 365983 | ZA270120051886M/ 21.01.2020 (RFD-04) | ZA270120051898H/ 21.01.2020 (RFD-04) | 365983 | 365983 | 19 month 13 days | 106684 | 0/106684 |
| 5 | JC,, Thane City | BK Textiles/ 27AFHPB0122Q1ZL | Final/ AA271119009085D/ 04.11.2019 | 21.01.2020 | 993696 | ZA270120053673V/ 21.01.2020 (RFD-06) | ZA270120053725U/ 21.01.2020 (RFD-06) | 993682 | 993682 | 19 months 07 days | 286677 | 0/286677 |
| 6 | JC, Thane City | Radhakrishna Textiles/ 27AADHK2780C1ZG | Final/ AA271219090454Z/ 20.12.2019 | 20.01.2020 | 230755 | ZA2701200500558/ 20.01.2020 (RFD-06) | ZA2701200500368/ 20.01.2020 (RFD-06) | 230755 | 230755 | 19 months 08 days | 66688 | 0/66688 |
| 7 | JC, Thane City | Greentex Exports India Private Limited/ 27AAECG4272B1ZW | Provisional/ AA271219115997P/ 26.12.2019 | 18.01.2020 | 1818924 | ZA270120046130E/ 18.01.2020 (RFD-04) | ZA270120046139W/ 18.01.2020 (RFD-04) | 1818924 | 1818924 | 19 months 10 days | 527488 | 0/527488 |
| | | | | | | | | Total | 5622779 | | 1630668 | 0/1630668 |

Appendix 2.6.3

(Reference: Paragraph 2.6.7.1; page 54)

Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Delay in acknowledgement of applications) pre-automation

| Sl. No. | Name of Auditee Unit (Division) | No. of refund cases examined by the Audit | No. of refund cases in which delay in acknowledgement noticed | Period of delay | Delay Up to 3 months | Delay upto 3 to 6 months | Delay more than 6 month |
|---------|---|---|---|-----------------|----------------------|--------------------------|-------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) |
| 1 | Joint Commissioner, LTU-1, Pune | 82 | 13 | 03-353 | 12 | 0 | 1 |
| 2 | Joint Commissioner, LTU-2, Pune | 48 | 33 | 03-175 | 27 | 6 | 0 |
| 3 | Joint Commissioner, Nodal-1, Pune | 40 | 19 | 01-440 | 15 | 1 | 3 |
| 4 | Joint Commissioner, Nodal-2, Pune | 12 | 10 | 01-282 | 6 | 2 | 2 |
| 5 | Joint Commissioner, Nodal-3, Pune | 12 | 3 | 18-61 | 3 | 0 | 0 |
| 6 | Joint Commissioner, Nodal-4, Pune | 54 | 27 | 1-387 | 21 | 5 | 1 |
| 7 | Joint Commissioner, Nodal-04, Mazgaon | 38 | 15 | 6-585 | 10 | 2 | 3 |
| 8 | Joint Commissioner, Nodal-7, Andheri, Mazgaon, Mumbai | 52 | 32 | 8-333 | 19 | 5 | 8 |
| 9 | Joint Commissioner, Mumbai-LTU-01 | 138 | 82 | 1-335 | 71 | 7 | 4 |
| 10 | Joint Commissioner, Fort (Nodal-1) Mazgaon, Mumbai | 48 | 13 | 2-102 | 12 | 1 | 0 |
| 11 | Joint Commissioner, Goregaon Division | 27 | 13 | 2-264 | 9 | 1 | 3 |
| 12 | Joint Commissioner, Mumbai LTU-03 | 29 | 22 | 1-383 | 19 | 1 | 2 |
| 13 | Joint Commissioner, Mumbai LTU-04 | 34 | 14 | 2-368 | 9 | 4 | 1 |
| 14 | Joint Commissioner, Nagpur | 86 | 42 | 02-333 | 35 | 4 | 3 |
| 15 | Joint Commissioner, Nodal-5 (Bandra) | 52 | 37 | 5-201 | 35 | 1 | 1 |
| 16 | Joint Commissioner, Thane (city) Division | 134 | 71 | 1-463 | 45 | 15 | 11 |
| | TOTAL | 886 | 446 | 0 | 348 | 55 | 43 |

Appendix 2.6.4

(Reference: Paragraph 2.6.7.1.; Page 54)

Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Delay in acknowledgement of applications) Post Automation

| Sl. No. | Name of Division | No. of refund applications examined from the sample by Audit | Total No. of refund cases in which delay in acknowledgement noticed | Range of delay in days | Delay Up to 3 months | Delay upto 3 to 6 months | Delay more than 6 month |
|---------|--|--|---|------------------------|----------------------|--------------------------|-------------------------|
| 1 | Joint Commissioner, LTU-01, Pune | 32 | 3 | 2-5 | 3 | 0 | 0 |
| 2 | Joint Commissioner, Mazgaon, Mumbai | 16 | 3 | 5-31 | 3 | 0 | 0 |
| 3 | Joint Commissioner, Nodal-7, Andheri, Mumbai | 26 | 12 | 3-113 | 9 | 3 | 0 |
| 4 | Joint Commissioner, Aurangabad Division | 23 | 5 | 3-43 | 5 | 0 | 0 |
| 5 | Joint Commissioner, Borivali Division | 24 | 3 | 1-58 | 3 | 0 | 0 |
| 6 | Joint Commissioner, Fort Division | 62 | 18 | 1-81 | 18 | 0 | 0 |
| 7 | Joint Commissioner, Ghatkopar Division | 5 | 2 | 11-20 | 2 | 0 | 0 |
| 8 | Joint Commissioner, Goregaon Division | 32 | 16 | 2-72 | 16 | 0 | 0 |
| 9 | Joint Commissioner, Kandivali Division | 9 | 4 | 7-15 | 4 | 0 | 0 |
| 10 | Joint Commissioner, Kolhapur Division | 42 | 6 | 1-9 | 6 | 0 | 0 |
| 11 | Joint Commissioner, Mandavi Division | 10 | 4 | 2-39 | 4 | 0 | 0 |
| 12 | Joint Commissioner, Mulund Division | 8 | 3 | 2-41 | 3 | 0 | 0 |
| 13 | Joint commissioner, Mumbai-LTU-01 | 61 | 8 | 01 to 36 | 8 | 0 | 0 |
| 14 | Joint commissioner, Mumbai-LTU-03 | 26 | 3 | 04 to 25 | 3 | 0 | 0 |
| 15 | Joint commissioner, Mumbai-LTU-04 | 10 | 3 | 01 to 04 | 3 | 0 | 0 |
| 16 | Joint Commissioner, Mumbai-LTU-02 | 13 | 4 | 01 to 164 | 3 | 1 | 0 |
| 17 | joint Commissioner, Nagpur Division | 33 | 7 | 1-49 | 7 | 0 | 0 |
| 18 | joint Commissioner, Nanded Division | 2 | 1 | 9 | 1 | 0 | 0 |
| 19 | Joint Commissioner, Nariman Point Division | 21 | 9 | 1-35 | 9 | 0 | 0 |
| 20 | Joint Commissioner, Nashik Division | 73 | 28 | 1-95 | 27 | 1 | |
| 21 | Joint Commissioner, Nodal -2 Pune West | 23 | 5 | 10-53 | 5 | 0 | 0 |
| 22 | Joint Commissioner, Nodal -3 Pune | 12 | 1 | 111 | 0 | 1 | 0 |
| 23 | Joint Commissioner, Nodal-5 (Bandra) | 7 | 5 | 2-22 | 5 | 0 | 0 |
| 24 | Joint Commissioner, Nodal-4 Pune South | 37 | 9 | 1-14 | 9 | 0 | 0 |
| 25 | Joint Commissioner, Nodal-1 Pune | 32 | 9 | 2-25 | 9 | 0 | 0 |
| 26 | Joint Commissioner, Pune LTU-02 | 16 | 2 | 2-39 | 2 | 0 | 0 |
| 27 | Joint Commissioner, Raigad | 63 | 13 | 2-44 | 13 | 0 | 0 |
| 28 | Joint Commissioner, Sakinaka | 20 | 6 | 2-64 | 6 | 0 | 0 |
| 29 | Joint Commissioner, Santakruz Division | 25 | 9 | 3-26 | 9 | 0 | 0 |
| 30 | Joint Commissioner, Solapur Division | 19 | 3 | 1-3 | 3 | 0 | 0 |
| 31 | Joint Commissioner, Thane City Division | 211 | 80 | 1-51 | 80 | 0 | 0 |
| 32 | Joint Commissioner, Thane Rural Division | 75 | 29 | 1-70 | 29 | 0 | 0 |
| | TOTAL | 1068 | 313 | | 307 | 6 | 0 |

Appendix 2.6.5
(Reference: Paragraph 2.6.7.2; Page 56)

Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Provisional refund on account of zero rated supply not sanctioned within time)

Pre-automation

| Sl. No. | Name of Division | No. of refund applications examined by Audit from the sample | No. of refund cases in which audit objections noticed | Period of delay | Delay Up to 3 months | Delay upto 3 to 6 months | Delay more than 6 months |
|---------|--------------------------------------|--|---|-----------------|----------------------|--------------------------|--------------------------|
| 1 | JCST, LTU-1, Pune | 77 | 32 | 1-151 | 31 | 1 | 0 |
| 2 | JCST, LTU-2, Pune | 34 | 22 | 1-21 | 22 | 0 | 0 |
| 3 | JCST, Nagpur | 53 | 26 | 1-73 | 26 | 0 | 0 |
| 4 | JCST, Nodal-1, Pune | 34 | 9 | 1-81 | 9 | 0 | 0 |
| 5 | JCST, Nodal-2, Pune | 7 | 4 | 4-5 | 4 | 0 | 0 |
| 6 | JCST, Nodal-3, Pune | 6 | 1 | 44 | 1 | 0 | 0 |
| 7 | JCST, Nodal-4, Pune | 41 | 12 | 1-52 | 12 | 0 | 0 |
| 8 | JCST, Nodal-04, Mazgaon, Mumbai | 27 | 5 | 1-87 | 5 | 0 | 0 |
| 9 | JCST, Nodal-7 Mazgaon, Mumbai | 37 | 6 | 3-102 | 5 | 1 | 0 |
| 10 | JCST, Mumbai-LTU-01 | 121 | 44 | 1-68 | 44 | 0 | 0 |
| 11 | JCST, Fort (Nodal-1) Mazgaon, Mumbai | 17 | 2 | 6-17 | 2 | 0 | 0 |
| 12 | JCST, Goregaon Division | 20 | 7 | 2-136 | 6 | 1 | 0 |
| 13 | JCST, Mumbai-LTU-03 | 20 | 16 | 1-240 | 15 | 0 | 1 |
| 14 | JCST, Mumbai-LTU-04 | 26 | 15 | 1-64 | 15 | 0 | 0 |
| 15 | JCST, Nodal-5 (Bandra) | 41 | 8 | 3-208 | 7 | 0 | 1 |
| 16 | JCST, Thane (City) Division | 40 | 18 | 5-211 | 15 | 2 | 1 |
| | TOTAL | 601 | 227 | | 219 | 5 | 3 |

Appendix 2.6.6

(Reference: Paragraph 2.6.7.2; Page 56)

List of Refund cases in which deficiency noticed (Provisional refund on account of zero rated supply not sanctioned within time) Post-automation

| Sl. No. | Name of Division | No. of zero rated refund cases examined by the Audit from sample | No. of refund cases in which audit objections noticed | Period of delay in days | Delay Up to 3 months | Delay upto 3 to 6 months | Delay more than 6 month |
|---------|--|--|---|-------------------------|----------------------|--------------------------|-------------------------|
| 1 | Joint Commissioner, LTU-001, Pune | 25 | 9 | 1-54 | 9 | 0 | 0 |
| 2 | Joint commissioner, Mazgaon, Mumbai | 6 | 2 | 2 | 2 | 0 | 0 |
| 3 | Joint Commissioner, Aurangabad | 2 | 2 | 5-10 | 2 | 0 | 0 |
| 4 | Joint Commissioner, Borivali | 1 | 1 | 38 | 1 | 0 | 0 |
| 5 | Joint Commissioner, Fort | 23 | 7 | 3-145 | 5 | 2 | 0 |
| 6 | Joint Commissioner, Ghatkopar | 2 | 2 | 56-104 | 1 | 1 | 0 |
| 7 | Joint Commissioner, Goregaon | 19 | 14 | 3 to 75 | 14 | 0 | 0 |
| 8 | Joint Commissioner, Kolhapur | 11 | 6 | 7-53 | 6 | 0 | 0 |
| 9 | Joint Commissioner, Mandvi | 4 | 1 | 3 | 1 | 0 | 0 |
| 10 | Joint Commissioner, Mumbai-LTU-01 | 36 | 14 | 3 to 64 | 14 | 0 | 0 |
| 11 | Joint Commissioner, Mumbai -LTU-03 | 22 | 8 | 1 to 59 | 8 | 0 | 0 |
| 12 | Joint Commissioner, Mumbai-LTU-04 | 5 | 4 | 4 to 30 | 4 | 0 | 0 |
| 13 | Joint Commissioner, Mumbai-LTU-02 | 6 | 5 | 4-33 | 5 | 0 | 0 |
| 14 | Joint Commissioner, Nagpur | 6 | 4 | 1-51 | 4 | 0 | 0 |
| 15 | Joint Commissioner, Nariman Point | 10 | 3 | 4-5 | 3 | 0 | 0 |
| 16 | Joint Commissioner, Nashik | 34 | 27 | 1-137 | 26 | 1 | 0 |
| 17 | Joint commissioner, Nodal-2, Pune (West) | 14 | 10 | 1-23 | 10 | 0 | 0 |
| 18 | Joint commissioner, Nodal-3, Pune | 5 | 2 | 1-9 | 2 | 0 | 0 |
| 19 | Joint commissioner, Nodal-04, Pune (South) | 23 | 9 | 2-40 | 9 | 0 | 0 |
| 20 | Joint Commissioner, Nodal-1, Pune | 21 | 8 | 2-33 | 8 | 0 | 0 |
| 21 | Joint Commissioner, Pune-LTU-2 | 12 | 6 | 4-167 | 5 | 1 | 0 |
| 22 | Joint Commissioner, Raigad | 39 | 12 | 2-81 | 12 | 0 | 0 |
| 23 | Joint Commissioner, Sakinaka | 8 | 3 | 4 to 11 | 3 | 0 | 0 |
| 24 | Joint Commissioner, Santakruz | 14 | 11 | 3-133 | 10 | 1 | 0 |
| 25 | Joint Commissioner, Solapur | 8 | 6 | 4-17 | 6 | 0 | 0 |
| 26 | Joint Commissioner, Thane City | 14 | 7 | 5-81 | 7 | 0 | 0 |
| 27 | Joint Commissioner, Kandivali | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 28 | Joint Commissioner, Bandra | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 29 | Joint Commissioner, Andheri | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 30 | Joint Commissioner, Thane Rural | 11 | 8 | 1-15 | 8 | 0 | 0 |
| | TOTAL | 391 | 191 | | 185 | 6 | 0 |

Appendix 2.6.7

(Reference: Paragraph 2.6.7.3; Page 57)

Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Interest due-paid/not paid) Pre-automation

| Sl. No. | Name of Division | No. of refund applications examined by the Audit as per sample | No. of refund cases in which audit objections noticed | Period of delay | Interest due paid (in ₹) | Interest due not paid (in ₹) | Delay Up to 3 months | Delay upto 3 to 6 months | Delay more than 6 month |
|---------|--------------------------------------|--|---|-----------------|--------------------------|------------------------------|----------------------|--------------------------|-------------------------|
| 1 | JCST, LTU-1, Pune | 82 | 76 | 23-369 | 0 | 16860770 | 11 | 29 | 36 |
| 2 | JCST, LTU-2, Pune | 48 | 44 | 4-368 | 0 | 13192644 | 7 | 22 | 15 |
| 3 | JCST, Nodal-1, Pune | 40 | 31 | 11-405 | 0 | 641361 | 11 | 10 | 10 |
| 4 | JCST, Nodal-2, Pune | 12 | 10 | 31-433 | 0 | 404627 | 1 | 1 | 8 |
| 5 | JCST, Nodal-3, Pune | 12 | 3 | 144-224 | 0 | 143096 | 0 | 1 | 2 |
| 6 | JCST, Nodal-4, Pune | 54 | 37 | 5-397 | 0 | 620169.12 | 14 | 6 | 17 |
| 7 | JCST, Nodal-04, Mazgaon | 38 | 22 | 36-654 | 0 | 1596248 | 1 | 2 | 19 |
| 8 | JCST, Nodal-7, Mazgaon Mumbai | 52 | 21 | 2-550 | 0 | 1056590.15 | 5 | 1 | 15 |
| 9 | JCST, Mumbai-LTU-01 | 138 | 105 | 6-633 | 0 | 8206316 | 11 | 24 | 70 |
| 10 | JCST, Fort (Nodal-1) Mazgaon, Mumbai | 48 | 13 | 11-446 | 0 | 322927.42 | 4 | 2 | 7 |
| 11 | JCST, Goregaon | 27 | 15 | 8-395 | 0 | 478535 | 2 | 2 | 11 |
| 12 | JCST, Mumbai-LTU-03 | 29 | 23 | 4-544 | 0 | 13992085.47 | 2 | 3 | 18 |
| 13 | JCST, Mumbai-LTU-04 | 34 | 25 | 22-608 | 0 | 3710681.26 | 2 | 3 | 20 |
| 14 | JCST, Nagpur | 86 | 48 | 18-700 | 0 | 2076757.3 | 8 | 4 | 36 |
| 15 | JCST, Nodal-5 (Bandra) | 52 | 35 | 86-618 | 0 | 2977921.29 | 1 | 0 | 34 |
| 16 | JCST, Thane (City) Division | 134 | 56 | 1-807 | 0 | 5832366 | 17 | 11 | 28 |
| | TOTAL | 886 | 564 | | | 72113095.01 | 97 | 121 | 346 |

Appendix 2.6.8

(Reference: Paragraph 2.6.7.3; Page 57)

Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Final refund order not issued within time Interest due-paid/not paid) Post automation

| Sl. No. | Name of Division | No. of refund applications examined by Audit from the sample | No. of refund cases in which audit objections noticed | Period of delay in days | Interest due paid (in ₹) | Interest due not paid (in ₹) | Delay Up to 3 months | Delay upto 3 to 6 months | Delay more than 6 month |
|---------|-----------------------------|--|---|-------------------------|--------------------------|------------------------------|----------------------|--------------------------|-------------------------|
| 1 | JCST, LTU-01, Pune | 32 | 23 | 7-154 | 0 | 5584266.00 | 15 | 8 | 0 |
| 2 | JCST, Mazgaon | 16 | 6 | 32 to 140 | 0 | 42788.37 | 4 | 2 | 0 |
| 3 | JCST, Andheri | 26 | 13 | 9 to 139 | 0 | 149594.85 | 10 | 3 | 0 |
| 4 | JCST, Aurangabad | 23 | 14 | 2 to 105 | 0 | 184188.55 | 13 | 1 | 0 |
| 5 | JCST, Borivali | 24 | 3 | 31 to 69 | 0 | 32087.00 | 3 | 0 | 0 |
| 6 | JCST, Fort | 62 | 31 | 3 to 170 | 0 | 242436.00 | 17 | 14 | 0 |
| 7 | JCST, Ghatkopar | 5 | 2 | 44 to 120 | 0 | 33943.00 | 1 | 1 | 0 |
| 8 | JCST, Goregaon | 32 | 16 | 34 to 198 | 0 | 77789.45 | 11 | 3 | 2 |
| 9 | JCST, Kandivali | 9 | 4 | 24 to 80 | 0 | 18255.69 | 4 | 0 | 0 |
| 10 | JCST, Kolhapur | 42 | 29 | 14-187 | 0 | 935019.54 | 19 | 9 | 1 |
| 11 | JCST, Mandavi | 10 | 6 | 4-61 | 0 | 10048.40 | 6 | 0 | 0 |
| 12 | JCST, Mulund | 8 | 1 | 77 | 0 | 26530.00 | 1 | 0 | 0 |
| 13 | JCST, Mumbai-LTU-01 | 61 | 27 | 12 to 151 | 0 | 849418.69 | 19 | 8 | 0 |
| 14 | JCST, Mumbai-LTU-03 | 26 | 14 | 11 to 94 | 0 | 115385.57 | 13 | 1 | 0 |
| 15 | JCST, Mumbai-LTU-04 | 10 | 7 | 28 to 118 | 0 | 258978.41 | 6 | 1 | 0 |
| 16 | JCST, Mumbai-LTU-02 | 13 | 5 | 33 to 173 | 0 | 96190.92 | 4 | 1 | 0 |
| 17 | JCST, Nagpur | 33 | 12 | 3-184 | 0 | 334566.73 | 7 | 4 | 1 |
| 18 | JCST, Nanded | 2 | 1 | 19 | 0 | 1722.40 | 1 | 0 | 0 |
| 19 | JCST, Nariman Point | 21 | 13 | 5-220 | 0 | 98845.84 | 11 | 1 | 1 |
| 20 | JCST, Nashik | 73 | 48 | 2-138 | 0 | 299770.00 | 42 | 6 | 0 |
| 21 | JCST, Nodal-2, Pune (West) | 23 | 16 | 5-162 | 0 | 416367.00 | 12 | 4 | 0 |
| 22 | JCST, Nodal-3, Pune | 12 | 4 | 6-134 | 0 | 46212.00 | 3 | 1 | 0 |
| 23 | JCST, Nodal-5, (Bandra) | 7 | 1 | 126 | 0 | 16623.00 | 0 | 1 | 0 |
| 24 | JCST, Nodal-4, Pune (South) | 37 | 20 | 9-71 | 0 | 1543265.00 | 20 | 0 | 0 |
| 25 | JCST, Nodal-1, Pune | 32 | 22 | 3-168 | 0 | 124508.00 | 18 | 4 | 0 |
| 26 | JCST, Pune-LTU-002 | 16 | 10 | 7 - 167 | 0 | 961560.00 | 6 | 4 | 0 |
| 27 | JCST, Raigad | 63 | 35 | 3-165 | 0 | 1012981.00 | 21 | 14 | 0 |
| 28 | JCST, Sakinaka | 20 | 11 | 10 to 209 | 0 | 121775.00 | 7 | 3 | 1 |
| 29 | JCST, Santakruz | 25 | 16 | 07 to 197 | 0 | 284585.00 | 12 | 3 | 1 |
| 30 | JCST, Solapur | 19 | 13 | 1-111 | 0 | 137835.28 | 12 | 1 | 0 |
| 31 | JCST, Thane City | 211 | 75 | 1-205 | 0 | 1099300.00 | 68 | 6 | 1 |
| 32 | JCST, Thane Rural | 75 | 29 | 1-123 | 0 | 343952.37 | 26 | 3 | 0 |
| | TOTAL | 1068 | 527 | | | 15500789.06 | 412 | 107 | 8 |

Appendix 2.6.9

(Reference: Paragraph 2.6.7.4(I).; Page 58)

Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Excess allowance of refund due to mismatch of Zero Rated Adjusted Turnover)

(in ₹)

| Sl. No. | Name of Division | Name of the assessee | GSTN No | ARN No. & Date | Amount of Refund claimed in RFD-01A | Sanction of refund by department | | | Refund due as per Audit considering | | Excess refund (8-11) | Pre/Post |
|--------------|--------------------------------|---------------------------------------|-----------------|----------------------------|-------------------------------------|------------------------------------|-----------------------------|----------------------------------|--------------------------------------|---------------|----------------------|----------|
| | | | | | | Adjusted Total Turnover considered | Amount of refund sanctioned | Date of order in Form GST RFD-06 | Amount of Adjusted Total turnover as | Refund due as | | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) |
| 1 | JCST Nodal 4 (Mazgaon), Mumbai | M/s. Pace Ventures Pvt. Ltd. | 27AAFPC2418K1ZB | AA2703180134494/02.01.2019 | 4789257 | 116808854 | 4779574 | 17.12.2019 | 205154452 | 2726860 | 2052713 | pre |
| 2 | JCST, Santacruz, Mumbai | M/s. Krogner Impex Pvt. Ltd. | 27AADCK0373Q2Z3 | AA270120088986W/21/10/2020 | 7920360 | 5303588 | 7920360 | 18.06.2020 | 8738499 | 4807041 | 3113319 | post |
| 3 | JCST, Goregaon, Mumbai | M/s. Jusal Industries | 27AAFFJ9953Q1ZD | AA271119142700F/25.11.2019 | 3209014 | 94346459 | 3209014 | 13.03.2020 | 94632023 | 2716807 | 492206 | post |
| 4 | JCST, LTU-2, Pune | Sudarshan Chemical Industries Limited | 27AABCS4223P1Z3 | AC270318243101I/24-9-2018 | 103419636 | 3890725711 | 101352992 | 26.11.2019 | 3904552205 | 100986771 | 366221 | Pre |
| TOTAL | | | | | | | | | | | 6024459 | |

Appendix 2.6.10

(Reference: Paragraph 2.6.7.4 (II); Page 59)

Statement Showing List of Refund cases in which deficiency noticed (Excess refund due to consideration of incorrect components in case of zero rated goods/services – Incorrect Input Tax Credit)

(in ₹)

| Sl. No. | Name of the assessee | GSTN No | ARN No. & Date | Amount of Refund claimed in RFD-01A | Sanction of refund by department | | | Refund due as per Audit considering | | Excess refund (7-10) | Pre/Post |
|--|---------------------------------|-----------------|-----------------------------|-------------------------------------|----------------------------------|-----------------------------|----------------------------------|-------------------------------------|---------------|----------------------|----------|
| | | | | | Considered Net ITC as | Amount of refund sanctioned | Date of order in Form GST RFD-06 | Net ITC as | Refund due as | | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) |
| Name of Division: Joint Commissioner, Ghatkopar, Mumbai | | | | | | | | | | | |
| 1 | M/s Klinera Corporation India | 27AAJFK5087G1Z0 | AA271219013516A /04.12.2019 | 39601502 | 39621327 | 36623550 | 17.03.2020 | 32320200 | 32304028 | 4319522 | Post |
| Name of Division: Joint Commissioner, Nodal 4 (Mazgaon), Mumbai | | | | | | | | | | | |
| 2 | M/s. Euroasia Trans Continental | 27AABFE0631L1ZN | AC271217136042H /26.08.2018 | 3659837 | 3659837 | 3293852 | 24.09.2020 | 3019285 | 3019285 | 274567 | Pre |
| 3 | M/s. Zar Jewels | 27AADCR7143K1Z3 | AA271018099896G /12.01.2019 | 3096211 | 17087096 | 3096211 | 23.09.2020 | 16453982 | 2967083 | 129127 | Pre |
| Name of Division: Joint Commissioner, Nodal-5 (Bandra), Mumbai | | | | | | | | | | | |
| 4 | M/s Photoquip India Ltd. | 27AAECP0468Q1ZU | AA270219142252F /06.03.2019 | 3561818 | 5298899 | 3560944 | 28.09.2020 | 5175627 | 3478958 | 81986 | Pre |
| Name of Division: Joint Commissioner, LTU-1, Pune | | | | | | | | | | | |
| 5 | Tech Mahindra Limited | 27AAACM3484F1ZI | AA270719022348X /12.07.2019 | 97032622 | 301384598 | 97032622 | 06.09.2019 | 157696466 | 50771345 | 46261277 | Pre |
| Name of Division: Joint Commissioner, LTU-2, Pune | | | | | | | | | | | |
| 6 | General Motors India Pvt. Ltd. | 27AAACG8371P1ZZ | AA2710190653174 /18.10.2019 | 729986153 | 744700199 | 729986153 | 08.01.2020 | 608549073 | 601253686 | 128732466 | Post |
| Name of Division: Joint Commissioner, LTU-1, (MSD) Mumbai | | | | | | | | | | | |
| 7 | Siemens Healthcare Pvt. Ltd. | 27AAVCS8021P1Z | AC270618320576T /23.01.2019 | 81745276 | 392503214 | 80272710 | 30.09.2020 | 399488198 | 65725274 | 14547436 | Pre |
| TOTAL | | | | | | | | | | 194346381 | |

Appendix 2.6.11

(Reference: Paragraph 2.6.7.4(IV); Page 60)

Statement Showing List of Refund cases involving excess sanction of Refund due to consideration of incorrect components in case of zero rated goods/services- Irregular grant of refund on capital goods

(in ₹)

| Sl. No. | Name of Division | Name of the assessee | GSTIN No | ARN No. & Date | Period of refund | Date of issue of final order (RFD-06) | Refund amount sanctioned | | | Excess Refund | | | |
|--------------|---------------------------|---|-----------------|-----------------------------|-------------------------|---------------------------------------|--------------------------|----------|----------|---------------|------------------|------------------|----------------|
| | | | | | | | IGST | CGST | SGST | IGST | CGST | SGST | TOTAL |
| 1 | JCST, Nariman Point | Adnet Infosystems (India) Private Limited | 27AAACA5326Q2ZD | AA2703200738390 /24.03.2020 | Aug-19 | 03.07.2020 | 0 | 1029177 | 1029177 | 0 | 902422 | 902422 | 1804844 |
| 2 | JCST, Pune Nodal 04, Pune | Floressence Perfumes Pvt. Ltd. | 27AAACF9151G1ZN | AA271119038151H /09.11.2019 | April 2019 to July 2019 | 09.12.2019 | 0 | 14312264 | 14312264 | 0 | 269572.5 | 269572.5 | 539145 |
| 3 | JCST, Pune LTU-001 Pune | Phoenix Mecano India Pvt. Ltd. | 27AAACP2452L1ZC | AA270220013607P /05.02.2020 | Dec-19 | 08.05.2020 | 0 | 7151584 | 7159109 | 0 | 6178 | 6177 | 12355 |
| TOTAL | | | | | | | | | | 0 | 1178172.5 | 1178171.5 | 2356344 |

Appendix 2.6.12

(Reference: Paragraph 2.6.7.5(I).; Page 61)

Statement Showing Excess refund due to consideration of incorrect components in case of Inverted Duty Structure (Mismatch of inverted turnover with Statement 1-A/Annexure-B/GSRT 3B)

(₹ in lakh)

| Sl. No. | Name of the assessee and GSTIN No. | ARN No. & Date | Amount of Refund claimed in RFD-01A | Refund amount sanctioned by department | | | | | | Refund due as per Audit considering | | | | | Excess refund |
|---|---|--------------------------------|-------------------------------------|--|-------------------------|--|--|-----------------------------|---|-------------------------------------|-------------------------|---|--|-----------------------------|---------------|
| | | | | ITC of services considered by deptt in net ITC | Adjusted total turnover | Turnover of inverted rated supply of goods and service | Tax payable on inverted rated supply of goods and services | Amount of refund sanctioned | Date of final refund in Form GST RFD-06 | Net ITC | Adjusted total turnover | Turn over of inverted rated supply of goods and service | Tax payable on inverted rated supply of goods and services | Amount of refund sanctioned | |
| Name of Division: JCST, Nagpur | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 | Bombay Well Print INKS Pvt. Ltd. 27AAACB6602J1ZU | AA2712191333169 /31.12.2019 | 23.31 | 119.75 | 800.30 | 786.60 | 94.39 | 22.50 | 22.06.2020 | 119.75 | 800.30 | 713.75 | 86.44 | 19.56 | 2.95 |
| Name of Division: JCST, Aurangabad | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2 | Gangamai Industries and Constructions Ltd. 27AABCG2199Q1ZY | AA270420024916D /30.04.2020 | 97.30 | 281.21 | 1340.46 | 560.87 | 20.37 | 91.25 | 07.07.2020 | 281.21 | 1340.46 | 376.51 | 15.49 | 57.46 | 33.80 |
| 3 | Gangamai Industries and Constructions Ltd. 27AABCG2199Q1ZY | AA270320003084Z /02.03.2020 | 32.35 | 366.49 | 5455.21 | 1882.92 | 94.15 | 30.60 | 09.05.2020 | 366.49 | 5455.21 | 1687.21 | 84.36 | 27.23 | 3.36 |
| Name of Division: JCST, Kolhapur | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4 | Mahaveer Fabrics 27AAJPL6209R1Z1 | AA270520022900Q /20.05.2020 | 30.53 | 68.69 | 753.08 | 741.04 | 37.06 | 30.53 | 26.05.2020 | 68.69 | 753.08 | 699.28 | 35.10 | 28.68 | 1.85 |
| Name of Division: JCST, Fort, Mumbai | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5 | Shankeshwar Textiles 27AAIPJ1574E1ZT | AA270120058991B /14.01.2020 | 29.04 | 79.67 | 1012.13 | 1011.17 | 50.56 | 28.83 | 04.05.2020 | 77.40 | 1012.13 | 1011.17 | 50.56 | 26.77 | 2.06 |
| TOTAL | | | | | | | | | | | | | | | 44.02 |

Appendix 2.6.13

(Reference: Paragraph 2.6.7.5.(II).; Page 62)

Statement Showing Excess refund due to consideration of incorrect components in case of Inverted Duty Structure (Incorrect determination of Adjusted Total Turnover)

(₹ in lakh)

| Sl. No. | Name of the assessee and GSTIN No. | ARN No. & Date | Amount of Refund claimed in RFD-01A | Refund amount sanctioned by department | | | | | | Refund due as per Audit considering | | | | | Excess refund |
|--|---|------------------------------|-------------------------------------|--|-------------------------|--|--|-----------------------------|---|-------------------------------------|-------------------------|---|--|-----------------------------|---------------|
| | | | | ITC of services considered by deptt in net ITC | Adjusted total turnover | Turnover of inverted rated supply of goods and service | Tax payable on inverted rated supply of goods and services | Amount of refund sanctioned | Date of final refund in Form GST RFD-06 | Net ITC | Adjusted total turnover | Turn over of inverted rated supply of goods and service | Tax payable on inverted rated supply of goods and services | Amount of refund sanctioned | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) | (15) | (16) |
| Name of Division: JCST, Solapur | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 | Shriram Filaments & Ropes Pvt. Ltd. 27AAECS0051J1ZI | AA270320044916B / 14.03.2020 | 22.29 | 85.54 | 553.94 | 553.94 | 63.25 | 22.29 | 29.04.2020 | 85.54 | 587.52 | 553.94 | 63.25 | 17.41 | 4.89 |
| 2 | Shriram Filaments & Ropes Pvt. Ltd. 27AAECS0051J1ZI | AA270520027109J / 23.05.2020 | 14.19 | 33.99 | 188.26 | 188.26 | 19.80 | 14.19 | 05.06.2020 | 33.99 | 199.33 | 188.26 | 19.80 | 12.31 | 1.89 |
| 3 | Shriram Filaments & Ropes Pvt. Ltd. 27AAECS0051J1ZI | AA2710190816061 / 22.10.2019 | 15.12 | 50.20 | 319.21 | 319.21 | 35.09 | 15.12 | 24.12.2019 | 50.20 | 341.20 | 319.21 | 35.09 | 11.88 | 3.24 |
| 4 | Shriram Filaments & Ropes Pvt. Ltd. 27AAECS0051J1ZI | AA2712191293090 / 30.12.2019 | 21.05 | 47.37 | 218.55 | 218.55 | 26.32 | 21.05 | 28.02.2020 | 47.37 | 219.16 | 218.55 | 26.32 | 20.92 | 0.13 |
| 5 | Shri Venkatesh Filaments Pvt. Ltd. 27AAECS0052M1ZB | AA2712191185239 / 27.12.2019 | 14.71 | 53.30 | 322.59 | 322.59 | 38.59 | 14.71 | 28.02.2020 | 53.30 | 381.09 | 322.59 | 38.59 | 6.52 | 8.18 |
| 6 | Shri Venkatesh Filaments Pvt. Ltd. 27AAECS0052M1ZB | AA270420014856D / 23.04.2020 | 15.01 | 59.01 | 367.09 | 367.09 | 44.00 | 15.01 | 30.04.2020 | 59.01 | 417.19 | 367.089 | 44.00 | 7.92 | 7.09 |
| 7 | Shri Venkatesh Filaments Pvt. Ltd. 27AAECS0052M1ZB | AA270520025225P / 22.05.2020 | 17.63 | 72.87 | 377.65 | 377.65 | 45.24 | 17.63 | 11.06.2020 | 72.87 | 454.22 | 377.65 | 45.24 | 15.34 | 2.29 |
| Name of Division: JCST, Nodal-1, Pune | | | | | | | | | | | | | | | |
| 8 | Sixon Industries 27ABLFS1494A1Z1 | AA270220088180 M/ 22.02.2020 | 29.13 | 29.17 | 0.30 | 0.30 | 0.036 | 29.13 | 04.05.2020 | 29.17 | 0.30 | 0.30 | 0.036 | 1.15 | 27.99 |
| Name of Division: JCST, Fort, Mumbai | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9 | Ahaan Silk Mills 27AHGPJ7715G1ZA | AA270220081120Z / 20.02.2020 | 17.83 | 35.26 | 348.71 | 348.71 | 17.44 | 17.83 | 03.03.2020 | 35.26 | 546.92 | 348.71 | 17.44 | 5.05 | 12.78 |

| Appendix 2.6.13 (concl...) | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|------------------------------|-------------------------------------|--|-------------------------|--|--|-----------------------------|---|-------------------------------------|-------------------------|---|--|-----------------------------|---------------|
| Sr. No. | Name of the assessee and GSTIN No. | ARN No. & Date | Amount of Refund claimed in RFD-01A | Refund amount sanctioned by department | | | | | | Refund due as per Audit considering | | | | | Excess refund |
| | | | | ITC of services considered by deptt in net ITC | Adjusted total turnover | Turnover of inverted rated supply of goods and service | Tax payable on inverted rated supply of goods and services | Amount of refund sanctioned | Date of final refund in Form GST RFD-06 | Net ITC | Adjusted total turnover | Turn over of inverted rated supply of goods and service | Tax payable on inverted rated supply of goods and services | Amount of refund sanctioned | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) | (15) | (16) |
| Name of Division: JCST LTU-3, Mumbai | | | | | | | | | | | | | | | |
| 10 | M/s. Bewakoof Brands Private Limited 27AAECB6555G1ZL | AA2703183472251W /24.11.2018 | 115.08 | 389.85 | 5725.67 | 5002.49 | 249.72 | 90.89 | 08.03.2019 | 389.85 | 5849.13 | 5002.49 | 249.72 | 83.70 | 7.19 |
| Name of Division: JCST Nashik | | | | | | | | | | | | | | | |
| 11 | Lucky Textiles 27AAGFL1152L1Z9 | AA270220059689Z /15-02-2020 | 21.28 | 44.94 | 296.38 | 296.38 | 23.49 | 21.28 | 21.05.2020 | 44.94 | 296.38 | 172.50 | 8.62 | 17.53 | 3.75 |
| TOTAL | | | | | | | | 279.14 | | | | | | | 79.41 |

Appendix 2.6.14

(Reference: Paragraph 2.6.7.5(III).; Page 62)

Statement Showing Excess refund due to consideration of incorrect components in case of Inverted Duty Structure (Mismatch of Net ITC)

(in ₹)

| Sr. No. | Name of the assessee and GSTIN No. | ARN No. & Date | Amount of Refund claimed in RFD-01A | Sanction of refund by department | | | Refund due as per Audit considering | | Excess refund |
|--|---|--------------------------------|-------------------------------------|--|-----------------------------|----------------------------------|-------------------------------------|---------------|-----------------|
| | | | | ITC of services considered in net ITC as | Amount of refund sanctioned | Date of order in Form GST RFD-06 | Net ITC as | Refund due as | |
| Name of Division: JCST, Fort , Mumbai | | | | | | | | | |
| 1 | Bishen Dyeing Printing And Weaving Mills 27AAAFB3418R1Z8 | AA270819038394Q /22.08.2019 | 8357124 | 32270817 | 8106664 | 21.09.2019 | 24490147 | 4795980 | 3310684 |
| 2 | M/s Piyush Fabrics 27AABCP4935H1ZC | AA2709182480413 /08.04.2019 | 4089222 | 11357805 | 4036022 | 13.05.2019 | 11223837 | 3955254 | 80768 |
| 3 | M/s. Shree Swastik Textile Ind 27AALFS3057N1ZL | AC2706183573201 /26.02.2019 | 1718095 | 3310959 | 1718095 | 20.03.2019 | 3287276 | 1694412 | 23683 |
| 4 | Jay Industrial Chem Pvt. Ltd. 27AAACJ0894N1Z4 | AA271219115502G /26.12.2019 | 10819374 | 36547308 | 10414601 | 28.01.2020 | 26070090 | 9089720 | 1324881 |
| Name of Division: JCST, Andheri, Mumbai | | | | | | | | | |
| 5 | M/s Halewood Laboratories Pvt. Ltd. 27AAACH8645M1Z3 | AA2708190333424 /13.08.2019 | 4427100 | 7565208 | 4351792 | 11.03.2020 | 6408423 | 3417393 | 934399 |
| Name of Division: JCST, LTU-1, (MSD) Mumbai | | | | | | | | | |
| 6 | M/S Best Knitting Mills Pvt. Ltd. 27AAECB6073B1ZY | AA2703200260420 /07.03.2020 | 4427214 | 8404284 | 4427214 | 24.04.2020 | 7246885 | 3275333 | 1151881 |
| 7 | M/S Best Knitting Mills Pvt. Ltd. 27AAECB6073B1ZY | AA270320004571V /02.03.2020 | 4541930 | 9071087 | 4541930 | 24.04.2020 | 8619592 | 4092669 | 449261 |
| Name of Division: JCST, Thane City | | | | | | | | | |
| 8 | Capitol Nonwovens Pvt. Ltd. 27AAECC4174G1ZP | AA270120043166R /10.01.2020 | 2540213 | 5257808 | 2540213 | 06.03.2020 | 4195177 | 1477582 | 1062631 |
| Name of Division: JCST, LTU-1, Pune | | | | | | | | | |
| 9 | Gartech Equipments Pvt. Ltd. 27AABCG4360K1ZJ | AA270318018105H /05.01.2019 | 20613984 | 58391757 | 20613984 | 23.01.2019 | 52252425 | 15295513 | 5318471 |
| | | TOTAL | | | | | | | 13656659 |

Appendix 2.6.15

(Reference: Paragraph 2.6.7.6.; Page 64)

Statement Showing List of Refund cases showing non-compliance to instructions for re-credit and recovery of wrong/ineligible ITC

(₹ in lakh)

| Sr. No. | Name of the assessee GSTN No. | ARN No. & Date | Date of issue of final order (RFD-06) | Refund amount sanctioned | | | | Excess sanction of Refund | | | | | Pre/Post |
|--|---|---------------------------------|---|--------------------------|-------|---------|------|---------------------------|------|-------|------|-------|----------|
| | | | | IGST | CGST | SGST | Cess | IGST | CGST | SGST | Cess | Total | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| Name of Division: JCST, LTU-1, Pune | | | | | | | | | | | | | |
| 1 | M/s Bajaj Auto Ltd. 27AADCB2923M1ZL | AC2706181721331 /05.11.2018 | 06.01.2020 | 0 | 0 | 5380.05 | 0 | 0 | 0 | 33.19 | 0 | 33.19 | Pre |
| 2 | Sailpoint Technologies India Pvt. Ltd. 27AAOCS8987P1ZV | AC2703183081185 /30.10.2018 | 20.08.2019 | 0.04 | 23.13 | 23.13 | 0 | 0.003 | 1.65 | 1.65 | 0 | 3.29 | Pre |
| 3 | Sailpoint Technologies India Pvt. Ltd. 27AAOCS8987P1ZV | AA270919036436Q /16.09.2019 | 28.02.2020 | 92.43 | 0 | 0 | 0 | 2.75 | 0 | 0 | 0 | 2.75 | Pre |
| 4 | Sailpoint Technologies India Pvt. Ltd. 27AAOCS8987P1ZV | AC271218318528V /26.02.2019 | 20.08.2019 | 0.68 | 22.96 | 22.96 | 0 | 0.20 | 6.71 | 6.71 | 0 | 13.61 | Pre |
| 5 | Integrated Decisions and Systems India Pvt. Ltd. 27AAACI7132C1ZZ | AC2706183391140 /01.02.2019 | 23.10.2019 | 7.87 | 19.67 | 19.67 | 0 | 0.60 | 1.50 | 1.50 | 0 | 3.60 | Pre |
| 6 | Visteon Technical and Services Centre Pvt. Ltd. 27AACCV3261H1ZC | AA270719001919R /01.07.2019 | 30.11.2019 | 0 | 17.30 | 17.69 | 0 | 0 | 0.61 | 0.62 | 0 | 1.23 | Pre |
| Name of Division: JCST, Aurangabad | | | | | | | | | | | | | |
| 7 | Nirlep Appliances Pvt. Ltd. 27AABCD3162G1ZX | AA2712191084647 /24.12.2019 | 13.05.2020 | 0 | 4.19 | 4.19 | 0 | 0 | 2.35 | 2.35 | 0 | 4.70 | Post |
| 8 | Gangamai Industries and Constructions Ltd. 27AABCG2199Q1ZY | AA2701200572191 /14.01.2020 | 11.03.2020 | 0 | 97.74 | 97.74 | 0 | 0 | 0.69 | 0.69 | 0 | 1.38 | Post |
| 9 | Gangamai Industries and Constructions Ltd. 27AABCG2199Q1ZY | AA270420024916D. /30.04.2020 | 07.07.2020 | 0 | 45.63 | 45.63 | 0 | 0 | 3.02 | 3.02 | 0 | 6.04 | Post |

Appendix 2.6.15(concl...

| Sr. No. | Name of the assessee GSTN No | ARN No. & Date | Date of issue of final order (RFD-06) | Refund amount sanctioned | | | | Excess sanction of Refund | | | | | Pre/Post |
|--|---|--------------------------------|---|--------------------------|---------------|----------------|--------------|---------------------------|--------------|--------------|-------------|---------------|----------|
| | | | | IGST | CGST | SGST | Cess | IGST | CGST | SGST | Cess | Total | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |
| Name of Division: JCST, Nashik | | | | | | | | | | | | | |
| 10 | Supreme Equipment Pvt. Ltd. 27AAOCS5679N1Z8 | AA270220055093Q /14.02.2020 | 13.05.2020 | 0 | 23.50 | 48.08 | 0 | 0 | 2.02 | 2.02 | 0 | 4.04 | Post |
| 11 | Supreme Equipment Private Ltd. 27AAOCS5679N1Z8 | AA2702200490201 /13.02.2020 | 13.05.2020 | 0 | 27.49 | 65.54 | 0 | 0 | 23.13 | 23.13 | 0 | 46.25 | Post |
| Name of Division: JCST, Kolhapur | | | | | | | | | | | | | |
| 12 | Indo Count Industries Ltd. 27AAACI0866P1Z5 | AA2711190570459 /13.11.2019 | 19.03.2020 | 487.13 | 178.30 | 178.30 | 13.23 | 2.45 | 0.90 | 0.90 | 0.07 | 4.31 | Post |
| 13 | Indo Count Industries Ltd. 27AAACI0866P1Z5 | AA2712190057273 /03.12.2019 | 26.05.2020 | 440.26 | 113.97 | 113.97 | 0 | 1.89 | 0.49 | 0.49 | 0 | 2.87 | Post |
| 14 | Indo Count Industries Ltd. 27AAACI0866P1Z5 | AA271219103966Y /24.12.2019 | 26.05.2020 | 506.61 | 176.38 | 176.38 | 0 | 1.30 | 0.45 | 0.45 | 0 | 2.21 | Post |
| Name of Division: JCST, Thane (Rural) | | | | | | | | | | | | | |
| 15 | Angadpal Industries Pvt. Ltd. 27AACCA5854D1ZU | AA270220020744Q /06.02.2020 | 28.02.2020 | 0 | 6.16 | 6.16 | 0 | 0 | 2.08 | 2.08 | 0 | 4.17 | Post |
| TOTAL | | | | 1535.03 | 756.41 | 6199.48 | 13.23 | 9.20 | 45.60 | 78.80 | 0.07 | 133.67 | |

Appendix 2.6.16

(Reference: Paragraph 2.6.8.2; Page 65)

Statement Showing List of Refund cases in which Refunds sanctioned without submission of invoice details by the tax payers for refund under inverted duty structure (Annexure B)

(in ₹)

| Sr. No. | Name of Division | Name of the Taxpayer | GSTN No. | ARN No. & Date | Date of Refund order (RFD-06) | Refund amount sanctioned | | | |
|---------|------------------|----------------------------------|-----------------|------------------------------------|-------------------------------|--------------------------|---------|---------|----------|
| | | | | | | IGST | CGST | SGST | TOTAL |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 1 | JC, Thane City | F T Textiles Private Limited | 27AABCF4516C1Z3 | AA271019076666S date 21.10.2019 | 20.12.2019 | 4824118 | 0 | 0 | 4824118 |
| 2 | JC, Thane City | NZ Seasonal Wear Private Limited | 27AADCN0287C1ZP | AA2703200748282 date 25.03.2020 | 05.06.2020 | 7909570 | 7511447 | 0 | 15421017 |
| 3 | JC, Thane City | M/S Kapleshwar Food Products | 27AAQFK7195L1ZD | AA270520027705F date 23.05.2020 | 10.06.2020 | 0 | 0 | 7047998 | 7047998 |
| 4 | JC, Thane City | Preme Nutrition | 27AAMFP6459J1ZJ | AA270120106995E date 24.01.2020 | 06.03.2020 | 0 | 2371720 | 2371719 | 4743439 |
| 5 | JC, Thane City | Preme Nutrition | 27AAMFP6459J1ZJ | AA270520031236O date 26.05.2020 | 03.07.2020 | 0 | 639361 | 3468264 | 4107625 |
| 6 | JC, Thane City | M/S Kapleshwar Food Products | 27AAQFK7195L1ZD | AA271019010243Q Date 03.10.2019 | 04.01.2020 | 0 | 0 | 1775717 | 1775717 |
| 7 | JC, Thane City | Parvati Food Products | 27AEHPG2748G1ZJ | AA2711191646142 date 28.11.2019 | 12.03.2020 | 386255 | 386254 | 0 | 772509 |
| 8 | JC, Thane City | Maru Enterprises Pvt. Ltd. | 27AADCM7713L1Z6 | AA271219001013U Date 02.12.2019 | 30.01.2020 | 471585 | 2782562 | 2782833 | 6036980 |
| 9 | JC, Thane City | Vanila Food Products | 27AEBPR7620A1ZT | AA2702200935659 date 24.02.2020 | 11.05.2020 | 0 | 0 | 5590726 | 5590726 |
| 10 | JC, Thane City | Vanila Food Products | 27AEBPR7620A1ZT | AA271219132264B date 31.12.2020 | 18.03.2020 | 0 | 0 | 5542920 | 5542920 |
| 11 | JC, Thane City | S R Synthetics | 27AAAPV5123B1Z2 | AA270220069704D date 18.02.2020 | 11.05.2020 | 0 | 52633 | 5413005 | 5465638 |
| 12 | JC, Thane City | Agarwal Agency | 27AAWPA6773C1ZH | AA2702200201434 date 06.02.2020 | 11.05.2020 | 749538 | 1517940 | 2704551 | 4972029 |
| 13 | JC, Thane City | S R Synthetics | 27AAAPV5123B1Z2 | AA271119006244I date 02.11.2019 | 17.01.2020 | 0 | 0 | 3185895 | 3185895 |
| 14 | JC, Thane City | Agarwal Agency | 27AAWPA6773C1ZH | AA271219029665X date 07.12.2019 | 30.01.2020 | 70962 | 1240178 | 1492942 | 2804082 |
| 15 | JC, Thane City | Koki Textiles LLP | 27AAPFK2726G1Z6 | AA270220087965Z date 22.02.2020 | 14.05.2020 | 0 | 1062252 | 1062252 | 2124504 |

Appendix 2.6.16 (contd...)

| Sr. No. | Name of Division | Name of the Taxpayer | GSTN No. | ARN No. & Date | Date of Refund order (RFD-06) | Refund amount sanctioned | | | |
|---------|------------------|---|-----------------|------------------------------------|-------------------------------|--------------------------|---------|---------|---------|
| | | | | | | IGST | CGST | SGST | TOTAL |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 16 | JC, Thane City | Mahsagar | 27AFBPA3543A1ZA | AA2712191163871 date 26.12.2019 | 15.02.2020 | 0 | 789054 | 789054 | 1578108 |
| 17 | JC, Thane City | Rinku Weaving Mills | 27AESPJ5854K1ZR | AA271219013356A date 04.12.2019 | 15.02.2020 | 0 | 6896 | 1650769 | 1657665 |
| 18 | JC, Thane City | Rinku Weaving Mills | 27AESPJ5854K1ZR | AA270220119422U date 29.02.2020 | 13.05.2020 | 0 | 132361 | 1379722 | 1512083 |
| 19 | JC, Thane City | Koki Textiles Llp | 27AAPFK2726G1Z6 | AA270919085345K date 28.09.2019 | 17.12.2019 | 1140732 | 0 | 0 | 1140732 |
| 20 | JC, Thane City | Janak Enterprises | 27AANFJ3736B1ZF | AA271219050918T date 12.12.2019 | 15.02.2020 | 1020817 | 0 | 0 | 1020817 |
| 21 | JC, Thane City | Khatu Shyam Textiles | 27AKUPK5434G1ZS | AA271119163332B date 28.11.2019 | 21.12.2019 | 0 | 1093290 | 535366 | 1628656 |
| 22 | JC, Thane City | Rajendra Textiles | 27AEEPJ7643E1ZJ | AA271219131785Y date 31.12.2019 | 12.06.2020 | 0 | 0 | 2740049 | 2740049 |
| 23 | JC, Thane City | Riya Textiles | 27ADRPS9687B1ZP | AA2712191264562 date 30.12.2019 | 28.02.2020 | 0 | 842666 | 842666 | 1685332 |
| 24 | JC, Thane City | Shree Sai Krupa Textiles | 27AEGPC9348P1ZV | AA271119097814Q date 18.11.2019 | 16.12.2019 | 0 | 1043832 | 1043833 | 2087665 |
| 25 | JC, Thane City | V S Textiles | 27ETAPS5465L1Z0 | AA270520017322T date 16.05.2020 | 21.05.2020 | 0 | 0 | 1609007 | 1609007 |
| 26 | JC, Thane City | F D Textile | 27ABHPK3581E1ZO | AA271119052261G date 12.11.2019 | 30.11.2019 | 1476603 | 0 | 0 | 1476603 |
| 27 | JC, Thane City | F D Textile | 27ABHPK3581E1ZO | AA270120105882O date 24.01.2020 | 15.02.2020 | 1126232 | 134892 | 134892 | 1396016 |
| 28 | JC, Thane City | Shree Kanhaiya Textiles | 27AKKPB3115D1ZR | AA271119120599Y date 18.11.2019 | 16.12.2019 | 0 | 602414 | 602415 | 1204829 |
| 29 | JC, Thane City | Shree Kanhaiya Textiles | 27AKKPB3115D1ZR | AA270220058254L date 15.02.2020 | 04.03.2020 | 0 | 538455 | 538455 | 1076910 |
| 30 | JC, Thane City | Raviraj Knit Processing Pvt. Ltd. | 27AAACR2808J1ZE | AA270120048231X date 11.01.2020 | 15.07.2020 | 0 | 1316422 | 1316422 | 2632844 |
| 31 | JC, Thane City | Krishna Processors & Industries Pvt. Ltd. | 27AADCK1539Q1Z2 | AA2710190063878 date 02.10.2019 | 02.12.2019 | 0 | 871937 | 871937 | 1743874 |

| Appendix 2.6.16 (contd...) | | | | | | | | | |
|----------------------------|------------------|---------------------------------|-----------------|-------------------------------------|-------------------------------|--------------------------|---------|---------|---------|
| Sr. No. | Name of Division | Name of the Taxpayer | GSTN No | ARN No. & Date | Date of Refund order (RFD-06) | Refund amount sanctioned | | | |
| | | | | | | IGST | CGST | SGST | TOTAL |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 32 | JC, Thane City | Muskan Products | 27ARNPM6423F1ZM | AA2712191098713 date 25.12.2019 | 17.02.2020 | 0 | 983451 | 983451 | 1966902 |
| 33 | JC, Thane City | Deepak Textiles | 27AFEPB7870E1ZK | AA2712190272946 date 06.12.2019 | 02.01.2020 | 0 | 715887 | 715887 | 1431774 |
| 34 | JC, Thane City | Lahoti Associates | 27ABBPL2599R1ZU | AA2702200908474 date 22.02.2020 | 09.03.2020 | 0 | 649105 | 736141 | 1385246 |
| 35 | JC, Thane City | Dhanlaxmi Dyeing | 27AABPI2076D1Z4 | AA270220025498E date 07.02.2020 | 02.03.2020 | 0 | 626769 | 626769 | 1253538 |
| 36 | JC, Thane City | Deepak Textiles | 27AFEPB7870E1ZK | AA271019010317J date 03.10.2019 | 18.11.2019 | 0 | 609161 | 609161 | 1218322 |
| 37 | JC, Thane City | Ranisati Fabric Mills Pvt. Ltd. | 27AAACR2347C1ZR | AA270220107800 W date 26.02.2020 | 23.04.2020 | 0 | 148037 | 973282 | 1121319 |
| 38 | JC, Thane City | Sagar Food Products | 27AHYPG6714E1Z2 | AA271219067099S date 16.12.2019 | 02.01.2020 | 0 | 397359 | 397359 | 794718 |
| 39 | JC, Thane City | Hem Enterprises | 27AAQPD3057N1ZA | AA2712190339415 date 08.12.2019 | 27.12.2019 | 0 | 1012206 | 1310563 | 2322769 |
| 40 | JC, Thane City | Hem Enterprises | 27AAQPD3057N1ZA | AA271219067068X date 16.12.2019 | 26.12.2019 | 112801 | 897242 | 897242 | 1907285 |
| 41 | JC, Thane City | Siddh Enterprises | 27AAZFS2659G1ZG | AA2712190318732 date 16.12.2019 | 24.12.2019 | 0 | 530436 | 261859 | 792295 |
| 42 | JC, Thane City | Ajanta Food Products | 27AAJPV7565Q1ZG | AA270620001780P date 01.06.2020 | 11.07.2020 | 0 | 125099 | 125100 | 250199 |
| 43 | JC, Thane City | Swastik Food Products | 27ABGFS5813A1ZF | AA270620004944E date 03.06.2020 | 09.07.2020 | 0 | 957673 | 4602598 | 5560271 |
| 44 | JC, Thane City | Dimple Fabrics | 27AAJPS8349F1Z6 | AA2711191701962 date 29.11.2019 | 24.12.2019 | 0 | 1066778 | 1923318 | 2990096 |
| 45 | JC, Thane City | Dimple Fabrics | 27AAJPS8349F1Z6 | AA270220028890J date 08.02.2020 | 27.02.2020 | 0 | 688818 | 1141068 | 1829886 |
| 46 | JC, Thane City | Habib Textiles Pvt. Ltd. | 27AABCH3399B1ZO | AA2703200709929 date 21.03.2020 | 06.05.2020 | 0 | 259861 | 1557398 | 1817259 |
| 47 | JC, Thane City | M J Textiles | 27AEKPA3107N1ZK | AA271219050619X date 12.12.2019 | 02.01.2020 | 0 | 630694 | 630694 | 1261388 |

| Appendix 2.6.16 (contd...) | | | | | | | | | |
|----------------------------|------------------|---------------------------------|-----------------|------------------------------------|-------------------------------|--------------------------|---------|---------|---------|
| Sr. No. | Name of Division | Name of the Taxpayer | GSTN No | ARN No. & Date | Date of Refund order (RFD-06) | Refund amount sanctioned | | | |
| | | | | | | IGST | CGST | SGST | TOTAL |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 48 | JC, Thane City | Rajesh Textiles | 27ABWPG5400F1ZP | AA270220073536E date 19.02.2020 | 20.05.2020 | 0 | 2302661 | 2302661 | 4605322 |
| 49 | JC, Thane City | Khemee Dyeing & Bleaching Works | 27AABFK2895A1ZI | AA270620035352M date 17.06.2020 | 24.06.2020 | 0 | 878101 | 878101 | 1756202 |
| 50 | JC, Thane City | Krishna Textiles | 27AOCPB4199M1ZM | AA271119007174G date 15.02.2020 | 14.05.2020 | 0 | 762605 | 535344 | 1297949 |
| 51 | JC, Thane City | Santok Textiles | 27AKPPM5950J1ZJ | AA271119167972R date 28.11.2019 | 24.12.2019 | 0 | 572639 | 572639 | 1145278 |
| 52 | JC, Thane City | Amsal Textiles | 27AKBPK5308A1ZQ | AA270320027727D date 09.03.2020 | 09.07.2020 | 0 | 505414 | 539461 | 1044875 |
| 53 | JC, Thane City | R B Enterprise | 27AGCPJ0674P1Z1 | AA27012001407S date 04.01.2020 | 27.02.2020 | 0 | 0 | 2737052 | 2737052 |
| 54 | JC, Thane City | R B Enterprise | 27AGCPJ0674P1Z1 | AA271019009093I date 03.10.2019 | 17.12.2019 | 0 | 0 | 2161930 | 2161930 |
| 55 | JC, Thane City | Nishi Fabrics | 27AEKPM0339Q1ZY | AA270220006733R date 04.02.2020 | 27.05.2020 | 0 | 720946 | 720946 | 1441892 |
| 56 | JC, Thane City | Ankit Textiles | 27ACZPJ1088Q1ZI | AA271119025613C date 07.11.2019 | 14.01.2020 | 0 | 0 | 1419112 | 1419112 |
| 57 | JC, Thane City | Kewal Textiles | 27ACMPS3439F1ZA | AA270220035819A date 11.02.2020 | 29.05.2020 | 0 | 297339 | 1062746 | 1360085 |
| 58 | JC, Thane City | M D Textiles | 27BLHPK7379H1ZK | AA271219021832A date 05.12.2019 | 22.01.2020 | 0 | 613312 | 683312 | 1296624 |
| 59 | JC, Thane City | Gala Textiles | 27AAWPG6072E1ZF | AA2702201029899 date 26.02.2020 | 04.05.2020 | 0 | 663315 | 527662 | 1190977 |
| 60 | JC, Thane City | Wali Textiles | 27ASNPA5918J1ZH | AA2712190082692 date 03.12.2019 | 17.12.2019 | 0 | 723747 | 755715 | 1479462 |
| 61 | JC, Thane City | Q.H. Textiles | 27AFBPA5824J1ZN | AA271119145151H date 25.11.2019 | 03.02.2020 | 0 | 727670 | 727670 | 1455340 |
| 62 | JC, Thane City | P.N. Textiles | 27AAZPG8863G1ZX | AA2711191535618 date 26.11.2019 | 15.01.2020 | 0 | 0 | 1476653 | 1476653 |
| 63 | JC, Thane City | Jai Balaji Tex | 27ANIPP2529A1Z7 | AA270120047224T date 11.01.2020 | 30.01.2020 | 0 | 0 | 1168113 | 1168113 |

Appendix 2.6.16 (contd...)

| Sr. No. | Name of Division | Name of the Taxpayer | GSTN No | ARN No. & Date | Date of Refund order (RFD-06) | Refund amount sanctioned | | | |
|---------|------------------|--------------------------|-----------------|------------------------------------|-------------------------------|--------------------------|---------|---------|---------|
| | | | | | | IGST | CGST | SGST | TOTAL |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 64 | JC, Thane City | Baba Tex | 27AEDPA1321H1Z8 | AA271019015415G date 05.10.2019 | 27.11.2019 | 0 | 528020 | 1178574 | 1706594 |
| 65 | JC, Thane City | Heena Fabrics | 27AEHPG7086H1Z8 | AA270120086485A date 21.01.2020 | 06.03.2020 | 0 | 1111171 | 1111171 | 2222342 |
| 66 | JC, Thane City | Mahalaxmi Polytex | 27AHXPS6384B1ZN | AA271119092096Z date 16.11.2019 | 20.12.2019 | 0 | 1927 | 1050002 | 1051929 |
| 67 | JC, Thane City | M/S. Adeshwar Synthetics | 27AOMPG8607H1ZP | AA270520000990N date 02.05.2020 | 29.05.2020 | 0 | 516230 | 516229 | 1032459 |
| 68 | JC, Thane City | Vaibhav Laxmi Silk Mills | 27AABPA5095N1ZI | AA271219099955E date 23.12.2019 | 14.01.2020 | 0 | 0 | 1462304 | 1462304 |
| 69 | JC, Thane City | A B Textiles | 27BHBPK8405Q1ZV | AA270120131316V date 30.01.2020 | 19.03.2020 | 0 | 326891 | 803691 | 1130582 |
| 70 | JC, Thane City | New Red Rose Syn-Tex | 27AGLPG5367R1ZJ | AA2702200913994 date 23.02.2020 | 21.05.2020 | 0 | 837509 | 837509 | 1675018 |
| 71 | JC, Thane City | Sameer & Company | 27ACQFS0665K1ZI | AA271219004362I date 02.12.2019 | 23.01.2020 | 0 | 851074 | 1025597 | 1876671 |
| 72 | JC, Thane City | Sameer & Company | 27ACQFS0665K1ZI | AA270620001577G date 01.06.2020 | 15.07.2020 | 0 | 787292 | 995086 | 1782378 |
| 73 | JC, Thane City | Sameer & Company | 27ACQFS0665K1ZI | AA270120074155N date 17.01.2020 | 12.03.2020 | 0 | 630679 | 904255 | 1534934 |
| 74 | JC, Thane City | Sameer & Company | 27ACQFS0665K1ZI | AA2703200469862 date 14.03.2020 | 25.05.2020 | 0 | 689162 | 912556 | 1601718 |
| 75 | JC, Thane City | Umar Textiles | 27CFQPK6733R1ZE | AA270120109964G date 24.01.2020 | 15.02.2020 | 0 | 569041 | 569042 | 1138083 |
| 76 | JC, Thane City | Paras Textiles | 27ATGPS4007C1ZX | AA2701200648395 date 15.01.2020 | 06.03.2020 | 0 | 1489051 | 1489051 | 2978102 |
| 77 | JC, Thane City | Handi Textile | 27ABXPH5663C1ZC | AA2712190137348 date 04.12.2019 | 23.12.2019 | 0 | 1209884 | 521012 | 1730896 |
| 78 | JC, Thane City | Handi Textile | 27ABXPH5663C1ZC | AA2702200170811 date 05.02.2020 | 04.03.2020 | 0 | 1119067 | 532589 | 1651656 |
| 79 | JC, Thane City | A T Textiles | 27CXQPS4846D1ZW | AA270120017617M date 05.01.2020 | 15.02.2020 | 0 | 210936 | 845082 | 1056018 |

| Appendix 2.6.16 (concl...) | | | | | | | | | |
|----------------------------|-------------------|---------------------------------------|------------------|------------------------------------|-------------------------------|--------------------------|-----------------|------------------|------------------|
| Sr. No. | Name of Division | Name of the Taxpayer | GSTN No | ARN No. & Date | Date of Refund order (RFD-06) | Refund amount sanctioned | | | |
| | | | | | | IGST | CGST | SGST | TOTAL |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 80 | JC, Thane City | Samai Healthcare Private Limited | 27AAWCS7040M1ZJ | AA270220019607J date 06.02.2020 | 09.03.2020 | 0 | 466121 | 525638 | 991759 |
| 81 | JC, Thane City | Samai Healthcare Private Limited | 27AAWCS7040M1ZJ | AA270220033209P date 10.02.2020 | 24.04.2020 | 0 | 322498 | 89482 | 411980 |
| 82 | JC, Thane City | Sai Foods | 27AAGPL6240F1ZU | AA270919088570K date 30.09.2019 | 05.11.2019 | 549595 | 299810 | 299810 | 1149215 |
| 83 | JC, Raigad | Jaico Enterprise Llp | 27AAKFJ4143K1Z4 | AA271119107136F date 19.11.2019 | 06.12.2019 | 0 | 0 | 1997188 | 1997188 |
| 84 | JC, Raigad | Angelique International Limited | 27AACCA4675N1Z8 | AA270220095819Y date 24.02.2020 | 21.04.2020 | 1341890 | 0 | 0 | 1341890 |
| 85 | JC, Raigad | Immunity Construction Private Limited | 27AAECI8240 F1ZM | AA270120113434X date 25.01.2020 | 06.03.2020 | 0 | 1464293 | 1464293 | 2928586 |
| 86 | JC, Thane (Rural) | Shilpa Enterprises | 27AAUFS9301A1Z4 | AA2712191205186 date 27.12.2019 | 07.01.2020 | 4018103 | 0 | 0 | 4018103 |
| 87 | JC, Thane (Rural) | Arpan Trading Co | 27AQUPS7720H1Z5 | AA270220029342T date 08.02.2020 | 17.02.2020 | 0 | 600971 | 1300926 | 1901897 |
| 88 | JC, Thane (Rural) | Deep Steel | 27AAOPD7135R1Z1 | AA271219101431N date 23.12.2019 | 24.01.2020 | 0 | 1773094 | 0 | 1773094 |
| 89 | JC, Thane (Rural) | Parshwnath Metal | 27AAEHJ5339M1ZU | AA271219072973R date 17.12.2019 | 24.01.2020 | 1459178 | 98572 | 98572 | 1656322 |
| 90 | JC, Thane (Rural) | Rupana Textiles | 27AAJHM8455Q1Z7 | AA270320031404V date 10.03.2020 | 28.04.2020 | 0 | 773522 | 773521 | 1547043 |
| 91 | JC, Thane (Rural) | Shilpa Enterprises | 27AAUFS9301A1Z4 | AA2711190473380 date 11.11.2019 | 26.11.2019 | 2746715 | 98825 | 0 | 2845540 |
| 92 | JC, Thane (Rural) | Yasmeen Binder | 27AGCPK0731C1Z1 | AA2701200084220 date 03.01.2020 | 17.03.2020 | 0 | 939119 | 939118 | 1878237 |
| 93 | JC, Thane (Rural) | Rupana Textiles | 27AAJHM8455Q1Z7 | AA2711191670480 date 28.11.2019 | 24.12.2019 | 0 | 720348 | 720348 | 1440696 |
| 94 | JC, Thane (Rural) | Rupana Textiles | 27AAJHM8455Q1Z7 | AA271119086534X date 16.11.2019 | 29.11.2019 | 0 | 628343 | 628342 | 1256685 |
| 95 | JC, Thane (Rural) | Kwality Industries | 27AAQPD3176L1ZA | AA2712190005868 date 01.12.2019 | 12.12.2019 | 1056415 | 0 | 0 | 1056415 |
| TOTAL | | | | | | 30461109 | 63066341 | 115845404 | 209372854 |

Appendix 2.7.1
(Reference: Paragraph 2.7; Page 69)
Short Levy of Tax
Calculation Sheet

| | |
|------------------------------|--|
| Name of the Office | Dy. Commissioner of Sales Tax, PUN-VAT-E-706, Pune |
| Assessment Period | 2014-15 |
| Name of Dealer | M/s K Comp Services |
| TIN | 27710344344V |
| Assessment Order Date | 19/02/2019 |

(Amount in ₹)

| Sl. No. | Particulars of Tablet sold | Invoice No. and date | Sale amount as per sample invoices | Tax leviable at 12.5 % | Tax levied at 5 % | Short levy of Tax/ Differential tax liability |
|---------|---|------------------------------|------------------------------------|------------------------|-------------------|---|
| 1 | Samsung Tab 3 | 42/07.04.2014 | 7,42,857 | 92,857 | 37,143 | 55,714 |
| 2 | Apple ipad Mini WiFi | 386/28.05.2014 | 10,56,000 | 1,32,000 | 52,800 | 79,200 |
| 3 | Apple ipad Mini WiFi | 887/30.07.2014 | 8,69,524 | 1,08,691 | 43,476 | 65,215 |
| 4 | Apple ipad Mini WiFi | 8/06.08.2014 | 2,68,762 | 33,595 | 13,438 | 20,157 |
| 5 | Apple ipad Mini WiFi | 14-15/Dec/154/ 15.12.2014 | 8,04,762 | 1,00,595 | 40,238 | 60,357 |
| 6 | Apple ipad Air2 WiFi, ipad Air 2 WiFi + Cellular, ipad Mini | 14-15/Dec/160/ 15.12.2014 | 7,84,268 | 98,034 | 39,213 | 58,821 |
| 7 | Apple ipad Air WiFi Cellular | 14-15/Dec/185/ 18.12.2014 | 30,20,160 | 3,77,520 | 1,51,008 | 2,26,512 |
| 8 | Apple ipad Mini WiFi | 14-15/Feb/203/ 20.02.2015 | 8,45,476 | 1,05,685 | 42,274 | 63,411 |
| | Total | | 83,91,809 | 10,48,976 | 4,19,590 | 6,29,386 |
| | Interest leviable u/s 30(3) for 47 months | | | | | 5,42,845 |
| | Total short levy of dues | | | | | 11,72,231 |

Calculation of interest for 47 months

(Amount in ₹)

| Tax dues | Period | No. of months | Rate of interest | interest amount | Remarks |
|----------|--------------------------|---------------|--------------------------|------------------|------------------------|
| 6,29,386 | 01.04.2015 to 30.11.2015 | 8 | 1.25 | 62938.61 | upto 30.11.2015 |
| | 01.12.2015 to 31.12.2015 | 1 | 1.25 | 7867.33 | upto one month |
| | 01.01.2016 to 29.02.2016 | 2 | 1.5 | 18881.58 | upto three months |
| | 01.03.2016 to 31.03.2016 | 1 | 2 | 12587.72 | more than three months |
| | 01.04.2016 to 31.03.2017 | 12 | 2 | 151052.67 | |
| | 01.04.2017 to 31.03.2018 | 12 | 2 | 151052.67 | |
| | 01.04.2018 to 28.02.2019 | 11 | 2 | 138464.95 | |
| | | 47 | Interest leviable | 542845.53 | |

Appendix 2.8.1
(Reference: Paragraph 2.8; Page 69)
Short levy of interest due to incorrect calculation
Calculation Sheet

| | |
|------------------------------|--|
| Name of the Office | Dy. Commissioner of Sales Tax, PUN-VAT-E-607 (LTU), Pune |
| Assessment Period | 2014-15 |
| Name of Dealer | M/s Sanjay Automobile Engineering Pvt. Ltd. |
| TIN | 27445225193V |
| Assessment Order Date | 28.03.2019 |

Calculation by the Department

| Tax dues | Period | Rate of Interest | No. of Months | Interest Amount (₹) |
|------------------|-----------------------------|-------------------------|----------------------|----------------------------|
| 16658322 | Up to Nov. 2015 | 1.25 % | 8 | 1665832 |
| | Next two month | 1.50% | 2 | 416458 |
| | Afterwards up to 31.03.2019 | 2% | 38 | 7912703 |
| Total (A) | | | | 9994993 |

Calculation by Audit

| Tax dues | Period | Rate of Interest | No. of Months | Interest Amount (₹) |
|------------------|-----------------------------|-------------------------|----------------------|----------------------------|
| 16658322 | Up to Nov. 2015 | 1.25 % | 8 | 1665832.30 |
| | Dec. 2015 | 1.25 % | 1 | 208229.04 |
| | Next two month | 1.50% | 2 | 499749.69 |
| | Afterwards up to 31.03.2019 | 2% | 37 | 12327159.02 |
| Total (B) | | | | 14700970.05 |

Short levy of interest

| | |
|------------------|---------------------|
| (A) - (B) | ₹ 4705977.05 |
|------------------|---------------------|

Appendix 2.9.1
(Reference: Paragraph 2.9; Page 70)
Excess grant of refund under MVAT
Calculation Sheet

| | |
|------------------------------|---|
| Name of the Office | Dy. Commissioner of Sales Tax, E-002 Amravati |
| Assessment Period | 2012-13 |
| Name of Dealer | M/s Virendra Food Products Pvt. Ltd. |
| TIN | 27600328642V |
| Assessment Order Date | 28.03.2017 |

Sales

(Amount in ₹)

| | As per Department | As per Audit |
|--------------------------|-------------------|--------------|
| GTO Sales | 0 | 0 |
| Total tax payable | 0 | 0 |

Purchase

| | | As per Department | As per Audit |
|-------|--|-------------------|-----------------|
| | GTO purchase | 95478804 | 95478804 |
| Less: | Inter-state Purchase | 20443719 | 20443719 |
| Less: | Goods not eligible for Set-off | 35762350 | 35762350 |
| | within state purchase eligible for set-off | 39272735 | 39272735 |

| Rate of Tax | Net turnover liable to MVAT | Set off available | Set off available |
|-------------|---------------------------------|-------------------|-------------------|
| 5% | 19595449 | 979772 | 979772 |
| 12.50% | 16617002 | 2077125 | 2077125 |
| | Total Set off Admissible | 3056898 | 3056898 |

Available ITC

| | | 3056898 | 3056898 |
|-------|-------------------------------------|----------------|----------------|
| | Total Set off Admissible | 3056898 | 3056898 |
| Less: | J1XJ2 mismatch and reduction U/r 53 | 1176584 | 1176584 |
| Less: | U/r 54 (h) | 0 | 942435 |
| | Total Tax credit admissible | 1880314 | 937879 |

Computation of Tax

| As per department | | As per audit | |
|--|-----------------|--|-----------------|
| MVAT payable | 0 | MVAT payable | 0 |
| less: Set-off | 1880314 | less: Set-off | 937879 |
| balance: Tax payable (+) / Refund (-) | -1880314 | balance: Tax payable (+)/Refund (-) | -937879 |
| Add: interest u/s 52 for 24 months | -225638 | Add: interest u/s 52 for 24 months | -112545 |
| Total Refund granted | -2105951 | Total refund admissible | -1050424 |
| | | Excess Refund granted | -1055527 |

Amount recoverable u/s 51(6)(b)

| | |
|-----------------------------------|----------------|
| Excess Refund (as tax due) | 1055527 |
| Add: interest u/s 51 (6) (b) | 1100387 |
| Total amount Recoverable | 2155914 |

Interest Calculation
Interest u/s 52 as per department

| Tax dues | Period | No. of months | Rate of interest | interest amount |
|-----------------|--------------------------|---------------|--------------------------------|-----------------|
| -1880314 | 01.04.2015 to 31.03.2016 | 12 | 0.005 | -112819 |
| | 01.04.2016 to 31.03.2017 | 12 | 0.005 | -112819 |
| | | | Interest paid on refund | -225638 |

Interest u/s 52 as per Audit

| Tax dues | Period | No. of months | Rate of interest | interest amount |
|----------------|--------------------------|---------------|-----------------------------------|-----------------|
| -937879 | 01.04.2015 to 31.03.2016 | 12 | 0.005 | -56273 |
| | 01.04.2016 to 31.03.2017 | 12 | 0.005 | -56273 |
| | | | Interest payable on refund | -112545 |

Note: (-) ve sign indicates Refundable amount

Interest u/s 51(6) (b) as per Audit

| Tax dues | Period | No. of months | Rate of interest | interest amount | Remarks |
|----------------|--------------------------|---------------|--------------------------|-----------------|------------------------|
| 1055527 | 01.04.2017 to 30.04.2017 | 1 | 1.25 | 13194 | Up-to one month |
| | 01.05.2017 to 30.06.2017 | 2 | 1.5 | 31666 | Up-to three months |
| | 01.07.2017 to 31.03.2018 | 9 | 2 | 189995 | more than three months |
| | 01.04.2018 to 31.03.2019 | 12 | 2 | 253326 | |
| | 01.04.2019 to 31.03.2020 | 12 | 2 | 253326 | |
| | 01.04.2020 to 31.03.2021 | 12 | 2 | 253326 | |
| | 01.04.2021 to 31.08.2021 | 5 | 2 | 105553 | |
| | | 53 | Interest leviable | 1100387 | |

Details of inadmissible ITC under Rule 54 (h) on construction of Factory Building

| Sl. No. | Name of vendor from where purchases were made | Net Price | ITC |
|---------|---|----------------|---------------|
| 1 | Porwal Paint House, Amravati | 281155 | 34788 |
| 2 | Unique Electricals, Amravati | 4170 | 241 |
| 3 | Bhagyalaxmi Rolling Pvt. Ltd. | 8270447 | 413522 |
| 4 | Manikgarh Cement, Gadchandur | 3951071 | 493884 |
| | Total set-off to be disallowed | 8555772 | 942435 |

Details of purchases from Porwal Paint House, Amravati as available in Ledger Accounts

| Sl. No. | Date | Price | VAT | | Total |
|--------------|------------------|---------------|--------------|-----|---------------|
| | | | 12.50% | 5% | |
| 1 | 12.09.2012 | 34448 | 4149 | 63 | 38660 |
| 2 | 15.11.2012 | 7995 | 999 | 0 | 8994 |
| 3 | 02.01.2013 | 98288 | 12000 | 114 | 110403 |
| 4 | 22.01.2013 | 50401 | 6300 | 0 | 56701 |
| 5 | 07.02.2013 | 32338 | 3891 | 60 | 36289 |
| 6 | 25.03.2013 | 19076 | 2385 | 0 | 21461 |
| 7 | 30.03.2013 | 38609 | 4826 | 0 | 43435 |
| | Sub-total | | 34550 | 238 | |
| Total | | 281155 | 34788 | | 315943 |

Details of purchases from Unique Electricals, Amravati as available in Ledger Accounts

| Sl. No. | Date | Price | VAT | | Total |
|--------------|------------|-------------|------------|-------------|--------------|
| | | | 12.50% | 5% | |
| 1 | 13.10.2012 | 4170 | 53 | 188 | 1 |
| Total | | 4170 | 241 | 4411 | Total |

Details of purchases from Bhagalaxmi Rolling Pvt. Ltd. as available in Ledger Accounts

| Sl. No. | Date | Price | VAT | Total |
|--------------|------------|----------------|---------------|----------------|
| 1 | 03.04.2012 | 484155 | 24208 | 508363 |
| 2 | 13.04.2012 | 494539 | 24727 | 519266 |
| 3 | 14.04.2012 | 627142 | 31357 | 658499 |
| 4 | 17.05.2012 | 460921 | 23046 | 483967 |
| 5 | 18.05.2012 | 407538 | 20377 | 427915 |
| 6 | 18.05.2012 | 401114 | 20056 | 421170 |
| 7 | 12.06.2012 | 583769 | 29188 | 612957 |
| 8 | 28.06.2012 | 450127 | 22506 | 472633 |
| 9 | 08.07.2012 | 473559 | 23678 | 497237 |
| 10 | 08.07.2012 | 871304 | 43565 | 914869 |
| 11 | 08.07.2012 | 704418 | 35221 | 739639 |
| 12 | 04.08.2012 | 680086 | 34004 | 714090 |
| 13 | 01.09.2012 | 379031 | 18952 | 397983 |
| 14 | 01.09.2012 | 394380 | 19719 | 414099 |
| 15 | 01.09.2012 | 390802 | 19540 | 410342 |
| 16 | 29.09.2012 | 467562 | 23378 | 490940 |
| Total | | 8270447 | 413522 | 8683969 |

Details of purchases from Manikgarh Cement, Gadchandur as available in Ledger Accounts

| Sl. No. | Date | Price | VAT (12.5%) | Total |
|---------|------------|-------|-------------|-------|
| 1 | 14.04.2012 | 75947 | 9493 | 85440 |
| 2 | 14.04.2012 | 75947 | 9493 | 85440 |
| 3 | 14.04.2012 | 75947 | 9493 | 85440 |
| 4 | 11.05.2012 | 73956 | 9244 | 83200 |
| 5 | 17.05.2012 | 73956 | 9244 | 83200 |
| 6 | 18.05.2012 | 73956 | 9244 | 83200 |
| 7 | 20.05.2012 | 73102 | 9138 | 82240 |
| 8 | 04.06.2012 | 71111 | 8889 | 80000 |
| 9 | 07.06.2012 | 71680 | 8960 | 80640 |
| 10 | 07.06.2012 | 71680 | 8960 | 80640 |
| 11 | 07.06.2012 | 71680 | 8960 | 80640 |
| 12 | 30.06.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 13 | 30.06.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 14 | 01.07.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 15 | 01.07.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 16 | 02.07.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 17 | 02.07.2012 | 73387 | 9173 | 82560 |
| 18 | 14.07.2012 | 72533 | 9067 | 81600 |
| 19 | 14.07.2012 | 72533 | 9067 | 81600 |
| 20 | 26.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 21 | 26.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 22 | 26.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 23 | 26.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 24 | 28.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 25 | 28.07.2012 | 71964 | 8996 | 80960 |
| 26 | 24.08.2012 | 68551 | 8569 | 77120 |
| 27 | 24.08.2012 | 68551 | 8569 | 77120 |
| 28 | 26.08.2012 | 68551 | 8569 | 77120 |
| 29 | 26.08.2012 | 68551 | 8569 | 77120 |
| 30 | 30.08.2012 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 31 | 30.08.2012 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 32 | 01.09.2012 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 33 | 04.09.2012 | 68267 | 8533 | 76800 |

Report No. 3 (Compliance Audit Report for the year ended 31 March 2021)

| Sl. No. | Date | Price | VAT (12.5%) | Total |
|----------------|-------------|----------------|--------------------|----------------|
| 34 | 14.09.2012 | 65422 | 8178 | 73600 |
| 35 | 14.09.2012 | 65422 | 8178 | 73600 |
| 36 | 23.09.2012 | 64853 | 8107 | 72960 |
| 37 | 25.09.2012 | 64000 | 8000 | 72000 |
| 38 | 25.09.2012 | 64853 | 8107 | 72960 |
| 39 | 30.09.2012 | 64853 | 8107 | 72960 |
| 40 | 30.09.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 41 | 30.09.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 42 | 01.10.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 43 | 01.10.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 44 | 01.10.2012 | 64569 | 8071 | 72640 |
| 45 | 28.10.2012 | 65991 | 8249 | 74240 |
| 46 | 28.10.2012 | 65991 | 8249 | 74240 |
| 47 | 12.11.2012 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 48 | 06.12.2012 | 66560 | 8320 | 74880 |
| 49 | 07.12.2012 | 66560 | 8320 | 74880 |
| 50 | 11.12.2012 | 66560 | 8320 | 74880 |
| 51 | 14.01.2013 | 63431 | 7929 | 71360 |
| 52 | 24.01.2013 | 64000 | 8000 | 72000 |
| 53 | 24.01.2013 | 64000 | 8000 | 72000 |
| 54 | 11.02.2013 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 55 | 11.02.2013 | 68267 | 8533 | 76800 |
| 56 | 22.02.2013 | 68689 | 8586 | 77275 |
| 57 | 16.03.2013 | 68836 | 8604 | 77440 |
| Total | | 3951071 | 493884 | 4444955 |

Appendix 2.10.1

(Reference: Paragraph 2.10.1; Page: 72)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 1.06 crore on lease deed due to non-consideration of constructed area

| | |
|---|--|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar, Haveli-XVIII, Dist. Pune |
| Document No. & Year | 10503/2018 |
| Details of property | Lease hold right of land admeasuring 42.05 R i.e 4205 sqm along with constructed area Phase-I admeasuring 30,000 sq.ft i.e 2788.10 sqm and Phase-II admeasuring 30,000 sq.ft.i.e 2788.10 sqm situated at Survey No.12/1 in village Mahalunge (Influence Area), Taluka Mulshi, District Pune. |
| Calculation by Audit | |
| Annual Statement of Rates | 2017-2018 |
| Mouza/Village | Mahalunge (Influence Area) |
| Survey No. | 12/1 |
| Area of property | Open land admeasuring 4205 sqm comprising construction of buildings admeasuring 5576.20 sqm (Phase-I-2788.10 sqm + Phase-II.2788.10 sqm) |
| Rate of open land | ₹ 12,240 per sqm |
| Rate of Residential building/flat | ₹ 51,330 per sqm |
| Lease period | 30 years |
| Market value of the property as per instruction No.7(d) of ASR 2017-18 5576.20sqm X ₹ 51,330 | ₹ 28,62,26,346 |
| 90per cent of the market value as per article 36(iv) ₹ 286226346 X 90% | ₹ 25,76,03,711 |
| Stamp duty leviable @ 5% on ₹ 25,76,03,711 | ₹ 1,28,80,186 |
| Stamp Duty levied | ₹ 23,16,200 |
| Short levy of Stamp Duty | ₹ 1,05,63,986 |
| Calculation by department | |
| Annual Statement of Rates | 2018 |
| District | Pune |
| Taluka | Mulshi |
| Village | Mouza Mahalunge |
| Area | Influence Area |
| Survey No. | 12 |
| Type of Property | Open Land |
| Area of Property | 4205 sqm |
| Rate of open land as per ASR | ₹ 12,240 per sqm |
| Valuation of Land 4205 sqm x ₹ 12,240 =51469200 | ₹ 5,14,69,200 |
| Amount of Consideration | Nil |
| Market Value of premises | ₹ 5,14,69,200 |
| Stamp duty levied | ₹ 23,16,200 |

Appendix 2.10.2

(Reference: Paragraph 2.10.2; Page: 72)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 1.16 crore due to under valuation of property

| | |
|--|---|
| Name of the Office | Joint Sub-Registrar, Haveli-XVIII, Pune. |
| Document No. & Year | 4481/2016. |
| Details of Premises | For a proposed hospital building referred to as the "Bare Shell Building" comprising of 2 (Two) basements, Ground + 7 (seven) upper floors plus terrace, total built up area shall be at least 250000 sq. ft. of which calculable area shall not exceed 240000 sq.ft. i.e 22304.83 sqm which will be constructed by Lessor on the land admeasuring 7965 sqm at bearing survey No. 111/11/1 (pt), at situated at Baner- Mhalunge Road, village Baner Taluka Haveli, District Pune within the limits of Pune Municipal Corporation. |
| Calculation by Audit | |
| Annual Statement of Rates | 2016-17 |
| Village | Baner |
| Zone No. | 39/567 |
| Survey No. | 111/11/1 (pt) |
| Constructed area (maximum calculable area) | 22304.83 sqm |
| Rate of open land | ₹ 24000 per sqm |
| Rate of Ground floor Shop/Commercial | ₹ 91740 per sqm |
| Lease period | 28 years and 11 month |
| Market value of property | |
| <p>Floor wise details are not mentioned in the document, hence for applying Valuation Guideline No. 8(d) which is applicable for valuation of shops in the building comprising larger shopping complex other than Mall, average is arrived at as under: (As per V.G.8(d)-Percentage of rate of shop as assigned in the ASR to be taken into consideration for (i) Basement- 70%, (ii) Ground floor - 100%, (iii) First floor - 90% and (iv) 2nd to 7th floor -80%): Thus, 2 Basement - 140% 1 Ground Floor - 100 % 1 First Floor - 90% 6 Upper Floor - 480% ----- Total 810% Average 810/10 81% Say - 80% of rate assigned to shops in ASR-2016-17 is taken for calculation.</p> | |
| ₹ 91740 X 80% = ₹ 73392 (as per guidelines No. 8(d)) | ₹ 73,392 |
| 22304.83 sqm X ₹ 73,392 | ₹ 163,69,96,083 |
| 50 % of the market value as per article 36(iii) ₹ 163,69,96,083 X 50% | ₹ 81,84,98,042 |
| Stamp Duty leviable @ of 5% | ₹ 4,09,24,902 |
| Stamp Duty levied | ₹ 2,93,19,300 |
| Stamp Duty short levied | ₹ 1,16,05,602 |
| Calculation by department | |
| Amount of Consideration | Nil |
| Market Value of Property | ₹ 117,27,68,548 |
| Stamp duty levied @ 5% on Market Value | ₹ 2,93,19,300 |

Appendix 2.10.3

(Reference: Paragraph 2.10.3; Page: 73)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 12.29 lakh due to undervaluation of property

| | |
|---|--|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar (Class-II), Haveli-V, District Pune |
| Document No. & Year | 570/2017 |
| Details of property | Industrial plot having area admeasuring 2957 sqm alongwith industrial shed admeasuring 670 sqm standing thereon situated at plot No. S-36, T Block in Pimpri Industrial Area of MIDC, Village Bhosari within the limits of Pimpri-Chinchwad Municipal Corporation. |
| Calculation by Audit | |
| Annual Statement of Rates | 2016-17 |
| Mouza | Bhosari District Pune. |
| Survey No(s). | Plot No.S-36, T Block |
| Rate of open land /Zone/Vibhag No.46/2 | ₹ 25,630 per sqm |
| Construction rate | ₹ 22,000 per sqm |
| Construction rate for industrial shed as per Note below construction rate: ₹ 22,000 X 75% | ₹ 16,500 per sqm |
| Area of land | 2,957 sqm |
| Area of Industrial shed | 670 sqm |
| Market Value of land | |
| 2,957 sqm X ₹ 25,630(a) | ₹ 7,57,87,910 |
| Market Value of industrial shed | |
| As per instruction No.6 of ASR depreciation of 30 % 670 sqm X ₹ 16,500 X 70%(b) | ₹ 77,38,500 |
| Total market value of property (a + b) | ₹ 8,35,26,410 |
| 90% of total market value | ₹ 7,51,73,769 |
| Stamp Duty leviable @ 5% | ₹ 37,58,688 |
| Stamp Duty levied | ₹ 25,30,000 |
| Stamp Duty short levied | ₹ 12,28,688 |
| Calculation by department | |
| Amount of Consideration | ₹ 5,06,00,000 |
| Market Value of land | ₹ 4,90,46,000 |
| Stamp duty levied | ₹ 25,30,000 |

Appendix 2.10.4

(Reference: Paragraph 2.10.4; Page: 74)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 16.26 lakh due to non-consideration of renewal period of lease

| | |
|--|---|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar, Class-II, Haveli-III, Pune |
| Document No. & Year | 3058/2019 |
| Details of Premises | Units No EB-GF-28 & 29 admeasuring chargeable area 10104 sqft i.e 939.03 sqm on ground floor in Retail Mall/Shopping Complex known as "Amanora Town Centre" at village Sadesatranali, Hadaspsar, Taluka Haveli, District Pune |
| Calculation by Audit | |
| ASR | 2018-19 |
| Village | Sadesatranali, Hadaspsar, Taluka Haveli, District Pune |
| Zone No. | 14.4 |
| Survey No. | Amanora Town Centre |
| Area | 10104 sq.ft. i.e 939.03 sqm |
| Rate of Ground floor shop /Commercial | ₹ 1,41,490 |
| Market value of the property 939.03 sqm X ₹ 1,41,490 | ₹ 13,28,63,355 |
| Total Market Value | ₹ 13,28,63,355 |
| 50% of the market value as per article 36(iii) | ₹ 6,64,31,678 |
| Stamp duty leviable @ 5% | ₹ 33,21,584 |
| Stamp duty levied | ₹ 16,95,800 |
| Stamp Duty Short levied | ₹ 16,25,784 |
| Calculation by department | |
| Amount of Consideration | NIL |
| Market Value of Property | ₹ 13,28,64,844 |
| Stamp duty levied | ₹ 16,95,800 |

Appendix 2.10.5*(Reference: Paragraph 2.10.5.; Page: 75)***Short levy of Stamp Duty of ₹ 21.93 lakh due to non consideration of renewal period of lease**

| | |
|--|---|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar Thane-VIII, Dist. Thane |
| Document No. & Year | 3961/2015 |
| Details of property | For unfurnished hospital, Basement +G+7 Floor building (as is where is basis) for running hospital in newly constructed PHC building admeasuring area 1899.64 sqm constructed on land admeasuring 990.27 sqm situated at Sector 3K, Airoali, New Mumbai |
| Calculation by Audit | |
| Market value of property as determined by the JDR, Thane city in adjudication order. | ₹ 17,54,15,500 |
| 50 per cent of the market value | ₹ 8,77,07,750 |
| Stamp Duty leviable @ 5% | ₹ 43,85,388 |
| Stamp Duty levied | ₹ 21,92,700 |
| Stamp Duty short levied | ₹ 21,92,688 |
| Calculation by department | |
| Amount of Consideration | ₹ 15,00,000 |
| Market Value of premises | ₹ 17,54,15,500 |
| Stamp duty levied | ₹ 21,92,700 |

Appendix 2.10.6*(Reference: Paragraph 2.10.6; Page: 75)***Short levy of Stamp Duty of ₹ 4.00 crore on renewal of lease deed.****Name of office:** Joint District Registrar-I, Nagpur

Lease Period: 30 years

| Sl. No. | Instrument Number/ Year | Market Value determined by Department (in ₹) | Market Value calculated by Audit (in ₹) | 90% of market value calculated by Audit (in ₹) | Stamp duty leviable at the rate of 5% on 90% of market value (in ₹) | Stamp duty levied (in ₹) | Short levy of Stamp Duty (in ₹) |
|---------|-------------------------|--|---|--|---|--------------------------|---------------------------------|
| 1 | 2978/2018 | 40,85,500 | 32,88,38,070 | 29,59,54,263 | 1,47,97,713 | 2,04,300 | 1,45,93413 |
| 2 | 3992/2018 | 13,63,420 | 15,36,38,100 | 13,82,74,290 | 69,13,715 | 68,200 | 68,45,515 |
| 3 | 4753/2018 | 38,90,000 | 10,61,91,800 | 9,55,72,620 | 47,78,631 | 1,94,500 | 45,84,131 |
| 4 | 3905/2018 | 6,61,000 | 7,65,49,616 | 6,88,94,654 | 34,44,733 | 33,200 | 34,11,533 |
| 5 | 2465/2018 | 10,63,000 | 6,44,55,772 | 5,80,10,195 | 29,00,510 | 47,900 | 28,52,610 |
| 6 | 5070/2018 | 6,84,400 | 6,06,10,000 | 5,45,49,000 | 27,27,450 | 34,300 | 26,93,150 |
| 7 | 2468/2018 | 6,80,500 | 5,66,00,045 | 5,09,40,040 | 25,47,002 | 34,100 | 25,12,902 |
| 8 | 4382/2018 | 7,13,376 | 3,61,66,500 | 3,25,49,850 | 16,27,493 | 35,700 | 15,91,793 |
| 9 | 3722/2018 | 20,77,000 | 2,19,70,850 | 1,97,73,765 | 9,88,688 | 1,04,000 | 8,84,688 |
| | Total | 1,52,18,196 | 90,50,20,753 | 81,45,18,677 | 4,07,25,935 | 7,56,200 | 3,99,69,735 |

Appendix 2.11.1*(Reference: Paragraph 2.11.1.1; Page: 77)***Short levy of Stamp Duty of ₹ 39.39 lakh due to incorrect calculation of market value**

| | |
|---|---|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar, Class-II Aurangabad-V, District Aurangabad |
| Document No. & Year | 8654/2015 |
| Details of property | Open plot No.2 admeasuring 3716.71 sqm alongwith TDR admeasuring 1486.98 sqm (together called as demised plot) situated at Gat No.701 village Chikalhana, Taluka and District Aurangabad within the limits of Aurangabad Municipal Corporation. |
| Calculation by Audit | |
| Annual Statement of Rates | 2015 |
| Mouza | Chikalhana, Taluka and District Aurangabad |
| Survey/Gut Nos. | 701 |
| Zone/Vibhag No. | 10.156 |
| Rate of open land | ₹ 22,200 per sqm |
| Residential unit rate | ₹ 29,700 per sqm |
| Area of land As per paragraph on page 10 of the document Land and TDR are jointly considered as demised plot. Hence area of land is 5203.69 sqm | 3716.71 sqm + 1486.98 sqm Total 5203.69 sqm |
| Market Value of Developer's share 5203.69 sqm X ₹ 22,200 = ₹ 11,55,21,918 | ₹ 11,55,21,918 |
| Total market Value of land (A) | ₹ 11,55,21,918 |
| Amount of Owner's Share (Consideration) | |
| Owner's Share 48% (a) 5203.69 sqm X 48% = 2497.77 sqm 2497.77 sqm X ₹ 29,700 X 0.85 = ₹ 6,30,56,204 | ₹ 6,30,56,204 |
| Interest on deposit of ₹ 1,75,00,000/- (b) For 2 years (by applying instruction no. 33(A) (ii) of ASR) i.e., ₹ 1,75,00,000 X 10% X 2 = ₹ 35,00,000 | ₹ 35,00,000 |
| Total Amount of Consideration (a+b) (B) | ₹ 6,65,56,204 |
| Stamp Duty leviable @ 5% on market value being higher than consideration | ₹ 57,76,096 |
| Stamp Duty levied | ₹ 18,37,500 |
| Stamp Duty Short levied | ₹ 39,38,596 |
| Calculation by department | |
| Amount of Consideration | ₹ 3,56,80,416 |
| Market Value of land | ₹ 3,56,80,416 |
| Stamp duty levied | ₹ 18,37,500 |

Appendix 2.11.2

(Reference: Paragraph 2.11.1.2; Page: 77)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 55.13 lakh due to incorrect calculation of owner's share

| | | | |
|---|---|------------------------|--------------------|
| Name of the Office | Joint Sub-Registrar Class-II, Amravati City-II, District Amravati | | |
| Document No. & Year | 2587/2016 | | |
| Details of property | For development of land admeasuring 14,600 sqm bearing survey No. 159/1, 159/2 and 162 and land admeasuring 4800 sqm of survey No. 160 and 164/2, total land admeasuring 19,400 sqm situated at <i>Mouze Badnera Taluka Amravati</i> within the limits of Amravati Municipal Corporation. | | |
| Calculation by Audit | | | |
| Annual Statement of Rates | 2016-17 | | |
| <i>Mouza</i> | Badnera Dist. Amravati | | |
| Rate of open land for Survey No.159/1, 159/2 and 162 (Zone 17.522) | ₹ 2,000 per sqm | | |
| Rate of open land for Survey No.160 and 164/2 (Zone 17.435) | ₹ 1,050 per sqm | | |
| Minimum residential unit rate as per instruction No. 7(i) (B) of ASR 2016-17 (1050 + 19000) X 1.15 = ₹ 23,058 | ₹ 23,058 per sqm | | |
| Survey No. & Area of land | Survey No./Hissa No. | Area in Hectare | Area in sqm |
| | 159/1 | 0-51 | 5100 |
| | 159/2 | 0-11 | 1100 |
| | 160 | 0-16 | 1600 |
| | 162 | 0-84 | 8400 |
| | 164/2 | 0-32 | 3200 |
| | | 1-94 | 19400 |
| Calculation of Developer's share (Market Value of Whole land) | | | |
| For Survey No.159/1, 159/2 and 162 (5100 sqm+1100 sqm+8400 sqm=14,600 sqm) 14600 X 2000 = ₹ 2,92,00,000(a) | | | |
| ₹ 2,92,00,000 | | | |
| For Survey No.160 and 164/2 (1600 sqm + 3200 sqm = 4,800 sqm) 4800 X 1050 = ₹ 50,40,000(b) | | | |
| ₹ 50,40,000 | | | |
| Total market Value of land (a+b) | (A) | ₹ 3,42,40,000 | |
| Calculation of Owner's Share (Consideration) | | | |
| Owner's Share 35 per cent 19,400 sqm X 35 % = 6790 sqm 6790 sqm X ₹ 23,058 X 0.85 = ₹ 13,30,79,247 | | | |
| ₹ 13,30,79,247 | | | |
| Total Amount of Owner's Share | (B) | ₹ 13,30,79,247 | |
| Stamp Duty leviable @ 5% | ₹ 66,53,962 | | |
| Stamp Duty levied | ₹ 11,41,400 | | |
| Stamp Duty short levied | ₹ 55,12,562 | | |
| Calculation by Joint Sub Registrar-II, Amravati, District Amravati | | | |
| Amount of Consideration | ₹ 2,28,27,000 | | |
| Market Value of land | ₹ 2,28,27,000 | | |
| Stamp duty levied | ₹ 11,41,400 | | |

| Appendix 2.11.2 (concl...) | |
|---|------------------------|
| Calculation by Joint District Registrar, Class-I, Amravati, District Amravati | |
| Amount of Consideration (Owner's Share) | |
| Area of plot after excluding road and open space 16675.17 As per DCR FSI - 1.1 Permissible built up area 18342.68 sqm (19000+1050)X1.15X18342.68=₹ 42,29,36,344 Owner's Share 35 per cent ₹ 42,29,36,344X35%X0.85= ₹ 12,58,23,662.36 | ₹ 12,58,23,662.36 |
| Stamp duty leviable ₹ 12,58,23,662.36 X 5% = ₹ 62,91,183 | ₹ 62,91,183 |
| Stamp duty levied | ₹ 11,41,400 |
| Short levy of Stamp Duty | ₹ 51,49,783 |
| Calculation by Office of the Inspector General of Registration and Controller of Stamps, Pune | |
| Annual Statement of Rates | 2016-17 |
| <i>Mouza</i> | Badnera Dist. Amravati |
| Rate of open land for Survey No.159/1, 159/2 and 162 (Zone 17.522) | ₹ 2,000 per sqm |
| Rate of open land for Survey No.160 and 164/2 (Zone 17.435) | ₹ 1,050 per sqm |
| Minimum residential unit rate as per instruction No. 7(i) (B) of ASR 2016-17 (1050 + 19000) X 1.15 = ₹ 23,058 | ₹ 23,058 per sqm |
| Total Area | 19,400 sqm |
| Calculation of Developer's share (Market Value of Whole land) | ₹ 2,92,00,000 |
| For Survey No.159/1, 159/2 and 162 (5100 sqm+1100 sqm+8400 sqm = 14,600 sqm) 14600 X 2000 =₹ 2,92,00,000(a) | ₹ 50,40,000 |
| For Survey No.160 and 164/2 (1600 sqm + 3200 sqm = 4,800 sqm) 4800 X 1050 = ₹ 50,40,000(b) | |
| Total market Value of land (a +b) (A) | ₹ 3,42,40,000 |
| Calculation of Owner's Share (Consideration) | |
| Total permissible built up area 21010.71 sqm out of this Owner's Share 35 per cent 21,010.71 sqm X35 % = 7353.74 sqm 7353.74 sqm X ₹ 24,150 X 0.85 = ₹ 15,09,53,898 | ₹ 15,09,53,898 |
| Total Amount of Owner's Share (B) | ₹ 15,09,53,898 |
| Stamp Duty leviable @ 5% | ₹ 75,47,694 |
| Stamp Duty levied | ₹ 11,41,400 |
| Stamp Duty short levied | ₹ 64,06,294 |

Appendix 2.11.3

(Reference: Paragraph 2.11.1.3; Page: 78)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 1.07 crore due to incorrect consideration of Owner's share

| | | | |
|--|--|--------------------|--------------------|
| Name of the Office | Joint Sub-Registrar-VIII, Haveli Dist. Pune | | |
| Document No. & Year | 5469 / 2016 | | |
| Details of land | Development of land admeasuring 67,272 sqm at Survey No. 15 part and 16 part, situated at village Yeolewadi, Taluka Haveli, within the limits of Pune Municipal Corporation. (Detail survey wise as under) | | |
| | Survey No. | Area in HR | Area in sqm |
| | 15/1(part) | 00H 53.72 R | 5,372 |
| | 16/1/4 | 00H 23.00 R | 2,300 |
| | 16/1/8A/1 | 00H 68.00 R | 6,800 |
| | 16/1/8A/2 | 00H 68.00 R | 6,800 |
| | 16/1/8B/1 | 01H 02.00 R | 10,200 |
| | 16/1/8B/2 | 00H 34.00 R | 3,400 |
| | 16/1/9 | 00H 61.00 R | 6,100 |
| | 16/1/10 | 00H 83.00 R | 8,300 |
| | 16/1/11 | 00H 33.00 R | 3,300 |
| | 16/1/12/2 | 01H 04.00 R | 10,400 |
| | 16/1/12/3 | 00H 68.00 R | 4,300 |
| | Total | 06H 72.72 R | 67,272 |
| Calculation by Audit | | | |
| Annual Statement of Rates | 2016-17 | | |
| Zone No. /Vibhag No. | 65/717, 65/718 | | |
| Mouza/Village | Yeolewadi | | |
| Rate of open land for survey No.15 | ₹ 10,000 per sqm | | |
| Residential Unit Rate for survey No.15 | ₹ 35,000 per sqm | | |
| Rate of open land for survey No.16 | ₹ 9,000 per sqm | | |
| Residential Unit Rate for survey No.16 | ₹ 33,000 per sqm | | |
| Area of land | 5,372 sqm of survey No. 15/1 (part) and 61,900 sqm of survey No.16 (part) total 67,272 sqm | | |
| Ratio of share between Owner : Developer | Unsold units 28.20: 71.80 Allotted Premises 12.90: 87.10 Row house & villas 43.00:57.00 | | |
| Market Value of land as per instruction 16(c) of ASR 5,372 sqmX₹ 10,000X90% =₹ 4,83,48,000 (a) 61,900 sqm X ₹ 9,000 x 90% = ₹ 50,13,90,000 (b) Total : (a+b) = ₹ 54,97,38,000 | ₹ 54,97,38,000 | | |
| Amount of Consideration (Owner's Share) Note : Rate of residential building in respect of Survey No. 16 is adopted (being lower) for the purpose of valuation | | | |
| Share in sale proceeds for allotted premises Area 3,00,853 sq.ft. i.e 27,960.31 sqm 27,960.31 sqm X 12.9 % X ₹ 33000 X 0.85 | ₹ 10,11,72,984 (A) | | |
| Share in sale proceeds for row house and villa Area 6,749.38 sqm 6,749.38 sqm X 43 % X ₹ 33,000 X 0.85 | ₹ 8,14,07,647 (B) | | |

| Appendix 2.11.3 (concl...) | |
|---|--------------------|
| Share in sale proceeds for unsold premises Total FSI = 74,202 sqm 74,202sqm - 27,960.31 sqm -6,749.38 sqm= 39,492.31 sqm 39,492.31 sqm X 28.20 % X ₹ 33,000 X0.85 | ₹ 31,23,88,121 (C) |
| Total Amount of Consideration (A+B+C) | ₹ 49,49,68,752 |
| Stamp Duty leviable @ 5% on market value being higher | ₹ 2,74,86,900 |
| Stamp Duty levied | ₹ 1,67,55,000 |
| Short levy of Stamp Duty | ₹ 1,07,31,900 |
| Calculation by Joint Sub Registrar-VIII, Haveli Dist. Pune | |
| Market value | ₹ 12,04,35,200 |
| Consideration | ₹ 33,50,65,000 |
| Stamp Duty levied | ₹ 1,67,55,000 |
| Calculation by Inspector General of Registration and Controller of Stamps, Pune | |
| Market value of land as per instruction 31 of ASR 67,672 sqm x ₹ 10,000 x 1.25 | ₹ 84,09,00,000 |
| Stamp Duty leviable | ₹ 4,20,45,000 |
| Stamp Duty levied | ₹ 1,67,55,000 |
| Short levy of Stamp Duty | ₹ 2,52,90,000 |

Appendix 2.11.4

(Reference: Paragraph 2.11.2.1; Page: 79)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 10.27 lakh due to incorrect calculation of Owner's share

| | |
|--|---|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar, Haveli-X, Dist. Pune |
| Document No. & Year | 2036/2015 |
| Details of property | For development of piece and parcel of land admeasuring 3,600 sqm bearing Gut No.637 of village Kirkatwadi (Influence area), Taluka Haveli, District Pune |
| Calculation by Audit | |
| Annual Statement of Rates | 2015 |
| Mouza | Kirkatwadi (Influence area), Taluka Haveli, District Pune |
| Gut No. | 637 |
| Rate of open land /Zone/Vibhag No.25/25.1 | ₹ 1,340 per sqm |
| Construction Rate | ₹ 15,400 per sqm |
| Area of land | 3,600 sqm |
| Amount of Consideration (Owner's Share) | |
| Area of Owners 18480 sq.ft. i.e 1717.47 sqm 1717.47 sqm X ₹ 15,400 | ₹ 2,64,49,038 (a) |
| Interest on security deposit of ₹ 44,00,000 for 7 years i.e. ₹ 44,00,000 X 10% X 7 years | ₹ 30,80,000 (b) |
| Two bungalow plots 2 X 200 sqm X ₹ 1,340 | ₹ 5,36,000 (c) |
| Total Amount of Consideration (a + b + c) | ₹ 3,00,65,038 (A) |
| Market value of Developer's share | |
| As agreed ratio of sharing of proposed constructed area is 40 (Owner): 60 (Developer), the same is applied to arrive at area of the land comprised in the share of Developer for application of VG 32: 60% of 3600 = 2160 sqm X ₹ 1,340 | ₹ 28,94,400 (B) |
| Stamp Duty leviable @ 4% on consideration | ₹ 12,02,602 |
| Stamp Duty levied | ₹ 1,76,000 |
| Stamp Duty short levied | ₹ 10,26,602 |
| Calculation by department | |
| Amount of Consideration | ₹ 44,00,000 |
| Market Value of land | ₹ 42,00,000 |
| Stamp duty levied | ₹ 1,76,000 |

Appendix 2.11.5

(Reference: Paragraph 2.11.3.1; Page: 80)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 91.43 lakh due to undervaluation of property.

| | |
|--|---|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar, Mumbai-I |
| Document No. & Year | 7992/2015 |
| Details of property | admeasuring area 648.83 sqm. being, lying and situated at 56-62, A, August Kranti Marg, bearing CTS No. 540 of Malabar – Cumballa Hill Division |
| Calculation by Audit | |
| ASR | 2015 |
| Zone /Division No | 7/64A |
| Construction cost | ₹ 25,000 per Sqm |
| Rate of open land | ₹ 2,74,400 per Sqm |
| Plot Area in Sqm | 648.83 sqm |
| Total FSI (3*648.83) | 1946.49 sqm |
| Total area with existing members | 2064.20 sqm (A) |
| Add 50 % of Total area with the existing members as incentive FSI | 1032.10 sqm (B) |
| Total (A + B) | 3096.30 sqm |
| Less Area to be available with the existing tenants (members) | 2064.20 sqm |
| Balance Area available to developer | 1032.10 sqm |
| Market value of balance area (1032.10*₹ 274400) | ₹ 28,32,08,240 |
| Market Value of fungible area available to developer 1032.10*0.35*274400*0.4 | ₹ 3,96,49,154 |
| Total MV | ₹ 32,28,57,394 |
| Consideration | |
| Construction cost of area to be given to members (2777.98*25000) | ₹ 6,94,49,500 |
| Car Parking cost (32*13.75* 25000*0.25) | ₹ 27,50,000 |
| Hardship compensation | ₹ 3,33,00,000 |
| Displacement compensation (28417800*3) | ₹ 8,52,53,400 |
| Brokerage charges (one month rent) (28417800/12) | ₹ 23,68,150 |
| Shifting charges(16*2*15000) | ₹ 4,80,000 |
| Total consideration | ₹ 19,36,01,050 |
| Stamp Duty leviable @ 5% on Market value (₹ 32,28,57,394) | ₹ 1,61,42,870 |
| Stamp Duty levied | ₹ 70,00,000 |
| Short levy of Stamp Duty | ₹ 91,42,870 |
| Calculation by department | |
| Amount of Consideration | ₹ 13,95,86,500 |
| Market Value of land | ₹ 13,95,86,500 |
| Stamp duty levied | ₹ 70,00,000 |

Appendix 2.11.6

(Reference: Paragraph 2.11.3.2; Page: 81)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 17.70 lakh due to incorrect calculation of consideration – Redevelopment of Society

| | |
|---|---|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar-VII, Borivali |
| Document No. & Year | 8840/2014 |
| Details of property | All pieces or parcel of Khote land admeasuring 3539.58 sqm. Bearing CTS No. 1404, 1404/1 to 23 at Village Eksar, Taluka Borivali, Mumbai Suburban District. |
| Calculation by Audit | |
| ASR | 2014 |
| CTS No. | 1404, 1404/1 to 23 |
| Zone /Division No | 87/394 |
| Construction Cost | ₹ 17,600 per sqm |
| Flat Rate | ₹ 1,02,300 per sqm |
| Rate of open land | ₹ 46,100 per sqm |
| Plot Area in Sqm | 3539.58 sqm |
| Total FSI (2.7*3539.58) | 9556.87 sqm |
| Total area to be given to the members | 3786.10 sqm |
| Balance Area available to developer | 5770.77 sqm |
| Market value of balance area available to developer (5770.77 * ₹ 46,100) | ₹ 26,60,32,497 |
| Less Premium payable on FSI/TDR (3539.58 * 1.7 * 0.6 * ₹ 46,100) | ₹ 16,64,38,131 |
| Market value (₹ 19,62,06,180 - ₹ 12,27,52,634) | ₹ 9,95,94,366 |
| Consideration | |
| Construction cost (3786.10*₹ 17,600) (A) | ₹ 6,66,35,360 |
| Car Parking cost (49*13.75*₹ 17,600*0.25) (B) | ₹ 29,64,500 |
| Corpus Fund (C) | ₹ 3,46,12,212 |
| Rent for Residential (D) (For First Twelve Months - ₹ 1,55,29,147 For Second Twelve Months - ₹ 1,70,82,062 For Third Twelve Months - ₹ 1,87,90,268 For Fourth Six Months - ₹ 1,03,34,647 | ₹ 6,17,36,124 |
| Rent for Commercial (E) (For First Twelve Months – ₹ 43,88,698 For Second Twelve Months - ₹ 48,27,567 For Third Twelve Months - ₹ 53,10,324 For Fourth Six Months - ₹ 29,20,678 | ₹ 1,74,47,267 |
| Brokerage charges for Residential (Two month rent) (F) | ₹ 25,88,191 |
| Brokerage charges for Shop (G) | ₹ 7,31,450 |
| Shifting charges (49 * ₹ 20,000) (H) | ₹ 9,80,000 |
| Architect/Consultant Fees (₹ 2,00,000*4) (I) | ₹ 8,00,000 |
| Society Office (20*₹ 17,600) (J) | ₹ 3,52,000 |
| Total consideration (A+B+C+D+E+F+G+H+I+J) | ₹ 1,88,47,104 |
| Stamp Duty leviable @ 5% on consideration | ₹ 94,42,355 |
| Stamp Duty leviable on Bank Guarantee (₹ 8,00,00,000) under Article 54 | ₹ 4,00,000 |
| Total Stamp Duty leviable | ₹ 98,42,355 |

| Appendix 2.11.6 (cont...) | | | | | |
|--|-----------------|--------------------------------|----------------------------------|--------------------|--------------------|
| Stamp Duty levied at the time of registration of instrument | | | | | ₹ 22,85,000 |
| Short levy of Stamp Duty pointed out by Audit | | | | | ₹ 75,57,355 |
| Stamp Duty recovered after pointed out by Audit | | | | | ₹ 58,50,050 |
| Balance amount of short recovery of Stamp Duty | | | | | ₹ 17,07,305 |
| Calculation by Joint Sub Registrar-VII, Borivali, Mumbai Suburban District. | | | | | |
| Amount of Consideration | | | | | ₹ 3,46,12,213 |
| Market Value | | | | | ₹ Nil |
| Stamp Duty levied | | | | | ₹ 22,85,000 |
| Calculation by Collector of Stamps, Borivali, Mumbai Suburban District | | | | | |
| Agreement to Grant Development Rights (42 months + 6 months grace period) | | | | | |
| BRL-7/8840/2014 | Land | Flat | Office | Shop | Construction Cost |
| 2014 | 34,000 | 75,200 | | | 17600 |
| Zone- Village- Eksar | 85/384 | | | | |
| Plot area | 3539.58 | Sq. mtrs | | | |
| | | Existing Carpet Area in Sq.ft. | Existing Buildup area in Sq. mt. | | |
| Existing area of members | | 23854.04 | 2660.30 | | |
| No. of Members/ Flat | 49 | | | | |
| Residential Members | 41 | 21568.26 | 2405.38 | | |
| Shop members | 8 | 2285.78 | 254.92 | | |
| | | New Carpet area in Sq. ft. | Total New Buildup Area in Sq mtr | | |
| Additional New Area | 49 | 33948.70 | 3786.10 | | |
| Residential Members (33%+7% =40%) | 41 | 30695.81 | 3423.32 | | |
| Shop members (33%+7% =40%) | 8 | 3252.89 | 362.78 | | |
| Permissible Area | 3539.58 | x | 2.70 | = | 9556.87 |
| Fungible FSI | Free Fungible | | Chargeable Fungible residential | | |
| 2,477.71 | 892.87 | | 1,584.84 | | |
| Permissible/Potential Type of FSI | Area in Sq mtr. | X Land Rate | X Multifunction | = Total value of ₹ | |
| Existing Basic-I | 3,539.58 | 34,000 | | | 120,345,72 |
| Available TDR I | 3,539.58 | 34,000 | 0.40 | | 48,138,288 |
| Fungible FSI (3539.58 +3539.58=7079.16) 7079.16x0.35 =2477.71 sq.mtr | | | | | |
| 7,079.16 | 2,477.71 | | | | |
| Free Fungible on Existing Residential and shop | 892.87 | 34,000 | 1.00 | | 30,357,502 |
| Free Fungible Residential | 2,405.38 | 0.35 | 841.88 | | |
| Free fungible shop | 254.92 | 0.20 | 50.98 | | |
| Total Free Fungible | | | 892.87 | | |
| Charging Premium on Residential (2477.71-892.87-50.98=1533.85) | 1,533.85 | 34,000 | 0.40 | | 20,860,419 |

| Appendix 2.11.6 (concl...) | | | | | |
|---|------------------------|----------|----------|---|--------------------|
| (On Shop there is 100% Charging premium i.e there is no free fungible on shop) | | | | | |
| Charging premium on Shop | 50.98 | 34,000 | 1.00 | | 1,733,454 |
| Total | 9,556.87 | | | | 221,435,383 |
| Average Rate | Total Value/total area | | 23170.29 | | |
| Market Value | Balance Area * | | | | |
| | Average Rate | | | | |
| 9,556.87 | 3786.10 | = | 5,770.77 | Sq.mtrs | |
| | Balance Area * | | | | |
| | Average Rate | | | | |
| | 5,770.77 | 23170.29 | | | 133,710,329 |
| Value of Developers area is Market Value is i.e ₹ | | | | | 133,711,000 |
| Consideration | | | | | Amount in ₹ |
| New area given to Residential & Shop Members | 3786.10 | 17600 | | | 66635367 |
| Corpus Fund to Residential & | 23854.04 | 1451 | | | 34612212 |
| Rent For Residential For First 12 months | 21568.26 | 60 | 12 | | 15529147 |
| For second 12 months (10%) | 21568.26 | 66 | 12 | | 17082062 |
| For Third 12 months (10%) | 21568.26 | 72.60 | 12 | | 18790268 |
| For Fourth 6 months (10%) | 21568.26 | 79.86 | 6 | | 10334647 |
| 5. Brokeagare for Residential | | | | | |
| For First 12 months | 21568.26 | 60 | 2 | | 2588191 |
| 6. Rent to shop | | | | | |
| For First 12 Months (10%) | 2285.78 | 160 | 12 | | 4388698 |
| For Second 12 Months (10%) | 2285.78 | 176 | 12 | | 4827567 |
| For Third 12 Months (10%) | 2285.78 | 193.6 | 12 | | 5310324 |
| For Fourth 6 Months (10%) | 2285.78 | 212.96 | 6 | | 2920678 |
| 7. Brokerage For Shop | | | | | |
| For First Term | 2285.78 | 160 | 2 | | 731450 |
| 8. Shifting Charges | 20000 | 49 | | | 980000 |
| 9. Car Parking | 13.75 | 17600 | 49 | 0.25 | 2964500 |
| 10. Society office | 20.00 | 17600 | | | 352000 |
| 11. Advocate Fee | | | | | 800000 |
| | | | | Total | 188847111 |
| | | | | Total Consideration | 188848000 |
| | | | | SD leviable on 5(g-a) | 94,42,400 |
| | | | | SD leviable on 54(ii) | 4,00,000 |
| | | | | Total SD leviable | 98,42,400 |
| | | | | Total SD levied | 2285000 |
| | | | | SD recovered vide challan 24.06.2019 | 5850050 |
| | | | | Outstanding amount of SD | 1707350 |

Appendix 2.12.1

(Reference: Paragraph 2.12.1; Page: 82)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 40.96 lakh due to undervaluation of property

| | |
|---|---|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar-II, Haveli, Dist. Pune |
| Paragraph No. and year of Inspection Report | Paragraph-4 of Inspection Report-2016-17 |
| Document No. & Year | 1571/2016 |
| Details of property | For land admeasuring 40 Ares i.e 4000 sqm of Survey No. 90/B, land admeasuring 1 hectre 42 Ares i.e 14200 sqm of Survey No.90/A/2 and land admeasuring 61 Ares i.e 6100 sqm of survey No. 90/A/1/2 i.e total land admeasuring 2 hectare 43 Ares i.e 24300 sqm situated at village Dhanorie, Taluka Haveli District Pune within the limits of Pune Municipal Corporation |
| Calculation by Audit | |
| Annual Statement of Rates | 2015 |
| Zone No. | 26/409 |
| Mouza/Village | Dhanorie, Taluka Haveli |
| Survey No. | 90/B, 90/A/2 and 90/A/1/2 |
| Rate of open land | ₹ 14,040 per sqm |
| Area of land | 24,300 sqm |
| True market value of land as per instruction No. 16 (b) | ₹ 22,78,69,200 |
| 500 sqm X 14,040 X 100 % = ₹ 70,20,000 | |
| 1,500 sqm X 14,040 X 90 % = ₹ 1,89,54,000 | |
| 2,000 sqm X 14,040 X 80 % = ₹ 2,24,64,000 | |
| 6,000 sqm X 14,040 X 70 % = ₹ 5,89,68,000 | |
| 14,300 sqm X 14,040 X 60 % = ₹ 12,04,63,200 | |
| Total : ₹ 22,78,69,200 | |
| Stamp Duty leviable @ 6% | ₹ 1,36,72,152 |
| Stamp Duty levied | ₹ 95,76,000 |
| Short levy of Stamp Duty | ₹ 40,96,152 |
| Calculation by Joint Sub Registrar-II, Haveli, District Pune | |
| Annual Statement of Rates | 2015 |
| Zone No. | 26/409 |
| Mouza/Village | Dhanorie, Taluka Haveli |
| Survey No. | 90/B, 90/A/2 and 90/A/1/2 |
| Rate of open land | ₹ 14,040 per sqm |
| Area of land | 24,300 sqm |
| Market value of land as per instruction No. 16 (B) | ₹ 22,78,69,200 |
| 500 sqm X 14,040 X 100 % = ₹ 70,20,000 | |
| 1,500 sqm X 14,040 X 90 % = ₹ 1,89,54,000 | |
| 2,000 sqm X 14,040 X 80 % = ₹ 2,24,64,000 | |
| 6,000 sqm X 14,040 X 70 % = ₹ 5,89,68,000 | |
| 14,300 sqm X 14,040 X 60 % = ₹ 12,04,63,200 | |
| Total : ₹ 22,78,69,200 | |
| 70 per cent of the Market Value (A) | ₹ 15,96,00,000 |
| Amount of Consideration (B) | ₹ 8,62,00,000 |
| Stamp Duty levied @ 6 % on 70 per cent of market value (A) | ₹ 95,76,000 |

Appendix 2.12.2

(Reference: Paragraph 2.12.2; Page: 83)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 56.06 lakh due to undervaluation of property

| | |
|---|--|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar, Andheri – I,MSD |
| Document No. & Year | 9353/2018 |
| Details of property | For rectifying the area of land in conveyance deed admeasuring 1012.80 sqm i.e 3922 sqm to 4934.80 sqm of CTS No.435, 435/1 situated at village Vile Parle (West), Taluka Andheri, Mumbai Suburban District. |
| Calculation by Audit | |
| Annual Statement of Rates | 2017-18 |
| Zone No. | 37/190 |
| Mouza/Village | Vile Parle (West), Taluka Andheri MSD |
| CTS No. | 434, 435, 435/1 |
| Rate of open land | ₹ 1,57,000 per sqm |
| Area of land | 1012.80 sqm |
| Market value of land 1012.80 sqm X ₹ 1,57,000 | ₹ 15,90,09,600 |
| Stamp Duty leviable @ 5 % on market value | ₹ 79,50,480 |
| Stamp Duty levied | ₹ 23,44,300 |
| Short levy of Stamp Duty | ₹ 56,06,180 |
| Calculation by Joint Sub Registrar, Andheri-I, MSD | |
| Amount of Consideration | Nil |
| Market Value of Property | ₹ 4,68,86,000 |
| Stamp duty levied | ₹ 23,44,300 |

Appendix 2.13.1*(Reference: Paragraph 2.13; Page: 84)***Short levy of Stamp Duty of ₹ 30.00 lakh due to clubbing of Mortgage Deeds.**

| Name of the Office | Collector of Stamps, Andheri, District Mumbai Suburban. | | | |
|--|--|---|---------------------------------|--|
| ADJ Case No. | ADJ/1100900/1108/2018 dated 11/10/2018. | | | |
| Details of transaction | For securing total amount of loan of ₹ 625,00,00,000 through Agreement dated 28 February 2018 amounting to ₹ 145,00,00,000, loan of agreement dated 22 December 2017 amounting to ₹ 200,00,00,000, loan agreement dated 26 June 2018 amounting to ₹ 160,00,00,000 and loan agreement dated 12 September 2018 amounting to ₹ 120,00,00,000. | | | |
| Calculation by Audit | | | | |
| | | | | Amount in ₹ |
| Loan Agreement date | Sanction date | Loan Amount and Interest Rate | Stamp Duty @ 0.5% leviable | Stamp Duty restricted as per article 40(b) |
| 28.02.2018 | 21.02.2018 | ₹ 145,00,00,000 (Interest rate 14.10%) | ₹ 72,50,000 | ₹ 10,00,000 |
| 22.12.2017 | 15.12.2017 | ₹ 200,00,00,000 (Interest rate 14.10%) | ₹ 100,00,000 | ₹ 10,00,000 |
| 26.06.2018 | 20.06.2018 | ₹ 160,00,00,000 (Interest rate 15.00%) | ₹ 80,00,000 | ₹ 10,00,000 |
| 12.09.2018 | 10.09.2018 | ₹ 120,00,00,000 (Interest rate 15.90%) | ₹ 60,00,000 | ₹ 10,00,000 |
| | | ₹ 625,00,00,000 | Total Stamp duty Payable | ₹ 40,00,000 |
| | Stamp duty levied | | | ₹ 10,00,000 |
| | Short levy of Stamp duty | | | ₹ 30,00,000 |
| Calculation by Collector of Stamps, Andheri, Mumbai Suburban District | | | | |
| Loan amount | ₹ 625,00,00,000 | | | |
| Stamp duty levied | ₹ 10,00,000 | | | |

Appendix 2.14.1

(Reference: Paragraph 2.14; Page: 84)

Short levy of Stamp Duty of ₹ 23.12 lakh due to undervaluation of property

| | | |
|--|---|-----------------|
| Name of the Office | Joint Sub Registrar, Mumbai City-I | |
| Document No. & Year | 13461/2015 | |
| Details of property | 30% interest of the First Releasors in All those pieces of parcels of leasehold land situated at the junction of Colaba Road, ward No. A 206, (1,1A) street No. 147 & 5 & 7A Colaba Road, Sassoon Dock and bearing Cadastral Survey No. 64 of Colaba Division admeasuring 2170.58 sqm. (as per Deed of Transfer dated 8 th July 2002) and 1781.79 sqm. (as per the survey register for the Town & Island of Bombay) also the strip of land bearing Cadastral Survey No. 1/64 in the "A" ward street No. 147 admeasuring 388.80 Sqm. The total constructed area of the structures constructed prior to the year 1931 on the said Entire Property is 2507.23 sqm. (built up area), out of which 423.60 sqm. (built up area) is used for Commercial purpose and 2080 sqm. (built up area) is used for Residential Purpose. | |
| Calculation by Audit | | |
| | Type | Release deed |
| | Adj No. | ADJ/M/1145/2015 |
| | RR Zone | 1/5 |
| | Date of Execution | 30.12.2015 |
| | Year of ASR | 2015 |
| | Rate of open land | ₹ 2,71,900 |
| | Residential rate | ₹ 6,02,500 |
| | Commercial rate at ground floor | ₹ 8,26,700 |
| X | Plot area | 2170.58 sqm. |
| Y | Permissible FSI (cessed property) | 3 |
| XY | Total allowable area for plot (2170.58 sqm x 3) | 6511.74 sqm. |
| B | Monthly rent of tenants ₹ 666+ ₹ 540+ ₹ 808= ₹ 2014 | ₹ 2014 |
| Z | Total area in the possession of tenant ((882 sqm +2046sqm +2348sqm) x 1.2) / 10.76 | 588.40 sqm. |
| H | Total Residential area in possession of Releaser and Releasee (Perpetual Lease holder) (2080.62 sqm – 588.40 sqm) | 1492.22 sqm |
| H | Total Commercial area in possession of Releaser and Releasee (Perpetual Lease holder) | 423.60 sqm |
| (XY-Z-H) | Balance FSI (6511.74 sqm-588.40 sqm -1492.22 sqm-423.60 sqm) | 4007.52 sqm. |
| Instruction No. 1 of the ASR for value of old property with tenants. Example 2 : If total area under tenants' occupation is less then total allowable area as per permitted F.S.I. i.e. If Z < XY then market value should be as under. = 112B + [(XY - Z - H) x (Land Rate as per Ready Reckoner)]+ (H x Depreciated Market Value rate as per age and use of property) Market value = 122 X ₹ 2014 + {(6511.74 – 588.40 – 1915.82) X ₹ 271900} + {423.60 X (₹ 826700 X 30%) } + {1492.22 X (₹ 602500 X 30%)} Market value = ₹ 245708 + (4007.52 X ₹ 271900) + (423.60 X ₹ 248010) + (1492.22 X ₹ 180750) Market value = ₹ 245708 + ₹ 1089644688 + ₹ 105057036 + ₹ 269718765 | | |
| | Market Value | ₹ 146,46,66,197 |
| | 30% of Total Market Value | ₹ 43,93,99,860 |
| | Consideration | ₹ 3,70,00,000 |

| Appendix 2.14.1 (contd...) | |
|--|--------------------|
| Stamp duty leviable @ 5% on market value | ₹ 2,19,69,993 |
| Stamp duty leviable rounded off | ₹ 2,19,70,000 |
| Stamp duty levied | ₹ 1,96,57,900 |
| Short levy of Stamp Duty | ₹ 23,12,100 |
| Calculation by Joint Sub Registrar, Mumbai City-I | |
| Amount of Consideration | ₹ 3,70,00,000 |
| Market Value of land | ₹ 39,31,57,000 |
| Stamp duty levied | ₹ 1,96,57,900 |

©
Comptroller and Auditor General of India
<https://cag.gov.in>



<https://cag.gov.in/ag/nagpur/en>